विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-2019

शान्तिनिकेतन

2019

॥ यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ॥

।। जहाँ विश्व एक नीड़ में निवास करता है।।

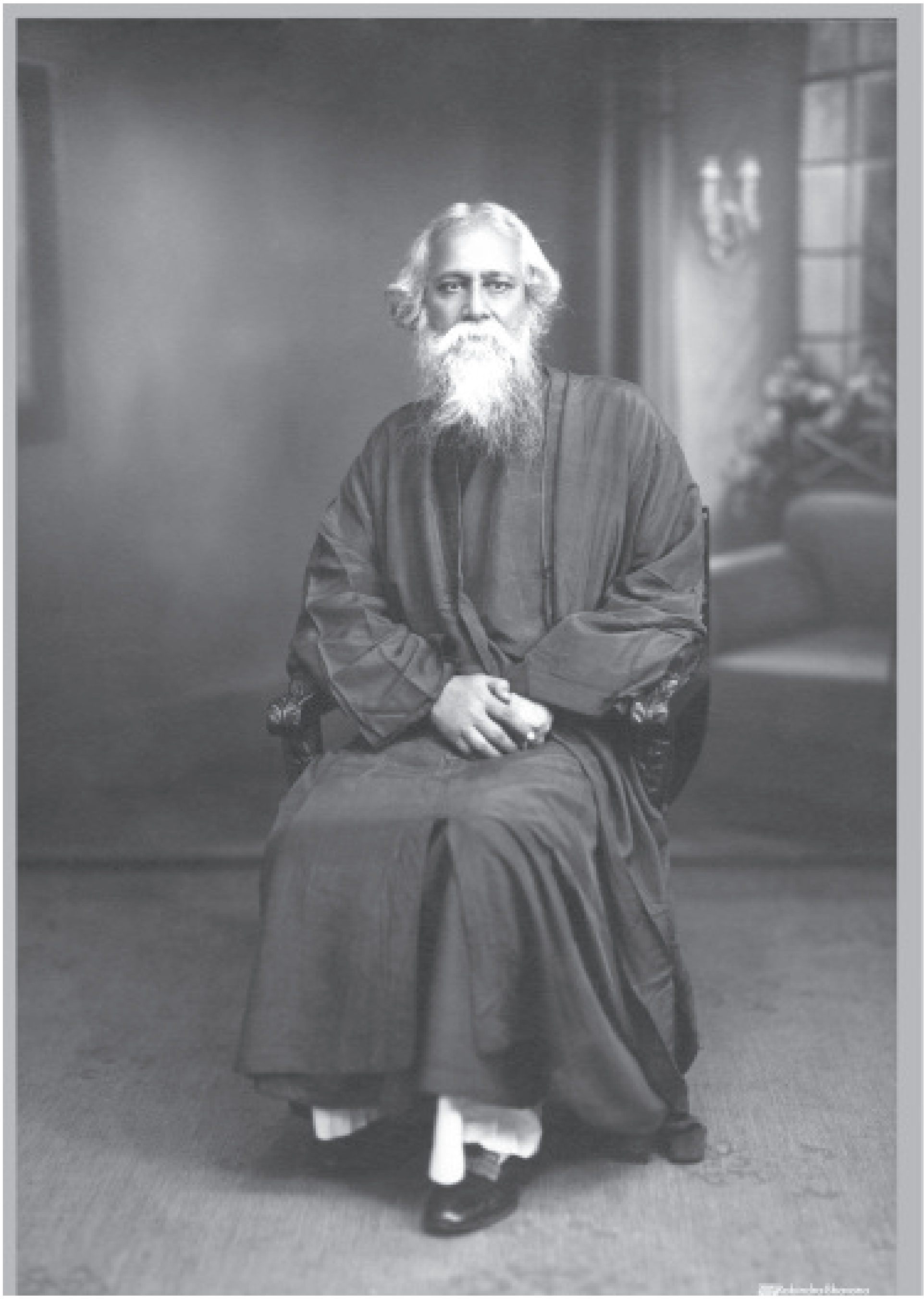

आचार्य
श्री नरेंद्र मोदी
ACHARYA (CHANCELLOR)
SHRI NARENDRA MODI

उपाचार्य
प्रो. विद्युत चक्रवर्ती
UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR) (Offig.)
PROF. BIDYUT CHAKRABARTY

विश्वभारती
VISVA-BHARATI

(Established by the Parliament of India under
Visva-Bharati Act XXIX of 1951
Vide Notification No. : 40-5/50 G.3 Dt. 14 May, 1951)

संस्थापक
रवीन्द्रनाथ ठाकुर

FOUNDED BY
RABINDRANATH TAGORE

शांतिनिकेतन – 731235
SANTINIKETAN - 731235
जि. वीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत
DIST. BIRBHUM, WEST BENGAL, INDIA
फोन Tel: +91-3463-262 451/261 531
फैक्स Fax: +91-3463-262 672
ई-मेल E-mail: vice-chancellor@visva-bharati.ac.in
Website: www.visva-bharati.ac.in

सं./No. VC/U-2

दिनांक / Date. 29-11-2019

प्रस्तावना

शांतिधाम (शांतिनिकेतन) और समृद्धस्थल (श्रीनिकेतन) के रूप में जाना जाने वाला विश्वभारती विश्वविद्यालयों की मंडली में खड़ा है। इसके संस्थापक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के लिए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की दुनिया में प्रवेश के लिए शिक्षा एक पासपोर्ट था। ब्रिटिश सरकार ने भारत में मूर्ख लिपिकों का झुंड तैयार करने के लिए शिक्षा की जो नीति लादी थी, गुरुदेव ने उसके विरोध में शिक्षा का एक ऐसा प्रारूप सामने रखा जिससे चरित्र-निर्माण हो और आगे राष्ट्र-निर्माण में योगदान मिल सके। शिक्षा की औपनिवेशिक प्रणाली के प्रति उनके आलोचनात्मक दृष्टिकोण ने समावेशी शिक्षा पद्धति के प्रति उनके विचारों को और स्पष्टता प्रदान की, जो वह दृढ़ता से महसूस करते थे जाति, वर्ग और नस्लीय पूर्वाग्रहों से उत्पन्न सामाजिक असमानता से निपटने का प्रभावशाली कारक है।

मैं विश्वभारती परिवार के साथ एक अहम हिस्से के रूप में जुड़ने के लिए खुद को गौरवान्वित महसूस करता हूँ, जो टैगोर के उपनिषद से उद्धृत वसुधैव कुटुम्बकम - पूरा विश्व एक परिवार है के अनुमोदन को और मजबूती प्रदान करता है। मुझे बहुत खुशी है कि यहां वैश्विक प्रतिष्ठा वाले कई विभाग हैं, जबकि कुछ अन्य को पहले वालों की तरह आगे बढ़ने के लिए थोड़ी प्रेरणा चाहिए। यह बताना मेरे लिए हार्दिक खुशी की बात है कि परिसर को शैक्षणिक भाईचारे की ऐसी उमंग ने जकड़ लिया है जो विभाग पर ध्यान दिए बिना कड़ी मेहनत से सर्वोत्तम को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। मैं अपने कर्तव्य में असफल साबित हो जाऊंगा अगर मैं अपने गैर शिक्षण सहयोगियों के योगदान को स्वीकार नहीं करता हूँ, जो अपने शैक्षिक सहयोगियों के लिए मददगार साबित होते हैं और हमारे लक्ष्यों को हासिल करने में सहायक होते हैं।

भारत की समृद्ध शैक्षणिक विरासत के संरक्षकों में से एक होने के नाते, विश्वभारती की एक महत्वपूर्ण भूमिका है जिसे तब तक गंभीर समझा जा सकता है जब तक कि विश्वभारती परिवार के सदस्य एक स्वर में बोलने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो जाते हैं। बीते वर्षों से हम परिसर में परिवार के अभिन्न अंग की भावना उत्पन्न करने के

लिए गतिविधियां चला रहे हैं। प्रमुख गतिविधियों में से एक बुधवार की प्रार्थना में सहभागिता का विशेष उल्लेख आवश्यक है। अपनी नियमित उपस्थिति के साथ मेरे सहयोगी, जो कि शैक्षणिक और कार्यालय के कामों में लगे हैं और विद्यार्थी बधाई के पात्र हैं जो उन परंपराओं को वापस ले आए हैं, जिन्हें रवींद्रनाथ टैगोर ने आश्रमवासियों केबीच अपनेपन की भावना विकसित करने के लिए शुरू किया था। बुधवार की प्रार्थना एक ऐसे मंच के रूप में सामने आई है, जो सभी प्रतिभागियों को अंतरंग चर्चा, बौद्धिक परिचर्चा और प्रेरक वक्तव्यों के माध्यम से एक-दूसरे को समझने का मौका देता है। इसी तरह मासिक सफाई अभियान (स्वछता अभियान) एक अन्य उपकरण है जिसके लिए पूरा विश्वभारती परिवार एकजुट होकर परिश्रम करता है इस उद्देश्य से कि यह हमारे मूल विचार से जुड़ा है। हमारे विश्वभारती परिवार ने पिछले साल जम्मू के पुलवामा में भारतीय सेना पर किए गए नृशंस हमले की निंदा में राष्ट्र केहाथ से हाथ मिलाया; इसी तरह हमने राष्ट्र के दुख को पुनः साझा किया जब उड़ीसा में लोग फनी नामक तूफान के कारण प्रभावित हुए थे। मैं उस परिवार का हिस्सा होने पर गौरवान्वित हूं जो अपने विशिष्ट दृष्टिकोण, गतिविधियों और योगदान के साथ पूरे राष्ट्र के साथ मजबूती से खड़ा रहता है।

जहां तक शिक्षा का सवाल है, पिछले सालों में हासिल की गई शैक्षिक उपलब्धियों को बनाए रखने और इन्हें सुदृढ़ करने पर जोर देने के साथ ही परिवार के पास दूरदृष्टि है। शैक्षणिक संवर्धन के लिए लगातार नियमित गतिविधियों के प्रति निष्ठावान होने के अलावा, हमारे सहयोगी राष्ट्रीय और वैश्विक एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके अलावा, शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विश्वभारती के अनुसंधान में योगदान करने के लिए हमने एक विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अन्य प्रतिभागियों के साथ बातचीत करने और अपनी बात रखने के लिए प्रसिद्ध विद्वानों को नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है। व्याख्यान श्रृंखला देश और विदेश में विद्वानों और उनके समकक्षों के बीच सेतु बनाने की दिशा में एक गंभीर प्रयास है।

वर्ष 2018-2019 कला एवं शिल्प और अन्य सहायक उप-विषयों के अध्ययन पर विशेष ध्यान देने के साथ एक स्वतंत्र शैक्षणिक केंद्र के रूप में कला भवन की स्थापना के शताब्दी जश्न का भी वर्ष है। इस अवसर पर हमने एक जुलूस भी आयोजित किया जिसमें छात्रों, शिक्षकों और कला भवन के प्रशंसकों ने हिस्सा लिया। यह वह वर्ष भी है जब कई प्लेसमेंट एजेंसियों ने हमारे छात्रों को कैंपस-साक्षात्कार और परिचर्चा के माध्यम से रोजगार की पेशकश की। हम अपने सहकर्मियों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने इसे संभव बनाया है। विश्वभारती के विश्व के परिवार होने के आदर्श को देखते हुए, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हमारे पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग हैं। पिछले वर्ष चीन जाने वाले हमारे छात्रों के अलावा, मैंने वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज के निमंत्रण पर 1929 में गुरुदेव की साईगॉन यात्रा के उत्सव में भाग लेने के लिए हनोई, वियतनाम की यात्रा की। यह एक सफल यात्रा थी जिसने विश्वभारती और वियतनाम के बीच आगे के आदान-प्रदान की नींव रखी।

एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय होने के बावजूद विश्वभारती ने अपनी कुछ जरूरत के लिए धन सृजन के तरीके अपनाएं हैं, जिनके लिए उपलब्ध स्रोतों से शायद धन नहीं आता। निधि जुटाने के लिए हमारे द्वारा कई कदम उठाए

गए। उदाहरण के लिए, निजी एजेंसियों से वित्तीय सहायता के साथ हमने एक एम्बुलेंस, अपने छात्रों को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुँचाने के लिए एक चालीस सीटर बस के साथ ही विभिन्न भवन में कक्षा-गृह के लिए कुर्सियां और मेजें भी खरीदीं। इन कई उपक्रमों के माध्यम से गुरुदेव ने विश्वविद्यालय की स्थापना के समय जो भाईचारा स्थापित किया था, उसे फिर से स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है और बाद में आने वाले वर्षों में इसे आगे बढ़ाया जाएगा, जो एक सार्वजनिक संस्था द्वारा शैक्षणिक गतिविधियों का समर्थन करने में सक्षम होगा।

बिद्युत चक्रवर्ती

प्रोफेसर बिद्युत चक्रवर्ती
कुलपति, विश्वभारती

अनुक्रम

अध्याय-1	i-ix
ब्रह्मचर्य आश्रम से विश्वभारती तक	i
वर्तमान संस्थागत संरचना	iii
समाजोपयोगी अनुसंधान एवं अन्य क्रिया-कलाप	iv
प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती द्वारा अफ्रिका एशियाई संस्थान, हैम्बरम विश्वविद्यालय में व्याख्यायन	vi
स्वच्छ भारत अभियान	viii
वित्त	viii
शैक्षणिक कर्मचारियों की संरचना	viii
गैरशैक्षणिक कर्मचारियों की संरचना	viii
विश्वविद्यालय एक नजर में	ix
छात्र संरचना	ix
प्रशासनिक कर्मचारी संरचना	ix
अध्याय-2	***(1-403)***
भाषा भवन	***(1-68)***
बांग्ला विभाग	3
अंग्रेजी विभाग	10
हिंदी विभाग	25
संस्कृत, पल्ली और प्राकृत विभाग	32
ओड़िया विभाग	38
अरबी, फारसी, उर्दू एवं इस्लामिक अध्ययन विभाग	43
भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग	45
संथाली विभाग	51
मराठी विभाग	53
तमिल विभाग	54
जापानी विभाग (निप्पॉन भवन)	55
चीनी भाषा और संस्कृति विभाग	58
आधुनिक यूरोपीय भाषा केंद्र	62
बौद्ध अध्ययन केंद्र	65
तुलनात्मक साहित्य केंद्र	66
विद्या भवन	**(69-110)**
अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग	70
भूगोल विभाग	83
इतिहास विभाग	88
मानव विज्ञान विभाग	94
प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पूरातत्त्व विभाग	95
दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग	98
महिला अध्ययन केंद्र	109
शिक्षा भवन	**(111-208)**
भौतिकी विभाग	113
रसायन विभाग	124
गणित विभाग	148
प्राणीशास्त्र विभाग	158
वनस्पति विभाग	167
सांख्यिकी विभाग	181
कंप्यूटर एवं तंत्र विज्ञान विभाग	186
पर्यावरण अध्ययन विभाग	192
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	200
एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	206
कला भवन	**(209-229)**
डिजाइन विभाग	211
मूर्तिकला विभाग	215
चित्रकारी विभाग	219
लेखाचित्र कला विभाग	222
कला इतिहास विभाग	225

सगीत भवन **(230-240)**

रवीन्द्र नृत्य और नाटक विभाग 233

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग 237

रवीन्द्र संगीत गबेशना केंद्र 240

विनय भवन **(241-258)**

शिक्षा विभाग 242

योग कला विभाग 254

शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग 255

पल्ली संगठन विभाग **(259-281)**

ग्रामीण विस्तार केंद्र 260

शिल्प सदन 267

सामाजिक कार्य विभाग 271

ग्रामीण शिक्षा विभाग(पीसीके) 280

पल्ली शिक्षा भवन **(282-346)**

कृषि विभाग 297

कृषि अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग 297

कृषि अभियंत्रिकी विभाग 302

कृषि विस्तार विभाग 307

पौधा संरक्षण विभाग 313

मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग 327

बागवानी और फसल प्रबंधन विभाग 334

कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र 344

पशु विज्ञान विभाग 346

माध्यमिक और उच्च माध्यमिक संस्थान ***(347-356)***

पाठ भवन 347

शिक्षा सत्र 352

अन्य शैक्षिक केंद्र ***(357-403)***

राजभाषा प्रकोष्ठ 357

रवींद्र भवन 359

केंद्रीय पुस्तकालय 367

ग्रंथन विभाग 389

लुप्तप्राय भाषा केंद्र 396

बांग्लादेश भवन 401

अध्याय 3

शैक्षणिक विवरण-पत्र/कार्यक्रम 401-406

अध्याय 4

छात्र संख्या, नए नामांकन एवं अन्य जानकारी 407-409

अध्याय 5

वर्ष 2018-2019 में पूंजीगत संपत्ति के तहत लिए गए परियोजनाएँ 410-411

अध्याय 6

विश्वविद्यालय वित्त 412

अध्याय 7

अध्यादेश और संशोधन 413-414

परिशिष्ट ए

भवनों /विभाग के अध्यक्ष (संस्थानों के अध्यक्ष) 415-416

परिशिष्ट बी : शैक्षणिक कर्मचारीवृन्द 417-451

परिशिष्ट सी : संसद के सदस्य (कोर्ट) की सूची (02.07.19) 452-459

परिशिष्ट डी : मौजूदा कर्म-समिति सदस्यों की सूची (02.07.19) 460-462

परिशिष्ट ई : प्रोफेसर, एसोशिएट प्रोफेसर एवसहायक प्रोफेसर की सूची 463-483

संपादक मंडल : 484

अध्याय-1

ब्रम्हचर्याश्रम से विश्वभारती : एक महागाथा

एक सामान्य विद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय विद्यापीठ बनने की

विश्व भारती, एशिया के प्रथम नोबल-पुरस्कार विजेता एवं कवि, रवीन्द्रनाथ ठाकुर के आदर्श शिक्षण संस्थान के सपने को साकार करती है। इस शिक्षण संस्थान का लक्ष्य है सर्वांगीण शिक्षा के द्वारा बच्चों के जीवन का चहुँमुखी विकास करना। इस शैक्षणिक मुहिम के शुरुआती चित्र बड़े सामान्य थे। उपनिषद् की उक्ति में इसके भाव बसे थे—'सा विद्या या विभुक्तए' अर्थात विद्या वही जो 'विभुक्ति' दिलाए। सन् 1863 में आचार्य देवेन्द्रनाथ ठाकुर, जो रवीन्द्रनाथ के पिता होने के साथ-साथ उन्नीसवीं सदी के बंगीय नवजागरण के अन्यतम पुरोधा थे, उन्होंने बीरभूम की बीस बीघा सूखी ज़मीन खरीद ली। इस जमीन को उपयोग में लाते हुए उन्होंने शांतिनिकेतन के आश्रम की स्थापना की। सन् 1888 में उन्होंने आश्रम को संचालित करने के लिए एक 'न्यास-विलेख' को पेश करते हुए उसे 'ध्यान-साधना' के उपयोग हेतु समर्पित किया। रवीन्द्रनाथ तत्कालीन पठन-पाठन की शैक्षणिय प्रविधि से बिल्कुल ऊबे हुए थे, जिसे वे यांत्रिक, बेजान तथा निराशा से परिपूर्ण मानते थे। 23 दिसंबर 1901 को उन्होंने शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्याश्रम की स्थापना की, जिसमें कुल पाँच छात्र थे। सन् 1924 के विश्व भारती बुलेटिन के जनवरी अंक में स्थापना के लक्ष्य की पुष्टि की गई :

> "यहाँ शिक्षा एक ऐसे सीमित संख्यक बच्चों को दी जाएगी, जहाँ जीवन का बहिष्कार नहीं किया गया है; जहाँ छात्र-छात्राएँ एक वृहत् परिवार के सदस्य हैं तथा संस्थान के साथ वे अपने को सम्पृक्त करते हुए उसके कामकाज में सहभागी बनते चले जाएंगे। एक ऐसे परिवेश में उनका पठन-पाठन होगा, जहाँ वे स्वाधानती, पारस्परिक विश्वास तथा खुशी से भरे वातावरण में जीएँ और विकसित हों।"

अंग्रेज़ राज जानबूझकर शिक्षित समाज में से कुछ बेजान, आज्ञावाहक किरानियों के जमात को तैयार करने में लगी हुई थी। ये ऐसे लोग होते थे, जो अंग्रेज़ तथा अंग्रेजीयत को ही शीर्बस्थ मानते और अपने देश को इन विदेशियों के हाथों में बँधे रहने देते। रवीन्द्रनाथ ने पठन-पाठन का एक ऐसा माहौल तैयार किया जहाँ कक्षाएँ मुक्त आंगन में लिए जाए, जहाँ मानव और प्रकृति एक सुन्दर सामंजस्य में बँध जाएँ। बीस साल बाद, पैट्रिक गेडेस को लिखे एक पत्र में गुरुदेव इस बात का खुलासा करते हैं-

> "मैंने बस इस सामान्य धारणा से शुरुआत की कि शिक्षा को जीवन-प्रवाह से कभी अलग नहीं करना चाहिए।"

सर्वांगीण शिक्षा की सोच जो मानव को 'सम्पूर्ण मनुष्य' बनाए, रवीन्द्रनाथ को उपनिषद् आदि शास्त्रों से प्राप्त हुई थी। वे प्राचीन भारतीय शास्त्र आत्मिक उन्नति तथा तुच्छ जैविक-प्रतिष्ठा से ऊपर उठने की बात करते थे। भले ही उनके उपादान सीमित थे, परन्तु उनका आदर्श व दृष्टिकोण अडिग था। सन् 1917 तक एक भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की छवि धीरे-धीरे उभर रही थी। यह केन्द्र विभिन्न सांस्कृतिक पर्यायों में समानुपातिक तथा तुलनात्मक पठन-पाठन की आधारभूमि बनी। 23 दिसंबर, 1918 को विश्वभारती की नींव रखी गई कवि-शिक्षाविद् रवीन्द्रनाथ के द्वारा। अपने संक्षिप्त भाषण में उन्होंने इस संस्थान के उद्देश्यों तथा लक्ष्यों पर प्रकाश डाला।

"किसी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता ज्ञान के प्रचार-प्रसार व वितरण में होनी चाहिए। लोगों को निकट लाना होगा और उन्हें सिर्फ बौद्धिक प्रसरण के लिए ही नहीं, बल्कि अहम निर्माण में भी सहयोगिता करनी होगी। शिक्षण में इस सांस्कृतिक वसंत का विकास स्वतःस्फूत एवं अवश्यंभावी होगा।"

विश्व भारती का पंजीयन 16 मई, 1922 को हुआ। समग्र विश्व से महान पण्डितों ने विश्वभारती को एक विश्व-स्तरीय शिक्षा-संस्थान बनाने में सहयोग दिया।

ब्रह्मचर्य विद्यालय सन् 1924 से विश्वभारती पूर्व विभाग के नाम से जाना गया तथा 1925 से यह विश्वभारती के 'पाठ-भवन' के नाम से जाना गया।

सन् 1921 में आधुनिक विद्या के पठन-पाठन का विभाग खोला गया जिसका पुनः विद्या-भवन नामकरण 1926 में किया गया।

सन् 1919 से संगीत व कला का विधिवत् प्रशिक्षण 'कला-भवन' में होने लगा था, जिसे 1933 में कला एवं संगीत भवन नामक दो अलग विभागों में बाँट दिया गया।

अपने जीवन के प्राथमिक वर्षों में पूर्वी बंगाल (वर्धमान बांग्लादेश) के शिलाईदह तथा शिहज़ादपुर में रहते समय, रवीन्द्रनाथ ने ग्रामीण जीवन की गरीबी, उसके दर्द को बहुत करीब से देखा था। इस अवस्था का अंत करने के लिए रवीन्द्रनाथ ने एक नयी प्रयास चालू करते हुए एक नई मुहिम की शुरुआत की, जिसके तहत गाँववालों को ऐसी प्रयोगिक-प्रशिक्षण दी जाए ताकि वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो सके। इसी उद्देश्य से 6 फरवरी, 1922 को विश्वभारती ग्रामीण-कृषि तथा ग्राम्य-पुनर्निमाण विभाग की शुरुआत की गई। ल्योनार्ड एल्महर्स्ट के प्रेरक नेतृत्व में 'सुरुल' नामक स्थान में इसकी नींव रखी गई। कुछ समय बाद, इस जगह को 'श्रीनिकेतन' के नाम से जाना गया। इस संस्थान का मुख्य लक्ष्य था ग्रामीण जीवन की परिपूर्णता तथा ग्रामीण समाज को अपनी सम्भावनाओं के प्रति जागरूक करना। सन् 1924 में 'शिक्षा-सत्र' नामक एक और विद्यालय की स्थापना की गई, जिसे 1927 में श्रीनिकेतन में अन्तर्मुक्त कर लिया गया।

14 अप्रैल, सन् 1937 में भारत-चीन सांस्कृतिक सम्पर्क को और मैत्रीपूर्ण, अधिक सुदृढ़ बनाने की मंशा से गुरुदेव ने चीनी भाषा, साहित्य और संस्कृति के व्यापक पठन-पाठन के लिए 'चीना भवन' की स्थापन की। इस महान प्रयास के पीछे चीनी अध्यापक प्रो. तान युन शान का अथक परिश्रम शामिल है जिन्होंने विश्वभारती के द्वारा चीन-भारत के सांस्कृतिक सम्बंध को एक नई पहचान दी। सन् 1994 में जापान-भारत सम्पर्क के अधिकाधिक विकास के चलते 'निप्पॉन भवन' की स्थापना हुई। इसका लक्ष्य जापानी भाषा, साहित्य व संस्कृति के बारे में सर्वोच्च अध्ययन, पठन-पाठन करवाना था। चार्ल्स फ्रीयर एंड्रुज़ तथा आचार्य क्षितिमोहन सेन ने 31 जनवरी 1939 को हिन्दी भवन की निंव रखी। इसे शुरु करने के पीछे पण्डित बनारसीदास चतुर्वेदी का अथक परिश्रम शामिल था।

मई, 1951 को विश्वभारती को 'केन्द्रीय विश्वविद्यालय' की मान्यता प्रदान की गई और इसे 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषित किया गया।

इस प्रकार जिस छोटी सी संस्था की स्थापना एक विद्यालय से हुई थी, एक लम्बी यात्रा के उपरांत, तमाम सारी

सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक बाधाएँ पार करते हुए बहुधाविकसित, असामान्य एक वैश्विक शिक्षण संस्थान में फलीभूत होकर पीढ़ियों को आश्रय और दिग्दर्शन देती रही है।

वर्त्तमान संस्थागत संरचना

1951 के संसदीय अधिनियम के अनुसार भारत के राष्ट्रपति विश्वभारती के परिदर्शक (विजिटर) तथा पश्चिम बांगाल के राज्यपाल कुलाधिसचिव (रेक्टर) के रूप में मान्य होंगे। भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के आचार्य (चांसलर) तथा उपाचार्य (वाइस चांसलर) की नियुक्ति करते हैं। संसद के पारित अधिनियम 1951 में कुछ संशोधन करने के शीघ्र बाद विश्वभारती के संविधान के अनुसार इससे सम्बन्धित अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के अधिकार एवं कर्तव्य का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय की इकाइयों में संसद (कोर्ट), कर्म समिति (कार्यकारणी परिषद) शिक्षा-समिति (शैक्षणिक परिषद), अर्थ समिति (वित्त परिषद) विभिन्न सांस्थानिक संकाय (संस्थान मंडल) एवं पाठ-समिति (पाठ्यक्रम समिति) हैं।

विश्वभारती में निम्नलिखित संस्थान है, जैसे कि

शान्तिनिकेतन में

भाषा भवन (भाषा, साहित्य और संस्कृति संकाय)
विद्याभवन (मानविकी संकाय)
शिक्षाभवन (विज्ञान संकाय)
कला भवन (ललित कला संकाय)
संगीत भवन (संगीत, नृत्य एवं नाट्य संकाय)
विनय भवन (शिक्षा शास्त्र संकाय)
रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन, संग्रहालय एवं अभिलेखागार संकाय)
पाठ भवन (प्राथमिक एवं माध्यमिक संकाय)

श्रीनिकेतन में

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्गठन संकाय) उद्घाटन

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संकाय)

शिक्षा सत्र (प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा संकाय)

कोलकाता में

ग्रन्थन विभाग (प्रकाशन विभाग)

इसके अतिरिक्त विश्वभारती कृषि आर्थिक शोध केन्द्र (कृषि मन्त्रालय द्वारा प्रायोजित विश्वभारती अन्तर्संबंधित शोध केन्द्र) का संचालन करती है तथा कम्प्यूटर केन्द्र जो शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ-साथ सेवा केन्द्र के रूप में शैक्षणिक एवं प्रशासकीय दोनों विभागों की सहायता करता है।

समाजोपयोगी अनुसंधान एवं अन्य क्रिया-कलाप

मानविकी, भौतिक एवं समाज विज्ञान में समाज-संबंधी शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए एवं कमज़ोर तबकों की आवश्यकता-आधारित समाजोपयोगी अनुसंधान कार्य के लिए कदम उठाए गये थे।

उपर्युक्त विचारों के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रमों की संक्षिप्त समीक्षा निम्नलिखित है।

शिक्षा भवन (विज्ञान संकाय) के अन्तर्गत अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र पौधे एवं वनस्पति, फसल-पोषण (न्यूट्रिषण), वनीकरण, मत्स्यपालन, परमाणुवीय शोध, कृषि उत्पादन से संबंधित पर्यावरण-प्रदूषण, मत्स्य एवं औद्योगिक प्रदूषण, पौधों का रोग विमुक्तिकरण एवं निश्चित महामारी की पहचान आदि है। वि.वि.अ. आयोग ने विशेष सहायता कार्यक्रम के अधीन जीव विज्ञान विभाग की पहचान दो प्रतिफ्रल क्षेत्रों मत्स्य जीव विज्ञान तथा पर्यावरणीय जैविकी दोनों आवश्यकताओं के साथ की गई है।

कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केन्द्र का शोध-कार्य संबंद्ध है : (क) बिहार के कृषि-विकास में गैर सरकारी एजेंसियों की भूमिका (ख) कृषि सामग्री के विपणन-संबंधी संसाधन तथा निवेश-आपूर्ति (ग) कृषि एवं ग्रामीण विकास की योजना का विकेन्द्रीकरण (घ) कृषि विकास में रियायतों का प्रभाव (ङ) न्यूनतम एवं लघु फार्म की आर्थिक व्यावहारिकता (च) कृषि विपणन निवेश की आपूर्ति तथा प्रगति पर विशेष बल (पश्चिम बंगाल)।

पल्ली संगठन विभाग ने शांतिनिकेतन एवं श्रीनिकेतन के आसपास के ग्रामों में स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता लाने हेतु विशेष रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के क्षेत्रों में कार्यकारी कार्यक्रम के अधीन सामूहिक साक्षरता, वयस्क शिक्षा, ब्रतीबलक, तथा युवा संगठन द्वारा लिए गये कार्यक्रमों यथा ग्रामीण पुस्तकालय सेवा, कारीगरी विस्तार, एवं प्रशिक्षण आदि के माध्यम से ग्रामीण जीवन में प्राण स्पन्दित करने का प्रयास किया है।

पल्ली चर्चा केन्द्र (ग्रामीण अध्ययन केन्द्र) ने आपरेशन वर्गा, कृषि उत्पादन एवं कृषि विपणन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में दरिद्रता उन्मूलन कार्यक्रमों पर आइ.सी.ए.आर. के अधीन, विशेष गहराई से अध्ययन किया तथा जनजातियों विशेष कर संथाल समुदाय की भाषाई विकृति एवं सांस्कृतिक विशृंखलता का अध्ययन किया।

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संकाय) ने निम्नलिखित कार्य किए (क) यू.एस.डी.ए. एवं आई.सी.ए.आर. के तहत बीड नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्यववादी अनुसंधान (कृषि विज्ञान संकाय) प्रकल्प (ख) चावल पर कीट नियन्त्रण हेतु नाइसिल शोध प्रकल्प (ग) तेलहन शोध-योजना (घ) विभिन्न फसलों पर सृष्ट नीम अर्क का प्रभाव (ङ) एन.आर.ओ.इ.आर. के अन्तर्गत ग्रामीण स्तर पर अप्रयुक्त पदार्थों के स्वरूप (स्वबल), कम्पोजिशन एवं उपयोग की पड़ताल करना। (च) फसलों की वृद्धि हेतु सिंचाई एवं नाइट्रोजन का प्रभाव, विश्वभारती के अन्तर्गत वृहत् पैमाने पर फार्म की पूँजी लागत की वृद्धि हेतु बड़े पैमाने पर जूट-गन्ना, सरसों की खेती की कृषि अर्थनीति। उपर्युक्त के अलावा पौध-संरक्षण विभाग द्वारा सामाजिक सम्बन्ध प्रकल्प लिया गया जिसमें अन्तर्भुक्त हैं। (अ) सम्पूर्ण पेस्ट मैनेजमेंट (प्रबंधन) (आ) फसल-संग्रह पश्चात् पैथोलॉजी (इ) नेमाटोड इकोलॉजी आदि राज्य सरकार के सहयोग से एक मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गयी जिसमें परीक्षण पद्धति को उन्नत किया जाए ताकि धान के उत्पादन हेतु पथरीली भूमि में फास्फोरस एवं पोटाश की उपलब्धि का परीक्षण किया जा सके।

समाजकार्य विभाग ने समाजोपयोगी क्षेत्र में अध्ययन का आयोजन किया जैसे (क) विद्यालय छोड़े हुए को पुनः वापस लाना (ख) स्वास्थ्य-केन्द्र की सेवा का उपयोग (ग) सहकारी बैंकों से कृषि एवं उद्योग में निवेश (घ) समाजोपेक्षित

परिवार (ङ) अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए स्वरोजगार तथा विकलांगों के लिए विशेष प्रकल्प। आसपास के गाँवों में अन्य सरकारी एजेन्सियों की सहायता से समुदायगत आधारित पुनःस्थापन कार्यक्रम को पुनः कार्यान्वित किया जाना।

मानविकी तथा समाज विज्ञान संकाय ने दर्शन, धर्म, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं भारतीय तथा विदेशी दोनों विभिन्न भाषाओं में शोध कार्य स्वीकार किये। बंगला, संस्कृत, पाली एवं प्राकृत, फारसी, उर्दू, हिन्दी, संथाली, ओड़िआ, तमिल, मराठी, तिब्बती, चीनी, जापानी, रुसी आदि का उल्लेख किया जा सकता है। चीनी भाषा एवं संस्कृति तथा भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग में बौद्ध साहित्य तथा धर्म का विशेष अध्ययन होता आ रहा है। ओड़िआ विभाग ने ओड़िआ लोक साहित्य का विशेष अध्ययन आरम्भ किया है। निप्पन भवन, जो कि जापानी अध्ययन एवं संस्कृति का केन्द्र है, जापान की वित्तीय सहायता से जापान और भारत के सांस्कृतिक कार्यक्रम को पुनःस्थापित कर रहा है।

उससे अलग इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय संहति केन्द्र ने माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को पठन-पाठन का विषय बनाए जाने की दिशा में पाठ्यचर्चा संबंधी विकास के लिए कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आयोजित करता है।

विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कम्प्यूटर विज्ञान के नियमित क्रियाकलापों के अतिरिक्त एक स्वतन्त्र कम्प्यूटर केन्द्र है जो विश्वभारती समुदाय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक दोनों समुदायों को नियमित प्रशिक्षित एवं अगली परम्परा की प्रगति के लिए कम्प्यूटर की सुविधाएँ प्रदान करता है। कम्प्यूटर की सुविधाएँ निम्न विभागों में भी उपलब्ध हैं, यथा अंग्रेजी, वनस्पति, कलाभवन, गणित, पल्ली शिक्षा भवन, भौतिक विज्ञान, रवीन्द्र भवन, जीव विज्ञान, तथा कृषि अनुसन्धान केन्द्र।

छात्रों के विस्तारित कार्यकलापों का उल्लेख भी आवश्यक है जो सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से उल्लेख योग्य है। एन.सी.सी., एन.एस.एस., शारीरिक शिक्षा एवं उत्सव तथा त्योहारों के साथ शैक्षणिक भ्रमण जो आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अन्तःसंबद्ध एवं विशेषकर अनुसूचित जाति/जनजाति से संबंधित है। इन विस्तार क्रिया-कलापों का वास्तविक रूप समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, निरक्षरता उन्मूलन, प्राथमिक स्वास्थ्य की सावधानी के साथ मादक द्रव्यों के सेवन के विरोध में प्रसार अभियान भी रहा है।

उपर्युक्त विस्तृत निदर्शन विश्वभारती द्वारा समाजोपयोगी अनुसंधानात्मक कार्यों को प्रोत्साहन देने के लिए उठाए कदम को प्रमाणित करते हैं जो इसके संस्थापक रवीन्द्रनाथ ठाकुर के उस स्वप्नादर्श को ध्यान में रख कर उठाए गये हैं जिसमें वे समाजोपयोगी शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा भारत के सामाजिक उत्थान को देखना चाहते थे।

कुलपति सचिवालय

प्रो. सबुजकली सेन

प्रो. सबजुकली सेन ने उप सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र सं. एफ.न. 2-1/2016 डेस्क (यू) दिनांक 02.02.18 द्वारा किए गए पत्राचार के अनुसार 03.02.2018 को विश्वभारती के कुलपति का पदभार संभाला था।

13.04.2018: संगीत विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, ढाका द्वारा सुर धारा द्वारा संयुक्त रूप से ढाका बांग्लादेश में आयोजित रवींद्रनाथ और पूर्वी बंगाल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रतित एवं व्याख्यान दिया।

02.10.2018 : महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांधी स्मारक संग्रहालय, बैरकपुर में आमंत्रित एवं व्याख्यान दिया ।

04.10.2018 : बांग्लादेश के नेतरकोना में म्यांमा गिंगा साइटिका पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित एवं उद्घाटन भाषण दिया।

07.11.2018 : रामकृष्ण मिशन, बेलूर, विद्यामंदिर के आमंत्रण पर दीक्षांत समारोह का संबोधन किया।

प्रोफेसर बिद्युत चक्रवर्ती

प्रो. चक्रवर्ती 09.11.2018 को विश्वभारती के कुलपति के रूप में पदभार संभाला।

1-15 दिसंबर 2018, जर्मनी यात्रा

प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती, कुलपति, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा अफ्रीका-एशियाई संस्थान, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, 2018 में व्याख्यान।

महात्मा गांधी : व्यक्ति, राजनीतिज्ञ, प्रतीक

महात्मा गांधी के नाम से लोकप्रिय, मोहनदास करमचंद गांधी (1869-1948) अहिंसा के सख्त समर्थक थे। यद्यपि उन्होंने राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए उपनिवेशवादियों के खिलाफ उपनिवेश स्थापित किया, उनका मुख्य उद्देश्य मानव मुक्ति से था, जिसमें शोषण, विस्थापन और पूर्वाग्रहों से मुक्ति शामिल थी। एक प्रासंगिक राजनीतिक-वैचारिक प्रारूप विकसित करके, उन्होंने यह भी प्रदर्शित किया कि हिंसा के बाद अहिंसा एक प्रभावी साधन कैसे हो सकता है। यह सच है कि गांधी ने अहिंसा पर आधारित एक राजनीतिक खाका विकसित किया, जिसे उन्होंने कई पश्चिमी और गैर-पश्चिमी स्रोतों से प्राप्त किया। उन सभी विचारकों जिन्होंने सत्याग्रह (गांधी के उत्तोलन में अहिंसक संघर्ष) को विकसित करने में गांधी को काफी प्रभावित किया, लियो टॉल्स्टॉय, जॉन डी रस्किन, हेनरी डेविड थोरो, एडवर्ड कारपेंटर, अन्य प्रमुख थे; उनके विचार न केवल गांधी के सामाजिक-राजनीतिक मुहावरों में गूंजते थे, वे राजनीतिक संघर्ष के एक वैकल्पिक मोड़ जिसमें हिंसा एक अभिषाप रूप था जिसकी अवधारणा के लिए महत्वपूर्ण थे।

गांधी अंग्रेजों के खिलाफ भारत के राष्ट्रवादी अभियान में अपने शानदार सहयोगियों पश्चिमी बौद्धिक जनवादियों के ऋणी थे। उनमें से प्रमुख थे कम्युनिस्ट, एमएन रॉय, मानवतावादी रवींद्रनाथ टैगोर और बीआर अंबेडकर, जिन्हें स्वतंत्र भारत के लिए एक उदार संविधान के गठन का श्रेय दिया जाता है।

गांधी ने एक कार्यकर्ता-सिद्धांतकार के रूप में अहिंसा के प्रति अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता का अनुवाद किया जब उन्होंने मुख्य रूप से ब्रिटिश उपनिवेशवाद से लड़ाई लड़ी क्योंकि प्रबुद्धता के दर्शन के मूल मूल्यों से भटक गया था जिसमें परोपकार, सहिष्णुता और करुणा की भावना थी। महात्मा ने गुजरात और बिहार में तीन क्षेत्रीय ब्रिटिश विरोधी अभियानों के अलावा, 1921-22, 1930-32 और 1942 में तीन प्रमुख अखिल भारतीय ऑनस्लेगटन अंग्रेजों को संगठित किया। खुला आंदोलन के संदर्भ में 1942 को छोड़कर, दोनों पिछले आंदोलनों में कड़ाई से अहिंसक थे और

1921-22 के असहयोग आंदोलन के मामले में उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों की हत्या में हिंसा होने पर इसे वापस ले लिया गया था।

भारत ने 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की और गांधी द्वारा प्रचारित अहिंसात्मक अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह एक उदाहरण था जिसने उत्पीड़न से लड़ने और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के लिए अहिंसा का सहारा लेने के लिए कई लोगों को प्रेरित किया। गांधी इस प्रकार एक वैश्विक प्रतीक बन गए, जो लगता है कि परिवर्तन के लिए एक विशिष्ट राजनीतिक-वैचारिक प्रारूप तैयार किया गया है। उदाहरण कई हैं, यह व्याख्यान श्रृंखला मार्टिन लूथर किंग जूनियर द्वारा अमेरिका में अहिंसक नागरिक अधिकारों के अभियान पर केंद्रित होगी, पेट्रा केली द्वारा जर्मनी में आंदोलन जो दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद शासन के खिलाफ अहिंसा और नेल्सन मंडेला की अहिंसक चुनौती पर आकर्षित हुआ।

इस प्रकार गांधी के बारे में विशिष्ट बात यह थी कि कई सामाजिक परंपराओं के संदेशों के रचनात्मक सम्मिश्रण के आधार पर एक वैचारिक प्रतिक्रिया विकसित करने की उनकी क्षमता थी। एक वैश्विक प्रतीक, महात्मा गांधी ने इस तरह एक विरासत को आगे बढ़ाया, जिसके लिए बुद्ध ने सांसारिक आराम छोड़ दिया, जैन धर्म के महावीर ने सब कुछ सांसारिक त्याग दिया और यीशु मसीह ने खुद को सूली पर चढ़ा दिया। इस प्रकार उनका प्रयास ट्रान्सेंडैंटल लोकाचार और मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रवृत्ति की निरंतरता थी।

प्रोफेसर चक्रवर्ती ने हैम्बर्ग विश्वविद्यालय में 6 और 13 दिसंबर, 2018 को निम्नलिखित विषयों पर दो व्याख्यान दिए:
क) महात्मा गांधी को एक कार्यकर्ता-सिद्धांतकार के रूप में फिर से समझना ।
ख) महात्मा गांधी कट्टरपंथी परिवर्तन के लिए पारम्परिक वैश्विक प्रेरणा के स्रोत के रूप में।

वियतनाम यात्रा, 28-30 मार्च, 2019

29 मार्च, 2019 को हनोई, वियतनाम की राजधानी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1929 में रवीन्द्रनाथ टैगोर की वियतनाम यात्रा में मुख्य भाषण देने के लिए कुलपति को आमंत्रित किया गया था। कनाडा से भारत वापस आने पर साइगॉन की उनकी यात्रा को अच्छी तरह से मनाया गया था, क्योंकि जिस दिन वह साइगॉन पहुंचे थे, उसे फ्रांसीसी औपनिवेशिक सरकार द्वारा अवकाश घोषित किया गया था। व्याख्यान के अलावा प्रोफेसर चक्रवर्ती को राष्ट्रीय पुस्तकालय में ले जाया गया, ताकि वे टैगोर के प्रति आकर्षण पैदा कर सके, एक गैर-वियतनामी लेखक-सह-कवि के लिए एक दुर्लभ स्थान है क्योंकि यह वह जगह है जहाँ केवल वियतनामी लेखकों और कवियों के प्रतिमाएँ रखने की अनुमति है। 29वीं दोपहर, एक कार्यक्रम राष्ट्रीय पुस्तकालय में था जहां कुलपति मुख्य अतिथि थे जिसकी अध्यक्षता वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज के अध्यक्ष ने की। अपने संबोधन में, प्रोफेसर चक्रवर्ती ने टैगोर की 1929 की यात्रा के महत्व को आज के संदर्भ में भी रेखांकित किया। यह एक अच्छी तरह से उपस्थित कार्यक्रम था जिसमें शिक्षा, साहित्य और फिल्मों के लोग शामिल हुए।

29 मार्च की शाम में, एक सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसे अकादमी द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें वियतनाम में भारतीय राजदूत श्री पी. हरीश ने भी भाग लिया था। समारोह के समापन के बाद भारतीय दूतावास द्वारा एक औपचारिक रात्रिभोज दिया गया था।

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा चलाया गया सबसे महत्वपूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम है। उपरोक्त कार्यक्रम की मंशा को पूरा करने के लिए हमारे सम्मानित कुलपति की अहम भूमिका है। महीने के दूसरे गुरुवार विश्वविद्यालय में स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वित्त

विश्वविद्यालय प्रायः पूरी तरह से दैनंदिन खर्च के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुदान पर निर्भर है। जिसका एक प्रधान अंश शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के वेतन के रूप में है। वर्ष 2018-2019 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 28,069.96 लाख रुपये रख-रखाव के लिए प्राप्त हुए। वर्ष 2017-2018 में 25,975.30 लाख रुपये वास्तव में खर्च हुए।

31.03.2019 को शिक्षण कर्मचारी के स्थिति का विस्तृत विवरण

पद का नाम	एम	एफ	टी
प्रोफेसर	104	26	130
एसोसिएट प्रोफेसर	77	13	90
असिस्टेंट प्रोफेसर	186	66	252
सहायक प्रवक्ता	588	50	108
स्कूलों के प्रचार्य	1	1	2

31.03.2019 को गैर-शिक्षण कर्मचारी के स्थिति का विस्तृत विवरण

पद का नाम	एम	एफ	टी
श्रेणी-ए	57	03	60
श्रेणी-बी	175	35	210
श्रेणी-सी	399	61	460

विश्वविद्यालय एक नज़र में

छात्रों की कुल संख्या : 11,464 (पुरुष-5481, महिला-5983)
शैक्षणिक कर्मचारियों की कुल संख्या : 582
प्रोफेसर-130
एसोसिएट प्रोफेसर-90
असिस्टेंट प्रोफेसर-252
सहायक प्रवक्ता-110

प्रशासनिक कर्मचारियों की कुल संख्या : 730
श्रेणी ए : 60
श्रेणी बी : 210
श्रेणी सी एम.टी.एस. के साथ : 460

अध्याय-2

भवन एवं विभाग (शैक्षणिक संस्थान) विद्यालय सहित

भाषा भवन

(भाषा, साहित्य और संस्कृति संस्थान)

भाषा-भवन, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का संस्थान है, इसमें दस प्रमुख भाषा विभाग, दो केंद्र और तीन इकाई समाहित है। यह फरवरी 2010 में विद्या-भवन से अलग होकर अपनी खुद की पहचान बनाई है। इसके कार्यालय एवं कुछ प्रमुख विभाग 2014 में पूर्वपल्ली के नए भवन में लाया गया, जबकि कुछ अन्य विभाग पहले के परिसर में ही है।

भाषा-भवन के घटक विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल और पीएच-डी के साथ भाषा एवं साहित्य में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। ओड़िया विभाग ने एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में एक कार्यकाल की पेशकश की थी, जिसे वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में पूरा किया गया। अंग्रेजी विभाग ने "रवीन्द्र नाथ टैगोर : पूर्व-पश्चिम का संघर्ष", यूजीसी एसएपी-डीआरएस (विभागीय अनुसंधान योजना) कार्यक्रम का दूसरा चरण जारी रखा है, एवं इसे तेजी से अगे बढ़ा रहा है। चीनी और जापानी विभाग ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सार्थक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा दिया है।

प्रत्येक घटक विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की संगोष्ठी/सम्मेलन और विशेष व्याख्यान आयोजित किए हैं। इसके अलावा भाषा-भवन ने स्वयं "भाषा, साहित्य एवं संस्कृति में अनुसंधान पद्धति : सिद्धांत और अनुप्रयोग" पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अतिथि विद्वानों से उन्नत शोधार्थियों ने विचारों का आदान प्रदान किया। कई विभागों में अतिथि प्रोफेसरों / अतिथि संकायों की उपस्थिति ने उन विभागों के अकादमिक स्वरूप को समृद्ध किया है, जबकि नियमित रूप से अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय विद्वानों ने शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्रों का विस्तार करने के लिए अपने समृद्ध विचारों से प्रोत्साहित किया है।

अपनी सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधि के रूप में भाषा-भवन ने अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस मनाया, जहां प्रत्येक विभाग के प्रतिभागियों ने संबंधित विभिन्न भाषाओं में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही भवन के तत्वावधान में, रवींद्रनाथ टैगोर के 'ताशर देश' को एक गद्य नाटक के रूप में प्रदर्शित किया गया, जिसमें न केवल भवन, बल्कि अन्य भवनों के छात्रों और संकायों ने इस आयोजन को बेहद सफल बनाने में सहयोग दिया।

भाषा-भवन की यह विशिष्टता है कि भारतीय और विदेशी भाषा/साहित्य/संस्कृति के संगम केंद्र के रूप में सेवारत है। भाषा-भवन पूर्व और पश्चिम के सर्वोत्तम सांस्कृतियों के अंतमिश्रण के रूप में कार्य करना संस्थान के आदर्श को दर्शाता है। "जहाँ दुनिया एक ही झुंड में मिलती है" जिससे संस्थापक रवींद्रनाथ टैगोर के आदर्शों को कायम रखा गया है।

बांग्ला विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट परीक्षा में उतीर्ण छात्रों की संख्या : 19

विभागीय संगोष्ठी/सम्मेलन/व्याख्यान

1. 28 सितंबर 2018 को अंग्रेजी विभाग, भाषा-भवन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय व्याख्यान और सांगीतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें डॉ. रंजनि रामा चंद्रन ने "हिंदुस्तानी संगीतः बारीकियाँ, यात्रा और बहुलता" एवं डॉ. राजश्री भट्टाचार्या ने 'नातिर पुजा' पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान के बाद डॉ. भट्टाचार्य द्वारा रवीन्द्र संगीत का पाठ किया गया।
2. 27 नवंबर 2018 को विश्व-भारती के प्रो. गौतम सेनगुप्ता ने राजेंद्रलाल मित्रा पर रथीन्द्रनाथ टैगोर स्मारक व्याख्यान दिया।
3. 15 फरवरी 2019 को "रवीन्द्रनाथ टैगोर के वैश्विक अभिनंदन" पर इमरे बनगहा, एसोशिएट प्रोफेसर, संकाय, ओरिएंटल स्टडीज़ ऑक्सफोर्ड ने व्याख्यान दिया।
4. "फ्रांस में बांग्ला भाषा के अध्ययन का संक्षिप्त इतिहास" पर जेरेमी कॉउडरोन, व्याख्याता, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ईस्टर्न लैंग्वेज एंड कल्चर्स, इनालको, पेरिस, व्याख्यान दिया।
5. 25.8.2018-27.08.2018 तक साहित्य अकादमी द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी।

सम्मेलन/ संगोष्ठी/कार्यशाला/ विशेषज्ञ व्यक्ति

मृणाल कांति मंडल

1. 06 अप्रैल 2018 को बांग्ला गबेषणा संसद, बांग्ला विभाग, राजशाही विश्वाविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा "बांग्लादेशेर नारिर कालोमे मुक्तिजुद्धेर गल्पो : हृदय क्षरितो तप्तो रक्तोधारा" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बांग्लादेशेर मुक्तिजुद्धा : शिल्पो, साहित्य ओ संस्कृतिर अर्जन' विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 04.01.2019 को बांग्ला विभाग, वर्धमान विश्वविद्यालय, वर्धमान द्वारा आयोजित 19वां बंगाली पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में दो व्याख्यान दिए।

अमल पाल

1. 28.05.2018 को ऐशियाटिक सोसायटी कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर के द्वि-शताब्दी जन्मशती वर्ष पर श्रद्धांजलि में "महर्षिर शिक्षा भावना" विषय पर व्याख्यान दिया।

अपर्णा रॉय

1. 07.01.2019 को मालदा कॉलेज एवं प्रबाहमान बांग्लाचर्चा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "शतवर्षे नारायण गंगोपाधायाय" विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित।
2. 25.08.2018 को यूजीसी-एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "भक्ति आंदोलन एवं समाज : एक अंतराफलक" विषय पर व्याख्यायन देने के लिए आमंत्रित।
3. 11.11.2018 दासिशी पत्रिका एवं आशुतोष मुखर्जी स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "शितलामंगल काव्य : निर्माण व बिनिर्माण" विषय पर व्याख्यायन के लिए आमंत्रित।
4. 26.03.2019 को सीएफईएल, विश्व भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी नई दिशा में पांडुलिपि : भाषा एवं संस्कृति में "चयनित बंगाली पांडुलिपियों द्वारा महिला कथात्मक की खोज" विषय पर व्याख्यायन के लिए आमंत्रित।

अभ्र बोस

1. 29.03.2019 को रबीन्द्र अनुशीलन केंद्र पर बेहला कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "रबीन्द्रनाथेर गानेर कबिता" विषय पर व्याख्यायन देने के लिए आमंत्रित।
2. 30.03.2019 को अंग्रेजी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय यूजीसी डीआरएस एसएपी-II सम्मेलन में "टैगोर के गीतों में यात्री" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मानवेंद्रनाथ साहा

1. 16.8.18 - बांग्ला विभाग, कृष्णनाथ कॉलेज, बरहमपुर की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'रवींद्रनाथ के अंतर्गत फिल्म और रवींद्रनाथ' विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 23.8.18 - इप्टा, मुर्शिदाबाद, बरहमपुर की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'सांप्रदायिक भारत - समाज और संस्कृति' के तहत 'समर सेन - मधयबित्ता बंगाली बुद्धिजीवीर विकृति' विषय पर व्याख्यायन दिया।
3. 21.11.18- डिपार्टमेंटोगवी एराबिक, पर्सियन, उर्दू एंड इस्लामिक स्टडीज, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार 'कंट्रीब्यूशन ऑफ नॉन-मुस्लिम पोएट्स एंड राइटर्स टू द डेवलपमेंट ऑफ उर्दू, पर्सियन एंड एराबिक स्टडीज' में अध्यक्षता की।

अतनु साश्मल

1. 16.8.2018- बांग्ला विभाग, नार्थ बंगाल विश्वविद्यालय, एनबीसी कैंपस की ओर से यूजीसी -रिफ्रेशर

कोर्स केतहत हजार बाचोरेर बांग्ला कविता - विषय ओ शोइलिर बोइचित्रा एनवेशन विषय पर आयोजित सेमिनार में व्याख्यान दिये।

2. 17.12.2018- वीरभूम, जिला बोई मेला, बोलपुर की ओर से आयोजित 37वाँ बीरभूम जिला बोईमेला में बांग्लारेओइतिया ओ संप्रीति विषय पर व्याख्यान दिया।

3. 17.01.2019- बर्द्धवान विश्वविद्यालय की ओर से बांग्ला में 19वाँ रिफ्रेशर कोर्स के तहत आधुनिक बांग्ला उपन्यास ओ नगर विषय पर व्याख्यान दिया।

मानवेंद्र मुखोपाध्याय

1. 13.05.2018 - इतिहास विभाग, असम विश्वविद्यालय और द्विजेंद्र-डोली मेमोरियल के संयुक्त तत्वावधान में ट्वेंटिथ सेंचुरी - हिस्ट्री सोसाएटी एंड कल्चर विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में सताबर्षा बांग्ला-विद्या - इतिहास ओ बर्तमान पर व्याख्यायन दिया।

2. 28.05.2018- एसिएटिक सोसाएटी, कोलकाता की ओर से ए ट्रीब्यूट टू महर्षि देबेंद्रनाथ टैगोर ऑन हिज बाई-सेनटेनियल बर्थ एनिवर्सरी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान दिया।

3. 26.11.2018- हिन्दी विभाग, विश्व भारती की ओर से रवींद्रनाथ की रचनाधर्मिता और उनका जीवन-दर्शन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में टैगोर कॉनसेप्ट ऑफ तपोवना पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

4. 17.02.2019- नेशनल काउंसिल ऑफ इडुकेशन, यादवपुर की ओर से कार्तिक चंद्र बासु इंडोवमेंट व्याख्यान के तहत रि-सर्चिंग द हिस्टोरिसिटी ऑफ एन एकडमिक डिसीप्लीन - बांग्ला विषय पर व्याख्यान दिया।

5. 28.03.2019- वेदान्ता एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी और वूमेंस कॉलेज, कोलकाता के संयुक्त सहयोग से आयोजित रवींद्रनाथ, स्वामी विवेकानंद एंड द एशियन कॉनससनेस विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में इमरजेंस ऑफ टैगोर-सेंट्रिक ओरिएंटेलिज्म इन द पेजेज ऑफ बायोग्राफिज ऑन टैगोर इन ओरिएंट एंड ओक्सिडेंट विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। इसके अलावा कार्यक्रम की अध्यक्षता भी की।

विश्वजीत राय

1. 18.01.2019- अंग्रेजी विभाग और एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विंटर स्कूल में डिफिनिंग मॉडर्निटी - इसूज इन कॉन्टेमपोरारी लैंग्वेज एंड लिटरेचर सेमिनार में मोडार्निटी एंड क्लॉक-टाइम विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

2. 1.2.2019- डिपार्टमेंट ऑफ कॉमपेरेटिव इंडियन लैंग्वेज एंड लिटरेचर, कलकत्ता विश्वविद्यालय की

ओर से सेलिब्रेटिंग बर्थ सेन्टीनेरी, कैफी आजमी, सुभाष मुखोपाध्याय एंड अमृता प्रीतम विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सुभाष मुखोपाध्याय - इन सर्च ऑफ ए लैंग्वेज ऑफ मैनी बांग्लालिज विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

3. 6.3.2019- द डिपार्टमेंट ऑफ कॉमपेरेटिव इंडियन लैंग्वेज एंड लिटरेचर, कलकत्ता विश्वविद्यालय की ओर से सेंटेनरी कॉमेमोरेशन सेमिनार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ए ब्रिफ नोट ऑन हिस्ट्री एंड पॉलिटिक्स ऑफ फ्रेमिंग सिलेबस फॉर बंगाली विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
4. 7.3.2019- डोमकाल गर्ल्स कॉलेज और सेंटर फॉर कॉमपेरेटिव लिटरेचर, विश्व भारती के संयुक्त तत्वावधान में विषय रिविजिटिंग नाइटिंथ सेंचुरी बंगाल थ्रू द प्राइमरी टेक्सट्स पर अनुवाद कार्यशाला के तहत रिविजिटिंग नाइटिंथ सेंचुरी बंगाल विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
5. 25.03.2019- विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता की ओर से आयोजित कार्यक्रम पियरी चांद मित्रा एंड हिज टाइम्स कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

अपर्णा रॉय

पुस्तक

1. प्रबाहमान बांग्ला चर्चा (भाग-3), आइएबीएन - 978-81-93795-41-5 का संपादन

एंथोलोगिज (संकलन)/ जर्नल में लेख/अध्याय

1. शीतला, शीतलार गान ओ आख्यान, शीतलामंगल समग्र, देशदिशी, आइएसएसएन - 2320-3153

अभ्रा बोस

1. बीरांगानाकाब्य - सुधुपोरबरनडे, बांग्ला बिभाग्नी. पत्रिका, बांग्ला विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, खंड-11, अक्टूबर-2018
2. बांग्ला व्याकरण- दास साहेबेर केरामती नामक आलेख स्मारनिका, 150वाँ वर्ष समारोह, पियरी चरण गर्ल्स हाई स्कूल, दिसंबर 2018 में प्रकाशित

सुमिता भट्टाचार्य

एंथोलोगिज (संकलन)/ जर्नल में लेख/अध्याय

स्वणकुमारीदेवीर साहित्यि कृति, सप्तपर्ना, अगरतल्ला, जून 2018

माणबेंद्रनथ साहा

एंथोलोगिज (संकलन)/ जर्नल में लेख/अध्याय

1. बांग्लाछबिर चित्रानाट्य, मासिक कृतिबास, अगस्त 2018
2. अविनेत्री बसबी नंद, मासिक कृतिबास, सितंबर 2018
3. जीबन ओ मृत्युयेर आलो छायामेखेला, मासिक कबितापत्र, अक्टूबर 2018
4. गोरकेयेरमदर - उपोसीआस्थआथेके चालोचित्रे, दिसंबर 2018
5. कोबि ओ चालोचित्रोकरबेननार्डो बेर्टोलूसी, मासिककृतिबस, जनवरी 2019
6. किवाबेतैयारीहोएचे मृणाल सेनेर छोबिर चित्रोनाट्यो, मासिक कृतिबास, फरवरी 2019
7. सत्तार दशक- मृणाल सेनेरचालोचित्र, पदातिक (पुस्तक), संपादक- चंदी मुखोपाध्याय, खारी, प्रथम खंड, जनवरी 2019, आइएसबीएन 978-81-939838-6-7

अतानु साश्मल

पुस्तकें

1. सुधा श्यामलीन तुमि, सप्तर्शी प्रकाशन, आइएसबीएन 9789387158382, जनवरी 2019 संकलित और संपादित पुस्तक
2. मालतीपुथईर एक चालीश पृष्ठा ओ अनन्या, पशुपति साश्मल, संपादित अतानु साश्मल, सप्तर्शी प्रकाशन, आइएसबीएन - 9789387158931, 2019

लेखें

1. जयिता दत्ता, प्रोग्रेसिव प्रकाशक, कोलकाता से प्रकाशित बांग्ला छोटोगल्पो - कालेरबृत्ते पुस्तक में रवींद्र चोटोगल्पोसुभ ओ शस्ति लेख प्रकाशित, आइएसबीएन 978-81-8064-302-6, 2019
2. साहित्य-परिशत-पत्रिका, भाग-125, संख्या-1-2, 1425, जुलाई 2018, आइएसएसएन- 2395-1532, पृष्ठ-43-49 में सेशेर कबिता उपन्यासेर रवींद्र-कृत्तो पांडुलिपि ओ तार परिचय लेख प्रकाशित

रीता मोदक

एंथोलोगिज (संकलन)/ जर्नल में लेख/अध्याय

भालोबासारभिन्नोभूबन - बानी बसूर उपन्यास, संसाप्तक, खंड-4, अंक-1, आइएसएसएन- 2454-4884

माणवेन्द्र मुखोपाध्याय

पुस्तक

1. सह-संपादक, मुनियाकथा, शांतिनिकेतन, बई वाला बुक कैफ, अक्टूबर 2018, आइएसबीएन- 978-81-938136-6-9

लेख

1. मेला आर आमदेर सोनाली दुखोगुलो, पौषमेला, स्मृतिर सफर, संपादक- अबीर मुखोपाध्याय, शांतिनिकेतनबाई वाला बुक कैफ, अक्टूबर 2018, आइएसबीएन- 978-81-938136-0-7, पृष्ठ- 97-102
2. साहित्य-सिनेमार द्वांदासमस ओ बांग्ला पाठक-दर्शक, मासिक कृतिबास, अगस्त 2018, पृष्ठ- 16-18
3. तोमारेइस्लोपिलाम, शिलादित्य, अगस्त 2018, पृ. 13-18
4. रवींद्रनाथेर ईश्वर-भावना, तत्थायानेर समस्या ओ संभाबोना, गंगचिल, शरद सामख्या 2018, पृष्ठ- 107-117
5. गांधीजीर रानौतिक दर्शन - ओतिथ्य ओ उत्तरधीकारेर प्रोश्नो, कोरोक, शरद सामख्या 2018, पृष्ठ- 31-36
6. एक्ती अनन्या चित्रानाट्य ओ, मासिक कृतिबास, शरद सामख्या 2018, पृष्ठ- 428-431
7. कला-भावना ओ तार जानारुची निर्मानेर प्रोश्नो, मासिक कृति बस, जनवरी 2019, पृष्ठ- 44-47
8. भाषाचार्य सुनितुकुमारेर, जीबोन-कथा, असमपूर्णा चेनार बेदाना, अबाकाश, खंड- 70, 2019, आइएसएसएन- 2320-5385, पृष्ठ 9-16

बिश्वजीत राय

पुस्तकें

1. सचलतारगान, कोलकाता, सूत्राधार, 2018, आइएसबीएन-978-81-32-9-5
2. सब प्रबन्धनराजनैतिक, बोलपुर, बिरुटीजात्यो, 2018, आइएसबीएन- 978-81-939765-0-0
3. पोड़ोजामीर कविता, कोलकात, रितो प्रकाशनी, जनवरी 2019, आइएसबीएन 978-93-88445-04-7

जर्नल में लेख

1. पंचानन मानदालेर डायरी- सेकालेर शांतिनिकेतन, सनधीस्ता, 24 नवंबर 2018, (खंड-2), आइएसएसएन- 2395-2903, पृष्ठ- 83-86
2. प्रमाथा चौधुरी भाषा दर्शन, अकादमी पत्रिका, 21 फरवरी 2019, (खंड- 41), पृ.- 14-23

मिलन कांति विश्वास

1. दक्षिण छब्बीस परगना जेलेर पौद्रा, -क्षत्रियोजातिर भाषा, अभियात्रीफेरी, (विशेष अंक संख्या- 30), मई 2018, आइएसएसएन 2231-2862

2. बीरभूम जेलर लोकोखाद्यो, मकबुलनामा, संपादक- काजी अबु जुम्मान, कोलकाता, बंगीय साहित्य संसद, मई 2018, आइएसबीएन- 978-93-85131-93-6

3. बिजयगुप्तारपद्मपुरनकाव्येलौकिक अनुसंगा, अभियात्री फेरी, (विशेष अंक संख्या-31), अगस्त-अक्टूबर 2018, आइएसएसएन- 2231-2862

4. बीरभूम जेलर लोकविश्वास ओ लोकसंगास्कर, बीरभूम, संपादक- बरुण कुमार चक्रवर्ती, लोक संस्कृति ओ आदिवासी केंद्र, तथ्य ओ संगस्कृति विभाग, पश्चिमबंग सरकार, दिसंबर 2018, आइएसबीएन - 978-81-89956-59-2

5. नरसुंदर बा नापित संप्रदाय, स्वदेश चर्चालोक (खंड- 17, अंक- 23), फरवरी 2019

अंग्रेजी विभाग

यूजीसी-नेट/सेट में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची :

1. मोहर मुखर्जी (नेट)
2. राज मुखोपाध्याय (नेट/सेट)
3. अंकुश मजुमदार (नेट)
4. तारिफ सरदार (नेट)
5. सैकत दास (नेट)
6. प्रियंका साहा (नेट)
7. दिव्यानी शर्मा (नेट)
8. अशीम चित्रकार (नेट)
9. अरुषर्क बनर्जी (नेट)
10. सुदीप्त कुमार पॉल (नेट)
11. अंतरा साहा (नेट)
12. शुक्ला सारेन (नेट)
13. गौर चंद्र घोष (नेट)
14. सुप्रभात चटर्जी (नेट)
15. अरिजीत साहा (नेट)
16. आहना भट्टाचार्य (नेट)

विभागीय संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/विशेष व्याख्यान

1. 16 जुलाई 2018. कार्ल मार्क्स बर्थ बाईसेंटेनरी लेक्चर्स. वक्ता : प्रोफेसर गौतम भद्र (सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कोलकाता) तथा प्रोफेसर रनबीर समाद्दार (कलकत्ता रीसर्च ग्रुप, कोलकाता)
2. 28 सितम्बर 2018. दो विशेष व्याख्यान (बांग्ला विभाग के साथ संयुक्त रूप से) वक्ता : डॉ. रंजनी रामचंद्रन, संगीत भवन, विश्व भारती (व्याख्यान का विषय : हिंदुस्तानी म्युजिकः नुआंसेज, ट्रैवेल्स एंड

मल्टीप्लिसिटी) तथा डॉ. राजश्री भट्टाचार्य, रवींद्र संगीत एक्स्पोनेंट (व्याख्यान का विषय : समयेर स्पंदनः सुर ओ छंद)

3. 18 नवंबर 2018. नोटेबल एनकाउंटर्स : हिंदुस्तानी क्लासिकल म्युजिक एंड ब्रिटिश कोलोनियल रेस्पॉन्सेज विषय पर संगीत वैज्ञानिक रंतीदेब मित्र का विशेष व्याख्यान
4. 23 मार्च 2019. राइटिंग फॉर कॉलेज एंड बियांड विषय पर डॉ. लिज़्ल श्वाब (फुलब्राइट स्कॉलर और फैकल्टी, येशीवा विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क) का विशेष व्याख्यान
5. 02 मार्च 2019. साहित्य अकादमी (पूर्वी क्षेत्र) के सहयोग से एक दिवसीय नॉर्थ-ईस्ट राइटर्स मीट का आयोजन। संयोजक : दिपंकर रॉय तथा सुदेव प्रतिम बासु
6. 25 मार्च 2019. लैंग्वेज इन लिटरेचर एंड कल्चर विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन. संयोजक : शाओना बारीक तथा स्तुति मामेन.
7. 29-30 मार्च 2019. रवींद्रनाथ टैगोर एंड ट्रैवेल विषय पर डीआरएस एसएपी-2 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन. संयोजक : सोमदत्ता मंडल तथा सौरभ दासठाकुर

विभागीय प्रकाशन

1. रवीन्द्रनाथ टैगोरः सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कॉस्मोपोलिटैनिज्म. यूजीसी डीआरएस एसएपी फेज-2 अंग्रेजी विभाग प्रकाशन, विश्व भारती संपादन : देबारति बंद्योपाध्याय. बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019. आईएसबीएन : 978-81-939765-3-1.
2. एसेज ऑन टैगोर एंड ट्रांसलेसन. यूजीसी डीआरएस एसएपी फेज-2 दन : देबारति बंद्योपाध्याय. बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019. आईएसबीएन : 978-81-939765-4-8
3. एपरसेप्शन (अंग्रेजी विभाग, विश्व भारती की पत्रिका) अंक-10 संपादन : सोमदत्ता मंडल (जुलाई 2017-जून 2018).

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशाला/विशेषज्ञ

अभिजीत सेन

1. 9-10 जून 2018. पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में टैगोर पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की। 9 जून 2018 को रवीन्द्रनाथ टैगोर, नेशन, थियेटरः रीडिंग रक्तकरबी विषय पर एक शोधपत्र पढ़ा। 10 जून, 2018 कोद इवोल्युशन ऑफ रवीन्द्रनाथ टैगोर्स प्लेज : फ्रॉम वाल्मिकी प्रतिभा टू चंडालिका विषय पर व्याख्यान-डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया। सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
2. 13 जनवरी 2019. पश्चिम बंगाल बांग्ला अकादमी द्वारा आयोजित जितेंद्रनाथ चक्रवर्ती मेमोरियल लेक्चर में विलियम शेक्सपियर : मनोरंजनेर व्यापारी थे के प्रतिष्ठानेर शिखरे विलियम शेक्सपियर :

फ्रॉम पॉपुलर ड्रामाटिस्ट टू द एपेक्स ऑफ एस्टाब्लिशमेंट विषय पर (बांग्ला में) व्याख्यान दिया।

3. 23 फरवरी 2019. किशोर भारती भगिनी निवेदिता कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित संगोष्ठी में रवीन्द्रनाथेर भाबनाये नेशन ओ थियेटर विषय पर (बांग्ला में) बात रखी।

4. 6-7 मार्च 2019. कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में थियेटर इन क्लासरूम, कैम्पस एंड बियॉन्ड विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

अमृत सेन

1. 02 मई 2018. आइन शम्स विश्वविद्यालय, कायरो, इजिप्ट में रवीन्द्रनाथ टैगोर एंड ट्रैवेल विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
2. 3 मई 2018. सुप्रीम काउंसिल, कायरो, इजिप्ट में टैगोर एंड इजिप्शियन एक्पीरिएंस विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
3. 5 मई 2018. कायरो, इजिप्ट स्थित भारतीय दूतावास के अहमद शौक़ी संग्रहालय में अ क्रिएटर ऑफ फॉर्म्स ; द पेंटिंग्स ऑफ टैगोर विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
4. 15 मई 2018. टैगोर-बोस : एन एंड्योरिंग फ्रेंडशिप विषय परजे, सी. बोस साइंस हेरिटेज म्युजियम द्वारा आयोजित संगोष्ठी में स्मारक व्याख्यान दिया।
5. 26 जुन-16 जुलाई 2018. भाषा और भाषा विज्ञान पर एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समर स्कूल में विशेषज्ञ के तौर पर शिरकत की तथा दो व्याख्यान दिये।
6. 31 अगस्त 2018. एनआरसी, नेशनलिज्मएंड कम्युनलिज्म : अ सोशियो-साइकोलॉजिकल एनालिसिस विषय पर सेंटर फ़ॉर डिसेबिलिटीस्टडीज तथा डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
7. 28-29 सितम्बर 2018. चीन भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में फ्युचर पर्स्पेक्टिव ऑफ इंडिया चाइना सिविलाइजेशनल इंटरैक्शन विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
8. 1-2 नवंबर 2018. साहित्य अकादमी तथा आईसीएसएसआर के सहयोग से आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के मानविकी तथा समाज विज्ञान संकाय द्वारा नेगोशिएटिंग इशूज ऑफ ओरैलिटी, फोक एंड हिस्ट्री इन 21स्ट सेंचुरी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के तौर पर हिस्सा लिया।
9. 14-15 नवम्बर 2018. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा हिस्ट्री, मिथ एंड ओरैलिटी : कल्चरल एंड लिटेररी ट्रेडीशंस इन इंडिया विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रीइमैजिनिंग हिस्ट्री थ्रू मिथ एंड ओरैलिटी : टैगोर्स पर्स्पेक्टिव शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

10. 24 नवम्बर 2018. प्रेसिडेंसी अल्युमनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

11. 18 जनवरी 2019. डिसेबिलिटी एंड आर्ट विषय पर सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला सह संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में हिस्सा लिया।

12. 31 दिसम्बर 2018-22 जनवरी 2019. अंग्रेजी विभाग, कलकत्ता युनिवर्सिटी द्वारा डिफाइनिंग मॉडर्निटी : ईशूज इन कॉन्टेम्पोररी लैंग्वेज एंड लिटेरेचर विषय पर आयोजित विंटर स्कूल में ट्रैवेल मोड्स एंड मॉडर्निटीज : सम थॉट्स फ्रॉम रवीन्द्रनाथ टैगोर तथा हाउ डिड पोएट्री मेक सेंस ऑफ ऑब्जेक्ट्स एंड हाउ डज वन ब्रिंग दैट अलाइव इन क्लास? सम रिफ्लेक्शंस ऑन द रेप ऑफ द लॉक? शीर्षक दो व्याख्यान दिये।

13. 24-25 जनवरी 2019. अमृता स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, अमृता विश्व विद्यापीठम्, कोच्चि, केरल के अंग्रेजी तथा भाषा विभाग द्वारा ट्रैवेल राइटिंग पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के तौर पर हिस्सा लिया।

14. 14-15 फरवरी 2019. न्यूमैन कॉलेज, थोड्डुपुज़ा, केरल के अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रोसेसिंग द पॉपुलर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य व्याख्यान दिया।

15. 7 मार्च 2019. पटना विश्वविद्यालय, पटना द्वारा आयोजित तथा यूजीसी द्वारा वित्त-पोषित विंटर स्कूल में विशेषज्ञ के तौर पर हिसा लिया।

अनन्या दत्ता गुप्ता

1. 11-15 जून, 2018. रवीन्द्रनाथ टैगोर इंस्टिट्यूट, डी' एपिने, आइलट, मॉरिशस द्वारा रवीन्द्रनाथ टैगोर : लाइफ, आर्ट एंड आर्ट विषय पर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित.

2. 19 नवम्बर 2018. भाषा भवन, विश्वभारती में रीसर्च मेथडोलॉजी इन लैंग्वेज, लिटेरेचर एंड कल्चर : थ्योरी एंड एप्लिकेशन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में डॉक्यूमेंटेशन : शिकागो मैनुअल एंड अदर्स शीर्षक आमंत्रित वक्तव्य रखा।

3. 20 दिसम्बर 2018. ऑरोबिंदो निलय, शांतिनिकेतन में एब्सेंट-प्रेजेंट : पैराडॉक्सिकल टैगोर विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया।

4. 27 मार्च 2019. बर्दवान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में अनअक्स्टम्ड अर्थः रिफ्लेक्शंस ऑन द डायस्पोरा विथ स्पेशल रेफरेंस टू द मॉरिशिसियन एक्स्पीरिएंस विषय पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिया।

5. 12 मार्च 2019. 'गुरुदेव वर्सेस गाँधी' विषय पर अमृत सेन तथा आशीष लाहिड़ी के साथ बातचीत. नेशनल प्रोग्राम्स ऑफ टॉक्स. ऑल इंडिया रेडियो (कोलकाता). एआईआर रेनबो.

6. 16 मार्च 2019. नबान्न अर्थ वीकेंड, शांतिनिकेतन में एम्बीडेक्सटेरिटी : ऑन राइटिंग इन बंगाल एंड इंग्लिश विषय पर कुनाल बासु से बातचीत.

देबारति बंद्योपाध्याय

1. 16 नवम्बर 2018. अंग्रेजी विभाग, ग्लासगो विश्वविद्यालय; सेंटर फॉर एडवांस्ड वेल्श एंड केल्टिक स्टडीज, वेल्श विश्वविद्यालय; आर्ट्स एंड ह्युमैनिटीज रीसर्च काउंसिल एंड द लिनाइयन सोसाइटीऐट द लिनाइयन सोसाइटी, बरलिंग्टन हाउस, लंदन, यूके द्वारा क्यूरियस ट्रैवेलर्स : थॉमस पेनांट, ट्रैवेल एंड द मेकिंग ऑफ एनलाइटेनमेंट नॉलेज विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : थॉमस पेनांट एंड इकोटूरिज्म
2. 24 नवम्बर 2018. लंडन सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रीसर्च ऐट बरबेक कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय, यूके द्वारा वर्जन्स ऑफ लंडननेस विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : थॉमस पेनांट्स लंडीनियम टू लंडन : एन इकोक्रिटिकल स्टडी इन इवोल्युशन एंड सस्टेनेंस
3. 5 जुलाई-3 अगस्त. एएचआरसी द्वारा वित्त पोषित क्यूरियस ट्रैवेलर्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत थॉमस पेनांट पर कम करने हेतु विजिटिंग फेलो के रूप में हिस्सा लिया।
4. 4-9 अगस्त 2018. स्कॉटिश सेंटर ऑफ टैगोर स्टडीज, एडीनबर्ग नेपियर विश्वविद्यालय, यूके में टैगोर एंड गैडेस : थ्रू द इकोक्रिटिकल लेंस ऑफ न्यू नेचर राइटिंग विषय पर काम करने हेतु विजिटिंग स्कॉलर के रूप में आमंत्रित.

दीपंकर रॉय

1. 3 अक्तूबर 2018. एडम्स यूनिवर्सिटी, बारासात, पश्चिम बंगाल में द आइडिया ऑफ द ऑथर इन द राइटिंग्स ऑफ रोलाँ बार्थ, मिशेल फूको एंड वाल्टर बेंजामिन शीर्षक विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. 5-6 नवम्बर 2018. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, आईसीएसएसआर, शिलॉन्ग तथा मानविकी तथा समाज विज्ञान संकाय, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा द्वारा नेगोशिएटिंग इशूज ऑफ ओरैलिटी, फोक एंड हिस्ट्री इन 21वीं सेंचुरी विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओरैलिटी इन द एरा ऑफ प्रिंट कैपिटलिज्म : अ स्टडी ऑफ रामकृष्णकथामृत शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
3. 19 तथा 22 नवम्बर 2018. 18 से 27 नवम्बर 2018 के बीच भाषा भवन, विश्वभारती में रीसर्च मेथडोलॉजी इन लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर : थ्योरी एंड एप्लिकेशन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्याशाला में ग्रुप डिस्कशन में मूल्यांकनकर्ता के रूप में हिस्सा लिया और साथ हीटेक्स्ट एंड डिस्कोर्स विषय पर व्याख्यान दिया।

4. 21-22 दिसम्बर 2018. वीमेन्स स्टडी सेंटर, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता तथा अग्रबीज ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल पोएट्री वर्कशॉप में बांग्ला कोबिता अनुबादेर कथा शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
5. 7-8 मार्च 2019. डोमकल गर्ल्स कॉलेज, डोमकल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल तथा सेंटर फॉर कॉम्पेरेटिव लिटरेचर, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय अनुवाद कार्यशाला रीविजिटिंग नाइनटिंथ सेंचुरी बंगाल थ्रू द प्राइमरी टेक्स्ट्स में विशेषज्ञ के रूप में हिस्सेदारी की तथा 19वीं सदी की बांग्ला कविताओं का अंग्रेजी अनुवाद किया।

गौतम घोषाल

1. 12 अगस्त 2018. विनय भवन, विश्वभारती में फाइव-फोल्ड एजुकेशन ऑफ श्री ऑरोबिंदो विषय पर आमंत्रित वक्तव्य
2. 25 सितम्बर 2018. संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय में इंटरप्रेटेशंस ऑफ द वेदांता एंड द इंटेग्रल योगा ऑफ श्री ऑरोबिंदो विषय पर आमंत्रित वक्तव्य.
3. 5-6 दिसम्बर 2018. श्री ऑरोबिंदो के सौंदर्यशास्त्रीय तथा मनोवैज्ञानिक विचारों पर अंग्रेजी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चार 'रिफ्रेशर कोर्स व्याख्यान' दिये।
4. 25 फरवरी 2019. बड़ाबाज़ार बिक्रम टुडु कॉलेज, पश्चिम बंगाल में साउथ एशियन लिटरेचर, कल्चर एंड सोसाइटी विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता.
5. 12-13 मार्च 2019. गौरबंग विश्वविद्यालय में रीडिंग ब्रिटिश पोएट्री विषय पर आयोजित सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान. व्याख्यान का शीर्षक : द मिस्टिक रोज़ः लिंकिंग सबजेक्टिव एंड द मैटेरियल युनिवर्स इन यीट्स पोएट्री. एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
6. 15 मार्च 2019. आंध्र विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में ह्विटमैन एंड टैगोर : एन एप्रोच थ्रू श्री ऑरोबिंदोज थ्योरी ऑफ पोएट्री विषय पर व्याख्यान.

सौरभ दासठाकुर

1. 2 जनवरी 2019. काज़ी नज़रूल इस्लाम विश्वविद्यालय, आसनसोल के अंग्रेजी विभाग में मॉडर्निटी, मॉडर्निज्म एंड पोस्टमॉडर्निज्म विषय पर आमंत्रित व्याख्यान
2. 7-8 मार्च 2019. डोमकल गर्ल्स कॉलेज, डोमकल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल तथा सेंटर फॉर कॉम्पेरेटिव लिटरेचर, भाषा भवन, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय अनुवाद कार्यशाला रीविजिटिंग नाइनटिंथ सेंचुरी बंगाल थ्रू द प्राइमरी टेक्स्ट्स में विशेषज्ञ के रूप में हिस्सा लिया।

शाओना बारिक

1. 6-7 जून 2018. आईआईटी मद्रास के मानविकी तथा समाज विज्ञान विभाग द्वारा विक्टोरियन इंडियन आइडेंटिटीज विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में शोध-पत्र प्रस्तुत किया. शोध-पत्र का शीर्षक : डेपिक्शन ऑफ द घोस्ट्स ऑफ नेटिव सर्वेन्ट्स इन बॉडिज ऑफ वर्क्स प्रोड्यूस्ड बाई द ब्रिटिश इन इंडिया ड्यूरिंग द लेट नाइंटिन्थ सेंचुरी.
2. 22-24 नवम्बर 2018. अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय तथा कल्पविश्व वेबजिन द्वारा वर्कशॉप्स ऑफ हॉरिबल क्रिएशनः 200 ईयर्स ऑफ इमैजिन्ड ह्युमन्स विषय पर आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : ब्रिटिश फैंटेसी अबाउट कंस्ट्रकटिंग क्लॉकवर्क कुली इन इंडिया.

सोमदत्ता मंडल

1. 26 अप्रैल 2018. डायस्पोरा स्टडीज नाउ : ह्वेयर डू वी गो फ्रॉम हेयर? विषय पर बर्दवान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन विभाग में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. 09 सितम्बर 2018. जोरासाँको कैम्पस में रवीन्द्र भारती सोसाइटी द्वारा रवीन्द्रनाथ एंड हिज इंडिया विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऑफ मेमोयर्स, कॉरेस्पॉन्डेंसएंड रेलिशनशिप्स : रवीन्द्रनाथ एंड निर्मलकुमारी महलानबीस शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. 04-06 दिसम्बर 2018. बर्दवान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन विभाग में पार्टिशन मेमोयर्स विषय पर तीन दिवसीय यूजीसी-एसएपीकार्यशाला में विशेषज्ञ के तौर पर हिस्सा लिया।
4. 08-09 फरवरी 2019. रिमेम्बरिंग एंड री-इवैल्युएटिंग महात्मा गाँधी ऑन हिज 150वीं बर्थ एनिवर्सरी विषय विश्वविद्यालय, भुज, गुजरात में मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्लेनरी व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय : द 'महात्मा' एंड द 'गुरुदेव' : गाँधी, टैगोर एंड शांतिनिकेतन.

स्तुति मामेन

1. 09 जुलाई-04 अगस्त 2018. यूजीसा प्रायोजित तथा एचआरडीसी, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 69वें ओरिएंटेशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

सुदेव प्रतिम बासु

1. 17.11.2018: पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार तथा पर्यटन विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार की सहभागिता में पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, विश्वभारती द्वारा डेवेलपमेंट ऑफ कल्चरल टुरिज्म इन एंड अराउंड शांतिनिकेतन एंड वीरभूम विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एजुकेशन इन रूरल टुरिज्म के मुद्दे पर एक पैनल डिस्कशन का संचालन किया।

2. 22-24. 11. 2018: अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय तथा कल्पविश्व वेबजिन द्वारा वर्कशॉप्स ऑफ हॉरिबल क्रिएशनः 200 ईयर्स ऑफ इमैजिन्ड ह्युमन्स विषय पर आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया तथा शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का विषय : सिल्वर मशीन्स, स्पेस ऑडिटीजएंड पेनकिलर्सः साइंस फिक्शन इन/एंड हेवी मेटल म्यूजिक. एक सत्र की अध्यक्षता भी की.

3. 26.11.2018: भाषा भवन, विश्वभारती में रीसर्च मेथडोलॉजी इन लैंग्वेज, लिटेरेचर एंड कल्चर : थ्योरी एंड एप्लिकेशन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में ई-रीसोर्सेज, इंटरनेट एंड एकेडेमिक रीसर्च पर (अनन्या दत्ता गुप्ता के साथ) लेक्चर-डेमॉन्स्ट्रेशन प्रस्तुत किया।

4. 16.03.2019: गीतांजलि कल्चरल कॉम्प्लेक्स में सुरेश अमिय ट्रस्ट द्वारा आयोजित नबान्न अर्थ वीकेंड-अ फेस्टिवल ऑफ आर्ट एंड आइडियाज में राइटिंग इंडिया टुडे सेशन में भारतीय उपन्यासकारों सुदीप चक्रवर्ती तथा चंद्रहास चौधुरी के साथ वार्ता का संचालन किया।

5. 27.03.2019: अंग्रेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय में पॉपुलर कल्चर, फिल्म्स एंड लिटरेचर के इंटरफेस पर आमंत्रित व्याख्यान.

स्वाति गांगुली

1. 20.09.2018: चंदननगर कॉलेज, पश्चिम बंगाल के मासिक व्याख्यान सिरीज में बीकमिंग अ वूमन, बीकमिंग अ मैन जेंडर एंद सेक्स इन कंटेम्पोररी इंडिया विषय पर आमंत्रित व्याख्यान.

तनुका दास

1. 13-20. 08.2018: दर्शन विभाग, बीजिंग विश्वविद्यालय, द चाइनीज ऑर्गेनाइजिंग कमिटी ऐट बीजिंग, पी.आर. चीन द्वारा आयोजित 24वें वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ फिलॉसफी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : लर्निंग टू बी ह्युमन : अ स्टडी ऑफ द डांस ड्रामा चंडालिका बाई रवीन्द्रनाथ टैगोर.

2. 4-5.09.2018: अंग्रेजी विभाग, श्री पद्मावति महिला विश्वविद्यालयम्, तिरुपति, आंध्र प्रदेश द्वारा आअयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : सेंट्रलिटी फेल्स, मार्जिनैलिटी विन्स : अ स्टडी ऑफ ह्युमैनिटीइन शरतचंद्र चट्टोपाध्यायज शोर्ट स्टोरी अभागीर स्वर्गो.

3. 31.03.2019: बंगीय सोसाइटी फॉर लिटरेचर एंड कल्चर, शांतिनिकेतन तथा ढाका द्वारा बांग्लादेश भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : टैगोर्स थॉट्स ऑन एजुकेशन एंड वेस्टर्न थिंकर्स.

तापू विश्वास

1. 28-29.04.2018: शेक्सपियर के 454वें जन्मदिवस के अवसर पर इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशंस तथा शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन,

दो कार्यशालाओं तथा पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का शीर्षक : रेलेवेन्स ऑफ शेक्सपियर इन आवर सोसाइटी टुडे.

2. 8-9.09.2018: इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशंस तथा शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया द्वारा ट्रांसलेसन स्टडीजः थ्योरी एंड प्रैक्टिस एंड कॉम्परेटिव लिटरेचर विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शोध-पत्र का विषय : बादल सरकार फ्रॉम पेज टू स्टेज इन मराठी.

3. 3-4.02.2019: इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशंस, टैगोर-गाँधी इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सर्विस-लर्निंग तथा शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बादल सरकार्स बल्लभपुरेर रुपकथा पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। शेक्सपियर साहित्य की प्रख्यात विद्वान मंजू दत्ता गुप्ता पर स्मारक भाषण भी दिया।

4. 27.03.2019: संस्कृत विभाग, बुनियादपुर महाविद्यालय, दक्षिण दिनाजपुर द्वारा ह्युमन वैल्यूज रिफ्लेक्टेड इन इंडियन लिटरेचर विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लिया तथा शोत्र-पत्र का वाचन किया।

प्रकाशन

अभिजीत सेन

शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

1. क्रॉस-कल्चरल एनकाउंटर्स ऑन द बंगाली स्टेजः अ सर्च फॉर अ न्यू थियेटर सेमिओलॉजी, जर्नल ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रकाशित. संपादकः तन्मय घोष तथा अन्य. खंड-40 , मार्च 2018: 1-13. (इस वित्त वर्ष में प्रकाशित)

2. रवीन्द्रनाथ टैगोर के बांग्ला निबंध 'कंठोरोध' का अंग्रेजी अनुवाद 'द स्टिफलिंग ऑफ स्पीच' मधुमिता रॉय तथा देबोत्तमा घोष के सहयोग से, रवीन्द्रनाथ टैगोरः सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कॉस्मोपोलिटैनिज्म में प्रकाशित. संपादन : देबारति बंद्योपाध्याय. बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019. 66-77.आईएसबीएनः 978-81-939765-3-1.

पुस्तक समीक्षा

3. फायरिंग अप द सिविक इमैजिनेशन, ओला जोहैनसन तथाअ जोहन्ना वैलिन द्वारा संपादित पुस्तकद फ्रीडम थियेटरः परफॉर्मिंग कल्चरल रेजिस्टेंस इन पेलेस्टाइन की समीक्षा. द टेलीग्राफ, 9 नवम्बर 2018 में प्रकाशित.

अमृत सेन

शोध-पत्रिका में प्रकाशित आलेख

1. विडोज एंड द पेन ऑफ इंडेन्चरः राइटिंग्स फ्रॉम मॉरिशस. सेलेशियन जर्नल ऑफ ह्युमैनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज, खंड-8, सं. 2, दिसंबर 2017. पृ. - 30-40. आईएसएसएन : 0976-1861

अनन्या दत्ता गुप्ता

1. पासिंग रिफ्लेक्शंस ऑन द सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा. सेज्योराः पोएटिक्स ऑफ कल्चरल ट्रांसलेसन अंक. 3: 1 (आईएसएसएन 2454-9495) दिसंबर 2018 में प्रकाशित
2. 'सैयद शम्सुल हक़ः टू नोवेलाज' (अनुवादकः सुगत घोष. ढाकाः बंगाल लाइट्स बुक्स, 2015. आईएसबीएन 9789849172253) की समीक्षा एशियाटिक, अंक 12, जुन 2018. पृ. 226-28 में 7 जुलाई 2018 को प्रकाशित.
3. 'द ग्रेटर इंडिया', ('वृहत्तर भारत' का अनुवाद). देबारति बंद्योपाध्याय सम्पादित पुस्तक रवीन्द्रनाथ टैगोरः सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कॉस्मोपोलिटैनिज्म. बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019 में प्रकाशित.
4. बोलपुर टू बेंगलुरु इन ऑक्टूबरः कर्नाटका सरीगे, कोल्डनून ट्रैवेल पोएटिक्सः इंटरनेशनल ट्रैवेल जर्नल ऑफ ट्रैवेल राइटिंग एंड ट्रैवेलिंग कल्चर्स. 22 दिसम्बर 2018 में प्रकाशित

देबारति बंद्योपाध्याय

1. एक्स्प्लोरिंग रिलेशन्सः टैगोर एंड गैडेस, बंगाल एंड स्कॉटलैंड. एशियाटिकः जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर. अंक 12 नं. 1 (जुन 2018): पृ. 214-18.

दिपंकर रॉय

पुस्तक

1. सदा थाको आनन्दे...शांतिनिकेतने, नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018, आईएसबीएन : 0-19-948947-5.

आलेख, अनुवाद तथा पुस्तक समीक्षाएँ

1. बारीर काछे आर्शीनगर, परिबेश शांतिनिकेतन में प्रकाशित, संपादकः डॉ. सुस्मिता गुहा रॉय. दिसम्बर 2018, पृष्ठ- 19-25
2. हिया टुपटाप, जिया नोस्तालः बांग्ला सिनेमाय स्मृति सत्त्व ओ भविष्यत, कृतिवास, स्पेशल ईशूज ऑन 100 ईयर्स ऑफ बंगाली सिनेमा में प्रकाशित. संपादकः बिजेश साहा. अगस्त 2018. पृष्ठ 71-74.

3. शांतिनिकेतनेर प्रोफेसर शंकू आनंदबाज़ार पत्रिका में प्रकाशित एक पोस्ट-एडिटोरियल, 1 फरवरी, 2019.

4. बिभूति भूषण बंद्योपाध्यायाज अरण्यक (1939)ः द मॉडर्न, द नॉन-मॉडर्न एंद द नेशन-स्टेट, द डेली स्टार, 29 सितम्बर, 2018 में प्रकाशित.

5. समीक्षात्मक आलेख : इमादुल हक़ मिलन : टू नोवेलाज (अनुवादकः सौगत घोष. ढाकाः बंगाल लाइट्स, 2017. पृ. 144. आईएसबीएन : 978-984-91722-8-4)

गौतम घोषाल

1. ईयरली शेक्सपियर 2018 का सम्पादन. पीयर-रीव्यूड, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. अंक 16 . श्री ऑरोबिंदो स्टडी सेंटर, शांतिनिकेतन, भारत. आईएसएसएन : 0976-9536.

2. प्रबंधो कि सृजनी शिल्पो?. संधिस्ता, कोलकाताः श्री ऑरोबिंदो भवन, अगस्त, 2018, पृष्ठ. 94-97, सम्पादकः रामप्रसाद दे.

3. द एस्थेटिक्स ऑफ रवीन्द्र संगीतः एन एप्रोच थ्रू श्री ऑरोबिंदो एंड द वेदाज. द कॉन्टर, अंतर्राष्ट्रीय पीयर-रीव्यूड ऑनलाइन पत्रिका, आईएसएसएनः 2249-6398, अंक .5, सम्पादकः डॉ. सुशांत बर्द्धन.

4. इज नोटिफिकेशन क्रिएटिव आर्ट? सरनी घोषाल के सहलेखन में, लिटररी वॉइस. पीयर-रीव्यूड जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज. आईएसएसएनः 2277-4521, अंक. 1, पृ.. 38-43. सम्पादकः टी.एस.आनंद.

सौरभ दासठाकुर

1. नेचर, म्यूजिक, मेमोरीः रवीन्द्रनाथ ठाकुर्स सॉन्ग्स ऑन नेचर, सेज्योराः पोएटिक्स ऑफ कल्चरल ट्रांसलेसन 2ः 2 (आईएसएसएन 2454-9495)

2. श्रावणी विश्वास द्वारा लिखित पुस्तक आर.के. नारायण्स मालगुडी मिलियूः अ सेंसिटिव वर्ल्ड ऑफ ग्रोटेस्क़ रियलिज्म की समीक्षा एशियाटिक पत्रिका दिसंबर 2018ः 227-31. आईएसएसएन 1985-3106 में प्रकाशित.

3. वर्किंग क्लास कंडिशन्स एंड द मिडिल क्लास इंटेलेक्चुअलः द पॉलिटिक्स ऑफ 'डॉक्यूमेंटरी'इन जॉर्ज ऑरवेल्सद रोड टू वायगन पायर का प्रकाशन जर्नल ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, कलकत्ता विश्वविद्यालय, अंक-40 (2018)ः 49-59. आईएसएसएन : 2249-4537 में.

4. ह्वाट इज अ नेशन (नेशन कि) एंड अड्रेस टू द स्टूडेंट्स (छात्रदेर प्रति सम्भाषण), रवीन्द्रनाथ टैगोर के निबंधों का अनुवाद, देबारति बंद्योपाध्याय सम्पादित रवीन्द्रनाथ टैगोरः सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कॉस्मोपोलिटैनिज्म (बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019)ः पृ.. 112-20 और पृ. 140-66. आईएसबीएन : 978-81-939765-3-1में प्रकाशित.

सोमदत्ता मंडल

पुस्तकें

1. द जर्नी ऑफ अ बंगाली वुमन टू जापान, लेखिकाः हरीप्रभा तकेड़ा (1915), अंग्रेजी अनुवाद तथा सम्पादन सोमदत्ता मंडल द्वारा. प्रस्तावना माइकल फिशर द्वारा. कोलकाताः जादवपुर युनिवर्सिटी प्रेस, 2019. आईएसबीएन : 978-93-83660-47-6
2. द पर्सेक्युटेड ऑर ड्रामाटिक सीन्स इलस्ट्रेटिव ऑफ प्रेजेंट स्टेट ऑफ हिंदू सोसाइटी, इन कलकत्ता, लेखकः कृष्ण मोहन बनर्जी (1831). सम्पादन तथा परिचयः सोमदत्ता मंडल. कोलकाताः एबंग मुशायरा, 2018. आईएसबीएन : 978-81-939770-1-9

आलेख

1. व्हाट डाय्स्पोरा? व्हिदर डायस्पोरा? सम रैंडम, आन्सर्स एंड रुमिनेशन्स, मैपिंग साउथ-एशियन डायस्पोराः रीसेंट रेस्पॉन्सेज एंड रूमिनेशन्स में प्रकाशित. सम्पादकः अजय के. चौबे तथा आशीष दे. रावत पब्लिकेशन्स, 2018. पृष्ठ. 33-54; इन डिस्कसन्स विथ क्रिटीक्सः सोमदत्ता मंडल, मकरंद परांजपे एंड मंजीत इंदर सिंह. डिस्कसेंटः अजय के. चौबे. पृष्ठ. 210-227.
2. ऑफ बॉर्डर-क्रॉसिंग एंड सर्वाइवलः द पार्टिशन ऑफ इंडिया, मेमोरी एंड विजुअल रीप्रेजेंटेशन, जर्नल ऑफ द ओड़ीशा एसोसिएशन फॉर इंग्लिश स्टडीजमें प्रकाशित, अंक. 8, 2018, पृ. 43-53. आईएसएसएनः 2249-6726.
3. माइग्रेंट्स, सोजोर्नर्स एंड बॉर्डर क्रॉसर्सः अ स्टडी ऑफ साउथ एशियन डायस्पोरा इन अर्ली 20 सेंचुरी अमेरिका, बियॉन्ड बॉर्डर्स एंड बाउन्डरीजः डायस्पोरिक इमेजेज एंड रीप्रेजेंटेशन्स इन लिटरेचर एंड सिनेमा में प्रकाशित. सम्पादकः निलुफर ई. भरूचा, श्रीधर राजेश्वरण तथा क्लॉस स्टर्स्टोर्फर. मुम्बई विश्वविद्यालय, 2018ः पृ. 71-84
4. लिटररी अवार्ड्स एंड/ऑर लूर ऑफ द लूकरः एक्सेसिंग रीसेंट साउथ एशियन डायस्पोरिक फिक्शन, इंग्लिश स्टडीज एंड मार्केट्प्लेस में प्रकाशित. सम्पादकः फ़करुल आलम, मोहम्मद शहरयार हक़ तथा ज़ौहर अहमद. ढाकाः ईस्ट वेस्ट युनिवर्सिटी, 2018, पृष्ठ 41-57.
5. बिटवीन द आइडियल एंड द रियलः स्त्री शिक्षा, स्त्री स्वाधीनता एंड हायर एजुकेशन इन कोलोनियल कोलकाता, क्रिटिकल एंड क्रिएटिव विंग्स में प्रकाशित. सम्पादकः तपती तालुकदार. अंक . 5, 2018, पृ. 1-17. आईएसएसएनः 2348-8026.
6. द री-इनकार्नेशन ऑफ द अमेरिकन ड्रीम इन हॉलीवुड फिल्म्स, एसेज ऑन अमेरिकन लिटरेचर एंड आर्टः मल्टिपल पर्स्पेक्टिव में प्रकाशित. सम्पादकः इंद्राणी हाल्दार तथा परांतप चक्रवर्ती. कोलकाताः जादवपुर युनिवर्सिटी सोसाइटी फॉर अमेरिकन स्टडीज, 2019ः पृष्ठ 248-265.

7. जोवार-भाटीर देशः रीप्रेजेंटिंग द सुंदरबन्स इन फिक्शन विथ स्पेशल रेफरेंस टू अमिताभ घोषेज द हंग्री टाइड, जर्नल ऑफ द ओडीशा एसोसिएशन फॉर इंग्लिश स्टडीज (अंक . 9, 2019) में प्रकाशित. सम्पादकः सांत्वना हाल्दार, पृ. 24-38. आईएसएसएन : 2249-6726

अनुवाद

1. नारायण गंगोपाध्याय की कहानी टू रेस्पेक्टेड एग्जामिनर सर का अनुवाद सिक्स सीजन रीव्यू में प्रकाशित. अंक . 4, 2018, पृ. 85-96.
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना 'समुद्रयात्रा' का 'सीफेरिंग' तथा 'बिदेसीय अतिथि एवं देशीय आतिथ्य' का 'फॉरेन गेस्ट एंड लोकल हॉस्पिटैलिटी' शीर्षक से अनुवाद रवीन्द्रनाथ टैगोरः सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कॉस्मोपोलिटैनिज्म में प्रकाशित. संपादन : देबारति बंद्योपाध्याय. बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019. आईएसबीएन : 978-81-939765-3-1.पृष्ठ 31-39; 48-55

पुस्तक समीक्षाएँ

1. अभिजीत दत्त की पुस्तक ऑन द मार्जिन ऑफ लवः द नानावटी सिंड्रोम (1959-1964), 2017 की समीक्षा 8 डेः द संडे स्टेट्समैन, 22 अप्रैल, 2018 में प्रकाशित.
2. उमा दासगुप्ता द्वारा सम्पादित पुस्तक फ्रेंडशिप्स ऑफ 'लार्जनेस एंड फ्रीडम' : एंड्रयूज, टैगोर एंड गांधी-एन एपिस्टोलरी अकाउंट 1912-1940 (ऑक्सफोर्ड, यूपी, 2018) की समीक्षा 8 डेः द संडे स्टेट्समैन,13 मई, 2018 में प्रकाशित.
3. जसबीर जैन की पुस्तक सबकॉन्टिनेंटल हिस्ट्रीजः लिटररी रिफ्लेक्शन्स ऑन द नाइनटिंथ एंड ट्वेन्टीएथ सेंचुरीज (रावत पब्लिकेशन्स, 2018) की समीक्षा एशियाटिकः जर्नल ऑफ लैंग्वेज एंड लिटरेचर, अंक 12 जून 2018: 235-237 में प्रकाशित.
4. रेलिजन, पॉलिटिक्स एंड प्लेजर. वेंडी डॉनिगर की पुस्तक बियॉन्ड धर्माः डिस्सेंट ऑफ द एनशिएंट साइंसेज ऑफ सेक्सएंड पॉलिटिक्स (2018) की समीक्षा 8 डेः द संडे स्टेट्समैन, 2 सितम्बर, 2018, पृष्ठ 2 में प्रकाशित.
5. द जीनियस ऑफ घटक. अमृता निलांजना द्वारा अनूदित ऋत्विक घटकः फाइव प्लेज(2018) तथा रानी राय द्वारा अनूदित ऋत्विक घटकः स्टोरीज (2018) की समीक्षा, 8 डेः द संडे स्टेट्समैन, 18 नवम्बर, 2018, पृष्ठ 3 में प्रकाशित.
6. नैरेटिव्स ऑफ एक्स्प्लॉयटेशन एंड डेप्राइवेशन. इवान कोस्ट्का तथा प्रमोद रंजन द्वारा सम्पादित पुस्तक द केस ऑफ बहुजन लिटरेचर (फॉरवर्ड प्रेस बुक्स, 2017) की समीक्षा द बुक रीव्यू अंक 12, दिसंबर 2018 में प्रकाशित.

7. मैटर्स एटिमोलॉजिकल. ऋतुपर्णा सरकार द्वारा लिखित और निर्दशित पुस्तक वंडर वर्ड्सः अनट्रांसलेटेबल वर्ड्स फ्रॉम अराउंड द वर्ल्ड (पेंगुइन रैंडम हाउस, 2018) की समीक्षा 8 डेः द संडे स्टेट्समैन, 30 दिसम्बर, 2018 में प्रकाशित.
8. के. एन. राव द्वारा अनूदित मॉइस्चर ट्रैप्ड इन अ स्टोनः एन ऑन्थोलोजी ऑफ तेलुगु शॉर्ट स्टोरीज (नियोगी बुक्स, 2018) की समीक्षा द बुक रीव्यू, में प्रकाशित.
9. जसकिरण चोपड़ा की पुस्तक फिक्शन एंड फिल्मः रस्किन बॉन्ड्स रोमैंटिक इमैजिनेशन (रावत पब्लिकेशन्स, 2018) की समीक्षा एशियाटिकः जर्नल ऑफ लैंग्वेज एंड लिटरेचर, अंक 12 दिसम्बर 2018: 218-221 में प्रकाशित.

सुदेव प्रतिम बासु

1. ह्वाट इज अ नेशन (नेशन कि) एंड अड्रेस टू द स्टूडेंट्स (छात्रदेर प्रति सम्भाषण), रवीन्द्रनाथ टैगोर के निबंधों का अनुवाद (सौरभ दासठाकुर तथा ध्रुबज्योति सरकार के साथ), देबारति बंद्योपाध्याय सम्पादित रवीन्द्रनाथ टैगोरः सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कॉस्मोपोलिटैनिज्म (बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019): पृ. 112-20 एवं पृ. 140-66. आईएसबीएन 978-81-939765-3-1में प्रकाशित.
2. माउथ फॉर वारः प्रो-वार लीनिंग्स इन अमेरिकन हेवी मेटल म्युजिक, इंद्राणी हाल्दार तथा परांतप चक्रवर्ती सम्पादित एसेज ऑन अमेरिकन लिटरेचर एंड आर्टः मल्टिपल पर्स्पेक्टिव्स, बोलपुरः बिरुतजातीय साहित्य सम्मिलनी, 2019. पृष्ठ 205-226. आईएसबीएन 978-81-939765-2-4में प्रकाशित.

स्वाति गांगुली

1. एडीटिंग एपिस्टेलेज, एडिटिंग इमोशन्सः रवीन्द्रनाथ्स लेटर्स टू इंदिरा एंड रानू, इप्शिता चंदा द्वारा सम्पादित इमोशन, एक्सप्रेशन एंड एस्टेटिक्स, नई दिल्लीः साहित्य अकादमी, 2018, 26-40, आईएसबीएन 978-93-87989-15-3 में प्रकाशित.
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर्स कॉस्मोपोलिटैनिज्म एंड एशियन कॉम्पैरेटिव स्टडीज इन विश्वभारती. कॉम्पैरेटिव लिटरेचर ऐट द क्रॉसरोड्स ऑफ कल्चर एंड सोसाइटी (सम्मेलन की रपट) में प्रकाशित. सम्पादकः तपती मुखर्जी तथा कैलाश पटनायक. शांतिनिकेतनः सेंटर फॉर कॉम्पैरेटिव लिटरेचर, विश्व-भारती, 2018. पृ. 59-60. आईएसबीएन 978-81-7522-6760

तापु विश्वास

1. टीचिंग पिंटर्स कॉमेडी ऑफ मेनस टू अंडरग्रेजुएट क्लासेस अमिताभ घोष द्वारा सम्पादित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चर स्टडीज एंड सोशल साइंसेज, अंक 10, . कोलकाताः अवाँगार्द प्रेस, जनवरी, 2019, पृष्ठ 90-94.

2. इंडियन रेस्पॉन्सेज टू सैमुएल बेकेट्स वेटिंग़ फॉर गोदो, एंडगेम एंड हैपी डेज फ्रॉम 2006-2009. अमिताभ घोष द्वारा सम्पादित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चर स्टडीज एंड सोशल साइंसेज, अंक 9 . कोलकाताः अवाँगार्द प्रेस, जुलाई , 2018, पृ. 65-76 में प्रकाशित.

चल रही शोध-परियोजनाएँ

1. डीआरएस-एसएपी कार्यक्रम, द्वितीय चरण, पाँच वर्षों की कुल स्वीकृत अवधि के अंतिम वर्ष में.

शोध का क्षेत्र : रवीन्द्रनाथ टैगोरः ईस्ट-वेस्ट कॉन्फ्लुएंस

समन्वयक : प्रोफेसर देबारति बंद्योपाध्याय

सह-समन्वयक : प्रोफेसर अमृत सेन

हिंदी विभाग

यूजीसी- नेट में उतीर्ण छात्र

1. अमित कुमार (नेट)
2. फरीदा खातून (नेट -जेआरएफ)
3. मधुलिका तिवारी (नेट -जेआरएफ)
4. यवनिका तिवारी (नेट -जेआरएफ)
5. ममता कुमारी (नेट -जेआरएफ)
6. रूचि कुमारी (नेट -जेआरएफ)

विभागीय संगोष्ठी/सम्मेलन

1. 17 अप्रैल, 2018: भक्ति आन्दोलनः भारतीयबोध पर हलवासिया मेमोरियल लेक्चर 2017-18, वक्ताः प्रोफेसर टी. जी. प्रभाशंकर प्रेमी।
2. 25 अगस्त, 2018: तुलसी जयंती मनाई गई जिसमें प्रो. शिवनाथ पांडेय को तुलसीदास पर व्याख्यान देने के लिए बाहर से आमंत्रित किया गया था।
3. 24-26 नवंबर, 2018: रवींद्रनाथ की रचानाधर्मिता और उनका जीवन दर्शन पर आईसीपीआर नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी,
4. 25 मार्च 2019: हसारी प्रसाद द्विवेदी का 'साहित्य बनाम द्विवेदी साहित्य की हजारी चेतना' पर प्रो. शशिभूषण सिंह शितांशु द्वारा विशेष व्याख्यान ।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं/ विशेष व्यक्ति

हरीशचंद्र मिश्रा

1. 24.11.2018 - आईसीपीआर और हिंदी-भवन, विश्व-भारती के सहयोग और वित्तीय सहायता से रवींद्रनाथ की 'रचानाधर्मिता उनका जीवन दर्शन' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

रामेश्वर प्रसाद मिश्र

1. 17 अगस्त, 2018 कोलकाता के सेठ सूरजमल जालान पुस्तकालयालय में 'तुलसी जयंती समारोह' की अध्यक्षता की।

2. 25 अगस्त 2018, हिंदी विभाग, विश्वभारती में तुलसीजयंती पर व्याख्यान दिया।

3. 14 सितंबर, 2018, हिन्दी विभाग, विश्वभारती में हिंदी और समासिक संस्कृति पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

4. 24 सितंबर, 2018 ओडिया विभाग, विश्वभारती के उत्कृष्टता केंद्र में 'अनुवाद' पर 7 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

5. 24-26 नवंबर, 2018 हिंदी-भवन, विश्व-भारती में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और विश्व-भारती द्वारा संयुक्त रूप से रवींद्रनाथ टैगोर पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रविंद्रनाथ और दुनिया' पर एक व्याख्यान दिया।

6. 27 नवंबर, 2018 भाषा भवन विश्व-भारती द्वारा आयोजित भाषा, साहित्य और संस्कृति में अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में हिंदी अध्ययन में अनुसंधान के अवसरों पर एक व्याख्यान दिया।

7. 8 दिसंबर, 2018 भारतीय हिंदी परिषद के. के. बिड़ला कॉलेज कल्यान द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी यात्रा साहित्य पर बीज भाषण दिया।

8. 25 फरवरी, 2019 भाषा-भवन विश्वभारती में इंदिरा गाँधी इशान अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित इल्मामा- भारत में कई कथा पर एक व्याख्यान सत्र में अध्यक्षीय भाषण दिया।

9. 11 मार्च, 2019, इंदिरा गांधी केंद्र और हिंदी विभाग, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से केंद्रीय पुस्तकालय कॉन्फ्रेंस हॉल, विश्व-भारती में 'तेलुगु भक्ति साहित्य और अन्य भारतीय साहित्य पर इसके प्रभाव' पर एक व्याख्यान सत्र में अध्यक्षीय भाषण दिया।

मंजू रानी सिंह

1. 15-16 सितंबर, 2018 हिंदी-दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में हिंदी भाषा की उपलब्धि पर व्याख्यान दिया।

2. 8-10 सितंबर, 2018 चित्तौड़गढ़ में आईसीपीआर द्वारा मीरा पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओशो की द्रष्टि में मीरा' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

3. 24-26 नवंबर, 2018 हिंदी विभाग, विश्वभारती में आईसीपीआर द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लेखक रवींद्रनाथ ठाकुर की कहानी' पर एक व्याख्यान दिया।

4. 4-6 अप्रैल, 2018 राजस्थान प्रचारक समिती, जयपुर द्वारा आयोजित एक सम्मेलन और कार्यशाला में 'शिक्षा और अहिंशक समाज' पर व्याख्यान दिया।

चक्रधर त्रिपाठी

1. 24 नवंबर, 2018 हिंदी-भवन, विश्व-भारती और भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, एमएचआरडी नई दिल्ली, भारत के संयुक्त सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी रवींद्रनाथ की रचनात्मकता और उनके दर्शन में भारतीय रचनात्मकता और रवींद्रनाथ की अवधारणा एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. 11-13 सितंबर, 2018 केंद्रीय हिंदी निदेशालय, एमएचआरडी भारत सरकार और महादेवी श्रीजनपीठ, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, लोक नाटक : परंपरा और विकास में 'द ओरिजिन एंड डेवलपमेंट ऑफ ओडिसन फोक लिटरेचर' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. 7-9 दिसंबर, 2018 पादप संरक्षण विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती और हिरण्मयपुरएग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एवं रूरल डेवलपमेंट द्वारा एंड्रूस्पल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से आयोजित भारतीय सुंदरवन में जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुंदरवन में आजीविका और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय का योगदान पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. 29-30 जनवरी, 2019 एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित बंगाल में हिंदी भाषा और साहित्य के विकास राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान और साहित्य के प्रसार में विदेशियों की भूमिका एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
5. 01.02.2019 पी.जी.डी.ए.बी. कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी साहित्य संस्कृति और राजनितिक : अंतः संबंधों की पड़ताल में भक्ति साहित्य का राजनितिक पाठ एक शोधपत्र प्रस्तुत किया जिसका।
6. 23-24 फरवरी, 2019 एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में शैक्षिक फाउंडेशन देशबंधु कॉलेज (डीयू) एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (हरियाणा) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय महिला अतीत, वर्तमान और भविष्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रवींद्रनाथ टैगोर की महिला चेतना' शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

1. 26 नवंबर, 2018 को हिंदी विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में समकालीन साहित्य : सामाजिक सरोकार विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 28 फरवरी, 2019 को हिन्दी विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मेथोडोलॉजी' पर एक व्याख्यान दिया।
3. 23 नवंबर, 2018 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज, रांची के रिफ्रेशर्स कोर्स में हिन्दी में वृद्ध विमर्श पर एक व्याख्यान दिया।

रवींद्रनाथ मिश्र

1. 7.04.2018 हिन्दी विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित हलवासिया स्मृति व्याख्यान का अध्यक्षता की और भक्ति आंदोलन : भारतीय संवाद विषय पर व्याखान दिया।
2. 18-20.8.2018 मॉरिटस में 11 वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लिया और पृथ्वीराज रासो और सरला महाभारत में सैनिक संस्कृति एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 14.09.2018 हिंदी विभाग, विश्वभारती द्वारा हिन्दी और सामासिक संस्कृति विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया।
4. 24. 11.2018. हिन्दी विभाग, विश्वभारती और आईसीपीआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की और रवींद्रनाथ की रचना धर्मिता और उनका जीवन दर्शन एक पेपर प्रस्तुत किया।
5. 29.01.2019 को ऐसियाटिक सोसाईटी कोलकाता द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हिन्दी साहित्य पर बंगाल का प्रभाव में एक सत्र की अध्यक्षता की और क पेपर प्रस्तुत किया।
6. 2-3.03.2019 को गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और साहित्य और विचारधारा विषय पर एक व्याख्यान दिया।

शकुंतला मिश्रा

1. 24 -26 नवंबर, 2018 रवींद्रनाथ टैगोर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रवींद्रनाथ का शिक्षा दर्शन' एक व्याख्यान दिया, जिसे भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और हिंदी-भवन, विश्व-भारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

सुभाष चंद्र रॉय

1. 23 नवंबर, 2018 हिंदी विभाग त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में साहित्य के विकास में अनुराग की भूमिका पर शोधपत्र प्रस्तुत।
2. 7 और 13 जनवरी, 2019 ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर कलकत्ता और झारखंड कला केंद्र दुमका द्वारा आयोजित संगीत और नृत्य की राष्ट्रीय कार्यशाला में साहित्य एवं संगीत का अंतरसम्बन्ध पर पेपर प्रस्तुत किया।
3. 30 जनवरी, 2019 महाविद्या देवघर झारखंड द्वारा आयोजित 18वें देवघर पुस्तक मेले के राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी साहित्य पर गांधी का प्रभाव पेपर प्रस्तुत किया।
4. 22 जनवरी, 2019 ममता गर्ल्स डिग्री कॉलेज बाराबंकी (यू.पी.) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर्यावरण संरक्षण और मानव अस्तित्व के प्रबंधन आधार में साहित्य में प्रकृति चित्रण पेपर प्रस्तुत किया।

जगदीश भगत

1. 14 सितंबर, 2018 त्रिवेणी देवी भालोटिया कॉलेज, रानीगंज द्वारा आयोजित हिंदी दिवस-2018 में एक व्याख्यान दिया।
2. 23-24 नवंबर, 2018 एस.एस.पी.जी. कॉलेज गाजीपुर यू.पी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया एवं लोक साहित्य की प्रसंगिका पर एक व्याख्यान दिया।
3. 24 - 25 नवंबर, 2018 आईसीपीआर और विश्व-भारती द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'लोक साहित्य और रवींद्रनाथ' पर एक व्याख्यान दिया।

अर्जुन कुमार

1. 25.08.2018 हिंदी-भवन, विश्व-भारती में तुलसी जयंती समरोह में व्याख्यान दिया।
2. 14.09.2018 हिन्दी-भवन, विश्व-भारती में हिंदी दिवससमरोह में व्याख्यान दिया।

श्रृति कुमुद

1. 14 - 15 सितंबर, 2018 हिंदी विभाग, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिन्दी और समासिक संसकृति पेपर प्रस्तुत किया।
2. 24 -26 नवंबर, 2018 हिंदी विभाग, विश्वभारती, शांति निकेतन में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी,'रवींद्रनाथ की कविता में जीवन' पर व्याख्यान दिया।
3. 15-17 फरवरी, 2019 दयालबाग शिक्षण संस्थान, आगरा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रात्याह ओर यात्रा वृतांत में व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

रामेश्वर प्रसाद मिश्र

1. साहित्य के निर्भक योद्धा का सारस्वत अनुष्ठान, विरल सारस्वत साधना (पद्मश्री डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र पर आधारित) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, 2018: 208-213।

मंजू रानी सिंह

1. आत्मनामा की कि प्रस्तावना एक प्रसिद्ध लेखक निर्मल वालिया के आत्मकथा, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2018।

2 एक पुस्तक में तुलनात्मक साहित्य का एक शोध पत्र 'तुलनात्मक साहित्य और शोध', अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली, 2018।

चक्रधर त्रिपाठी

1. रवीन्द्र नाथ की कहानी पोस्ट मास्टर का हिंदी अनुवाद अकक्षरा मध्यभारत हिन्दी प्रचार परिषद भोपाल अंक-मार्च 2019

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

1. शान्तिनिकेतन : राष्ट्रीय अस्मिता का गौरवली अध्याय, राष्ट्रीय एकता के प्रहरी भारतीय सरोकार संपादक डॉ. केशव फल्के पुणे, अक्टूबर, 2018।
2. पृथ्वी के प्रति गहरी कृतज्ञता, कवि केदारनाथ सिंह को श्रद्धांजलि, प्रभात खबर, दीपावली विशेषांक साहित्यिक अंक, रांची, नवंबर, 2018

रवींद्रनाथ मिश्र

1. कबीर कि शब्द साधना, वर्तवाचक ओडिशा, खंड- 215, नवंबर, 2018, आईएसएसएन 2321
2. रवींद्रनाथ की रचना धर्मिकाता और उनका जीवन दर्शन वर्तवाचक ओडिशा, खंड- 216, जनवरी, 2019, आईएसएसएन 2321
3. भयमुक्ति पराबक्ता साहित्यकार, वर्तवाचक ओडिशा , खंड- 218, मार्च, 2019, आईएसएसएन 2321

शकुंतला मिश्रा

1. परम्परा का सात्विक बोध विरल सारस्वत साधना (पद्मश्री डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र पर आधारित) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, 2018: 208-213।

सुभाष चंद्र रॉय

1 हम तो हैं कवि इतिहास बदलने वाले, साक्षातकार, मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी, भोपाल, जुलाई, 2018।

अर्जुन कुमार

1. 'साहित्य इतिहासकार रामस्वरुप चतुर्वेदी ', रामस्वरुप चतुर्वेदी- आलोचकथाएँ साहित्य भंडार, इलाहाबाद, 2018।

श्रुति कुमुद

1. जीस नूर से है सोहर की दिवार दर्खयान 'सखी' अंक -27, अप्रैल, 2018।आईएसएसएन -2231-5187।

अकादमिक उपलब्धियाँ

रामेश्वर प्रसाद मिश्र

1. 7-8 दिसंबर 2018 को बी.के. बिड़ला कॉलेज में आयोजित 44वाँ काँग्रेस में भारतीय हिंदी परिषद इलाहाबाद द्वारा प्रो. कल्याण मल लोढ़ा सम्मान।

मंजू रानी सिंह

1. 27 मई 2018 को साहित्यिक सांस्कृतिक कला आकादमी प्रतापगढ़ यू.पी द्वारा 'साहित्यकार सम्मान'।

चक्रधर त्रिपाठी

1. 4 मार्च, 2019 को बृज मंडल साहित्य परिषद, नाथ द्वारा, राजस्थान, हिंदी सेवी सम्मान।

संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र

1. शिल्पी घोष (नेट-जेआरएफ, सेट)
2. सुमित्रा कर्मकार (नेट-जेआरएफ, सेट)
3. बंदना गरई (नेट)
4. पुसिता मुखर्जी (नेट)
5. प्रत्युषा घोष (सेट)
6. अरिंदम मंडल (सेट)

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

26.08.2018-27.08.2018 ब्रह्मांड की भलाई में संस्कृत की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी । संयोजक : प्रोफेसर नरोत्तम सेनापति।

संगोष्ठी / सम्मेलन / व्याख्यान / विशेषज्ञ व्यक्ति

नरोत्तम सेनापति

1. 04.01.2019 रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान, बेलूर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल में एक राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य व्याख्यान दिया।
2. 27.02.2019 - 08.03.2019 श्री लाल बहादुर शास्त्री शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, डीम्ड विश्वविद्यालय, नई दिल्ली -16 में श्री वैकार्यभूषण का शिक्षण
3. 29.03.2019 लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, देवघर, झारखंड में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में धत्वर्थ पर व्याख्यान दिया।

अरुण कुमार मंडल

1. 08.08.2018 त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में संस्कृत के स्तोत्रों में निहित अपराध की भावना पर एक व्याख्यान दिया।
2. 20-21.08.2018 संस्कृत विभाग, गोरखा विश्वविद्यालय, मालदा के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित

'रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड पांडुलिपि' पर एक कार्यशाला में 'संस्कृत अनुसंधान की विशेष विशेषताओं' और 'पांडुलिपि में प्रयुक्त तकनीकी शब्द' पर दो व्याख्यान दिए।

ललिता चक्रवर्ती

1. 14.06.2018-15.06.2018 संस्कृत विभाग, मालदा विश्वविद्यालय, मालदा विश्वविद्यालय में एक विशेष व्याख्यान दिए।
2. 20.07.2018 संस्कृत विभाग, रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, उत्तर दिनाजपुर, में विजिटिंग प्रोफेसर विभाग के रूप में सबदत्त पर विशेष व्याख्यान दिए।
3. 15.11.2018 बंगाली विभाग, बोलपुर कॉलेज, बोलपुर, बीरभूम, में एक विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में भारतीय काव्यशास्त्र पर विशेष व्याख्यान दिया।

अरुण रंजन मिश्रा

1. 21 जून, 2018: नई दिल्ली में साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'भारतीय साहित्य में योग दर्शन' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में पतंजलि के योगसत्र में संकल्पना के देवता पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।
2. 26-27 अगस्त, 2018: संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित 'सर्वव्यापी कल्याण में संस्कृत की भूमिका' राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ऋग्वेद में सार्वभौम भलाई का संदेश', पेपर प्रस्तुत किया।
3. 25 सितंबर, 2018 ओडिया विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा आयोजित 'अनुवाद पर कला और दर्शन में अनुवाद' सात दिनों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित।
4. 10-12 जनवरी, 2019. संस्कृत विश्वविद्यालय, एस.पी. पुणे विश्वविद्यालय में उन्नत अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित 'पांडुलिपियों और पांडुलिपि विज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पांडुलिपि के संपादन में कुछ समस्याएँ - उनसे निपटने के लिए दृष्टिकोण पेपर प्रस्तुत किया।

जगत राम भट्टाचार्य

1. 09 अक्टूबर 2018 जैन विश्वविद्यालय, पुणे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जैन धर्म और आधुनिक संदर्भ पर बीज भाषन दिया।
2. 17-18, नवंबर 2018 ग्रीस के एशियन म्यूजियम, कोर्फू में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जैन आचार और आधुनिक काल में इसके प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

3. 16-18 जनवरी, 2019. श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी, केरल में राष्ट्रीय कार्यशाला में 4 व्याख्यान दिए। व्याख्यान जैन कैनन की भाषा, प्राकृत - अपनी बोलियों और उप-बोलियों और पाली, धम्मपद - पाली और प्राकृत (एक भाषिक विश्लेषण), पाली और इनस्क्रिप्टिक प्राकृत, भाषाई विश्लेषण पर थे।
4. 5-6, मार्च 2019 राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर में पाली और प्राकृत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्राकृत ग्रंथों और टिप्पणियों में परिलक्षित योग परंपरा पर पेपर प्रस्तुत किया।
5. 26 मार्च, 2019 भाषा और संस्कृति केंद्र की ओर से लुप्तप्राय भाषा, विश्व भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित नई दिशा में पांडुलिपि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में जैन पांडुलिपि पर एक अध्ययन पर पेपर प्रस्तुत किया।
6. 28 मार्च, 2019 को श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सौर्यकुंड मेमोरियल व्याख्यान में सूर्यसेनी अपनी पहचान और विकास पर व्याख्यान दिया।

निरंजन जेना

1. 13-14 अप्रैल 2018. एससी, एसटी ओबीसी कर्मचारी कल्याण समिति विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित, संगोष्ठी बी.आर. अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग, में वर्ण प्रणाली और अंबेडकर के विजन-एन एनालिसिस पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 18-20 मई 2018, अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, 49वां सत्र, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात द्वारा आयोजित; समकालीन समाज में विभिन्न अनुष्ठानों और बलिदानों में प्रयुक्त पसू शब्द का एक अध्ययन एक व्याख्यान दिया।
3. 02. दिसंबर 2018 अभयराम सारस्वत परिषद, कटक द्वारा आयोजित; श्री अभिरमरणकरे धर्म धरना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुराण साहित्य भितरभिराम संहिता धर्म धर्म पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. 11-13 फरवरी 2019. भारत-ईरानी विचार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः भारत, ईरान और मध्य एशिया की एक क्रॉस कल्चरल हेरिटेज, जो कि फारसी विभाग गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम; द्वारा आयोजित किया गया जिसमें वैदिक और भारतीय सभ्यता और प्राचीन ईरान और मध्य एशिया के साथ इसके संपर्क पर पेपर प्रस्तुत किया।

हरेकृष्णा मिश्रा

1. हिंदू विवाह प्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी - समकालीन भारतीय समाज में धर्मशास्त्र और भारतीय संविधान की अवधारणा, रीति-रिवाज और व्यवहार। लिव इन रिलेशनशिपः फोकस ऑन कंटेम्परेरी ट्रेंड एंड ट्राइबल ट्रेडिशन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

गार्गी भट्टाचार्य

1) 08 दिसंबर, 2018: विश्वभारती द्वारा आयोजित बौद्ध धर्म और मानवता (2-9 दिसंबर 2018) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में, समानता और मानवता पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

2) 06 मार्च, 2019 : विश्वविद्यालय में आधुनिक भारतीय भाषाओं की स्थापना पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर केशताब्दी समारोह में संगोष्ठी में पश्चिमी शैक्षिक फ्रेम में संस्कृत का उपनिवेशीकरणः औपनिवेशिक बंगाल की ऐतिहासिकता का पुनर्मूल्यांकन विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

3) 06-08, मार्च, 2019 भाषा और संस्कृति, लुप्तप्राय भाषा केंद्र विश्वभारती और राष्ट्रीय मिशन फॉर पांडुलिपि, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पांडुलिपि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पांडुलिपियों का संरक्षण और संस्कृति की पुनर्स्थापना एक पेपर पत्र प्रस्तुत किया।

4) 29 मार्च, 2019: अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, भाषा भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित भाषा, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रीतिलक्ष्मी स्वैन

सेमिनार / सम्मेलन/ व्याख्यान

1. 26-27 अगस्त, 2018: संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित विश्ववल्क्यान्विधेनसंग्रहस्य भौमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृत्सविद्यावासः एकस्मिक्षा नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 28-29 दिसंबर, 2018: शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित एक शैक्षणिक प्रवचन बंगाल शांति, कल्याण और शिक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शांति और कल्याण के धार्मिक परिप्रेक्ष्य नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. 12 जनवरी, 2019: गुरुकुल शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, जीरूडू, कोटशिला, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित स्वदेशी ज्ञान और संस्कृति पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में एक महत्वपूर्ण स्वदेशी ज्ञान। नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

अरुण कुमार मंडल

आलेखः

1. 'देहयपादपल्लवमुद्रन - किछु कथा इन बाउल तीर्थ, बीरभूम जिला प्रशासन द्वारा प्रकाशित, तृतीय खंड, दिसंबर 2018, पृष्ठ 22-30।

अरुण रंजन मिश्रा

पुस्तकों का संपादन किया

1. प्राज्ञ-प्रजाना (पूर्वी भारत प्राच्य सम्मेलन की कार्यवाही), प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2019, आईएसबीएन-978-81-7702-448-7।

शोध पत्र

1 वात्स्यायन का परिचयात्मक भाष्य - एक संक्षिप्त नोट, कमेंट्री वर्क्स इन संस्कृत अनुशासन (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही), सं. चंदन भट्टाचार्य, गौरबंग विश्वविद्यालय, मालदा, पश्चिम बंगाल, 2018: 81-86। आईएसबीएन 978-81-86359-70-2

2. अभिनवगुप्त की थ्योरीज़ ऑन द इंनोटेशन, अन्वेषा, संपादक तपन एस भट्टाचार्य, फरवरी 2019: 1-7। आईएसएसएन- 0587-1646।

निरंजन जेना

1. वैदिक मंत्रों के माध्यम से योग की खोज, संजीब कुमार शर्मा द्वारा संपादित, अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018: 119-132 आईएसबीएन: 978-81-8390-282-3।

हरेकृष्णा मिश्रा

1. डॉ. वीगुप्त की सह-अस्तित्व की दृष्टि, संस्कृत लिट्रेचर : 113-119।
2. वैदिक युग की लकड़ी: एक परिचय, प्राच्य परजना , 2019: 55-62।
3. अपौरुषेयत्वः में विरोधाभासों का विश्लेषण, सांस्कृतिक साहित्य, 2018: 72-78।

संजय कुमार मंडल

विद्यावर्त में योगदर्शन मुझे कर्मवाड़ा का रूप, अप्रैल -2018 2018. आईएसएसएन -23945303

2. सम्यकदर्शन एवं प्राकृत का स्वरूप, विद्यावर्त, खंड -2, अप्रैल-जून 2018। आईएसएसएन -23199318।

गार्गी भट्टाचार्य

1. प्राचीन भारतीय साहित्य को डिकोड करनाः सेमिनार की कार्यवाही में पाठ्य संबंधों और सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों की समस्याएं संस्कृति और समाज के चौराहे पर तुलनात्मक साहित्य। संपादक तापती मुखर्जी और कैलाश पट्टनायक, तुलनात्मक साहित्य केंद्र भाषा-भवन, विश्व-भारती, द्वारा प्रकाशित, 2018: 86-94। आईएसबीएनः 978-81-7522-6760।

2. गिरीश कर्नाड का साक्षात्कार, अनुबंध पत्रिका में, (बंगाली जर्नल ऑफ़ ट्रांसलेशन), संपादक बितास्ता घोषाल (जुलाई - अगस्त, 2018): 20-26। आईएसएसएन : 2455-9628

3. नाट्य पर एक प्रवचन (भारतीय नाटक): उत्पत्ति, विकास और तकनीकी साहित्यिक अध्ययन के एक अंतः विषय जर्नल (यूजीसी अनुमोदित) वॉल्यूम-3 , (जुलाई 2018): 178-189। आईएसएसएन : 2456-7507।

ओडिया विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 25.02. 2019. कवि बिनोद चंद्र नायक का शताब्दी समारोह, डॉ. अशोक कुमार महापात्र ने बीज भाषण दिया।
2. विभागीय साप्ताहिक सेमिनार

सेमिनार / सम्मेलन / व्याख्यान / विशेषज्ञ व्यक्ति

कैलाश पट्टनायक

1. 24-30 सितंबर 2018 उत्कृष्टता कार्यक्रम केंद्र, ओडिया विभाग, विश्वभारती के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्‌घाटन सत्र की अध्यक्षता की।
2. 29-30 अक्टूबर, 2018 सईद अब्दुल मलिक पर जन्मशताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी पर एक पत्र प्रस्तुत किया, जो साहित्य अकादमी और असम के विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम के डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
3. 19-23 नवंबर, 2018 ओडिशाः लोक परंपरा, परंपरा और आधुनिकता पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, जो अमृतसर, पंजाब में नाट्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था।
4. 10-12, जनवरी, 2019 कर्नाटक लोकगीत विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा आयोजित लोक जीवन पर चिंतन के रूप में पांडुलिपि राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य संबोधन किया।
5. 6 फरवरी, 2019 ओडिया मासिक पत्रिका, 'जुगाश्री जुगनारी', भुवनेश्वर, ओडिशा के वार्षिक समारोह में एक व्याख्यान दिया।

सबिता प्रधान

1. 13.09.2018 बरहमपुर विश्वविद्यालय में 'आदिवासी संस्कृति' पर एक व्याख्यान दिया।
2. 24.11.2018 सीओई विभाग, उड़िशा के कार्यशाला में, 'जनजातीय भाषा और विशिष्ट अंक' पर एक व्याख्यान दिया।
3. 11-12.12. 2018. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, बेरहमपुर विश्वविद्यालय में ओडिया फोनेम और मोर्फेमेस पर 4 व्याख्यान दिया।

मनोरंजन प्रधान

1. 5 मई, 2018. ओडिया विभाग, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर में साहित्य और सृजनधर्मिता पर एक व्याख्यान दिया।
2. सितंबर, 2018 ओडिया विभाग, बरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में एकबिम्बाशताबादिरा ओड़िया साहित्य पर एक व्याख्यान दिया।
3. 2 दिसंबर, 2018 साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित साहित्यि क्रम चंद्र दश नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
4. 21 दिसंबर 2018 सरकारी कॉलेज, राउरकेला द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इस्म और साहित्य पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रमिला पटुलिया

1. 11-13.02.2019 सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित सतत विकास में मीडिया और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लोक मीडिया के माध्यम से विकास संदेशः ओडिया नीतिवचन का एक प्रासंगिक सामग्री अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 25.02.2019 ओडिया विभाग, विश्वभारती विभाग द्वारा सीआईआईएल, मैसूर के सहयोग से आयोजित कवि बिनोद नायक के शताब्दी समारोह राष्ट्रीय संगोष्ठी; रवींद्रनाथ टैगोरें का - बिद्या अभिशाप काव्यनितिका छाया रे चंदा ओ तारा पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. 26.02.-1.03.2019 सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, ओडिया विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित, पूर्वी भारत के ट्राइबल लाइफः इनसाइडर्स और आउटसाइडर्स पर्सपेक्टिव्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में बैथुदी लोको विश्वास पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सरता कुमार जेना

1. 21.04.2018 ओडिशा साहित्य अकादमी की ओर से खोरधा स्थित सांस्कृतिक हॉल, खोरधा में खोड़ा साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 27.11.2018 ओडिया विभाग बेरहमपुर विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित एकबिंस्साटबदिरा ओडिया सहित्य : सीमा ओ सम्भाना पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एकबिंस्सात्सबीरा ओडिया पत्र पत्रिका नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. 12.03.2018 भुवनेश्वर के रंगमंच, राउरकेला द्वारा आयोजित नाट्यकार रमेश पाणिग्रही पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रमेश पाणिग्रही नाटक टकराडुबस्तबता नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

4. 18.02.2018 ओडिया विभाग, खालीकोट कॉलेज, बेरहामपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित ओडिया साहित्य नारायण काबी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओडिया साहित्यरायतिरी (अड्यारु 1870 परजयंता) नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
5. 21.12. 2018. करंजिया ऑटो कॉलेज, करंजिया, मयूरभंज, ओडिशा द्वारा आयोजित जगतिकारना ओ ओडिया साहित्य पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में जगतिकरण ओ समप्रितिका ओडिया कबीता नाम का एक पेपर प्रस्तुत किया।
6. 13.12.2019 ओडिया विभाग सरकारी ऑटो कॉलेज, परलाखेमंडी, ओडिशा द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में कंधमालरालोकास्कृति पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
7. 13.02.2019. ओडिया विभाग, बरहमपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दखीनाओदिशरालाका परम्परा ओ अनाचलिका संस्कृतरुति पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओडिया, अस्सामी ओ बंगला रामकथा : एक तुलनात्मकाअध्याय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

रवीन्द्र कुमार दास

1. 22.09.2018 सेंटर फॉर लैंग्वेज एंड कल्चरल स्टडीज गुवाहाटी असम द्वारा आयोजित ओडिशा में भुइयन ट्राइब्स का संगीत शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
2. 01.10.2018 एफ एफ फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से ओडिया विभाग उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर द्वारा आयोजित फकीरमोहन के उपन्यास में समकालीनता शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
3. 22.01.2019 एफ एफ फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से ओडिया विभाग ओडापाड़ा पंचायत समिति महाविद्यालय ढेंकनाल द्वारा आयोजित फकीरमोहन की कविता में सामाजिक प्रतिबद्धता नामक पेपर प्रस्तुत किया।
4. 25.02.2019 ओडिया विभाग, विश्वभारती द्वारा सीआईआईएल मैसूर के सहयोग से आयोजित बिनोद चंद्र नायक के100 साल जन्म शताब्दी के अवसर पर बिनोद चन्द्र नायककितेन्द्रित चेतना शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।
5. 10.03.2019 भुवनेश्वर में सीआईआईएल मैसूर के सहयोग से लिपि साहित्य, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सरला महाभारत में रूडी (मुहावरे) नामक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

कैलाश पट्टनायक

संपादित पुस्तकें :

1. भारतीय भाषा और संस्कृतिः एक बहस, सीमांत प्रकाशन दिल्ली, और सीएफईएल, विश्व-भारती, 2018।

2. आकांक्षी भारती भाष्य एवं संस्कृति एका बिमरसा, सीमांत प्रकाशन दिल्ली, और सीएफईएल, विश्व-भारती, 2018।

शोध पत्रः

1. ओडिया लोकनाटाकराजनजति चित्रः प्रतिफलन ओ तारा बयाबाखेड़ा, कटक, सत्यबाड़ी, अक्टूबर, 2018 (आईएसएसएन 2581-3994)।
2. शैतान महलः स्रष्टा ओ व्यंग्य, सत्यवादी, अप्रैल, 2019 (आईएसएसएन 2581-3994)।
3. अंधारीबीजः पाशिगरा, सितंबर, 2019 में दस्यु दीपक ओ सथिरुपक

सबिता प्रधान

पुस्तकों का संपादन किया

1. जनजातीय साहित्य और भाषा-II, उत्कृष्टता केंद्र, ओडिया विभाग विश्वभारती (भारत सरकार, जनजातीय मामलों के मंत्रालय) 2018
2. भ्राता लोक साहित्य, सीओई, विभाग ओडिशा, 2019
3. आदिवासी लोक साहित्य, सीओई, विभाग ओडिशा, 2019
4. एथनिक टेपेस्ट्री, सीओई, विभाग ओडिशा, 2019
5. पोस्टइंडिपेंडेंट ओडिया साहित्य की लघु कहानी में जनजातीय जीवन, ओडिया विभाग, 2019
6. जनजातीय जीवन ओडिया और बंगाली उपन्यास, सीओई, ओडिया विभाग में दर्शाया गया, 2019

शोध पत्रः

1. 'गौड़', अक्टूबर 2018 में शिल्पा ततवा के बारे में आईएसएसएन 2394 - 3572।

प्रमिला पटुलिया

पुस्तकः

1. ओडिया रुधिरो प्रगतिमाकोबाइचित्र, एथेना बुक्स, भुवनेश्वर, जनवरी, 2019 (आईएसबीएन 978-93-80824-49-9)।

शोध पत्रः

1. 'बालारामदासर लक्ष्मी पुराण ग्रन्थलोकप्रबाव', अभिजात्यपरी, विशेष अंक संख्या 30 मई, 2018: 59-61। आईएसएसएन 2231-2862।

सरता कुमार जेना

पुस्तकें

1. बसंतानुराग, उत्कल आश्रम, बरहामपुर, जून -2018।
2. देवी, एथेना बुक्स, भुवनेश्वर, 2018। (आईएसबीएनः 978-93-80824-94-9)

शोध पत्रः

1. 'कालकैबलीलाबाद', साहित्य गोधुली, भुवनेश्वर, अक्टूबर-2018, आईएसएसएन - 2455-8192।
2. संप्रतिनतकराधारा ओ धरा, श्री साहित्य, भुवनेश्वर, अक्टूबर 2018।
3. 'कबीटारेनंदनिकता', कबालोका, भुवनेश्वर, जनवरी -2019। आईएसएसएन -2349-0160
4. गबासनरेपटापार्गबाइबहारकौसल, 'गबसाना-अनबदा-सम्पदा कला। संपादक नारायण साहू, सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, आईएसबीएन 81-8110-240-5।
5. 'गंजमारासमुद्रहठाकल्पपरमपाराः एकबाभ्रबलोकण', ओडिया कथा ओ कथाकार संपादक अरुण कुमार साहू, ग्रंथमंदिर, कटक, 2018।

रवीन्द्र कुमार दास

पुस्तकः

1. अदृश्यतमा दर्द, सरजन इंडिया, कटक ओडिशा, फरवरी 2019।

शोध पत्रः

1. घाना, अन्वेशन, अगस्त 2018: 18-20: आईएसएसएन 2320-4133।
2. उत्तर सम्रनाबादी प्रकाशापत्तेरमनोजदासंका 'अमृता फला', एसजेएसएल, मार्च, 2019: 15-22। आईएसएसएनः 2320-1379।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजना

श्रेष्ठता का केन्द्र

परियोजना का नाम	आदिवासी साहित्य और भाषा
प्रायोजन एजेंसी	जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की
स्वीकृत राशि	रु. 2,93,00,000 / -
परियोजना की अवधि	3 वर्ष

पहला चरण पूरा हुआ।

अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन

20-21.11.2018 विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाः

वासिफ अहमद

1. 20-21.11.2018 को फारसी विभाग विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक रायन आनंद राम मुखलिसः एक अग्रणी-सब-ए-हिंदी।
2. 21-23.3.2019 को इंस्टीट्यूट ऑफ फारसी रिसर्च, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध-पत्र पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक निगही-ए-गुज़रबेहशम-ए-सैयद मोहम्मद हुसैनी ख्वाजा बंदाहनवाज़ ख़्वाजा ग़ैसुदराज़ेहैफ़शैफ्ट-ओ-नुश्तर-ए-ज़बान-ए-अदब-ए-फ़ारसी दर क़ुरान-ए-चहर-ए-चहर शिबेह कुर्राह हिंद।
3. 26-28.2.2019 को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस के द्वितीय सत्र, मध्यकालीन भारत, (लर्निंग, लिटरेचर एंड कल्चर), 79 वें सत्र, में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक मुग़ल बादशाह जहाँगीर के शाही दरबार के कवि-साहित्यकारः तालिब आमुली।
4. 26.3.2019 को भारत-तिब्बत अध्ययन, विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक बौद्ध धर्म के विशेष संदर्भ के साथ पूर्व-भारत-ईरान संबंध।
5. 29.3.2019. को फारसी विभाग विश्व-भारती विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक उर्दू में महिलाओं के रूप में चित्रित की गई सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिति

प्रकाशन

वासिफ अहमद

1. मुस्तफा खलीकदाद हाशमी अब्बासीः मुगल सम्राट अकबर के शाही दरबार का एक प्रसिद्ध अनुवादक और पंचतंत्र का फारसी अनुवाद, अनुसंधान की समीक्षा, (अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त बहु-विषयक अनुसंधान जर्नल, यूजीसा अनुमोदित जर्नल, नंबर 48514। आईएसएसएन 2249-894**X,** वॉल्यूमः VII अंकः 11, अगस्त-2018, इम्पैक्ट फैक्टर 5.7631

2. पुरानी फ़ारसी, अवेस्टैंड संस्कृत के बीच संबंध, संगोष्ठी की कार्यवाही, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी।
3. भारत-ईरान का पुराना नाता, सेमिनार की कार्यवाही, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी।
4. अमीर ख़ुसरोः एक साहित्यिक दिग्गज और एक प्रतिभाशाली, सेमिनार की कार्यवाही, विश्व भारती।
5. गुलिस्तान-ए-सयादीः नैतिकता, नैतिकता और ज्ञान का विश्वकोश, सेमिनार की कार्यवाही, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 14.04 2018. बौद्ध कल्याण मिशन के सहयोग से आयोजित अम्बेडकर के सामाजिक न्याय और बौद्ध परिप्रेक्ष्य पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
2. 12.03.2019 प्रो. सुनीति कुमार पाठक द्वारा बौद्ध विचार और पर्यावरण की खोज में तिब्बती अध्ययन का क्षेत्र पर विशेष व्याख्यान।
3. 23-24.03. 019. बुद्ध के परिप्रेक्ष्य के अनुसार वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका पर शांतिनिकेतन में अम्बेडकर बौद्ध कल्याण मिशन के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
4. 26.03.2019 आधुनिक युग में बौद्ध धर्म के महत्व पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / विशेषज्ञ व्यक्ति

संजीव कुमार दास

1. 2-9.12.2018 बौध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित बौद्ध धर्म और मानवता पर सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और बुद्ध के मानव धर्म पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
2. 17-19.12.2018 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज, सारनाथ द्वारा आयोजित बौद्ध अध्ययन पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और बौद्ध संस्कृत ग्रंथों का अनुवादः उत्पत्ति और महत्व पर पेपर प्रस्तुत किया।
3. 26.03.2019 भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित आधुनिक युग में बौद्ध धर्म के महत्व पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तिब्बती कग्युर और तेंग्युरः ए ग्रेट ट्रेजरी ऑफ़ बौद्ध सिद्धांत और दर्शनशास्त्र पर भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।
4. 23-24.03.2019 भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्व-भारती के सहयोग से शांतिनिकेतन में अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा बुद्ध के परिप्रेक्ष्य में वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और महिलाओं की संभावनाएंः एक बौद्ध परिप्रेक्ष्य पर पेपर प्रस्तुत किया।
5. 28-29.03.2019 विभिन्न आयामों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

शेदुप तेनजिन

1. 28-30.09.2018 को कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी में भारत में बौद्ध अध्ययन के लिए इंडियन सोसायटी द्वारा आयोजित 18वें वार्षिक सम्मेलन में बोधिसत्व अवधारना केअवदान और तिब्बती ल्हामो ओपेरा में रूपादित्य का तुलनात्मक अध्ययन, पेपर प्रस्तुत किया गया।
2. 20-21.11.2018 अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग विश्वभारती विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित, उर्दू, फारसी और अरबी अध्ययन के विकास के लिए गैर-मुस्लिम कवियों और लेखकों के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 19वीं सदी के तिब्बत के खाचेफालु की नैतिक सलाह पर पेपर प्रस्तुत किया।
3. 2-9.12.2018 बौध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित बौद्ध धर्म और मानवता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में, तिब्बती बौद्ध धर्म में मन प्रशिक्षण शिक्षण पर एक व्याख्यान दिया।
4. 19.03.2019 मराठी भाषा विभाग विश्वभारती द्वारा आयोजित बहुभाषी काव्य समारोह के अवसर पर तिब्बती में कबद बेल जीममू मग टाइगफ्रेंबा (पवित्र प्रवचन पर्ल रोज़री पर काब-शै) शीर्षक से स्व-रचित कविता सुनाया।
5. 26-28.03.2019 विश्वभारती और राष्ट्रीय पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय संस्कृति मिशन (एनएमएम), नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांडुलिपियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पोथी और स्क्रॉल प्रारूप में भारत-तिब्बती पांडुलिपियांः एक अवलोकन, नई दिशा (पांडुलिपि-2019) में पेपर प्रस्तुत किया।
6. 23-24.03.2019 तिब्बती बौद्ध धर्म में महिला परास्नातक की भूमिका, भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्व-भारती और शांतिनिकेतन अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन, शांतिनिकेतन द्वारा संयुक्त रूप से बुद्ध के दृष्टिकोण केअनुसार वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।
7. 26.03.2019 भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित आधुनिक युग में बौद्ध धर्म के महत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकृति चक्रवर्ती

1. 24-30 सितंबर, 2018 उत्कृष्टता केंद्र, ओडिया विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में अनुवाद पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. 23-24 मार्च, 2019 शांतिनिकेतन अंबेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा आयोजित भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सहयोग से बुद्ध काल में महिलाओं की स्थिति पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, बुद्ध केदृष्टिकोण केअनुसार वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका पेपर प्रस्तुत किया।

3. 26 मार्च, 2019 भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित दलाई लामा का वैश्विक मुद्दों पर दृष्टिकोण- एक नया परिप्रेक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, में आधुनिक युग में बौद्ध धर्म का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया।

सोनम ज़ंगपो

1. 29-31 मार्च, 2019: दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा दया कृष्ण अकादमिक फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय संदर्भों में विकास की आलोचना : एक दार्शनिक मूल्यांकन, में फिलॉसॉफी ऑफ मैन एंड वुमनः बुद्धिस्ट एप्रोच पर प्रस्तुत पेपर।
2. 26 मार्च, 2019: भारत तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आधुनिक युग में बौद्ध धर्म का महत्व में बौद्ध प्रथाओं पर पेपर प्रस्तुत किया।
3. 23-24 मार्च, 2019: भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती के सहयोग से शांतिनिकेतन अम्बेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा आयोजित "वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और विश्व में बौद्ध धर्म और महिला : सामान्य दृष्टिकोण पेपर प्रस्तुत किया।
4. 2-दिसंबर, 2018: को बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित, 'बुद्ध का मध्य मार्ग (बुद्ध का मध्ययुगीन) बौद्ध धर्म और मानवता पर दस दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, में भाग लिया और 05.12.2018 को पेपर प्प्रस्तुत किया।
5. 21-22 सितंबर 2018: सेंटर फॉर लैंग्वेजेज एंड कल्चरल स्टडीज, गौहाटी विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित स्वदेशी भाषा और संस्कृतिः यह संरक्षण और प्रसार पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वदेशी तिब्बती बौद्ध संस्कृति के सामाजिक-धार्मिक पहलूः संक्षिप्त परिचय' एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
6. 14 अप्रैल, 2018 भारत-तिब्बती अध्ययन, विभाग विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा शांतिनिकेतन अम्बेडकर बौद्ध कल्याण मिशन के सहयोग से आयोजित सामाजिक न्याय-बौद्ध दृष्टिकोण पर अम्बेडकर का विजन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।

नोरबू ग्यालसन नेगी

1. 23-24 मार्च, 2019: भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती के सहयोग से शांतिनिकेतन अम्बेडकर बौद्ध कल्याण मिशन द्वारा आयोजित "वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और विश्व में बौद्ध धर्म और महिला : सामान्य दृष्टिकोण पेपर प्रस्तुत किया।

2. 26 मार्च, 2019. भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आधुनिक युग में बौद्ध धर्म का महत्व में किन्नौर में बौद्ध धर्मः अतीत और वर्तमान नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

3. 13-14 अप्रैल 2018 डॉ. बी. आर. अंबेडकर पर एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ विश्वभारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी अंबेडकर और सोशल इंजीनियरिंग में भारतीय संस्कृति एवं चिंतन के उन्नयन में अंबेडकर का योगदान नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

4. 14 अप्रैल 2018 भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा शांतिनिकेतन अम्बेडकर बौद्ध कल्याण मिशन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के सहयोग से सामाजिक न्याय- बौद्ध परिप्रेक्ष्य पर अम्बेडकर का विजन- बौद्ध परिप्रेक्ष्य में पेपर प्रस्तुत किया।

5. 15-25 जून 2018 ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन दस दिवसीय कार्यशाला सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

6. 02-09 दिसंबर 2017 बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित एक सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, बौद्ध धर्म और मानवता में भाग लिया।

मनोतोष मंडल (अतिथि शिक्षक)

1. 28-30, सितंबर 2018 कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी में इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिष्ट स्टडिज द्वारा आयोजित 18वें वार्षिक सम्मेलन विश्वभारती में बौद्ध तर्क पर अध्ययनः एक झलक, में पेपर प्रस्तुत किया।

2. 26 मार्च, 2019. भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में बंगाली शिक्षाविदों का योगदान में आधुनिक युग में बौद्ध धर्म का महत्व पेपर प्रस्तुत किया गया।

प्रकाशन

संजीब कुमार दास

पुस्तकें

1. दास, संजीब कुमार, बुद्धवचन, शांतिनिकेतन और नई दिल्ली, भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग और बौद्ध विश्व प्रेस, 2018; आईएसबीएनः 9789380852874

2. दास, संजीब कुमार, स्वर्ण माला द्रुक्पा कग्यू वंश-स्वामी के जीवन, भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग, तथागत प्रेस, कोलकाता के सहयोग से विश्वभारतीः शांतिनिकेतन और कोलकाता, 2018, आईएसबीएनः 978-93-87603-05-9

जर्नल में प्रकाशित लेख

1. कुमार, बिमलेन्द्र सं. वर्तमान समाज के लिए बौद्ध धर्म, धर्मदूत, सारनाथः महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, 2018, आईएसबीएन 234-3482
2. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, त्रिपुरा द्वारा आयोजित बौद्ध परंपराओं का। टेंट्रे? नाः ईएकेएस? कईपाईचैव इवम यूवाविशट? में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।

शेदुप तेनजिन

1. हार्ट एसट्रे (भगवतीप्रज? पी? रामित? हृदय) और हार्ट एस से कमेंटरी (परिचय, अनुवादित और संपादित), 2018
2. तिब्बत में बौद्ध कला का विकासः एक अवलोकन, मंदिर संस्कृति के पहलुओं में प्रारंभिक मध्ययुगीन भारत में धार्मिक और सामाजिक परंपराओं के परिप्रेक्ष्य। के मावलीराजन द्वारा लिखित, रेम्या वी.पी. और सरिता खेत्री कावेरी बुक्स, नई दिल्ली- 110002, 2018, पृ.306-326.आईएसबीएनः 978-93-86463-06-7
3. द हार्ट एस-ट्रेः तिब्बती स्रोत, द फिलोसोफिकल क्वेस्ट, वॉल्यूम **IV**, संपादक-डॉ. आर.सी. सिन्हा जुलाई-दिसंबर, 2018, पृ.-1-12.आईएसएसएन-2319-4634

प्राकृत चक्रवर्ती

1. क्या महिलाएं में बौद्ध धर्म एक सोच, अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक त्रैमासिक अनुसंधान पत्रिका, पीयर रिव्यूड और यूजीसी लिस्टेड जर्नल, वॉल्यूम **VII,** अंक- **IV**, अक्टूबर-दिसंबर, 2018, आईएसएसएन 2277-5730

सोनम ज़ंगपो

1. अवध का महत्व? नकलपालत? भारत-तिब्बत साहित्य के संदर्भ में, अजंता खंड-आठवीं, जनवरी-मार्च, 2019, अजंता प्रकाशन, औरंगाबाद द्वारा प्रकाशित (एम.एस.)। पृ. 36-43, आईएसएसएन 2277-5730।
2. ग्यारवी-बरविशाती मुख्य कश्मीरी पंडितो का बौध धर्म की प्रचारथिब्बत मुख्य योगदानः शाक्य सम्प्रदाय के परि प्रयास मुख्य, विश्वभारती पत्रिका, Vol.70 (हिंदी), अक्टूबर 2017-मार्च 2018: 79-98।

नरबु गयालस्तान नेगी

1. संस्कृत साहित्यअवद? कालप्लत? का भोटी स? हित पार्वः अजंता, विनय शंकर हरोठोले (सं.), अजंता प्रकाशन, औरंगाबाद। (एम.एस.), 2019. पृ.16-20। आईएसएसएन 2277-5730

मनोतोष मंडल (अतिथि शिक्षक)

1. द महाबोधि मंदिरः एक सौंदर्यबोध भारत-म्यांमार सहयोग संस्कृति डिजाइन, मंदिर संस्कृति के पहलुओं का शीर्षक- प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में धार्मिक और सामाजिक परंपराओं के परिप्रेक्ष्य मावलीराजन, रेम्या वी.पी. और सरिता खेतड़ी नई दिल्लीः कावेरी बुक्स, 2018ः पृ. 327-343 आईएसबीएनः 978-93-86463-06-7

संथाली विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर/ नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र।

1) शुदेब रूईदास (अनुसूचित जाति) यूजीसी- नेट / जेआरएफ
2) सुनाराम सोरेन- (एसटी) यूजीसी-नेट
3) माजहा मुर्मू - (अजजा) - यूजीसी-नेट
4) कैलाश सरेन- (एसटी) -सेट-डब्ल्यू बी
5) जहाँगीर कबीर मंडल- (ओबीसी) - सेट-डब्ल्यू बी

विभागीय सेमिनार

5 मई, 2018 गुरु गोम के रघुनाथ मुर्मूर्थ दिवस समारोह।

29 जनवरी, 2019 संताली विकिपिडाय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला। समन्वयक डॉ.धनेश्वर मांझी।

17 मार्च, 2019. संताली लोक गीतों पर एक दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठीः प्रदर्शन और विश्लेषण। समन्वयकः डॉ.धनेश्वर मांझी

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला

धनेश्वर माझी

1. 31 अगस्त, 2018: संताली निबंध पर संगोष्ठी में संताली साहित्य अकादमी में नारी चेतना एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 9 दिसंबर 2018: बिष्णुबाटी, बीरभूम, में मेलोडीज़ पर संग्रहालय दिवस समारोह में अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।
3. 8 जनवरी, 2019: परियोजना अधिकारी-सह-जिला कल्याण अधिकारी, पिछड़ा वर्ग कल्याण और जनजातीय विकास, बीरभूम सरकार द्वारा आयोजित 2018-19 के लिए जनजातीय भाषा में राष्ट्रीय स्तर के नाटक प्रतियोगिता में एक न्यायाधीश के रूप में भाग लिया।
4. 8 मार्च, 2019: संताली विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संताली साहित्य, संस्कृति और विद्यासागर पर दो दिवसीय (8-9 मार्च, 2019) दो दिनों में 'संताली साहित्य, संस्कृति और विद्यासागर' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मंशराम मुर्मू

1. 17 मार्च, 2019: संताली लोक गीतों पर एक दिन के राष्ट्रीय संगोष्ठी में संताली डोंग लोक गीतः प्रदर्शन और विश्लेषण 'पर एक पत्र प्रस्तुत कियाः भाषा-भवन सम्मेलन हॉल, विश्व भारती, शांति निकेतन, में प्रदर्शन और विश्लेषण।
2. 14 मार्च, 2019: निलंगा, लैक बाजार, बोलपुर, बीरभूम, में बहा परब समारोह में एक अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।

रामू हेमब्रम

1. 4-8 जून, 2018: पूर्वी क्षेत्रीय भाषा केंद्र, भुवनेश्वर, भुवनेश्वर में संताली गहन पाठ्यक्रम की तैयारी के अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला में भाग लिया।
2. 30-31 जुलाई, 2018 : अखिल भारतीय संताली युवा लेखक उत्सव 'साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, 35 फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली -110001 के दो दिवसीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. 17 मार्च 2019: संथाली विभाग, भाषा-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संताली लंगरे लोक गीतः प्रदर्शन और विश्लेषण' में एक पत्र प्रस्तुत किया।

मराठी विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1) 19 फरवरी 2019 को छत्रपति शिवाजी महाराज पर विशेष व्याख्यान। वक्ताः डॉ. अमरेन्द्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, विश्वभारती। विषयः चतुरपति शिवाजी महाराजः जीवन और कार्य।
2) 19 मार्च 2019. बहुभाषी कविता उत्सव, समकालीन भारतीय कविता का जश्न; भाषा भवन के सभी विभागों ने भाग लिया

सेमिनार / सम्मेलन / व्याख्यान

रणवीर सुमेध भागवान

1. 20-21 नवंबर 2018 अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मराठी गजल का उर्दू के विकास मेरे योगदान विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 18-27 नवंबर, 2018 भाषा-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित भाषा, साहित्य और संस्कृति में अनुसंधान पद्धति पर दस दिनों की राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला।
3. 26-28 मार्च 2019 महानुभाव सम्प्रदाय के पांडुलिपिः भाषा और संपादन विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
4. 29 मार्च 2019. अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में महिला शक्ति कारंती प्रतिमाः ताराबाई शिंदे विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशनः

रणवीर सुमेध भागवान

1) आधुनिक तमीज़ अनुसंधान (एक त्रैमासिक बहुपक्षीय पत्रिका) जनवरी-मार्च 2018 में ताराबाई शिंदेः भारतीय नारीवाद में पहली नारीवादी लेखिका आईएसएसएन : 2321-984
2) मनोरंजनप्यारीः बंगालीसाहित्यताल नवचेतनाआरम्भ, सकाम समिक्षा, जुलाई-अगस्त-सितंबर 2018, आईएसएसएन 2231 4417
3) शांतिनिकेतन बाबूमोशायः पी. एल. देशपांडे, सक्षम समिक्षा, अक्टूबर-दिसंबर 2018, आईएसएसएन 22314377

तमिल विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 08.06.2018 श्री तमिल संकर, तमिल पूथम पर बोले।
2. 18-08-2018 श्री भाग्यधर मंडल, तमिल साहित्य पर टैगोर पर बोले
3. 22-09-2018 डॉ. के मावालि रंजन, पेरियार और अंबेडकर के जीवन और इतिहास में विचारों पर बात की।
4. 19-10-2018 डॉ. सेंथिल प्रकाश एस. तमिल भक्ति आंदोलन पर बोले।
5. 26-11-2018 प्रो.गानबाथी सुब्बैया, संगम साहित्य में धार्मिक विचारों के मूल पर बात की।
6. 21-12-2018 डॉ. जगदीसन टी, दूसरी भाषा शिक्षण में विधि और निर्देश पर बात की।
7. 18.03 2019. गैर-तमिल उपयोगकर्ताओं के लिए शास्त्रीय तमिल साहित्य का प्रसार पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन। संयोजकः डॉ. सेंथिल प्रकाश एस.

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला

सेंथिल प्रकाश एस.

1. 24-09-2018 तमिल अध्ययन, आईसीए, तमिलनाडु पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टैगोर और शरतचंद्र पर पेपर प्रस्तुत किया गया।

प्रकाशन

सेंथिल प्रकाश एस.

1. बौद्ध कांचीपुरम का पुरातात्विक अध्ययन, आधुनिक तमिल अनुसंधान, त्रिची, 2018: 425. आईएसएसएन : 2321-984
2. थेनैवलाइकलिनपैरवयिलरसतचंदिर, आधुनिक तमिल शोध जर्नल, त्रिची, 2018: 583. आईएसएसएन : 2321-984

जापानी विभाग

यूजीसी / नेट / सेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र।

1. अशोक वर्धन ओझा
2. पियाली रॉय

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 12-16.09.2018 जापानी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, भारत के विदेश मंत्रालय एवं जापान फाउंडेशन के सहयोग से भारत में जापान के दूतावास द्वारा आयोजित।
1. 09.02.2018 नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी ऑफ तोक्यो के सहयोग से जापान में उच्च शिक्षा और अनुसंधान - 2018 पर इंटरैक्टिव सत्र।
2. 21.02.2019 निप्पॉन भवन की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर सीज़न एंड कल्चरः जापानी लघु कविता पर विशेष व्याख्यान टांका केपरिप्रेक्ष्य में जापान के फुकुओका के चिकुशीजोगाकुएन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर केई सूडो द्वारा

सेमिनार / सम्मेलन / व्याख्यान

गीता ए. कीनी

1. 5-8.7.2018 एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज और अशोका यूनिवर्सिटी द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में आयोजित एशिया कॉन्फ्रेंस, एशिया में मोशन में एशिया के सम्मेलन में एएएस के पैनल सत्र भारत में समकालीन जापानी साहित्यः मिथक बनाम वास्तविकता में एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 19-20.9.2018 मेदिनीपुर के पासीम मेदिनीपुर जिला परिसाद में लौकिक द्वारा आयोजित सेमिनार में जियोन मात्सुरी - ए फोक फेस्टिवल ऑफ जापान में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. 15-17.11.2018 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस इंडिया-जापानः अनअर्थिंग लेसर नॉन लिंकेज इन मोनोबुशो स्कॉलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर दिल्ली द्वारा आयोजित 'मी टू जापान टू आइ बंगाली यूथ्स थ्रू द आइज ऑफ़ टू बंगाली यूथ्स' पर एक प्रस्तुति दी।
5. 23.02 2019. तुलनात्मक साहित्य केंद्र, भाषा-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में आयोजित व्याख्यान अनुशासन के लिए यात्रा : जापानी भाषा में शांतिनिकेतन पर व्याख्यान दिया।

6. 27.02.2019 जापान इंटरनेशनल कॉपरेशन एजेंसी, नई दिल्ली और अंग्रेजी और विदेशी विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित भारत-जापान बौद्धिक आदान-प्रदान शांतिनिकेतन के आस-पास पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

प्रोसेनजीत चक्रवर्ती (अतिथि-शिक्षक)

1. 31.3.2018-2.4.2019 शांतिनिकेतन में साहित्य और संस्कृति के लिए बंगीयोसिटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व सभा में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक बंगाली भाषा में जापानी साहित्य का अनुवाद

अशोक वर्धन ओझा (शोध छात्र)

1. 31.3.2018-2.4.2019 शांतिनिकेतन में साहित्य और संस्कृति के लिए बंगीयोसिटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व सभा में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक जापानी, हिंदी और बंगला में राजनीति का प्रतिबिंब।

सुदीप सिंहा (शोध छात्र)

1. 28.09.2018 दर्शनशास्त्र विभाग, बोलपुर कॉलेज, बोलपुर, बीरभूम, द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बाल, वैष्णव और रवींद्रनाथ पर एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक रबींद्रसंगीत-ए गतिरप्रोभ।

सुकांतो मजुमदार (शोध छात्र)

1. 31.3.2018-2.4। 2019 शांतिनिकेतन में बंगियासोच्युटी फॉर लिटरेचर एंड कल्चर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व सभा में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक साहित्य ड्रीम को अपनाने के लिए केंजी मियाज़ावा की भूमिका

प्रकाशन

गीता ए कीनी

1. रवींद्रनाथ टैगोर की जापान यात्राओं में जापानी महिलाओं की झलक और जापान में उनके प्रवचन दो एशियाई सभ्यताओं के बीच एक मुठभेड़ में - रबींद्रनाथ टैगोर और द अर्ली ट्वेंटीथ सेंचुरी इंडो-जापानी कल्चर कॉन्फ्लुएंस, संपादक सुभास रंजन चक्रवर्ती और श्याम सुंदर भट्टाचार्य, द एशियाटिक सोसायटी, सितंबर 2018, पृ. 49-69, आईएसबीएनः 978-9381574-79-9।
2. काव्याइकोनियावाताबी वो ससेयो - नीतिवचन में कावाइको की व्याख्या इंटरलिंकिंग भाषाविज्ञान और साहित्य में जापानी साहित्य संपादक श्रुति चंद्रा, नॉर्दन बुक सेंटर, 2018, पृ. -197-208, आईएसबीएन 81-7211-386-2।

जापानी भाषा प्रवीणता परीक्षा जुलाई 2018:

विभाग ने जापान फाउंडेशन, जापान के साथ मिलकर और जापान के महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता के सहयोग से, जापानीज प्रोफिशिएंसी टेस्ट को पहली बार 2018 में सफलतापूर्वक आयोजित किया। शांतिनिकेतन, श्रीनिकेतन और आसपास के क्षेत्रों के 267 जापानी भाषा सीखने वालों ने परीक्षण के विभिन्न स्तरों (1-5) के लिए आवेदन किया था जो जुलाई और दिसंबर के पहले रविवार को वैश्विक स्तर पर आयोजित किया जाता है।

श्रेया दास, एक स्नातक स्तरीय छात्र ने होसी विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई करने के लिए एक वर्ष (सितंबर 2018 - सितंबर 2019) के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।

प्लेसमेंट सेल के माध्यम से कैम्पस साक्षात्कार

अमेज़ॅन ग्रुप द्वारा द्वारा 7 छात्रों का चयन 02.03.2019 को किया गया

26.03.2019 को एचसीएल टेक्नोलॉजी द्वारा 1 छात्र का चयन किया गया

चीनी विभाग

यूजीसी-नेट में उत्तीर्ण छात्र

1. रविंद्र कुमार (जेआरएफ के साथ)
2. सुभेंदु घोषाल
3. इंद्रजीत मिश्रा

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन

1) 14.01.2019 को एक विभागीय संगोष्ठी, अध्यक्षः जू फ़ांगफैंग, जू बेइहोंग की बेटी, विषयः माओ के चीन में कलाकार जू बेइहोंग और उनका परिवार।

2) 28वीं से 29वीं सितंबर, 2018, कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूतावास कार्यालय के सहयोग से चीन की सांस्कृतिक सहभागिता भारत के परिप्रेक्ष्य में, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय विद्वानों के साथ-साथ चीन के विद्वानों ने भी भाग लिया। **सभी विभागीय संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया।**

3) 11वीं नवंबर, 2018. कोलकाता में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के महावाणिज्य दूतावास के साथ संयुक्त रूप से 4वीं चीनी स्तर की प्रतियोगिता।

4) 18.02.2019 को चीना-भवन में आयोजित, कोलकाता में चीन केनए महावाणिज्य दूत श्री झालियावास का से चीना-भवन, विश्वभारती विश्वविद्यालय केसंकाय और छात्रों केबीच एक संवाद कार्यक्रम।

5) 20 मार्च, 2018. को चीना-भवन, विश्वभारती में श्री किम कुम-प्योंग, दक्षिण कोरिया के दूतावास के प्रेस और कल्चर काउंसलर, श्री किम कांग हुन, कोरियाई संस्कृति केंद्र, भारत में प्रशासन के प्रमुख और श्री किम यॉन्गयॉउन, कोरियाई पत्रकार ने दौरा किया।

विनिमय कार्यक्रम / अन्य उपलब्धियांः

1) 2018 में, भारत-चीन द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय छात्रवृत्ति, भारत सरकार द्वारा तीन (03) छात्रों का चयन किया गया था।

2) 2018 में, विश्व-भारती और बीजिंग विश्वविद्यालय, चीन के बीच समझौता ज्ञापन के तहत चीन में एक सेमेस्टर की पढ़ाई करने के लिए सात (07) छात्रों को चीनी सरकारी छात्रवृत्ति के लिए नामांकित किया गया था।

3) 2018 में, आठ (08) छात्रों को एक वर्ष या उससे अधिक समय के लिए चीन में अध्ययन करने केलिए अलग-अलग अन्य छात्रवृत्ति मिली।

4) 10 छात्रों को कैंपस और ऑफ कैंपस चयन प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न ट्रांसनैशनल कंपनियों में नौकरी मिली

5) चीना-भवन, विश्व-भारती, विश्वविद्यालय शांतिनिकेतन के छात्रों और शिक्षकों का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 16.05.2018 से 23.05.2018 तक की अवधि के लिए युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन का दौरा करने गया।

6) फूजेन कैथोलिक विश्वविद्यालय, ताइवान का 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 17 जुलाई, 2018 को चेना-भवन, विश्व-भारती का दौरा किया।

7) एक 45 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें युन्नान विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक शामिल हैं, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने 13.01.2019 से 20.01.2019 तक यूनान विश्वविद्यालय और विश्वभारती विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन के तहत शीतकालीन अध्ययन शिविर के एक भाग के रूप में विश्व भारती विश्वविद्यालय का दौरा किया।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला / विशेषज्ञ व्यक्ति

<u>अभिजीत बनर्जी</u>

1. 16-23.05.2018 को यूनान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा चीनी भाषा और संस्कृति शिविर में भाग लेने के लिए उन्नीस सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
2. 12.09.2018 को कोलकाता में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के महावाणिज्य दूतावास केसहयोग से ओआरएफ द्वारा कोलकाता में आयोजित कनेक्टिविटी, व्यापार संबंधों और चीन और पूर्वी भारत के बीच निवेश के अवसरों पर ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। शीर्षकः मजबूत लोग-से-जन संपर्कः भविष्य भारत केलिए मौलिक- चीन संबंध।
3. 25.09.2018 को बीजिंग, चीन में आयोजित पाँचवें सीपीआईए-आईसीडब्ल्यूए संवाद में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। शीर्षकः लोगों को मजबूत करने के लिए लोगों का आदान-प्रदानः मजबूत और टिकाऊ भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध केलिए नींव।
4. 28-29.09.2018 को कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूतावास कार्यालय के सहयोग से विश्वभारती चीना भवन द्वारा आयोजित भारत-चीन सभ्यतागत बातचीत का भविष्य के परिप्रेक्ष्य पर आयोजित सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। शीर्षकः भारत-चीन आपसी समझ को बढ़ावा देने केलिए सॉफ्ट पॉवर-महत्वपूर्ण उपकरण।
5. 2-4.11.2018 को शेन्ज़ेन, चीन में आयोजित टैन यूशान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। शीर्षकः चीना भवन के निर्माण में तन यश की भूमिका-भारत-चीन शैक्षिक और सांस्कृतिक सहभागिता का पहला प्रमुख संस्थान।

6. 24-25.11.2018 को कोलकाता में सिचुआन अकादमी ऑफ सोशल साइंसेज, चीन के साथ सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता द्वारा आयोजित भारत, चीन और नई विश्व व्यवस्थाः आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और एशिया में उभरते सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक वातावरण पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

7. 11-12.12.2018 को कोलकाता में आईएमआई कोलकाता और सिसगुआन अकादमी ऑफ सोशल साइंस, चीन द्वारा आयोजित भारत और चीनः आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पैनल चर्चा में एक पेपर प्रस्तुत किया। शीर्षकः भारत-चीन सभ्यता प्रवचनः एक साझा विकास की ओर साझा सांस्कृतिक समानता से।

8. 22-23.02.2019 इतिहास विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित प्री-मॉडर्न से नॉलेज' एशियन अध्ययन के कॉन्सेप्ट और कैनवस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। शीर्षकः प्राचीन चीन में वैज्ञानिक ज्ञान और विश्व में इसका प्रभाव।

9. 23.03.2019 को कोलकाता और पूर्वी और उत्तरपूर्वी क्षेत्रीय अध्ययन के लिए अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित कोलकाता में भारत-चीन संबंध पर सेमिनार में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। शीर्षकः भारत-चीन शैक्षिक और पर्यावरण सहयोग।

अत्रेय भट्ट

28 से 29 सितंबर, 2018 को कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूतावास कार्यालय के सहयोग से आयोजित भविष्य के भारत-चीन सभ्यता के सहभागिता के भावी परिप्रेक्ष्य में आंतरिक सम्मेलन में भाग लिया, और अपने व्याख्यान में एस्प्रेसिड के रूप में प्रगति और सभ्यता के टैग की अवधारणा पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुभेंदु घोषाल

28 से 29 सितंबर, 2018 भविष्य के भारत-चीन सभ्यता के सहभागिता के भावी परिप्रेक्ष्य पर चीनी, विभाग, विश्वभारती, द्वारा कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूतावास कार्यालय के साथ सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्मरण करते हुए झेंग हे-ज़िप्लोमैसी और 21 वीं सदी के समुद्री रेशम मार्ग पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

अभिजीत बनर्जी

1) चीनी भाषा और अंग्रेजी भाषा में ऋण शब्द 'चीनी भाषा और संस्कृति के भारतीय जर्नल, खंड 1, में प्रकाशित, पृ. 65-69, 2018 आईएसबीएन- 978-93-85478-90-1

2) 'चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवः पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए चुनौतियां और संभावनाएं' इनि दयि यू लू यांजू (बेल्ट एंड रोड पर अध्ययन), पत्रिका में प्रकाशित, अंक 89, दिसंबर, 2018, आईएसबीएन 978 -7-5201-3965-6, पृ. 26-27

तंदरिमा पेट्रा

1. भारतीय भाषा और संस्कृति के भारतीय जर्नल में 'चीनी कविता का अनुवाद', खंड 1, पृ. 51-57, 2018 में प्रकाशित, आईएसबीएन- 978-93-85478-90-1

चिरंजीब सिन्हा

1. 'इंडियन चाइनीज लैंग्वेज एंड कल्चर के चाईनिज जर्नल ऑफ मॉडर्न चाइनीज में यू आप टाइप सेंटेंस का विश्लेषण', खंड 1, पृ. 106-119, 2018 में प्रकाशित, आईएसबीएन- 978-93-85478-90-1

आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन / व्याख्यान

जुलाई 2018: प्रो. रहमान चौधरी, गोनो विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश के पूर्व प्रोफेसर, उपनेशिक कानून व्यवस्था पर एक व्याख्यान दिया।

8.09.2018: राजेंद्र डेंगले, जर्मन स्टडीज के प्रोफेसर एवं डीन ऑफ स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने फ्रिट्ज़ मौथनर एंड विलमफ्लसः प्राग से दो बुद्धिजीवियों और भारतीय दर्शन के साथ उनका भिड़ाव विषय पर बातचीत की।

12.11.2019 : नीलांजना गुप्ता, प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता ने मॉडर्निस्ट आर्ट इन यूरोप पर एक व्याख्यान और स्लाइड शो प्रस्तुत किया।

12.11.2018 : प्रोफ़ेसर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर अंग्रेजी विभाग वर्दवान विश्वविद्यालय बर्दवान, ने अन्ना कारिनानाः फैमिली, लव, व्यभिचार पर एक व्याख्यान दिया।

13.11.2018 : : नीलांजना गुप्ता, प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता ने मॉडर्निस्ट आर्ट इन यूरोप पर एक व्याख्यान और स्लाइड शो प्रस्तुत किया।

13.11.2018 : प्रोफ़ेसर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर अंग्रेजी विभाग वर्दवान विश्वविद्यालय बर्दवान, ने अपराध और सजाः मन, हत्या, आत्मा विषय पर एक व्याख्यान दिया।

10.12.2018 : हंगरी के भौगोलिक संग्रहालय, हंगरी के निदेशक, डॉ. जोंस क्यूबसेक, ने ग्यूला जर्मनस और रोससा हज़नसी पर एक व्याख्यान दिया और स्लाइड शो प्रस्तुत किया।

12.02.2019: फ्रांसीसी फिल्म मिशेल ब्लैंक द्वारा श्री पार्थो भट्टाचार्य, अनुवादक, दुभाषिया, और डॉक्यूमेंट्री फिल्म-मैयर द्वारा आयोजित फिल्म और समकालीन फ्रांसीसी समाज पर फिल्म-शो और इंटरैक्टिव सत्र कार्यक्रम में छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

9- 17. 02. 2019: प्रो. पूर्वी रॉय, पूर्व प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, विभाग जादवपुर विश्वविद्यालय ने भारतीय राष्ट्रीय सेना की 75 वीं वर्षगांठ और अर्ज़ी-हुकूमत-ए-आज़ाद-हिंद पर एक वार्ता और स्लाइड शो प्रस्तुत किया।

17.03.2019: राष्ट्रीय संगोष्ठी का शीर्षक 1968 के छात्र आंदोलन का पुनरीक्षण।

18.03.2019: सीएमएचएससीएल के छात्रों के साथ द पब्लिक स्फेयर पर डॉ. अमित मुखोपाध्याय द्वारा विशेष वर्ग और इंटरैक्टिव सत्र

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला / विशेषज्ञ व्यक्ति

निलांजन चक्रवर्ती

1. भारत में और अफ्रीकी देशों में लेस अफरीक्स ले मोंडे में धार्मिक अतिवाद का उदय बहुसांस्कृतिक और हास्य अनुसंधान के लिए एक केंद्र है। विज्ञान पो बॉर्डो, सामाजिक विज्ञान और साहित्यिक अध्ययन और शोध के लिए एक स्वायत्त संस्थान बोर्डो विश्वविद्यालय, फ्रांस।
2. 12 मार्च, 2019 भारत के तुलनात्मक साहित्य संघ द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान दक्षिण एशियाई कथाओं के साथ बहुलतावादी वंद डायलॉग फ्रेम्स के माध्यम से भारत में और दक्षिण पूर्व एशिया में अंग्रेजी और मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (11-14 मार्च) में फ्रेंच और फ्रैंकोफोन स्टडीज के वर्तमान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

इंद्राणी दास

1. 29- 30 जून 2018, बैंकॉक, थाईलैंड में टैगोर, उनके शांतिनिकेतन और इटली नामक एक पेपर के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इटली और एशियाः अतीत और वर्तमान में भाग लिया।
2. 17 मार्च 2019, रात 10 बजेः राज्यसभा टीवी पर साक्षात्कार टेलीकास्ट, https: // you tu.be/ JRYKkxjn-58 पर उपलब्ध।

प्रकाशन

निलांजन चक्रवर्ती

1. "विश्वभारतीभिशखशाहशाहसोचोना ओ प्रोसार" विदेशी भाषा के शिक्षण के आरंभिक विस्तार पर बंगाली में लिखा गया एक लेख। यह लेख कोलकाता से प्रकाशित और सौमेन चक्रवर्ती द्वारा संपादित एक बंगाली पत्रिका भ्रोमन पिपाशु के दिसंबर 2017 के अंक में प्रकाशित हुआ था।
2. मार्शेल प्रोस्ट जिबन, साहित्य ओ सोमय 20 वीं सदी के फ्रांसीसी उपन्यासकार मार्सेल प्रूस्ट के जीवन और कार्यों पर बंगाली में एक लेख। यह लेख बंगाली साहित्यिक पत्रिका ईबोन्मुशेरा में जनवरी-मार्च 2019 के अंक में मार्सेल प्रूस्ट, पृ., 66-77 पर प्रकाशित हुआ था। पत्रिका कोलकाता से प्रकाशित होती है और श्री उदयशंकर वर्मा द्वारा संपादित की गई थी।
3. टैगोर और फ्रांसः शांतिनिकेतन और परे में टैगोर एंड ट्रांसलेशन पर निबंध, संपादक देबारती बन्दोपाध्याय, आईएसबीएनः 978-81-939765-4-8, बोलपुर, मार्च 2019 (बिरुतजतिसाहित्यसम्मिलोनी): 195-209, अंग्रेजी विभाग, विश्वभारती के यूजीसी / डीआरएस-एसएपी चरण II की वित्तीय सहायता से प्रकाशित।

रोमित रॉय

1. सौंदर्यशास्त्र, राजनीति, स्वायत्तता और आलोचना, इप्शिता चंदा (सं.), भावना, अभिव्यक्ति और सौंदर्यशास्त्र, नई दिल्ली, 2018 (साहित्य अकादमी)ः 41-67। आईएसबीएन 978-93-87989-15-3

इंद्राणी दास

1. टैगोर की गीतांजलिः इतालवी परिदृश्य, में टैगोर एंड ट्रांसलेशन पर निबंध, संपादक देबारती बन्दोपाध्याय, आईएसबीएनः 978-81-939765-4-8, बोलपुर, मार्च 2019 (बिरुतजतिसाहित्यसम्मिलोनी)ः 41-67, अंग्रेजी विभाग, विश्वभारती के यूजीसी / डीआरएस-एसएपी चरण II की वित्तीय सहायता से प्रकाशित।

शुभजीत चौधरी

1. बंगला पत्रिका प्राग्नो 15.08.2018 में बंगला जैमर डेर्शोबाचोर मेक्सिम गोर्की में एक लेख प्रकाशित। (आईएसएसएन 2321-8096)।

बौद्ध अध्ययन केंद्र

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 02-09 दिसंबर, 2018: 'बौद्ध धर्म और मानवता' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।

सेमिनार / सम्मेलन

अरुणा रंजन मिश्रा

1. 18-20 मई, 2018: आयोजित अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन (49 वें सत्र) के पाली और बौद्ध धर्म खंड में : एक गंभीर प्रशंसा; सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात।
2. 26-27 अगस्त, 2018: ऋग्वेद में सार्वभौम भलाई का संदेश, संस्कृत पाली और प्राकृत विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित 'सर्वव्यापी कल्याण में संस्कृत की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्र।
3. 02-09 दिसंबर, 2018: सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व-भारती द्वारा आयोजित बौद्ध धर्म और मानवता' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में बौद्ध धर्म में मानवतावादी सामग्री पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

अरुणा रंजन मिश्रा

1. पूर्वी भारत प्राच्य सम्मेलन की कार्यवाही, आईएसबीएन- 978-81-7702-448-7, सं. ए.आर. मिश्रा, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 2019, (कुल पृष्ठ -345)।
2. एक संक्षिप्त नोट, द डिस्क्ररियल वर्क्स इन संस्कृत डिसिप्लिन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईएसबीएन 978-81-86359-70-2, संपादक चंदन भट्टाचार्य, गोरबांगा विश्वविद्यालय, मालदा, पश्चिम बंगाल, 2018, पृ. 81-86।
3. अभिनवगुप्त की थ्योरीज़ ऑन द इनटोनमेंट, संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के रेफरी जर्नल, आईएसएसएन- 0587-1646, संपादक तपन एस भट्टाचार्य, फरवरी 2019, पृ.1-7।

तुलनात्मक साहित्य केंद्र

आईयूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और जीईआरटी परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र।

1. सौनक दत्ता (नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण)
2. अंकना बाग (नेट-लेकचरशीप उत्तीर्ण)

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन

1. 25 फरवरी और 26 फरवरी, 2019: सरसुना कॉलेज के सहयोग से दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य में संगठित उच्च शिक्षाः बदलते परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
2. 25 मार्च, 2019: 'तुलनात्मक साहित्य पर संगोष्ठी आजः भारतीय परिदृश्य'
3. कारकाः एक्सरसाइज इन कॉम्पैरिटिविज़्म (एक मासिक व्याख्यान शृंखला)

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / विशेषज्ञ व्यक्ति

नीलांजना भट्टाचार्य

1. 24.09.2018: साहित्य अकादमी और भारतीय साहित्य का अनुवाद केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परियोजना अनुवाद (यूजीसी यूपीई 2) समस्याएं, कविताएं और राजनीतिः सांस्कृतिक संसाधन, अनुवाद पर एक संगोष्ठी में 'साहित्य की खोज' (अनुवाद): एक अध्ययन 'नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित।
2. 22.11.2018 : भाषा-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित भाषा, साहित्य और संस्कृति में अनुसंधान पद्धति सिद्धांत और अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति और 'अनुवाद अध्ययन' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. 30.03.2019: भाषाभवन, शांतिनिकेतन में अंग्रेजी विभाग, विश्व-भारती द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यूजीसी डीआरएस एसएपी-2 में 'ट्रैवलिंग टू द साउथः पॉलिटिक्स एंड पॉसिबिलिटीज' नामक एक पेपर पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया।

सोमा मुखर्जी

1. 11-14 मार्च 2019 हैदराबाद में तुलनात्मक साहित्य संघ के सहयोग से मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय साहित्य का बहुवचन प्रकृतिः 'एक तुलनात्मक विश्लेषण' शीर्षक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

धीमन भट्टाचार्य

1. 25.08.2018: निप्पॉन भवन, जापानी विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित विश्व भारती में रीटाकु विश्वविद्यालय के अध्ययन यात्रा कार्यक्रम में 'मास्क ऑफ आर्टिस्टिक्स' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित।
2. 25-26.09.2018: तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत, कनाडा, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के सृजन गीत अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ व्यक्ति और 'लोकेटिंग इंडिजेनेटी' पर एक व्याख्यान दिया।
3. 15-16.11.2018: जयपुर में अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन राजनीति और बहिष्कार की राजनीति पर एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।
4. 22.11.2018: केरल के त्रिशूर में सरकारी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, ओल्लुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी लावारिस अनुभव और निषिद्ध क्षेत्रों पर स्वदेशी समुदायों में सामाजिक मीडिया का प्रभाव' में 'भारत और कनाडा' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
5. 08.02. 2019: शास्त्री इंडो-कनाडाई संस्थान जादवपुर, कोलकाता के सहयोग से कनाडा के अध्ययन केंद्र, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंडो-कैनेडियन स्टडीज में नई चुनौतियां नीति, लचीलापन और पहचान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडो-कनाडाई' संदर्भ में स्वदेशी सुलह के बारे में सच्चाई' पर एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित।
6. 28.02.2019: अंग्रेजी विभाग, बारबाजार बीटीएम कॉलेज, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई राष्ट्रमंडल, संस्कृति और समाज पर आईक्यूएसी प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आपराधिक जाति से पूछताछः दक्षिण एशियाई संदर्भ में खोजपरक साहित्यिक खोज और इतिहास,' पर एक पैनल में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
7. 19.03.2019: सुरी विद्यासागर सिउरी, बीरभूम में आईक्यूएसी और ईओसी द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय संगोष्ठी में बौद्धिक संपदा अधिकार' पर व्याख्यान देने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित।

प्रकाशनः

1. अर्जेण्टीना रबिन्द्रनाथ परिग्रहणः प्रणाम परयय (1913-1924), 2019, अकादमी पत्रिका, संख्या 41, 21 फरवरी 2019, पृ. 42-50
2. एल रीनो डी एस्टेमुंडोः एक आचार्य बास्तब', स्वर्णार में, खंड-5, अंक 6, जुलाई-दिसंबर 2018, पृ.195- 199. आईएसएसएनः 2349-8323

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यचर्चा या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचार की प्रस्तुति

एमए पाठ्यक्रम को संशोधित किया।

अन्य प्रासंगिक जानकारी

गंभीर स्थान की कमी और धन की कमी के बावजूद, तुलनात्मक साहित्य केंद्र ने 2016 से 'कारकाः एक्सरसाइज इन कॉम्पैरिटिविज्म' नामक मासिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। यह भाषा भवन विश्वभारती के विभिन्न भवन, विभागों और अन्य लोगों के बीच बातचीत शुरू करने का एक प्रयास है।

विद्या-भवन
(मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान)

दिसंबर 1918 में गुरुदेव द्वारा विश्व भारती की स्थापना के तुरंत बाद जुलाई 1919 में विद्या भवन, वर्तमान में विश्व भारती का कॉलेज ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज अस्तित्व में आ गया। इसने उत्तरविभाग- एडवांस्ड स्टडीज विभाग के रूप में काम करना शुरू किया। इसे विद्या भवन नाम 1925 में दिया गया।

विद्या भवन मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान की परिकल्पना उच्च शिक्षा और शोध संस्थान के रूप में की गई थी और इसने विश्व भारती में हमेशा एक महत्वपूर्ण स्थान बनाए रखा। जाने-माने शोधवेत्ता और अध्यापक बिधुशेखर शास्त्री ने कहा था कि यह नामकरण एक सकारात्मक विचार से उपजा है, अध्ययन (पाठ) हमें शिक्षा की ओर ले जाता है और इसका जिक्र माघ 1332 विक्रम संवत की शांतिनिकेतन पत्रिका में भी है और संस्थान के अनौपचारिक उद्घाट की तारीख भी 8 पौष 1325 विक्रम संवत (दिसंबर 1925 का आखिरी सप्ताह) है। सात प्रमुख विभागों दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्ममीमांसा, इतिहास, भूगोल, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, अर्थशास्त्र, पत्रकारिता और मास कम्युनिकेशन, मानव शास्त्र और शिक्षा (सहायक इकाई) और एक सहायक इकाई के साथ विद्या भवन अब विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण संकाय है।

विद्या भवन दुनिया के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों से विदेशी छात्रों को आकर्षित करने में सफल रहा है। लगातार बड़ी संख्या में विदेशी छात्र विद्या भवन में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आते हैं।

वर्तमान में विद्या भवन में ऑनर्स, परास्नातक, एमफिल, पीएचडी पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं और साथ ही आधुनिक साहित्य और सामाजिक विज्ञान शोध की प्रवृत्ति भी बढ़ती दिख रही है। बाहरी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित कुछ प्रोजेक्ट्स को भी विद्या भवन के शिक्षकों ने सफलतापूर्वक पूरा किया है। विद्या भवन देश की अखंडता और विश्व शांति बनाए रखने के अपने वादे पर प्रतिबद्ध है और सांस्कृतिक समन्वय, शिक्षा के प्रसार और आत्मबलिदान व वैश्विक भाईचारे के मूल्यों के माध्यम से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग

नेट (एनईटी) /स्लेट (एसएलईटी) में सफल विद्यार्थी

1. तापस कुमार सूत्रधार
2. सृजामिता, एमए
3. कुलदीप कुमार लोहानी

विभागीय सेमिनार/संगोष्ठी

1. 01.04.2018. प्रोफेसर अमित भादुड़ी, जेएनयू द्वारा आमंत्रण लेक्चर
2. 20.08.2018. डॉ. शिन्यसा फूजिनो, रीकू यूनिवर्सिटी जापान द्वारा आमंत्रण लेक्चर
3. 16-22.11.2018: यूजीसी-एसएपी-डीआरएस- द्वारा प्रायोजित पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में शोध पद्धति पर कार्यशाला
4. 09.10. 2.2018. डॉ. सुभाशीष दे, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर द्वारा दो लेक्चर
5. 13.01.2019 प्रोफेसर प्रणब बर्धन द्वारा न्यूनतम आर्थिक सुरक्षा के अधिकार के तहत सर्वलौकिक मूल आय विषय पर लेक्चर
6. 19-20 जनवरी, 2019 यूजीसी-एसएपी-डीआरएस-द्वारा प्रायोजित प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण और विकास विषय पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस
7. 27.01.2019. प्रोफेसर इंद्रजीत रे, कार्डिफ बिजनेस स्कूल, यूके द्वारा आमंत्रण लेक्चर
8. 19.02.2019. कोलकाता में चीन के कांसुल जनरल मिस्टर झाल्यू द्वारा आमंत्रण लेक्चर
9. 16 मार्च, 2019:- एसएपी-डीआरएस- द्वारा प्रायोजित तीसरी शोधार्थी कार्यशाला

सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला /विशेषज्ञ व्यक्ति

मधुसूदन घोष

(i) 8-9 अगस्त 2018 को व्यापार, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान पर पांचवें संयुक्त अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (आईसीबीईएसएस) 2018 में लोकनीतियां, वृद्धि और विकास : भारत और इंडोनेशिया का एक अध्ययन विषय पर आमंत्रित मुख्य वक्तव्य

सर्वजीत सेनगुप्ता

(i) दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस। ज्ञान की अवधारणा और फलक : एशियाई अध्ययन पूर्व आधुनिक से आधुनिक समय : 22-23 फरवरी 2019, इतिहास विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, अध्यक्षीय भाषण

(ii) पब्लिक फाइनेंस और पब्लिक पॉलिसी पर आठवीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, 7 से 9 जनवरी, 2019, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कलकत्ता

(iii) एक दिवसीय राष्ट्रीय रिसर्च स्कॉलर्स सेमिनार, एकॉन डिपार्टमेंट, यादवपुर यूनिवर्सिटी, 15 मार्च 2019, प्रतियोगी सिद्धांत के साथ सर्वोत्कृष्ट प्रेरक अनुबंध : एकल कर्ता विषय पर आधारित पेपर पर चर्चा के लिए आमंत्रित

प्रणब कुमार चट्टोपाध्याय

(i) एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लाई वेलफेयर एसोसिएशन, विश्व भारती की ओर से 13-14 अप्रैल, 2018 को डॉ. बीआर अंबेडकर और सामाजिक आभियांत्रिकी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में समकालीन भारत में सामाजिक बदलाव पर अंबेडकर के विचार पर लेक्चर (आमंत्रित)।

(ii) भारतीय विद्या भवन, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइसेंज, कोलकाता की ओर से 16 मार्च 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में महात्मा गांधी : पहले पर्यावरणविद पर पेपर प्रस्तुत किया और ग्रामीण बदलाव और स्थानीय शासन : गांधी का एक नया आर्थिक विचार विषय पर लेक्चर।

(iii) बीआईएमएस, कोलकाता की ओर से 15 मार्च 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्याग्रह, अहिंसा और मानव विकास विषय पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।

(iv) 24 मार्च से एक अप्रैल 2019 तक त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला के अर्थशास्त्र विभाग में विजिटिंग फेलो के रूप में लेक्चर्स के लिए आमंत्रित किया गया।

सुदीप्त भट्टाचार्या

(i) बंगाल वॉच की ओर से कोलकाता में 10.01.2019 को आयोजित पश्चिम बंगाल : विकास की राजनीति विषय पर कार्यशाला में लेक्चर।

(ii) जेएनयू में जेएनयूटीए की ओर से 27 मार्च 2019 को शिक्षा, सामाजिक न्याय और संघर्ष पर आयोजित विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय सम्मेलन में लेक्चर दिया।

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

1. अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्व भारती की ओर से 19 जनवरी 2019 को प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण और विकास विषय पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भूमंडलीकरण काल से भारत में किसानों की आत्महत्या की प्रकृति और समस्याएं नामक पेपर संयुक्त रूप से आरके कुंडू के साथ प्रस्तुत किया।

सौम्य चक्रवर्ती

(i) आईएसईसी, बेंगलुरु की ओर से 24-25 अप्रैल 2018 को आयोजित सभी दक्षिणी आईसीएसएसआर संस्थानों की विकास संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

(ii) दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्व भारती की ओर से 29-30 मार्च 2019 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भारत के संदर्भ में विकास की समालोचना : एक दार्शनिक आकलन पेपर प्रस्तुत किया।

संतदास घोष

(i) 16-22 नवंबर, 2018 तक विश्व भारती (शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल) के अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग में इंडियन सोसाइटी ऑफ इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) के सहयोग से अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्वभारती में पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में शोध प्रक्रिया विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में संयोजक और संसाधन शख्स के रूप में हिस्सा लिया।

(ii) 26-28 मार्च, 2019 तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार (गया) के अर्थशास्त्र अध्ययन और नीति विभाग की ओर से सोशियो-इकोनॉमिक डाटा के विश्लेषण के लिए स्टाटा (एसटीएटीए) और इव्यूज पैकेजेज का उपयोग विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में हिस्सा लिया।

विश्वजीत मंडल

(i) ग्रेजुएट स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, कोबे यूनिवर्सिटी, कोबे, जापान की ओर से 01-02 मार्च 2019 को टाइम्स जोन, ऑफशोरिंग, इकोनॉमिक ग्रोथ और डायनेमिक्स पर कोबे अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रस्तुत किया।

अमित कुमार विश्वास

(i) 29 जून, 2018, यूनिवर्सिटी ऑफ बॉन, जर्मनी। विषय : अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश और भ्रष्टाचार : नीतियों का पुनरावलोकन

(ii) 05 सितंबर 2018, इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, नई दिल्ली। टॉपिक : व्यापार, पूंजी और उद्योग।

(iii) 02-27 जून 2018, यूनिवर्सिटी ऑफ बॉन, जर्मनी की ओर से माइक्रोइकोनॉमिक्स पर कार्यशाला।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

(i) हीदलबर्ग यूनिवर्सिटी और इम्पैक्ट एंड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएमपीआरआई) द्वारा संयुक्त रूप से ऑब्जर्बर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ), स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) और काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट (सीएसडी) द्वारा अर्बन डेवलपमेंट एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट, झारखंड सरकार, रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रांची के तत्वावधान में 19-20 नवंबर, 2018 को रांची, भारत में स्मार्ट सिटीज : सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट पर आयोजित इंडो-जर्मन वर्कशॉप में फाइनेंसिंग स्ट्रेटेजीज फॉर स्मार्ट सिटीज इन इंडिया : एन एनालिटिकल पर्सपेक्टिव नामक पेपर प्रस्तुत किया।

(ii) हैनन ट्रॉपिकल ओसन यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित और हैनन प्रॉविन्शियल एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंसेज, हैनन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज और हैनन ट्रॉपिकल ओसन यूनिवर्सिटी द्वारा सह प्रायोजित 26-28 सितंबर, 2018 को सान्या, हैनन प्रांत, पी.आर. चीन में आयोजित चीन (हैनन)-एशियन थिंक टैंक फोरम में ड्रीमिंग द एशियन इकोनॉमिक कम्युनिटी एंड बियॉन्ड : करंट स्टेटस, रिफॉर्म ऑप्शंस एंड पॉसिबल लेसंस नामक पेपर प्रस्तुत किया।

(iii) इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) और इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज कोलकाता (आईडीएसएक) द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय रिसर्च मैथॉडोलॉजी कोर्स (25 मार्च - 4 अप्रैल 2019) पर आयोजित कार्यशाला में 29 मार्च, 2019 को रिसोर्स पर्सन के रूप में हिस्सा लिया और पैनल डाटा एंड टाइम सीरीज : वर्कशॉप इन रिवीज 7 विषय पर लेक्चर दिया।

(iv) अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग विश्व भारती (यूजीसी-एसएपी डीआरएस) के तहत) और इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में शोध प्रक्रिया विषय पर कार्यशाला (16-22 नवंबर 2018) में 17 नवंबर, 2018 को रिसोर्स पर्सन के रूप में हिस्सा लिया और स्टैटस्टिकल टूल्स फॉर एम्पीरिकल रिसर्च पर लेक्चर दिया।

(v) 12-13 नवंबर को बेंगलुरु में इंडो ग्लोबल सोशल सर्विसेज सोसाइटी की ओर से 25 साल पीछे देखते हुए : 74वें संशोधन की समीक्षा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में हिस्सा लिया और कोपिंग विद इनकंप्लीट डिसेंट्रलाइजेशन : द नीड टू रिविजिट द 74 सीएए पर लेक्चर दिया।

(vi) 25 जून से 4 जुलाई 2018 तक विश्व भारती, शांतिनिकेतन में एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग की ओर से आयोजित पांचवें रिसर्च मेथोडॉलॉजी कोर्स इन सोशल साइंसेज में रिसोर्स पर्सन के रूप में हिस्सा लिया और क्लासिकल लीनियर रिग्रेसन मॉडलिंग यूजिंग ई व्यूज विषय पर लेक्चर दिया।

(vii) 29 जून 2018 को ब्यूरो ऑफ अप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, बंगाल सरकार की ओर से क्वालिटी एश्योरेंस इन ऑफिशियल स्टैटिस्टिक्स पर आयोजित सेमिनार में आमंत्रित वक्त के रूप में हिस्सा लिया और एन अकाउंट ऑफ क्वालिटी एश्योरेंस इन ऑफिशियल स्टैटिस्टिक्स पर पेपर प्रस्तुत किया।

अचिरांशु आचार्य

(i) सेंटर फॉर वूमेंस स्टडीज, विश्व भारती की ओर से नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट के सहयोग से आठ मार्च 2018 को छौहट्टा गांव, लावपुर ब्लॉक, बोलपुर, वीरभूम, पश्चिम बंगाल में और 15 मार्च 2018 को हाल्सीडांगा गांव इल्मबाजार, बोलपुर, वीरभूम, पश्चिम बंगाल में जेंडर एंड माइक्रोफाइनेंस सिस्टम : प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स विषय पर आयोजित तीन-एकदिवसीय कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में लेक्चर दिया।

(ii) 8 और 9 जून 2018 को सीएसआईआर-सीजीसीआरआई, कोलकाता में सेंटर फॉर ग्राउंड वाटर स्टडीज की ओर से जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की ओर से वाटर रिसोर्सेज ऑफ ईस्टर्न (पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड) और नॉर्थ-ईस्टर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया विषय पर आयोजित विचारोत्तेजक सत्र में वैज्ञानिक पेपर प्रस्तुत किया।

(iii) 16 से 22 नवंबर 2018 तक अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग, विद्या भवन, विश्वभारती में अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग विद्या भवन, विश्वभारती और इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) के संयुक्त तत्वावधान में रिसर्च मेथडॉलॉजी इन एनवारनमेंटल एकोनॉमिक्स पर आयोजित कार्यशाला में इकोनॉमिक्स ऑफ वाटर रिसोर्सेज पर रिसोर्स पर्सन के रूप में लेक्चर दिया।

(iv) 23 और 24 मार्च 2019 को समाज कार्य विभाग, विश्व भारती में समाज कार्य विभाग, विश्व भारती की ओर से सोशल डेवलपमेंट इन इंडिया : स्ट्रेटेजीज, चैलेंजेज और सोशल वर्क प्रोफेशन विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में यूनिवर्स बेसिक इनकम इन इंडिया एज अ पाथ टू डेवलपमेंटः अ मिथ और अ रियलिटी नामक पेपर प्रस्तुत किया।

(v) दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्व भारती की ओर से 29 से 31 मार्च 2019 तक क्रिटिक ऑफ डेवलपमेंट इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट : अ फिलॉसिफिकल अपरेजल विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में डेमोक्रेसी, डिग्निटी एंड डेवलपमेंट : अ क्रिटिक इन द इंडियन कॉन्टेक्स्ट विषय पर आमंत्रित लेक्चर दिया।

अनामिका मोक्तन

(i) 26-27 मार्च 2019 को अर्थशास्त्र विभाग, वर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में एक और द्वैतवाद : भारत में रोजगार की गुणवत्ता प्रस्तुत किया।

(ii) 14-15 फरवरी 2019 को अर्थशास्त्र विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में मानव विकास और भारत में जनसेवाओं की उपलब्धता विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में पूअर क्वालिटी ऑफ एम्प्लायमेंट इन इंडिया : एन एनालिसिस अक्रास रूरल-अर्बन एरिया, सोशल ग्रुप्स एंड जेंडर प्रस्तुत किया।

(iii) 17-18 अगस्त 2018 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल में न्यू डायरेक्शंस इन इकोनॉमिक थ्योरी एंड एम्पीरियल इकोनॉमिक्स पर कॉन्फ्रेंस में इनएक्वलिटी इन द क्वालिटी ऑफ एम्प्लायमेंट इन इंडिया : एन एनालिसिस अक्रास रूरल-अर्बन एरिया, सोशल ग्रुप्स एंड जेंडर प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियों का विवरण (टीवी, रेडियो/ओपी समाचार पत्रों में संपादकीय इत्यादि)

कार्यक्रम का नाम/ ओपी संपादकीय लेख	**कार्यक्रम / प्रकाशन विवरण**
मधुसूदन घोष, प्रिजनर ऑफ जेंडर	द स्टेट्समैन, नई दिल्ली/कोलकाता/भुवनेश्वर/सिलीगुड़ी 5 मई, 2018
मधुसूदन घोष, क्लाइमेट एंड फूड सिक्योरिटी-1	द स्टेट्समैन, नई दिल्ली/कोलकाता/भुवनेश्वर/सिलीगुड़ी 10 अप्रैल, 2018
मधुसूदन घोष, क्लाइमेट एंड फूड सिक्योरिटी-11	द स्टेट्समैन, नई दिल्ली/कोलकाता/भुवनेश्वर/सिलीगुड़ी 11 अप्रैल, 2018
सौम्य चक्रवर्ती, ऑन इंडियन एम्प्लायमेंट सिनेरियो (बांग्ला लेख)	अनीक पुस्तक मेला संस्करण 2018
अमित के विश्वास, डबलिंग ऑफ फार्मर्स प्राइसेज	प्रसार भारती, शांतिनिक्तन, अगस्त-2018

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय, कौशलोस लेनदेन निरापोत्त की सुरक्षित	दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतन (20 जून 2018 को रिकॉर्डेड)
अचिरांशु आचार्य, स्पेशल एम्फेसिस ऑफ इंडो-बांग्ला, इंडो-नेपाल बॉर्डर	दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतन (17 मई, 2018 को रिकॉर्डेड)
अचिरांशु आचार्य, टैगोर एन्फ्लूएंस इन साउथ एशिया	दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतन (20 अगस्त, 2018 को रिकॉर्डेड)
अचिरांशु आचार्य, रेलेवेंस ऑफ इंटरनेशनल मदर्स लैंगुएज डे इन द मॉडर्न वर्ल्ड	दूरदर्शन केंद्र, शांतिनिकेतन (05 फरवरी, 2019 को रिकॉर्डेड)

प्रकाशन

मधुसूदन घोष

पेपर

1. वर्चुअल मार्केट फॉर एग्रीकल्चर कमोडिटीज, आईएमआई कनेक्ट, 7 (4) 2018, 1-6
2. ग्राउंडवाटर मार्केट इन वेस्ट बंगाल, इंडिया : डज इट डिस्प्ले मोनोपली पॉवर, स्टडीज इन माइक्रोइकोनॉमिक्स, 6 (1-2) 2018, 105-129 (ए. आचार्य और आरएन भट्टाचार्य के साथ संयुक्त रूप)
3. जेंडर एक्वलिटी, ग्रोथ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इन इंडिया, एशियन डेवलपमेंट पर्सपेक्टिव्स, 9(1) 2018, 68-87

पुस्तक में अध्याय

1. राइस मार्केट इंटीग्रेशन इन इंडिया, इन : स्टेफन फैफेंजेलर (एडि.) ग्लोबल कमोडिटी मार्केट्स एंड डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, रूलेज, ऑक्सफोर्ड, 2018, चेप्टर 4 (ए. घोषरे के साथ संयुक्त रूप से) आईएसबीएन : 9781138898257, पीपी. 94-114.
2. इम्पैक्ट ऑफ मार्केट रिफॉर्म्स ऑन इंटीग्रेशन ऑफ फूड मार्केट्स इन इंडिया, इन : जी. मनी एच अल (एडएस.) फाइनेंसिंग एग्रीकल्चरल वैल्यू चेंस इन इंडिया, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर/नई दिल्ली/हीदलबर्ग/न्यूयॉर्क/डॉरडेच/लंदन, 2018, चेप्टर 14, आईएसबीएन : 9789811059568, पीपी. 251-263.

सर्बजीत सेनगुप्ता

पेपर

1. अ थ्योरी ऑफ ज्वाइंट वेंचर इनस्टेबिलिटी अंडर इंचर-पार्टनर लर्निंग। रिसर्च इन इंटरनेशनल बिजनेस एंड फाइनेंस 46: 363-372, एल्सवीर, दिसंबर 2018 (टी. कविराज के साथ), पीर रिव्यूड

प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय

किताब

1. अप्रोचेज टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट, प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय और दया शंकर द्वारा संपादित, आईएसबीएन- 9788193726068, रेणु प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
2. इश्यूज इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट : जेंडर एंड अग्रेरियर चेंज, प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय और दया शंकर कुशवाहा द्वारा संपादित, आईएसबीएन- 9788193726044, रेणु प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
3. रेजिलेंस बिल्डिंग एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट : इंडियन पर्सपेक्टिव : प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय और दया शंकर कुशवाहा द्वारा संपादित

सुदीप्त भट्टाचार्या

पुस्तक में अध्याय

1. इकोनॉमिक्स एजुकेशन इन इंडिया : फ्रॉम प्लूरेलिज्म टू नियो-लिबरेलिज्म एंड टू हिंदुत्व इन एडवांसिंग प्लूरेलिज्म इन टीचिंग इकोनॉमिक्स : इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स ऑन अ टेक्स्टबुक साइंस सैम्युअल डेकर, वॉफ्राम एल्सनर और अवेंजा फ्लेचर द्वारा संपादित, लंदन : रौलेज, 2019, पीयर रिव्यूड इंटरनेशनल
2. नियो-लिबरेलिज्म एंड अग्रेरियन ट्रांजीशन इन इंडिया : द मोड ऑफ प्रोडक्शन डिबेट रीविजिटेड, इन डिस्पोजेशन, डिप्रीवेशन एंड डेवलपमेंट : एसेज फॉर उत्सा पटनायक, अरिंदम बनर्जी और सीपी चंद्रशेखर द्वारा संपादित, नई दिल्ली : तुलिका, 2018, पीयर रिव्यूड, नेशनल

संतदास घोष

पुस्तक में अध्याय

1. सप्तर्षि चक्रवर्ती और संतदास घोष (2018) : प्रोपेगेटिंग साल्ट टॉलरेंट राइश : पॉसिबल अडाप्टेशन स्ट्रेटजी अगेंस्ट क्लाइमेट चेंज इन कोस्टल वेस्ट बंगाल इन सस्टेनेबिलिटी, इंस्टीट्यूशंस, इंसेंटिव्स : वाइसेज, पॉलिसीज एंड कमिटमेंट्स (कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स) नंदन नॉन और जॉय लामॉन द्वारा संपादित, इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई), नई दिल्ली; आईएसबीएनः 978-81-936058-2-0, पीपी 171-182.
2. तापस कुमार सूत्रधार और संतदास घोष (2018) : सेल्फ-गवर्नैंस ऑफ फिशरमेन इन सुंदरवन : अ केस स्टडी इन सस्टेनेबिलिटी, इंस्टीट्यूशंस, इंसेंटिव्स : वाइसेज, पॉलिसीज एंड कमिटमेंट्स कमिटमेंट्स (कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स) नंदन नॉन और जॉय लामॉन द्वारा संपादित, इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई), नई दिल्ली; आईएसबीएनः 978-81-936058-2-0, पीपी 599-614.

सौम्य चक्रवर्ती

पेपर

1. प्रतीप कुमार दत्ता के साथ, प्रॉब्लम्स ऑफ फाइनेंसिंग डेवलपमेंट मैनेजमेंट : अ कलेकियन एनालिसिस, इन रिव्यू ऑफ रेडिकल पॉलिटिकल इकोनॉमिक्स, सेग, थॉमसन रियूटर्स-आईएफः 0.579 प्रेस में.

पुस्तक में अध्याय

1. इनक्लूजिव ग्लोबलाइजेशन ऑर डीपेनिंग डुअलिज्म? द इनफॉर्मल सेक्टर ऑफ इंडिया इन द ग्लोबलाइजेशन कनन्ड्रम-डार्क क्लाउड्स बिहाइंड द सिल्वर लाइनिंग, संपादन चित्रकल्प सेन और गार्गी चक्रवर्ती, स्प्रिंगर सिंगापुर, अक्तूबर 2018.
2. रिपोर्ट : थ्योराइजिंग फार्म-नॉनफार्म लिंकेज इन रूरल इंडिया। संपादन मीनाक्षी राजीव, सौम्य चक्रवर्ती और मनोजीत भट्टाचार्जी, आईएसईसी बेंगलुरु, दिसंबर 2018
3. एमजीएनआरईजीपी ऑफ इंडिया (हर्षा तिवारी के साथ सहलेखन). संपादकः विश्वजीत चटर्जी और अपराजिता धारा, पॉमव्यू प्रकाशन, 2018, कोलकाता
4. ग्लोबलाइजेशन ऑफ एग्रीकल्चर वाया क्रॉप डाइवर्सिफिकेशन : अ स्ट्रैटेजी टूअड्र्स इनक्लूजिव ग्रोथ (दुर्गेश मणि तिवारी संग सहलेखन), इन द न्यू रूरल पैराडिग्म : पॉलिसीज एंड गवर्नेंस, संपादन डॉ. ज्ञानमुद्रा और डॉ एम सारूमैथी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज (एनआईआरडी एंड पीआर), हैदराबाद (आईएसबीएन 978-93-84503-72-7)

विश्वजीत मंडल

पेपर

1. रिव्यू ऑफ अर्बन एंड रिजनल डेवलपमेंट स्टडीज, 30(3), 225-240 में इकोनॉमिक लिबरेलाइजेशन, इनफॉर्मल सेक्टर एंड अर्बन एनएम्प्लॉयमेंट : अ थ्योरेटिकल एनालिसिस (एस. घोष और के गुप्ता के साथ सह लेखन)
2. यूरोशियन इकोनॉमिक रिव्यू, 8(2), 289-304 में आउटसोर्सिंग, फैक्टर प्राइसेज एंड स्किल फॉर्मेशन इं कंट्रीज विद नॉनओवरलैपिंग टाइम जोंस (एस मरजीत और एन नाकानिशी संग सहलेखन)
3. यूरोशियन इकोनॉमिक रिव्यू 8(3), 485-497 में ऑटोनमी-इंड्यूस्ड प्रीफेरेंस, बजट रीअलोकेशन एंड चाइल्ड हेल्थ (पी. भट्टाचार्जी और एस बनर्जी संग सहलेखन)
4. रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक्स, 69(1), 27-41 में टैक्स ऑन ट्रेडेड गुड्स एंड करप्ट नॉन ट्रेडेड गुड्स सेक्टर : इम्प्लीकेशंस फॉर इंटरमीडिएशन एक्टीविटीज

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

जर्नल्स में लेख

1. डेवलपमेंट इन प्रैक्टिस (रौलेज पब्लीकेशन टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) में प्रकाशन के लिए स्वीकृत : अंडरस्टैंडिंग पीपल्स पार्टिसिपेशन इन अर्बन लोकल गवर्नमेंट इन वेस्ट बंगाल, मौमिता दास संग सहलेखन।
2. (2019) : द जर्नल ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज, जनवरी-जून वॉल्यूम 42, नंबर 1 और 2, पीपी 28-46 में एन एनालिसिस ऑफ हाउसहोल्ड्स एक्सेस टू टॉयलेट्स फैसिलिटी इन रूरल वीरभूम एंड इंट इम्प्लीकेशन फॉर पब्लिक पॉलिसी (सुभाशीष दास और रक्तिमव बोस संग सहलेखन)।
3. (2018): जर्नल ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सेग पब्लीकेशंस) 10 (1-2), पीपी 18-36 में अर्बन सर्विस डेलिवरी इन वेस्ट बंगाल : करंट सिनेरियो एंड न्यू चैलेंजेज (मौमिता दास संग सहलेखन)।
4. (2018): इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम नंबर 39, पीपी 53-61 में स्ट्रेंथेनिंग फिस्कल हेल्थ ऑफ अर्बन लोकल बॉडीज (मौमिता दास संग सहलेखन)।

पुस्तक अध्याय

1. (2018): इकोनॉमिक डेवलपमेंट इन इंडिया इश्यूज एंड चैलेंज, मानक पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली (संपादित पुस्तक : सहसंपादक-अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय और विश्वजीत मंडल।

अचिरांशु आचार्य

पेपर

1. स्टडीज इन माइक्रोइकोनॉमिक्स, 6(1-2):1-25, डीओआईः 10.1177/2321022218785243 में ग्राउंडवाटर मार्केट इन वेस्ट बंगाल, इंडिया : डज इट डिस्प्ले मोनोपली पॉवर? (एम घोष और रबींद्र एन. भट्टाचार्या के साथ सहलेखन)।
2. इंडियन ग्राउंडवाटर, वॉल्यूम, प्रकाशन संख्या 1 जनवरी 2019 में इकोनॉमिक अप्रोच टू एवॉल्यूशन ऑफ फ्लोराइड मिटिगेशन मेजर्स।

पुस्तक में अध्याय

1. ग्राउंडवाटर डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट : इश्यूज एंड चैलेंजेज इन साउथ एशिया में ग्राउंडवाटर प्राइसिंग एंड ग्राउंडवाटर मार्केट्स, संपादक प्रदीप के सिकदर /अचिरांशु आचार्या, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, चैम, स्विटजरलैंड 471-488.

अनामिका मोक्तन

पेपर

1. द इकोनॉमिक एंड लेबर रिलेशंस रिव्यू, वॉल्यूम 30(2): 285-306 में इज ग्रोथ इम्प्रूविंग एम्प्लॉयमेंट क्वालिटी इन इंडिया? एविडेंस ऑफ वाइडेनिंग सबनेशनल इनएक्वलिटी।

प्रियव्रत दत्त

पेपर

1. फॉरेन ट्रेड रिव्यू (सेग पब्लिकेशंस इंडिया), आईएसएसएन नंबर 0015-7325 (प्रिंट),54, 91-114, एम. आर. गुप्ता और पीबी दत्ता (2019), इंटरनेशनल टूरिज्म इन नॉर्थ-साउथ मॉडलः अ थियोरेटिकल एनालिसिस।

विभाग में चल रहीं शोध परियोजनाएं

शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक	स्वीकृत राशि
प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय	अ स्टडी ऑफ अर्बन इनफॉर्मल सेक्टर इंटरप्राइजेज इन सेलेक्टेड टाउंस इन वेस्ट बंगाल	यूजीसी	7,34,600/- रुपए
सुदीप्त भट्टाचार्या	रूरल एम्प्लॉयमेंट, कैजुअलाइजेशन एंड डाइवर्सिफिकेशन : अ स्टडी इन द एरा ऑफ इकोनॉमिक रिफॉर्म इन इंडिया	यूजीसी एसएपी डीआरएस	86000 रुपए
संतदास घोष	पॉयलटिंग क्लीन कुकिंग एनर्जी एक्सेस प्रोग्राम इन सुंदरवन ऑफ वेस्ट बंगाल	केपीएमजी एडवायजरी सर्विसेज प्रा. लि. (आधिकारिक रूप से ए.के.डी. सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्व भारती द्वारा आयोजित)	6,71,000/- रुपए
संतदास घोष	इफेक्ट ऑफ मॉडर्न रोड्स ऑन नेचुरल वाटर चैनल्स एंड एग्रीकल्चर इन इस्टर्न हिमालयन हिल्स	यूजीसी-एसएपी (डीआरएस-2) स्कीम के तहत अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्वभारती	86,000/- रुपए
सौम्य चक्रवर्ती	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन इनफॉर्मल सेक्टर	आईसीएसएसआर	7 लाख रुपए

सौम्य चक्रवर्ती	माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन इनफॉर्मल सेक्टर	यूजीसी एसएपी डीआरएस 2	86,000 रुपए
सौम्यदीप चट्टोपाध्याय	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट ऑफ वीरभूम डिस्ट्रिक्ट	सांख्यिकी और कार्यक्रम नियंत्रण विभाग, पश्चिम योजना, बंगाल सरकार	12,64,500/- रुपए
अचिरांशु आचार्य	हेल्थ इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ गवर्नमेंट इनिशिएटिव्स टो मिटिगेट फ्लोराइड कंटामिनेशन इन ड्रिंकिंग वाटर इन वेस्ट बंगाल	पश्चिम बंगाल सरकार	5 लाख रुपए
अनामिका मोक्तन	अ स्टडी ऑन एनवारनमेंटल एंड सोशल कॉस्ट्स ऑफ स्माल हाईड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स : अ केस स्टडी इन सिक्किम	यूजीसी-एसएपी-डीआरएस2	86000 रुपए

विभाग के शिक्षकों द्वारा आयोजित और छात्रों की सहभागिता वाली विस्तार गतिविधि/एनएसए/सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां

संतदास घोष

जनवरी (2019) के प्रथम सप्ताह में डॉ. संतदास घोष की देखरेख में 36 एमए (अर्थशास्त्र) छात्र ने सहभागिता करते हुए उत्तर बंगाल के सुदूर जंगल के गांव (बक्सा टाइगर रिजर्व के भीतर 28 मील भरे) में तीन दिवसीय शिविर केलिए गए। बिना किसी बाहरी आर्थिक मदद केवे ग्रामीणों के साथ रहे, उनकी दिनचर्या के बारे में और उनके रहन-सहन में चारों ओर फैले प्राकृतिक संसाधनों की भूमिका के बारे में जाना। उन्होंने पहले से तैयार प्रश्नावली के माध्यम से गांव के 50 घरों में सर्वेक्षण भी किया। इसका आंकड़ा छात्रों द्वारा स्प्रेडशीट पर इलेक्ट्रॉनिकली भरा गया और एक्सेल व स्टाटा के माध्यम से इनका विश्लेषण किया। इस अभ्यास ने छात्रों में काफी जिज्ञासा उत्पन्न की और उन्हें अनुभव वाले शोध के विभिन्न चरणों के बारे में पूरी स्पष्ट समझ प्रदान की।

शैक्षिक उपलब्धियां

मधुसूदन घोष

ग्लोबल बिजनेस रिव्यू और इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स के लिए सम्मानित समीक्षक

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

अगस्त 2018 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट (सेग प्रकाशन) के एसोसिएट एडिटर।

अचिरांशु आचार्य

1. सेंटर फॉर ग्राउंड वाटर स्टडीज, कोलकाता द्वारा प्रकाशित सम्मानजनक समीक्षित इंडियन ग्राउंडवाटर नामक जर्नल के संपादक नियुक्त, जो कि यूजीसी से मान्यता प्राप्त एक छमाही जर्नल है।

2. सेग द्वारा प्रकाशित स्टडीज इन माइक्रोइकोनॉमिक्स जर्नल के लिए सम्मानित समीक्षक

3. अनुस्तूप पत्रिका के एसोसिएट एडिटर नियुक्त

विभाग के बारे में अन्य प्रासंगिक सूचना

इस साल हमने प्रोफेसर अशोक रुद्र मेमोरियल लेक्चर शुरू किया है। कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, बार्कले के प्रोफेसर प्रणव वर्धन ने 13 जनवरी 2019 को पहला लेक्चर दिया, जहां प्रोफेसर अमर्त्य कुमार सेन मुख्य अतिथि थे।

भूगोल विभाग

यूजीसी/नेट/स्लेट परीक्षा में सफल छात्र

यूजीसी (जेआरएफ) - 01 नेट - 17

कॉन्फ्रेंस/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी/ रिसोर्स पर्सन

मलय मुखोपाध्याय

1. 23.10.2018. स्पेनिश काउंसिल फॉर साइंटिफिक रिसर्च, बार्सिलोना, स्पेन के सहयोग से इंस्टीट्यूट मिलायफॉन्टैनल्स फॉर ह्यूमैनिटीज रिसर्च द्वारा ह्यूमैनिटीज इन ट्रांजिशन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल नॉलेज एज ए वे ऑफ सस्टेनैंस-एन अप्रेजल फ्रॉम द अपातनी ट्राइब ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया।
2. 12.01.2019. विवेकानंद कॉलेज कोलकाता के भूगोल विभाग की ओर से ईस्टर्न जीयोग्रैफिकल सोसाइटी, भुवनेश्वर के सहयोग से सोसाइटी एंड सस्टेनेबिलिटी : एन इंटरडिस्प्लिनरी अप्रोच विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विशेष लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय जीयोमॉर्फोसाइट जीयोटूरिज्म डेवलपमेंट थ्रो इंस्टालेशन ऑफ मेकर स्टोन अ न्यू डाइमेंशन इन अप्लाइड जीयोमार्फोलॉजी।
3. 17.01.2019. कलकत्ता विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा डिजास्टर मैनेजमेंट पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का नाम नियो-डिटरमिनिस्टिक अप्रोच इन एनवायरनमेंटल हैजर्ड्स मैनेजमेंट।
4. 18.01.2019. कलकत्ता विश्वविद्यालय केभूगोल विभाग की ओर से डिजास्टर मैनेजमेंट पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का नाम एन अप्रेजल ऑफ आर.एन. टैगोर्स परसेप्शन ऑन फिजिकल एनवारनमेंट एंड अपकमिंग क्राइसिस इन रिवर मैनेजमेंट।
5. 31.01.2019. नेताजी नगर डे कॉलेज, कोलकाता के भूगोल, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और गणित विभाग की ओर से आइलैंड इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल मैनेजमेंटः सुंदरवन चेप्टर पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्तव्य रखा। प्रस्तुतीकरण का विषय अंडरस्टैंडिंग द चेंजिंग जीयोमॉर्फिक इनवायरनमेंट ऑफ सुंदरवन अ नेगलेक्टेड चेप्टर।
6. 03.03.2019. कल्याणी विश्वविद्यालय केभूगोल विभाग केआयोजन में प्रोफेसर एस.सी. मुखोपाध्याय मेमोरियल लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय जीयोमॉर्फोसाइट जीयोटूरिज्म डेवलपमेंट थ्रो इंस्टालेशन ऑफ मेकर स्टोनः अ न्यू डाइमेंशन इन अप्लाइड जीयोमॉर्फोलॉजी।

7. 09.03.2019. सिलीगुड़ी महिला महाविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन इन ईस्ट इंडियाः प्रेजेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर कनसर्न्स विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में विशेष लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय ग्लोबलाइजेशन- द रोड टू एक्युमेनोपॉलिस।

सुतपा मुखोपाध्याय

1. 04.10.2018. जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के भूगोल विभाग द्वारा जीयोमॉर्फोलॉजी एंड एनवायरनमेंट विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रण लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय हाईड्रो-मॉर्फोडाइनेमिक वैरिएशन ऑफ सीजनल एक्टिव चैनल्स ऑफ पीडमॉन्ट रिवर्स इन इस्टर्न हिमालयन फूटहिल जोन, इंडिया।
2. 12.01.2019. विवेकानंद कॉलेज, कोलकाता के भूगोल विभाग और द इस्टर्न जीयोग्रैफिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में सोसाइटी एंड सस्टेनेबिलिटीः एन इंटरडिस्प्लिनरी अप्रोच विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में आमंत्रण लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय ऑप्टिमम यूटिलाइजेशन ऑफ वेटलैंडः अ स्टडी ऑन पूर्वस्थली 1 एंड 2 ब्लॉक्स ऑफ पूर्व वर्दवान डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल, इंडिया।
3. 08.03.2019. आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता के भूगोल विभाग की ओर से जीयोग्रैफी एज स्पैटियल साइंस कंटेम्पररी इश्यूज एंड चैलेंज ऑर्गनाइज्ड विषय पर आयोजित नेशनल सेमिनार में आमंत्रण लेक्चर दिया। प्रस्तुतीकरण का विषय इंट्रा डिस्प्लिनरी अप्रोचेज इन फ्लड रिस्क मैनेजमेंट।

प्रेग्मांशु चक्रवर्ती

1. 20.02.2019- 22.02.2019. 50वें गोल्डन जुबली एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ रिजनल साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया में पेपर प्रस्तुत किया। इसका आयोजन इंस्टीट्यूट फॉर एक्सिलेंस इन हाइयर एजुकेशन और मध्य प्रदेश प्राइवेट यूनिवर्सिटी रेगुलेटरी कमिशन, भोपाल, इंडिया की ओर से किया गया। प्रस्तुतीकरण का विषय सस्टेनेबिलिटीज इन कोस्टल टूरिज्म अ फिलॉसोफिकल अप्रेजल।
2. 29.11.2018- 01.12.2018. 7वें एएनजीआईएस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रस्तुत किया। इसका आयोजन वर्दवान विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग और जियोस्पैटियल साइंस विभाग की ओर से किया गया। प्रस्तुतीकरण का विषय अप्लीकेशन ऑफ एफआईएस इन टूरिज्म सर्किट प्लानिंग ऑफ जियोग्राफिकल साइट्स।
3. 29.10.2018-31.10.2018. 40वें इंडियन जीयोग्रैफी कॉन्ग्रेस में पेपर प्रस्तुत किया। इसका आयोजन राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, दोयमुख, अरुणाचल प्रदेश के भूगोल विभाग की ओर से किया गया। प्रस्तुतीकरण का नाम अ जियोग्रैफिकल अप्रेजल ऑन द बाउल-सूफी टूरिस्टस्केप इन साउथ बंगाल।

भैरु लाल यादव

1. 12 और 13 जनवरीः विवेकानंद कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल और द इस्टर्न जियोग्रैफिकल सोसाइटी, भुवनेश्वर, ओडिशा की ओर से आयोजित सोसाइटी एंड सस्टेनेबिलिटीः एन इंटरडिस्प्लिनरी अप्रोच विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जियोग्रैफिकल अप्रेजल ऑफ अवेलेबिलिटी ऑफ पब्लिक हेल्थ केयर सर्विसेज इन वेस्ट बंगाल पर पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

वी.सी. झा

1. एनालिसिस ऑफ रिलीफ कैरेक्टरस्टिक्स यूजिंग डिजिटल एलिवेशन मॉडलः अ केस ऑफ दुमका अपलैंड, झारखंड, इंडिया. अनालेलेस्टिंटिफिस अल यूनिवर्सिटी, वॉल्यूम.- LXIII नंबर 1।

उमाशंकर मलिक

1. इनफ्लुएंस ऑफ डेमोग्राफिक इंडीक्टेर्स ऑन सेक्स रेशियोः अ केस स्टडी ऑफ वीरभूम डिस्ट्रिक्ट, सहलेखकः उत्तीय चट्टोपाध्याय, आईजेएसएस, वॉल्यूम 9, नंबर 1, स्प्रिंग इश्यू 2018, पीपी 74-79, आईएसएसएनः2249-3921, ईआईएसएसएनः2249-4316
2. स्टेटस ऑफ जेंडर एनएक्वलिटी इन इंडिया ऑफ्टर इंडेपेंडेंस, प्रैक्टिसिसिंग जियोग्राफर, सहलेखकः यू. चट्टोपाध्याय, वॉल्यूम 22, नंबर 1, पीपी 71-87, कोलकाता, ऍरिफर्ड, आईएसएसएन नंबर-0975-3850
3. कैलीडोस्कोप ऑफ रीयल इस्टेट डेवलपमेंट एंड द रोल ऑफ गेटकीपर्स इन बोलपुर टाउन, वीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल, सहलेखक : ए.साहा और पी. नंदी, इंडियन जर्नल ऑफ रिजनल साइंस, वॉल्यूम एल, नंबर 1,2018, पीपी 33-47, आईएसएसएन- 0046-9017
4. द अर्बन सोशल फैब्रिक ऑफ द सिटी ऑफ आसनसोल, वेस्ट बंगाल, डॉ. अर्घ साहा के साथ, आईजेएसएस, वॉल्यूम 9, नंबर 2, पीपी 45-54, आईएसएसएनः 2249-3921,ईआईएसएसएनः 2249-4316
5. अर्बन इथनिक स्पेसः अ डिस्कोर्स कम्युनिटी इन कोलकाता, सुदीप्त गोस्वामी के साथ, आईजेएसएस, वॉल्यूम 10, नंबर 1, पीपी 25-31, आईएसएसएन 2240-3921,ईआईएसएसएन 2249-4316,
6. एवॉल्यूशन ऑफ एथनिसिटी इन रिसर्चः अ सोशल जीयोग्रैफिकल अप्रेजल इन इंडियन कॉटेक्स्ट, सुदीप्त गोस्वामी के साथ, वॉल्यूम-10 नंबर 4, www.aensi.in/index cosmos आईएसएसएन 0025-पी,2456-1356ओ यूजीसी से मान्य, पीपी 67-78

सुतपा मुखोपाध्याय

1. स्पैटियल एंड टेम्पोरन वैरिएशंस ऑफ द हाईड्रोलॉजिकल कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ द सुवर्णरेखा रिवर, ईस्टर्न इंडिया, अर्थ साइंस इंडिया, वॉल्यूम 11(IV), 183-200 पीपी, अक्टूबर, 2018, ईआईएसएसएनः 0974-8350

2. आईडेंटिफिकेशन ऑफ ग्राउंड वाटर रिसर्च एंड डिस्चार्ज जोन इन फोर वाटरहेड्स ऑफ रामपुरहाट सबडिवीजन, जनपद वीरभूम, पश्चिम बंगाल, ऑनलाइन इंटरडिसीप्लीनरी रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम-08, आईएसएसएन 2249-9598

3. स्पैटियो-टेम्पोरल एनालिसिस ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी एंड इरीगेशन पैटर्न इन रामपुरहाट सबडिवीजन ऑफ वीरभूम डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल, रिव्यू रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम 8, 1-10 पीपी, आईएसएसएन 2249-894एक्स।

प्रेमांग्शु चक्रवर्ती

1. प्रमोटिंग वाइल्डलाइफ टूरिज्म ऑन जीयोटूरिज्म लैंडस्केपः अ स्टडी इन मानस एंड काजीरंगा नेशनल पार्क्स ऑफ असम, इंडिया, जियोजर्नल ऑफ टूरिज्म एंड जियोसाइट्स, वॉल्यूम 21, नंबर 1, पीपी 2065-1198, साल 2019, आईएसएसएन 2065-0817, ई-आईएसएसएन

2. इवॉल्विंग जैनिज्मः अ स्टडी ऑन इट्स जियोग्रैफी ऑफ डिफ्यूजन, जियोग्रैफिकल रिव्यू ऑफ इंडिया, वॉल्यूम 80, नंबर 2, वर्ष 2018, आईएसएसएन 0375-6386

3. कंट्रीब्यूशन ऑफ स्प्रीचुअल इंस्टीट्यूशन टू सिटीस्केपः द केस ऑफ श्री अरविंद आश्रम इन पुडुचेरी, इंडियन जर्नल ऑफ रिजनल साइंस, वॉल्यूम 50, नंबर 2, साल 2018, आईएसएसएन 0046-9071

4. ट्रेकिंग एंड जियोटूरिज्म- अ सिम्बियोसिस इन केस ऑफ गोचे ला ट्रेक रूट ऑफ वेस्ट सिक्किम इन इंडिया, जियोजर्नल ऑफ टूरिज्म एंड जियोसाइट्स, वॉल्यूम 13, नंबर 3, वर्ष 2018, आईएसएसएन 2065-0817, ई-आईएसएसएन 2065-1198.

5. वूमेन पार्टिसिपेशन इन फैमिली क्राफ्टः अ फेस्टिव टूरिज्म ओरिएंटेड स्टडी, जर्नल ऑफ इंटरएकेडेमीशिया, वॉल्यूम 22, नंबर 1, साल 2018, आईएसएसएल 0971-9016.

भैरू लाल यादव

1. लेवल्स ऑफ सोशल डेवलपमेंट एंड इंट्रा स्टेट रिजनल डिस्पैरिटीज इन राजस्थान, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, वॉल्यूम 5, नंबर 4, पीपी. ए327-ए331, अक्तूबर-दिसंबर 2018।

कृष्णेंदु गुप्ता

1. ट्रेंड एंड स्पैटियल पैटर्न ऑफ एरिया, प्रोडक्शन एंड प्रोडक्टिविटी ऑफ मैंगो क्रॉप इन माल्दा डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगालः अ जियोग्रैफिकल एनालिसिस इंडियन जर्नल ऑफ रिजनल साइंस, वॉल्यूम 1, नंबर 1, आईएसएसएन नंबर 0046-9017, मोहम्मद नजमुस सादत संग सहलेखन।
2. मार्केटिंग एफिशिएंसी एंड कंस्ट्रेंस एनालिसिस ऑफ फ्रेश मैंगो इन माल्दा डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल मार्केटिंग, वॉल्यूम 32, नंबर 1, जनवरी-अप्रैल 2018 आईएसएस नंबर 0046-9017, मोहम्मद नजमुस सादत संग सहलेखन।
3. डेलिनीएशन ऑफ ग्राउंड वाटर पोटेंशियल जोन इन सली रिवर बेसिन, वेस्ट बंगाल, इंडिया यूजिंग रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एंड एमआईएफ टेक्नीक्स, इथोपियन जर्नल ऑफ इनवायरनमेंटल स्टडीज एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 11, पीपी 332-347, मई 2018, आईएसएसएन नंबर 1998-0507, सुजीत दास संग सहलेखन।
4. स्वायल सर्वे टू सपोर्ट लैंड यूज/लैंड कवर प्लानिंग इन बीपीएस एंड बीपीएम रीजन इन गंगाजलघाटी ब्लॉक, वेस्ट बंगाल, स्पैटियल इनफॉर्मेशन रिसर्च, केएसएस, स्प्रिंगर, आईएसएसएन 2366-3286, सुजीत दास संग सहलेखन।
5. इम्पैक्ट ऑफ सोशियो-इकोनॉमिक फैक्टर्स ऑन फ्लोरीकल्चर इन कोलाघाट सी डी ब्लॉक, पूर्व मेदिनीपुर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव स्टडीज इन सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज, वॉल्यूम-4, नंबर 3, पीपी 61-69, आईएसएसएन 2456-4931, पार्थ सारथी संग सहलेखन।

शिक्षकों/छात्रों या पूरे विभाग की ओर से हासिल की गईं शैक्षिक उपलब्धियां

वी.सी. झा

1. द इंडिया एकेडमिक काउंसिल ऑफ नेहू, शिलांग में विजिटर (भारत के राष्ट्रपति) नामित
2. एनसीयूके के इंटरनेशनल जर्नल (बौद्ध शिक्षा और शोध का जर्नल, अबेर)-थाईलैंड के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
3. 38वें आईएनसीए इंटरनेशनल कॉन्ग्रेस, हैदराबाद के ईसी सदस्य

इतिहास विभाग

विभागीय संगोष्ठियाँ/सम्मेलन

1. 22-23 फरवरी, 2019 -'कॉन्सेप्ट एंड कैनवास ऑफ नॉलेज: एशियनस्टडीजफ्रॉमप्री-मॉडर्नटूमॉडर्नटाइम्स विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन. संयोजक: प्रो. सय्यदएज़ाज़ हुसैन

संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ/विशेषज्ञ

संदीप बासुसर्वाधिकारी

1. महात्मा गाँधी कॉलेज, लालपुर, पुरुलिया के इतिहास विभाग द्वारा महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर 02-03 अक्तूबर 2018 को आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में गाँधी तथा टैगोर पर व्याख्यान दिया।
2. पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार तथा पर्यटन विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, विश्व भारती द्वारा 16-18 नवम्बर 2018 को 'रोडमैपफॉर द डेवेलपमेंट ऑफ कल्चरलटूरिज्म इन एंड अराउंड शांतिनिकेतन बीरभूम' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
3. इतिहास विभाग, मेदिनीपुर कॉलेज, पश्चिम मेदिनीपुर द्वारा 'साउथईस्ट एशिया: 19 एंड 20 सेंचुरी, अ सर्वे' विषय पर 18 अक्तूबर 2018 को आयोजित कार्यशाला में एक विशेष व्याख्यान दिया।
4. 24-26 जनवरी को कूचबिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय, कूचबिहार में पश्चिम बंगाल इतिहास संसद के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के 35वें सत्र के अनुभागीय अध्यक्ष के तौर पर मुख्य वक्तव्य रखा।
5. इतिहास विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित गणेश घोष एंडोमेंडलेक्चर सीरीज के अंतर्गत 13 फरवरी 2019 को 'बिप्लबी गणेश घोष एंड चिट्टोग्राम आंदोलन' विषय पर विशेष एंडोमेंट व्याख्यान दिया।
6. 23-24 फरवरी को विश्व भारती के इतिहास विभाग द्वारा कॉन्सेप्ट एंड कैनवास ऑफ नॉलेज: एशियन स्टडीजफ्रॉमप्री-मॉडर्नटूमॉडर्नटाइम्स विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया तथा इसके अकादमिक सत्र की अध्यक्षता की।
7. 05-06 मार्च 2019 को इतिहास तथा नृवंशविज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ सोशलसाइंसेज, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजॉल द्वारा राइटिंगहिस्ट्री ऑन हाईलैंडर्स ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया विषय पर आयोजित

दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द ब्रिटिश पॉलिसीटूवाड्र्स द ट्राइब्स ऑफ द नॉर्थ-ईस्ट इंडियाः कॉन्सिलिएशन ऑरको अर्शन पर वक्तव्य रखा तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

बिपाशा राहा

1. 27-28 अगस्त, 2018 को इतिहास विभाग, सिधो-कान्हू बिरसा विश्वविद्यालय द्वारा 'डिबेटिंगएनवायरनमेंटल हिस्ट्रीः डिस्कसिंगइट्सवैरियसडाइमेन्शन्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द फ्लोरा ऑफ बंगालः अ लिटररीरिप्रेजेंटेशन' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन किया।
2. 31 मार्च 2019, को विश्व भारती के दर्शन तथा तुलनात्मक धर्म विभाग द्वारा 'क्रिटीक ऑफ डेवेलपमेंट इन इंडियन कॉन्टेक्स्टः अ फोलोसॉफिकलअप्रेज़ल' विषय पार आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ब्रिटिश इम्पीरियलिज्म एंड इंडियन नेशनलिज्मः कॉन्टेस्टिंग आइडियाज ऑफ डेवेलपमेंट इन 19 सेंचुरी इंडिया' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन किया।

सय्यद एज़ाज़ हुसैन

1. 30 अगस्त से 2 सितम्बर 2018 के बीच मुम्बई में आयोजित न्यूमिस्मैटिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के 101वें सम्मेलन में हिस्सा लिया तथा 'लैरिन्स एंड द ट्रेड ऑफ इंडियन ओसीनः सम रिफ्लेक्शन्स' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
2. 23 सितम्बर 2018 को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 'हिस्टोरियोग्राफी ऑफ साइंस इन इंडिया' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लिया तथा 'इन्जिनियरिंग एंड साइंटिफिकइन्फॉर्मेशनः सम रिफ्लेक्शन्स फ्रॉम सिरात-ए-फिरोज़शाही शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
3. 20-21 नवम्बर 2018 को विश्व भारती के उर्दू, फारसी और इस्लामिक अध्ययन विभाग में 'कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ नॉन मुस्लिम पोएट्स एंड राइटर्सटू द डेवेलपमेंट ऑफ उर्दू, पर्शियन एंड अरेबिकस्टडीज' विषय पर हुई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लिया तथा 'सागर अकबराबादीः एनइमर्जिंग पोएट ऑफ उर्दू' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
4. 22-23 फरवरी, 2019 को विश्व भारती, शांतिनिकेतन के इतिहास विभाग में 'कॉन्सेप्ट एंड कैंवस ऑफ नॉलेजः एशियनस्टडीज फ्रॉम प्री-मॉडर्न टू मॉडर्न टाइम्स' विषय पर हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नॉलेज ऑफ एम्पायर एंड एम्पायर ऑफ नॉलेजः द मुग़ल्स, द सफाविद्स एंड द ओट्टोमन्स-सम रिफ्लेक्शन्स शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
5. 27-28 फरवरी, 2019 को कोलकाता के एशियाटिक सोसाइटी द्वारा 'हेल्थ, डिजीज एंड सोसाइटीः हिस्ट्री ऑफ मेडिसिन इन इंडिया एंड बियॉन्ड' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लिया तथा 'द कॉन्सेप्ट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड हॉस्पिटल्स इन सल्तनत इंडिया' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

6. 15-16 मार्च, 2019 को पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता द्वारा 'टीपूसुल्तान' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लिया तथा 'टीपूसुल्तानः सम कॉन्ट्राडिक्शन्स एंड कॉन्ट्रोवर्सीज' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

अर्पिता सेन

1. कॉन्टेस्टिंग आइडेंटिटीजः सम रिप्रेजेंटेशन्स ऑफ खासीज इन कोलोनिअल डिस्कोर्स, नॉर्थईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन, साइनॉडकॉलेज, शिलॉन्ग, 1-2 नवम्बर.

अमरेंद्र कुमार

1. 19 फरवरी, 2019 को विश्व भारती, शांतिनिकेतन में 'छात्रपति शिवाजी महाराजः लाइफ एंड वर्क' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
2. 22-23 फरवरी, 2019 को इतिहास विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा 'कॉन्सेप्ट एंड कैनवास ऑफ नॉलेजः एशियन स्टडीज फ्रॉम प्री-मॉडर्न टू मॉडर्न टाइम्स' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नेगोशिएटिंग सीजः पैरेललप्रोसेस ऑफ ट्रेडिशनल एंड नॉन-ट्रेडिशनल नॉलेज फॉर्मेशन अबाउट नेविगेशन इन वेस्टर्न इंडिया' शीर्षक शोध-पत्र का वाचन किया।

शुभायु चट्टोपाध्याय

1. 22-23 फरवरी, 2019 को इतिहास विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा 'कॉन्सेप्ट एंड कैनवास ऑफ नॉलेजः एशियन स्टडीज फ्रॉम प्री-मॉडर्न टू मॉडर्न टाइम्स' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओवर-हियरिंग आकाशवाणीः अर्लीहिस्ट्री ऑफ ब्रॉडकास्टिंग इन कोलोनिअल इंडिया' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

पुम खान पाउ

1. 2018. 5-8 जुलाई, 2018 के बीच इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में अशोका युनिवर्सिटी की मेजबानी में आयोजित एएएस-इन-एशिया 2018 में 'कार्टोग्राफी ऑफ सेल्फ-एशर्सनः रीथिंकिंग रिलेशनशिप एमॉन्ग ट्रांस बॉर्डर पीपल्स इन इंडो-बर्मा बॉर्डरलैंड्स' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
2. 15 अक्टूबर 2018 को नेहरु मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, नई दिल्ली में इंडियाज फ्रंटियर अपराइजिंग ड्युरिंगद फर्स्टवर्ल्ड वारः द एंग्लो-कुकी वार 1917-1919 विषय पर आयोजित राष्टीय सम्मेलन में 'हाकाअपराइजिंग इन द चिन हिल्स' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
3. 26-28 फरवरी 2019 को इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल युनिवर्सिटी, शिलॉन्ग द्वारा हिस्टोरी साइजिंग बॉर्डर्सः न्यूपर्स्पेक्टिव ऑन पॉलिटिक्स, एथनिसिटी एंड ट्रांसनेशंललिंकेजेज इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बिटवीनफ्रॉन्टीयरः स्टेट एंड सोसाइटी इन द इंडो-बर्मा बॉर्डरलैंड' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

4. 5-6 मार्च को इतिहास तथा नृवंशविज्ञान विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा 'राइटिंग हिस्ट्री ऑन हाइलैंडर्स ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बॉर्डर एंड बिलॉन्गिंगः रीविजिटिंग द चिन हिल्स-मणिपुरबाउंड्री डिमार्केशन इन 1984' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
5. यूजीसी-सीएएस प्रोग्राम 1 के अंतर्गत विजिटिंग फेलो के तौर पर राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय में काम किया, 22-26 अक्टूबर, 2018.
6. 17 से 19 फरवरी तक कुआलालंपुर, मलेशिया में ज़ोमीइन्नकुआनयूएसएआइएनसी द्वारा आयोजित ज़ोमी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित पैनलिस्ट के तौर पर उपस्थिति दर्ज की।

सव्यसाची दासगुप्ता

1. ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी, हरियाणा में 'द पॉलिटिक्स ऑफ आइडेंटिटी फॉर्मेशन इन द कोलोनियलआर्मिज' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया (11 अप्रैल 2019).
2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय में 'नया तालीमः एप्रोच ऑफ महात्मा गाँधी' पर रिफ्रेशर कोर्स में हिसा लिया (7 जनवरी 2019 से 28 जनवरी 2019).

सुधी मंडलोई

1. भारती कॉलेज, नई दिल्ली में अप्रैल 2018 में 'हिस्टोरिकलपर्स्पेक्टिव्स ऑफ प्रेडिकामेंट्स एंड राइट्स ऑफ वीमेन इन इंडिया' विषय पर आयोजित आईसीएचाआर सम्मेलन में 'इमर्जेंस ऑफ दलित फेमिनिज्मः इशूज ऑफ दलित वीमेन इन हिस्टोरिकल पर्स्पेक्टिव' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
2. अप्रैल 2018 में क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट में आयोजित यूरोपियन सोशल साइंस हिस्ट्री कॉन्फ्रेंस में 'सोशल इन इक्वालिटी, स्ट्रैटीफिकेशन एंड द हिंदू सोशल ऑर्डरः द सोशियो-कल्चरल मोबिलिटी अमॉन्ग द महार कम्युनिटी' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
3. 29/12/2019 से 19/12/2018 तक यूजीसी ह्यूमनरी सोर्स डेवेलपमेंट सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 21-दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में हिस्सा लिया।

अतीग घोष

1. 2-3 सितम्बर, 2018 को कोलकाता में कलकत्ता रीसर्च ग्रुप तथा रोजा लग्जर्मबर्गस्टिफ्टंग द्वारा 'इन्फ्रास्ट्रक्चर अ क्रॉस फ्रॉन्टियर्सः लॉजिस्टिक्स, गवर्नेंस एंड सोसाइटी विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेट्रो-पोलारिटीजः सिलिगुड़ी इन द ग्रिप ऑफ निओलिबरल ट्रांसफोर्मेशन' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
2. 22-23 फरवरी, 2019 को इतिहास विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा 'कॉन्सेप्ट एंड कैनवास ऑफ नॉलेजः एशियन स्टडीज फ्रॉम प्री-मॉडर्न टू मॉडर्न टाइम्स' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द न्यूनेस ऑफ ग्लोबल इंडियाः नॉलेज फॉर डेवेलपमेंट एंड ट्रांसनेशनल नॉलेज प्रोफेशनल्स' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

बिपाशा राहा

1. 'रवीन्द्रनाथेर स्वदेश-चिंता' इंद्राणी मुखोपाध्याय तथा अमर्त्य मुखोपाध्याय सम्पादित रवीन्द्र-सप्ताह भाषण में प्रकाशित, 23-29 श्रावण 1424, विश्व-भारतीः शांतिनिकेतन, पौष, 1425 (आईएसएसएन 978-81-7522-678-4)

अर्पिता सेन

1. 'अ डार्कएजः क्राइसिस एंड डेक्लाइन ऑफ द कूचबिहार स्टेट इन द एटीन्थ सेंचुरी', तेजीमालागुरुंगसम्पादितद फॉलिंगपॉलिटीजक्राइसिस एंड डेक्लाइन ऑफ स्टेट्स इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया इन द एटीन्थ सेंचुरी' में प्रकाशित, डीवीएसपब्लिशर्स, गुवाहाटी, 2018, पृष्ठ- 199-218.

अमरेंद्र कुमार

1. 'कार्टो ग्राफिक प्रैक्टिशेज अंडर द मुग़ल रूल इन इंडिया (1556-1707 ए.डी.)' इंडियन कार्टोग्राफर (इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन की पत्रिका) में प्रकाशित, वॉल्युम. 37, 2018, पृष्ठ. 11-15, आईएसएसएनः 0972-8392.

पुम खान पाउ

1. 'ट्रांसबॉर्डर पीपल, कनेक्टेड हिस्ट्रीः बॉर्डर एंड रिलेशनशिप्स इन द इंडो-बर्मा बॉर्डरलैंड्स',

जर्नल ऑफ बॉर्डरलैंड्स स्टडीज

2. द हाकाअपराइजिंग इन द चिन हिल्स, 1917-18', जंगखोमांगगुइते तथा थोंगखोलालहाओकिप द्वारा सम्पादितद एंग्लो-कुकी वार, 1917-1919: अ फ्रॉन्टियरअपराइजिंग अगेन्स्ट इम्पीरियलिज्म ड्यूरिंग वर्ल्ड वार 1, लंदनः रूट्लेज, 2019 (आईएसबीएन 978-0-367-13755-7) में प्रकाशित
3. 'बिहाइंड द एनिमीलाइन्सः ब्रिटिश-लेडगुरिल्ला ऑपरेशन्स इन द इंडो-बर्मा फ्रॉन्टियर ड्यूरिंग द सेकेंड वर्ल्ड वार' स्मॉलवार्स एंड इंसर्जेंसीज, वॉल्युम 30, नंबर. 2, 2019.

सुधी मंडोलोई

1. 'दलित्स एंड सोशल एक्सक्लुजनः अ स्टडी इन पर्स्पेक्टिव ऑफ ह्युमनराइट्स वायलेशन ऑफ दलित्स इन पोस्ट इंडिपेंडेंट इंडिया' शीर्षक शोध-पत्र सम्पादित वॉल्युम ह्युमनराइट्स कॉन्सेप्ट्स एंड इशूज' में प्रकाशित 2018, आईएसबीएन- 978-93-86088-81-9 एबीएसपब्लिशर्स, नई दिल्ली.

2. 'सैक्रेड प्रोस्टिट्युशन एंड द सेक्सुअल एक्स्प्लॉएटेशन ऑफ दलित वीमेन इन 20 सेंचुरी इन महाराष्ट्र' शीर्षक शोध-पत्र का प्रकाशन यूजीसी अनुमोदित पत्रिका हिस्ट्रीः पास्ट एंड प्रेजेंट, नंबर- 40823, आईएसएसएन नंबर 2231-3893, वॉल्युम-7, 2018.

अतिग घोष

1. ह्वाट, ड्रॉन, एंड टॉक ऑफ पीस! सेक्योरिटीः डेवेलपमेंट एंड ऑटोनॉमी क्वेश्चन इन द इंडियन नॉर्थ-ईस्ट बिपाशा राहा तथा शुभायु चट्टोपाध्याय सम्पादित मैपिंग द पाथ टूमैच्योरिटीः अ कनेक्टेड हिस्ट्री ऑफ बंगाल एंड द नॉर्थ-ईस्ट, नई दिल्लीः मनोहर (आईएसबीएन 978-1-138-49094-9), 2018.
2. 'द इम्पॉर्टेंस ऑफ बीइंगसिलिगुड़ीः बॉर्डरइफेक्ट एंड द अनटाइमली सिटी इन नॉर्थ बंगाल' ब्रेट्टनील्सन, नेडरॉजिटर तथा रनबीर समाद्दार सम्पादित लॉजिस्टिक एशियाः द लेबर ऑफ मेकिंग अ वर्ल्डरीजन, सिंगापुरः पैलग्रेव मैकमिलन (आईएसबीएन 978-981-10-8332-7), 2018.
3. 'द नक्सलाइटडिकेडकम्सटू अ क्लोज, बट द लैंड क्वेश्चन पर्सिस्ट्स' रनबीर समाद्दार सम्पादित फ्रॉम पॉपुलर मूवमेंट्स टूरेबेलियनः द नक्सलाइट डिकेड, नई दिल्लीः सोशलसाइंस प्रेस (आईएसबीएन 978-93-83166-29-9), 2018 में प्रकाशित
4. 'द प्रेयरी फायर स्प्रेड बीरभूम' रनबीर समाद्दार सम्पादित फ्रॉम पॉपुलर मूवमेंट्स टूरेबेलियनः द नक्सलाइट डिकेड, नई दिल्लीः सोशलसाइंस प्रेस (आईएसबीएन 978-93-83166-29-9), 2018 में प्रकाशित

मानव विज्ञान विभाग

प्रकाशनः

ज्योति रतन घोष

1. देबाशीष भट्टाचार्जी और ज्योतिरतनघोष सेफेलिक और फेशियल इंडिकेशंस इन एडल्ट फीमेल्स ऑफ कुरसेओंग एंथ्रोपोलॉजी में इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च 2019. 5: 11-14।
2. प्रियंका दास, अरूप रतन बन्दोपाध्याय और ज्योति रतन घोष प्रीमेनोपॉज़ल शहरी बंगाली महिलाओं में मोटापे और उच्च रक्तचाप के उपायों। जीव विज्ञान समीक्षा 2019 : 115-125।
3. स्वस्तिक रॉय और ज्योति रतन घोष उच्च रक्तचाप के साथ किशोरों की पहचान में वसा के उपायों की तुलना श्रीलंका बाल स्वास्थ्य जर्नल 2019 48: 39-46।
4. देबाशीष भट्टाचार्जी और ज्योति रतन घोष। कर्सियांग की वयस्क नेपाली महिलाओं में सेफलो-चेहरे के माप से कद का अनुमान। एंथ्रोपोलॉजी में इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च। 2018 4: 13-16।

रंगया गाचुई

"काले मिट्टी के बर्तनों की कला-लोंगीरंगखुल नागा"

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 2 सितंबर 2018 डेसन कॉलेज, पुणे के कुलपति प्रो. वसंत सिद्धे हरपन आरकोलॉजी विथ स्पेशल रिफरेंश टू राखीगढ़ी संदर्भ के साथ हड़प्पा पुरातत्व पर एक व्याख्यान दिया।
2. 8 सितंबर 2018. बिहार हेरिटेज डेवलपमेंट सोसाइटी, पटना के निदेशक डॉ. बिजय कुमार चौधरी ने बिहार के मैदानी इलाकों की बस्ती में रहने पर व्याख्यान दिया।
3. बिहार विरासत विकास सोसाइटी, बिहार सरकार के सहयोग से लालपहाड़ी, लखीसराय में उत्खनन जो 25 नवंबर 2017 से शुरू हुआ था विभाग के वर्तमान प्रमुख डॉ अनिल कुमार की देखरेख में की गई थी।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला / विशेषज्ञ व्यक्ति

सरिता खतड़ी

1. 21 मई 2018 प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के अधीर चक्रवर्ती स्मृति व्याख्यानमाला में पूर्व-औपनिवेशिक काल में म्यांमार (बर्मा) में धर्म और राज्य विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 02-09 दिसंबर, 2018 बौद्ध अध्ययन केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में बौद्ध धर्म और मानवता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, में बंगाल के शुरुआती मठों में मठों की सामाजिक भूमिका पर एक व्याख्यान दिया।

के. मालवि राजन

1. 24 और 25 जनवरी 2018 को पीजी एवं अनुसंधान, इतिहास विभाग, अरिग्नार अन्ना आर्ट्स कॉलेज, मुसिरी, तमिलनाडु द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी दक्षिण बारत में यादगार पत्थर में भाग लिया और एक शोध पत्र त्रिचिरापल्ली जिला में यादगर पत्थर प्रस्तुत किया।
2. 8-10 फरवरी2019 को इतिहास विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना में दक्षिण भारतीय इतिहास कांग्रेस के 39वें वार्षिक अधिवेशन में सांस्कृतिक इतिहास सत्र में तमिलनाडु में (6वीं -12वीं शताब्दी ईस्वी सन्) बौद्ध धर्म का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बीना गांधी देवरी

1. 2018. यूनिवर्सिटी ऑफ सेन्स मलेशिया के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज में हंटिंग एंड गैदरिंग सोसाइटीज के बारहवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर।

सुचिरा रॉय चौधरी

1. 17 मार्च, 2018 भारतीय संग्रहालय के सहयोग से सोसाइटी ऑफ साउथ एशियन आर्कियोलॉजी (एसओएसएए) के 6वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले के मंगलकोट के चालकोलिथिक समुदाय के प्राचीन लौह प्रौद्योगिकी के प्रभावों पर ओशी रॉय के साथ पेपर प्रस्तुत किया।
2. 28-29 मई, 2018 आर्कियोलॉजिकल अध्ययन और प्रशिक्षण केंद्र फॉर आर्कियोलॉजिकल स्टडीज एंड ट्रेनिंग, पूर्वी भारत में पूर्वी भारत के नवपाषाण और चालकोलिथिक सिरेमिक विषय पर दो व्याख्यान दिए।
3. 22-23 सितंबर, 2018 इंडियन म्यूजियम द्वारा आयोजित फील्ड एंड एप्लाइड आर्कियोलॉजी के क्रैश कोर्स में सेरामिक्स का विश्लेषण (चीनी मिट्टी की चीज़ें रिकॉर्डिंग और पूर्वी भारत का सिरेमिक) पर दो व्याख्यान दिए।
4. 13 जनवरी, 2019 बर्धमान इतिहस और पुरटवास्वमसादन पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया ।

प्रकाशन

अनिल कुमार

1. लाली पहाड़ी (जयनगर), जिला लखीसराय, बिहार में बौद्ध नुन्नेरी (मठ) के उत्कीर्ण अवशेष, 2017-18, पृ. 107 - 131।
2. पुस्तक समीक्षाः 2019 में प्रकाशित जिला नालंदा, वैशाली, समस्तीपुर, कैमूर और गया, 42 का पुरातत्व राजपत्र, आईएसएसएन 0523-1302, पृ. 451-455।

सरिता खेतड़ी

1. 'बौद्ध धर्म पर अध्याय', बांग्लादेश का इतिहास, क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य में प्रारंभिक बंगाल (तक) अंक-2 संपादक अब्दुल मोमिन चौधरी, रणबीर चक्रवर्ती, ढाका, बांग्लादेश, 2018।
2. 'प्रारंभिक भारतीय कला में बुद्ध का प्रतिनिधित्व : एक समीक्षा', एबीएम हबीबुल्लाहकम्मिलीकरण खंड-1 संपादक एफ. सलाउद्दीन अहमद, सूफिया अहमद, अनीसुज्जमां, अब्दुल मतीन सरकार, एमडी तफीकुल हैदर, इनामुल हक, ढाका।

के. मावालि राजन

1. तमिल साहित्यिक ग्रंथों द्वारा चित्रित शुरुआती तमिलकम की भौगोलिक विशेषताएं, जर्नल ऑफ मैमोडर्न टेमीज़ रिसर्च (एक त्रैमासिक अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षीय जर्नल), खंड 6, नंबर 3, जुलाई-सितंबर 2018, पृ. 599-605। (आईएसएसएन 2321-984)।

बीना गांधी देवरी

1. नॉर्थ ईस्ट इंडिया के विशेष संदर्भ में ईस्टर्न हिमालयन डोमेस्टिक आर्किटेक्चर में पारंपरिक गालो हाउस : इसकी निरंतरता और इसकी निरंतरता के लिए चुनौती। एच. एन. दत्ता और इमोटेमसू-एओ द्वारा संपादित हेरिटेज पब्लिशिंग हाउस, नागालैंड, 2019।
2. अरुणाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत की जनजातियों के सांस्कृतिक परिदृश्य के महत्व को समझने के लिए एक दृष्टिकोण पहाड़ों में संपादित मात्रा वाले लोगः पहाड़ी परिदृश्यों के पुरातत्व के वर्तमान दृष्टिकोण, आर्कियोप्रेस टु पुरातत्व, 2018: 197-205।

दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र

कमलिका रॉय और अनीता भकत

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 24/12/2018 महर्षि देबेंद्रनाथ मेमोरियल व्याख्यान प्राचीन भारत में तर्क की कला पर वक्ताः प्रो. अमित भट्टाचार्य
2. 05-7 01/2019 प्रो. मिशाल वाल्को ने सोरेन किर्कगार्ड में विश्वास की प्रकृति और वादों, कीर्के गाड्र्स सिकनेस टू डेथ टू रिसोर्स इन सर्च फॉर पर्सनल ऑथेंटिसिटी और लिविंग फेथ इन अ सेक्युलर वर्ल्ड - लेसन्स फ्रॉम चार्ल्स टेलर पर व्याख्यान दिया।
3. 08.01.2019 नैतिकतावादी चिकित्सीय धर्मवाद और इसके नैतिक परिणाम : एक कीर्के गार्डियन अस्तित्ववादी आलोचक पर प्रो. कतरिना वल्कोवा द्वारा आमंत्रित व्याख्यान।
4. 02.02.2019 विश्व दर्शन दिवस भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित
5. 3-4/2/2019 प्रो. कैसर चक्रबर्ती द्वारा अट्टम तत्त्व विवेक उद्यान और सिद्धान्त लक्षन विदिति धिनादजागादिशी पर व्याख्यान।
6. 05.02.2019 बिद्युत चक्रवर्ती द्वारा गांधी, अम्बेडकर और भारत के संविधान पर व्याख्यान।
7. 29-31/03/19 भारतीय संदर्भ में विकास की विशेषताः एक दार्शनिक मूल्यांकन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान/कार्यशालाएं/विशेषज्ञ व्यक्ति

आशा मुखर्जी

1. जून 7-11, 2018 वैश्विक स्तर पर पुनः सीखने के लिए 50 वें वार्षिक सम्मेलन में कला, सौंदर्य अनुभव और पालनः दया कृष्ण की आलोचना सिद्धांत पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। संस्कृतियां और सभ्यताएं, सोसाइटी फॉर एशियन एंड कम्पेरेटिव फिलॉसफी, पेडागोगिकल यूनिवर्सिटी ऑफ क्राको, क्राको, पोलैंड।
2. अगस्त 7-9, 2018 संस्कृति और वैश्वीकरणः स्व-देने के माध्यम से संवाद पर एक पेपर, शेडोंग विश्वविद्यालय, जिनान, चीन में।

3. 13-20 अगस्त, 2018 वर्ल्ड टाइम्स फिलॉस्फी, बीजिंग, चीन में रि-लर्निंग टू बी ह्यूमन टू बी ह्यूमन फॉर / ग्लोबल टाइम्स : ए फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव पर पैनल का आयोजन किया।
4. 14 अगस्त, 2018. ग्लोबल टाइम्स में जॉर्ज एफ. मैकलीनः ए सर्विस टू द वर्ल्ड फिलॉसफी पर पैनल स्पीकर, वर्ल्ड फिलॉसफी कांग्रेस, बीजिंग, चीन में।
5. 25-29 सितंबर, 2018 सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज, सांची में भारतीय परिप्रेक्ष्य में आधुनिक दर्शनशास्त्र में भारतीय दर्शन के लेखन पर आधुनिक दर्शनशास्त्र में भारतीय दर्शनशास्त्र का पुनरीक्षण विषय पर प्रस्तुत पेपर।
6. 14 -21 अक्टूबर 2018 दो दिवसीय कार्यशाला, गोलमेज चर्चा का दौरा दक्षिण एशियाई अध्ययन विभाग, कला संकाय, लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड का विश्वविद्यालय।
7. 27-31 दिसंबर, 2018 भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल साइंस कांग्रेस में भारत में डिजिटल नैतिकता की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
8. 15 -17 फरवरी 2019. वुमन लिविंग हिंदू धर्म और इस्लाम प्रोजेक्ट (डब्ल्यूएलएचआईपी), यूनीवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट, यूएस में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में लीड प्रतिभागी।
9. 15-17 मार्च 2019 राजस्थान, जयपुर विश्वविद्यालय में सौया ईवम प्रम, संदेह और ज्ञानः भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मूल्य, स्वतंत्रता और भविष्यवाणी का ज्ञान पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
10. 18-20 मार्च, 2019 जेएनयू, नई दिल्ली में भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित लैटिन अमेरिकी दर्शनशास्त्र और भारतीय के बीच निर्माण पुल पर कार्यशाला में भारत में सामाजिक न्यायः एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य पर एक पत्र प्रस्तुत किया। ।
11. 29-31 मार्च, 2019 दर्शन और तुलनात्मक विभाग द्वारा आयोजित भारतीय संदर्भ में विकास की आलोचना - एक दार्शनिक मूल्यांकन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विकास और वैश्विक नैतिकताः नींव और संभावनाएं पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अनूप बर्मन

1. 29-31 मार्च, 2019 भारतीय संदर्भ में विकास की आलोचना - दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित एक दर्शनशास्त्रीय मूल्यांकन, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र एक दर्शन चिंतन पर जरासंध का खंडित शरीर पढ़ें।

कौशिक भट्टाचार्य

1. 29-31 मार्च, 2019 दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित भारतीय संदर्भ में विकास की आलोचना - एक दार्शनिक मूल्यांकन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।

एम पी टेरेंस सैमुअल

1. 16 और 17 फरवरी, 201। श्री विष्णु मोहन द्वारा आयोजित 'सुब्रमण्यम भारतीः राष्ट्रीय कवि, गद्य-लेखक, सामाजिक क्रांतिकारी और नारीवादी' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टकोलोनिकल ऑप्टिक के माध्यम से भारती के गुरु गोबिंदर को पढ़ना पर एक पत्र प्रस्तुत किया। फाउंडेशन, चेन्नई।
2. 27 अक्टूबर, 2018. पेंशनर्स एसोसिएशन हॉल, नागर कोइल में तमिलनाडु आर्ट एंड लिटररी फेडरेशन में भारतीय संदर्भ में पढ़ना ओरिएंटलिज़्म।
3. 27 नवंबर, 2018 भाषा, साहित्य और संस्कृति में भाषा, साहित्य और संस्कृति में अनुसंधान पद्धति पर अन्य कार्यशालाओं में साहित्य में दर्शन-साहित्य-दर्शन का प्रतिनिधित्व 'पर व्याख्यान, विश्वभारती द्वारा आयोजित।
4. 29-31 मार्क , 2019. भारतीय संदर्भ में विकास की आलोचना - एक दार्शनिक मूल्यांकन, राष्ट्रीय दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकृति और विकास बोलीः एक मार्क्सवादी समझ पर एक पेपर पढ़ें।

मंजरी चक्रवर्ती

1. 30.05 - 1.06. 2018. यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, कॉलेज पार्क, यूएसए में इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी (एफपीईटी 2018) के फोरम के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रागैतिहासिक स्टोन आर्टिफैक्ट्स और एपिस्टेमिक जटिलता पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 05.07.18 - 08.07.18 इंटीग्रेटेड 7 में प्रागैतिहासिक स्टोन टूल टेक्नोलॉजी एंड द इवॉल्यूशन ऑफ कॉग्निटिव बिहेवियर पर एक पेपर पढ़ेंः ज्ञान का विकास, लाइबनिट्स विश्वविद्यालय, हनोवर, जर्मनी।
3. 11.07.18 - 13.07.18 मानव-प्रौद्योगिकी संबंधः पोस्ट-घटना विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ए-पोस्ट-घटनात्मक समीक्षा प्रागैतिहासिक प्रौद्योगिकी पर एक प्रस्तुति दी, नीदरलैंड्स के ट्वेंटी विश्वविद्यालय में।
4. 23.02.19 - 24.02.19 विज्ञान सम्मेलन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, रोपड़ के दर्शन पर अर्ली मॉडर्न टेक्नो-साइंस और स्टीम इंजन का आविष्कार विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
5. 15.03.19 - 16.03.19 मानव भावनाओं और नैतिकता में उनकी भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भावनात्मकता में भावनाएं पर एक पेपर दिया, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय।

मो. सिराजुल इस्लाम

1. 15-20 अगस्त 2018 बीजिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में 24 वीं विश्व कांग्रेस में इस्लाम इन प्रेजेंट इंडियन कल्चरल मिलिअः ए एनालिसिस टू बी ह्यूमन टू बी ह्यूमन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 5 सितंबर, 2018. चटगांव विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में इस्लाम, आध्यात्मिकता और बांग्लार रूमी अहमदुलहक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. 8 सितंबर, 2018. फारसी ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बंगार रूमी सैयद अहमदुलहकंद ने उनका योगदान मैनकाइंड के लिए पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
4. 9 सितंबर, 2018. एक दिवसीय संगोष्ठी वर्तमान दुनिया में नैतिकता की प्रासंगिकता पर दर्शन, जहाँगीर नगर विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश में विभाग।
5. 25-29 सितंबर 2918 सांची विश्वविद्यालय, सांची में भारतीय दर्शन लेखन में आधुनिक दर्शन पर 5 दिवसीय कार्यशाला में सूफीवाद और वेदांतः एक अभिनव दृष्टिकोण पर एक पेपर दिया गया।
6. 28-29, सितंबर, 2018 बोलपुर, कॉलेज, बोलपुर के विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बाल, वैष्णव और रबींद्रनाथ पर रवींद्रनाथ और बाल दर्शन पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
7. 1-3 नवंबर, 2018 विष्णु मोहन फाउंडेशन, चेन्नई और आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 21 वीं सदी के लिए प्रकृति-ए जैना दृष्टि के साथ सद्भाव में रहने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जैन प्रकृति और सतत विकास के लिए जीवन का एक दृश्य पर एक पेपर पढ़ें।
8. 7-8 मार्च 2019 बिहार के नालंदा महाविहार द्वारा आयोजित शांति और समृद्धि के एशियाई प्रतिमान पर एशियाई दर्शन कांग्रेस में सूफी प्रतिमान ऑफ पीस एंड प्रॉस्पेरिटीः एन इंडियन पर्सपेक्टिव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
9. 15-16 मार्च 2019 मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता में स्वामी विवेकानंद और बौद्ध धर्मः भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर आधारित एक दार्शनिक विश्लेषण पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
10. मार्च 9-11-2019 भारतीय दर्शन कांग्रेस, नव नालंदा महाविहार, बिहार के 93 वें सत्र में गांधीजी की शांति और समृद्धिः एक दार्शनिक प्रदर्शनी पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रेखा ओझा

1. 16-17 जून 2018 योग ध्यान द्वारा आयोजित ध्यान के विशेष संदर्भ के साथ योग के तत्वमीमांसा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।
2. 3-4 अगस्त 2018 एशियन स्टडी सेंटर, सीआरवीपी, महाचुलोंगोंगकोनराजविदयालय, थाईलैंड द्वारा

आयोजित फेमिनिस्ट बाइबिल हेर्मेनेयुटिक्सः एलिजाबेथ सुहसलरफिरोज़ा के विशेष संदर्भ के साथ अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।

3. 23-24 अक्टूबर 2018 उत्तराखंड, नैनीताल विश्वविद्यालय में ब्रिक्स और भारतीय संदर्भ में इसकी उपयोगिताः एक दार्शनिक समीक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें

सबुजकोली सेन

1. 13.04.2018 ढाका विश्वविद्यालय के संगीत विभाग और सुरर धरा, बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में रवींद्रनाथ और पूर्वी बंगाल पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
2. 18.07.2018 भारत के विदेश मंत्रालय के दक्षिण पूर्व एशियाई समुद्री सहयोग को मजबूत करने पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार दिल्ली संवाद एक्स में एक पेपर पढ़ें।
3. 02.10.2018 गांधी स्मारक संग्राहलय (संग्रहालय), बैरकपुर में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए व्याख्यान दिया।
4. 04.10.2018 एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, नेत्रोकोना, बांग्लादेश में मयमन गिंगा सितिका पर उद्घाटन भाषण दिया।
5. 07.11.2018 रामकृष्ण मिशन बेलूर विद्यामंदिर में दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।
6. 08.06.2019 शिकागो में लेक्चर पर दोबारा गौर किया गया नरेंद्र पुर रामकृष्ण मिशन कॉलेज और स्कूल, नरेंद्रपुर का दिवस।
7. 09.06.2019 विवेकानंद सेंटर फॉर वैल्यू एजुकेशन, बर्दवान विश्वविद्यालय में महाभारत के विशेष संदर्भ के साथ- समा, दान दंडनीति - पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

शुभ्रा ज्योति दास

1. 13-14 अप्रैल, 2018. एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती द्वारा आयोजित डॉ. बी आर अंबेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।
2. 27-29 जुलाई, 2018 अद्वैत वेदांत आईसीपीआर और दर्शन और धर्म विभाग, बीएचयू, वाराणसी की परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।
3. 8-10 सितंबर, 2018. आईसीपीआर और मीरा स्मृति संस्थान, चित्तौड़गढ़ द्वारा मीराः दर्शन और भक्ति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।
4. 2-3 मार्च, 2019। आईसीपीआर अकादमिक केंद्र, लखनऊ में सर्वमहलविद् ब्रह्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर पढ़ें।

सुजय मंडल

2. 3 से 12 अप्रैल, 2018। यशोविजय की तर्का भाषा के पाठात्मक अध्ययन पर कार्यशाला में भाग लियाः भारतीय जैन दर्शन अनुसंधान परिषद, लखनऊ द्वारा आयोजित तर्क पर एक जैन स्टालवार्ट।
3. 13-14 अक्टूबर, 2018. भारतीय दर्शन का पुनरोद्धारः भारतीय मन का निरूपण, भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद के विभाग पर बंकिमचंद्र और धर्म की अवधारणा पर एक पेपर पढ़ें।
4. 22 और 23 फरवरी 2019 बंकिमचंद्र और मुक्ति प्राप्त करने के तरीकेः ज्ञान और भक्ति के बीच एक बहस और ज्ञान के कैनवस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर पढ़ेंः एशियन स्टडीज फ्रॉम प्री-मॉडर्न से मॉडर्न टाइम्स, आयोजित इतिहास, विश्वभारती विभाग द्वारा।

प्रकाशन

क्र. स.	लेखक का नाम	पेपर का शीर्षक	पत्रिका का नाम	चाहे पीर/ समीक्षा	वर्ष, अंक पृ.
1.	आशा मुखर्जी	फिलॉसपि एंड क्राईसिस एन इस्ट्रन सौसुशन	सं. गोल्फो मगानी फिलॉसपि एंड क्राइसिस रिसपौंडिंग टू चैलेंज वे	लागू नहीं	कॉसिल फॉर रिसर्च इन वैल्यू एंड फिलॉसपी, वासंगटन, 2018 पृ. 131-141
2.	सबजुकोली सेन	ज्ञानदानंदिनी देवी बुक एन / ए (महिला में पायनियर, मुक्ति) बांगला में	किताब	लागू नहीं	सूत्रधार,कोलकाता मार्च 2019
3.	सबजुकोली सेन	शिकागो व्याख्यान फिर से, (बंगाली में)	उबोधन		आईएसएसएन 0971-4316, आरएनआई 8793/57, सितंबर, 2019।
4.	सबजुकोली सेन	श्री रामकृष्ण नारीवादी परिप्रेक्ष्य (अंग्रेजी लेख बंगाली अनुवाद)	मोनोग्राफ	लागू नहीं	फरवरी, ’19
5.	सबजुकोली सेन	विश्व भारती ओ बांग्लादेश पर	साहित्य पत्रिका बालाका (विशेषांक बांग्लादेश)		कोलकाता, 2019, आईएसएसएन 22309381

6.	मंजरी चक्रवर्ती	कैसे पत्थर के औजार को हमने आकार दिया: घटना के बाद सामग्री जुड़ाव सिद्धांत	दर्शनशास्त्र और प्रौद्योगिकी आईएसएसएन:2210-5433 नंबर 2, वॉल्यूम 32, स्प्रिंगर(नीदरलैंड)	हाँ	2019 वॉल्यूम 32, पेज 243-264 नंबर 2 264
7.	कौशिक भट्टाचार्य	प्रोफेसर सील ऑन द पॉजिटिव साईसेस ऑफ	एंथोलॉजीः रिडिसकॉभरिगं आचार्य ब्रजेन्द्र नाथ सील इन मिलेनियम, महा बोधि बुक एजेंसी, कोलकाता	लागू नहीं	2018, पृ. 71-82
8.	शुभ्राज्योति दास	काडा को समझना रसेल की तार्किक परमाणुवाद : एक प्रयास	गौहाटी यूनिवर्सिटी फिलॉसफी जर्नल	हाँ	2018 वॉल्यूम-3 पृ. 39-50
9.	एम.पी.टेरेंस सैमुअल	इलियाक्य थिरनैविल थ्रिनाईविल पिंकलानीयथ थाक्कम थमिज़हलकीकीथ (पोस्टकोलोनियल इन्फ्लुएंस (तमिल साहित्य)	एंथ्रोलॉजी : थिरनैविल थ्रिनाईविल कोटपाडुकल (तमिल साहित्य) क्रिटिकल थिउरी आईएसबीएनः 9789387989559	लागू नहीं	अगस्त 2018
10.	एम. पी. टेरेंस सैमुअल	रिप्रजेंटेशन कल्चरल अदर : साईडियन पर्सपेक्टिव्स	एंथोलॉजी : इंडियास नॉर्थइस्ट : ए सिलिब्रेशन ऑफ कल्चर आईएसबीएनः 978-93-88945-00-4	लागू नहीं	जनवरी 2019
11.	एम. पी. टेरेंस सैमुअल	पोस्ट (-) उपनिवेशवाद	भारतीय दर्शनशास्त्र की समीक्षा।समीक्षा।		मार्च, 2019 खंड 8, अंक 6
12.	रंजन मुखोपाध्याय	लॉजिक एंड ए वेरायटी ऑफ़ एंटी रियलिजम	दर्शनशास्त्र विभाग, कल्कत्ता विश्वविद्याल का जर्नल	हाँ	अंक-8 2012 विलंब से प्रकाशित मार्च-2019, पृ.1-11

13. रंजन मुखोपाध्याय	द इंटेंशनल एंड इक्सटेंशनल	गुहाटी विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र पत्रिका	हाँ	अंक-3 दिसंबर2018, पृ. 71 - 84
14. रेखा ओझा	बौद्ध धर्म में पुनर्वसु नारीवादः एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य	महिला प्रतिभा	यूजीसी स्वीकृत	2018 -4, पृ.52
15. रेखा ओझा	सकारात्मक समझौता ओशो के दर्शन के पीयर की समीक्षा प्यार और सेक्स : तलाश भारतीय नारीवादी परिप्रेक्ष्य	महिला प्रतिभा	यूजीसी स्वीकृत	2019, 4, पृ.-87
16. रेखा ओझा	महिला सशक्तिकरण चेतना के माध्यम से सहकर्मी की समीक्षा की एक दार्शनिक आयाम	महिला प्रतिभा	यूजीसी स्वीकृत	2019, 4 पृ. 59
17. रेखा ओझा	इनजस्टिस एंड सफरिंग द वर्ल्डः एप्लाइड द लॉ करमा	सत्यज्ञानम	पीर समीक्षा	2018 फेसिलेशन, पृ.52
18. मो. सिराजुल इस्लाम	धर्म और समाजिक न्याय (हिंदी)	किताब-चंपारण सत्याग्रह शताब्दी राष्ट्रीय विमर्श सं. पुरुषोतम अग्रवाल	पीर समीक्षा	जुलाई 2018 पृ. 369-372
19. मो. सिराजुल इस्लाम	दारा शिकोह मोनोथेनिक क्यूस्ट एंड हुमनेटी	जर्नल ऑफ़ इस्लामिक हिस्ट्री एंड कल्चर एइस्लामी इतिहास और संस्कृति, विभाग, कलक्ता विश्वविद्यालय	पीर समीक्षा	मई-2018 आईएसएसएन 2347 8187 पृ. 21-32

विभाग में चल रहे शोध परियोजना

क्र. स.	शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	प्रायोजक	राशी स्वीकृत
1.	आशा मुखर्जी	जीआरआरआई प्रोजेक्ट जीवित धर्मों का अध्ययन करने के संबंध में लिंग इस्लाम और हिंदू धर्म, 2017-2020 संयुक्त रूप से पहल के साथ बंदना पुरकायस्थ और अंजना नारायणन	अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुदान वैश्विक धर्म अनुसंधान जीआरआर नोर्टे डेम विश्वविद्यालय	
2.	आशा मुखर्जी	आरवीपी प्रोजेक्ट ऑन रि-लर्निंग टू बि हुमैन ग्लोबल टाइम्सः चैलेंज एंड ओपरचुनिटु द रोल ऑफ इंकाउंटर, 2017-19 संयुक्त रूप से दान चित्तियु और अन्य	आरवीपी आईएआई केंद्र अनुसंधान परियोजना रोमानिया	
3.	आशा मुखर्जी	पुस्तक परियोजना 2017-2019 धार्मिक भविष्य, भारत में अध्ययन, उपशीर्षकः स्टॉकहोम और अन्य का एक आकलन वर्तमान स्थिति और तरीकों के लिए सुझाव संयुक्त रूप से, क्लेमेंस कैब्रलिन, फर्डिनेंडो सरदेला के साथ	ग्रोथेनबर्ग विश्वविद्यालय स्वीडन, स्टोखोलम विश्वविद्यालय	
4.	मंजरी चक्रवर्ती	महामारी चरित्र सामग्री (21 अक्टूबर 2015 7 नवंबर 2019)	भारतीय संस्कृति दर्शन अनुसंधान, परिषद नई दिल्ली	4 लाख
5.	रेखा ओझा	भारतीय कारावास की वैकल्पिक व्यवस्था : एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य	भारतीय संस्कृति दर्शन अनुसंधान, परिषद नई दिल्ली	10 लाख

शिक्षकों / विद्वानों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपलब्धियाँ

1. आशा मुखर्जी	संचालन समिति के सदस्य, एफआईएसपी अंतर्राष्ट्रीय महासंघ अगस्त, 2018 से पांच वर्षों के लिए
2. आशा मुखर्जी	जर्मनी के पैडरबोर्न विश्वविद्यालय में डॉ. रूथ हेगनग्रेबेर की अध्यक्षता में महिला दर्शनशास्त्रियों और वैज्ञानिकों के अध्ययन के लिए सलाहकार बोर्ड की सदस्य
3. आशा मुखर्जी	यूरोपीय प्रकाशक स्प्रिंगर, 2018 के साथ बुक प्रोजेक्ट अनुबंध की सदस्य
4. आशा मुखर्जी	अध्यक्ष, विश्व भारती व्याख्यान श्रृंखला, नवंबर, 2018 से
5. आशा मुखर्जी	उपाध्यक्ष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, 2019-20
6. आशा मुखर्जी	संपादकीय बोर्ड की सदस्य, भारतीय समाज चिंतन प्रकृति विज्ञान जर्नल - मानव-समाज जुलाई, 2018 से
7. सबजुकोली सेन	2 फरवरी, 2018 से 8 नवंबर, 2018 तक कार्यवाहक कुलपति, विश्वभारती
8. मंजरी चक्रवर्ती	एडवांस्ड स्टडीज (चरण V: 2016-2021) के साथ जुड़े, दर्शनशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता - 32) 1 सितंबर, 2018 से 25 सितंबर तक विजिटिंग फेलो के रूप में और कार्ल शीर्षक वाले तीन व्याख्यान दिए। पॉपर का नॉन-ड्यूलिस्ट इंटरेक्शनिस्ट थ्योरी , प्रागैतिहासिक स्टोन-टूल टेक्नोलॉजी एंड द इवोल्यूशन ऑफ कॉग्निशन और द रियल प्रॉब्लम ऑफ सीमार्कशन।
9. मो. सिराजुल इस्लाम	परिषद सदस्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित। भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।
10. मो. सिराजुल इस्लाम	एक रिसोर्स पर्सन के रूप में दो लेक्चर दिए कविताओं में काजीनाजरुल इस्लाम का राष्ट्रवाद 2) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, राष्ट्रपति भवन द्वारा आयोजित विंटर स्कूल में रवींद्रनाथ टैगोर के लिए बाऊल और सूफी प्रभाव। 10 और 11 दिसंबर, 2018 को शिमला में।
11. मो. सिराजुल इस्लाम	10 जनवरी, 2019 को रिसर्च कोर्स के कार्य की कार्यप्रणाली में कोलकाता केमौलानाअबुलम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज में रिसोर्स पर्सन के रूप में दो व्याख्यान दिए।

12. मो. सिराजुल इस्लाम	25 अप्रैल, 2019 को रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोलपार्क, कोलकाता में इस्लाम और आधुनिक विश्व चुनौतियों पर व्याख्यान दिया।
13. मो. सिराजुल इस्लाम	गांधीजी की संकल्पना और समृद्धि के आधार पर 93 वें सत्र में एंडोमेंट व्याख्यान दिया।
14. मो. सिराजुल इस्लाम	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता आरवीपी विभाग, विश्वभारती
15. मो. सिराजुल इस्लाम	9 मार्च 2019 को नालंदा, बिहार के नालन्दा महाविहार में एशियाई दार्शनिक सम्मेलन 4 वें सत्र 2019 में आयोजित किया गया।
16. मो. सिराजुल इस्लाम	भारतीय दर्शन कांग्रेस के दर्शन के इतिहास सत्र-**iii** की अध्यक्षता करते हुए, 9 मार्च 2019 को नालंदा, बिहार के नालंदा महाविहार में 93 सत्र 2019 आयोजित किया गया।
17. शुभ्रा ज्योति दास	02/02/19 को आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग में आयोजित विश्व दर्शन दिवस समारोह के समन्वयक के रूप में कार्य किया।
18. शुभ्रा ज्योति दास	संगोष्ठी के संयुक्त समन्वयक के रूप में काम किया, जिसका शीर्षक भारतीय संदर्भ में विकास का समालोचना दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग में आयोजित एक दार्शनिक मूल्यांकन है जो 29/03/19 से 31/03/19 तक आईसीएसएसार द्वारा प्रायोजित।

महिला अध्ययन केंद्र

यूजीसी /सीएसआईर / नेट / सेट और गेट में उत्तीर्ण छात्र

1. कल्याण प्रमाणिक (पीएचडी विद्यार्थी): भूगोल में यूजीसी-नेट-जेआरएफ
2. कृष्णा पाड़ा पाल (पीएचडी विद्यार्थी): बंगाली में यूजीसी-नेट
3. नूपुर साहा (पीएचडी विद्यार्थी): भूगोल में यूजीसी-नेट
4. श्री सोर्या टी. आर. (पीएचडी विद्यार्थी): यूजीसी-नेट सामाजिक कार्य में

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं

1. जनवरी 07, 2019 ऐलेना मैरोथोलीहोत्सोवाः ए फेमिनिन रिन्यूइंग वॉयस इन चर्च एंड सोसाइटी पर एक विशेष व्याख्यान। अध्यक्षः डॉ कटरीना वल्कोवा, एसोसिएट प्रोफेसर, कॉमेटियस यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रातिस्लावा, स्लोवाकिया और इंदिरा गांधी केंद्र में दर्शन-दर्शन विभाग, विश्वभारती केविजिटिंग प्रोफ़ेसर।
2. 18 जनवरी, 2019. बंगाली और मराठी में 20वीं शताब्दी की कथाएँ में स्वयं की धारणा पर एक विशेष व्याख्यान अध्यक्षः मित्रा मुखर्जी, प्रोफेसर और पूर्व प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी केंद्र मुंबई।
3. 01-02 मार्च, 2019 अध्ययन केंद्र, विश्व भारती और महिला अध्ययन केंद्र, कोलकाता द्वारा इंदिरा गांधी केंद्र, विश्वभारती में सहयोगी छात्रों का सम्मेलन महिला अध्ययनः पहचान और गहनता आयोजित। उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर आशा मुखर्जी, डॉ. आशिका चक्रवर्ती और डॉ तनुश्री पॉल ने संबोधित किया।
4. 08 मार्च 2019 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बालिका शिक्षा के कारण विश्वभारती के आसपास के गांवों में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया।

प्रकाशन

तनुश्री पॉल

किताबों में अध्याय

1. आराम, विली-ब्लैकवेल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ अर्बन एंड रीजनल स्टडीज में प्रकाशित, एडिटर-इन-चीफः एंथनी एम ओरम, पहली बार प्रकाशितः 15 अप्रैल 2019, प्रकाशकः विली-ब्लैकवेल, आईएसबीएनः 978-1-118-56845-3

2. गिरीश चड्ढा और अश्विन बी पंड्या (भारत में जल प्रशासन और प्रबंधन), खंड 1 श्रृंखला के मुद्देः जल संसाधन विकास और प्रबंधन, सिंगापुरः स्प्रिंगर नेचर पंड लिमिटेड आईएसबीएन : 978-981-13-6399-3

पत्रिका लेख

1. नई पीढ़ी के क्षेत्रः इस प्रकार दूर और आगे नहीं। भूगोल और आप, खंड 18, अंक 112 प्रकाशकः आईआरआईएस प्रकाशन प्रा. लि. आईएसएसएन 2347884-5

सेमिनार / सम्मेलन

तनुश्री पॉल

1. 14 -16 मार्च 2019 क्षेत्रीय विकास का अध्ययन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पानी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सततता, आजीविका और जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा : जल में महिलाओं की भागीदारी की खोज शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

शिक्षा भवन

(विज्ञान संस्थान)

शिक्षा-भवन मूल रूप से मानविकी विषयों को पढ़ाने के लिए एक स्नातक कॉलेज था, जो 1961-63 के दौरान गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र और वनस्पति विज्ञान बीएससी ऑनर्स पाठ्यक्रम शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया था। एमएससी गणित में कार्यक्रम 1963 में पेश किया गया था और 1968 में अन्य विषयों के लिए भी शुरू किया गया था। आखिरकार 1972 में, मानविकी और विज्ञान विषयों में अध्ययन के पाठ्यक्रम के पुनर्गठन के कारण, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले सभी विज्ञान विभागों को शिक्षा-भवन के तहत लाया गया था, जिसे विज्ञान संस्थान भी कहा जाता है।

शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान) में अब ग्यारह संघटक समाविष्ट हैं : दस विभाग और एक केन्द्र, यथा-रसायन, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर एवं सिस्टम विज्ञान, बायोटेकनॉलॉजी, एनवायरमेण्टल स्टडीज, इन्टिग्रेटेड साइन्स एडुकेशन एवं मैथमेटिक्स एडुकेशन रिसर्च केन्द्र, जहाँ अध्यापन और शोध दोनों केकार्यक्रम चलते हैं, जो बी.एससी. (प्रतिष्ठा), एम.एससी. तथा इंटीग्रेटेड एम.एस.सी. एवं पीएच.डी. की डिग्रियाँ प्रदान कराते हैं।

पंचवर्षीय एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम को केवल ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षाओं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और भौतिकी वाले नियमित विज्ञान स्ट्रीम से प्रवेश दिया जाता है। पाठ्यक्रम में भर्ती किए गए पच्चीस (25) छात्रों में से पंद्रह (15) छात्रों को (योग्यता के अनुसार) 5,000 /- प्रति माह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। निम्नलिखित दिशानिर्देशों केअनुसार, अवकाश अवधि केदौरान ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप केलिए सालाना 20,000/- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) केअनुसार, सरकार। भारत छात्रवृत्ति एक ऐसे छात्र को प्रदान की जाती है जो किसी भी राज्य/केंद्रीय बोर्ड की बारहवीं कक्षा की परीक्षा में या तो शीर्ष 1 है या जेईई (मुख्य) में 10,000 ऑल इंडिया रैंक केभीतर है।) / जेईई (एडवांस्ड) या केवीपीवाई स्कॉलर/इंटरनेशनल ओलंपियाड मेडलिस्ट/ जेबीएनएसटीएस मेडलिस्ट/एनटीएसई स्कॉलर और वर्तमान वर्ष का पास-आउट।

सभी छात्रों को दो वर्षीय एम.एससी विश्वभारती में जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में हर साल जेएनयू द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा बायोटेक्नोलॉजी के लिए के माध्यम से प्रवेश किया जाता है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन जेएनयू द्वारा अपनी वेबसाइट पर आम तौर पर प्रत्येक वर्ष के शुरुआती महीनों में आमंत्रित किए जाते हैं। भावी छात्रों से आग्रह किया जाता है कि वे इस उद्देश्य के लिए अक्सर अपनी वेबसाइटों की जाँच करें। छात्रों को जेएनयू प्रवेश सेल द्वारा निर्धारित मेरिट सूची के आधार पर स्वीकार किया जाता है। इस राष्ट्रीय परीक्षा के माध्यम से आने वाले सभी प्रवेशित छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से 5000/- प्रति माह जो अपने व्यावहारिक वर्गों के लिए धन प्रदान करता है।

अपने समर्पित शिक्षकों और प्रतिभाशाली छात्रों के ईमानदार प्रयासों के कारण पिछले कई दशकों में शिक्षा-भवन ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। यूजीसी, सीएसआईआर, डीएसटी, बीएनआरएस, आईसीएआर, आईसीएमआर, डीबीटी, एमएनईएस और डीएई जैसी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित विज्ञान के फ्रंट लाइन क्षेत्रों में कई अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

प्राणी विज्ञान विभाग को अवसंरचनात्मक सुविधाओं के सुधार के लिए यूजीसी और कोसिस्ट अनुदान के उन्नत अध्ययन कार्यक्रम के लिए केंद्र से सम्मानित किया गया है। डीएसटी ने प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी और एकीकृत विज्ञान विभागों को अनुदान प्रदान किया है। गणित, रसायन विज्ञान और वनस्पति विज्ञान के विभागों को यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम से सम्मानित किया गया। गणित विभाग को बीस साल से अधिक समय से एनबीएचएस लाइब्रेरी का अनुदान मिल रहा है। डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए, सीएसआईआर, डीएई और अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों से समर्थन के साथ विभिन्न विभागों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, संगोष्ठी और कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

भौतिकी विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट / जेस्ट / गेट में उत्तीर्ण छात्र

सीएसआईआर-यूजीसी नेट, 2018

1. दिपन कुंडु
2. लिपिका कोले
3. सौमेन रॉय
4. दीपंकर प्रधान
5. कौशिक घोष
6. अंकन प्रमाणिक
7. बिद्युत दे
8. श्रीकांता पाल
9. आसिफ इलाही
10. सुरजीत गोल्डार
11. शकील उर रहमान
12. मौसमी प्रमाणिक

जेस्ट 2019

1. दीपन कुंडू
2. सयान घोष
3. सौरव मंडल
4. सौमेन रॉय
5. दीपंकर प्रधान
6. सागर चौधरी
7. गार्गी सेन

8. सोमा दत्ता
9. सैली कुमारी केशरी

गेट 2019

1. दीपन कुंडू
2. इशिता मंडल
3. अक्षय घोष
4. दीप्तंगशु नंदी
5. विशाखा जोम्बा
6. सौगत साहू
7. सौरव मंडल
8. सयान घोष
9. लिपिका कोले
10. सौमेन रॉय
11. सोमदीप मंडल
12. कौशिक पाल
13. दीपंकर प्रधान
14. सागर चौधरी
15. सुभदीप सरकार
16. सुरजीत गोल्डार

सेट 2018

1. दीपन कुंडू
2. सौरव बर्मन

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन / संगोष्ठी

1. 3 - 4 अगस्त, 2018 एसएन बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज के सहयोग से भौतिकी विभाग, विश्वभारती ने संघनित पदार्थ भौतिकी में हालिया प्रगतिः सिद्धांत और प्रयोग (एनएडब्ल्यूसीएमपी-

2018 पर बोस टैगोर नेशनल एडवांस्ड वर्कशॉप का आयोजन किया, जो विश्वभारती में आयोजित किया गया। सत्येंद्र नाथ बोस की 125 वीं जयंती का अवसर संयोजकः डॉ. स्वपन कुमार मंडल और डॉ. राजकुमार सिंगा।

2. 3-4 सितंबर, 2018 विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएसटी - 2018) आयोजन सचिवः प्रो. ए भट्टाचार्जी।
3. 5 अक्टूबर, 2018 टीपीएससी संगोष्ठी आकार, समरूपता और स्पिन। अध्यक्षः प्रो. पार्थ चौधरी, भौतिकी विभाग, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका
4. 11 जनवरी, 2019 टीपीएससी सेमिनार विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान के संयोजन के लिए परमाणु युग में धनगरोला से सोचें । अध्यक्षः डॉ. गोही हयाशी, फुकुशिमा मेडिकल यूनिवर्सिटी, जापान
5. 3- 5 फरवरी, 2019 परमाणु और कण भौतिकी में हालिया मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। संयुक्त संयोजकः प्रो. मानसमाई ते, डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी, डॉ. अनघा चक्रवर्ती, डॉ स्वरूप कुमार माझी।
6. 8 फरवरी, 2019 टीपीएससी संगोष्ठी दूरसंचार में भौतिकी। वक्ताः डॉ. अमर नाथ रे
7. 8 मार्च, 2019 टीपीएससी संगोष्ठी उच्च ऊर्जा फोटॉन और कण के साथ ब्रह्मांड की खोज । वक्ताः प्रो प्रमिक मजूमदार, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता
8. 18 - 20 मार्च, 2019 - भौतिकी विभाग, आईयूसीएए के साथ विश्वभारती ने स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए टेलीस्कोप मेकिंग और विज्ञान लोकप्रियता कार्यशाला का आयोजन किया (विज्ञान के प्रचार के लिए एक सार्वजनिक कार्यक्रम), संयोजक, डॉ. सुदीप्त दास।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / विशेषज्ञ व्यक्ति

टी. चट्टोपाध्याय

4-5 जुलाई, 2018 मुंबई के भाभा परमाणु अनुसंधान केद्र में क्वांटम कैस्केड लेजर और इंजेक्शन-लॉकिंग पर आमंत्रित वार्ता।

पी. के घोष

1. 3-7 दिसंबर , 2018 कोलकाता के एस एन बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिकसाइंस में क्वांटम फील्ड थ्योरी और ग्रेविटी में करंट डेवलपमेंट पर ई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित।
2. 4-13 जून, 2018 क्वांटम भौतिकी आईसीटीएस-टीआईएफआर, बैंगलोर में छद्म-हरमिटियन हैमिल्टन पर गैर -हर्मिटियन फिजिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित भाषण दिया।

बी सी गुप्ता

1. 18 सितंबर 2018 नैनो-विज्ञान में 3 रीफ्रेशर कोर्स में नैनोटिस्टक्चर डी के गुण : डीएफटी अध्ययन पर व्याख्यान दिया गया ; नैनो-प्रौद्योगिकी का आयोजन अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

ए. बंद्योपाध्याय

1. 14 जनवरी, 2019 लाइट-मैटर सहभागिता , आलिया विश्वविद्यालय, न्यू टाउन परिसर, कोलकाता में फ्रंटियर्स पर एक दिवसीय संगोष्ठी में एक सत्र की समाप्ति और अध्यक्षता की गई।
2. 29-30 मार्च, 2019 वक्ता, फोटोनिक्स में अग्रिमों पर सामयिक बैठक, भौतिक विज्ञान, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भुबनेश्वर, जटनी, भारत

एस दास

1. 18-20 जून, 2018 आईयूसीएए, पुणे में आयोजित एस्ट्रोनॉमी थीम्ड प्रयोगों केविकास पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में भाग लिया ।

आर के सिंघा

1. 3-5 फरवरी, 2019 भौतिकी विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित परमाणु और कण भौतिकी में हाल केमुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया , और एक पोस्टर प्रस्तुत किया जीई / सी क्वांटम डॉट हेटेरो-जंक्शन नमूनों की संरचना और फिल्म की मोटाई का मापन रदरफोर्ड बैकस्कैटरिंग तकनीक द्वारा

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं

I.

(i) शिक्षक का नामः प्रो. एम. मायती (पीआई)

(ii) परियोजना का नामः कॉम्पैक्ट मून सोलनॉइड अपग्रेड, ऑपरेशन और यूटिलाइजेशन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीएसटी, भारत सरकार

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 210 लाख , अगस्त, 2014 - मार्च 2019

II.

(i) शिक्षक का नामः प्रो. एम. मायती (पीआई)

(ii) परियोजना का नामः क्षेत्रीय ग्रिड प्रणाली का अद्यतन और संचालन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीएसटी, भारत सरकार

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 26.80 लाख, सितंबर, 2014 - मार्च, 2019

III.

(i) शिक्षक का नामः प्रो. पी के घोष

(ii) परियोजना का नामः संतुलित नुकसान और लाभ के साथ हैमिल्टन प्रणालियों पर जांच

(iii) प्रायोजन एजेंसियोंः एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार, योजना के तहत (गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्रित समर्थन)।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 2, 20, 000 प्रति वर्ष के लिए तीन साल मार्च 2019 से मार्च 2022)

IV

(i) शिक्षक का नामः डॉ. एस. के. मंडल

(ii) परियोजना का नामः स्पिन-क्रॉसओवर ऑफ स्पिन-क्रॉसओवर आणविक पतली फिल्मों में स्विच करना

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः सीएसआईआर, भारत सरकार , नई दिल्ली

(iv) स्वीकृत राशिः

V

(i) शिक्षक का नामः डॉ. बी. मुखर्जी

(ii) परियोजना का नामः सिलिकॉन स्ट्रिप डिटेक्टरों का उपयोग करके शीघ्र प्रोटॉन का मापन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः एसईआरबी, डीएसटी, नई दिल्ली

(iv) स्वीकृत राशिः 43 लाख (3 वर्ष के लिए)

VI

(i) शिक्षक का नामः डॉ. बी. पांडे

(ii) परियोजना का नामः फिलामेंटरी कॉस्मिकवेब में गैलेक्सी का निर्माण और विकासः स्लोन डिजिटल स्काई सर्वे फाइनल डाटा रिलीज बारह की खोज और विश्लेषण

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः एसईआरबी

(iv) स्वीकृत राशिः 25 लाख (3 वर्ष के लिए)

VII.

(i) शिक्षक का नामः डॉ. ए. बंद्योपाध्याय

(ii) परियोजना का नामः क्षार परमाणु वाष्प माध्यम की पारदर्शिता पर सुसंगत विकिरण क्षेत्रों का प्रभाव

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः यूजीसी प्रमुख अनुसंधान परियोजना

(iv) स्वीकृत राशिः रु। 14,04,500/- (3 वर्षः 28 सितंबर 2015 - 30 जून 2018 : पूरा हुआ)

VIII.

(i) शिक्षक का नामः डॉ. एस. दास

(ii) परियोजना का नामः डार्क एनर्जी के ब्रह्माण्ड संबंधी मॉडल में अदिश परित्याग का अध्ययन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः एसईआरबी

(iv) स्वीकृत राशि : रु 17,54,060 / -

IX

(i) शिक्षक का नामः डॉ ए चक्रवर्ती

(ii) परियोजना का नामः दुर्लभ पृथ्वी नाभिक का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीएई-बीआरएनएस

(iv) स्वीकृत राशि : 24,59,200/- (3 वर्ष के लिए)

X

(i) शिक्षक का नामः डॉ एस मंडल

(ii) परियोजना का नामः अंतर्राष्ट्रीय परियोजना

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः मलेशियाई सरकार

(iv) स्वीकृत राशि : 65,200 (16,000)

शैक्षणिक भेद

अस्मिता सेनगुप्ता

1. जीवन सदस्य, भारतीय महिला वैज्ञानिक संघ, मुंबई, जुलाई, 2018

एस. चक्रवर्ती

समीक्षक : परमाना, भौतिकी पत्र , फिजिकल रिव्यू

एस मंडल

1. 2018 में जर्मन एकेडमी ऑफ साइंसेज और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के साथ अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के तहत नामांकित
2. 2012-2014 और 2016-2018 के दौरान विश्व विज्ञान अकादमी के एसोसिएट सदस्य
3. पत्रिकाओं का समीक्षक; सैद्धांतिक भौतिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल; आधुनिक भौतिकी पत्र बी; भौतिकी पत्र ए; नैनो कन्वर्जेंस

ए. भट्टाचार्जी

1. संपादकीय बोर्ड के सदस्य, वर्तमान स्मार्ट सामग्री
2. पत्रिकाओं के समीक्षकः वर्तमान स्मार्ट सामग्री; एप्लाइड फिजिक्स की पत्रिका; सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी; रासायनिक काइनेटिक्स के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

बी.सी. गुप्ता

1. पत्रिकाओं की समीक्षक : शारीरिक समीक्षा बी; ठोस अवस्था भौतिकी; भौतिकी पत्र ए ; फिजिका स्थिति सिलीडी बी
2. ऐडजुनक्ट प्रोफेसर, शिकागो, अमेरिका में इलिनोइस विश्वविद्यालय

एस.के मंडल

1. समीक्षक अमेरिकन केमिकल सोसायटी और अन्य अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

आर. के. सिंघा

1. जर्नल की समीक्षकः जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंसः मटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, स्प्रिंगर।

बी. पांडे

1. 2018 में अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ के जीवन सदस्य के रूप में चुना गया।
2. 2018-2021 की अवधि के लिए आईयूसीएए एसोसिएटशिप से सम्मानित किया।
3. पीर समीक्षक : यल एस्ट्रॉनॉमिकल सोसायटी और खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के जर्नल के मासिक नोटिस।

4. यूरोपीय अनुसंधान परिषद (ईआरसी) के ईआरसी समेकित अनुदान-2019 को प्रस्तुत अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान प्रस्तावों के मूल्यांकन में पीर समीक्षक।

5. समीक्षकः रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस, एस्ट्रोफिज़िक्स एंड एस्ट्रोनॉमी के जर्नल, एस्ट्रोफिज़िक्स एंड स्पेस साइंस, ऑस्ट्रेलिया केएस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के प्रकाशन

प्रकाशन

1. एम. चक्रवर्ती, टी. चट्टोपाध्याय और ए. चट्टोपाध्याय, एक प्रत्यक्ष रूप से संशोधित और वैकल्पिक रूप से इंजेक्ट किए गए फैब्री-पेरोट लेजर डायोड के कुल हार्मोनिक मॉड्यूलेशन विरूपण का विश्लेषण, एशियन जर्नल ऑफ कंवर्सेशन इन टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम। 4, अंक 2, पृ. 1-6, 2018, डीओआई : 10.33130/ 604।

2. एम. चक्रवर्ती और टी. चट्टोपाध्याय, एक इंजेक्शन-लॉक किए गए फैब्री-पेरोट लेजर डायोड का कुल हार्मोनिक मॉड्यूलेशन विरूपण, जो कि एक मल्टीहार्मोनिक आरएफ सिग्नल द्वारा निर्देशित है, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एएए, वॉल्यूम 7, विशेष अंक 4.5, पृ. .309-312, 2018. आईएसएसएनः 2227524

3. एम. चक्रवर्ती और टी. चट्टोपाध्याय , तीसरे हार्मोनिक-प्रेरित बाहरी दूसरे हार्मोनिक मॉड्यूलेशन विरूपण इंजेक्शन-लॉक फेब्री-पेरोट सेमीकंडक्टर लेजर में, प्रकाशिकी और लेजर प्रौद्योगिकी 10.1016 / 2018.06.043, 2018, 108, पृ..155-161, 2018. आईएसएसएनः 0030-3992 प्रभाव कारकः 2.503।

4. आंशिक रूप से आयनित सापेक्षवाद में हाइड्रोजन परमाणुओं के फोटो-आयनीकरण के लिए साहा समीकरण हाइड्रोजन प्लाज्मा और गुरुत्वीय परमाणुओं के रिंडलर स्पेस, संचीता दास और सोमनाथ चक्रवर्ती, भौतिकी के ओपन एक्सेस जर्नल में 2 2018 25 पर गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव।

5. रिंडलर स्पेस, संचीता दास और सोमनाथ चक्रवर्ती में गति का समीकरण, भौतिकी के ओपन एक्सेस जर्नल, 2 (2018) 24।

6. रिंडलर स्पेस में ईजन मूल्य की समस्या, संचित दास और सोमनाथ चक्रवर्ती , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन फिजिक्स , 6 (2019) 31।

7. एम. डी. अमीर सोहेल, अरुणव मंडल, अभिजीत मंडल, संदीप पान और अस्मिता सेनगुप्ता, डीएससी, मैक्रोमोलेक्युलर सिम्पोसिया, वॉल्यूम -379, (1), जून 2018 का उपयोग करते हुए ब्लेंड का कैलोरीमीटर विश्लेषण।

8. अथेनी कोनार, तंद्रा सरकार, निर्मल चंद्र शुक्ल, मो. आमिर सोहेल, अभिजीत मंडल और अस्मिता सेनगुप्ता, अत्यंत एक मछली मस्तिष्क में साथ निःशुल्क पानी के अणुओं एसोसिएटेड में कम कर शराब

प्रेरित कमी के कमजोर पड़ने उच्च कमजोर पड़ने रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल; वॉल्यूम -17 नंबर 3-4, दिसंबर 2018।

9. डी. सिन्हा और पीयूष के घोष, इंटेग्रैबल ने लियोनार्ड-टाइप सिस्टम को युग्मित किया संतुलित हानि और लाभ, फिजिक्स 400 (2019) 109127

10. मंडल, पी. दे, ए., भट्टाचार्जी, ए. सुक्ल, नेकां कोनार, ए. सुकुल, ए. इथेनॉल पर्यावरण और पारिस्थितिकी 37 (2019) 628-633।

11. दास, बी. भट्टाचार्जी, ए ., एसिटाइल फेरोकेन के थर्मल अपघटन पर सह-अग्रदूत मालीक एनहाइड्राइड का प्रभावः एक प्रतिक्रिया काइनेटिक विश्लेषण। वर्तमान भौतिक रसायन विज्ञान 9 (2019) 1-14।

12. दे ए., जुबको, एम., कुसज़, जे., भट्टाचार्जी, ए., लोहे की ठोस अवस्था प्रतिक्रिया का कैनेटिक्स विश्लेषण साइट्रेट नैनोपार्टिकल्स' वर्तमान भौतिक रसायन विज्ञान 8 (2018) 290- के लिए अग्रणी 302।

13. भक्त, डी एवं भट्टाचार्जी, ए , ठोस में विद्युत चालन पर एक अध्ययन। चीनी जे. भौतिकी 56 (2018) 1467-1475।

14. एम दास और बीसी गुप्ता, ज़िगज़ैग ज़्नटे नेनोरिबोंस के भौतिक और संरचनात्मक गुणों पर निर्भर । लेट्ट ए, वॉल्यूमः 383, पेजः 748-753 (2018)।

15. एस. मंडल, एम. मोदक, मयूख रे, स्वपन कुमार मंडल, संगम बनर्जी और मानस सरदार, मैग्नेटोकलोरिक सीए 4 एमएन 3 ओ 10-, जे। मैग्नेटिक में चुंबकीय चरण का अध्ययन करने के लिए एक संवेदनशील उपकरण के रूप में । 448, 292 (2018)

16. चैताली मंडल, सुब्रा पाल और स्वपन के मंडल, प्रोबिंग स्पिन-स्टेट स्विचिंग इन फे(फेन) 2 (एनसीएस) 2 पतली फिल्म नैनोकिस्टल्स जो विद्युत चालकता माप द्वारा विभिन्न सबस्ट्रेट्स पर हैं, जे नैनोसि नैनोटेकॉल । 18, 347 (2018)।

17. एस राय, बी मुखर्जी , यू. एस घोष, ए. विश्वास ए. चक्रवर्ती, ए. के. मंडल, एस. चक्रवर्ती, जी. मुखर्जी, आई. बाला, एस. मुरलीधर और आरपी सिंह, हाई स्पिन स्टेट्स इन यूर भौतिकी जे ए (2018) 54: 84

18. अरिंदम घोष, खैरुल इस्लाम, सुमन मंडल, दीपांकर भट्टाचार्य, निखिल पाल और अमिताव बंद्योपाध्याय, 'इलेक्ट्रोमैग्नेटिकली इंस्पायर्ड ट्रांसपेरेंसी एंड वेलोसिटी ऑन अ स्टडी ऑन सिलेक्टेड ऑपोज़िट पंपेड एब्जॉर्बिंग एज़ अ लेवल्ड वाई-टाइप एटॉमिक सिस्टम', जे फिजिक्स बीः एटीएम मोल ऑप्ट भौतिकी। 51, 145501 (2018)।

19. सुमन मंडल, अरिंदम घोष, खैरुल इस्लाम, दीपांकर भट्टाचार्य और अमिताव बंद्योपाध्याय, 'कैस्केड प्रकार प्रणाली में जांच अवशोषण पर अवशिष्ट डॉपलर का प्रभाव' ए तुलनात्मक अध्ययन', चिन भौतिकी बी 27, 094204 (2018)।

20. सुमन मंडल, अरिंदम घोष, खैरुल इस्लाम और अमिताव बंद्योपाध्याय , 'राइडर संक्रमण के कारण एक के साथ तरंग दैर्ध्य बेमेल प्रभाव के तहत सीढ़ी प्रकार के परमाणु प्रणाली में ऑप्टिकल स्विचिंग घटना', ऑप्ट कॉमुन 435, 378 (2019)।

21. बिस्वजीत पांडे , कॉस्मिक वेब का कॉन्फ़िगरेशन एन्ट्रापीः डार्क ऊर्जा की नकल कर सकता है, 2019, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी लेटर्स का मासिक नोटिस , 485,

22. बिस्वजीत पांडेय, बिस्वजीत दास, बड़े पैमाने पर घनत्व की जांच करने के लिए एक नई विधि और कॉन्फ़िगरेशन एन्ट्रापी का उपयोग करकेब्रह्माण्ड संबंधी स्थिरांक, 2019, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी पत्र, 485,

23. सुमन सरकार, बिस्वजीत पांडे , कॉस्मिक वेब का खुलासाः स्थानीय आयाम के साथ विश्लेषण, 2019, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी का मासिक नोटिस, 485, 4743

24. बिस्वजीत दास, बिस्वजीत पांडे , लैंबडा सीडीएम में कॉन्फ़िगरेशन एन्ट्रापी और डायनेमिक डार्क एनर्जी मॉडलः क्या हम एक को दूसरे से अलग कर सकते हैं?, 2019, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस, 482, 3219?

25. सुमन सरकार, बिस्वजीत पांडे , ऋषि खत्री, परीक्षण में आइसोट्रॉपी का उपयोग करते हुए फोटोमेट्रिक और स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा का उपयोग कर रहे हैं, 2019, रॉयल एस्ट्रोसोमिकल सोसायटी के मासिक नोटिस, 483, 2453

26. सुदीप्त दास, अब्दुल्ला अल ममोन, मनीषा बनर्जी, राज्य का एक नया ऊर्जा समीकरण, जो दोहरे घातीय क्षमता की ओर अग्रसर है, एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 18 , नंबर 1, 131 (2018)।

27. सुल्ताना, आर भट्टाचार्जी, ए चक्रवर्ती , एमए खान, एसएस भट्टाचार्जी, आर चक्रबर्ती, एस दास, यू गर्ग, आर पालित, आर राउत, एस साहा, एस सामंता, जे सेठी, एके सिन्हा, और टी त्रिवेदी, 29 अल में बहुआयामी उत्तेजना मोड की संभावित शुरुआत, भौतिकी रेव सी 98 (2018) 014330

28. एस राय, बी मुखर्जी, यूएस घोष, ए विश्वास, ए चक्रवर्ती , एके मोंडल, एस चक्रवर्ती, जी मुखर्जी, आई बाला, एस मुरलीधर और आरपी सिंह, हाई स्पिन स्टेट्स इन, यूर. भौतिकी जे ए (2018) 54 : 84

29. ईई पीटर्स, पी. वैन इसैकर, ए. चक्रवर्ती , बी पी क्राइडर, ए. कुमार, एसएच लियू, एमटी मैकलेरिस्टम, सीवी मेहल, एफएम प्राडोस-एस्टेवेज, टीजे रॉस, जेएल वुड और एसडब्ल्यू येट्स, 6 की वरिष्ठता संरचना भौतिकी 98 (2018) 034302

30. ए साहा, टी भट्टाचार्जी, डी क्यूरीयन, जे ड्यूडेक, आई डीडेस, के माजुरेक, ए गोज़्ड्ज, एस टैगामी, वाईआर शिमिजू, एसआर बनर्जी, एस राजबंशी, ए बिसोई, जी डी एंजेलिस, सौमिक भट्टाचार्य, एस भट्टाचार्य, एस विश्वास, ए. चक्रवर्ती , एस. दास गुप्ता, बी दे, ए. गोस्वामी, डी मंडल, डी. पंडित, आर. पालित, टी रॉय, आरपी सिंह एम. साहा सरकार, एस साहा, और जे सेठी, टेट्राहेड्रल की स्पेक्ट्रोस्कोपी दोगुना जादू उम्मीदवार नाभिक, जे. फिज अंश भौतिकी। 46 (2019) 055102

31. एस. मुखोपाध्याय, बीपी क्राइडर, बीए ब्राउन, ए. चक्रवर्ती, ए. कुमार, एमटी मैकलेरिस्टम, ईई पीटर्स, एफएम प्राडोस-एस्टेवेज, और एसडब्ल्यू येट्स, इनलेस्टिक न्यूट्रॉन का अध्ययन, भौतिकी रेव 99 (2019) 014313

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों को डिजाइन करना

विभाग ने एम एससी पीएचडी के लिए छात्रों और नए पाठ्यक्रम।

रसायन विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र :

1. शुभजित मंडल (नेट, सीएसआईआर, गेट)
2. सोमी मंडल (नेट, सीएसआईआर, गेट)
3. सुदीप लारू (नेट, सीएसआईआर, गेट)
4. अर्नब गनाई (नेट, सीएसआईआर, गेट)
5. रित्विक कर (नेट, सीएसआईआर, गेट)
6. कीर्तिमान मार्जीत (नेट, सीएसआईआर, गेट)
7. अरिफुल हक (नेट, सीएसआईआर)
8. प्रणय कुमार मोइत्रा (नेट, एलएस, गेट)
9. अरिंदम मंडल (नेट, एलएस)
10. एल. आर. राहुल विश्वास (नेट, एलएस, डीएसटी इन्सपायर)
11. मानस कुमार घोष (सेट, गेट)
12. सौम्यदीप रे (गेट)
13. पूर्णादास घोष (नेट, सीएसआईआर)
14. बपन सामंता (नेट, सीएसआईआर)
15. रत्नाकर साहा (नेट, सीएसआईआर)
16. रूपम साहू (नेट, सीएसआईआर)
17. स्वागत रॉय (नेट, एलएस)
18. बर्नाल साहा (नेट, एलएस)
19. सुकदेब मंडल (नेट यूजीसी)
20. अनाथ बंधु मार्जीत (नेट, सीएसआईआर)
21. इशिका जैश (नेट, सीएसआईआर)

22. सुदीप मान्ना (नेट, सीएसआईआर)

23. सुप्रीति दत्ता (नेट, सीएसआईआर)

24. अनिरबन साहा (नेट एलएस)

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं

1. 29 मार्च, 2019, डॉ. शर्मिष्ठा सिन्हा, इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस और नैनो टेक्नोलॉजी, मोहाली ने बैक्टीरियल माइक्रोकंपार्टमेंट्सः सेमिनार इन विट्रो में सक्रिय प्रोटोकल्स के विकास के लिए एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
2. 17 मार्च, 2019, डॉ. आशीष कुमार पात्रा, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने ल्यूमिनेन्सेंट लैंथेनाइड कॉम्प्लेक्स पर लक्षित थेरानोस्टिक और बायोइमेजिंग एजेंटों के रूप में एक संगोष्ठी की बात की।
3. 27 जनवरी, 2019, प्रो. अखिला के साहू, रसायन विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने कई सी-एच बांड की सक्रियता और क्रियाशीलता पर एक संगोष्ठी की चर्चा की।
4. 18 जनवरी, 2019, डॉ. सनत कुमार साहा, सदस्य (प्रख्यात वैज्ञानिक), वेस्ट बेगल स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन ने ऊर्जा और पर्यावरण पर एक संगोष्ठी की बात की।
5. 15 दिसंबर, 2018, श्री अर्कजित मंडल, रसायन विज्ञान विभाग, रोचेस्टर विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका ने क्वांटम डायनामिक्स पर एक संगोष्ठी वार्ता की।
6. 28 सितंबर, 2018, डॉ. पी जयशंकर, प्रमुख, ऑर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री डिवीजन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी, जादवपुर ने ऑर्गैनिक मॉलिक्यूलर और दिर डीविर्सप्लिकेशन्स में यूजयूल चायरेटी पर एक सेमिनार में बात की।
7. 29 सितंबर, 2018, ऑल इंडिया फिजिक्स टीचर्स एसोसिएशन के सचिव, प्रो. भूपति चक्रवर्ती ने एअर वी ब्रेथी और वाटर वी ड्रिंक पर एक संगोष्ठी में भाषण दिया।
8. 11 सितंबर, 2018, प्रो. बनमाली पाल, स्कूल ऑफ केमिस्ट्री एंड बायोकैमिस्ट्री, थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पेटिलिया ने ग्रहों-सौर मंडल में गैसों पर एक संगोष्ठी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्योग और दैनिक जीवन में उनके प्रभाव पर एक संगोष्ठी की बात की।
9. 5 अगस्त, 2018, प्रो. क्रिस्टोफर डब्ल्यू. बिलावस्की, उल्सान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दक्षिण कोरिया ने आचार्य पीसी रे की 157 वीं जयंती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान दिया, जो कार्यात्मक, हिटरोजेनस कार्बन्स परः मौलिक गुणों से नए अनुप्रयोगों तक।

10. 8 मई, 2018, प्रो. मधुसूदन माझी, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर ने सी-एच सक्रियण पर एक संगोष्ठी की चर्चा की।

11. 2 अप्रैल, 2018, डॉ. रितुपर्णा सिन्हा रॉय, आईआईएसईआर- कोलकाता ने डिजाइनपेप्टाइड-आधारित बायोमोलेक्यूलर फॉर थेरेपी विषय पर एक संगोष्ठी में बात की।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/व्याख्यान/विशेषज्ञ व्यक्ति

गौतम ब्रह्मचारी

1. 3-4 सितंबर, 2018, इंडियन जेएसपीएस एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा भौतिकी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के साथ आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (03-04 सितंबर, 2018) नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित बातचीत को संबोधित किया।
2. 5 अप्रैल, 2018, रसायन विज्ञान विभाग, त्रिवेणी देवी भालोटिया कॉलेज, काजी नजरुल विश्वविद्यालय से संबद्ध, केमिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी (05-06, 22018) नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. 9 सितंबर, 2018 को रसायन विज्ञान विभाग, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ग्रीनिंग ए अंडर ग्रेजुएट केमिस्ट्री लैब (अगस्त 08-09, 22018) नामक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुतिः 'ऊर्जा कुशल प्रतिक्रियाएँ - समय की आवश्यकता'।

प्रणब सरकार

1. 27 मार्च, 2019 को रसायन विज्ञान विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डिजाइन, संश्लेषण, विशेषता, अभिक्रियाशीलता, सैद्धांतिक अध्ययन और विभिन्न उन्नत कार्यात्मक सामग्री के अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित वार्ता दी।
2. 30 मार्च, 2019 को रसायन विज्ञान विभाग, द यूनिवर्सिटी ऑफ़ कलकत्ता द्वारा आयोजित फंक्शनल मॉलेक्यूलस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित बात की।

अलकनंदा हाजरा

1. 10 जुलाई, 2018 को जापान के डेपॉफ केमिस्ट्री, उजी, क्योटो विश्वविद्यालय, में एक संगोष्ठी में भाषण दिया गया।
2. 19 जुलाई, 2018 को जापान के कानागावा विश्वविद्यालय, रसायन विज्ञान विभाग में एक संगोष्ठी में भाषण दिया
3. 20 जुलाई, 2018 को रसायन विज्ञान विभाग, टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान में एक संगोष्ठी वार्ता हुई
4. 27 जुलाई, 2018 को रसायन विज्ञान, क्यूशू विश्वविद्यालय, जापान में एक संगोष्ठी की चर्चा हुई।

5. 15-17 नवंबर, 2018 यूराल संघीय विश्वविद्यालय, येकातेरिनबर्ग, रूस में ड्रग्स और कार्यात्मक सामग्री के निर्माण के लिए आधुनिक सिंथेटिक तरीकों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य नोट-स्पीकर

6. 8-10 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बातचीत की रसायन विज्ञान विभाग में ड्रग डिस्कवरी 2019 में रासायनिक और जैविक विज्ञान, बरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा

7. 22-24 मार्च, 2019 को आरएससी के सहयोग से आईआईएसईआर मोहाली में रासायनिक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर मोहाली द्वारा आयोजित जैविक और जैव रासायनिक रसायन विज्ञान (आरओओबीसी) में हाल के अग्रिमों नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित वार्ता दी।

8. 17-19 दिसंबर, 2018 ने रसायन विभाग, एनआईटी-दुर्गापुर द्वारा आयोजित केमिस्ट्री-2018 (आरडीसी -2018) में हालिया विकास नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित बातचीत की।

मो. मोतिशेख

1. 02-06 जुलाई 2018, उच्च तापमान सामग्री रसायन विज्ञान पर 16वें आईयूपीएसी सम्मेलन में भाग लिया; एकटेरिनबर्ग, रूस में

सुदीप मंडल

1. 3-4 सितंबर, 2018, विज्ञान और प्रौद्योगिकी -2018, विश्वभारती में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया है

2. 7-9 फरवरी, 2019 को 13 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में विकिरण और फोटोकेमिस्ट्री, 2019 पर आमंत्रित वार्ता

नाजनीन आरा बेगम

1. 11-13 मई, 2018 को नैनोमटेरियल्स पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता: संश्लेषण, चरित्र और अनुप्रयोग, माथामा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल

बिस्वजीत दे

1. 27 मार्च, 2019, डिजाइन, संश्लेषण, लक्षण वर्णन, प्रतिक्रियात्मक, सैद्धांतिक अध्ययन और विभिन्न उन्नत कार्यात्मक सामग्रियों के आवेदन नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित वार्ता वितरित की। रसायन विज्ञान विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित

आदिनाथ माझी

1. 27 मार्च, 2019, रसायन विज्ञान विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डिजाइन, संश्लेषण, विशेषता, अभिक्रियाशीलता, सैद्धांतिक अध्ययन और विभिन्न उन्नत कार्यात्मक सामग्री के अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित वार्ता को दिया।

पृथ्वी दीप साहू

1. हाल ही में रासायनिक और संबद्ध विज्ञान, रसायन विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय में आविष्कार पर प्रो असीमा चटर्जी शताब्दी संगोष्ठी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वार्ता।

कार्तिक चंद्र भौमिक

1. 3-4 सितंबर, 2018 को, भारतीय जेएसपीएस एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा भौतिकी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग के साथ मिलकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

प्रकाशन

पुस्तक

1. स्पेक्ट्रॉस्कॉपिक प्रॉपर्टीज ऑफ नेचुरल फ्लैवोनाईडस, वर्ल्ड साईंटेफिक पब्लिशिंग कं., सिंगापुर, 2018, आईएसबीएन : 978-81-3275-68-3
2. बाईफिजिकल, बाईऑरगैनिक एंड बाईनोग्रेनिक कैमेस्ट्री द्वारा असीम कुमार दास एंड एम. दास, बुक एंड एलाईड प्रा. लि., 2018, आईएसबीएन : 978-93-84294-06-9

पुस्तक में अध्याय

गौतम ब्रह्मचारी (2019), उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों का प्राकृतिक उत्पादों से उपचार : एक अध्ययन, प्राकृतिक औषधि की खोज श्रृंखला-अंक-3, ऋणात्मक उष्णकटिबंधीय रोगों को प्राकृतिक उत्पादों से चिकित्सा की खोज और विकास, श्रृंखला और अंक संपादक, गौतम ब्रह्मचारी, एल्सेवियर, पृ. 1-6

गौतम ब्रह्मचारी (2019), एलोवेरा : बुरुली अल्सर के खिलाफ एक आशाजनक उम्मीद है, प्राकृतिक औषधि की खोज श्रृंखला-अंक-3, ऋणात्मक उष्णकटिबंधीय रोगों को प्राकृतिक उत्पादों से चिकित्सा की खोज और विकास, श्रृंखला और अंक संपादक, गौतम ब्रह्मचारी, एल्सेवियर, पृ. 373-384

गौतम ब्रह्मचारी (2019), ल्यूसिडोन के लिए कुल सिंथेटिक दृष्टिकोण : डेंगू संक्रमण के खिलाफ एक आशाजनक प्रमुख प्राकृतिक उम्मीदवार, प्राकृतिक औषधि की खोज श्रृंखला-अंक-3, ऋणात्मक उष्णकटिबंधीय रोगों को प्राकृतिक उत्पादों से चिकित्सा की खोज और विकास, श्रृंखला और अंक संपादक, गौतम ब्रह्मचारी, एल्सेवियर, पृ. 407-412

गौतम ब्रह्मचारी (2019), माइक्रोवेव असिस्टेड हीराओ और कबचनिक फील्ड्स फॉस्फोरस कार्बन बॉन्ड का गठन प्रतिक्रियाएँ : एक तत्कालिक अध्ययन, एडवांसड इन माइक्रोवेव कैमेस्ट्री, संपादक बी.के. बानिक एवं डी. बंद्योपाध्याय, सीआरसी प्रेस, यूएसए, पृ. 293-325

गौतम ब्रह्मचारी (2019), ऑर्गनोफॉस्फोरस रसायन विज्ञान में ग्रीन सिन्थेटिक दृष्टिकोण : वर्तमान विकास,

आरएससी पिरियोडिकल रिपोर्ट- ऑर्गनोफॉस्फोरस कैमेस्ट्री, संपादक डेविड डब्लयू ऐलिन, डेविड लोआकस जोहन टेबी, पृ. 424-440

शोध पत्र

1. मुल्लिकेन-जॉफ के प्रभार गुणांक मापदंडों के संदर्भ में, अल्केल समूह के इलेक्ट्रॉन धक्का और इलेक्ट्रॉन दोनों को हटाने की व्याख्या, दास, ए., रेशोनेंस, 2019, 24, 417।
2. उत्प्रेरित ऑस्पैप्रियोहेक्सेन के आइसोमेराइज़ेशन के तंत्र पर अध्ययन, जेजिस डिमर, मंडल एस., चटर्जी ए., साहा ए., घोष ए., चक्रवर्ती के., दास जी. के., मोलेकुलर कैटालाईसिस, 2018, 452, 247-259।
3. पीटी साल्ट के कटैलिसीस के तहत साइक्लोप्रोपेन से साइक्लोप्रोपेन के बाइसिकल डेरिवेटिव के पुनर्व्यवस्था प्रतिक्रियाओं के तंत्र का सैद्धांतिक अध्ययन, चटर्जी ए., मंडल एस., साहा आर, पाल पी, चक्रवर्ती के., दास जी. के., एसीएस ओमेगा, 2018, 3,16165-16174।
4. मिश्रित लैंथेनाइड के डोपेड मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क के ल्युमिनेशन की बड़ी स्टोक्स शिफ्ट का उपयोग कर कीटनाशक का पता लगाना, डी.के. सिंघा, पी. माझी, एस. के. मंडल, पी. माहता, पोलीहाईड्रॉन, 2019, 158, 277-282।
5. डिवर्जेंट ल्यूमिनेसिसेंस पर चार्ज ट्रांसफर और एक मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क की प्रतिक्रिया डाइट टेरेंट मेटल आयनों की ओर स्टमक्ट्यूरल कठोरता का प्रभाव : ल्यूमिनेसेंस आजीवन क्षय प्रयोग और डीएफटी गणना, पी. माझी, डी.के. सिंघा, एस. के. मंडल, पी. माहता, फोटोकेमिकल एंड फोटोबाईलॉजिकल साईंसेस, 2019, 18, 1110-1121
6. एक जलीय माध्यम में एक एल्युमिनसेंट जेडएन (II) आधारित आईडी समन्वय बहुलक द्वारा यूरिक एसिड के ट्रेस-स्तर और चयनात्मक पहचान, ए.माझी, पी. माझी, डी.के. सिंघा, ए. के. घोष, एस. के. मंडल, पी. माहता, फोटोकेमिकल एंड फोटोबाईलॉजि : ए कैमेस्ट्री पत्रिका, 2018, 365,125-132।
7. तीन-आयामी कार्बनिक-धातु फ्रेमवर्क का उपयोग करके जलीय माध्यम और फलों के रस में कीटनाशकों का पता लगाना : प्रायोगिक और गणनात्मक अध्ययन, ए.माझी, पी. माझी, डी.के. सिंहा, पी. माझी, एस. मंडल, एस. के. मंडल, पी. माहता, इनरगैनिक कैमेस्ट्री, 2018, 57(19), 12155-12165।
8. शोर द्वारा संचालित अशुद्धता डॉप्ड क्वांटम डॉट्स के एल एक्ट्रो-अवशोषण गुणांक को संशोधित करना, एस. एम. आरिफ, ए. घोष, ए. बेरा, एम. घोष, फोटोनिक्स और नैनोस्ट्रक्चर-फंडामेंटल और एप्लिकेशन, 2018, 31,08।

9. गैर-अवशोषित से पारित होने वाले मीडिया के लिए एक मार्ग के लिए अशुद्धता में डोप किए गए क्वांटम डॉट्स में केर नॉनलाइनरिटी से संबंधित सुधार कारक का विश्लेषणः शोर की भूमिका। एम. आरिफ, ए. घोष, ए. बेरा, एम. घोष , फिजिक्स के जर्नल और सॉलिड्स के रसायन विज्ञान , 2018, 121, 54

10. शोर-बाइंडिंग ऊर्जा इंटरप्ले द्वारा अशुद्धता डॉप्ड क्वांटम डॉट्स की ट्यूनिंग डायमैगनेटिक संवेदनशीलता। एस एम आरिफ, ए. बेरा, एम. घोष , हेलियन , 2019, 5, 01147।

11. शोर-बाइंडिंग एनर्जी इंटरप्ले के प्रकाश में अशुद्धता वाले डोप्ड क्वांटम डॉट्स के नॉनलाइनियर ऑप्टिकल गुणों की खोज करना। एसएम आरिफ, ए. बेरा, एम. घोष , भौतिकी में परिणाम , 2019,13, 102139।

12. शोर की उपस्थिति में अशुद्धता डॉप्ड क्वांटम डॉट्स की चुंबकीय संवेदनशीलता का विश्लेषण। ए. बेरा, ए. घोष, एम. घोष , जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स , 2019, 484, 391।

13. एंटीऑक्सिडेंट फ्लेवोन फंक्शनल फ्लोरोसेंट और बायोकंपैटिबल मेटल नैनोपार्टिकल्सः सेल इमेजिंग एजेंटों के रूप में उनकी प्रभावकारिता की खोज। ए. करमाकर, टी. मल्लिक, सी. फौजदार, ए. मुक्थुट, आर. कुंडू, एनए बेगम , नैनो-स्ट्रक्चर्स एंड नैनो-ऑब्जेक्ट्स , 2019, 18, 100278।

14. एसिटाइलकोलिनेस्टरेज़ इनहिबिटर्स के रूप में सिंथेटिक एंटीऑक्सिडेंट फ्लेवोनॉइड एनालॉग्स की खोजः उनकी मात्रात्मक संरचना-गतिविधि संबंध खोजने की दिशा में एक दृष्टिकोण। ए. करमाकर, पी. एंब्योर, टी. मल्लिक, एस. दास, के. रॉय, एनए बेगम , मेडिसिनल केमिस्ट्री रिसर्च , 2019, 1।

15. कैडमियम हटाने के लिए बर्मी अंगूर पत्ती निकालने की प्रभावकारिता और क्षेत्र प्रयोज्यताः प्राकृतिक पानी से धातु हटाने का एक निहितार्थ। आर. बोरहा, डी. कुमारी, ए. गोगोई, एस. बिश्वास, आर. गोस्वामी, जे. शिम, एनए बेगम , एम. कुमार, इकोटॉक्सीकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल सेफ्टी , 2018, 147, 585।

16. स्वाभाविक रूप से होने वाले हरे रंग के बहुक्रियाशील एजेंटः ग्राफीन और संबंधित प्रणालियों की दुनिया में उनकी भूमिकाओं की खोज। ए. कर्मकार, टी. मल्लिक, एस. दास, एनए बेगम , नैनो-स्ट्रक्चर्स एंड नैनो-ऑब्जेक्ट्स , 2018, 13, 1।

17. एंटीऑक्सिडेंट फ्लेवोन एनालॉग के साथ इंटरैक्शन को समझनाः बायोमैक्रोमोलेक्यूल के लिए फ्लोरोसेंट जांच के रूप में छोटे अणु की उपयोगिता का पता लगाना। ए. करमाकर, टी. मल्लिक, एमएन आलम, एस. दास, एस. बतूता, एसकेचंद्रा, डी. मंडल, एनए बेगम , जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर , 2018, 1165, 276।

18. फ्लोरोसेंट गोल्ड नैनोकणों के संश्लेषण के लिए कार्बोजल आधारित छोटे अणुओं का उपयोगः तंत्र को समझने के लिए एक एकीकृत प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दृष्टिकोण। टी. मल्लिक, ए. करमाकर, डी. मंडल, ए. प्रमाणिक, पी. सरकार, एनए बेगम , कोलाइड्स एंड सरफेस बीः बायोइन्टरफेस , 2018, 172, 440।

19. जेरनर तरीकों से जलीय माध्यमों में जहरीले कार्बनिक रंगों की गिरावटः भारतीय करी पत्ता संयंत्र की उपयोगिता और इसका उपयोग करते हुए संश्लेषित नैनोकणों की खोज। डी. कुमारी, टी. मल्लिक, पी. पद्य, एस. मंडल, ए. करमाकर, एनए बेगम , विलवणीकरण और जल उपचार , 2018, 129, 266।

20. प्रतिदीप्त छोटे अणु, बायोमैक्रोमोलेक्यूल के लिए पर्याप्त हैं : सुगंधित थियोइस्टेर्स के संश्लेषण और उनकी बातचीत को समझना। टी. मल्लिक, ए. करमाकर, एस. बतूता, जी. अहमद, एस. दास, एमएन आलम, एम. मुखर्जी, एन. दास, डी. मंडल, एनए बेगम , एसीएस ओमेगा , 2018, 3, 334।

21. करी पत्ता और इसकी एंटीऑक्सिडेंट क्षमताः जलीय माध्यम में अपनी गतिविधि को बढ़ाने के लिए एक व्यवस्थित अध्ययन । डी. कुमारी, टी. मल्लिक, ए. करमाकर, एस. मंडल, एस. दास, एनए बेगम , वर्तमान पोषण और खाद्य विज्ञान , 2018, डीओआईः 10.2174 / 1573401314666181002142147।

22. पॉलीक्रिलेट के सुस्पष्ट संश्लेषण ने नोज़ आई पी चौधरी, ए हाजरा , एम. के. मंडल, बी रॉय, डी रॉय, एस प्रसाद बेयेन, मैक्रोमोलेक्युलर साइंस जर्नल , 2019, भाग 1-8 के माध्यम से पीएच सेंसिंग के लिए सिल्वर नैनोकणों को निर्देशित किया।

23. पानी में घुलनशील संयुग्मित बहुलक, पाली (सल्फोप्रोपाईलेन) और इसके ग्लूकोज सेंसिंग प्रॉपर्टी, एस पाल, डी रॉय, एम. के. मंडल, पी चौधरी जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च , 2019 26 (2), 31 का अध्ययन

24. चिटोसन बायोपॉलिमर ने नियंत्रित साइटोटॉक्सिसिटी और बेहतर एंटीफिलरियल प्रभावकारिता, पी चौधरी , बी रॉय, एन मुखर्जी, एस मुखर्जी, एन जोआर्डार, एम. के. मंडल, उन्नत कंपोजिट और हाइब्रिड मटीरियल, 2018 1 (3), 577-590 के साथ सोने के नैनोकणों को क्रियाशील किया।

25. सिलिकॉन क्वांटम डॉट-आधारित फ्लोरेसेंट जांचः मानव रक्त में थायोसाइनेट की संश्लेषण विशेषता और मान्यता, डी रॉय, के. माझी, एम के मंडल, एस के साहा, एस सिन्हा, पी चौधरी , 2018, एसीएस ओ मेगा 3 (7), 7613-7620

26. सिलिका जेल की सतह को समृद्ध किया, डीजेड ने अपने जोड़े से आयन जोड़ी, आर सरकार, डी रॉय, एस मंडल, एस मलिक, ए सरकार, एस साहा को रोजगार देने वाले चुनिंदा नमूने की सफाई के लिए एक कदम में प्राप्त किया। एस मिश्रा, एम. चटर्जी और बी. मंडल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 2019, 7 (1), 102864

27. द्वारा एक अकार्बनिक समर्थन बढ़ाता गतिविधियों पर की विपुल स्थिरीकरण 3 गुना बारहमासी उपयोग केलिए, एस मंडल, एस मलिक, आर सरकार, डी रॉय, एस साहा, एस मिश्रा, एक सरकार, एम चटर्जी और बी मंडल , बायोकोजुगेट केमिस्ट्री 30 (1), 134-147

28. एक उतार-चढ़ाव वाले चुंबकीय क्षेत्र का एक सामान्य हस्ताक्षरः क्रेमर्स वन, एस मोंडल, ए बौरा, एस दास, बीसी बैग , फिजिका एः सांख्यिकीय यांत्रिकी और उसके अनुप्रयोग, 2018, 502, 58-76

29. एस मंडल, जे दास, बीसी बाग , एफ मार्चेसोनी, शारीरिक समीक्षा ई 2019, 98 (1), 012120 द्वारा संचालित स्वायत्त स्टोकेस्टिक अनुनाद

30. अपरिवर्तनीय ऊष्मप्रवैगिकी के एन्ट्रापी उत्पादन की सीमा और गैर-संतुलन तापमान, जे दास, बीसी बाग, फिजिका ए के साथ इसका संबंध : सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग , 2019, 520, 433-449

31. स्पिन श्रृंखला ऑक्साइड मोतिनसेख , विन्सेन्ट, ओलिवियर पेरेस, बर्नार्ड रेव्यू और विन्सेन्ट हार्डी, जे.लॉइज कंप्स की संरचना और चुंबकत्व पर थर्मल उपचार का प्रभाव । 2019, 790, 572-576

32. नैनोस्केल स्तर पर कम तापमान वाले मैग्नेटो-डाइलेक्ट्रिक कपलिंग ने स्मेफे पेरोसाइट, आशीष शुक्ला, आकाश सिंह, मोद मोतिसिख और अशीष के. कुंडू, जे. भौतिकी रसायन ठोस 2019, 127, 164-168

33. वंदना सोलंकी, मो. मोतिसेइख और अशीष के. कुंडू, जे. मैग्ने के संरचनात्मक और चुंबकीय गुणों में क्रोमियम का प्रभाव 2019, 469, 95-99

34. स्पिन चेन, वी. हार्डी, वी. कॉनगैरैर्ट, ओ. पेरेज़, एल. हर्वे, एन. सकली, बी. रेव्यू, एमडी. मोति से इख और एफ. डेमाय, फिज के त्रिकोणीय जाली में प्रीट्रांसमेंशनल शॉर्ट-रेंज ऑर्डरिंग 2018, 98, 144414-9

35. त्रिकोणीय धात्विक उप-अक्षांशों के साथ संक्रमण धातु के आक्साइड : मल्टीफ़ाइरोज़िक्स से कम आयामी मैग्नेट, बी रेव्यू, वी. हार्डी और मो. मोतिसिनेख, कोम्पेत्सेसेन्डीसिमि 2018, 21, 952-957।

36. ऑप्टोप्लेट्रोनिक डिवाइस में कैल्शियम कॉपर टाइटेनियम चतुर्भुज चतुर्भुज का प्रदर्शन विश्लेषण, के. पाल, आर. जनाना , ए. डे, पीपी रे, एमडी. मोतिसेइख और ए. गेयन, केम. भौतिकी. पत्र । 2018, 709, 110-115

37. वैनेडियम में उल्लेखनीय टी-प्रमोशन ने जलीय माध्यम में, के. पाल, के. घोराई, एस. अग्रवाल, टीके मंडल, पी. मोहंती, मो. मोतिसिनख और ए. गेवेन , जे . एन्व में मिथाइलीन नीले सोखने के लिए एनटेस टिटानिया को डोप किया। रसायन। इंजी । 2018, 6, 5212-5220

38. नैनोकणों, यू के चुंबकीय विनिमय बातचीत पर टी-डोपिंग का प्रभाव। दत्ता, डी. घोष, ए. हक, प्रवीण एस. वॉके, एनई मोर्डविनोवा, ओआई लेबेदेव, के. पाल, ए. गेन, एके कुंडू और मो. मोतिसेइख , 2018, 464, 132-138

39. एल्डिहाइड, अमाइन और थियोसायनेट से 2-आरिलबेनज़ोथियाज़ोल का धातु-मुक्त संश्लेषण। ए. डे और ए. हाजरा, ए ऑर्ग पत्र। 2019, 21, 1686।

40. दृश्यमान-प्रकाश-प्रेरित प्रतिगामी क्रॉस-डीहाइड्रोजेनिक युग्मन पंखों के साथ 2क्त एम. सिंगसरदार, एस. लारू, एस. मंडल और ए. हाजरा, संगठन रसायन, 2019, 84, 4543।

41. थिओल के साथ आर्यलहाइड्रैजिन के ऑक्सीडेटिव युग्मन के माध्यम से दृश्य-प्रकाश-मध्यस्थता संश्लेषण के असमानमितीय डायरी सल्फाइड्स। जी. किबरिया, एस. मंडल। और ए. हाजरा, ऑर्ग पत्र 2018, 20, 7740।

42. इनके माध्यम से एलेनिलसुल्फोनामाइड और एनमोनोन्सोफ्लेमाइड के डाइवर्जेंट सिंथेसिस, प्रोपरग्लाइलाइन और एन-फ्लोराबेनजेनसेल्फोनिमाइड के- कपलिंग। एस. सामंत और ए. हाजरा , जे ऑर्ग रसायन। 2018, 83, 13157।

43. डिफेन-लाइट-इंडिकेटेड ऑर्गनोफोटोएडॉक्स-कैटालिज्ड फॉस्फोनीलाइजेशन ऑफ इंडाजोल्स विथ डीफेनिलफॉस्फिन ऑक्साइड। एम. सिंगसरदार, ए. डे, आर. सरकार और ए. हाजरा, जे. ऑर्ग रसायन ।, 2018, 83, 12694।

44. विजिबल-लाइट-प्रमोटेड सी इमिडाज़ोपाइरीडीन के साथ तृतीयक अमाइन की क्रॉस-डीहाइड्रोजेनिक कपलिंग। ए के बागड़ी, और ए. हाजरा, जे. ऑर्ग. रसायन, 2018, 83, 10619।

45. 8-अमीनोक्विनोलिन एमाइड, एस. मोंडल एस और ए. हाजरा, जे. ऑर्ग की धातु-मुक्त सी -5 हाइड्रॉक्सिलेशन रसायन। 2018, 83, 11392।

46. रुथेनियम एक्टिवेटेड एल्डिहाइड के अलावा 8-अमीनोक्विनोलिन के दूरस्थ सीएच जोड़। एस. मंडल और ए. हाजरा, ए. ऑर्ग रसायन। 2018, 16, 2846।

47. दर्शनीय प्रकाश प्रेरित टेट्रामिथाइलथाइलेनडायमाइन इमिडाजोपाइरिडिन की सहायता से तैयार किया गया। जी किबरिया, ए के बागड़ी, और ए. हाजरा, ऑर्ग रसायन। 2018, 16, 3473।

48. 16-डिहाइड्रोपोएस्ट्रोन श्रृंखला की बेंज़िलिडेन्स की एंटीप्रोलिफ़ेरेटिव गतिविधि का संश्लेषण और मूल्यांकन। एएम शेरेबकोव, ज़ावरज़िन, एसके वोत्सोवा, ए. हाजरा, ओई एंड्रीवा, एवी यादिकोव, आईएस लेविना, वाईए वोल्कोवा, और वीजेड शिरीन, स्टेरॉयड, 2018, 138, 91।

49. आयोडोबेंज़िन-मेडिएटेड रेजियोसेलेक्टिव इमिडाएजेशन ऑफ इमिडाज़ोहेटरोसाइक्सेस विथ एन-फ्लोराबेनजेनसेल्फोनिमाइड। एम. सिंग सरदार, एस. मंडल, आर सरकार, और ए. हाजरा, एसीएस ओमेगा, 2018, 3, 12505।

50. रुथेनियम-उत्प्रेरित अग्रानुक्रम के लिए घोषणा/ विसंगति के संश्लेषण के लिए बायस (हेटेरियोल) मेथेन एस सामंत और ए हाजरा, ऑर्ग रसायन। 2018, 16, 7012।

51. नाइट्रोसो-बेंजोइमिडाजोथियाज़ोल के ऊर्ध्वाधर आयनीकरण क्षमता का निर्धारण स्वीकारकर्ताओं की एक श्रृंखला के साथ चार्ज ट्रांसफर इंटरैक्शन का उपयोग करते हुए। टी. चौधुरी, एस संतरा, और ए. हाजरा । स्पेक्ट्रोचिमिका एक्टा पार्ट एः आणविक और जैव-आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी, 2018, 204, 403।

52. विभिन्न प्रकार के होमो और विषम लैंगिक परिसरों के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में ऑक्टेडेंटेट लचीला लिगेंड्स जिसमें डिपेनोक्सिडो और फेनॉक्सीडो / एजिडो ब्रिजिंग समूह हैंः संश्लेषण, संरचना और चुंबकीय गुण, के. प्रमाणिक, पी. मालपाहारिया, ई. कोलसियो, बी. दास और एसके चंद्र , न्यू जे. केम। 2018, 42, 4332-4342।

53. एंड्रोसियम के अंदर बायोकंपैटिबल केमो सेंसर द्वारा ट्रेस लेवल रिकग्निशन, यूरिन और बायोमिमेटिक सेल एक्सोसाइटोसिस से पिक डिजीज का निदान , पी. घोष, के. प्रमाणिक, एस. पॉल, पी. मालपहाड़िया, एस केचंद्रा, एस. मुखोपाध्याय पी बी अरजी, एसीएस अप्पल बायो मैटर। 2018, 1, 683-692।

54. आरयू आधारित एंटीनोप्लास्टिकः ए विंगटिप एन) हेटेरोसायक्लिक कार्बेन ऑर्गेनोमेटिक्स के एक नए वर्ग तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है जो सामान्य कैंसर सेल लाइनों, ए मंडल, आरके त्रिपाठी, पी. दत्ता, एम के संतरा, एए इसाब, सीडब्ल्यू बिलावस्की, एचके किसान, एसके चंद्र और जे। डिंडा, अप्पल रसायन। 2018, 4692

61. यंत्रवत् ट्यून किए गए मोलिब्डेनम डाइक्लोजेनाइड्स ने सुपरमॉलेक्यूलर हाइड्रोजेल स्कैफोल्ड्स को फैलाया। ढिबर, ए डे, डी घोष, ए मंडल, बी डे, जर्नल ऑफ मोल एक्युलर लिक्विड्स , 2019, 276, 184।

62. ग्राफीन ऑक्साइड ने अतिविशिष्ट, रोगाणुरोधी, कोशिका लगाव और इंट्रासेल्युलर इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए सुपरमाइनोलॉजिकल हाइड्रोजेल कैप्ड सौम्य हरी चांदी नैनोकणों को फैलाया डी घोष, एस धीबर, ए डे, एस मुखर्जी, एन जोरावर, एसपी सिन्हाबाबू, बी डे , जर्नल ऑफ़ एम ऑल्युक्लियर लिक्विड्स, 2019, 282, 1।

63. संभावित बैरियर डायोड अनुप्रयोग के लिए ऑक्सालिक एसिड-मोनोओथेनॉलैमाइन का एक सुपरमॉलेक्युलर जेल। एस. धीबर, ए डे, डी घोष, एस मजूमदार, ए डे, पी मुखर्जी, ए मंडल, पीपी रे, बी डे, रसायन विज्ञान चयन , 2019, 4, 1535।

64. एक जैव-प्रासंगिक सुप्रामोलेरिकोको चयनात्मक प्रतिदीप्ति संवेदन के लिए रेंज अकार्बनिक के रूप में (तृतीय) जलीय माध्यम में और बैक्टीरिया प्रणालियों में इसकी इंट्रासेल्युलर ट्रैकिंग। एस. धीबर, पी यद एवी, टी. पॉल, के. सरकार, एपी चट्टोपाध्याय, ए. क्रावसुक और बी डे , डाल्टन ट्रांस । 2019, 48, 4362।

65. स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण और अलग-अलग स्वीकर्ता अणुओं के साथ क्वेरसेटिन के हाइड्रोजन बॉन्डिंग इंटरैक्शन की सैद्धांतिक जांच, ए. करमाकर, बी. सिंह, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर। 2019, 1180,698-707।

66. संश्लेषण, लक्षण वर्णन और बायोपॉलिमर के साथ नई बायोएक्टिव 4-हाइड्रॉक्सीकाउमरिन व्युत्पन्न की आणविक बातचीत को उजागर करता है: स्पेक्ट्रोस्कोपिक और सैद्धांतिक पहलू से अंतर्दृष्टि, ए. मुखर्जी, एस. घोष, आर. सरकार, एस. सामंता, एस. घोष, एम पाल, ए पाल , मजी, एसके सेन, बी. सिंह . जर्नल ऑफ़ फोटोकैमिस्ट्री एंड फ़ोटोबायोलॉजी बी: बायोलॉजी , 2018, 189, 124-137।

67. स्पेक्ट्रोस्कोपिक, सैद्धांतिक और रोगाणुरोधी अध्ययनों द्वारा विभिन्न स्वीकर्ता अणुओं के साथ एक्रीड ऑरेंज के हाइड्रोजन बॉन्डिंग इंटरैक्शन का अध्ययन। ए. करमाकर, एस. बनर्जी, बी. सिंह, एनसी मंडल, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर , 2019, 1177, 418-429।

68. सुपरऑक्साइड कॉम्प्लेक्स, द्वारा क्लोरोफेनोल्स के ऑक्सीडेटिव डीक्लोरिनेशन पर तुलनात्मक अध्ययन । ए. मंडल, ट्रांजिशन मेटल केमिस्ट्री। 2018, 1-7।

69. प्रायोगिक और डीएफटी अध्ययन, करमाकर, क्लोरानिलिक एसिड के साथ 1- (2-पाइरिडाइलाज़ो) -2-नैफथोल (पैन) और 4- (2-पाइरिडिलाज़ो) रेसोरिसिनॉल के चार्ज-ट्रांसफर हाइड्रोजन बॉन्डिंग इंटरैक्शन की जांच। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 2018, 1164, 404-411।

70. कोल्ड-स्टोरेज आलू में अमोनिया का आसान और तेजी से अनुमान: पर्यावरण में सावधानियां, एस कुंडू, एचएस सरकार, एस दास, पी साहू, रसायन विज्ञान के नए जर्नल 43 (18), 6843-6847

71. हमारे दैनिक आहार से एच 2 एस की खपत : एक सरल रसायन विधि, ए घोष, एस दास, एचएस सरकार, एस कुंडू, पी साहू, एसीएस ओ मेगा , 2018, 3 (9), 116-11-11623 द्वारा निर्धारण

72. लिपस्टिक, ए घोष, एस दास, एस कुंडू, पीके मैती, पी साहू में लीड का तेजी से अनुमान सेंसर और एक्ट्यूएटर्स बी: केमिकल, 2018, 266, 80-85

75. बैक्टीरिया बायोफिल्म में एन-एसाइल होमोसरीन लैक्टोन को पहचानने वाला एक रसायन एस दास, एचएस सरकार, एमआर उद्दीन, एस मंडल, पी साहू, सेंसर और एक्ट्यूएटर्स बी: केमिकल , 2018, 259, 332-338

76. 298.15 कश्मीर, एस रॉय, एस मोंडल, बीके डोलुई , रूसी जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री ए , 2018, 92 (4), 734-738 में जलीय समाधान में डीएल-फेनिलएलनिन के सॉल्वैशन थर्मोडायनामिक्स

77. संक्रमण के तहत अमीनो एसिड घुलनशीलता के लिए सुधार; एस. रॉय, पीएस गिनी, के महाली, बीके डोलुई; मो लेसिकल लिक्विड्स जर्नल; 252, 2018, 144

78. जलीय सोडियम ब्रोमाइड और पोटेशियम ब्रोमाइड समाधानों में कुछ अमीनो एसिड के विलेय-विलायक बातचीत की घुलनशीलता और ऊष्मप्रवैगिकी। पी. गिनी, के. महाली, बीके डोलुई और एस. रॉय; केमिकल इंजीनियरिंग डेटा जर्नल, एसीएस प्रकाशन; 63, 2018, 534-541।

79. कुछ डीएनए और आरएनए मामलों के द्विध्रुवीय के जलीय मिश्रणों में घुलनशीलता और विलेयता और सहसंयोजी ऊष्मप्रवैगिकी का सहसंबंध; एस. घोष, एस. साहा, एस. मंडल, बीके डोलुई , जर्नल ऑफ सॉल्यूशन केमिस्ट्री 48 (2019) 248-270।

80. अल्ट्रासाउंड-प्रवर्धित समीचीन और विविध प्रकार के कार्यात्मक 6-अमीनो -5 के हरे संश्लेषण - ((4-हाइड्रॉक्सी-2-ऑक्सो -2 एच-क्रोमेन-3-वाईएल) (एरीएल) मिथाइलिल - पीरिमिडीन-2,4 (1 एच, 3 एच)- परिवेश स्थितियों में सल्फमिक एसिड कटैलिसीस के तहत एक-पॉट मल्टीकोम्पोनेंट प्रतिक्रिया के माध्यम से डायोनस। जी. ब्रह्मचारी, एम मंडल, आई कर्मकार, के नूरजमाल, बी मंडल। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 2019, 7, 6369

81. एलुम (4) 2 .12 2) - जैविक परिवर्तनों में एक पर्यावरण-अनुकूल और बहुमुखी एसिड-उत्प्रेरकः हाल ही में एक अद्यतन। जी ब्रह्मचारी, के नूरजमाल, एस बेगम, एम मंडल, एन नायक, इकरमाकर, बी मंडल। वर्तमान ग्रीन केमिस्ट्री , 20 19, 6, 12 (संपादक की पसंद)

82. डी-एलील/एस-नाइट्रोथाइल 1-एरीथेथाइल डाइथियोकार्बामेट्सः डी-अल्कील / प्रतिस्थापित एल-डाइलेक्टिक रूप से क्रियाशील। हरे रंग का संश्लेषण, बड़े पैमाने पर अनुप्रयोग, और प्रतिक्रिया तंत्र में अंतर्दृष्टि। जी ब्रह्मचारी, आई कर्मकार। रसायन विज्ञान , 2019, 4, 747

83. पेलियोथोरम्प्टेरोकार्पम (डीसी.) के फूलों से स्टिगमास्टरोल। पीछे पूर्व के हेने (फैबासी) -विशेषता, वर्णक्रमीय गुण और क्वांटम रासायनिक अध्ययन। जी ब्रह्मचारी, एस माझी, बी मंडल, एम मंडल, ए कुमार, एके श्रीवास्तव, आरबी सिंह, एन मिश्रा जर्नल ऑफ द इंडियन सी हेमिकल सोसाइटी , 2018, 95, 1231

84. कपूर-10-सल्फोनिक एसिड (सीएसए): कार्बनिक परिवर्तनों में एक पानी के अनुकूल ऑर्गोकैटलिस्ट। जी ब्रह्मचारी , के नूरजमाल, आई कर्मकार, एम मंडल । वर्तमान ऑर्गनोलेक्टिस , 2018, 5, 165 (आमंत्रित लेख)

85. जलीय माध्यम में जैविक रूप से प्रासंगिक हेटरोसायकल के संश्लेषण में हाल की प्रगति। जी ब्रह्मचारी , ऑर्गेनिक जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 2018, 7, 1982 (आमंत्रित लेख)

86. जैविक परिवर्तनों में एक बहुमुखी ऑर्गेनोलेटिस्टः एक दशक का अपडेट। जी. ब्रह्मचारी , एन नायक, के नूरजमाल, आई कर्मकार, एस बी गाम संश्लेषण, 2018, 50, 4145

87. अल्ट्रासाउंड - असिस्टेड समीक्षक और डाइवर्सली फंक्शनल 7- आरिल / हेटेरियोरोक्रोमेनो की एक नई श्रृंखला का ग्रीन संश्लेषण 4,3- पाइरिडो 1, 2- पाइरिमिडिन -6 (7) - के माध्यम से सल्फेट के तहत एक पॉट बहुसंकेतन प्रतिक्रिया परिवेश स्थितियों में एसिड कटैलिसीस। जी. ब्रह्मचारी, आई कर्मकार, के नूरजमाल। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 2018, 6, 11018

88. एफटी-आईआर, यूवी-दृश्यमान और एनएमआर वर्णक्रमीय विश्लेषण, आणविक संरचना, और नेवादाडेन्स के गुणों को घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत और आणविक डॉकिंग द्वारा प्रकट किया गया है। ए कुमार, एके श्रीवास्तव, एसके गंगवार, एन मिश्रा, जी ब्रह्मचारी, ए मंडल, एस मोंडल। पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक कम्पाउंड, 2018, 1 (डीओआईः 10.1080 / 10406638.2018.1.187877)

89. धातु-मुक्त ऑर्गेनोक्लेटीटिक परिस्थितियों में जैविक रूप से प्रासंगिक एक विशिष्ट सिंथेटिक मार्ग को प्रतिस्थापित करता है। जी. ब्रह्मचारी, एन नायक। रसायन विज्ञान चयन, 2018, 3, 3621।

90. कमरे के तापमान पर पानी में जैविक रूप से प्रासंगिक इंडोल-यूरैसिल आणविक संकर की एक नई श्रृंखला का सल्फैमिक एसिड-उत्प्रेरित एक-पॉट संश्लेषण। जी ब्रह्मचारी, एस बेगम, के नूरजमाल। रसायन विज्ञान चयन, 2018, 3, 3400।

91. आणविक मॉडलिंग, स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच और डीएमएसओ के कम्प्यूटेशनल अध्ययन 7-एमिनो-1,3-डाइमिथाइल-2, 2, 4-ट्रायोक्सो-1, 2, 3, 4, 4 ए, 8 ए-टेट्राहाइरोस्पिरो इंडोलीन-3, 5- एस शर्मा, जी. ब्रह्मचारी , ए कुमार, एन मिश्रा, आर कांत, वीके गुप्ता। जर्नल ऑफ़ स्ट्रच टुरल केमिस्ट्री , 2018, 59, 237।

92. ऑर्कोस या अर्ध-जलीय मीडिया में ऑर्गेनोक्लाटाइज्ड असममित डायल्स-एल्डर रिएक्शन। केसी भौमिक, एम। बिहानी, जेसी-जी। झाओ ओ रेगनिक केमिस्ट्री 2018 में मिनी समीक्षा, 15, 3-19।

93. जलीय मीडिया में असममित माइकल के अतिरिक्त प्रतिक्रियाओं में ऑर्गेनोमाटालिक के रूप में कार्बामेट एस्टरः जब पाइरोलिडिन बैकबोन 1, 2- डायमिनोसाइक्लोएक्सेन से आगे निकल जाता है। ए. मंडल और केसी भौमिक, 2018, 320-331।

94. बेनजेनसल्फोनैमाइड के साथ टर्मिनल अल्काइन के धातु-मुक्त संशोधन प्रतिक्रियाएं। एस। महतो, एस। संतरा, जीवी जिर्यानोव और ए. मजी, जे. संगठन। रसायन । 2019, 84, 3176

95. 4-हाइड्रॉक्सीकाउमरिन में कार्बोनिल ऑक्सीजन का विलीनेशनः हेटेरॉयलेटेड विनील पंखों का संश्लेषण। आर. चटर्जी, एस. संतरा, जीवी जिर्यानोव, ए. मजी । संश्लेषण, 2019, कला आईडीः (07-03-2019 को ऑन लाइन प्रकाशित)

96. एलिलेजिन हलाइड का उपयोग हैलाइड के स्रोत के रूप में किया जाता हैः समान प्रतिक्रिया स्थितियों केतहत सोज-एज़िरिडाइन और एल्डिहाइड के लिए न्यूक्लियोफाइल्स का अंतर जोड़। आर चटर्जी, एस सामंता, ए मुखर्जी, एस संतरा, जीवी जिर्यानोव, ए मजी । टेट्राहेड्रोन एल। 2019, 60, 276।

97. 4- (4-अल्कोक्सीफेनिल)-2, 22-बिपिरिडिन- 6-कार्बोक्जिलिक एसिड के नए कार्बनिक घुलनशील लैंथेनाइड परिसरों के संश्लेषण और फोटोफिजिकल अध्ययन। ए पी क्रिनोचिन, डी एस कोपचुक, जी ए किम, आई एस कोवालेव, एस संतरा, ए मजी, जी वी ज्यार्यानोव, वी एल रुसिनोव, ओ.एन. चुपखिन, जे मोल संरचना। 2019, 1176, 583।

98. 1-हाइड्रॉक्सीपाइरेन-आधारित माइले-बनाने वाले सेंसर जो पानी में आरआरडीएक्स/टीएनजी/पीईटीएन-आधारित बम भूखंडों के दृश्य का पता लगाते हैं। आईएस कोवालेव, ओएस तान्या, डीएस कोपचुक, केगिरी, ए मुखर्जी, एस संतरा, ए मजी , एम रहमान, जीवी जिर्यानोव, वीए बाकुलेव, ओएन चौपखिन, न्यू जे केम, 2018, 42, 19864।

99. लैंथेनाइड उद्धरणों के लिए त्रिपॉड-टाइप 2, 2 ड-बिपिरिडिन लिगैंडः धातु के उद्धरणों को बदलने के लिए समन्वय पर संश्लेषण और फोटोफिजिकल अध्ययन। डीएस कोपचुक, जीए किम, आईएस कोवालेव, एस संतरा, जीवी जिर्यानोव, ए माझी, वीएल रुसिनोव, ओएन चौपखिन, कैन। जे रसायन । 2018, 96, 419।

100. संश्लेषण, लक्षण वर्णन और बछड़ा थाइमस डीएनए के साथ नए बायोएक्टिव 4-हाइड्रॉक्सीकाउमरिन व्युत्पन्न की बाध्यकारी बातचीत को उजागर करता हैः स्पेक्ट्रोस्कोपिक और सैद्धांतिक पहलू से अंतर्दृष्टि। ए मुखर्जी, एस घोष, आर सरकार, एस सामंत, एस घोष, एम पाल, ए माझी, के सेन, बी सिंह, जर्नल ऑफ़ फोटोकैमिस्ट्री द्र; फोटोबियोलो जी, बीः बायोलॉजी, 2018, 189, 124।

101. हल्के, कुशल और धातु-मुक्त रेडिकल 1, 2-डिथियोसायानोफ़ अल्केन्स और अल्केन्स रूम के तापमान पर। एस सामंता, आर चटर्जी, एस संतरा, ए हाजरा , आईए खलीमबदज़्हा, जीवी ज़ायिरानोव और ए.माज ईई , एसीएस ओमेगा, 2018, 3, 13081।

102. मोनो और पॉलीज़ैट्रिफ़ेनिलिन आधारित लिगेंड्सः सिंथेटिक अद्यतनों का एक अद्यतन पुस्तकालय (2001-20180)। एस. संतरा, एएफ खसानोव, ए. मुखर्जी, एम. रहमान, आईएस कोवालेव, डी. एस. कोपचुक, जी.वी. ज्यार्यानोव, ए माझी, ओएन चुपाखिन, वीएन चारुशिन, यूआई । जे. ऑर्ग रसायन। 2018, 4371।

103. फार्मिक एसिड के उपयोग से टेंडेम रिंग-ओपनिंग/क्लोजिंग रिएक्शन ऑफ ऑक्सिडॉलिडाइन का एक कुशल संश्लेषण। फॉर्मिक एसिड का उपयोग करके एन चक्रवर्ती घोषाल, ए. डी, एस. महतो, एस संतरा, जीवी ज्येर्यानोव और ए मीझी सी हेमिसिटीलेक्ट , 2018, 3, 10514।

104. 6-आर्यलीनो-2, 2'-बाइपिरिडीन पुश-पुल फ्लोरोफोरेसः सॉल्वेंट-फ्री सिंथेसिस और फोटोफिजिकल स्टडीज। डीएस कोपचुक, एपी क्रिनोचिन, ईएस स्टारनोवस्काया, वाईकेशटित्ज, एएफ खसानोव, ओएस तान्या, एस सैन ट्रे, जीवी ज्यिर्यानोव , ए मजी, वीएल रुसिनोव और ओएन चौपखिन, केमिस्ट्रीसेंट , 2018, 3, 4141 - 4146 (कवर पिक्चर) रसायन विज्ञान चयन 2018, 3 (16), 4140।

105. आर्यन्स के साथ 5-आर-3- (2-पाइरिडाइल) -1, 2, 4- त्रिभुज के इंटरैक्शन पर अध्ययनः उलटा मांग अजा-डायल्स-एर्डिन-बनाम मध्यस्थता डोमिनो प्रक्रिया। डीएस कोपचुक, आईएल निकोनोव, एएफ निकसानोव, के गिरी, एस संतरा, आईएस कोवालेव, ईवी नोसोवा, एस गुंडला, पी वेंकटपुरम, जीवी ज्येरायनोव, ए माझी और ओएन चौपखिन, ऑर्ग रसायन। 2018, 16, 5119।

106. संश्लेषण के लिए एक डोमिनोज़ दृष्टिकोण, परिवेश के तापमान पर साफ शर्तों के तहत कार्बोनिल यौगिकों से एस महतो, एस संतरा, ए डी, आर चटर्जी, जी.वी. ज्यार्यानोव और ए माझी, केमिस्ट्री सेलेक्ट , 2018, 3, 7596।

107. स्वच्छ परिस्थितियों में एज़िरिडिंस के रेजियोसेलेक्टिव रिंग-उद्घाटन द्वारा विभिन्न)- (नाइट्रोक्सी) के संश्लेषण को अमाइन। एस सामंता, आर चटर्जी, एस महतो, ए हाजरा, एस संतरा, जीवी ज्यार्यानोव, ए माझी, 2018, 48, 1857।

108. इमिडाज़ोलियम ज़्विटरियोनिक मोल्टेन सॉल्टः डिप्टीरोमेथेनेस के संश्लेषण के लिए कमरे के तापमान पर बीट (इंडोलिल) मेथेनेस के रूप में एक एफिशिएंट सीटीआई ऑर्गेनोक्लेटीट। आर चटर्जी, एस महतो, एस संतरा, जीवी ज्यार्यानोव, ए हाजरा, ए माझी, केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2018, 3, 5843।

109. ल्यूकार्ट-वलाक-टाइप रिडक्टिव अमिनेशन की स्कोप और सीमाएँ: नीट शर्तों के तहत एल्डिहाइड से तृतीयक अमीरों का रासायनिक संश्लेषण। ए डी, एन चक्रवर्ती घोषाल, एस महतो, एस संतरा, जीवी ज्यिर्यानोव, ए माझी, सी हेमिस्टी, 2018, 3, 4058।

110 इलेक्ट्रॉनिक संरचना और एक थियोफीन आधारित सहसंयोजक की कार्यक्षमता पर कम्प्यूटेशनल जांच) फ्रेमवर्क, बी बॉल, सी चक्रवर्ती, बी मंडल, पी सरकार एसीएस ओमेगा 2019, 4 (2, 3556-3564

111. पोरफाइरिन और फ़ॉस्फ़ोरेन एंटिडॉट लैटिस नैनोकम्पोसाइट की फोटोवोल्टिक दक्षता में सुधार के लिए मार्गः सैद्धांतिक अध्ययन से एक अंतर्दृष्टि, एम कर, आर सरकार, एस पाल, पी सरकार, द जर्नल ऑफ़ फिजिकल केमिस्ट्री सी, 2019, 123, 5303-5311।

113. चुंबकीय गुणों पर तापमान के असर के प्रभाव का पुनः परीक्षण। ए के कुंडू और मो. मोतीसिंह, जे. भौतिकी: संघनित बात 2019, 31, 225801

114. नैनोडायनामेटिक पेरोविसाइट्स, यू. दत्ता, ए. हुसैन, प्रवीण एस. डी. घोष, नतालिया ई मोर्डविनोवा, ओ. आई. लेबेदेव, संश्लेषण, संरचना और चुंबकीय गुण। जे अलॉय कम्पल्स। 2019, 777, 1396-1402

115. मेथेनॉल स्टीम-जेल के सुधारात्मक व्यवहार ने संश्लेषित नैनोडिमेंशनल हेर्किनाइट्स, एस. मैती, डी. दास, के पाल, जे. ललार्का, एल. सोलर, एस. कोलूसी, ए. ट्रोवरेली, आर प्रियोलकर, पीआर सरोदे का व्यवहार सुधार दिया, के असकुरा, मो। मोतिसिख और अरुप गायन, अप्पल। एक जनरल 2019, 570, 73-83

116. आणविक मॉडलिंग, स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच और डीएमएसओ के कम्प्यूटेशनल अध्ययन 7-एमिनो-1,3-डाइमिथाइल-2, 2, 4-ट्रायोक्सो-1, 2, 3, 4, 4 ए, 8 ए-टेट्राहाइरोस्पिरो इंडोलीन-3, 5- एस शर्मा, जी. ब्रह्मचारी , ए कुमार, एन मिश्रा, आर कांत, वीके गुप्ता। जर्नल ऑफ़ स्ट्रच टुरल केमिस्ट्री , 2018, 59, 237।

117. पोटेशियम पराबैगनी? मध्यस्थता थायोसाइनाइजेशन? आयरन के तहत कैटेलिसिस। ए डे, और ए. हाजरा, सलाहकार। सिंथ। कैटाल, 2019, 361, 842।

118. इंडाजोल का धातु-मुक्त ट्राइफ्लोरोमेथाइलेशन। पी. घोष, एस. मंडल, ए. हाजरा, जे.ऑर्ग। रसायन।, 2018, 83, 13618।

119. एसुप्रामोलेक्युलरकॉड मेटालॉगेलः एक प्रभावोत्पादक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण। एस.बीबर, ए. डे., एस मजूमदार, डी. घोष, ए. मांडल, पीपी रे, बी डे, डाल्टन ट्रांस, 2018, 47,17412 ।

120. यंत्रवत् ट्यून किए गए मोलिब्डेनम डाइक्लोजेनाइड्स ने सुपरमॉलेक्यूलर हाइड्रोजेल स्कैफ़ोल्ड्स को फैलाया। धीबर, ए. डे, डी. घोष, ए. मंडल, बी. डे, जर्नल ऑफ मॉलिकुलर लिक्विड्स, 2019, 276, 184।

121. संक्रमण धातु डोपिंग, एम कर, आर सरकार, एस पाल, पी सरकार, भौतिकी के जर्नल के माध्यम से बद्ध के चुंबकीय गुणों की इंजीनियरिंग : संघनित पदार्थ, 2019, 31 (14), 145502

122. सिक्का-धातु हाइड्राइड आयनों द्वारा सीओ 2 की अस्पष्ट हाइड्रोजनीकरण : सिलिको प्रयोगों, एम हबीब, आर सरकार, एस विश्वास, एक प्रमाणिक, पी सरकार, एस पाल, भौतिक रसायन रासायनिक भौतिकी, 2019, 21, 7483- पर आधारित एक सहज ज्ञान युक्त विचार। 7490

123. डिजाइनिंग के लिए एंकरिंग समूहों की आणविक इंजीनियरिंग कुशल आधारित कार्बनिक डाई-सेंसिटिव

सौर सेल, एन घोष, एम हबीब, एक प्रमाणिक, पी सरकार, एस पाल, नई पत्रिका रसायन विज्ञान की 2019, 43, 6480-6491।

124. फ्लोरोसेंट गोल्ड नैनोकणों के संश्लेषण के लिए कार्बोजल आधारित छोटे अणुओं का उपयोग करनाः संश्लेषण के तंत्र को समझने के लिए एक एकीकृत प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दृष्टिकोण, टी मल्लिक, ए कर्मकार, डी मंडल, ए प्रमाणिक, पी सरकार, एन बेगम, कोलाइड्स और सर्फेस बीः बायोइन्टरफेस, 2018, 172, 440-450

125. प्रतिस्थापन प्रेरित वाहक एस, एन-हेटेरोसीन आणविक जंक्शनों में स्विचिंगः एक पहला सिद्धांत विश्लेषण, पी रॉय, एस बिस्वास, एक प्रमाणिक, पी सरकार, 2018, रासायनिक भौतिकी पत्र 708, 87-93

126. एन-हेटेरोसायक्लिक या मेसोएओनिक कार्बिन लिगैंड के साथ इर कॉम्प्लेक्स की कलर ट्यूनिंग और क्वांटम एफिशिएंसी में एंसिलरी लिगैंड की आवश्यक भूमिकाः ए कम्पेरेटिवक्वांटम केमिकल, एस उरिंदा, जी दास, ए प्रनामिक, पी सरकार, जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री ए। 2018, 122 (38), 7532-7539

127. विभिन्न नी परिसरों, एस बिस्वास, ए चौधरी, पी रॉय, ए प्रमाणिक, पी सरकार, आणविक मॉडलिंग के जर्नल, 2018, 24 (9), 224 के सीओ 2 के उत्प्रेरक हाइड्रोजनीकरण के लिए हाइड्राइड ट्रांसफर बाधा पर कम्प्यूटेशनल अध्ययन।

128. खोखले क्वांटम डॉट को स्वीकर्ता, एम हबीब, एस साहा, आर सरकार, ए प्रमाणिक, पी सरकार, एस पाल, कम्प्यूटेशनल और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 2018, 1136, 1136 का उपयोग करके सौर सेल अनुप्रयोग के लिए कुछ टीटीएफ-प्रतिस्थापित एसीन-आधारित रंजक की कम्प्यूटेशनल डिजाइन। 10-17

129. झरझरा ग्राफीन-फुलरीन नैनोकम्पोजिट्सः सौर सेल और ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक अनुप्रयोगों के लिए एक नया कम्पोजिट, सी चक्रवर्ती, बी मंडल, पी सरकार, द जर्नल ऑफ फिजिकल कैमिस्ट्री सी 2018, 122 (28), 15835-15842

130. रेजियोसोमेरिक छोटे कार्बनिक अणु सौर कोशिकाओं में विभिन्न फोटोवोल्टिक गतिविधियों की उत्पत्तिः चार्ज ट्रांसफर प्रक्रियाओं की आंतरिक भूमिका, एस बिस्वास, ए प्रमाणिक, पी सरकार, द जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी 2018, 122 (26), 14296-14303

131 सीओ 2 से एचसी ओएचओ के प्रत्यक्ष हाइड्रोजनीकरण के लिए क्वाटर पाइरिडाइन के आधारभूत डिजाइन आधारित : परमाणु के लिए एक दिशा - आर्थिक दृष्टिकोण, एस विश्वास, ए प्रमाणिक सरकार, रसायन शास्त्र सेलेक टी, 2018, 3 (18), 5185-5193।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएंः

1.

शिक्षक का नाम : **प्रो प्राणेश चौधरी**

परियोजना का नाम : वर्णमापी, फ्लोरोसेंट और फोटो-थर्मल जांच के लिए पानी में घुलनशील संयुग्मित पॉलिमर का डिजाइन और संश्लेषण

प्रायोजन एजेंसियां : सीएसआईआर नई दिल्ली

स्वीकृत राशि : 36.6 लाख

परियोजना की अवधि : तीन साल (2017-2020)

2.

शिक्षक का नाम : **प्रो प्राणेश चौधरी**

परियोजना का नाम : इसकी चमकीली, फ्लोरोसेंट और फोटो-थर्मल सेंसिंग संपत्ति का पता लगाने के लिए अल्ट्रा-उज्ज्वल पानी में घुलनशील संयुग्मित पॉलिमर का संश्लेषण

प्रायोजन एजेंसियां : डीएसटी, एसईआरबी, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि : 38.7 लाख

परियोजना की अवधि : तीन साल (2017-2020)

3.

शिक्षक का नाम : **प्रो. स्वपन के. चंद्रा**

परियोजना का नाम : मैग्नेटिकली प्रोमिसिंग होमो और हेटरोमेटालिक अणु

प्रायोजन एजेंसियां : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार। पश्चिम बंगाल का

स्वीकृत राशि : लगभग रुपए 10.4 लाख

परियोजना की अवधि : आम तौर पर तीन साल (01.04.2016 से आज तक)

4.

शिक्षक का नाम : **प्रो. प्रणब सरकार**

परियोजना का नाम : विभिन्न कार्बनिक अभिक्रियाओं के लिए नैनोकलस्टर्स की उत्प्रेरक गतिविधियों पर कम्प्यूटेशनल अध्ययन

प्रायोजन एजेंसियां : सीएसआईआर नई दिल्ली।

राशि मंजूर : 12 लाख

परियोजना की अवधि : मई, 2017-अप्रैल, 2020

5.

शिक्षक का नाम : **प्रो. प्रणब सरकार**

परियोजना का नाम : समय डोमेन घनत्व-कार्यात्मक तंग-बाध्यकारी सिमुलेशन अकार्बनिक-कार्बनिक नैनोहाइब्रिड्स - बेहतर फोटोवोल्टिक उपकरणों की खोज

प्रायोजन एजेंसियां : डीएसटी नैनो मिशन, नई दिल्ली।

राशि स्वीकृत : 67 लाख

परियोजना की अवधि : 2017-2020

6.

शिक्षक का नाम : **प्रो. प्रणब सरकार**

परियोजना का नाम : इलेक्ट्रोनिस संरचना और अकार्बनिक-कार्बनिक नैनोकंपोजिट्स के परिवहन गुण

प्रायोजन एजेंसियां : बीआरएनएस, डीएई, मुंबई।

राशि मंजूर : 30 लाख

परियोजना की अवधि : 2018-2021

7.

शिक्षक का नामः **गौतम ब्रह्मचारी**

परियोजना का नाम : कैसियासोफेरा लिनन के रासायनिक घटकों और जैविक गतिविधियों पर अध्ययन। (कैसलपिनियासी) - एक महत्वपूर्ण भारतीय औषधीय पौधा

प्रायोजन एजेंसियां : सीएसआईआर, नई दिल्ली।

राशि स्वीकृत : 20 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

8.

शिक्षक का नामः **गौतम ब्रह्मचारी**

प्रोजेक्ट का नाम : डिजाइन फॉर एनर्जी-एफिशिएंट सिंथेसिस ऑफ बायोलॉजिकल रेलेवेंट हेटेरोसायकल

प्रायोजन एजेंसियां : एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली।

राशि मंजूर : 35.26 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

9.

शिक्षक का नाम : **प्रो. गौतम ब्रह्मचारी (सह पीआई)**

प्रोजेक्ट का नाम : क्लियोस्टेनथिसोलिसियस पत्तियों के उबले जलीय अर्क में फार्माकोकाइनेटिक्स और टॉक्सिन्स का विष।

प्रायोजन एजेंसियां : डीबीटी, नई दिल्ली

राशि मंजूर : 39.62 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

10.

शिक्षक का नामः **डॉ. आदिनाथ माझी**

प्रोजेक्ट का नाम : ऑर्गेनिक और ऑर्गोनोमेट्रिक सिंथेसिस ऑफ टारगेट (हेटेरो) के लिए नए एटम-कुशल सिंथेटिक मेथोडोलॉजी का विकास - उद्योग और फार्मेसी की आवश्यकता के लिए मैक्रोसायकल।

प्रायोजन एजेंसियां : डीएसटी-आरएसएफ

स्वीकृत राशि : रु. 46,00,000 /-

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

11.

शिक्षक का नाम : **डॉ. अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नाम : कार्बनिक संश्लेषण में ऑर्गेनोक्लेटिस्ट के रूप में ऑप्रोटिक इमिडाज़ोलियम आधारित ज़्विटरेशन की खोज

एजेंसियां : डीएसटी, प. बंगाल सरकार

राशि मंजूर : 12 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-19)

12.

शिक्षक का नामः **डॉ. अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नाम : संक्रमण धातु-उत्प्रेरित असममित सीएच फनसाइक्लाइजेशन : एनेंटियोएनेरिच्ड बिल्डिंग ब्लॉक्स की संश्लेषण

एजेंसियां : डीएसटी, एसईआरबी

राशि मंजूर : 45 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-19)

13.

शिक्षक का नामः **डॉ. अलकनंद हाजरा**

परियोजना का नाम : कुशल और स्थिर कार्बनिक फोटोवोल्टिक उपकरणों के लिए नए कार्यात्मक सामग्रियों और हरे मार्गों का विकास

एजेंसियां : डीएसटी (भारत-रूस संयुक्त परियोजना), इसरो के साथ सहयोग, विश्वभारती;

राशि स्वीकृत : 61 लाख

14.

शिक्षक का नामः **डॉ अलकनंदा हाजरा**

परियोजना का नामः दर्शनीय प्रकाश ऑर्गनोफोटॉक्स कैटेलिसः जैविक संश्लेषण के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण की ओर

एजेंसियां : सीएसआईआर, नई दिल्ली।

राशि मंजूर : 23 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2017-20)

15.

शिक्षक का नाम : **डॉ. अलकनंदा हाजरा**

प्रोजेक्ट का नाम : उपन्यास का एंटीप्रोलिफ़ेरेटिव गतिविधि का डिज़ाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन, स्टेरॉयड का एन-हेटेरोसायक्लिक डेरिवेटिव

एजेंसियां : डीएसटी (भारत-रूस संयुक्त परियोजना)

राशि मंजूर : 24 लाख

परियोजना की अवधि : 2 वर्ष (2017-19)

16.

शिक्षक का नाम : **डॉ. मो मोतिशेख**

परियोजना का नाम : परिवेशी दबाव संश्लेषण और मल्टीफ़ेरिक क्वाड्रुपल पेरोव्साइट्स के भौतिक लक्षण वर्णन की दिशा में एक ठोस अभियान

एजेंसियां : डीएसटी, एसईआरबी

राशि स्वीकृत : 37 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-19)

17.

शिक्षक का नामः **डॉ. मो मोतिशेख**

परियोजना का नाम : स्तरित पर्कोव्इट वास्तविक ऑक्साइड सामग्रीः संश्लेषण, संरचना और एजेंसियांः

राशि मंजूर : 27 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष (2016-19)

18.

शिक्षक का नाम : **डॉ. सुदीप कुमार मंडल**

परियोजना का नाम : फ्लोरोसेंट सामग्री द्वारा रासायनिक सेंसिंग का विस्तृत यंत्रवत अध्ययन

प्रायोजन एजेंसियां : डीएसटी, नई दिल्ली।

राशि मंजूर : 24.84 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

19.

शिक्षक का नाम : **डॉ. तुला सिंह**

परियोजना का नाम : धातु-औषधि परिसरः संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग, एक अभिन्न दृष्टिकोण

प्रायोजन एजेंसी : डीएसटी, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि : 18 लाख

परियोजना की अवधि : तीन साल

20.

शिक्षक का नामः **डॉ. बिश्वजीत डे**

परियोजना का नाम : संश्लेषण, लक्षण वर्णन और एन के साथ कुछ चयनात्मक धातु आयनों के सुपरमॉलेक्युलर नेटवर्क की कार्यक्षमता की खोज करें, जल मीडिया में जैविक

प्रायोजन एजेंसियां : सीएसआईआर, नई दिल्ली।

राशि मंजूर : 16.5 लाख

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

21.

शिक्षक का नाम : **डॉ. बिस्वजीत डे**

परियोजना का नाम : कार्यात्मक सुपरमॉलेक्यूलर धातु-कार्बनिक क्रिस्टल और जेल सामग्री के विभिन्न अनुप्रयोगों की खोज

प्रायोजन एजेंसियां : डीएसटी, डब्ल्यूबी

राशि मंजूर : 3 एल

परियोजना की अवधि : 3 वर्ष

22.

प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर का नाम : **डॉ. कुहेली चक्रवर्ती,** डीएसटी महिला वैज्ञानिक

संरक्षक का नाम : **डॉ. गौराबकांति दास**

परियोजना का नाम : इरिडियम, प्लेटिनम और गोल्ड उत्प्रेरित प्रतिक्रियाओं पर विशेष जोर देने के साथ संक्रमण धातु उत्प्रेरित सीसी और सीएच बांड सक्रियण पर कम्प्यूटेशनल अध्ययन

प्रायोजन एजेंसी : डीएसटी, नई दिल्ली

स्वीकृत राशि : 18 लाख

परियोजना की अवधि : दो वर्ष

गणित विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर- नेट / सेट / गेट / एनबीएचएम में उतीर्ण छात्र

यूजीसी-सीएसआईआर नेट

1. सुब्रत दे (जेआरएफ)
2. समीरन घोष (जेआरएफ)
3. छोटू मैनुअल मार्डी (जेआरएफ)
4. एमडी. फ़ज़ले आकाश (एलएस)
5. देब नारायण बारिक (एलएस)
6. प्रोसंजीत दास (जेआरएफ)
7. देबारती ताल यू कदार (एलएस)

गेट -2019

1. सुब्रता दे
2. आर उमा कुंभकार
3. शेख मोशरफ अहमद
4. सत्यजित कुंडू
5. सुपर्णा घोष
6. देब नारायण बारिक
7. जयदीप दास
8. सौरभ चौधरी
9. ज्योति तुरी
10. अभिसक्ता दास
11. श्यान बानिक

सेट -2019

1. मौसम मंडल

विभागीय सेमिनार / व्याख्यान

1. 04.02.2018 डॉ अर्घ्य मुखर्जी, इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज़्मा रिसर्च, गांधीनगर, गुजरात, ने तरंगों और तरंगों में अस्थिरता पर बात की।
2. 14.09.2018 डॉ. अमेय कुमार नायक, आईआईटी, रुड़की, ने प्रेरित-चार्ज इलेक्ट्रोकैनेटिक फेनोमेना पर बात की।
3. 16.09.2018 प्रो. सोमनाथ रॉय, आईआईटी, खड़गपुर, ने पिछले चलते निकायों के प्रवाह और इसकी सटीकता और कम्प्यूटेशनल दक्षता के लिए विसर्जित सीमा विधियों के कार्यान्वयन पर बात की।
4. 17.09.2018 प्रो. बरनाण रॉय, आईएसआई, कोलकाता, ने विस्तारित गैर-विद्वान विद्वान समीकरण के साथ पेटेंटीय रूप से संशोधित और पीटी सममित क्षमताः विश्लेषणात्मक समाधान पर बात की।
5. 17.09.2018 प्रो. राजकुमार रॉयचौधरी, आईएसआई, कोलकाता, ने डायन एमिकल सिस्टम पर बात की।
6. 17.09.2018 प्रो. पिनाकी रॉय, आईएसआई, कोलकाता, ने इक्वेशन एप्रोच टू जीरो एनर्जी सॉल्यूशंस ऑफ डिराक इक्वेशन पर बात की।
7. 17.09.2018 प्रो अंजना सिन्हा, आईएसआई, कोलकाता, ने डीजेनरेट क्वांटम प्लाज्मा- डिस्प्रेशन ऑफ डिसपर्सन एंड डिसक्शन ऑन नॉनलाइनर स्ट्रक्चर पर बात की।
8. 29.09.2018 डॉ. सुबीरशाह, सीईओ योटोलैब्स ने डेमोक्रेटिक प्रोसेस पर इंटरनेट और सोशल मीडिया के प्रभाव पर बात की।
9. 22.12.2018 डॉ मैनुल हक, यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ, यूके, तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम वाले रोगियों में सकारात्मक अंत-श्वसन दबाव का प्रभाव पर बात की।
10. 07.01.2019 डॉ संदीप मंडल, पब्लिक हेल्थ फ़ाउंडेशन ऑफ़ इंडिया, दिल्ली ने क्षय रोग के गणितीय मॉडलिंग और नीति निर्माण में इसके अनुप्रयोग पर बात की।
11. 01.02.2019 प्रो. बी. दासगुप्ता, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स (एसआईएनपी), कोलकाता ने अराजक चुंबकीय क्षेत्र और आवेशित कण गति और ऊर्जा पर उनके प्रभाव पर बात की।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं / विशेषज्ञ व्यक्ति

अमर प्रसाद मिश्रा

1. 12-17 नवंबर 2018 : प्लाज्मा भौतिकी पर दूसरे एशिया-प्रशांत सम्मेलन, कानाज़ावा, जापान में एक बड़े पैमाने पर डायस प्लाज़्मा में सरफेस प्लास्मोंस नामक एक आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया।
2. 14-16 फरवरी 2019: फोटोनिक्स, मेटामेट्रिक्स एंड प्लासोनिक्स, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, भारत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सरफेस प्लास्मोंस इन ग्राफीन एंड सेमीकंडक्टर प्लाज़मा नामक एक आमंत्रित वार्ता में भाग लिया और वितरित किया।
3. एटॉमिक एंड मॉलिकुलर फिजिक्स, आईआईटी कानपुर, भारत में 22 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में वेकफील्ड पीढ़ी और सापेक्षतावादी में सॉलिटॉन के गठन शीर्षक से एक व्याख्यान दी।

प्रशान्त कुमार मंडल

1. 23-26 जुलाई, 2018 सहयोगी अनुसंधान के लिए दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत का दौरा किया।
2. 4-5 दिसंबर, 2018 सहयोगी अनुसंधान के लिए आईआईटी, रुड़की का दौरा किया
3. 1-3 दिसंबर, 2018: गणितीय मॉडलिंग और संगणना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत में आमंत्रित वार्ता।

दुलाल पाल

1. 16 मार्च, 2019: एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की और दुर्गापुर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, दुर्गापुर में एप्लाइड साइंसेज और मानविकी में हाल के रुझानों पर 6 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रकाशन

1. बिकास सी साहा, टी.आर. महापात्र, दुलाल पाल, एक संलग्नक चुंबकीय डबल वाचाल प्राकृतिक संवहन का विश्लेषण, नैनोपल्यूड के जर्नल, 7, पीपी। 1149-1163, (2018)।
2. टी आर महापात्रा, बिकास सी साहा, दुलाल पाल, मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक डबल डिफ्यूजिव नेचुरल कन्वेक्शन फॉर नेनोफ्लुइड फॉर ए ट्रेपोज़ाइडल एन्क्लोजर, कम्प्यूटेशनल एंड अप्लाइड मैथमेटिक्स (स्प्रिंगर जर्नल) , डीओआईः 10.1007 / 40314-018-0676-5।
3. दुलाल पाल, नेतई रॉय, ब्राउनी मोशन की भूमिका और नॉनलाइनियर थर्मल रेडिएशन ऑन हीट ट्रांसफर ऑन अ कैसन नैनोफ्लिड ओवर स्ट्रेचिंग शीट विथ स्लिप वेलोसिटी एंड नॉन-यूनिफॉर्म हीट

सोर्स / सिंक, जर्नल ऑफ नैनोफ्लुइड्स (अमेरिकन साइंटिफिक पब्लिशर्स) वॉल्यूम 8, पृ. 556-568, (2019)।

4. दुलाल पाल और सूर्यकांता मंडल, रासायनिक प्रतिक्रिया के प्रभाव और चुंबकीय क्षेत्र, बायोएनसाइंस (स्प्रिंगर जर्नल, वॉल्यूम) के साथ सूक्ष्मजीवों वाले नैनोक्लुइड के जैव-जल पर गैर-थर्मल थर्मल विकिरण पृ. 1065-1080, (2018)।

5. दुलाल पाल, नेतई रॉय, गैर-रैखिक ऊष्मीय विकिरण ठहराव का प्रवाह, गैर-ऊष्मा स्रोत / सिंक और चुंबकीय क्षेत्र के साथ एक बेलनाकार सतह की ओर कैसन नैनोफ्लुइड का प्रवाह, जर्नल ऑफ नैनोफ्लुइड्स (अमेरिकन साइंटिफिक पब्लिशर्स) वॉल्यूम- 8, पृ. 1201-1212, (2019)।

6. बिकास सी साहा, टी. आर महापात्रा और दुलाल पाल, एक ट्रेपेज़ोइडल एन्क्लोजर, नैनोफ्लुइड्स (अमेरिकन साइंटिफिक पब्लिशर्स) के जर्नल , वॉल्यूम के भीतर लिडो-चालित मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक डबल डिफ्यूसिव नेचुरल कन्वेक्शन ऑफ नैनोफ्लुइड में हीट और मास फ्लो, पृ. 817-829, (2019)।

7. बीकास सी. साहा, टी. आर महापात्रा और दुलाल पाल, हीटलाइंस के सिमुलेशन और एमएचडी डबल-डिफ्यूजिव नेचुरल कन्वेक्शन का विज़ुअलाइज़ेशन पोरस मीडियम के साथ संतृप्त, जे. नैनोफ्लुइड्स (अमेरिकी वैज्ञानिक प्रकाशक), वॉल्यूम - 8, पृ. 020-1033, (2019)।

8. दुलाल पाल और सूर्यकांता मंडल, रासायनिक प्रतिक्रियाशील पावेल की अस्थिर चुंबक प्रवाह असमान गर्मी स्रोत / सिंक और थर्मल विकिरण के साथ एक इच्छुक खींच चादर से अधिक सूक्ष्मजीवों होने जर्नल (अमेरिकन साइंटिफिक पब्लिशर्स), वॉल्यूम - 8, 703-713, (2019)।

9. दुलाल पाल और गोपीनाथ मंडल , मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक ऊष्मा और सिस्को नैनोफ्लुइड के बड़े पैमाने पर स्थानांतरण एक गैर रेखीय थर्मल विकिरण और संवहनी सीमा स्थिति के साथ एक स्ट्रेचिंग शीट अतीत में, जर्नल ऑफ़ नैनोम्लिड्स (अमेरिकी वैज्ञानिक प्रकाशक) वॉल्यूम। 8, पृ. 852-860, (2019)।

10. दुलाल पाल और सेवेली चटर्जी, मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक संवहन-विकिरण संबंधी डार्सी- फ़्रॅचाइमर गर्मी और सोरेट-डफ़र प्रभाव, कम्प्यूटेशनल थर्मल साइंसेज (बेगेल पब्लिशिंग हाउस), 2018 (प्रेस) के अस्तित्व में एक गैर-रैखिक खींच शीट पर एक तरल पदार्थ का बड़े पैमाने पर स्थानांतरण।)।

11. दुलाल पाल और गोपीनाथ मंडल, ऊष्मा विकिरण और गैर-समान ऊष्मा स्रोत / सिंक, कम्प्यूटेशनल थर्मल साइंसेज (बेगेल पब्लिशिंग हाउस), 2019 (प्रेस में) के साथ एक एक्सट्रूज़न स्ट्रेचिंग शीट पर नॉन-न्यूटोनियन जेफ्री नेनोफ्लिड का हीट और मास ट्रांसफर।)।

12. दुलाल पाल और गोपीनाथ मंडल, मैगनेटोहाइड्रोडायनामिक नॉनलेयर थर्मल रेडियेटिव हीट ट्रांसफर

ऑफ़ नैनॉफ्लुइड एक फ्लैट प्लेट पर एक ऊष्मीय प्लेट में जो ऊष्मीय चालकता और रासायनिक अभिक्रिया केअस्तित्व में है, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एम्बिएंट एनर्जी (टेलर एंड फ्रांसिस), 2019 (प्रेस में) ।

13. टीआर महापात्रा और एस. सिदुई, गैर-अक्षांकीय होमन ठहराव-बिंदु में अस्थिर गर्मी हस्तांतरण एक खींच / सिकुड़ती चादर की ओर बहता है, यूरोपीय जर्नल ऑफ मैकेनिक्स बी / तरल पदार्थ , वॉल्यूम। 75 (2019) 199-208।

14. टी आर महापात्रा और रुजदा परवीन, क्यूएच-वॉटर नैनोफ्लुइड के साथ भरा घुमावदार संलग्नक के भीतर एमएचडी प्राकृतिक संवहन में एन्ट्रापी जनरेशन, जे। नैनोफ्लुइड्स , वॉल्यूम 8 (5) (2019), 1051-1065।

15. दो प्री-वन प्रीडेटर मॉडल सिस्टम में प्रजातियों की गतिशीलता मदद के साथ, निजामुद्दीन अली, बेनुकर मोंडल, लक्ष्मी नारायण गिनी और संतब्रत चक्रवर्ती, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड कंपीटेशन, वॉल्यूम 29, नंबर 1, पृ. 106-121, सीज़र प्रकाशन, (2018)।

16. शिकार की कटाई के साथ पीछा-चोरी करने वाले सामान्यवादी शिकारी-शिकार मॉडल का स्पैटीओटेम्पोरल पैटर्न, लक्ष्मी नारायण गिनी, बेनुकर मोंडल और संतब्रत चक्रवर्ती, एप्लाइड नॉनलाइन डायनेमिक्स डायनामिक्स (जैंड), एल एंड एच साइंटिफिक पब्लिशिंग, खंड 7, नंबर 2, पीपी। 165-177, (2018)।

17. पैटर्निंग घटना, लक्ष्मी नारायण गिनी, हंकीबाईक, गणित और कंप्यूटर इन सिमुलेशन, वॉल्यूम 146, पीपी। 100-117, एल्सेवियर, (2018) से संबंधित पूर्व-निर्भर और अनुपात-निर्भर शिकारी-शिकार मॉडल केबीच तुलनात्मक अध्ययन।

18. क्रॉस- डिफ्यूज़न प्रभाव के साथ एक शिकारी-शिकार मॉडल में स्पेटियोटेम्पोरल पैटर्न, मुनियागाउंडरसंबथ, कृष्णन बालचंद्रन और लक्ष्मी नारायण गिनी , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिफुरेशन और कैओस (आईजेबीसी), वॉल्यूम। 28, नंबर 2, पीपी। 1830004 (12 पृष्ठ), विश्व वैज्ञानिक, (2018)।

19. रिफ्यूजी और नॉनिलियर कटाई, लक्ष्मी नारायण गिनी, एशिता दास और मुनियागाउंडरसंबथ दोनों के साथ प्रतिक्रिया-प्रसार प्रणालियों के आदान-प्रदान में अस्थिरता के माध्यम से पैटर्न गठन परिदृश्य ; 2018 (एप्लाइड नॉनलीनियर डायनामिक्स जर्नल साइंटिफिक पब्लिशिंग, वॉल्यूम 9, नंबर 1, मार्च, (2020) में प्रकाशन के लिए पांडुलिपि स्वीकार की गई।

20. निजामुद्दीन अली, कृष्णेंदु सरकार और लक्ष्मी नारायण गिनी के लिए क्रॉली-मार्टिन प्रतिक्रिया के साथ एक शिकारी-शिकार मॉडल; (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, सीज़र प्रकाशन) में प्रकाशन के लिए पांडुलिपि स्वीकृत।

21. शिकार के लिए क्यूयूआई की वृद्धि के साथ अनुपात पर निर्भर शिकारी-शिकार मॉडल, (2018) निजामुद्दीन अली, कृष्णेंदु सरकार और लक्ष्मी नारायण गिनी; (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, सीजर प्रकाशन, खंड 40, नंबर 2, फरवरी / मार्च, (2019) में प्रकाशन के लिए पांडुलिपि स्वीकार की गई ।

22. शिकार की कटाई के साथ एक शिकार दो शिकारियों का मॉडल, एन। अली और एस। चक्रवर्ती : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट, एक्सेप्टेड फॉर पब्लिकेशन (3 जनवरी, 2019)।

23. विषम ऊतक ऊतक केसाथ एक रोगी-विशिष्ट धमनी पोत में ड्रग-कोटेड बैलून डिलीवरी पर अंतरालीय द्रव प्रवाह का प्रभावः एक सिमुलेशन अध्ययन, सरीफुद्दीन और मंडल, पीके(2018), कार्डियोवास्कुलर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, वॉल्यूम। 9, पीपी। 251-267।

24. एक आदर्शवादी पट्टिका के माध्यम से वितरण और नशीली दवाओं की अवधारण आधा एम्बेडेड दवा-एल्यूटिंग स्टेंट, मंडल, एपी और से मंडल, पीके(2018), गतिशीलता और नियंत्रण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम। 6, पीपी 1183-1193।

25. सोरेट और डफ़ोर प्रभाव, मोंडल, एस, सिबांडा, पी, मंडल, पीके और मूर्ति, पीवीएसएन (2018) के साथ साइनसॉइडल सीमा स्थितियों के साथ दो-तरफा ढक्कन-चालित झुका हुआ झरझरा बाड़े में अस्थिर डबल-विसारक प्राकृतिक संवहन। तरल पदार्थ के भौतिकी और रसायन विज्ञान, 10.1080 / 00319104.2018.1464164।

26. स्टेंट आधारित डिलीवरी, साहा, आर. और मंडल, पी. के में समय पर निर्भर रिलीज़ कैनेटीक्स की मॉडलिंग करना। (201) जर्नल ऑफ एक्सप्लोरेटरी रिसर्च इन फार्माकोलॉजी, वॉल्यूम। 3 पीपी 61-70।

27. एथेरोस्क्लेरोटिक पट्टिका, साहा, आर. और मंडल, पीके (2018), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डायनामिक्स एंड कंट्रोल, वॉल्यूम -6, पीपी. 1-13 के माध्यम से स्टेंट-आधारित डिलीवरी पर प्रवाह पल्सेटिलिटी और समय-निर्भर रिलीज़ कैनेटीक्स का प्रभाव।

28. एक असतत-समय शिकारी-शिकार सिस्टम साहेब पाल, निखिल पाल, जोयदेव चट्टोपाध्याय में शिकार सहयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिफुरेशन एंड कैओस, वर्ल्ड साइंटिफिक, 28 (7): 1850083 (2018) 22 पेज।

29. जेड-प्रकार के नियंत्रण अब्दुल्ला के। अलझारानी, अली सालेह अलशोमरानी, निखिल पाल, सुदीप सामंता के साथ एक पर्यावरण-महामारी विज्ञान मॉडल का अध्ययन। कैओस, सोलिटन्स एंड फ्रैक्टल्स, एल्सेवियर, 113: 197-208 (2018) 12 पेज।

30. कमजोर आलसी प्रभाव साहेब पाल, सौरव के. ससमल, निखिल पाल के साथ एक असतत-समय शिकारी-शिकार मॉडल में अराजकता नियंत्रण। एनएएल जर्नल, विश्व केवैज्ञानिक, 11 (7): 1,850,089 26 पृष्ठों

31. रोग और विलंब के साथ एक सहजीवी प्रणाली का अध्ययन, कुसुमिका कुंडू, सुदीप सामंता। पीयूष पांडे, निखिल पाल, क्यूजेए खान, जॉयदेव चट्टोपाध्याय। नॉनलाइनियर स्टडीज, कैम्ब्रिज साइंटिफिक पब्लिशर्स, 25 (3): 535-557 (2018) 22 पेज।

32. एक असतत-समय पर भक्षी-प्रेय प्रणाली कुसुमिका कुंडू, साहेब पाल, सुदीप सामंत, अनिर्बान सेन, निखिल पाल में भय प्रभाव का प्रभाव। कलकत्ता मैथमैटिकल सोसाइटी के बुलेटिन, सीएमएस, 110 (3): 245-264 (2018) 20 पृष्ठ।

33. प्रिडेटर स्विचिंग (कॉन्फ्रेंस पेपर) साहेब पाल, मैनुल हुसैन, सुदीप सामंता, निखिल पाल के साथ टू प्री एंड वन प्रीडेटर सिस्टम में अराजकता नियंत्रण। बुद्धिमान प्रणालियों और कम्प्यूटिंग, स्प्रिंगर, उन्नत कम्प्यूटेशनल और संचार प्रतिमानों में अग्रिम : 435-441।

34. इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रूप से प्रेरित पारदर्शिता और वेग पर एक अध्ययन चयनात्मक रूप से एक आठ-स्तरीय उल्टे परमाणु प्रणाली अरिंदम घोष, खैरुल इस्लाम, सुमन मोंडल, दीपांकर भट्टाचार्य, निखिल पाल, अमिताव बंद्योपाध्याय में अवशोषण को पंप करता है। जर्नल ऑफ फिजिक्स बीः परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी, विज्ञान, 51 (14): 145501 (2018)।

35. सुपरएक्टोरल प्लास्मा, एस चौधरी, एल मंडी और पी चटर्जी, फिज में आयन ध्वनिक तरंगों पर बाहरी रूप से लागू आवधिक बल का प्रभाव। प्लाज्माओं 25 (4): 042,112 (2018)।

36. धूल के प्लाज्मा में धूल आयन ध्वनिक तरंगों के लिए धूल के दाने और आयनों के बीच टक्कर प्रभाव पर टिप्पणी करें। प्लाज्माओं 19, 103,705 (2012), एल मंडी, एक साहा और पी चटर्जी, भौतिकी। प्लाज्माओं 25 (8): 084,701 (2018)।

37. थ्री-सोलिटॉन इंटरेक्शन और सोलिटन टर्बुलेंस इन सुपरथर्मल डस्टी प्लास्मास, आर अली और पी चटर्जी, ज़िट्सच्रिफ्ट फर नेचुरफोर्शचुंगा (2019)।

38. एक अर्ध-बाउंडेड मासलेस डायराक प्लाज्मा, एम। शाहमंसूरी, आर. अबोल्टमन और ए. पी. मिश्रा , फिज में सरफेस प्लास्मोंस। लेट्ट। एक 382 , 2133-2136 (2018)।

39. एक मध्यवर्ती मैग्नेटोप्लाज्मा, डी। चटर्जी और एपी मिश्रा, भौतिकी में गतिज अल्फवेन तरंगों का मॉड्यूलेशन । प्लाज्मा , 25, 052,121 (2018)।

40. एक सापेक्ष प्लाज्मा, एपी मिश्रा और डी। चटर्जी, भौतिकी में बिखरे हुए अस्थिरता। प्लाज्माओं 25, 062,116 (2018)।

41. एक इलेक्ट्रॉन-पॉज़िट्रॉन-आयन प्लाज्मा में एक सापेक्ष सापेक्ष पॉज़िट्रॉन बीम, आर. शर्मा, एपी मिश्रा , और एनसी अधिकारी, आयन-ध्वनिक एकान्त तरंगें। भौतिकी बी 27, 105207 (2018)।

42. एच नटीक, एस बनर्जी, ए पी मिश्रा और एम आर एम सैद का उपयोग करके प्लाज्मा पट्र्बयूशन मॉडल में तितली आकर्षित करने वाले को अराजकता, सोलिटन्स और फ्रेक्टल्स (2019) में प्रदर्शित करने के लिए। 10.1016 / 2019.03.009।

43. वायुमंडल में ध्वनिक-गुरुत्वाकर्षण तरंगों के डायनामिक गुण, ए. रॉय, एस. रॉय और एपी मिश्रा, जे. एटमोस। सौर-स्थलीय भौतिकी। 186, 78-81 (2019)।

44 अराजकता आधारित ऊर्ध्वाधर-गुहा सतह उत्सर्जक पराबैंगनी किरण, ए. रॉय का उपयोग कर छवि एन्क्रिप्शन एपी मिश्रा और एस बनर्जी, 176, 119-131 (2019)।

45. टी. गरई और एस. रे, ए पेरोन टाइप इंटीग्रल यूज़ लैपल्स डेरिवेटिव, गणित समाज।, 110, (1) 5-10 (201)।

46. एस रे और एस घोष, कुछ उच्च क्रम सामान्यीकृत डेरिवेटिव्स के बीच संबंध बुलेटिन ऑफ द इलाहाबाद मैथमेटिकल सोसाइटी, वॉल्यूम 33, भाग 2 2018, 195-209।

47. एस गोल्डर और एस रे, सॉफ्ट रिंग और सॉफ्ट आइडियल का एक शास्त्रीय दृश्य एप्लाइड साइंस और कम्प्यूटेशन, वॉल्यूम का जूनियर। अंक मार्च 2019।

48. समग्र और मर्माकारक कार्यों के विकास पर, दिब्येंदु बनर्जी और मिथुन पालन, बुल काल। गणित। सोस ।, 110 (4), (2018), 323-332।

50. गोल्डीबर्ग कई चर के संपूर्ण कार्यों का आदेश, दिब्येंदु बनर्जी और सिमुल सरकार, इलाहाबाद गणितीय सोसायटी के बुलेटिन में स्वीकार किए जाते हैं।

51. सुप्रिया मंडल, एमएम पांजा, संतनु रे, ऑन सॉल्यूशंस और कुछ लोटका - वोल्त्रा सिस्टम के हेटेरोक्लिनिक ऑर्बिट्स, जे एड मठ 14, 7851- 7859 (2018)।

52. प्रकाश कुमार दास, सुप्रिया मंडल, एमएम पांजा , पीसवाइज स्मूथ सॉल्यूशन और आरसीएएम, मठ द्वारा सामान्यीकृत लीनियर समीकरण और कुछ आंशिक अंतर समीकरणों की संरक्षित मात्रा । एससी । 41 (17) 7869-7887 (2018)।

53. प्रकाश कुमार दास, देवव्रत सिंह, एम एम पांजा, समाधान और तेजी से संसृत सन्निकटन विधि का उपयोग करके बिस्वास- समीकरण के संरक्षित मात्रा 174, 433-446 (2018)।

54. प्रकाश कुमार दास, देवव्रत सिंह, एमएम पांजा, कुछ डफिंग के सटीक बंद-रूप अनुमानित समाधान के लिए एक कुशल योजना- और लियोनार्ड-प्रकार के समीकरण, जे. एड. मठ । 16 , 8213-8225 (2019)।

55. सुप्रिया मंडल, देवव्रत सिंह, एमएम पांजा, संशोधित त्रुटि समारोह के अनुमोदन-क्षीणन में सुधार पर एक नोट, जे. एड. गणित। कम्प । एससी। 30, 1-13 (2019)।

56. स्वराज पॉल, एमएम पांजा, बीएन मंडल, प्रेस कंप में, लिजेंड मल्टीवेटलेट का उपयोग करके सामान्यीकृत कर्नेल के साथ पहले तरह के विलक्षण अभिन्न समीकरण का अनुमानित समाधान। गणित। 10.1007 / 40314-019-0770-3 (2019)।

57. फंक्शन अप्रूवल के रूप में एक समानता आधारित फजी सिस्टम, असीम पाल, इंजमाम उल करीम और स्वपन राहा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंस साइंस, 8, 89-116 (2018)।

58. अंतर्ज्ञानवादी फजी रेखीय प्रोग्रामिंग समस्या का समाधान, अर्पिता कबीराज, प्रसून कुमार नायक और स्वपनरहा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंस साइंस, 9, 44-58 (2019)।

59. पी तमांग, टी बैग, ऑन फजी कोन नॉर्मल लाइनर स्पेसेस और फजी कोन बाउंड ऑपरेटर्स, द जर्नल ऑफ फजी मैथमेटिक्स, वॉल्यूम 26 (1) (2018) 219-230।

60. जी रानो, टी बैग, फ़ज़ी क्वैसी-मीट्रिक स्पेस, द जर्नल ऑफ़ फ़ज़ी मैथमेटिक्स, वॉल्यूम। 26 (1) (2018) 231-238।

61. एस घोषाल, टी बाग, फज़ी हिल्बर्ट एडजॉइंट ऑपरेटर और इसके गुण, एनल्स ऑफ़ फ़ज़ी मैथमेटिक्स एंड इंफॉर्मेटिक, वॉल्यूम। 15 (3) (2018) 297-307।

62. ए. मजूमदार, टी बाग , फ्यूजी मैट्रिक स्पेसेस और कैंटर के अंतर्ग्रहण प्रमेय, फजी गणित में अग्रिम, वॉल्यूम 14 (1) (2018) 49-58।

63. एस चटर्जी, टी बाग, एस के सामंता, जी-फज़ी नॉर्स्ड स्पेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, वॉल्यूम पर कुछ परिणाम। 120 (5) (2018) 1295-1320।

64. पी तमांग, टी थैला, फजी शंकु आदर्शित रैखिक स्थान में अपघटन प्रमेय, फजी गणित की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, वॉल्यूम। 13 (2) (2018) 227-243।

65. एस घोषाल, टी बाग, फज़ी रियल सीस्किलिनियर रूप और इसके गुण, फजी गणित की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, वॉल्यूम। 13 (2) (2018) 245-270।

66. एस. घोषाल, टी. बाग, फज़ी सेसक्विलाइनर फॉर्म और उसके गुण, फिलिस्तीन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, वॉल्यूम 8 (1) (2019) 23-34।

67. ए मजुमदार, टी. बाग, फजी कोन मेट्रिक स्पेसेस पर कुछ परिणाम, द जर्नल ऑफ़ फज़ी मैथमेटिक्स , वॉल्यूम 27 (1) (2019) 217 -228।

68. अनिर्बान कुंडू, टी बाग, शेख नाज़मुल, सामान्यीकृत रैखिक अंतरिक्ष का एक नया सामान्यीकरण, टोपोलॉजी और इसके अनुप्रयोग, वॉल्यूम। 256 (2019) 159-176।

पूर्ण / चालू अनुसंधान परियोजनाः

(ए) पूराः

i. मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट जिसका शीर्षक प्लास्मा में मल्टीस्केल्स पर नॉनलाइनियर तरंगें और अस्थिरताएं हैं। पीआईः डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा वित्त पोषण एजेंसीः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), भारत। अनुदान स्वीकृतः रु. 7,65,000 अवधिः 01.07.2015 से 30.06.2018।

(ड) चालू / स्वीकृत

तीन साल की अवधि के लिए विद्युत चुम्बकीय सॉलिटंस और प्लासमा में नॉनलाइनर लांडौ डम्पिंग शीर्षक से प्रमुख शोध परियोजना (स्वीकृत आदेश / फ़ाइल संख्या सीआरजी / 2018/004475)। पीआईः अमर प्रसाद मिश्रा फंडिंग एजेंसीः साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), भारत। अनुदान मंजूरः रु. 19,14,948.00 (स्वीकृत)।

विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद

विभाग को 01.04.2015 से 31.03.2020 के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी-डीआरएस चरण) के लिए सिफारिश की गई है। अनुदान राशि रु. 1,39,50,000.00।

इसके अलावा, विभाग को डीएई, भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त होती रही है। विभागीय पुस्तकालय के विकास के लिए एनबीएचएम के माध्यम से।

प्राणीशास्त्र विभाग

यूजीसी-सीएसआईआर-नेट/एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः

(i) यूजीसी-सीएसआईआर-नेट : सुदेशना मंडल (सीएसआईआर नेट-जेआरएफ); श्रीजाता कामिला (सीएसआईआर नेट-जेआरएफ); अजय कुमार मोहराना (यूजीसी-नेट-एलएस)

(ii) गेटः अनन्या चटर्जी, परमिता माजी

विभागीय सेमिनार

1. 06-07.04.2018। मछली प्रजनन जैव प्रौद्योगिकी पर बुद्धिशीलता सत्र पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं।
2. डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, डब्ल्यूबीएसओ के सहायक प्रबंधक डॉ. कुलदीप रॉय ने कैसे एक बाहरी जीवविज्ञानी बनें पर बात की।
3. डॉ. पी के अग्रवाल, एडीजी, नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस फंड, नई दिल्ली ने मार्कर असिस्टेड ब्रीडिंग फ़ॉर फ़ूड एंड न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी पर बात की।
4. 24.03.2019। आधुनिक जीवविज्ञान में रुझान पर दो दिवसीय कार्यशाला-सह-राष्ट्रीय संगोष्ठी : तकनीक और अनुप्रयोग, जूलॉजी विभाग, भारत-कोलकाता, भारत के सहयोग से विश्वभारती द्वारा आयोजित

विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक अंतर

यूजीसी, द्वारा मान्यता प्राप्त। अप्रैल 2007 से सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के रूप में । 1 सेंट कैस सफलतापूर्वक अप्रैल 2007- मार्च 2012 के दौरान पूरा किया गया 2 के बाद मार्च 2017 विभाग 3 के लिए आवेदन तैयारी कर रहा है अप्रैल से कैस वां कैस के चरण। विभाग डीएसटी-एफआईएसटी स्तर द्वारा समर्थित है।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं / विशेषज्ञ व्यक्तिः

संतनु राय

07.07.2018 से 08.07.2018 : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पटना, बिहार द्वारा आयोजित गणितीय जीवविज्ञान के राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान। प्रस्तुति का शीर्षक सिमुलेशन मॉडलिंग की कलाः सुंदरन और मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में गतिशील और स्थैतिक मॉडलिंग।

24.07.2018 से 07.11.2018 तक : सेंटर फॉर क्लाइमेट एंड एनवायरनमेंटल स्टडीज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित लैंड-ओशन-एटमॉस्फियर इंटरेक्शन, ग्रीनहाउस गैसों और तटीय प्रक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में डी ने एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।), कोलकाता, पश्चिम बंगाल। प्रस्तुतियों का शीर्षक सिमुलेशन मॉडलिंग की कलाः गतिशील और स्थैतिक मॉडलिंग और सुंदरबन मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में उनके अनुप्रयोग और सिस्टम पारिस्थितिकी - इनपुट-आउटपुट विश्लेषण से एनएआरआर तक की यात्रा।

03.09.2018 से 04.09.2018 : इंडियन जेएसपीएस एलुमनी एसोसिएशन और भौतिकी विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीवन विज्ञान के सत्र में अनुमानित पोस्टर प्रस्तुतियाँ ।

14.02.2019 से 16.02.2019 तक : भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 6 वें भारत जैव विविधता मीट 2019 में आयोजकों में से एक ने पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के लिए न्यायाधीश के रूप में काम किया।

21.03.2019 : राष्ट्रीय पर्यावरण अनुसंधान संस्थान, डेगू, कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया) द्वारा आयोजित विश्व जल दिवस की 27 वीं वर्षगांठ के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित। प्रस्तुति का शीर्षक जलीय पारिस्थितिक तंत्र का आकलन और प्रबंधन करने के लिए विभिन्न मॉडलिंग दृष्टिकोण।

दीपक कुमार मंडल

03.01.2019 से 04.01.2019 : प्रो. एस. के. मैत्रा मेमोरियल लेक्चर, गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ट्रेंड इन जूलॉजी पर जूलॉजी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान द्वारा आयोजित किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक एक कार्प, लेबेओबेटा (हैमिल्टन) में वृषण परिपक्वता पर नोनीफेनॉल एथोक्सिलेट के सुब्लेटल एक्सपोज़र का प्रभाव।

समर कुमार साहा

20.12.201 से 21.12.201 :: 3 आरडी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 201 21 में एक सत्र की अध्यक्षता की, जो कि उच्च शिक्षा विभाग, प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार और सिद्धोन्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित किया गया था।

03.01.2019 से 04.01.2019 तक : डी ने बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान विश्वविद्यालय, जूलॉजी विभाग द्वारा आयोजित जूलॉजी में रुझान पर स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया । प्रस्तुति का शीर्षक संबंध और परासुरान मछली परजीवी सपा के परजीवी अनुकूलन।

लारिशा एम लिंडम

03.09.2018 से 04.09.2018 : इंडियन जेएसपीएस एलुमनी एसोसिएशन और भौतिकी विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जीवन विज्ञान के सत्र में अनुमानित पोस्टर प्रस्तुतियाँ ।

सुदीप्त मैत्रा

04.01.2019 : जूलॉजी विभाग, द यूनिवर्सिटी ऑफ़ बर्दवान, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में गोल्डन जयंती इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेंड्स इन जूलॉजी में एक आमंत्रित व्याख्यान को समाप्त किया। प्रस्तुति का शीर्षक माउस मैक्रोफेज ध्रुवीकरण का इंसुलिन मॉड्यूलेशनः सिग्नलिंग कैस्केड के सापेक्ष महत्व

06.01.2019 से 09.01.2019 : नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, भारत द्वारा आयोजित तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी और फिजियोलॉजी पर नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान को समाप्त किया। प्रस्तुति का शीर्षक नाइट्रिक ऑक्साइड की शारीरिक प्रासंगिकता टेलीकोस्ट में डिम्बग्रंथि कूप के भीतर अंतरकोशिकीय संचार में मध्यस्थता चक्रीय न्यूक्लियोटाइड का संकेतः एक मिथक या वास्तविकता?

राकेश कुंडू

2.11.201 से 31.11.201 :: सांख्यिकी, विश्वभारती, शांति निकेतन विभाग द्वारा आयोजित मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च – लर्निंग विद सॉफ्टवेअर (डब्लूएसडीएमआर) में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

01.12.201 से 04.12.201 04: दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी में संक्षिप्त बातचीत। प्रस्तुति का शीर्षक अग्नाशयी बीटा-कोशिकाओं से स्रावित होता है जो आइलेट की सूजन और हाइपरलिपिडेमिक स्थिति में बीटा-कोशिकाओं की मृत्यु होती है।

प्रकाशन

पुस्तकें और पुस्तक अध्यायः

1. पारिस्थितिकी का विश्वकोश 2सरा संस्करण, संपादक ब्रायन डी फथ, संतनु रे, उर्सुला शॉर्लर, हेइडी पेथब्रिज, ज़ेहुआ लियू, लाओल पैरोट, टोड स्वानैक, जान विमाजल, ब्रेग्ज वर्थिम, हिना मार्टिन्स, अनास्तासिया स्वेजेसेवा-हॉपकिंस, मिमोनबैस्टियनोनी, सोरेन नेल्स नील्स। ऑक्सफोर्ड-एल्सेवियर, 2018, पृष्ठ 2780।
2. जोइता मुखर्जी और संतनु रे पारिस्थितिकी के विश्वकोश, 2 एनडी संस्करण, एल्सेवियर, 2018 में बायोगेकेमिकल मॉडल । /10.1016/ए978-0-12-409548-9.11180-7 ।
3. अर्नब बनर्जी, नबेंदु रक्षित और संतनु रे पारिस्थितिकीय विज्ञान के एनसाइक्लोपीडिया में स्ट्रक्चरल

डायनामिक मॉडल, 2 एन डी संस्करण, एल्सेवियर, 2018। 10.1016/ ए 978-0-12-409548-9.11202-3 ।

4. अर्नब बनर्जी और संतनु रे। पारिस्थितिकी के विश्वकोश, 2 एनडी संस्करण, एल्सेवियर, 2018 में स्थानिक मॉडल और जीआईएस। 10.1016/ ए 978-0-12-409548-9.11237-0 ।

5. ईनेज़रबोनह, फहद अल बसीर और संतनु रे। औद्योगिक गणित और जटिल प्रणाली, स्प्रिंगर वर्लग, 2019 (प्रेस में) में देरी के साथ तपेदिक के एक गणितीय मॉडल में हॉफ द्विभाजन।

न्यूज़लेटर्सः 02

1) बिस्वास एस, मुखर्जी यू और मैत्र एस. एंडोक्राइन डिसऑर्डर एंड फीमेल रिप्रोडक्टिव हेल्थः एंडोक्राइन एंड ऑटोक्राइन / पैरासरीन एक्सस इन द ओवरी में अंतर (2019) इंडियन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी न्यूज़लैटर (आईएसएसएन 2395-2806) .सुविधाएँ 23, पृ. 42-45।

2) घोष एस और मुखर्जी एस. मोटापा और पुरुष प्रजनन दोष के बीच की कड़ी (2019) इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी न्यूज़लैटर (आईएसएसएन 2395-20006)। 23 साल, पीपी 109-111।

(i) शोध पत्र (लेखक, पत्र का शीर्षक, पत्रिका, खंड संख्या, पृष्ठ)

1) मुखर्जी एस. जोआर्डार एन. सेनगुप्ता एस और सिन्हा बाबू एसपी, सूजन और संक्रामक रोगों के इलाज में भविष्य के उपचार के रूप में सूक्ष्मजीवियों : हाल के निष्कर्षों से सबक (2018) जर्नल ऑफ न्यूट्रीशनल बायोकैमिस्ट्री , वॉल्यूम 61, पीपी 111-128।

2) मुखर्जी एन, जो अदर एन सिन्हा बाबू एसपी, प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों प्रेरित एपोप्टोसिस के माध्यम से एज़ादिरैचिन की एंटीफिलरियल गतिविधिः सेटरियावेरी पर एक पूरी तरह से आणविक अध्ययन (2018) जर्नल ऑफ हेलमिनथोलॉजी, वॉल्यूम 93, पीपी 519-528।

3) मुखर्जी एस, जोर्डर एन, मोंडल एस, शिफर ए, फाइफर के. होरेफ ए और सिन्हा बाबू एसपी, क्विनोलोन-फ्यूज्ड साइक्लिक सल्फोनामाइड एक उपन्यास सौम्य द्विधात्वीय एजेंट के रूप में (2018) वैज्ञानिक रिपोर्ट, वॉल्यूम। 8, नहीं। 1, पीपी 12073।

4) रॉय एएस, जो अदर एन, मुखर्जी एस, चौधरी एचआर और सिन्हा बाबू एसपी, पॉलीफेनोल ने कजानसुकाबैबाइड्स (एल) के इथेनोलिक अर्क को समृद्ध किया जो ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रोग्राम्ड सेल डेथ को प्रेरित करके एंटीफिलरियल गतिविधि को नियंत्रित करता है (2018) प्लोस वन, वॉल्यूम वन 13, नहीं 12, पीपी। 0208201

6) घोष डी, डे ए, धीबर एस, मुखर्जी एस, जोरावर एन, सिन्हा बाबू एसपी और डी बी ग्रेफीन ऑक्साइड

ने अतिविशिष्ट, रोगाणुरोधी, कोशिका लगाव और इंट्रासेल्युलर इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए सुपरिनामोलेक्युलर हाइड्रोजेल कैप्ड सौम्य हरे चांदी नैनोकणों को फैलाया। (2019) जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स, वॉल्यूम 282, पीपी 1-12।

7) बसीर एफए, वेन्टुरिनो ई, रे संतनु और रॉय पीके। खेती जागरूकता का प्रभाव और जटरोफा कर्क रोपण में मोज़ेक रोग की गतिशीलता पर देरी (2018) एप्लाइड गणित और संगणना, वॉल्यूम। 337, पीपी 372-385।

8) बसीर एफए, रे संतनु और वेन्टुरिनो ई। मीडिया कवरेज की भूमिका और संक्रामक रोगों को नियंत्रित करने में देरीः एक गणितीय मॉडल (2018) एप्लाइड गणित और कम्प्यूटेशन, वॉल्यूम। 337, पीपी। 372-385।

9) बसीर एफए, ब्यूलस केबी और रे संतनु । जेट्रोफा करकस की पच्चीकारी बीमारी को नियंत्रित करने के लिए जागरूकता आधारित हस्तक्षेप के प्रभावों का मॉडल बनाना (2018) पारिस्थितिक जटिलता, वॉल्यूम। 36, पीपी। 92-100।

10) मंडल एस, पांजा एमएम और रे संतनु। समाधान और कुछ लोटका-वोलेस्ट्रा सिस्टम केहेटेरोक्लिनिक कक्षाओं पर (2018) जर्नल ऑफ एडवांस इन मैथमेटिक्स, वॉल्यूम। 14, नहीं। 2, पीपी 1-9।

11) महमद एम, मुखर्जी जे, जैक्विन एल, मुखर्जी डी, मित्रा पी, रे संतनु और चक्रवर्ती एस.बी. एसिड और आसमाटिक तनाव और गुप्पीज़ में बलगम निकालने के प्रभाव के लिए शारीरिक और व्यवहारिक प्रतिक्रियाएं (2018) इकोटॉक्सीकोलॉजी और पर्यावरण सुरक्षा, वॉल्यूम। 163, पीपी। 37-46।

12) बनर्जी ए, चक्रवर्ती एम, रक्षित एन, भौमिक एआर और रे संतनु। विघटित ऑक्सीजन एकाग्रता और ज़ोप्लांकटन बहुतायत के संकेतक के रूप में पर्यावरणीय कारकः पारंपरिक प्रतिगमन दृष्टिकोण बनाम गहन सीखने (2018) पारिस्थितिक संकेतक, वॉल्यूम। 100, पीपी 99-117।

13) मुखर्जी जे, करण एस, चक्रवर्ती एम, बनर्जी ए, रक्षित एन और रे सतनु। हुगली-मटला एस्टुरीन सिस्टम, भारत में लागू पारिस्थितिक नेटवर्क विश्लेषण के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र ट्राफिक स्थिति और स्वास्थ्य की मात्रा के प्रति दृष्टिकोण (2018) पारिस्थितिक संकेतक, वॉल्यूम। 100, पीपी। 55-78।

14) कुंडू एस, मुखर्जी जे, यस्मीन एफ, बसु एस, चट्टोपाध्याय जे, रे संतनु और भट्टाचार्य एस. और प्रारंभिक स्थिर व्यवहार में इनोकुलम आकार में परिवर्तन के साथः एक मॉडलिंग दृष्टिकोण (2018) वर्तमान विज्ञान, वॉल्यूम। 115, नहीं। 12, पीपी 2275-2286।

15) बसीर एफए, बनर्जी ए और रे संतनु। फसल कीट प्रबंधन में कृषि जागरूकता की भूमिका - एक गणितीय मॉडल (2019) जर्नल ऑफ थियोरेटिकल बायोलॉजी, वॉल्यूम। 461, पीपी। 59-67।

16) रक्षित एन, बसीर एफए, बनर्जी ए और रे संतनु। प्लांट मोज़ेक रोग के प्रसार की गतिशीलता और वैकल्पिक जैविक नियंत्रण के रूप में घूमने की उपयोगिता (2019) पारिस्थितिक जटिलता, वॉल्यूम। 38, पीपी 15-23।

17) मुखर्जी जे, भौमिक एआर, घोष पीबी और रे संतनु । हुगली मुहाना, भारत की कार्बन साइकिलिंग में कूड़े के बायोमास की निर्भरता पर पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव (2019) पारिस्थितिक सूचना विज्ञान (प्रेस में)।

18) शॉ पी, मंडल पी, बंद्योपाध्याय एक और चट्टोपाध्याय एक, क्रोमियम का पर्यावरण की दृष्टि से प्रासंगिक एकाग्रता के जिगर में संबंधित जीन की प्रतिलेखन को सक्रिय करता है, वॉल्यूम। 214, पीपी। 35-46।

19) रॉय के. मंडल डीके, घोष पी और मजुमदार एस पुरुष भारतीय नाबालिग कार्प लेबियोबेटा (हैमिल्टन, 1822) का वार्षिक प्रजनन चक्र (2018) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिव्यू , वॉल्यूम। 7, पीपी। 556-564।

20) रॉय कश्मीर और मंडल डीके। न्यूक्लियोफेनोल एथोक्सिलेट के एक्सपोज़र द्वारा भारतीय माइनर कार्प, लेबियोबेटा की तीव्र विषाक्तता अध्ययन और व्यवहारिक प्रतिक्रिया (2018) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च इन बायोलॉजिकल साइंसेज , वॉल्यूम। 5, नहीं। 4, पीपी। 55-60। 10.26438/4.5560

21) घोष एस और मंडल डीके। रोहू, लेबेओरोहिता (हैमिल्टन) के यौगिक आहार में मछुआरों के विकल्प के रूप में एक छोटे सींग वाले टिड्डे, ऑक्साहाहिलाहा (सर्विल) भोजन का पोषण संबंधी मूल्यांकन (2019) बेसिक एंड एप्लाइड जूलॉजी (स्प्रिंगर), वॉल्यूम। 80, पीपी। 28-36। /10.1186/41936-019-0104-4।

22) शब्बीर एम, सिंह एम, मैती एस, कुमार एस और साहा एसके घरेलू सीवेज से अलग किए गए बैक्टीरिया का उपयोग करके ऑर्गेनो-फॉस्फोरस कीटनाशक का निष्कासन अधिनियमन (2018) 263, पीपी 280-288।

23) उकील बी, कुंडू एस और लिंडम एलएम। न्यूरोट्रांसमीटर के कार्यात्मक इमेजिंग प्रकाश और माइक्रोस्कोपी के माध्यम से सेना संयंत्र के साथ इलाज किया (2018) माइक्रोस्कोपी और माइक्रोएनालिसिस 10.1017 / 149192761801526

24) उकील बी, रॉय एस, नंदी एस और लिंडम एलएम। सेना संयंत्र के माइटोकॉन्ड्रिया पर विघटन को प्रेरित करता है (2018) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज 05.1005 / 00136-01-2456-2।

25) पाल एस, नाथ पी, दास डी, हाजरा एस और मैत्रा एस. माउस मैक्रोफेज में इंसुलिन सिग्नलिंग और एलपीएस प्रतिक्रियाओं के बीच क्रॉस-टॉक (2018) आणविक और सेलुलर एंडोक्रिनोलॉजी, वॉल्यूम। 476, पीपी। 57-69।

26) पाल एस, नाथ पी, विश्वास एस, मुखर्जी यू और मैत्रा एस. अभिव्यक्ति और लिपोपॉलीसेकेराइड-उपचारित चूहे प्लीहा मैक्रोफेज में ध्रुवीकरण करता है (2019) पर्यावरण सुरक्षा, 174, पीपी। 574-583।

27) दास एस, मुखर्जी यू, पाल एस, मैत्रा एस और साहू पी। नाइट्रोफिनाइल प्रेरित समन्वय द्वारा अल 3 आयनों का चयनात्मक संवेदनः ज़ेब्राफिश मस्तिष्क के ऊतकों में इमेजिंग (2019) ओरियो बायोमोल केम, वॉल्यूम। 17, सं। 21, पीपी। 5230-5233

28) नाथ पी और मैत्रा एस डिम्बग्रंथि कार्यों में नाइट्रिक ऑक्साइड की शारीरिक प्रासंगिकताः एक सिंहावलोकन (2019) सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्रिनोलॉजी, वॉल्यूम। 279, पीपी। 35-44।

29) कुंडू आर और मुखूट ए, लिप्यूइन ए- लिपिड-इंडिकेटेड आइलेट डिसफंक्शन और- सेल एपोप्टोसिस (2018) मधुमेह, वॉल्यूम में एक प्रमुख खिलाड़ी। 67, अनुपूरक 1, पीपी। 2466-पब।

30) रॉय डी, फौजदार सी, मुखूट ए, पाल एस, मोंडल एमके. कुंडू आर, चौधरी पी, सेल इमेजिंग के लिए दोहरी उत्सर्जक सिलिकॉन क्वांटम डॉट का संश्लेषणः अल्फा 2-एचएस-ग्लाइको प्रोटीन का प्रत्यक्ष लेबलिंग (2019) बायोकॉन्जुगेट रसायन विज्ञान (एसीएस ऑनलाइन), 2019।

31) करमाकर ए. मल्लिक टी, फौजदार सी, मुखूट ए, कुंडू आर और बेगम एनए, एंटीऑक्सिडेंट फ्लेवोन फ़ंक्शनल फ़्लोर फ्लोरोसेंट और बायोकम्पैटिबल मेटल नैनोपार्टिकल्सः सेल इमेजिंग एजेंटों के रूप में उनकी प्रभावकारिता का वर्णन करता है (2019) नैनो-स्ट्रक्चर्स और नैनो-ऑब्जेक्ट्स (इन -ऑब्जेक्ट्स) दबाएँ)।

32) चट्टोपाध्याय एम, मुखर्जी एस, चटर्जी एसके. चट्टोपाध्याय डी, दास एस, मजुमदार एसएस, मुखोपाध्याय एस, मुखर्जी एस और भट्टाचार्य एस। लिपिड से प्रेरित एडिपोसाइट में लिपिड से प्रेरित एनर्जी सेंसर, एसआईआरटी 1 और एएमपीकेका नियंत्रण है। (2018) सेलुलर सिग्नलिंग, वॉल्यूम। 42, पीपी.67-76।

33) घोष एस और मुखर्जी एस. लंबे समय तक उच्च वसा वाले आहार खिलाने पर चूहों में वृषण जनन कोशिका एपोप्टोसिस और शुक्राणु दोष (2018) जर्नल ऑफ़ सेल्युलर फिजियोलॉजी, वॉल्यूम। 233, पीपी। 6896-6909।

34) मुखर्जी एस, दास एस, चट्टोपाध्याय डी, सरकार एस, चटर्जी एसके. तालुकदार डी, मुखर्जी एस,

मजुमदार एस एस, मुखोपाध्याय एस, चौधुरी एमके और भट्टाचार्य एस। मोटापे से ग्रस्त मधुमेह के चूहों में मैक्रोफेज संचय और ध्रुवीकरण की गति। इंसुलिन संवेदनशीलता में काफी सुधार हुआ (2018) बायोकेमिकल और बायोफिज़िकल रिसर्च कम्युनिकेशंस, वॉल्यूम। 501, पीपी। 771-778।

35) मोंडल एस, घोष एस, भट्टाचार्य एस और मुखर्जी एस. डायथाइल फ़ाथलेट के निचले स्तर के जीर्ण आहार प्रशासन से मुरब्बा वृषण रोगाणु कोशिका की सूजन और शुक्राणु विकृति उत्पन्न होती हैः ऑक्सीडेटिव तनाव का समावेश (2019) कीमोस्फेयर, वॉल्यूम। 229, पीपी। 443-451।

36) मलिक सी, चटर्जी एस भट्टाचार्य एस सुरेश वी.आर., कुंडू आर और सैकिया एस , एक प्रवासी मछली हिलसा, में घ्राण अंग की संरचनात्मक संगठन (2018) माइक्रोस्कोपी अनुसंधान और तकनीक , वॉल्यूम। 81, नहीं। 10, पीपी। 1120-1131।

37) मलिक सी, चटर्जी एस भट्टाचार्य एस सुरेश वी.आर., कुंडू आर और सैकिया एस, एक नदी के ऊपर प्रवासी मछली हिलसा में थूथन और जीभ से ख्यात संवेदी रिसेप्टर्स के साक्ष्य अनुसंधान, वॉल्यूम। 65, नं। 1, डीओआई 10.1007 / 10228-017-0592-5।

38) चटर्जी एसके. मल्लिक सी, भट्टाचार्य एस, कुंडू आर, सुरेश वीआर और सैकिया एसके संवेदी पैड’-अपनी एम्फ़ाइलाइन विशेषता का समर्थन करने के लिए हिल्सा (तेनुओलोसिलेस) में एक उपन्यास केमियोसेप्टिव डिवाइस (2018) एक्टा बायोलॉजिकसेज़ेडेडिएन्सिस, वॉल्यूम। 62, नहीं। 1, पीपी 1-6।

39) चटर्जी एसके, मलिक सी, भट्टाचार्य एस, सुरेश वीआर, कुंडू आर और सैकिया एसके। प्रवासी मछली हिलसा की में घ्राण रिसेप्टर्स और संबद्ध जी प्रोटीन सब यूनिटों के अस्थानिक अभिव्यक्ति (2019) मछली जीवविज्ञान के जर्नल, 00 (00): डोई: 10.1111.13801

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं:

शिक्षक का नामः **सुदीप्ता मैत्रा (पीआई); समीर भट्टाचार्य (सह पीआई); सूरज कुमार सैकिया (सह-पीआई) तेजपुर विश्वविद्यालय, असम के सहयोग से**

i. परियोजना का नामः ज़ेब्राफिश में वृद्धि और प्रजनन पर तनाव-प्रेरित बिगड़ा ऊर्जा होमोस्टैसिस में ओकिम और लुकास की अम्लीकरण क्षमता का आकलन करना।’

ii. प्रायोजन एजेंसियांः राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान कोष, नई दिल्ली 6018 / 2016-17

iii. स्वीकृत राशिः कुल रुपये 1,82.51,050/- (विश्वभारती रुपये 1,32,7320 / -

शिक्षक का नामः **सूरज कुमार सैकिया (पीआई); समीर भट्टाचार्य (सह पीआई)**

ii. परियोजना का नामः यह जांचने के लिए कि क्या मांसपेशी माइटोकॉन्ड्रिया फ़ंक्शन का विनियमन खेती योग्य मछली के विकास से जुड़ा है’

iii. प्रायोजन एजेंसियांः जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), नई दिल्ली

iv. स्वीकृत राशिः रुपये 47,30,600/-

शिक्षक का नामः **सूरज कुमार सैकिया (सीआई); समीर भट्टाचार्य (सीसीपीआई)**

ii. परियोजना का नामः अमोनिया में जीवित विषाक्त अपशिष्ट को जीवित करने के लिए दो हवा-साँस लेने वाली कैटफ़िश (क्लारैसबेट्राचस और हेटरोपनेस्टेसफॉसिलिस) की अनुमति देने वाली अद्वितीय जैव रासायनिक अनुकूली रणनीतियों को स्पष्ट करने केलिए

iii. प्रायोजन एजेंसियांः राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान कोष, नई दिल्ली

iv. स्वीकृत राशिः रुपये 59,08,050/-

शिक्षक का नामः **सूरज कुमार सैकिया (पीआई)**

ii. परियोजना का नामः यह स्पष्ट करने के लिए कि क्या कीमोअटैक्ट्रेक्टर्स अपनी वृद्धि में तेजी लाने के लिए भारतीय प्रमुख कार्प में खिला को उत्तेजित करते हैं'

iii. प्रायोजन एजेंसियांः विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली

iv. स्वीकृत राशिः रुपये 32,07,120/-

शिक्षक का नामः **राकेश कुंडू (पीआई)**

ii. परियोजना का नामः 'लिपोटॉक्सिसिटी में भ्रूण-ए की भूमिका की जांच करने केलिए प्रेरित बीटा-सेल शिथिलता और अग्नाशयी आइलेट्स की सूजन की चोट'

iii. प्रायोजन एजेंसियांः विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), / 2017/001028)

iv स्वीकृत राशिः रुपये 42,10,186/-

शिक्षक का नामः **सुतापा मुखर्जी (पी.आई)**

ii. परियोजना का नामः 'उच्च वसा वाले आहार प्रेरित मोटापा में इंसुलिन प्रतिरोध के लिए अग्रणी वृषण जर्म सेल एपोप्टोसिस को विनियमित करने वाले तंत्र को स्पष्ट करना।'

iii. प्रायोजन एजेंसियांः विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), सं. / 2017/002470)

iv. स्वीकृत राशिः रुपये 39,32,439/-

वनस्पति विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/ सेट में उत्तीर्ण छात्र

1. जगन्नाथ सरकार (सीएसआईआर जेआरएफ)
2. शेख ऐशयन तनवीर (सीएसआईआर नेट)
3. पूजा मुखर्जी (सीएसआईआर नेट)
4. पुष्पेन्दुजलानी (सीएसआईआर जेआरएफ)
5. अभिनव चक्रवर्ती (डीबीटी-नेट)
6. काज़ि तवासिफ़ अहमद (सीएसआईआर जेआरएफ)
7. राजर्षि भट्टाचार्य (आईसीएआर नेट)
8. मधुरिमाखमारू (सीएसआईआर नेट)
9. ऋतब्रत साहा (डीबीटी -नेट)
10. सरदिन्दु अदक (नेट एलएस)
11. सयान साहा (सेट)
12. सुरंजिता मित्रा (बायो केयर डीबीटी महिला वैज्ञानिक)
13. बिधान चंद्र मुखोपाध्याय (सीएसआईआर रिसर्च एसोसिएट)

गेट में उत्तीर्ण छात्र

1. अरिजीत मिश्रा
2. सोमी भट्टाचार्य
3. अभिनव चक्रवर्ती
4. कुणाल साहा
5. संगीता मंडल
6. बिभाष सिन्हा

छात्र ने डीएसटी भारत सरकार की इंसपाईर फैलोशिप से सम्मानित।

1. श्रमण घोष

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

1. 09.12.2018, शिबानी शकंर चक्रवर्ती इंडोवेंट व्याख्यान पीके घोष, सलाहकार (सेवानिवृत्त) डीबीटी, सरकार द्वारा व्याख्यान। वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित,
2. 12.03.2019, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी डिपार्टमेंट, सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च, 2462 मारतोनवसार, हंगरी ने चिनार के बीच डॉर्मेंसी और ट्रांसक्रिप्ट स्तर के बीच संबंधों की जांच पर एक व्याख्यान दिया।
3. 12.03.2019, डॉ. स्ज़ेकलीएंड्रस सेसाबा, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी डिपार्टमेंट, सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च, एमटीए मार्टनवेसर, हंगरी ने उत्परिवर्ती अरबिडोप्सिस जीनोटाइप में रेडॉक्स पर निर्भर पर एक व्याख्यान दिया।
4. 28.03.2019, यूजीसी-सैप कार्यक्रम, वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्वभारती के तहत संयंत्र और रोगाणुओं के सतत उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / विशेषज्ञ व्यक्ति

रूप कुमार कर

1. 02-05 दिसंबर, 2018 : पोस्टर प्रस्तुति बीज अंकुरण के दौरान कॉटयल्डन सीनेसेंसः 4 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, भारत में ऑक्सीडेटिव चयापचय और एबीए और आरओएस का प्रभाव।

नारायण चंद्र मंडल

1. नवंबर 2018 : शांतिनिकेतन और बीरभूम में सांस्कृतिक सम्मेलन के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 16-18 नवंबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय आंतरिक संगोष्ठी में एक सत्र आयोजित किया गया ।
2. 5 दिसंबर, 2018 द यूनिवर्सिटी ऑफ़ बर्दवान केयूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित 'विंटर इनवायरमेंटल प्लानिंग एंड मैनेजमेंट' में रिसोर्स पर्सन के रूप में दो व्याख्यान दिए।
3. 20-21 दिसंबर, 2018 : क्षेत्रीय विज्ञान कांग्रेस, डीएसटी, सरकार में तकनीकी समिति के विशेषज्ञ। पश्चिम बंगाल, एसकेवी विश्वविद्यालय, पुरुलिया
4. 01 सेंट मार्च 2019 : 26 में तकनीकी समिति के विशेषज्ञ वें पश्चिम बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, साइंस सिटी, कोलकाता।

5. 22-23 फरवरी, 2019 : डिलीवर आमंत्रित व्याख्यान और नजरबंद में एक सत्र की अध्यक्षता संगोष्ठी माइक्रोबियल और संयंत्र संसाधन वर्तमान रास्ते, गौरबंगा, विश्वविद्यालय। व्याख्यान का शीर्षक : की फास्फेट की कमी प्रेरित बिओफिल्म गठन पर अघुलनशील फॉस्फेट ग्रैन्यूल्स घुलनशील फॉस्फेट की अधिकतम रिलीज के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

सुब्रत मंडल

1. 01-03 फरवरी, 2019 : वर्तमान स्थिति और पादप विज्ञान अनुसंधान में भविष्य की संभावनाएँ शीर्षक वाले राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान प्रदूषण : सतत विकास और जैव विविधता संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा दिया गया, वनस्पति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. 28 वीं मार्च, 2019 : पौधों और रोगाणुओं के सतत उपयोग 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की, वनस्पति विज्ञान, विश्वभारती, विभाग पश्चिम बंगाल, भारत।

चौधरी हबीबुर रहमान

1. 29-31 अक्टूबर, 2018 : एक वितरित आमंत्रित व्याख्यान अतीत, वर्तमान और भारतीय का भविष्यः एक समीक्षा में वार्षिक सम्मेलन जाने वाली आवृत्तबीजी वर्गीकरण केलिए भारतीय संघ और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी विविधता के संरक्षण पर : छिपे हुए आज और कल का खजाना। 29-31 सेंट अक्टूबर 2018, वनस्पति विज्ञान, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, गुजरात, भारत के विभाग।
2. 29-31 अक्टूबर, 2018 : इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंजियोस्पर्म टैक्सोनॉमी और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के वार्षिक सम्मेलन के एक तकनीकी सत्र में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। एंजियोस्पर्म विविधता का संरक्षण पर आज और कल का छिपा खजाना, वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात, भारत।

सोमा सुकुल नी चुनरी

1. 5-11 वीं फरवरी, 2019 भारत के पश्चिम बंगाल, भारत और पश्चिम बंगाल के नियोजन और विकास के लिए ऐकेडी केंद्र, में ऑनलाइन पाठ्यक्रम की योजना और विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

जैनेंद्र रथ

1. 24 मार्च, 2019 : वर्कशॉप सह राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आधुनिक मनोविज्ञान में रुझानः तकनीक और अनुप्रयोग" पर कार्यशाला सह राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान स्कैटोनमिनः ए युवी सनस्क्रीन मेटाबोलाइट्स, संभावित एंटीप्रोलिफ़ेरेटिव गतिविधि होने को वितरित किया। शिक्षा और अनुसंधान, कोलकाता और जूलॉजी विभाग, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल, भारत।

2. 28 मार्च, 2019 : यूजीसी-डीआरएस में सह-अध्यक्ष ने पौधों और सूक्ष्मजीवों के सतत उपयोग, राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल, भारत में राष्ट्रीय संगोष्ठी को प्रायोजित किया।

अडानी लोखो

1. 5-12 दिसंबर, 2018 : वैस्कुलर प्लांट टैक्सोनॉमीः फील्ड स्किल्स, प्लांट आइडेंटिफिकेशन एंड नोमेनक्लेचर, कैस, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत में एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
2. 25-29 मार्च, 2019 : कृषि और पर्यावरण विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, पल्लीशिक्षा भवन, विश्व भारती, पश्चिम बंगाल, भारत में एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया।
3. 1- 3 फरवरी, 2019: वनस्पति विज्ञान अनुसंधान में वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाएं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर कोडरमा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी, झारखंड में पेड़ों की विविधता प्रस्तुत किया गया, वनस्पति विज्ञान विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत।
4. 7-9 दिसंबर, 2018 : लाइवलीहुड प्रमोशन, जैव-विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा, झारकली, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में चार प्रमुख दलहनी फसलों की उत्पादकता और लाभप्रदता नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
5. 6-7 मार्च, 2019 : उत्तर-प्रदेश के औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन, संवर्धन, संसाधन विकास और सतत उपयोग पर हितधारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन में मणिपुर, माओ नागा जनजाति और भारत सरकार और उनकी संरक्षण रणनीतियों द्वारा प्रयुक्त एक पत्र औषधीय पौधे प्रस्तुत किया। -पूर्वी भारत , वनस्पति विज्ञान विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड, भारत।
6. 12-13 मार्च, 2019 : औषधीय पौधों में अनुसंधान के अंतःविषय दृष्टिकोण, वनस्पति विज्ञान और वानिकी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत में राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग हिमालय के लुप्तप्राय औषधीय पौधे प्रस्तुत किया।

हेमा गुप्ता जोशी

1. 27-31 अगस्त, 2018 : राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, जिसका शीर्षक है सांख्यिकी अनुसंधान में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण - सॉफ्टवेयर के माध्यम से सीखना, सांख्यिकी विभाग, विश्व-भारती, पश्चिम बंगाल, भारत।
2. 5-11 फरवरी, 2019 : एमओओसी के संदर्भ में ऑनलाइन पाठ्यक्रम के नियोजन और विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, योजना और विकास, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत के लिए एके दासगुप्ता केंद्र।

3. 28 मार्च, 2019 : पौधों और सूक्ष्मजीवों के सतत उपयोग नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। 28 वीं मार्च 2019, वनस्पति विज्ञान, विश्वभारती, विभाग भारत के पश्चिम बंगाल।

बोंबा डैम

1. 3-4 जनवरी, 2019 : आंत रोगाणुओं का मॉड्यूलेशन एक जानवर की वृद्धि प्रदर्शन को निर्धारित करता है, के रूप में काम प्रस्तुत में पर जूलॉजी में रुझान स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बर्दवान, बर्दवान, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, इंडिया।

नंदलाल मंडल

1. 28 वीं मार्च, 2019 : एक पोस्टर प्रस्तुत फंगल संदूषण और उत्पादन क्षमता के लिए भंडारण गेहूं अनाज का अध्ययन पौधों और रोगाणुओं के सतत उपयोग पर, वनस्पति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रयोगशाला शर्त के तहत गेहूं अनाज से अलग तनाव, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल, भारत।
2. 5-11 वीं फरवरी, 2019 : में भाग लिया एमओओसी के संदर्भ के साथ योजना और ऑनलाइन पाठ्यक्रम के विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला। 5-11 वीं फरवरी 2019, योजना और विकास के लिए एके दासगुप्ता केंद्र, विश्वभारती, बीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत।

अंजलिका रॉय

1. 12-14 वीं मार्च, 2019 : भाग लिया और एक कागज प्रस्तुत अजय, दामोदर और तमला नदी के पानी के नमूनों पर एक तुलनात्मक अध्ययन मैं में गैररेखीय गतिशीलता और इसके अनुप्रयोग में हाल की गतिविधियों पर इंटरनैशनल सम्मेलन। 12-14 मार्च 2019, दुर्गापुर सरकार। कॉलेज, पश्चिम बंगाल, भारत।

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय

1. पाल एस, और मंडल सुब्रत, इन विट्रो पराग के अंकुरण और ट्यूब विकास पर कुछ पोषक तत्वों की भूमिका। कोलकाता, सुजान प्रकाशन, 2018, आईएसबीएन नंबर 978-93-86564-02-3। में पौधों और रोगाणुओं : परिभाषित आधुनिक जीवविज्ञान 45-51।
2. रहमान सी एच (2018) भारतीय एथ्नोबोटनी : वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावना। टी पुलैया, केवी कृष्णमूर्ति और बी.बहादुर (सं.) भारत के एथ्नोबोटनी- भारत- गंगा क्षेत्र और मध्य भारत , वॉल्यूम 5, एप्पल अकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप) संयुक्त राज्य अमेरिका। पीपी। 653- 673. आईएसबीएन 978-1-315-18784-6।
3. रहमान सीएच , मंडल एसके और पुलैया टी (2018) भारत-गंगा क्षेत्र और मध्य भारत के नृवंशीय पौधे

में: टी पुलैया, केवी कृष्णमूर्ति और बी. बहादुर (सं) भारत के एथ्नोबोटनी- भारत-गंगा क्षेत्र और मध्य भारत, अकादमिक प्रेस, (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), यूएसए। पृ. 127- 210. आईएसबीएन 978-1-315-18784-6।

4. मालाकार एस और गुप्ता (जोशी) एच. 2018. रानीगंज कोलफील्ड्स, पश्चिम बंगाल, भारत में ओवरबर्डन डंप की एक आयु श्रृंखला पर कुछ भौतिक-रासायनिक गुणों में महत्वपूर्ण परिवर्तन। इन (एड। आर। दासगुप्ता) एडवांस इन ग्रोथ कर्व एंड स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग: टॉपिक्स ऑन द इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट ऑन द 125 वें बर्थ एनिवर्सरी ऑफ पीसी महालनोबिस । स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2018.पृ. 101-112। आईएसबीएन: 978-981-13-1842-9।

शोध पत्र

1. चट्टोपाध्याय पी, बनर्जी जी, सेन एस उकांता के उमर (2018) स्ट्रेप्टोमी सेंसानेंसिस द्वारा एग्रोरेसिड्यू से फेरुलिक एसिड एस्टर केबायोट्रांसफॉर्म के माध्यम से वैनिलिन का क्लीनर उत्पादन; क्लीनर उत्पादन का जर्नल; 182: 272-27 9. आईएसएसएन: 0959-6526।

2. उकील एस, लस्कर एस, सेन एसके (2018) अपने स्वास्थ्य और जीवाणुरोधी प्रभावकारिता के लिए क्रोटलारिया पल्लिडा ऐटन के बीज के तेल से फैटी एसिड की खोज; नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की कार्यवाही, /10.1007/40010-018-0489-3।

4. रॉय एस, कुमार बीके, चौधरी ए, सिंह यूके, रे (2018)। जल- रासायनिक प्रक्रिया की विशेषता और सात भू-तापीय झरनों, बाकेश्वर, भारत, अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, का जल गुणवत्ता का मूल्यांकन। 11:34, /10.1007/12517-018-3662-8

5. हलधर पी., देबनाथ एम, रे एस (2019)। हुगली जिले, पश्चिम बंगाल, भारत के ताजे पानी के सामुदायिक तालाबों से एकत्र किए गए फाइटोप्लांकटन में सूक्ष्मजीवों की विविधता और विविधता। प्लांट साइंस टुडे , 6 (1): 8-16।

6. भट्टाचार्य के. असीनाथ , सरकार जी, दासगुप्ता, ए, गुप्ता भट्टाचार्य, एस (2018)। भारत में एलर्जी और एलर्जेन जीव विज्ञान के स्पेक्ट्रम। एलर्जी और प्रतिरक्षा विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार, 1-19। , 10.1159 / 000490805

7. टी बसाक, एक चक्रवर्ती, भट्टाचार्य के (2018)। भारत के दो एवेन्यू पेड़ों से वायुजनित पराग एलर्जी की पहचान, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल हेल्थ रिसर्च, डीओआई: 10.1080 / 09603123.2018.1546836

8. मजूमदार ए, और आर अप के उमर कर। (2018)। जड़ वृद्धि के दौरान पीएम एच-टैपेस और

एनएडीपीएच ऑक्सीडेज के बीच की बधाई: एक आवश्यक संभावना। प्रोटोप्लाज्मा, 255: 1129-1137। डीओआई 10.1007 / 00709-018-1217-1। (यदि 2.87)

9. गोस्वामी एस, कर आरके, पॉल ए, डे एन (2018)। जलमग्न के तहत चावल में लोकी की विभेदक अभिव्यक्ति। प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी की पत्रिका। 10.1007/13562-018-0456-8।

10. पाल एल और कर के(2018)। मूंग बीन के शुरुआती अंकुर के दौरान कोटिलेडोन सीसेनेस में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों की भूमिका। जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, डीओआई: 10.1007 / 00344-018-9845-4। (यदि 2.0 2.03)

11. साहू एम और कर के. (2018)। त्वरण पर आसमाटिक तनाव से बचने के लिए एंटीऑक्सिडेंट्स और संभावित बातचीत। प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री, 132: 415-423। 10.1016/ 2018.09.034 2.724

13. कर्मकार ए, बनर्जी एस, सिंह बी और मंडल एन सी हांडा (2019)। स्पेक्ट्रोस्कोपिक, सैद्धांतिक और रोगाणुरोधी अध्ययनों द्वारा विभिन्न स्वीकर्ता अणुओं के साथ एक्रीड ऑरेंज के हाइड्रोजन बॉन्डिंग इंटरैक्शन का अध्ययन। जे मोल स्ट्रक्चर। 1177: 418-429।

14. घोष आर, बर्मन एस, मंडल एनसी (2019)। अघुलनशील फॉस्फेट ग्रैन्यूल पर बुर्कोप्रेनिया के फॉस्फेट की कमी से प्रेरित बायोफिल्म घुलनशील फॉस्फेट की अधिकतम रिलीज के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिक रिपोर्ट (प्रेस में)।

15. चटर्जी एस, घोष आर, मंडल नेकां 2019। एंडोफाइटिक फंगस अल्टरनेरिया अल्टरनेटा द्वारा जीवाणुनाशक और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता के साथ बायोएक्टिव यौगिकों का उत्पादन अज़ादिराचटेडिका ए। जुस से अलग किया गया। प्लोस वन। (प्रेस में)

16. घोष आर, बर्मन एस, पी, मंडल एनसी की 2018 जैविक गतिविधियों - एक शक्तिशाली एंडोफाइटिक कवक के साथ जुड़ा हुआ है। एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च । 11 (11): 178- 182।

17. बर्मन एस, घोष आर, मंडल नेकां 2018। लैक्टोकोकस लैक्टिस के तीन उपभेदों के व्यापक स्पेक्ट्रम जीवाणुनाशक का उत्पादन अनुकूलन घर के छाछ से अलग किया गया। एनाल्स ऑफ एग्रेरियन साइंस। 16: 286-296

18. गोराई एस, घोष आर, बंद्योपाध्याय पीपी, मंडल नेकां, चट्टोपाध्याय ए. 2018. लुफ्ना बेलनाकार से निकाले गए इचिनोकोस्टिक एसिड के एंटी-माइक्रोबियल और कैंसर विरोधी गुण। खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी जर्नल। 9 (2): 1000717।

19. पाल एस और मंल एस ऑक्सीस्टेलमेसकुलेंटम एस.एम. के इन विट्रो परागण अंकुरण पर अध्ययन। पैलेनोलॉजी जर्नल। 54: 37-44।

21. पाल एस और मंडल एस पुष्प जीव विज्ञान, प्रजनन प्रणाली और पेरोकार्पस मार्सुपियम रॉक्सब का परागण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी। 10 (2): 172-177।

22. पाल एस और मंडल एस बी-फूल इंटरैक्शन, पराग फैलाव और फेरोनिया लिमोनिया (एल।) झूले का परागण। इंडियन जर्नल ऑफ एरोबायोलॉजी। 29 (1 और 2): 42-47।

23. दास, डी, मंडल एस और मंडल एस. पराग व्यवहार्यता पर अध्ययन और निम्फोसाइडिंडिका (एल) कुंतज के इन विट्रो पराग अंकुरण पर अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू। 5 (3): 461-467।

24. चौधरी एस, सिंह एस रहमान सीएच (2018) भारत के पश्चिम बंगाल के लोधास आदिवासी समूह द्वारा पौधों के नृवंशविज्ञान संबंधी उपयोग। पारंपरिक और लोक प्रथाओं के जर्नल, 06 (1): 67-97। आईएसएसएन 2278-5906।

25. चौधरी एस, रहमान सीएच, सिंह एच, चौधुरी, के, पिल्लई, बी सील, टी (2018) डायोस्कोरियालता : पश्चिम बंगाल, भारत के लोढ़ा आदिवासी समुदाय द्वारा खाया जाने वाला एक शक्तिशाली जंगली खाद्य पौधा। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 7 (2): 654-663। आईएसएसएन 2278-4136।

26. जी होश पी और रहमान सीएच (2018) अज़ानाल्लास (सीएवी।) एलेफ के फार्माकोनोजिनेटिक और फाइटोकेमिकल अध्ययन : मालवासे की एक नृवंशविज्ञान संबंधी महत्वपूर्ण जड़। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री के शोध जर्नल, 10 (4): 259-271। आईएसएसएन 0975-4385।

27. रे एएस और रहमान सीएच (2018) फार्माकोनोजिस्टिक मानकीकरण और कजानुस्सारबायोइड्स (एल।) थौर्स की फाइटोकेमिकल जांच। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री के शोध जर्नल, 10 (1): 120-131। आईएसएसएन 0975-4385।

28. रे एएस और रहमान सीएच (2018)। गार्डेनियास्टिक, फाइटोकेमिकल और एंटीऑक्सिडेंट स्टडीज ऑफ गार्डेनिया लैटीफोलिया ऐटनः एथनोमेडिसिनल ट्री प्लांट। फार्माकोग्नॉसी एंड फाइटोकेमिकल रिसर्च के इंटरनेशनल जर्नल , 10 (5): 216-228। आईएसएसएन 0975-4873।

29. रे एएस, मंडल एसके रहमान सीएच (2018) फार्माकोनोगॉस्टिकल फिंगरप्रिंटिंग और चयनात्मक बायोएक्टिविटी का अध्ययन सोलनमग्लुकोफिलम डेसफ। पारंपरिक और लोक प्रथाओं के जर्नल, 6 (1): 3-25। आईएसएसएन 2278 - 5906।

30. रे एएस, जो अदर एन, मुखर्जी एस, रहमान सीएच बाबू एसपीएस (2018) पॉलीफेनोल ने कजानसुकाबैबाइडोइड्स (एल) के एथेनोलिक अर्क को समृद्ध किया, जो ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रोग्राम्ड सेल डेथ को प्रेरित करके संभावित सिफिलरियल गतिविधि को बढ़ाता है। प्लोस वन, 13 (12), 0208201। आईएसएसएन 1932-6203।

31. चौधरी एस, रहमान सीएच, सिंह एच, चौधरी के सील टी (2019) पश्चिम बंगाल के लोधा आदिवासी समुदाय द्वारा खाया जाने वाला एक शक्तिशाली जंगली खाद्य पौधा, डियोसोरेग्लबरा आर। बैरन का पोषण और औषधीय महत्व। वर्तमान पोषण और खाद्य विज्ञान, 15: 1-12। आईएसएसएन 2212-3881।

32. प्रधान पी, और रहमान सी एच। (2019)। बीरभूम जिले, पश्चिम बंगाल, भारत के औषधीय वनस्पतियों का दस्तावेजीकरण। पुनर्विचार करना, 3 (10): 120-124 आईएसएसएन 2455-0817।

33. सिमीथि जे, फुंटा एनआर, अल्तुरकी एम, होब्राथ जेवी, वहाबा एई, पीना, रथ जे, हमन एमटी, डीटराइटर जे, गुडविन डीसी और कैलडरोन एआई (2018)। मंज़ामिन एल्कलॉइड्स द्वारा माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस शिक्वेट किनेज के धीमे बंधन। जैव रसायन, 57 (32) 4923-4933। (आईएफः 2.997)।

34. योनज़ोन आर और लोखो ए दानी (2018)। पेरिस्टाइलस बीएल के दो टैक्सा के औषधीय उपयोग के साथ करोनॉमिक नोट। (आर्किडैसी)। जीवन विज्ञान। बैल । 15 (2): 221-222।

35. लोको ए और योनज़ोन आर (2018)। महत्वपूर्ण रब्बल दवा के रूप में उपयोग किया जाता है। जीवन विज्ञान। सांड। 15 (2): 239-241। योनज़ोन आर और लोको ए (2018)। भारत के दार्जिलिंग हिमालय में दो कर का जातीय उपयोग। जीवन विज्ञान। सांड। 15 (2): 215-216।

36. योनज़ोन आर और लोको ए (2018)। ओटोचिलस लिंडल के दो टैक्सा के औषधीय उपयोगों पर संक्षिप्त नोट। (ऑर्किडेसी) पश्चिम बंगाल, भारत के दार्जिलिंग हिमालय से। उसे। रेस। जीएल। 41-44।

37. योनज़ोन आर और लोको ए (2018)। (ऑर्किडेसिएः जनजाति कोलेबिअ; सबफैमिली एपिडेंड्रॉएडी) पश्चिम बंगाल, भारत केऑर्किड वनस्पतियों केलिए एक नया अतिरिक्त है। पाइटोटैक्सोनॉमी। (मुद्रणालय में)

38. मलकर एस और गुप्ता (जोशी) एच ईएमए। (2019)। पश्चिम बंगाल के रानीगंज कोयला क्षेत्र में पेड़ पौधों की संरचना और विविधता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, 6 (1): 667-672।

39. सिन्हा एस, सेन एसके और डैम बी ओम्बा । (201 9) तुलनात्मक अनुक्रम विश्लेषण ने कई प्रतिकृति प्रणालियों और विषाणु निर्धारकों की पहचान की, जो अक्सर एस्चेरिशिया कोलाई के बड़े प्लास्मिड पर एन्कोड किए जाते थे। पारिस्थितिक आनुवंशिकी और जीनोमिक्स। 12: 1000-1039 (प्रभाव कारक: 1.0)।

40. बनर्जी एस, मिश्रा, चौधरी एस, डैम बी। (2019) एक बैसिलस स्ट्रेन टीसीएल उल्लेखनीय तनाव प्रतिक्रियाओं, क्रोमियम कमी क्षमता और बायोरिमेडेड क्षमता के साथ झरिया कोलमाइन से अलग किया गया। खतरनाक सामग्री का जर्नल 367: 1-7। (प्रभाव कारक: 6.51)।

41. सर ए, पाल एस, डैम बी (2018) प्रत्यक्ष फोसिड क्लोनिंग के लिए संगत लिग्नोसेलुलोज-समृद्ध नमूनों से उच्च आणविक भार और ह्यूमिक एसिड-मुक्त मेटागेनोमिक डीएनए का अलगाव। एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी 102 (14): 6207-6219। (प्रभाव कारक: 3.34)

42. रॉय ए नजालिका। और दत्ता एस 2018. ऐलोफैथी की एसपी और पिस्सुम सतिवुम के बीज पर । भूभौतिकी 48 (2) 143-146

चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ

I

(i) शिक्षक का नाम: **प्रो. सुकांत के सेन**

(ii) परियोजना का नाम: फूड ग्रेड पिगमेंट ओवरप्रोडक्शन केलिए जीनोम फेरबदल द्वारा मोनस्कसप का तनाव विकास

(iii) प्रायोजन एजेंसियां: डीबीटी , भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशि: 47.89 लाख (3 वर्ष केलिए: 2015-2018)

II

(i) शिक्षक का नाम: **प्रो. समित रे**

(ii) परियोजना का नाम: दार्जिलिंग और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न काई प्रजातियों के वितरण पैटर्न का अध्ययन, मैक्रो पर विशेष जोर देने के साथ- और सूक्ष्म रूपात्मक रूपांतरों और उनके सीटू संरक्षण में

(iii) प्रायोजन एजेंसियां: डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार।

(iv) स्वीकृत राशि: 10.0 लाख (3 साल के लिए : 2018-2021)

III

(i) शिक्षक का नामः **प्रो. काशीनाथ भट्टाचार्य (सह पीआई)**

(ii) परियोजना का नामः परागण पारिस्थितिकी को समझने के साथ-साथ सुंदरबन के वनाच्छादित क्षेत्रों में अपिरि बॉक्स रखने की प्रयोज्यता का अध्ययन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया

(iv) स्वीकृत राशिः 30.0 लाख (3 वर्ष के लिए)

IV

(i) शिक्षक का नामः **प्रो. रूप कुमार कर**

(ii) परियोजना का नामः प्रकाश और सूखे तनाव के संयोजन के लिए फसल पौधों (चावल और गेहूं) की प्रतिक्रियाएं

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 31.56 लाख (3 वर्ष)

V

(i) शिक्षक का नामः **प्रो. रूप कुमार कर**

(ii) परियोजना का नामः कोमल चॉल का आनुवंशिक सुधार और लोकप्रियकरण - एक संभावित चावल तैयार करना

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः भारतीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड भारत सरकार)

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 26.35 लाख (3 वर्ष)

VI

(i) शिक्षक का नामः **प्रो. नारायण चंद्र मंडल**

(ii) परियोजना का नामः केंचुआ गट रोगाणुओं की दूषित मिट्टी में कैंसरकारी पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन की निकासी

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीबीटी, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 58.0 लाख

VII

(i) शिक्षक का नामः **प्रो नारायण चंद्र मंडल**

(ii) परियोजना का नामः फॉस्फेट सॉल्युलाइजिंग राइजोबैक्टीरिया का उपयोग करके चाय के फंगल रोगों के खिलाफ जैव कीटनाशक का विकास

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः टी बोर्ड ऑफ इंडिया

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 19.65 लाख (3 वर्ष के लिए)

VIII

(i) शिक्षक का नामः **प्रो स्वदेश रंजन बिस्वास**

(ii) परियोजना का नामः भोजन और स्वास्थ्य में उपयोग के लिए उपन्यास निसिन पेप्टाइड उत्पन्न करने के लिए लैक्टोकोकस लैक्टिस की ओलीगो-मध्यस्थ जीनोम इंजीनियरिंग

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीबीटी, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 65.0 लाख (3 साल केलिए: 2017-2020)

IX

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. ज्ञानेंद्र रथ**

(ii) परियोजना का नामः पश्चिम बंगाल के युवा बच्चों के मातृ पूरक और न्यूरोडेवलपमेंट के लिए पश्चिम बंगाल केवेटलैंड्स से शैवाल का उत्पादन करने वाले डीएचए (डोकोसाहेक्सैनिक एसिड) की खोज

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 10.8 लाख (2018-2022)

X

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. ज्ञानेंद्र रथ**

(ii) परियोजना का नामः रोगाणुरोधी प्रतिरोध केखिलाफ उपन्यास एंटीबायोटिक दवाओं की तलाश में तनाव वाले आवासों से सियानोबैक्टीरिया के प्राकृतिक उत्पादों को गुप्त और विरोधी-कोरम को अनलॉक करना

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः एसईआरबी, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 46.71 लाख (2018-2022)

XI

(i) शिक्षक का नामः **डॉ हेमा गुप्ता (जोशी)**

(ii) परियोजना का नामः मिट्टी के संबंध में उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनों का वनस्पति अध्ययन, पश्चिम बंगाल के परवर्ती क्षेत्र में एन परिवर्तन

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः यूजीसी, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 6.93 लाख (2015-2018)

XII

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. बोम्बा डाम**

(ii) परियोजना का नामः माइक्रोबियल समुदाय संरचना और लिग्नोसेल्युलोज में प्राकृतिक लवणीय वातावरण और उनके आणविक पता लगाने का कार्यः लिग्नोसेलुलोसिक जैव ईंधन उत्पादन की दिशा में एक कदम आगे

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः यूजीसी, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 8.4 लाख (2015 -20 18)

XIII

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. बोम्बा डाम**

(ii) परियोजना का नामः कार्यात्मक मेगाहेनजिक्स द्वारा परिवहन मध्यस्थता आयनिक तरल प्रतिरोध तंत्र को समझने के लिए अत्यधिक खारा वातावरण का पता लगाना : लिग्नोसेलुलोसिक बायोएनेर्जी की ओर एक कदम आगे

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः सीएसआईआर, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 20.0 लाख (2015-2019)

XIV

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. बोम्बा डाम**

(ii) परियोजना का नामः मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में समुद्री जल घुसपैठ के कारण माइक्रोबियल जनसंख्या की गतिशीलता और कार्बन साइक्लिग पर सल्फेट का प्रभावः भविष्य का ग्लोबल वार्मिंग परिदृश्य

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीएसटी, पश्चिम बंगाल सरकार

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 11.99 लाख (2018-2021)

XV

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. बोम्बा डाम**

(ii) परियोजना का नामः भारतीय प्रमुख कार्प्स के विकास में सुधार के लिए प्रीबायोटिक फीड सप्लीमेंट, लेबेओरोहिता , सिरहिनसुम्रिगला और कैटलाकाटला समग्र संस्कृति प्रणाली के तहतः एक आंत माइक्रोबायोम और न्यूट्रीएंटिक्स आधारित दृष्टिकोण

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीबीटी, भारत सरकार। बर्दवान विश्वविद्यालय के साथ नेटवर्क परियोजना

(iv) स्वीक वनस्पति विभाग राशिः रु। 92.0 लाख (स्वीकृत)

XVI

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. अंजालिका रॉय**

(ii) परियोजना का नामः अगारवूड को समझने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण और अगारवूड के मूल्य वर्धन दृष्टिकोण का उपयोग

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः बायोटेक कॉन्सटोरियम इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली (डीबीटी ट्विन)

(iv) स्वीकृत राशिः रु। 10.0 लाख (3 साल के लिए)

शैक्षणिक भेद

काशीनाथ भट्टाचार्य

1. सदस्य, इंडियन सब-कॉन्टिनेंट बायोमाइजेशन प्रोजेक्ट के तहत ब्रिस्टल रिसर्च इनिशिएटिव ऑफ़ डायनेमिक ग्लोबल एनवायरमेंट के तत्वावधान में प्रो. सैंडी हैरिसन
2. विषयगत समूह के विशेषज्ञ सदस्यः पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ), भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय हिमालय अध्ययन (एनएमएचएस) में जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग।

सांख्यिकी विभाग

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

सुधांशु एस. मायती

1. 29 जून 2018: ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, पश्चिम बंगाल के अंतर्गत जिला सांख्यिकी कार्यालय, बीरभूम द्वारा आयोजित 12 वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के समारोह में भाग लिया।
2. 26 सितंबर 2018: सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में लाइफटाइम डेटा की फिटिंग और एक सामान्य जीवनकाल के प्रदर्शन सूचकांक के निर्माण नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. 26-27 सितंबर 2018: यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित रीफ्रेशर कोर्स इन रिसर्च मेथोडोलॉजी में संसाधन व्यक्ति के रूप में गुणात्मक श्रेणी अनुसंधान और सांख्यिकीय गुणवत्ता प्रबंधन नामक आमंत्रित व्याख्यान दिए गए।
4. 27-30 दिसंबर 2018: "आजीवन मॉडलिंग में इस्तेमाल होने वाले कुछ संभावना घनत्व घनत्व संचयी वितरण समारोह के आकलन पर" नामक एक आमंत्रित पत्र प्रस्तुत और प्रस्तुत किया गया और सांख्यिकी, सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय त्रिवार्षिक कलकत्ता संगोष्ठी में एक सत्र और अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय, कोलकाता।

अरिंदम चक्रवर्ती

1. अक्टूबर, 2018 अनुदैर्ध्य वितरण का उपयोग करते हुए अनुदैर्ध्य प्रतिक्रिया और टाइम-टू-इवेंट डेटा की संयुक्त मॉडलिंगः ए बायेसियन पर्सपेक्टिव, आईएसआरटी, ढाका, बांग्लादेश
2. दिसंबर, 2018 सशर्त वितरण के साथ संयुक्त मॉडलः एक बायेसियन परिप्रेक्ष्य। संभाव्यता और सांख्यिकी पर आठवीं अंतर्राष्ट्रीय त्रिवार्षिक संगोष्ठी - कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारत।
3. जनवरी, 2019 बाइसियन कम्प्यूटिंग, असम विश्वविद्यालय सिलचर पर कार्यशाला
4. 24 जून, 2019 फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन में सूचनात्मक ड्रॉपआउटः एक संयुक्त मॉडल दृष्टिकोण। जीएसके सांख्यिकी दिवस, बैंगलोर, भारत
5. फरवरी, 2019 ई-क्यूटीएल विश्लेषण, आईएएसआरआई, नई दिल्ली।

तीर्थंकर घोष

1. 20 और 23 जून, 2018: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट (नीती अयोग, भारत

सरकार द्वारा प्रायोजित केंद्र), विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।

2. 27 और 28 जून, 2018: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट (नीती अयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित केंद्र), विश्वभारती, शांति निकेतन में आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए। जून 2626-जुलाई 201-के दौरान डब्ल्यूबी।

3. सितम्बर। 04 और 05, 2018: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट (नीती अयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक केंद्र), विश्वभारती में आयोजित एसपीएसएस एंड रिसर्च इन अंडरस्टैंडिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए गए। शांतिनिकेतन, डब्ल्यूबी 04 सितंबर, 2018 के दौरान।

5. नवंबर 20 और 21, 2018: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट (नीती अयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित केंद्र), विश्वभारती में आयोजित एसपीएसएस एंड रिसर्च इन अंडरस्टैंडिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए। 20-24 नवंबर, 2018 के दौरान शांतिनिकेतन, डब्ल्यूबी।

6. 28 जनवरी, 2019 , एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया और भाग लिया।

7. 07 फरवरी, 2019: एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट (नीती अयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक केंद्र), विश्व में आयोजित एमओसी के संदर्भ में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की योजना और विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। फरवरी 05-11, 2019 के दौरान भारती, शांतिनिकेतन, डब्ल्यूबी।

8. 25-26 फरवरी, 2019। सरस्वती कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 2019 में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

9. 21 मार्च, 2019, सांख्यिकी विभाग, मिदनापुर कॉलेज (स्वायत्त), मिदनापुर, डब्ल्यूबी द्वारा आयोजित शिक्षक संवर्धन कार्यक्रम (सीपीई फंड द्वारा प्रायोजित) में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

10. मार्च 15-16, 2019, सांख्यिकी विभाग और डाटा साइंस पर डब्ल्यूबी-ओएचईपीईई राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और वितरित किया, जो सांख्यिकी विभाग, पीजी विभाग में आयोजित किया गया।

सरन इशिकामिति

1. 3-5 जनवरी 2019, एक संसाधन व्यक्ति के रूप में तीन दिवसीय कार्यशाला में पर इंट्रोडकट्री में सेवा करने के लिए डेटा विश्लेषण इन्फोटेक प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर
2. 19-25 मार्च 2019 से, एमओओसी पर कार्यशाला में भाग लिया, ई-सामग्री विकास एक ओपन एज्युकेशन रिसोर्सेस में, कलकत्ता विश्वविद्यालय।

सौमल्या मुखोपाध्याय

1. 14-16 फर्रूअर वाई, 201 9। भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित इंडिया बायोडायवर्सिटी मीट, 2019 में भाग लिया और माप त्रुटियों के तहत फिशर की विकास दर मीट्रिक के रोबस्टनेस अध्ययन पर आधारित एक पत्र प्रस्तुत किया।
2. 28मार्च 2019। स्टेट क्वेस्ट, 2019, स्टेट विभाग द्वारा आयोजित कलकत्ता विश्वविद्यालय और एक कागज प्रस्तुत मापन त्रुटियों के तहत औसत वृद्धि दर का अनुमान।

काशीनाथ चटर्जी

1. जून 04-6, 2018 संभावितता और सांख्यिकी विभाग, गणितीय विज्ञान, पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन के स्कूल में इष्टतम सुपरसैचुरेटेड डिजाइन के सामान्य निर्माण पर एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया और वितरित किया।
2. 06-08 जून, 2018 ननकाई यूनिवर्सिटी, नानकई, चीन में वैज्ञानिक के रूप में इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में इष्टतम सुपरसैचुरेटेड डिज़ाइन के सामान्य निर्माण पर एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
3. 29 मई-जून 3, 2018 और जून 9-14, 2018। यूनिफॉर्म डिजाइन पर व्याख्यान दिया। सांख्यिकी विभाग, सेंट्रल चाइना नॉर्मल यूनिवर्सिटी, वुहान, चीन
4. जोहनगान विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र और कानून में इष्टतम सुपरसैचुरेटेड डिजाइन के सामान्य निर्माण पर एक संगोष्ठी व्याख्यान दिया।
5. 5-24 दिसंबर, 2018 जनसंख्या स्वास्थ्य विज्ञान, अगस्ता विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के निमंत्रण विभाग का दौरा किया।

प्रकाशन

शोध पत्र

1. मुखर्जी, आई, मायती, एस और दास, एम। (2018): लघुगणक श्रृंखला वितरण के पीएमएफ और सीएफडी के आकलन पर, राशी, 3 (2), 34-44।

2. साहा, एम, कुमार, एस, मैती, एसएस और यादव, एएस (2018): प्रक्रिया क्षमता सूचकांक लिए एसिम्प्टोटिक और बूटस्ट्रैप आत्मविश्वास अंतराल, तेजी से वितरित गुणवत्ता विशेषता, जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, 7 (4) के लिए, 235-243 है।

3. नंदा, एके, मैती, एसएस, कुंडू, सी और कुंडू, ए (2018): सामान्य विफलता दर मॉडल के पैरामीटर अनुमानः एक बायेसियन दृष्टिकोण, कम्प्यूटेशनल और एप्लाइड गणित के जर्नल, 351, 313-330।

4. मैती, एसएस , डे, एम और सरकार (मंडल), एस (2018): असतत एक्सगामा वितरणः गुण, अनुमान और सामूहिक जोखिम मॉडल के लिए एक आवेदन, विश्वसनीयता और सांख्यिकीय अध्ययन के जर्नल, 11 (1, 117-) 132।

5. मायती एसएस और मुखर्जी, आई (2018): लिंडले वितरण के पीडीएफ और सीडीएफ के आकलन पर, सांख्यिकी-सिमुलेशन और गणना में संचार, 47 (5), 1370-1381।

6. सेन, एस., चंद्रा, एन. और मैती, एसएस (2018): एक दो-पैरामीटर एक्सगामा वितरण के गुणों और अनुप्रयोगों पर, जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिकल थ्योरी एंड एप्लीकेशन, 17 (4), 674-685।

7. सेन, एस., चंद्रा, एन. और मैती, एसएस (2018): उत्तरोत्तर टाइप सही सेंसर स्कीम, मॉडल असिस्टेड स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशंस, 13, 107-121 के तहत एक्सगामा वितरण में जीवन रक्षा का अनुमान।

8. काशीनाथ चटर्जी, कश्मीर, एसडी जॉर्जियो, सी मल्टी लेवल और मिश्रित स्तर कश्मीर - डिजाइन (2018), मेतरीका 81, 337-355।

9. गो, टी, किन, एच और चटर्जी, के, कुशल विषम विस्तारित डिजाइन लपेटें-लगभग विसंगति, (2018) जर्नल ऑफ़ सिस्टम्स साइंस एंड कॉम्प्लेक्सिटी 31, 1391-1404।

10. गो, टी, किन, एच और चटर्जी, के, विस्तारित डिजाइन के लिए एकरूपता पैटर्न का एक अध्ययन , (2018) सांख्यिकी-सिद्धांत और विधियों में संचार 47 (12), 2869-2880।

11. चटर्जी, के, जॉर्जियो, एसडी, कॉउविनोवोस, सी और स्टाइलियानौ मात्रात्मक स्क्रीनिंग डिजाइनों का एक नया निर्माण (2018), सांख्यिकी, 1-18

12. गो, टी, किन, एच और चटर्जी, के, कंप्यूटर अनुभव के लिए न्यूनतम प्रक्षेपण एकरूपता मात्रात्मक कारकों के साथ (2018) जर्नल कोरियाई सांख्यिकीय सोसायटी ऑफ 47, 216-225।

13. बसाक, टी, चक्रवर्ती, ए रिंडोम, भट्टाचार्य, के (2019): भारत के दो एवेन्यू पेड़ों से वायुजनित पराग एलर्जी की पहचान, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ रिसर्च : 29: 4, 414-429, 10.1080 /09603123.2018.1546836।

14. मैती, सरन इशिका, और सरकार, जे. (2019), सिमिट्रिक रैंडम वॉक ऑन पाथ्स एंड साइकल, मैथमेटिक्स मैगज़ीनः मैथमैटिकल एसोसिएशन ऑफ़ अमेरिका, 4:92। 10.1080 / 0025570.2019.1611166 ।

शैक्षणिक भेद

सुधांशु एस मायती

1. 2019 के लिए निर्वाचित सदस्य, निदेशक परिषद, कलकत्ता स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन, कोलकाता।

काशीनाथ चटर्जी

2. एप्लाइड सांख्यिकी के जर्नल के एसोसिएट एडिटर के रूप में सेवा करना।
3. पत्रिकाओं केलिए समीक्षक-(ए) सांख्यिकी और संभाव्यता पत्र, (बी) जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिकल प्लानिंग एंड इंट्रेंस, (सी) सांख्यिकी में संचारः सिद्धांत और तरीके, (डी) विज्ञान चीन गणित

सरन इशिकामिति

1. मनोवैज्ञानिक मनोविज्ञान पत्रिका, कलकत्ता सांख्यिकीय एसोसिएशन बुलेटिन के लिए समीक्षक

विभाग में अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना

i. शिक्षक का नामः **डॉ. शरण इशिकामी (प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर)**

ii. परियोजना का नामः गैर-घटक प्रतिगमन सिद्धांत पर स्वतंत्रता केपरीक्षणों केपहलू - एक डेटा संचालित दृष्टिकोण

iii. प्रायोजक एजेंटः विज्ञान शिक्षा अनुसंधान बोर्ड, भारत (एसईआरबी-डीएसटी)

iv. स्वीकृत राशिः रु. 14,91,158/-

कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण।

I. सौरव मंडल (नेट 2018)

II. सैकत शुभ्रा पाल (नेट 2018)

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / विशेषज्ञ संसाधन व्यक्ति

उत्पल रॉय

ए. 21-22 दिसंबर, 2018 : क्वांटम मैकेनिक्स इनसाइड क्वांटम कम्युनिकेशन एंड क्वांटम बिट एरर रेट, कंप्यूटर विज्ञान में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, बर्दवान विश्वविद्यालय में।

बी. 18-19 जनवरी 2019 : आइस्टेस्ट शिबपुर, हावड़ा में आयोजित पैटर्न रिकॉग्निशन एंड मशीन इंटेलिजेंस 2019 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सॉफ्ट बायोमेट्रिक लक्षणों के आधार पर कीस्ट्रोकेमिक डायनेमिक्स विशेषताओं के आधार पर व्यवहार्यता की संभावना।

काकली दत्ता

ए. 20-24 नवंबर, 2018 विश्व भारती शांति निकेतन, एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, के लिए एसपीएस और अनुसंधान में इसके अनुप्रयोग को समझना पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

बी. 26-28 मार्च 2019 जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत में मशीन लर्निंग एंड डेटा एनालिटिक्स पर 3-दिवसीय कार्यशाला।

सुभाशिष बनर्जी

ए. 05 - 11 फरवरी, 2019 राष्ट्रीय कार्यशाला 'ऑन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट ऑफ ऑनलाइन कोर्सेस फॉर रेफरेंस'

बी. 15-24 फरवरी 2019 सांख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज का उपयोग करकेअनुसंधान पद्धति पर 10-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

अलक कुमार दत्ता

ए. 15-16 जनवरी, 2019। उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित कंप्यूटर साइंस में रिफ्रेशर कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

परमार्थ दत्ता

ए. 2-4 मई, 2018. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (आईटी विभाग), द्वारा आयोजित डेटा लर्निंग में मशीन लर्निंग पर संकाय और कर्मचारी विकास कार्यशाला कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

बी. 08-12 जनवरी, 2019. एनआईटी दुर्गापुर में इंटेलिजेंट सिस्टम डिज़ाइन (आरटीआईएसडी 2019) में हालिया रुझान पर शॉर्ट टर्म कोर्स के लिए संसाधन व्यक्ति

सी. 18-19 जनवरी, 2019 उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित कंप्यूटर साइंस में रिफ्रेशर कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

डी. 2-4 फरवरी, 2019 एक आमंत्रित वार्ता दीः कीस्ट्रोके डायनेमिक्सः यूजर आइडेंटिफिकेशन एंड ऑथेंटिकेशन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस इन इंफॉर्मेटिक्स, कम्युनिकेशन, मैनेजमेंट हेल्थ एंड अप्लाइड साइंसएस (आरइस्मस -2019) ब्रेनवेयर यूनिवर्सिटी, बारासात में आयोजित। कोलकाता ।

प्रकाशन

परमार्थ दत्ता

पुस्तकें (सह-लेखक):

1. जेपी सिंह, पी दत्ता और ए चक्रवर्ती, लेखक पुस्तक एड हॉक नेट- वर्क-ए स्टेटिस्टिकल पर्सपेक्टिव शीर्षक से, स्प्रिंगर नेचर द्वारा लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स, आईएसबीएन 978-999-10-8770-7 में प्रकाशित किया जाना है। 2018 (इन प्रेस)।

पुस्तकें (संपादित):

1. एस. भट्टाचार्य, एस डी. और पी दत्ता, संपादित पुस्तक का शीर्षक इंटेलिजेंट मल्टीडी-मेंसनल डेटा एंड इमेज पीआर ओशनिंग है, जिसे आईजीआई ग्लोबल, यूएसए, 2018 (इन प्रेस) द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।
2. जे के मंडल, पी दत्ता और एस मोखोपाध्याय, एडिटेड बुक एडवांस इन इंटेलिजेंट कंपुटिन जी, स्प्रिंगर वर्लग, हीडलबर्ग जर्मनी, 2018 (इन प्रेस) द्वारा प्रकाशित किया जाना है।

पुस्तक अध्यायः

1. अबू सूफियान, अनुराधा बैनर्जी, परमार्थ दत्ता, एड-हॉक नेटवर्क में क्लस्टर हेड के माध्यम से नोड्स के बीच सहयोग, संचार, उपकरण और कम्प्यूटिंग पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पुस्तक श्रृंखला, स्प्रिंगर में व्याख्यान नोट्स में आगे बढ़ना। सिंगापुर।
2. फ़रहाना सुल्ताना, अबू सूफ़ियान, परमार्थ दत्ता, कन्वर्सेशनल न्यूरल नेटवर्क पर आधारित ऑब्जेक्ट डिटेक्शन मॉडल्स की समीक्षा, कम्युनिकेशन, डिवाइसेस एंड कंप्यूटिंग पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इलेक्ट्रिकल्ठा इंजीनियरिंग की पुस्तक श्रृंखला, स्प्रिंगर, सिंगापुर में लेक्चर नोट्स में प्रोसीडिंग ।

शोध पत्र

1. बनर्जी, अनुराधा, परमार्थ दत्ता, और अबू सूफियान। तदर्थ नेटवर्क में के साथ फजी-नियंत्रित ऊर्जा-कुशल एकल हॉप क्लस्टरिंग योजना। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नल 10.3 (2018): 313-327।

2. अबू सफियन, अनुराधा बनर्जी और परमार्थ दत्ता, मोबाइल एड हॉक नेटवर्क में क्लस्टर हेड के माध्यम से धोखा-सबूत संचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जर्नल

3. एस.मंडल, एम घोष, के दत्ता, डी मुखोपाध्याय, पी. दत्ता, एक क्यूसीए डिजाइन और एक व्यापक मामले के अध्ययन के साथ बाइनरी सेमाफोर का ऊर्जा विश्लेषण, सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार, 2019, पृ. 1-12।

4. ए. पाल, पी. दत्ता, ए चक्रवर्ती, जेपी सिंह और एस साधु, मोबाइल एड हॉक नेटवर्क्स में लिंक स्टेबिलिटी की अस्थायी भविष्यवाणी, वायरलेस पर्सनल कम्यूनिकेशन, अंक .104 (1), पृ..2.217- 233, 15/01/2019।

5. मृणाल कांति भौमिक, प्रिया साहा, अनु सिंघा, देबोतोष भट्टाचार्जी, परमार्थ दत्ता, लॉग-आईसीए में कम गॉसिटी के माध्यम से फेस रिकग्निशन सिस्टम के मजबूत होने की संभावना, अनुप्रयोगों के साथ विशेषज्ञ प्रणाली, अंक .116, पीपी ..96-107-107

6. ए. बनर्जी, ए सूफियान और पी दत्ता, मोबाइल एड हॉक नेटवर्क्स में बैलेंस्ड लोड के साथ मूवमेंट गाइडेड टोपोलॉजी मैनेजमेंट, सूचना प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, अंक.11 (1), पीपी .49-158

7. दत्ता परमार्थ और देवका मुखोपाध्याय, एक अल्ट्रा-लो पावर मॉलिक्यूलर क्वांटम डॉट सेल्युलर ऑटोमेटा बेस्ड एक्स-रे (क्यूएक्स-रे) जनरेटिंग सिस्टम यूज़ रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स, रेनेवेबल एंड सस्टेनेबल मेटेरियम्स (2019) 10। 1016 / 978-0-12-803581-8.11035-5

8. ए. सूफियान, ए. बनर्जी, और पी. दत्ता, मोबाइल एड-हॉक नेटवर्क्स में एनर्जी एंड वेलोसिटी बेस्ड ट्री मल्टीकास्ट रूटिंग, वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 2019, डीओआईः 10.1007 / 11277-019-06378-।

9. ए. बर्मन और पी दत्ता, दूरी और बनावट हस्ताक्षर प्रासंगिक सुविधाओं का उपयोग कर चेहरे की अभिव्यक्ति की पहचान, एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 77, 01/04/2019।

10. एम.के. भौमिक, टी. दबनाथ, डी. भट्टाचार्जी, पी. दत्ता, ईएफ-इंडेक्सः एक छवि में सेगमेंट (एस) की संख्या का अनुमान लगाने के लिए समूहों की संख्या, इमेज एंड विजन कंप्यूटिंग, अप्रैल 2019, डीओआईः 10.1016 .2019.04.009।

11. अबू सूफियान, फरहाना सुल्ताना और परमार्थ दत्ता, फ़िज़ी लॉजिक (डीबीएमएफ) का उपयोग करके मोबाइल एड हॉक नेटवर्क में डेटा लोड बैलेंसिंग, कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी वॉल्यूम में वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 4 (1), पृ.- 77-84, 2018।

12. के दत्ता, डी। मुखोपाध्याय और पी. दत्ता। 2-आयामी 2-डॉट 1-इलेक्ट्रॉन का उपयोग करते हुए ग्रे कोड काउंटरों का व्यापक डिजाइन और विश्लेषण। माइक्रोसिस्टम्स टेक्नोलॉजीज, 10.1007/00542-018-3818-1, आईएसएसएन 0946-7076, ऑनलाइन आईएसएसएन 1432-1858, पृष्ठ 1-19, 2018

13. देबज्योति घोष, उत्पल रॉय, ब्रेन ट्यूमर डिटेक्शन फ्रॉम एमआरआई इमेज यूज़ डीप लर्निंग, जनवरी-2019, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, खंड -07, अंक -01, पृष्ठ संख्या। 142-149।

14. एस. रॉय, यू. रॉय, डीडी सिन्हा, स्क्रीन और स्क्रीन पर वे उपयोगकर्ता प्रकारों द्वारा व्यक्तिगत लक्षणों की भविष्यवाणी करने की संभावना;, सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में नवाचार एक नासा जर्नल, आई स्प्रिंगर लंदन। अंक-15, अंक -1, दिसंबर, 2018, पीपी-27-34, आईएसएसएनः 1614-5046 (प्रिंट) 1614-5054 (ऑनलाइन), डीओआईः 10.1007 /11334-018-0317-6।

15 एस. रॉय, यू. रॉय, डीडी सिन्हा, कीस्ट्रोके डायनेमिक्स कैरेक्टर एंड क्वोट के आधार पर सॉफ्ट बायोमेट्रिक ट्रैक्ट्स की संभावना की संभावना इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग (आईएसएसएनः 2347-2693 (क), वॉल्यूम -7, अंक -1 , पीपी 150-157, जनवरी, 2019।

16. जयति मुखर्जी, एसके परुई, उत्पल रॉय, एन-एन क्लासिफायर द्वारा डीग्रेडेड बंगला कैरेक्टर रिकॉग्निशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, अंक .07, अंक 01, पीपी 4.4-4,, 201 9।

17. सौमेन रॉय, उत्पल रॉय, डीडी सिन्हा, कीस्ट्रोके डायनेमिक्स कैरेक्टर के आधार पर सॉफ्ट बायोमेट्रिक ट्रैक्ट्स की भविष्यवाणी करने की व्यवहार्यता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, अंक 07, अंक 01, पीपी 1.50-15,, 201 9।

18. सुस्मितानायक, उत्पल रॉय, क्वांटम मैकेनिक्स इनसाइड क्वांटम कम्युनिकेशन एंड क्वांटम बिट एरर रेट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, अंक .07, जारी 01, पीपी .23-244, 2019।

19. बर्मन देवदित्य, और निर्मल्य चौधरी। टेक्स्ट वर्गीकरण के लिए एक उपन्यास अर्ध पर्यवेक्षित दृष्टिकोण। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नलः 1-11, स्प्रिंगर।

20. बर्मन देवदित्य और निर्मल्य चौधरी। स्व-आयोजन मानचित्र के माध्यम से क्लस्टरिंग का उपयोग करके ग्राहक विभाजन के लिए एक उपन्यास दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एनालिटिक्स

सम्मेलन की कार्यवाहीः

1. एस. मोंडल, एम. घोष, के दत्ता, डी मुखोपाध्याय और पी दत्ता, 52 वें वार्षिक अधिवेशन की कार्यवाही में 2 आयामी 2 डॉट 1 इलेक्ट्रॉन क्वांटम डॉट सेलुलर ऑटोमेटा का उपयोग करते हुए द्विआधारी सेमाफोर का एक डिजाइन और अनुप्रयोग केस अध्ययन। कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ़ इंडिया), कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ़ इंडिया के वार्षिक अधिवेशन में, पीपी। 428-448. 2018।

2. एम. घोष, डी. मुखोपाध्याय और पी दत्ता , 2-डॉट 1-इलेक्ट्रॉन का उपयोग करके फ्लिप-फ्लॉप की ऊर्जा कुशल डिजाइनिंग दृष्टिकोण, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस, कम्युनिकेशंस और बिजनेस एनालिसिस) पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही 27-28,2018 के दौरान कल्याणी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल, भारत में (प्रेस में)।

3. एस रॉय, यू रॉय, डीडी सिन्हा, सॉफ्ट बायोमेट्रिक सूचना की पहचान में टाइपिंग पैटर्न और उपयोगकर्ता मान्यता में इसका प्रभाव। सूचना प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त गणित की कार्यवाही, इंटेलिजेंट सिस्टम और कम्प्यूटिंग में अग्रिम, आईएसएसएन 2194-5357, स्प्रिंगर, मार्च, 2018।

4. एस रॉय, यू रॉय, डीडी सिन्हा, टच स्क्रीन फोन पर टाइपिंग पैटर्न के माध्यम से सॉफ्ट बॉयोमीट्रिक लक्षणों की पहचान में: मंडल जे, सिन्हा डी सामाजिक परिवर्तन - डिजिटल कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, वॉल्यूम 836. स्प्रिंगर, सिंगापुर।

5. एस रॉय, यू रॉय, डीडी सिन्हा, इंटरनेट खतरों से बच्चों का संरक्षण: टाइपिंग पैटर्न के आधार पर आयु-समूह के वर्गीकरण के लिए एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण; इंजीनियरों और कंप्यूटर वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय बहु सम्मेलन की कार्यवाही 2018 वॉल्यूम, अप्रैल - 2018, हांगकांग, आईएसबीएन: 978-988-14047-8-7।

6. एस रॉय, यू रॉय , डीडी सिन्हा, टच स्क्रीन पर मार्ग उपयोगकर्ता प्रकार के आधार पर व्यक्तिगत लक्षणों की भविष्यवाणी करने में गहन शिक्षण दृष्टिकोण, पैटर्न मान्यता में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस शिबपुर पर 1 सेंट अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। (स्वीकार किए जाते हैं)।

7. सरकार, आर, बर्मन, डी और चौधरी, एन मल्टी रोबोट पथ योजना के लिए एक सहकारी सह-विकासवादी आनुवंशिक एल्गोरिथ्म जिसमें कई लक्ष्य हैं, पैटर्न पहचान में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, शिबपुर। 19 वीं -20 जनवरी 2019 (प्रेस में)

पेटेंट

प्रकाशितः

ए. परमार्थ दत्ता, देवार का मुखोपाध्याय, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, प्रकाश थेरेपी के लिए आणविक क्यूसीए पराबैंगनी किरण पैदा करने वाली इकाई, फाइलिंग तिथि 201731011398 के साथ आईपीओ नंबर; 29/03/2018। प्रकाशित 15/06/2018।

बी. पी दत्ता, डी मुखोपाध्याय और एस भट्टाचार्य, पानी की शुद्धि के लिए एक आणविक क्यूसीए आधारित यूवी लैंप, भारतीय पेटेंट नंबर 201731011405 दिनांक 30/03 / 2017। प्रकाशित 15-15-2018 का दिनांक।

आवेदन किया हैः

ए. अनुराधा बैनर्जी, परमार्थ दत्ता, अबू सूफ़ियन, एन एनर्जी एफिशिएंट लो रेडिएशन हेलो डिवॉइड मोबाइल डिवाइस का डिज़ाइन, इंडियन पेटेंट सं. 201831042449)।

बी. सुदीप्त रॉय, परमार्थ दत्ता, देवरखा मुखोपाध्याय और काकली दत्ता, शीर्षक में क्वांटम डॉट सेलुलर ऑटोमैटिक्स आधारित रेडियोसर्जरी के लिए विकिरण चाकू और इसके काम करने की विधि मात्राएँ एट सोन प्रोडे डी डेवेल सं .: 2018/122624 अंतर्राष्ट्रीय आवेदन संख्याः 2017 / 051596 प्रकाशन दिनांकः 05.07.2018 अंतर्राष्ट्रीय फाइल करने की तिथिः 20.03.2017 99/00 (2010.01), 21 4/06 (2006.01), 61ए 6/00 (2006.01)।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः

नबनिता चक्रवर्ती (गेट)

प्रथाना कोले (गेट)

तुलिका शाहा (यूजीसी-नेट)

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 2018/09/09 प्रो मलय मुखोपाध्याय, भूगोल विभाग, वीबी, ने पर्यावरणीय खतरनाक प्रबंधन में नव-निर्धारणवादी दृष्टिकोण पर बात की।
2. 2018/09/10 डॉ सुभाज्योति समददार, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान ने सूचना और आपदा तैयारियों के स्रोत (मुंबई में भूस्खलन निकासी से अंतर्दृष्टि और आर्सेनिक और लवणता वाले बांग्लादेश में वर्षा जल संचयन अपनाने) पर बात की।
3. 2019/02/02 जेएनयू के स्कूल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंसेज के प्रोफेसर एएल रामनाथन ने ग्लेशियर हेल्थ और भारतीय हिमालय प्रणाली में जल संसाधनों पर इसके प्रभाव पर बात की।
4. 2019/02/05 प्रो समर बागची, कोलकाता, ने विकास के प्रतिमान (गांधी और पर्यावरण) पर बात की।
5. 2019/02/16 कोलकाता में बैरिस्टर अनिंद्य मित्रा ने भारत में पर्यावरण कानून पर बात की।
6. 2019/02/17 डॉ. कुलदीप रॉय, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-कोलकाता, ने आउटडोर जीवविज्ञानी पर बात की।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं / विशेषज्ञ व्यक्ति

शिबानी चौधरी

1. 30 मार्च 2019 आलोचना विकास के अलावा भारतीय प्रसंगः एक दार्शनिक मूल्यांकन 29 वीं - 31 मार्च, 2019 पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्व भारती - संयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा, एक एक प्रदूषण मुक्त समाज के लिए नया दृष्टिकोण, दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग, दया-कृष्णा एकेडेमिक फाउंडेशन, शांतिनिकेतन, आईसीएसएसआर के संग-संग राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वभारत।
2. 16-19 नवंबर, 2018 एक सत्र के अध्यक्ष सांस्कृतिक पर्यटन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में और चारों ओर शांति निकेतन और बीरभूम, जन सम्पर्क कार्यालय, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

3. 19 फरवरी, 2019 कागज प्रस्तुत पर्यावरण और बोलपुर- शांतिनिकेतन के वर्तमान परिदृश्य पर टैगोर के विचारों, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एक सत्र के अध्यक्ष।

4. 18-21 मार्च, 2019 कागज प्रस्तुत पर : सतत ऊर्जा और सामाजिक-आर्थिक विकास के स्रोत खर-पतवार के शुरू हो रहे हैं बैठक में उर्वरक और स्वच्छ जल इनवेसिव जलीय मैक्रोफाइट से रासायनिक और प्रोसेस इंजीनियरिंग के स्कूल द्वारा आयोजित, लीड्स विश्वविद्यालय, यूके।

प्रताप कुमार पाढी

1. 10-11 अगस्त, 2018 पेपर प्रस्तुत औद्योगिक शहर दुर्गापुर और धनबाद कोयला खनन क्षेत्रों में परिवेशी वायु गुणवत्ता की स्थिति पर एक तुलनात्मक अध्ययन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में चक्र और जलवायु परिवर्तन, आईआईटी (भारतीय चिकित्सा पद्धति) द्वारा आयोजित।

2. 3 - 4 सितम्बर 2018. पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, भारत में चार औषधि के महत्वपूर्ण पौधों की वायु प्रदूषण में कमी संभावित, में प्रस्तुत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय द्वारा आयोजित एलुमनी एसोसिएशन फिज़ी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के सहयोग से।

3. 3-4 सितंबर, 2018 विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएसटी 2018) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्रामीण जनजातीय महिलाओं को जैव-ईंधन ईंधन का उपयोग करते हुए स्पिरोमेट्री का उपयोग करने के लिए उजागर होने वाले श्वसन स्वास्थ्य की स्थिति का मूल्यांकन पर प्रस्तुत पत्र।

4. 20-21दिसंबर, 2018 कागज प्रस्तुत : बायोमास उपयोगकर्ता और द्रवीभूत पेट्रोलियम गैस उपयोगकर्ताओं के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन बायोमास जलन का प्रभाव फेफड़े कार्य पर ग्रामीण आदिवासी महिलाओं में से 3 क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, सिधोकानो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल।

5. 28 जनवरी, 2019 पेपर प्रस्तुत पर शांति निकेतन में ग्रामीण आदिवासी महिलाओं में फेफड़े कार्य पर बायोमास जलन के प्रभाव पर राष्ट्रीय सेमिनार सतत विकास की दिशा में प्रयास , योजना और विकास के लिए एके दासगुप्ता केंद्र, विश्वभारती।

6. 23 - 24 मार्च 2019 मौखिक प्रस्तुति पर एक प्रभावी दृष्टिकोण जलीय प्रणाली में करी पत्तों का एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि को बढ़ाने के लिए में कार्यशाला - सह पर नेशनल सेमिनार आधुनिक तकनीक और अनुप्रयोग में रुझान। जूलॉजी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

7. 28 वीं मार्च 2019 पौधों और सूक्ष्मजीवों के सतत उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में करी पत्ती पाउडर का उपयोग करके पानी से लीड और कैडमियम की सतत निष्कासनः एक कम लागत जैव-आधारित जल शोधन परिप्रेक्ष्य पर पोस्टर प्रस्तुति। वनस्पति विभाग, शिक्षा भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

एस बालचंद्रन

1. 14 दिसंबर 2018 पेपर प्रस्तुत कैसे वैकल्पिक पर्यटन, इस तरह रूपों आर्कटिक समुदायों के लिए स्थायी प्रदान कर सकते हैं वार्षिक विज्ञान की बैठक, शॉ केंद्र, ओटावा, कनाडा
2. 7-9 दिसंबर, 2018 कागज प्रस्तुत आकलन टी की वह कोटा थर्मल पावर प्लांट का प्रवाह तीव्र विषाक्तता प्रभाव इसका प्रभाव ओ एन कुल कॉलिफोर्म में कोटा बैराज झील, राजस्थान भारत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा भारतीय में सुंदरवन। टी. वे प्लांट प्रोटेक्शन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व-भारती, और हीरामनपुरएग्रो- हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, दक्षिण 24 परगना केसाथ एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट जोगेशगंज प्रोजेक्ट, नॉर्थ के सहयोग से आयोजित करते हैं। 24 परगना और टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, इको-टूरिज्म हब, टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, झरखली, साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत।
3. 7-9 दिसंबर, 2018 कागज प्रस्तुत पारिस्थितिकी पर्यटन में अनुकूल प्रबंधन के आवेदनः पश्चिम बंगाल में शांति निकेतन और सुंदरबन के बीच एक तुलना। आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टी. वे प्लांट प्रोटेक्शन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व-भारती, और हीरामनपुरएग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, दक्षिण 24 परगना के साथ एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट जोगेशगंज प्रोजेक्ट, नॉर्थ के सहयोग से आयोजित करते हैं। 24 परगना और टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, इको-टूरिज्म हब, टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, झरखली, साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत।
4. 16-18 नवंबर, 2018 पेपर प्रस्तुत पर शांति निकेतन में स्थानीय लोगों को सशक्त बनाने के द्वारा सतत पर्यावरण पर्यटन आचरण का विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विकास में और शांति निकेतन और बीरभूम केआसपास सांस्कृतिक पर्यटन, संगठित सार्वजनिक संबंध कार्यालय, विश्वभारती, शांतिनिकेतन से।
5. 16-18 नवंबर, 2018 बोलपुर में और उसके आसपास इकोटूरिज्म की व्यवहार्यता पर प्रस्तुत पेपर, जनसंपर्क कार्यालय, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित शांतिनिकेतन और बीरभूम के आसपास, सांस्कृतिक पर्यटन के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
6. 31 मार्च 2019 शांतिनिकेतन, बोलपुर में स्थायी ईको टूरिज्म प्रथाओं के विकास के लिए अनुकूली प्रबंधन लागू करने पर कागज प्रस्तुत किया गया, वैश्वीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और शिक्षक शिक्षा में प्रतिमान बदलाव, शिक्षक शिक्षा के लिए राजेंद्र अकादमी। नादिया, गोपालपुर, पश्चिम बंगाल 713212।

7. 18-21 मार्च 2019 पेपर प्रस्तुत पर खर-पतवारः सतत ऊर्जा और सामाजिक-आर्थिक विकास के स्रोत, कागज के शुरू हो रहे हैं बैठक में प्रस्तुत किया उर्वरक और स्वच्छ जल इनवेसिव जलीय मैक्रोफाइट से, रासायनिक के स्कूल द्वारा आयोजित और प्रक्रिया इंजीनियरिंग, विश्वविद्यालय लीड्स की, यूके।

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय

1. एस चक्रवर्ती, पी पत्र बी मंडल, 2018, फ्लोराइड प्रदूषण और उसके प्रभाव रों, में भारी धातुओं और कीटनाशकों पर्यावरण में । (पीकेभारती द्वारा संपादित)। डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्रा। लिमिटेड, नई दिल्ली। पीपी। 76-99 (आईएसबीएन 978-93-86841605)।
2. पी पत्र, 2018 ग्रामीण विकास में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग, में रवींद्रनाथ टैगोर और ग्रामीण विकास (एमए माशिलामणि द्वारा संपादित), लक्ष्मी बुक प्रकाशन, सोलापुर पृ..48-61 (-978-1-387-61622-0)।
3. पीके पात्रा, 2018, पश्चिम बंगाल में भूजल गुणवत्ताः पीने के पानी की सुरक्षा की चुनौतियां भारत में कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण विकास के समकालीन मुद्दों में, अनामिका मोक्तन, एन ईडब्ल्यू दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा संपादित। पृ.155-164, आईसबीएनः 978-93-85503-
4. पीके पात्रा, 2018, ओडिशा की तटीय रेखा पर समुद्र तट कटाव और मानवजनित शोषण की कार्यवाही में और इसका प्रभाव ओलिव रिडले समुद्री कछुए, इरावदी डॉल्फिन और मछली की आबादी पर और संरक्षण के उपायों पर दिनांक 29 -30, मार्च, 2018।

पत्रिकाओं में शोध पत्र

1. इंद्रनील बिहुई, अनिल कुरुविला मैथ्यू, शिबानी चौधरी, श्रीनिवासन बालाचंद्रन (2018) विभिन्न इनोकुलम में वाष्पशील फैटी एसिड केसब्सट्रेट अनुपात और पानी की जलकुंभी और साल्विनिया का उपयोग करके बायोगैस उत्पादन बढ़ाने के लिए, 270, 409-415।
2. उत्पल माझी, जी एन चट्टोपाध्याय, शिबस्नी चौधरी (2018) कोयला बिस्तर मीथेन के गुणात्मक मूल्यांकन ने सुरक्षित निपटान रणनीतियों को विकसित करने के लिए पानी का उत्पादन किया , पर्यावरणीय पृथ्वी विज्ञान 76 (14), 474।
3. सोहिनी बैनर्जी, अरिजीत मिश्रा, शिबानी चौधरी, बॉम्बे डैम (2019) एक बैसिलस स्ट्रेन टीसीएल को उल्लेखनीय तनाव प्रतिक्रियाओं, क्रोमियम में कमी की क्षमता और बायोरेमेडिएशन क्षमता के साथ झरिया कोयला खदान से अलग किया गया, जे हर्नार्ड ऑफ हजार्डस मटेरियल 367, 215-223।

4. कर्मकार, डी और पाधे, पीके (2019) धातु तेज पत्ते का हस्तांतरण और एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमों गतिविधि पर उनके प्रभाव के माध्यम से कण से एस रोबस्टा एक उष्णकटिबंधीय जंगल में, पश्चिम बंगाल, भारत, पर्यावरण प्रदूषण और विष विज्ञान के अभिलेखागार, जनवरी 16। 10.1007 / 00244-019-00599-9

5. राभा, आर, घोष, एस और पाधे पीके (2019) पूर्वोत्तर भारत में आदिवासी महिलाओं में फुफ्फुसीय कार्यों पर बायोमास के जलने का प्रभाव, महिला स्वास्थ्य। 59 (3): 229-239।

6. करमाकर, डी, घोष, तीर्थंकर और पाधे पीके (2019) पश्चिम बंगाल, भारत के दो उष्णकटिबंधीय जंगलों, पारिस्थितिक संकेतक में कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता पर वायु प्रदूषण के प्रभाव।

7. कुमारी, दीपा, मल्लिक, टी, पध्या, पीके, मोंडल, एस, कर्मकार, ए और बेगम, एनए (2018) जहरीले माध्यमों में जहरीले कार्बनिक रंगों की गिरावट को हरे रंग के रूप में जलीय तरीकों से उगाते हैंः भारतीय करी पत्ता संयंत्र की उपयोगिता का वर्णन और नैनोकणों ने इसका उपयोग करते हुए संश्लेषित किया, डिसेलिनेशन और जल उपचार, 129, 266-278।

8. नायक, एस और पढी, पीके (2018) ग्रामीण पश्चिम बंगाल, भारत, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 25 (16) में ठोस बायोमास ईंधन का उपयोग करते हुए खाना पकाने के दौरान ठीक कण मामलों (पीएम 2.5) के लिए व्यक्तिगत संपर्क की स्वीकृति। 15,925-15,933।

9. घोष, एस, राभा, आर., चौधरी, एम और पढी, पीके (2018) पीएम 10 के स्रोत और रासायनिक प्रजातियों के लक्षण वर्णन और पश्चिम बंगाल, भारत, चेम्बेरे के अर्ध-शहरी, शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों के मानव स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन, 207, 626-636।

10. राभा, आर., घोष, एस. और पद्य, पीके(2018), ग्रामीण उत्तर-पूर्व भारत में इंडोर वायु प्रदूषणः मौलिक रचनाएँ, हेमटोलॉजिकल सूचकांकों में परिवर्तन, ऑक्सीडेटिव तनाव और स्वास्थ्य जोखिम, इकोटॉक्सीकोलॉजी और पर्यावरण सुरक्षा 165, 393-403।

11. एस. चक्रवर्ती, पीकेपात्रा, 2018, डबराजपुर और रामपुरहाट ब्लॉक, बीरभूम, पश्चिम भारत, इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन वॉल्यूम के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के फ्लोराइड की सांद्रता और हाइड्रोइलेक्ट्रिक विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन। 6, अंक 4, पीपी 73-86। (स्वीकृत)।

12. सुमन सामंत एस एंड पात्रा, पीके .., बनर्जी, एस., नरसिंहैया एल. और चंद्रन दास, कुमार वी. और बंद्योपाध्याय एस., भारत के वैश्विक सौर विकिरण के विभिन्न स्थानों का अनुमान लगाने के लिए सामान्य गुणांक का सृजन, सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 10.1007/00704-018-2531-4 (2.321, उद्धरण -1)।

13. पाल, पी, पत्र, पी और मुखोपाध्याय, डी, 2018। जुताई और गेहूं की पैदावार पर जैविक अवशेषों का प्रभाव (ट्रिटिकम एस्टीवम एल), रेस। 19 को फसल (3) : 373-379।

14. इंद्रनीलबिहुई, अनिल कुरुविला मैथ्यू, शिबानी चौधरी, श्रीनिवासन बालाचंद्रन (2018) पानी में जलकुंभी और साल्विनिया का उपयोग कर बायोगैस उत्पादन के लिए सब्सट्रेट अनुपात और जैव-उत्पादन को बढ़ाने के लिए वाष्पशील फैटी एसिड, बाईरिसोर्स चेकनॉलॉजी 270 (2018) 409 5.807)।

15. प्रवीण कुमार, मंजू रावत रंजन, आशुतोष त्रिपाठी, प्रतीक श्रीवास्तव और बालाचंद्रन एस (2018) स्तर का आकलन और कोटा के सुपर थर्मल पावर प्लांट के चंबल नदी, कोटा, राजस्थान भारत पर प्रवाह चयनित मापदंडों के प्रभाव, वर्तमान के इंटरनेशनल जर्नल उन्नत अनुसंधान, खंड 7; अंक 1 (ई); जनवरी 2018; पृष्ठ संख्या 9021-9024; । आईसएसएनः ओः 2319-6475, आईएसएसएन : पीः 2319-6505, 10.24327/2018।

16. परवीन कुमार, मंजू रावत रंजन, आशुतोष त्रिपाठी, एस. बालचंद्रन और प्रतीक श्रीवास्तव (2018) हेवी मेटल पॉल्यूशन असेस्मेंट अराउंड कोटा सुपर थर्मल पावर प्लांट, पोल रेस । 37 (3): 145-153 (2018) कॉपीराइट ऊ इएम इंटरनेशनल, आईसएसएन 0257-8050।

विभागों में अनुसंधान परियोजनाएँ जारी :

i) शिबानी चौधरी

1. परियोजना का नामः 24**x**7 बिजली सुनिश्चित करने के लिए मणिपुर के सुदूर गाँव में सौर-हाइड्रो पंप भंडारण योजना का विकास, अनुसंधान और पायलट पैमाने पर स्थापना

प्रायोजन एजेंसीः डीएसटी

अवधिः नवंबर 2018-अक्टूबर 2020

स्वीकृत राशि; रुपये. 2,60,67,500

शिबानी चौधरी, पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रधान अन्वेषक और प्रोफेसर अमित कुमार हाजरा, आजीवन अध्ययन और विस्तार विभाग, पीएसवी और डॉ. एस. बालाचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग परियोजना के सह-अन्वेषक हैं।

2. परियोजना का नामः बायोएर्जी, फर्टिलाइजर और इनवेसिव एक्वाटिक मैक्रोफाइट्स से स्वच्छ पानी

प्रायोजन एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी और जैविक विज्ञान अनुसंधान परिषद (फंडर), यूनाइटेड किंगडम जीसीआरएफ

औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी और विकासशील दुनिया में बायोएनर्जी के तहत।

अवधिः जनवरी 2019-दिसंबर 2021

स्वीकृत राशि; रुपये. 2,37,85,233.43।

शिबानी चौधरी, पर्यावरण अध्ययन विभाग, प्रो अमित कुमार हाजरा, आजीवन अध्ययन और विस्तार विभाग, पीएसवी और डॉ. एस. बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग, परियोजना के सह-अन्वेषक हैं, परियोजना एंड्रयू के प्रधान अन्वेषक बी रॉस, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूके।

3. परियोजना का नामः रिसर्च उत्कृष्टता के लिए शिक्षक एसोसिएटशिप सेंथिल कुमार, सेंट जेवियर्स कॉलेज, सेंट जेवियर्स रोड, बर्दवान, पश्चिम बंगाल के लिए (धड़ा) - के मार्गदर्शन के तहत शिबानी चौधरी, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन। बोलपुर -731235

प्रायोजन एजेंसी : एसईआरबी-डीएसटी

स्वीकृत राशिः रु. 18.30,000/-

परियोजना की अवधिः नवंबर 2018-अक्टूबर 2021

4. क्षमता संवर्धन और तकनीकी उन्नति के माध्यम से महिला और बाल स्वास्थ्य को बढ़ाने और सुरक्षित करने के लिए परियोजना का नाम ।

स्पॉन्सरिंग एजेंसीः डेसटी (सीड)

अवधिः 2016-2019

राशि स्वीकृतः 34 लाख, सुजीत के पॉल (पीआई) और शिबानी चौधरी (सह पीआई)

ii) प्रताप कुमार पाधे

1. परियोजना का नामः शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना जिसका शीर्षक है हवा के वातावरण में सूक्ष्म कण और मानव में उनके कैंसर के खतरे। सिद्धांत अन्वेषकः डॉ. प्रताप कुमार पाढी, पर्यावरण अध्ययन विभाग। फंडिंग एजेंसी, एमएचआरडी, भारत सरकार स्वीकृत राशि : रु 70,77,190 परियोजना की अवधि : मार्च 2019-फरवरी 2021

iii) एस. बालचंद्रन

1. परियोजना का नाम; 24**x**7 बिजली सुनिश्चित करने के लिए मणिपुर के सुदूर गाँव में सौर-पनबिजली भंडारण योजना का विकास, अनुसंधान और पायलट पैमाने पर स्थापना प्रायोजन एजेंसी; डीएसटी, नवंबर 2018-अक्टूबर 2020 स्वीकृत राशि; रुपये. 2,60, 67,500 प्रो. शिबानी चौधरी, पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रमुख अन्वेषक और प्राध्यापक अमित कुमार हाजरा, आजीवन अध्ययन और विस्तार विभाग, पीएसवी और डॉ. एस. बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग के सह हैं।

2. परियोजना का नामः बायोएर्जी, फर्टिलाइजर और इनवेसिव एक्वाटिक मैक्रोफाइट्स से स्वच्छ पानी प्रायोजन एजेंसीः जैव प्रौद्योगिकी और जैविक विज्ञान अनुसंधान परिषद (फंडर), यूनाइटेड किंगडम इंडस्ट्रियल बायोटेक्नोलॉजी और बायोएनर्जी इन द डेवलपिंग वर्ल्ड फंड, अवधिः जनवरी 2019-दिसंबर 2021 स्वीकृत राशि; रुपये 2,37,85,233.43। प्रो. शिबानी चौधरी, पर्यावरण अध्ययन विभाग, प्रो. अमित कुमार हाजरा, आजीवन अध्ययन और विस्तार विभाग, पीएसवी और डॉ. एस. बालचंद्रन, पर्यावरण अध्ययन विभाग, परियोजना के सह-अन्वेषक हैं, प्रधान अन्वेषक प्रोजेक्ट एंड्रयू बी रॉस, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूके।

3. परियोजना का नामः केंचुआ मिट्टी के रोगाणु दूषित मिट्टी में कार्सिनोजेनिक पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (सीपीएएच) की मध्यस्थता। प्रायोजन एजेंसी; डीबीटी ट्विनिंग परियोजना, अवधि; दिसंबर 2018-दिसंबर 2021 स्वीकृत राशिः रु. 56,39,200 डॉ. एस. बालचंद्रन (पीआई), पर्यावरण अध्ययन विभाग और प्रो. एनसी मंडल, वनस्पति विज्ञान विभाग, विश्व-भारती (सह पीआई)। पर्यावरण विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / एसएलईटी और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः

असामुल हक (सीएसआईआर-नेट, गेट, डीबीटी-जेआरएफ, आईसीएमआर)

हिमांशु गिरम (गेट)

इमरान अली (गेट)

माधुरी सिल (गेट, नेट, डीबीटी-जेआरएफ)

रनिता धर (सीएसआईआर-नेट, डीबीटी-जेआरएफ)

शमीमा खातून (सीएसआईर-नेट)

श्रीतोमा कुंडू (गेट)

सोनाली पाल (गेट)

रवि कुमार (डीबीटी-जेआरएफ)

सैकत डे (सीएसआईर-नेट)

सुप्रिया केशरी (नेट, डीबीटी-जेआरएफ)

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 05-03- 2019. अध्यक्षः डॉ. बोल्डिज़सोरकोस, सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च, हंगरी, ने पोपलर में डॉर्मेंसी और सीबीएफ ट्रांसक्रिप्ट स्तर के बीच संबंधों के एकीकरण पर बात की।
2. 05-03- 2019. अध्यक्षः डॉ. स्ज़ेकलीएंड्रस, सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च, हंगरी, ने रिडॉक्स पर निर्भर में उत्परिवर्ती अरबिडोप्सिस जीनोटाइप्स में बात की।
3. 26-03- 2019 अध्यक्षः प्रो. सिबा प्रसाद आधिकारी, उच्च शिक्षा के माध्यम से सफलताः भारत में कैसे प्राप्त करें पर बात की।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला / संसाधन व्यक्ति

एस. पी अधिकारी

1. 8 - 10 नवंबर , 2018. पत्थर के स्मारकों के बायोडिएटराइजेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ केग्रोनपेंटोइस, फ्रांस में यूरोपीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान।

2. 1 फरवरी - 3 फरवरी, 2019 को प्लांट साइंस रिसर्च में वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान, कैस बॉटनी शताब्दी समारोह, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
3. फरवरी 4 - 6, 2019 संयंत्र विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण व्याख्यान, वनस्पति विज्ञान, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम विभाग।
4. 9 फरवरी, 2019 सतत विकास के लिए जीवन विज्ञान में उभरते रुझान, जीवन विज्ञान विभाग, रामा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा में राष्ट्रीय कार्यशाला में साहित्यिक व्याख्यान।
5. 22 फरवरी - 23, 2019. जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान-अभिनव और उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य टिप्पणी व्याख्यान, वनस्पति विज्ञान विभाग, बरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा।
6. मार्च 8-10। रासायनिक विकास और रसायन विज्ञान में औषधीय विकास में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन , 2019, रसायन विज्ञान विभाग, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर, ओडिशा में पूर्ण व्याख्यान।

तथागत चौधुरी

1. 14 मार्च, 2019. जैव रसायन और जैव भौतिकी में अनुसंधान और विकास के आधुनिक परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वार्ता।
2. 5-6 फरवरी, 2019 क्षेत्रीय युवा अन्वेषक बैठक-कोलकाता में प्रस्तुति
3. 28 फरवरी - 2 मार्च 2019 6 वीं आणविक विषाणु विज्ञान बैठक, स्कूल ऑफ बायोसाइंस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में अध्यक्ष।

नरोत्तम दे

1. 29 सितंबर - 2 अक्टूबर, 2018 को जयपुर में सम्मेलन, 2018 (एनजीबीटी-2018) में भाग लिया और प्रस्तुत किया। प्रस्तुति की प्रस्तुतिः चावल में वैश्विक वानस्पतिक विश्लेषण प्रेरित जलमग्नता के तहत
2. 2-5 दिसंबर, 2018। सीएसआईआर - राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में 4 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस में भाग लिया और प्रस्तुत किया । कागज का शीर्षकः फिजियोलॉजी और जीनोमिक्स पॉलीकार्पेलरी ट्रेस इन राइस (ऑरिज़ा सैटिवा एल।)

जॉली बसाक

1. 29.1। 20 1 18 । आमंत्रित व्याख्यान पहचान और के लक्षण वर्णन पर दिया बाकला का अनुवाद जीन और जीनोम आईआईसीबी कोलकाता में आयोजित भिन्न संक्रमण के तहत व्यक्त अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ।

सिमरन साहा

1. जनवरी 3-4, 2019 एक पोस्टर प्रस्तुत किया और प्रस्तुत किया : कैंसर कोशिकाओं में थिएफ्लेविन्स की एंटीकैंसर प्रभावकारिता ऑटोफैगी की वाया प्रेरण। जूलॉजी में रुझान पर स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जूलॉजी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय।
2. 28 नवंबर, 2018. मौखिक प्रस्तुतिः टिनोसोस्पोराकोर्डिफ़ोलिया अर्क और एम्फ़ोटेरिसिन बी द्वारा प्रायोगिक आंत संबंधी लीशमैनियासिस के खिलाफ नए संयोजन उपचार की चिकित्सीय और इम्युनोमोडायलेटरी क्षमता। आंतरायिक लीशमैनियासिस (आईईसी-वीएल), जेएच-इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसिन, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली -67 के उन्मूलन और नियंत्रण के लिए नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रकाशन

1. केशती, एन, दास, एस के और अधिकारी, एस पी, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत, वर्तमान विज्ञान, 116: -0 9 -1111, 201 9 में हाईरिटेज स्मारकों की सूक्ष्म गिरावट। (प्रभाव कारकः 0.88 0.3)
2. दो मिट्टी सायनोबैक्टीरिया, स्काइटनमेटोलिपोथ्रिचोरोइडे और टॉलीपोथ्रिक्सबाउटिली द्वारा खेती में सिंचाई के रूप में निर्धारित की जाती है। इंजीनियरिंग लाइफ साइंस, 1-12, 10.1002 / 201800082, 2018। (प्रभाव कारकः 2.3)
3. कुमार, डी, और अधिकारी, एसपी, सायनोबैक्टीरिया और माइक्रोएल्गे और उनके व्यावसायिक अनुप्रयोग, मौजूदा विज्ञान, 115, 234-241, 2018 से एक्सोपोलिसेकेराइड्स। (प्रभाव कारकः 0.883)
4. मोहंती, डी. और अधिकारी एस.पी, समुद्री शैवाल से तरल अर्क तैयार करने के लिए प्रोटोकॉल का स्थिरीकरण, उनके फाइटोहोर्मोन की मात्रा का ठहराव और फसल सुधार के लिए आवेदन।), जर्नल ऑफ जियो मरीन साइंस, 47: 13-13-1372,2018। (प्रभाव कारकः 0.287)।
5. डे, पी., बैराग्य, मानव संसाधन और रॉय, ए. परिवार जी फंगल एंडोक्सिलैनेजेस की एक्स- रे संरचनाओं में अवायवीय पानी के अणुओं की भूमिका । जर्नल ऑफ़ बायोसाइंसेस, 2018, 43 (2), 339-349।
6. मनु अस्थाना, सुशील कुमार साहू, अमित कुमार, सुचित्रा मोहंती, सुदीप्त चक्रवर्ती, पियंकी दास, नबनिता रॉय चट्टोपाध्याय, कोत्वव चटर्जी, शिवराम प्रसाद सिंह, शनमुगम राजसुब्रमण्यम, तथागत चौधुरी। हेपेटाइटिस सी वायरस क्लीयरेंस के लिए इंटरफेरॉन आधारित थेरेपी के जवाब में इंटरल्यूकिन 28 बी पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका। वर्तमान ड्रग मेटाबॉलिज्म 19: 215-223, 2018

7. पियंकी दास, कोत्वव चटर्जी, नबनिता रॉय चट्टोपाध्याय, तथागत चौधुरी। टीकेके विकास पर जोर देने के साथ से जुड़ी बीमारियों और उनके रोगजनन पैटर्न के विकासवादी पहलू। वायरस डिस्क, 2019. 10.1007/13337-019-00525-6 (ऑनलाइन संस्करण)

8. रचना गुप्ता, पार्थ मलिक, नीलांजना दास, मान सिंह (2019) के एंटीऑक्सिडेंट और भौतिक-रासायनिक अध्ययन ने जिंक ऑक्साइड नैनोकणों को तैयार किया। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स 275, 749-767। प्रभाव कारक 4.513।

9. तमन्नामल्लिक, अभिजीत कर्मकार, शेख बतूता, गियासुद्दीन अहमद, श्रीपर्णा दास, मो। निहारुलअलम, मधुमथान मुखर्जी, नीलांजना दास, देवव्रत मंडल, और नाज़नी आरा बेगम (2018) फ्लोरेसेंट स्मॉल मॉलिक्यूलर बायोमेनोसेरोमिनल स्पिरिट बायोमेरोकोल से समझदारी के लिए काफी बड़े हैं के साथ बातचीत। एसीएस ओमेगा 3, 334-348

10. दास एसपी, देब डी और डी एन (2018) एक मल्टीपल सीड राइस (ओरिजा सैटिवा एल।) प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर (स्प्रिंगर) (डीओआई : 10.1007 / 11105-018-1116-9) के फ्लोरल ऑर्गन्स के माइक्रोऑर्फ़िक और आणविक अध्ययन।

11. गोस्वामी एस, कर आरके, पॉल ए और डे एन (2018) जलमग्नता के तहत चावल में सब 1 ए लोकी की विभेदक अभिव्यक्ति। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी (स्प्रिंगर)। 27 (4) 473-477।

12. कुमारी आर, चौधरी डी, गोस्वामी एस और डे एन (2019) पूर्वी भारत से चयनित अपलैंड चावल (ओरिज़ा सैटिवा एल) लाइनों की भौतिक, जैव रासायनिक और आणविक जांच। बुलेटिन ऑफ़ द नेशनल रिसर्च सेंटर (स्प्रिंगर), डीओआईः 10.1186 / 42269-019-0087-9।

13. बेसरा ए और बसक जे 2018. इन-सिलिको प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शनः मेजबान-रोगज़नक्र बातचीत का अध्ययन करने के लिए एक उभरता हुआ अनुसंधान क्षेत्र। रेस जे बायोटेक (प्रेस में)।

14. चक्रवर्ती एन और बसक जे. 2018. मुंगबीन पीले मोज़ेक भारत वायरस संक्रमण के जवाब में एक प्रतिरोधी बनाम अतिसंवेदनशील विग्ना मुंगो कल्टीवर की तुलनात्मक ट्रांसक्रिपटोम प्रोफाइलिंग, एमएमआईवी प्रतिरोध में नई अंतर्दृष्टि का पता चलता है। वर्तमान संयंत्र जीवविज्ञान। 10.1016/.2018.11.001

15. चक्रवर्ती एन और बसक जे. 2018. मिथाइल जसोमेट के बहिर्जात आवेदन रक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित करता है और विग्ना मुंगो में मुंगबिन पीले मोज़ेक इंडिया वायरस के खिलाफ सहिष्णुता विकसित करता है । फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी (प्रेस में)।

16. पटवा एन, नितिन सी, बहादुर आरपी और बसक जे. 2018 पहचान और भिन्न व्यक्त के लक्षण वर्णन बाकला पीला मोज़ेक भारत वायरस के संक्रमण के दौरान और अपने लक्ष्य बातचीत में नई जानकारी का पता चलता है। जीनोमिक्स 10.1016/ 2018.09.005

17. चक्रवर्ती एन और बसक जे. 2018. लेग्युमिनस होस्ट विग्ना मुंगो में मोलबीन पीले मोज़ेक भारत वायरस प्रतिरोध के आणविक और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन जे प्लांट बायोकेम बायोटेक । 27 (3): 318-330

18. पटवा। एन और बसक। जम्मू। 2018. संयंत्र - बीमारी के छोटे अभी तक महत्वपूर्ण नियामकों। बायोटेक्नोलॉजी के रिसर्च जर्नल में स्वीकृत। रेस जे बायोटेक। 13 (6): 85-92।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएंः

I

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. तथागत चौधुरी (पीआई)**

(ii) परियोजना का नामः साथ प्राथमिक प्रवाहकीय लिंफोमा और अंतःक्रिया को प्रेरित किया

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः यूजीसी (2015-2018)

(iv) स्वीकृत राशिः 10,66,000/-

II

i) शिक्षक का नामः **डॉ जॉली बसाक (पीआई)**

ii) परियोजना का नामः मुंगबिन येलो मोज़ेक इंडिया वायरस के संक्रमण के लिए उत्तरदायी फेज़ोलस वल्गरिस लंबे गैर-कोडिंग आरएनएएस की पहचान और लक्षण वर्णन।

iii) प्रायोजन एजेंसियांः सीएसआईआर, भारत सरकार।

iv) राशि की मंजूरी : रु 31 लाख

III

i. शिक्षक का नामः **डॉ. नरोत्तम दे (पीआई)**

ii. परियोजना का नाम : कोमल चॉल का आनुवंशिक सुधार और लोकप्रियकरण-दूरस्थ स्थानों में तैनात सैनिकों के लिए एक संभावित चावल की तैयारी

(iii) प्रायोजक एजेंटः भारतीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड भारत सरकार)

(iv) स्वीकृत राशिः 26,34,688/-

IV

i. शिक्षक का नामः **डॉ. नरोत्तम दे (पीआई)**

ii. परियोजना का नामः एसएनपी के विकास के लिए कार्यात्मक मार्करों को अजैविक तनाव (सूखा, लवणता और जलमग्न) के लिए चयनित पश्चिम बंगाल चावल भूमि दौड़ के बीच सहिष्णुता।

iii. प्रायोजक एजेंटः डीएसटी, भारत सरकार।

iv स्वीकृत राशिः 11,99,800 / -

V

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. समरीन शाह (पीआई)**

(ii) परियोजना का नामः ऑटोफैगिसिन कोशिका मृत्यु के प्रेरण के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं पर थिएफ्लेविन की रासायनिक प्रभावकारिता'

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीबीटी, भारत सरकार।

(iv) राशि की मंजूरी : रु. 25 लाख।

VI

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. तथागत चौधुरी (पीआई) और डॉ. समीरनशाह (सह पीआई)**

(ii) परियोजना का नामः औषधीय पौधे - अखिल भारतीय आईसीएआर की समन्वित परियोजना

(पीईआर एनईआरसी, आईसीएआर, बारापानी, मेघालय में)

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः आईसीएआर (2015-2018)

(iv) स्वीकृत राशिः 23,20,000/-

VII

(i) शिक्षक का नामः **डॉ. नरोत्तम दे (सह पीआई)**

(ii) परियोजना का नामः प्रकाश और सूखे तनाव के संयोजन के लिए फसल पौधों (चावल और गेहूं) की प्रतिक्रियाएं

(iii) प्रायोजन एजेंसियांः डीएसटी, भारत सरकार।

(iv) स्वीकृत राशिः रु. 31,56,000/-

एकीकृत विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट में योग्य छात्रः दो

विभागीय संगोष्ठीः दो (02);

(i) 10-14 सितंबर, 2018: डीएसटी इंसपायर कैंप

(ii) फरवरी 7-9-2019: राष्ट्रीय संगोष्ठी विकिरण और फोटो रसायन विज्ञान पर

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं / विशेषज्ञ व्यक्ति

महाश्वेता नंदी

1. 27-31 अगस्त, 2018 एकल नैनोस्टस्ट्रक्चर, नैनोमीटर, एरोगेल और उनके इंटरैक्शन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और प्रस्तुत किया गया पोस्टरः क्वांटम भौतिकी और रसायन विज्ञान का संयोजन, द मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स ऑफ कॉम्प्लेक्स सिस्टम, ड्रेसडेन, जर्मनी ।
2. 7-9 दिसंबर, 2018 नेचुरल पॉलिमर, बायो-पॉलिमर, बायो-मैटेरियल्स, उनके कंपोजिट, ब्लेंड्स, और जैलः मैक्रो टू नैनो स्केल्स छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और वितरित व्याख्यान दिया।
3. 18 जून, 2019 में इंस्ट्रूमेंटेशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी-2019, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, भारत, में 2 एन डी नेशनल सिम्पोजियम पर आमंत्रित व्याख्यान और भाग लिया ।

उमेश कुमार सिंह

1. 10-11 अगस्त, 2018। बिजियोकेमिकल चक्र और जलवायु परिवर्तन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद के राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 7 - 9 दिसंबर, 2018 लाइवलीहुड प्रमोशन, जैव विविधता, संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा में भारतीय सुंदरवन, इको-टूरिज्म हब, टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, झरखली, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

प्रकाशन

1. गैर-सहसंयोजक मुक्त-बेसोएक्टेथाइलोस्पिरिन और 2-नाइट्रोफ्लोरोइन दाता-स्वीकर्ता प्रणाली में फोटोइंडोनेटेड इलेक्ट्रॉन स्थानांतरणः एक संयुक्त प्रायोगिक और क्वांटम रासायनिक अध्ययन, मिहिर घोष, शिवराज, बी सिद्धलिंगेश्वर, अनूप थॉमस और सुब्रत सिन्हा, जे मल्लिक, 277 (2019) 656-662।

2. जलीय माध्यम में सल्फोनेटेड पॉलीनीलीन का विस्तृत फोटोफिजिकल अध्ययन, रिजिया खातुन, कौशिक माझी, वेंकन्नामेरीगा, अमित के. चक्रवर्ती और सुब्रत सिन्हा, जे. फिज रसायन। 122 (2018) 7089-7098।

3. सिलिकॉन क्वांटम डॉट-आधारित फ्लोरोसेंट जांचः मानव रक्त में थायोसाइनेट के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और मान्यता, देबीप्रसाद रॉय, कौशिक माझी, मलोय कु. मंडल, स्वाधीन कृ. साहा, सुब्रत सिन्हा और प्रणेशचौधरी, एसीएस ओमेगा, 3 (2018) 7613-7620।

4. पोलर लिक्विड माध्यम, रिजिया खातुन, सैंडिक लेयक, कौशिक माझी और सुब्रत सिन्हा, बुलेटिन में फुलरीन की उपस्थिति में पाली (9,9 (2-एथिलहेक्सिल) -9 फ्लोरीन-2,7-विनाइलीन) की प्रतिदीप्ति शमन । लेजर और स्पेक्ट्रोस्कोपी सोसायटी ऑफ इंडिया, 24 (2018) 44-51।

5. सुपरमॉलेक्यूलर साइक्लोडेक्सट्रिन पर्यावरण, कौशिक माझी, रिजिया खातुन और सुब्रत सिन्हा, बुलेटिन ऑफ लेजर एंड स्पेक्ट्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया, 24, (2018) 57-65 में 9-सायनोएन्थ्रेनेन के फोटोफिजिकल व्यवहार।

6. ईंधन सेल प्रतिक्रियाओं, बासु एम. दास और सुसांता घोष, वर्तमान विज्ञान, 114 (9) (2018) 1878-1884 को उत्प्रेरित करने के लिए हरियाली रासायनिक कमी द्वारा स्तरित

7. नई पीढ़ी के इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में बैक्टीरियल सेलुलोज / पॉलीक्रिलोनिट्रील कंपोजिट से प्राप्त सक्रिय कार्बन मोनोलिथ। आयुमीदोबशी, जून मारुयामा, येहुशेन, महाश्वेता नंदी और हिरोशी उयामा, कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर 200 (2018) 381-390।

8. मेसोपोरस सिलिका ने 5-प्रतिस्थापित टेट्राजोल और 2-प्रतिस्थापित बेन्ज़ोथियाज़ोल के संश्लेषण के लिए पुनरावर्तनीय विषम उत्प्रेरक के रूप में समैरियम का समर्थन किया, पार्थ कुमार सामंत, रीमा बिस्वास, तृषा दास, महाश्वेता नंदी, विभुतोष अदिकारी जर्नल ऑफ़ पोरस मटीरियल 26 (2019) 145.55।

9. उच्च प्रदर्शन सुपरकैपेसिटर इलेक्ट्रोड और ऑक्सीजन विकास प्रतिक्रिया के लिए कम्पोजिट, अतनु रॉय, अपूर्बा रे, समिकाशा, मोनालिसा घोष, त्रिशा दास, बिश्वरूपसप्तपति, महाश्वेता नंदी और सचिंद्रनाथ दास, इलेक्ट्रोइमिका एक्टा, 283 (2018) 327-7337।

10. मेसोस्ट्रक्टेड एम-क्रिसोल फॉर्माल्डिहाइड, रेसोरिसिनॉल फॉर्मलडिहाइड और एम-अमीनोफेनॉल फॉर्मलडेहाइड कम्पोजिट रेजिनः उनकेसोखना और ऑप्टिकल गुण, एम। नंदी , जे. मोडल, ए भौमिक, नैनो मैट केम बायो देव, 1 (2018) 30-41

11. कृषि में जैविक कचरे का पुनर्चक्रणः एक पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य, भाविशा शर्मा, बरखाविश, मोनिका, उमेश कुमार सिंह, पूजा सिंह, राजीव प्रताप सिंह, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण अनुसंधान पत्रिका (2019) 10.1007/41742-019 -00175-वाई ।

12. एक उष्णकटिबंधीय नदी बेसिन प्रणाली में भारी धातुओं और उनके पारिस्थितिक जोखिम का स्रोत विकीर्णन, पर्यावरण विज्ञान और उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान 25 (2018) 25443-25457।

13. जलविद्युत प्रक्रिया की विशेषता और सात भू-तापीय झरनों, बकेरेश्वर, भारत, सुभाजित रॉय, बलवंत कुमार, अभिजित चौधरी, उमेश कुमार सिंह, समित रे, अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेस 11 (2018) 314 की जल गुणवत्ता का मूल्यांकन।

14. भूजल रसायन शास्त्र और पूर्वी सिंहभूम, झारखंड, भारत, के खनन क्षेत्र में मानव स्वास्थ्य के जोखिम मूल्यांकन उमेश कुमार सिंह, अल रामनाथन, 204 (2018) 501 - 513।

15. भारतीय नदी घाटियों के जल विज्ञान और जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, उमेश कुमार सिंह, बलवंत कुमार, वर्तमान विश्व पर्यावरण, 10.12944/13.1.04, अंक 13 , नंबर (1) 2018, 32-43।

अनुसंधान परियोजना

(ए) शिक्षक का नामः **सुब्रत सिन्हा (प्रधान अन्वेषक)**

i. परियोजना का नामः स्थिर राज्य और समय-निर्धारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों द्वारा पोलीनाइन आधारित नैनोकम्पोजिट्स की जांच। (2016-2019)

ii. प्रायोजन एजेंसियांः सी.एस.आई.आर.

iii. स्वीकृत राशिः रु.7,00,000/-

(बी) शिक्षक का नामः **सुब्रत सिन्हा (प्रधान अन्वेषक)**

i. परियोजना का नामः कुशल और स्थिर कार्बनिक फोटोवोल्टिक उपकरणों (2018-2020) के लिए नई कार्यात्मक सामग्री और हरे प्रसंस्करण मार्गों का विकास

ii. प्रायोजन एजेंसियांः डीएसटी-आरएमईएस

iii. स्वीकृत राशिः रु 61,04,600/-

(ग) शिक्षक का नामः **महाश्वेता नंदी (प्रधान अन्वेषक)**

i. परियोजना का नामः मेसोपोरस सिलिका और उनके संभावित अनुप्रयोगों के आधार पर कार्यात्मक नैनोमीटर (2019-2022)

ii. प्रायोजन एजेंसियांः डब्ल्यूबी-डीएसटी

iii. स्वीकृत राशिः रु. 5,00,000/-

कला-भवन

(ललित कला संस्थान)

विश्व भारती में ललित कला के संकाय कला भवन, कल्पना की संवेदनशीलता और रचनात्मकता को पूर्ण शिक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा 1919 में विश्वविद्यालय की औपचारिक स्थापना स्थापना के साथ इसकी स्थापना हुआ।

हालांकि इसे भारतीय दृश्य अभ्यास में आधुनिक परिभाषित करने के प्रयासों की निरंतरता के रूप में माना जा सकता है, जो कि अबानिंद्रनाथ टैगोर और कोलकाता में उनके छात्रों/अनुयायियों के प्रयासों से शुरू हुआ था, शांतिनिकेतन आंदोलन ने अपनी विशिष्ट विशेषता, लक्ष्य और दिशानिर्देश नंदलाल बोस, अबानिंद्रनाथ से प्राप्त किए। दृश्य अभ्यास के प्रति रवींद्रनाथ टैगोर के कैथोलिक दृश्य के साथ एक उल्लेखनीय उदाहरण और उनके सिद्धांतवादी दर्शन के रूप में एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में, कला-भवन ने प्रकृति और जीवन को सांस्कृतिकता के आसपास राष्ट्रवादी/ 'पुनरुत्थानवादी' तरीकों से परे प्रासंगिक रूप से आधुनिक भारतीय परिदृश्य का पता लगाया।

कला-भवन में पांच विभाग हैं - चित्रकारी, डिजाइन, मूर्तिकला, ग्राफिक्स (प्रिंटमेकिंग) और कला का इतिहास। डिजाइन विभाग अपने अभ्यास को दो प्रमुख दिशाओं में ढूंढता है कपड़ा डिजाइन, और सिरेमिक ग्लास। इनमें से प्रत्येक विभाग अंडरग्रेजुएट से डॉक्टरेट शोध तक विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों की पूरी श्रृंखला चलाता है।

रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस दोनों की एक उल्लेखनीय दृष्टि में एक संग्रहालय और पुस्तकालय अभिन्न - और अनिवार्य रूप से जरूरी था। कवि द्वारा एकत्रित दृश्य अभ्यास के लिए प्रासंगिक पुस्तकेंपुस्तकालय के प्रारंभिक, और नंदलाल और रवींद्रनाथ द्वारा एकत्रित पारंपरिक कलाकृतियों का गठन किया - शायद 1915 के आरंभ में - नंदन संग्रहालय को अकादमिक निकाय के रूप में शुरू किया गया जिसका संग्रह प्रेरक के रूप में कार्य करना था और भवन के छात्रों और शिक्षकों दोनों द्वारा समकालीन अभ्यास के लिए रोशनी उदाहरण। संस्थान में हाल केअभिव्यक्ति के अपेक्षाकृत वर्तमान तरीकों की ओर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन पुस्तकालय और संग्रहालय दृश्य अभ्यास के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण समर्थन प्रणाली के रूप में बने रहेगा। संग्रहालय का वर्तमान संग्रह 19,000 वस्तुओं से अधिक हो गया है, और पैन-एशियाई में नंदलाल बोस के दृढ़ विश्वास को ध्यान में रखते हुए, नए कला आंदोलन के साथ-साथ दुनिया भर में कला वस्तुओं के महान अग्रदूतों के काम का अनुभाग है। इसी तरह, पुस्तकालय में किताबें होती हैं जो विश्व कला में लगभग सभी दिशाओं को कवर करती हैं।

हाल ही में, सेंटर फॉर इंटरडिशनलरी प्रैक्टिस के अलावा, एक स्टूडियो-आधारित अवसर जो कि कला-भवन के सभी छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए खुले हैं, उनके विशेषज्ञता विभागों के बावजूद, अंतःविषय से नए मीडिया प्रयोगों के प्रति सकारात्मक उत्साह प्रदान किया है। यह प्रारंभिक विश्वास को बहाल करने का एक प्रयास है कि कला-भावाना एक समस्त रचनात्मक भावना में जो अनुशासनात्मक और मध्यमवादी विशेषज्ञता से निराश नहीं है। केंद्र ने कार्यशालाओं और निवासियों को प्रभावी ढंग से शुरू किया है, जिसने कला-भवन समुदाय और आने वाले विशेषज्ञों और कलाकारों के बीच संभावना की पेशकश की है।

2018-19 में अपने आने वाले शताब्दी के साथ, कला-भवन राष्ट्रीय और वैश्विक दृश्य अभ्यास के संदर्भ में संस्थान को प्रमुखता के रूप में बढ़ाने के लिए तैयार है।

डिजाइन विभाग

गौतम दास

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. मार्च -2018, असम में अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला में भाग लिया।
2. बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया- 2018।
3. एसएसडब्लयूडी, शांतिनिकेतन - 2019 में कविता के साथ कला कार्यशाला में भाग लिया।

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

आईसीसीआर 2018-19 का मनोनीत सदस्य।

सिसिर सहाना

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. मिस्र में बिरोस इंटरनेशनल आर्ट पेंटिंग संगोष्ठी। अक्टूबर 2018
2. कोलकाता में हिडको पश्चिम बंगाल द्वारा कमीशन ग्लास ग्रोथ में बाहरी शिल्पकला के रूप में एक बड़े पैमाने पर सार्वजनिक कला को पूरा किया।
3. कला मेला, गैलरी गणेश, नई दिल्ली, फरवरी-2019।
4. डिजाइन विभाग, कला-भवन, मार्च, 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका में समकालीन कला अनुभव पर स्क्रीन दृश्य प्रस्तुति के साथ एक व्याख्यायन प्रस्तुत की।

(बी) शैक्षणिक उपल्भधियाँ

अमेरिका के पिट्सबर्ग ग्लास सेंटर में रेजीडेंसी कार्यक्रम। जनवरी से फरवरी 2019।

देबाशीष महालोनबिश

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. सुरेश अमिया मेमोरियल ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा 2018 में आयोजित संरक्षण और बहाली पर विभागीय कार्यशाला में भाग लिया।

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

1. मजीहिरा नेशनल बेसिक एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, बीरभूम, पश्चिम बंगाल, द्वारा आयोजित कला और खादी पर कार्यशाला में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।
2. मजीहिरा नेशनल बेसिक एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, बीरभूम, पश्चिम बंगाल, द्वारा आयोजित कला और खादी पर कार्यशाला में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित। खादी कपड़े के लिए मुद्रण पर व्याख्यान-सह-प्रदर्शन दिया।
3. गांधी आश्रम, सबनपुर, बिहार, 2018 द्वारा आयोजित खादी फैब्रिक में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित एवं व्याख्यान-सह-प्रदर्शन दिया गया।

(ग) प्रकाशन

1. भारत में खादी वस्त्रों पर एक समीक्षा, कपड़ा एसोसिएशन (सहकर्मी की समीक्षा), 2018 के जर्नल।

बनतानवी दशमपात्र

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 6-12 दिसंबर 2018: कला की उत्पत्ति और डिजाइन की समझ, प्रदर्शनी के अवसर पर एक प्रस्तुति में भाग लिया और कला प्रदर्शनी में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसका शीर्षक न्यू क्राफ्ट था, जिसका आयोजन द फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट, ढाका विश्वविद्यालय और चीन के तिंगहुआ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।
2. शांतिनिकेतन सोसाइटी ऑफ़ आर्ट एंड डिज़ाइन, के सहयोग से लुमिएरज़ द्वारा आयोजित एक कविता और पेंटिंग कार्यशाला में भाग लिया।

भावना खजूरिया बसुमतारी

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. कला शिक्षा में चीनी मिट्टी की चीज़ें, विरासत विद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित में व्याख्यान के लिए आमंत्रित एवं विशेषज्ञ व्यक्ति।

मैडी लिंडा

(ए) सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/ प्रदर्शनी

1. 5-14 अप्रैल 2018: झारखंड के रांची, पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामलों के कलाकार शिविर।

2. 5 सितंबर 2018: पेंटिंग, कला-भवन, शांतिनिकेतन में शिक्षकों की कार्यशाला।

3. 19 - 26 मार्च 2018: समन्वयक, क्रिस्टल, शीशा लगाना और राकु कार्यशाला, डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में।

4. 22-27 मार्च 2019 : ग्लास में काम करने वाली ज्वाला कार्यशाला, कला-भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित कार्यशाला।

5. 15-16 मार्च, 2019: विभागीय संगोष्ठी और व्याख्यान स्वंय राकु एक यात्रा, डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

6. 23 मार्च, 2019: विभागीय संगोष्ठी और व्याख्यान मिट्टी के साथ यात्रा, डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित।

देबाशीष दास

(ए) सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी

1. 5 सितंबर 2018: सोमनाथ होर के स्टूडियो, कला-भवन, शांतिकेतन में शिक्षकों की कार्यशाला।

2. 19-26 मार्च 2018: समन्वयक - क्रिस्टल, शीशा और रैकू कार्यशाला, डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

3. 15-16 मार्च, 2019: समन्वयक - विभागीय संगोष्ठी और व्याख्यान लोक कला अभ्यास में टेराकोटा और सिरेमिक और खुद राकु एक यात्रा, डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती।

4. 15-16 फरवरी, 2019: वीवर्स स्टूडियो सेंटर, कोलकाता द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी दुर्गा में भाग लिया।

5. 22-27 मार्च, 2019: फ्लेम वर्किंग इन ग्लास वर्कशॉप, डिज़ाइन विभाग, कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

6. 23 मार्च, 2019: विभागीय संगोष्ठी और व्याख्यान मिट्टी के साथ यात्रा, डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती।

7. 6-12 दिसंबर 2018: कला प्रदर्शनी में भाग लिया और भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसका शीर्षक न्यू क्राफ्ट था, जिसका आयोजन द फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट, ढाका विश्वविद्यालय और चीन की सिंघुआ यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया था।

8. 2019: सीआईएमए आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित सीआईएसए अवार्ड शो। कोलकाता

अर्चना दास

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 15-16 मार्च, 2019: विभागीय संगोष्ठी और व्याख्यान लोक कला अभ्यास में टेराकोटा और सिरेमिक, डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती।
2. 22-27 मार्च, 2019: कांच में काम करने वाली ज्वाला कार्यशाला, डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
3. 19-26 मार्च 2018: क्रिस्टल, शीशा और रैकू कार्यशाला, डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।
4. 23 मार्च, 2019: विभागीय संगोष्ठी एवं व्याख्यान जर्नी विद क्ले पर डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

अनुपम चौधरी

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 2018-19: मुंबई में कला की 60वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी (ललित कला अकादमी)
2. 6-12 दिसंबर 2018: कला प्रदर्शनी में भाग लिया और भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसका शीर्षक न्यू क्राफ्ट था, जिसका आयोजन ललित कला संकाय, ढाका विश्वविद्यालय और चीन की सिंघुआ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था।

मूर्तिकला विभाग

विभागीय संगोष्ठीः

1. ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता द्वारा आयोजित कार्ल अन्ताओ के साथ दस दिवसीय कार्यशाला।
2. रोमानियन कलाकार अलेक्जेंड्रू पोटेका द्वारा जैविक सामग्री में कास्टिंग पर तीन दिनों की कार्यशाला।

पंकज पंवार

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. कला शिखर सम्मेलन, 21वीं सदी में मिलेनियम हिल्टन में कला और डिजाइन शिक्षा, सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय, थाईलैंड 2019 द्वारा आयोजित।
2. कलाकार और कवि एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन 2019 में अंतःविषय कार्यशाला।
3. 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला और उत्सव, पोचांग एकेडमी ऑफ आर्ट, राजमंगला विश्वविद्यालय, थाईलैंड। 2019
4. मूर्तिकला, राजू चारुकाला, कोलकाता 2018 के विकास पर सचित्र बात।
5. आधुनिक पश्चिमी मूर्तिकला, कला आर्क, कोलकाता 2018 पर सचित्र बातचीत।
6. जूरी के सदस्य, दूसरी अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी, हैदराबाद, तेलंगाना सरकार। 2019।
7. चारूकला कोलकाता द्वारा महात्मा गांधी, की 150वीं जयंती मनाया।
8. 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, पोचांग अकादमी, बैंकॉक, थाईलैंड 2019।
9. समकालीन कलाकारों की वार्षिक प्रदर्शनी, बिड़ला अकादमी, 2018।
10. सोसाइटी ऑफ कंटेम्परी आर्टिस्ट्स, गैलरी टाइम एंड स्पेस, बैंगलोर 2018 की एक प्रदर्शनी।

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

रेजीडेंसीः

आर्टिस्ट रेजिडेंसी, टाटा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जमशेदपुर 2018

सुतनु चटर्जी

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. ललित कला अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 60वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई - 2019।

अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी, 2019 का इंडियन नेशनल फोरम ऑफ आर्ट एंड कल्चर द्वारा आयोजन जनवरी - 2019 में किया गया।

अंतरराष्ट्रीय राकु सिरेमिक कार्यशाला और संगोष्ठी का आयोजन सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय आईटी कैम्पस फेथबुरी, थाईलैंड।

2. सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय, थाईलैंड में माई वर्क के बारे में प्रस्तुति - 2019

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

सलाहकार सदस्यः

1. इंडियन नेशनल फोरम ऑफ़ आर्ट एंड कल्चर, कोलकाता।
2. ललित कला अकादमी, कोलकाता।

(सी) प्रकाशन

'मुखोमुखी - अरुण पाल', कलाकार और मेरी दृष्टि और दृश्य, बोइवाला बुक कैफे, शांतिनिकेतन, दिसंबर 2018

मति लाल कलाई

(ए) शैक्षणिक भेद

1. धीरेंद्र कृष्ण देवबर्मन, (स्मृति पुरस्कार) यादगार पुरस्कार, त्रिपुरा सरकार, अगरतला, 13 अप्रैल 2018।
2. आईसीसीआर, नई दिल्ली, 2018-19 से गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर (रामकिंकर शैली) का बस्ट।

कमल धर

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. मानव उत्कृष्टता के लिए श्री सत्य साई विश्वविद्यालय 24-26 मई 2019 वैश्विक शिक्षा सम्मेलन आयोजित कर रहा है।
2. श्री सत्य साई विश्वविद्यालय 26-30 मार्च 2019 को कला मूर्तिकला और वास्तुकला पर एक कार्यशाला आयोजित।

3. दुर्गा पूजा महोत्सव 2019, हावड़ा, अलापोनी पर सार्वजनिक कला।

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

1. आईसीससीआर, नई दिल्ली, 2018-19 गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर (रामकिंकर शैली) की बस्ट
2. रामकिंकर बैज की मूर्तियां, मिल्कोल, सुजाता और हार्वेस्टर संथाल परिवार की बहाली।
3. सुरेन्द्रनाथ बंधुपेडी, बराकपुर रस्तगुरु सुरेंद्र नाथ कॉलेज संग्रहालय, दिसंबर -2018।

ऋषि बरुआ

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. समकालीन कला का एक समूह शो सह-क्यूरेट- आर्ट सम्मोहक जेस्चर जानूस आर्ट गैलरी, कोलकाता, जून 2018 में।
2. चित्रकला परिषद, बेंगलुरु, सितंबर 2018 के छात्रों के साथ कार्यशाला आयोजित करने के लिए विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।
3. एसएसवीएडी, शांतिनिकेतन में पेंटिंग और कविता कार्यशाला, लुमिएरज़ इंडिया द्वारा आयोजित, 7-10 फरवरी 2019 तक।
4. म्युसिंग ऑन रियलिटी'- बिड़ला अकादमी, कोलकाता में फरवरी 2019 में ओपन विंडो का एक ग्रुप शो।

अमित कुमार धारा

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 15 अप्रैल 2018 को भारत के बालीपारा, शांतिनिकेतन, डब्ल्यू.बी. नैरेटिव मुवमेंट प्रजेंट द वर्ल्ड पीसीडब्लयू।
2. अंतर्राष्ट्रीय कला गतिविधियाँ बंगला बेनेले, कोमधारा, हुगली, पश्चिम बंगाल, भारत में 8 से 20 फरवरी, 2019 तक नैरेटिव मुवमेंट द्वारा
3. 28 अक्टूबर से 03 नवंबर, 2018 अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स, कोलकाता, भारत में नंदन शांतिनिकेतन के सदस्यों द्वारा 17 वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी।
4. अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी पीसीडब्ल्यू मिलान, इटली में 03 नवंबर 2018 को
5. 27 मार्च से 02 अप्रैल, 2018 तक, खुल्ना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में भूमि कला पर संगोष्ठी और कार्यशाला।

6. शांतिनिकेतन, प.बं. इंडिया, 15 जुलाई 2018 को नैरेटिव मूवमेंट्स द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक कला पर्व - कथात्मक लहर मनाया।
7. कोलकाता के नंदन में शांतिनिकेतन सोसाइटी द्वारा मिट्टी के बर्तनों पर राष्ट्रीय कार्यशाला - मिट्टी (टेराकोटा और ग्लेज़) 12-14 मार्च 2019 को।

(सी) प्रकाशन

पुस्तक का चित्रणः

अंग्रेजी स्टोरीबुक फेनमैन का वादा मेरे द्वारा सचित्र, व्हाइट फाल्कन पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित प्रथम संस्करण 2018,

लवानसिभा खरमौलोंग

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. सीआईईटी , प्रौद्योगिकी संस्थान, बजबज, पश्चिम बंगाल में व्याख्यान के लिए आमंत्रित। डिजाइन विभाग (कपड़ा, चीनी मिट्टी की चीज़ें और ग्लास)

चित्रकला विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर /नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः

गार्गी घोष (नेट)

ाभागीय संगोष्ठी / कार्यशाला (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

1. लघु चित्रकला कार्यशाला
2. 25 सितंबर 2018 को यूके से एक वरिष्ठ बच्चे और किशोर मनोचिकित्सक डॉ. अमित रंजन विश्वास द्वारा मानव कल्याण पर एक प्रयोगात्मक कार्यशाला लिविंग वेल लीडिंग वेल।
3. ओइहिका चक्रवर्ती द्वारा कला थैरेपी वर्कशॉप सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी आर्ट्स, कला भवन के सहयोग से फरवरी, 2019 में समन्वय घोष द्वारा समन्वित
4. जोगेश दत्ता माइम अकादमी द्वारा फरवरी, 2019 में प्रदर्शन
5. जनवरी 2019, कला भवन में मुंबई से ज्योति डोगरा द्वारा ब्लैक होल का प्रदर्शन
6. कैटिलिन ने वेल्स के जनवरी 2019 से लाइट लैड और एमब्रटन द्वारा एक कार्य प्रदर्शन कार्यशाला किया
7. जापानी सुलेख कार्यशाला, 2019

दिलीप मित्रा

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

अप्रैल 2018: कलाकृती आर्ट गैलरी, हैदराबाद द्वारा आयोजित ग्रुप शो।

(बी) शैक्षणिक उपल्बधियाँ

जनवरी 2019: जूरी के सदस्य राज्य अकादमी की वार्षिक प्रदर्शनी

(सी) प्रकाशन

के. जी. सुब्रमण्यन की मुरली और गणेश हलुई की मुरली पर शिलादित्य मासिक पत्रिका, कोलकाता, 2018 में प्रकाशन

अर्घ्य प्रिया मजूमदार

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

मई 2018: जनिक आर्ट गैलरी कोलकाता में ग्रुप शो, सौमिक नंदी मजूमदार और ऋषि बरुआ द्वारा क्यूरेट

संचेतन घोष

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. मई 2018: नेशनल लेवल ग्रुप एग्जीबिशन रूमिनिसेंस ऑफ लेबर इन एक्सपेरिमेंट, कोलकाता में भाग लिया।
2. अक्टूबर 2018: कोच्चि के छात्र द्विवार्षिक, 2018 के भाग के रूप में इंफाल आर्ट कॉलेज, मणिपुर में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
3. 27 से 31 अक्टूबर 2018: पटना में 31.10.2018 को नेशनल प्लेटिनम जुबली फेस्टिवल में पेंटिंग एंड थिएटर पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

1. अप्रैल 2018: कोच्चि मुजिरिस बायनेले, 2018 के हिस्से के रूप में कोच्चि के छात्र बायनेले के क्यूरेटर में नामांकित।
2. अगस्त 2018: कला, विज्ञान, वाणिज्य, गृह विज्ञान, ललित कला और संगीत में स्नातक अध्ययन के परिषद से जुड़ी कलकत्ता विश्वविद्यालय के यूजी बोर्ड ऑफ स्टडीज के बाहरी सदस्य के रूप में नामित।

(सी) प्रकाशन

2. भारत में लोक कला अभ्यास में उभरते रुझानः एक संवाद प्रदर्शन मोड की ओर, ऑनलाइन यूजीसी अनुमोदित पत्रिका (आईएसएसएनः 2319-8192) 12 वीं अंक (वॉल्यूम-6, संख्या-2), सितंबर 2018।

राजर्षि बिश्वास

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. दिसंबर 2018: गैलरी वीएए, जोरहाट, असम में विज़न एंड परफॉर्मिंग आर्ट के लिए 'विज़न आर्ट असम' सेंटर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी।

प्रशांत साहू

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 2018: पाठ के रूप में पाठ, भाग-2, गैलरी आर्ट एंड सोल, मुंबई में एक समूह प्रदर्शनी, सुभलक्ष्मी शुक्ला द्वारा क्यूरेट।
2. नक्षत्र - बिहार संग्रहालय, पटना, बिहार में एक समूह प्रदर्शनी
3. पानी पर लिखा गैलरी बियॉन्ड, मुंबई में एक समूह प्रदर्शनी

4. बंगाल की कला - कोलकाता के आईसीसीआर में बंगाल समकालीन कला का एक समूह प्रदर्शनी
5. पार्ट / ट्रैप अनूप कामथ द्वारा क्यूरेटेड गैलरी रागिनी, नई दिल्ली में ग्यारह समकालीन कलाकारों का एक समूह शो।
6. रिस्पांस एक नया-मीडिया और इंस्टालेशन शो है जो रत्न सिनेमा (एक परित्यक्त सिनेमा हॉल), आर्ट गैलरी, कोलकाता द्वारा आयोजित; राखी सरकार द्वारा क्यूरेट किया गया।
7. एसएसवीएडी के सामूहिक 'कलाकृती आर्ट गैलरी', हैदराबाद में एक समूह शो

धारित्री बोरो

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. दिसंबर 2018: गैलरी वीएए, जोरहाट, असम में विज़न एंड परफॉर्मिंग आर्ट के लिए 'विज़न आर्ट असम' सेंटर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी

लेखाचित्र कला विभाग

विभागीय संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनीः

1. विख्यात कला समीक्षक रत्नोत्तम सेनगुप्ता द्वारा कृष्ण रेड्डी पर कक्षा में चर्चा ।
2. प्रोफेसर नियाज़ मजूमदार, अमेरिकन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा प्रिंटमेकिंग पर क्लास रूम चर्चा।
3. प्रोफेसर जशिम उद्दीन, इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, यूनिवर्सिटी ऑफ चटगांव, बांग्लादेश के नेतृत्व में 09 छात्रों के एक समूह ने प्रिंटमेकिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, और 10 से 25 नवंबर 2018 तक हमारे विभाग में उनके कार्यों का प्रदर्शन किया।
4. प्रदर्शनी विनिमय और कार्यक्रम में आने वाले छात्रों के तहत, चार छात्रों और ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के5 छात्रों और 2 शिक्षकों के एक समूह ने दिसंबर 2018 में हमारे छात्रों के साथ दौरा किया और काम किया।

अर्पण मुखर्जी

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 23 जून 2018: अमृता सेन और कुरची दासगुप्ता, गंगा आर्ट गैलरी, कोलकाता द्वारा क्यूरेट की गई स्मॉल हिस्टोरिस : मिमोरी एज प्रैकटिस, मिमोरी ऐज ऐथिक्स नामक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया।
2. 22 फरवरी 2019: चेन्नई फोटो बेनेले, चेन्नई में भाग लिया
3. 28 फरवरी 2019: प्रथम कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फोटो उत्सव, कोलकाता में भाग लिया
4. 19 जुलाई 2018: गंगा आर्ट गैलरी, कोलकाता द्वारा आयोजित छोटे इतिहासः स्मृति के रूप में फैक्टरी, स्मृति के रूप में इतिहास पर पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
5. 11 दिसंबर 2018: समकालीन प्रिंटमेकिंग, अभ्यास और शिक्षाशास्त्र पर चर्चा की गई, एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी जो चैप स्टूडियो और फैकल्टी ऑफ़ फ़िनकार द्वारा संचालित की गई।
6. 11 जनवरी 2019: कलाकार वार्ता , तेलंगाना राज्य आर्ट गैलरी, कृष्णकृती फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा आयोजित
7. 3 मार्च 2019: प्रथम कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी उत्सव, नंदन, कोलकाता द्वारा आयोजित वैकल्पिक फोटोग्राफी और समकालीन अभ्यास पर बातचीत।
8. 28 मार्च 2019: टेड एक्स जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वैकल्पिक फोटोग्राफी पर सचित्र बातचीत।

9. 10-15 दिसंबर 2018: वैकल्पिक फ़ोटोग्राफ़ी पर कार्यशाला का आयोजन, फ़ेकल्टी ऑफ़ फ़िनैट्र्स, एम.एस.यूनिवर्सिटी, बरोदा

10. 17-21 दिसंबर 2018: जवाहर कला केंद्र, जयपुर द्वारा आयोजित बहु रंग और मोनोक्रोम गम डाइक्रोमेट प्रिंटमेकिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

11. 7-11 जनवरी 2019: 19वीं सदी के फोटोग्राफी अभ्यास, कृष्णकृती महोत्सव, हाइड्रैबड पर कार्यशाला आयोजित

12. 4-8 मार्च 2019: 19वीं सदी की फोटोग्राफी प्रक्रिया पर कार्यशालाओं की एक शृंखला का आयोजन, सीएसएमवीएस संग्रहालय, मुंबई द्वारा आयोजित

अजीत सील

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 1 सितंबर 2018, 18वीं एशियाई कला बिलेनले बांग्लादेश में भाग लिया। शिल्पकला अकादमी, ढाका।
2. 6-3-2019, प्रिंटमेकिंग विभाग, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय के एक विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया
3. 24-30 मार्च 2019, अंतर्राष्ट्रीय गैर विषैले मुद्रण कार्यशाला सह संगोष्ठी, आईकेएसवी, खैरागढ़, 2019 के लिए आमंत्रित।
4. 11-17 जून, 2019 ग्रुप शो, मल्टीपल एनकाउंटर, हैबिटेट सेंटर।
5. 22 फरवरी से 2 मार्च 2019 तक, जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई में राष्ट्रीय एससीआरएपी मूर्तिकला / चित्रकला शिविर / प्रिंटमेकिंग शिविर में भाग लिया।

सलिल सहानी

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. ग्रुप शो, मल्टीपल एनकाउंटर, हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 2019।
2. नई दिल्ली के 2018 के प्रिंट के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट बिएनेल

उत्तम कुमार बसाक

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 26.03.2019: ललित कला विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में प्रिंटमेकिंग पर व्याख्यान और प्रदर्शन।

3. 01-12. 10. 2019 : कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, कर्नाटक चित्रकला परिषद, बैंगलोर से कोलोन प्रिंटमेकिंग कार्यशाला आयोजित।
4. 16-23 दिसंबर 2018: बोधगया बिएनले 2018, बिहार में भाग लिया।
5. जनवरी 2019: विजुअल आर्ट गैलरी, नई दिल्ली भारत, 1-3 में समूह प्रदर्शनी विविधता 6 का हस्ताक्षर में भाग लिया।

(सी) प्रकाशन

1. समकालीन प्रिंटमेकिंग में तकनीक की भूमिका, उभरते प्रौद्योगिकी और नवीन अनुसंधान, 2018 के जर्नल, आईएसएसएनः 2349-5162

एम. थॉमस सिंह

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 2019: ढाका में किबरिया अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट कला मेले में भाग लिया। (15 से 17 फरवरी 2019)
2. 2019: इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली (1-3 जनवरी, 2019) में समूह प्रदर्शनी विविधता 6 का हस्ताक्षर
3. 2018: असम ऑर्ग में पहली राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भाग लिया। (28 दिसंबर 2018 27 जनवरी 2019)
4. 2018: सिलिगुड़ी, ऑर्ग में दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भाग लिया। (मई 2018)

प्रशांत फिरंगी

(सी) प्रकाशन

1. प्रतिलेखन की धारणा, आर्ट इको, शिल्पंगन, भारत, अगस्त 2018, आईएसएसएनः 2348-5337
2. मेरे विश्वासः प्रिंटमेकिंग में इमेज मेकिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च एंड एडवांस्ड स्टडीज, वॉल्यूम -5, अंक -9, सितंबर 2018, आईएसएसएन:: 2394-4404।
3. एक धारणाः स्टॉप मोशन एनीमेशन, इंडियन जर्नल्स, प्रिंट आईएसएसएनः 2278-3296 / ऑनलाइन आईएसएसएनः 2349-4441
4. साईलोग्राफी : लकड़ी की तख्ती की व्याख्या, कलावातार, ललित कला अकादमी, बेंगलुरु, खंड 7, अंक 2, अगस्त-अक्टूबर 2018, आईएसबीएन -978-81-938383-6-5

कला इतिहास विभाग

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

1. अध्यक्षः श्री प्रबोध पारिख, प्रस्तुति का शीर्षकः इमेजिंग - पाठ, पाठ - छविः रवींद्रनाथ टैगोर के चित्रों के साथ आमने-सामने, 19 जनवरी 2019, स्थानः नंदन, कला-भवन
2. अध्यक्षः सुश्री जू फांगफैंग, प्रस्तुति का शीर्षकः जू बेहाहोंग - आधुनिक चीनी चित्रकला के अग्रणी, 21 जनवरी 2019, स्थानः नंदन, कला-भवन

आर. शिव कुमार

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 06.04.2017 चेल्सी कॉलेज ऑफ आर्ट्स (लंदन), कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी और न्यूयॉर्क के सहयोग से सेंटर फॉर ट्रांसनेशनल कल्चरल एनालिसिस (कार्लटन यूनिवर्सिटी, ओटावा) द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ट्रांसकल्चरल स्टडीज संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षकः इंडो-जापानी आर्टिस्टिक प्रोडक्शन अंडर पैन-एशियनिज्म।
2. 13.04.2018 हार्वर्ड विश्वविद्यालय के लक्ष्मी मित्तल साउथ एशियन इंस्टीट्यूट में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक, इंटरलोकेटर से पेंटरः रवींद्रनाथ टैगोर और आधुनिक भारतीय कला।
3. 24.07.2018 1700-1950, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आयोजित आधुनिक बंगाल के व्यापक इतिहास पर सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। पेपर का शीर्षकः स्वर्गीय औपनिवेशिक कलाः बंगाल स्कूल और शांतिनिकेतन।
4. 22-26.10.2018 विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसर कार्यक्रम के तहत गोवा विश्वविद्यालय में 5 आमंत्रित व्याख्यान दिए। व्याख्यान के शीर्षक थेः द आर्ट पैनोरमा, विज़ुअल लैंग्वेज एंड एक्सप्रेसिव पॉसिबिलिटीज़, रीडिंग आर्ट ऑफ़ व्यूइंग एंड स्ट्रेटेजीज़ ऑफ़ रीडिंग आर्ट, लोकेस्टिंग मीनिंग इन इमेजेस, अप्रोच टू आर्ट राइटिंग, फ्रेम, लाइट, मूवमेंट।
5. 11.07.18 ललिता कला अकादमी की ओर से त्रिवेंद्रम में आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित एवं व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षकः आर्ट विदाउट ब्लिंकरः द पॉलिटिकल इन के. जी. सुब्रमण्यन वर्क।
6. 16-18.11.2018 भारतीय सिरेमिक त्रिवेणी, जवाहर कला केंद्र, जयपुर के संयोजन में टेक ऑन आर्ट द्वारा आयोजित कला लेखन पर एक कार्यशाला का आयोजन।

7. 16.11.2018 जयपुर के जवाहर कला केंद्र में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक थाः द किंग ऑफ द डार्क चैंबर एंड अदर वर्क इन टेराकोटा वी के. जी. सुब्रमण्यन।
8. 10.02.2019 देबबाशा, कोलकाता में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक था फेबल ऑफ डिलाईट एंड मिंडफुलनेश : इलुस्टेड बुक बाई के जी. सुब्रमण्यन।
9. 18.01.19 से 20.02.2019 वाडेहरा आर्ट गैलरी नई दिल्ली में आमंत्रण पर क्यूरेट प्रदर्शनी। प्रदर्शनी का शीर्षक थाः बिट्स इनसाइट एंड इनसाइटः ग्लिम्प्सेस ऑफ़ बेनोडेबेरी मुखर्जी।

(बी) शैक्षणिक उपल्बधि

मारियो मिरांडा, विजिटिंग प्रोफेसर, कला इतिहास विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा।

(ग) प्रकाशन

क्राफ्ट्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंटः 'द शांतिनिकेतन लिगेसी, लाइफ इन इट्स कम्प्लीटनेस': रबींद्रनाथ टैगोर की विरासत और कार्रवाई पर कारीगरों और शिल्प, शिल्प परिषद, चेन्नई, 2018, पृ. 7-11।

मेघाली गोस्वामी

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 28-12-2018। 27-28 दिसंबर, 2018 को मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, कोलकाता और पूर्वोत्तर भारत कंपनी, सिलचर, असम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक साहित्यिक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षकः उत्तर पूर्व भारत में सांस्कृतिक उत्पादन की परंपराएं।
2. 26-02-2019 एचसीडीजी कॉलेज, शिवसागर, असम, भारत द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बीज वक्ता एवं विशेषज्ञ व्यक्ति। प्रस्तुति का शीर्षकः पूर्वोत्तर भारत में पहचान और सीमांतता के मुद्दे, सामाजिक समावेश को चुनौती।

(बी) शैक्षणिक उपल्बधियाँ

एशोसिएटशिप, यूजीसी इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, राष्ट्रपति निवास, शिमला (2016-2018)

संजोय कुमार मल्लिक

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 15.11.2018 मुंबई के भाऊ दाजी लाड म्यूजियम में डिस्टिंक्टिव इंडिविज्मः अबनिंद्रनाथ, गगनेंद्रनाथ और रबींद्रनाथ टैगोर नामक एक सचित्र खुला सार्वजनिक व्याख्यान दिया, जो नवरत्नः भारत का राष्ट्रीय

खजाना कलाकार उनके संग्रह से कलाकृतियों के साथ डीएजी के सहयोग से एक प्रदर्शनी के आसपास की घटनाओं की एक शृंखला। शीर्षक से किया गया था।

2. 12.-13.12.2018। गांधी और उनके समकालीनोंः विंटर इंडियन स्कूल ऑफ एडवांस स्टडी, शिमला केविषय पर विंटर स्कूल के लिए (ए) नंदलाल बोस और (बी) जैमिनी रॉय ने दो सचित्र प्रस्तुतियाँ दीं।

(ग) प्रकाशन

1. एक कलाकार के रूप में अरुण पाल, कलाकार और मेरी दृष्टि और दृश्य, बोइवाला बुक कैफे, शांतिनिकेतन, दिसंबर 2018, पृ. 75-84 आईएसबीएनः 978-81-938136-1-4 पर शीर्षकहीन निबंध।
2. चित्तप्रसाद के दृश्य मोड, आधुनिक भारतीय चित्रकला / जेन और किटो डी बोअर संग्रह, ईडीएस, रॉब डीन और जाइल्स टिलोट्सन, मैपिन पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड, अह्मदाबाद 2019, पृ. 180 - 203 आईएसबीएनः 987-93-85360-58-9

अंशुमान दासगुप्ता

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 7-9.02.2018, चारुकाला, ढाका, बांग्लादेश की वार्षिक संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया इंटरनैट ढाका आर्ट समिट-पेपर का फोरेंसिक आर्ट हिस्ट्री' (शिक्षा मंडप),
2. 05.08.2018; गोएथ-इंस्टीट्यूट, टोक्यो के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया बॉहॉस इमेजिनिस्टाः कॉरेस्पोंडिंग विथ ट्रांसकल्चरल एक्सचेंज्स - 20 वीं सदी की कला और डिजाइन शिक्षाशास्त्र भारत, जापान और जर्मनी पेपर शीर्षकः बॉहॉस और शांतिनिकेतन शिक्षाशास्त्र,
3. 2.12.2018, रूपक और अन्य शैक्षणिक उपकरणों के नियम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, गोएथ इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित, नई दिल्ली में बॉहॉस इमेजिनिस्टा, बर्लिन के लिए; आईआईसी, नई दिल्ली में
4. 11.07.2018 राष्ट्रीय ललित कला अकादमी, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक थाः समकालीन कला और इसकी स्थानीय गतिशीलता।
5. 08.02.2019 दृश्यकला विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय कल्याणी द्वारा कला और प्रौद्योगिकी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शिर्षक कला और प्रौद्योगिकीः उनके संबंधों को देखने के लिए एक रूपरेखा।
6. 14.03.2019 एचकेडब्ल्यू, बर्लिन, फाईनल बॉहॉस इमेजिनेनिस्टा प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। पेपर का शीर्षक राष्ट्रवाद बहस और टैगोर।

(बी) शैक्षणिक उपलब्धियाँ

1. जून 2019 तक बॉहॉस इमेजिनिस्टा, बर्लिन, जर्मनी के लिए क्यूरेटोरियल रिसर्चर।
2. क्यूरेटर, कलाभवन के 100 साल (चल रहे)

(ग) प्रकाशन

1. बॉहॉस वेब जर्नल निबंधः रूपक और अन्य शैक्षणिक उपकरणों के नियम
2. निबंधः द इंटीमेट एंड द कंटिंगेंटः कला और शिल्प शांतिनिकेतन के शिक्षाशास्त्र में, इन बॉहॉस इमेजिनिस्टा (पुस्तक), थेम्स और हडसन, लंदन, 2019 आईएसबीएनः 9-0-0-500-02193-4
3. कला भवनः डिजाइनिंग कला और पर्यावरण; संचार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर सीजेएमसी जर्नल; विश्वभारती, शांतिनिकेतन; जनवरी 2019 प्रेस में

सौमिक नंदी मजूमदार

(ए) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 25.05.2018 आर्ट एसर कोलकाता द्वारा आयोजित भारतीय कला पर विशेष ध्यान देने के साथ कला प्रशंसा नामक कला प्रशंसा पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक भारतीय कला की शुरुआतः पूर्व-इतिहास से सिंधु घाटी सभ्यता तक।
2. 26.05.2018 आर्ट एसर कोलकाता द्वारा आयोजित भारतीय कला पर विशेष ध्यान देने के साथ कला प्रशंसा नामक कला प्रशंसा पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक मौर्य और सुंग काल की कला।
3. 09.06.2018 रामकिंकर बैज की जयंती के अवसर पर कोलकाता के देबोवशा में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक रामकिंकर को देखते हुएः बदलती धारणाएं।
4. 16.06.2018 आर्ट एसर कोलकाता द्वारा आयोजित भारतीय कला पर विशेष ध्यान देने के साथ कला प्रशंसा नामक कला प्रशंसा पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक मुगल और राजपूत लघु चित्रकला।
5. 05.10.2018 आर्ट एसर, कोलकाता द्वारा आयोजित आर्ट इन एप्रिशिएशन विथ वेस्टर्न आर्ट पर विशेष ध्यान देते हुए आर्ट एप्रिसिएशन कोर्स में व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक पॉप कला और ऑप कला।
6. 06.10.2018 आर्ट एसर, कोलकाता द्वारा आयोजित आर्ट इन एप्रिशिएशन विथ वेस्टर्न आर्ट पर विशेष ध्यान देते हुए आर्ट एप्रिसिएशन कोर्स में व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक उत्तर-आधुनिक कलाः एक सिंहावलोकन।

7. 10.11.2018 पूर्व एशियाई कला - चीन और जापानः महत्व और प्रभाव नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षकः पूर्व एशियाई कला में अंतरिक्ष की धारणा।
8. 17.11.2018 जानूस केंद्र दृश्य और प्रदर्शन, कोलकाता में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक आधुनिक कला की चुनौतियाँ
9. 18.11.2018 दृ जानूस केंद्र दृश्य और प्रदर्शन, कोलकाता में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक आधुनिक कला की चुनौतियाँ
10. 15.01.2019 अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स, कोलकाता में एलुमनी एसोसिएशन ऑफ गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पेडागॉजी एंड आर्ट प्रैक्टिस में पैनलिस्ट के रूप में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक कला का शिक्षण इतिहास।
11. 19.03.2019 तुलनात्मक साहित्य केंद्र, विश्व भारती में एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान का शीर्षक रवींद्रनाथ टैगोरः चित्रकार।

(ग) प्रकाशन

1. रबींद्रनाथ आँका छबिः भशर खोजे, दोशोखर खोजे, संचार, खंड संख्या 1, पृष्ठ संख्या 11-16, अप्रैल, 2019, बंगाली विभाग की पत्रिका, विवेकानंद कॉलेज फॉर वुमन, कोलकाता।

संगीत भवन

(संगीत, नृत्य और नाट्य संस्थान)

विश्व भारती विश्वविद्यालय के अंतर्गत संगीत भवन एक ऐसा इंस्टीच्यूट है जहाँ संगीत, नृत्य और नाटक की शिक्षा देकर कलाकार संगीत, नृत्य और नाटक में अपना कैरियर बना रहा है। इसके अलावा तरह-तरह के कार्यक्रमों (जैसे बंगाली नया साल, टैगोर जन्मोत्सव, 7वाँ पौष उत्सव, मानसून उत्सव, टैगोर सप्ताह, वृक्षरोपण समारोह, पतझड़ उत्सव, वसंतोत्सव) में लगातार हिस्सा लेकर विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग के रूप में उभर रहा है। इसी तरह रवींद्रनाथ टैगोर के समय से विश्वविद्यालय में चालू हुए मंदिर सेवा (उपासना) में भी सक्रिय रह रहा है। साल भर दूसरे विभागों के सेमिनारों, विश्वविद्यालयों में उपस्थित गेस्टों के सम्मान में संगीतमय कार्यक्रम चलता रहता है। ये सारे कार्यक्रलाप पाठ्यक्रम से बाहर का है, लेकिन विद्यार्थियों में स्टेज प्रस्तुति करने समेत कई विकास होता है। जो विद्यार्थियों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। यह एक आवश्यक पहलू भी माना जाता है जो शांतिनिकेतन की परंपरा को आगे बढ़ाता है।

यह तेजी से महसूस किया गया है कि रवींद्रनाथ टैगोर के नृत्य विचारों को एक व्यवस्थित पाठ्यक्रम के भीतर रखा जाना चाहिए, जो नृत्य के बारे में टैगोरियन विचारों के सार को चित्रित करेगा। इसलिए, हम ईमानदारी से महसूस करते हैं कि रबींद्र-नृत्य पर हमारा हाल ही में शुरू किया गया पाठ्यक्रम शांतिनिकेतन में परंपरा में योगदान देगा।

एस्राज के लिए केंद्र एक और क्षेत्र है जहां भवना को लगता है कि यह इस दुर्लभ साधन के संरक्षण और अभ्यास में योगदान देगा, जो टैगोर का पसंदीदा था। इस केंद्र के माध्यम से हम अभ्यास को चलाने, खेलने और सभी तरीकों से इस सिद्धांत को बढ़ावा देने की उम्मीद करते हैं।

टैगोर के संगीत में शोध को बढ़ावा देने के इरादे से रवींद्रसंगीत गवेशन केंद्र (आरएसजीके) की शुरुआत करीब साढ़े चार साल पहले हुई थी, जो कि उनके बौद्धिक और रचनात्मक आउटपुट में सबसे शक्तिशाली में से एक है, लेकिन जब यह शोध में आता है, तो यह अपेक्षाकृत अपरिवर्तित रहता है। और अकादमिक पीछा करता है। अपने लिए इस भूमिका की परिकल्पना करते हुए, उद्देश्य एक ऐसी भूमिका निभाना है जो रवीन्द्र भवन की पूरक है। केंद्र ने व्याख्यान-श्रृंखला और प्रकाशन से लेकर मंचन की घटनाओं तक की गतिविधियों में संलग्न किया है। एक अंतराल की अवधि के बावजूद, केंद्र ने विश्वविद्यालय के वर्तमान प्रशासन द्वारा समर्थित, नए जोश के साथ अपना काम शुरू कर दिया है।

भवन/विभागीय सेमिनारों और कार्यशालाएँ (दोनों विभागों के संयुक्त तत्वावधान में)

1. 26.08.2018 संगीत व कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोट द्वारा ख्याल और तप्पा में व्याख्यान सह प्रदर्शन का आयोजन

2. 2.10.2018 श्री आशीष भद्र के सहयोग से श्री रंतीदेब मैत्र के नेतृत्व में सम फोरगेटेन वाएसेस ऑफ नार्थ इंडियन क्लासिकल म्युजिक (ग्रामोफोन रिकार्ड 1902-1930 से) पर आडियो वीडियो प्रस्तुति
3. 18.3.2019 संचयन घोष, एसोसिएट प्रोफेसर, कला-भवन द्वारा ओरिएंटेड प्रोडक्शन के तहत अभिनय और निर्देशन पर कार्यशाला का आयोजन
4. 23.3.2019 संगीत भवन के शताब्दी समारोह में बिदुषी मिता नाग (सितार), संदीप कुमार घोष और शअयामल कांजीलाल (तबला) और पंडित सुदीप चट्टोपाध्याय (फ्लूट) द्वारा व्याख्यान सह प्रदर्शन
5. 25.2.19-27.2.19 रवींद्रनाथ टैगोर के राजा के निर्माता पर अवंतिका चक्रवर्ती द्वारा अभिनय एवं निर्देशन कार्यशाला पर सेमिनार का आयोजन
6. 23.3.2019 संगीत भवन के शताब्दी समारोह में बिदुषी मिता नाग (सितार), संदीप कुमार घोष और श्यामल कांजीलाल (तबला) और पंडित सुदीप चट्टोपाध्याय (फ्लूट) द्वारा व्याख्यान सह प्रदर्शन

भवन/विभागीय प्रस्तुति/ सांस्कृतिक कार्यक्रम (दोनों विभागों के सौजन्य से)

1. 21.5.2018 गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के 157वाँ जयंती समारोह के उपलक्ष्य में टैगोर के नृत्य-नाट्य चंद्रिका की प्रस्तुति रवींद्र सदन, कोलकाता में सम्पन्न हुई। प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी
2. 25.05.2018 विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह में गीत/भजन का कार्यक्रम, प्रतिभागी- प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी
3. 25.05.2018 बांग्लादेश भवन के उद्घाटन समारोह के अवसर पर संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी ने गीत प्रस्तुत किया।
4. 17.07.2018 संगीत भवन के शताब्दी समारोह के उद्घाटन समारोह का आयोजन, संगीत भवन, प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी
5. 21.07.2018 संगीत भवन के शताब्दी समारोह के अवसर पर सरबा भारतीय संगीत ओ संगीत परिषद, कोलकाता के सहयोग से रवींद्रनाथ के श्यामा नृत्य नाटक की प्रस्तुति, लिपिका सभागृह, शांतिनिकेतन, प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी
6. 03.08.2018. भौतिकी विभाग की ओर से संघनित पदार्थ भौतिकी बोस टैगोर राष्ट्रीय उन्नत कार्यशाला केमौके पर श्यामा की प्रस्तुति, लिपिका सभागृह, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी
7. 10.08.2018. विश्व भारती और पर्यटन मंत्रालय, राज्य सरकार के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तहत शांतिनिकेतन और बीरभूम और आसपास इलाके में सांस्कृतिक पर्यटन का विकास विषय पर

कार्यक्रम का आयोजन और ब्रतचारी नृत्य की प्रस्तुति, लिपिका सभागृह, शांतिनिकेतन, प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी

8. 25.08.2018 संगीत भवन के विद्यार्थियों द्वारा नाटक कल्पानेर यात्रा की प्रस्तुति, नाटक प्रथम स्थान पर रहा, और इसका वीडियो संस्करण मानव संसाधन मंत्रालय (पत्र संख्या - डी.ओ.नंबर. एफ.14-13/2018 (सीपीपी-2) दिनांक 13.07.2018) भेजा गया

9. 09.09.2018. सेंटर फॉर इंडेनगर्ड लैंग्वेज की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी डिबेटिंग इंडियन एसपिरेशनल लैंग्वेज - डायल 2018 के मौके पर रितुरांगा की प्रस्तुति, लिपिका सभागृह, शांतिनिकेतन, प्रतिभागी- संगीत भवन व अन्य भवनों के फैकल्टी और विद्यार्थी

10. 19.01.2019. इकोनोमिक्स और पॉलिटिक्स विभाग, विश्व भारती की ओर से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण और विकास विषय पर आयोजित कार्यक्रम में लोक नृत्य (बंगाल का रैबेंस और धाली)

11. 17.2.2019 संगीत भवन के शताब्दी समारोह में तलवाद्य कचारी का आयोजन, कलाकार - विद्वान एस. शेखर (मृदांगम), श्री सोमनाथ रॉय (घतम), श्री सुब्रत मन्ना (तबला) और श्री अपूर्ब लल मन्ना (पखवाज)

12. 24.02.2019 संगीत भवन के एक सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में शास्त्रीय कार्यक्रम का आयोजन, कलाकार - पंडित सुहास व्यास (स्वर), पंडित असीम चौधुरी (सितार), श्री प्रदीप पालित (हारमोनियम), श्री कुमुद रंजन सांतरा और श्री सीताराम दास (तबला)

13. 25.02.2019. संगीत भवन के शताब्दी समारोह के अवसर पर शास्त्रीय कार्यक्रम का आयोजन, कलाकार - बासवी मुखर्जी (स्वर), प्रो. बुद्धदेव दास (एसराज), श्री अनिबन चक्रवर्ती (हारमोनियम), श्री सीताराम दास और श्री विश्वजीत दास (तबला)

14. 26.02.2019 संगीत भवन के शिक्षक और छात्रों द्वारा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित नृत्य नाटिका सापमोचन का मंचन

15. 20.03.2019 कर्मी परिषद, विश्व भारती की ओर से बसंत वदना के मौके पर रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखित नाटक सुंदर का संगीतमय प्रस्तुति

16. 10.11.2018. संगीत भवन के शताब्दी समारोह में बीबीसी डोक्यूमेंटरी के अंतर्गत रवींद्र संगीत और रवींद्र नृत्य नामक फिल्म का प्रसारण संगीत भवन, विश्व भारती में किया

रवींद्र संगीत, नृत्य और नाट्य विभाग

सेमिनार/कांफ्रेंस/कार्यशाला/प्रस्तुति

के. सुनीता देवी

1. 28.07.2018, तलिम डांस ट्रेनिंग सेंटर, कोटासूर, बीरभूम के लिए सम्मानित
2. 21.09.2018, सृष्टि डांस ट्रेनिंग सेंटर, कोटासूर, बीरभूम के लिए सम्मानित
3. 04.11.2019: अराधना डांस ट्रेनिंग सेंटर, कोटासूर, बीरभूम के लिए सम्मानित

प्रशांत कुमार घोष

1. 11.04.2018, मालदा कॉलेज, सनाउला सभागृह, मालदा में रवींद्र संगीत का एकल प्रस्तुति,
2. 27.04.2018, गुरु रवींद्र के जयंती समारोह के अवसर पर नीलिमा सेन द्वारा रवींद्र संगीत की एकल प्रस्तुति, त्रिगुणा सेन सभागृह, यादवपुर, कोलकाता
3. 12.05.2018, कवि प्रणाम के मौके पर रवींद्र संगीत की एकल प्रस्तुति, रवींद्र तीर्थ,
4. 21.05.2018, रवींद्र जन्मोत्सव के मौके पर रवींद्र संगीत की एकल प्रस्तुति, रवींद्र सदन, कोलकाता
5. 08.08.2018, सैंथिया नगर पालिका के आमंत्रण पर रवींद्र स्मरण कार्यक्रम में रवींद्र संगीत की एकल प्रस्तुति, रवींद्र भवन, सैंथिया
6. 10.08.2018, सूचना और सांस्कृतिक विभाग, पश्चिम बंगाल की ओर से आयोजित कार्यक्रम बर्षा उत्सव में रवींद्र संगीत का एकल कार्यक्रम की प्रस्तुति, रवींद्र सदन, कोलकाता
7. 29.08.2018, सिमचुरी, चित्तरंजन, क्षेत्र नंबर 7 के आमंत्रण पर रवींद्र संगीत की एकल प्रस्तुति, चित्तरंजन, बर्धवान
8. 10.11.2018 दूरदर्शन कोलकाता पर रवींद्र संगीत का सीधा कार्यक्रम सकल सकल की एकल प्रस्तुति
9. 05.12.2018 एसएचजी और एसई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के आमंत्रण पर रवींद्र संगीत (सोलो) का आयोजन, बर्नपुर, आसनसोल, पश्चिम बर्द्धवान
10. 20.12.2018 सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग, पश्चिम बंगाल के तत्वावधन में आयोजित बांग्ला संगीत मेला में रवींद्र संगीत की एकल प्रस्तुति, मोहर कुंज, कोलकाता में
11. 6.02.2019 07.02 2019. दूरदर्शन, शांतिनिकेतन में सीधा रिकार्डिंग

12. 13.02.2019 स्वामी निर्बानंद स्मारक समिति के आमंत्रण पर रवींद्र संगीत (एकल प्रस्तुति), रामकृष्ण मिशन आश्रम, बोलपुर

अमर्त्य मुखोपाध्याय

1. 27 मार्च 2019.रवींद्र नाटकेर गान पर व्याख्यान और प्रदर्शन, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय

अभिनय

1. सस्वर पाठ : हे बंधु हे प्रिय, मई 2018, रवींद्र तीर्थ, कोलकाता
2. सस्वर पाठ : रूप थेके रुपे, दूरदर्शन, अप्रैल 2018
3. सस्वर पाठ : शांतिनिकेतनेर उत्सवेर गान, दूरदर्शन, मार्च 2019
4. साक्षात्कार :पौष उत्सव, दूरदर्शन, दिसंबर 2018
5. सस्वर पाठ : रवींद्र कविता आर्चिव कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह, रवींद्र सदन, कोलकाता, अगस्त 2018
6. सस्वर पाठ और गीत : रवींद्र नाटकेर गान / गानेर नाटक, शिशिर मंच, कोलकाता, मई 2018
7. सस्वर पाठ : रवींद्र जन्मोतस्व, मई 2018
8. सस्वर पाठः वृक्षारोपण, अगस्त 2018
9. टैगोर द्वारा लिखित नाटक गृहप्रवेश एज जतीन का मंचन, रवींद्र तीर्थ, कोलकाता, अगस्त 2018

निर्देशन

1. सुंदर, गुरुदेव टैगोर का नाटक, बसंतोत्सव, मार्च 2019
2. शारदात्सव, टैगोर का नाटक, ऑल इंडिया रेडियो, सितंबर 2018

मृत्युंजय प्रभाकर

1. 14 जनवरी-15 जनवरी 2019, शास्त्रीय भारतीय नाटक पर कक्षाएँ आयोजित, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली
2. 14- 25 जनवरी 2019, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के प्रथण वर्ष के विद्यार्थियों के लिए शास्त्रीय भारतीय नाट्य पर दो सप्ताहव्यापी कक्षाएँ का आयोजन, एनएसडी कैंपस, नई दिल्ली
3. 19 मार्च 2019, मराठी विभाग, भाषा भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन के तत्वावधान में एकदिवसीय बहुभाषी काव्य महोत्सव में मुख्य अतिथि और वक्ता
4. 26 जुलाई 2018, संगीत व नाटक विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, में

आयोजित व्याख्यान आधुनिक भारतीय रंगकर्म में जातीय रंगमंच की धारा के निर्माण एवं सांस्कृतिक नीति में विशिष्ट व्याख्यान के रूप में आमंत्रित

5. 15 अक्टूबर 2018, रंग बहार, अहमदाबाद, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात एवं स्टेट संगीत नाटक अकादमी, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आदिवासी नाट्य लेखन - इतिहास, वर्तमान और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान हेतु आमंत्रित, राष्ट्रीय आदिवासी नाट्य लेखन शिविर (9 अक्टूबर - 8 नवंबर) में

6. 1-2 अक्टूबर 2018 संगम और तक्षशिला इजुकेशनल सोसायटी, नई दिल्ली की ओर से आयोजित भारतीय रंगकर्म में आधिपत्य - निर्मिति या विखंडन इन संगनमन 23 विषय पर व्याख्यान, प्राक ज्योति आइटीए सेंटर, गुवाहाटी में व्याख्यान

7. 6-13 दिसंबर 2018 एनएसडी के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के साथ बांग्ला नाटक खेल पहेली को हिंदी में करने का कार्य,

अर्पिता दत्ता (दास)

1. 22.01.2019, संगीत भवन के शताब्दी समारोह में इंदिरा, शिक्षायतन, कोलकाता की ओर से ठाकुर बाड़िर गान में सहभागिता ली

2. 23.01.2019, संगीत भवन के शताब्दी समारोह में सायन तक, कोलकाता की ओर से जोड़ासांको ठाकुरबारिह महिलादेर रचिता गान में सहभागिता ली

मानिनी मुखोपाध्याय

1. 22.01.2019: इंदिरा शिक्षायतन, कोलकाता में ठाकुर बाड़ीर गान प्रस्तुत किये

2. 23.01.2019: सायं तक, कोलकाता में जोड़ासांको ठाकुरबारिह महिलादेर रचिता गान प्रस्तुत किये

प्रकाशन

इंदिरा मुखोपाध्याय और अमर्त्य मुखोपाध्याय

संयुक्त संपादक, रवींद्र सप्ताह भाषण, कोलकाता, विश्व भारती, अगस्त 2018, आइएसबीएन 978-81-7522-678-4.

मृत्युंजय कुमार प्रभाकर

पुस्तकें

1. ख्वाहिशें (बंगाली अनुवाद), 2019 (नाटक), अनुवादक -सफीकुनाबी समादी, विश्व साहित्य भवन, ढाका (बांग्लादेश), आइएसबीएन 9789848044629.

2. आशा के तीन दिन, 2018 (नाटक), नॉटनुल.कॉम., लखनऊ, आइएसबीएन 9788192458939.

पुस्तक में अध्याय

1. इंडियन लैंग्वेज एंड कल्चर्स - ए डिबेट (संपादक - कैलाश पटनायक और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी) में एक अध्याय, सीएफइएल, विश्व भारती, शांतिनिकेतन और मार्गिनालाइज्ड प्रकाशन, सनेवदी, वर्धा, महाराष्ट्र, 2018, आइएसबीएन - 978-93-87441-31-6.
2. आकांक्षी भारतीय भाषा एंड संस्कृति एक विमर्श (संपादक-कैलाश पटनायक एंव अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी, में एक अध्याय, सीएफइएल, विश्व भारती, शांतिनिकेतन और मार्गिनालाइज्ड प्रकाशन, सनेवदी, वर्धा, महाराष्ट्र, 2018, आइएसबीएन -978-93-87441-30-9.

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग

सेमिनार/कांफ्रेंस/कार्यशाला/ प्रस्तुति

सब्यसाची सारखेल

1. 11 सितंबर 2018. सेंटर फॉर इंडेनगर्ड लैंग्वेज, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में अध्यक्ष
2. 11दिसंबर 2018 अगस्त अगरतला पुस्तक मेला, त्रिपुरा में पुस्तक (सीतारेर बिभारतेन जयपुर सेनिया ओ इमदादखानी घराना) का प्रकाशन में सितार
3. 14 दिसंबर 2018 आकाशवाणी, कोलकाता में सितार वाद्य यंत्र बजाने का रिकार्डिग (प्रसारण 2 जनवरी 2019
4. 13 जनवरी 2019 वेस्ट बंगाल स्टेट म्युजिक एकेडमी, में शास्त्रीय संगीत सम्मेलन में सितार वादन, रवींद्र सदन, कोलकाता
5. 12 फरवरी 2019 सितार वादन, लिपिका सभागृह, शांतिनिकेतन
6. 19 फरवरी 2019 कोलकाता दूरदर्शन (डीडी बांग्ला) में सितार वादन और साक्षात्कार का सीधा प्रसारण

बासवी मुखर्जी

1 मई 2018 और फरवरी 2019 आकाशवाणी, कोलकाता में ख्याल की प्रस्तुति

2 जून 2018 साउथ पुणे म्युजिक सर्कल, पुणे में ख्याल और ठुमरी का एकल प्रस्तुति

3 19 सितंबर 2018 सांस्कृतिक विभाग, मध्य प्रदेश, इंदौर में ख्याल और ठुमरी का एकल प्रस्तुति

4 23 नवंबर 2018 एस्थेटिक्स इन म्युजिक विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित, आइसीसीआर, कोलकाता

5 25 फरवरी 2019 विश्व भारती, शांतिनिकेतन के शताब्दी समारोह में एकल प्रस्तुति

अमित कुमार वर्मा

1. 31 अक्टूबर 2018 -4 नवंबर- ललित नारायण विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार की ओर से आयोजित बिहार इंटर-यूनिवर्सिटी कल्चरल फेस्टिवल - तरंग 2018 में जज सदस्य

2. 6 अक्टूबर 2018 संगीत विभाग, एसएनडीटी विश्वविद्यालय, पुणे की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में

रानजानी रामचंद्रन

1. 25 मई 2018 द फिफ्थ नोट ग्लोबल सेंटर फ़ॉर एक्सेलेंस, दरबार हॉल, कोलकाता
2. 1 अक्टूबर 2018 हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के कुछ शुरुआती ग्रामोफोन रिकाड्र्स (1902-1930) का आडियो वीडियो प्रसारण
3. 6 जनवरी 2019 दक्षिणी संगीत सम्मेलन, कोलकाता में कंसर्ट
4. 12 फरवरी 2019 मास कम्युनिकेशन विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कंसर्ट
5. 22 फरवरी 2019 फर्स्ट एडिशन आट्र्स की ओर से आयोजित पास्ट प्रजेंट में कंसर्ट, शोभाबाजार, राजबाड़ी
6. 29 मार्च 2019 पुणे, होरिजन सीरिज, आइसीसीआर, गंधर्व महाविद्याल., पुणे में कंसर्ट

प्रकाशन

अमित वर्मा

पुस्तकों में अध्याय

1. डॉ. अयोध्या प्रसाद गुप्त कुमुद द्वारा संपादित पुस्तक लोक कला नवनीत में लोक संगीत और शास्त्रीय संगीत की अवधारणा, नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत सरकार, 2018, 106-109

रिसर्च पेपर

1. संगीत, समीक्षा और समीक्षक शीर्षक पेपर का प्रकाशन आजकल, पब्लिकेशन डिवीजन, सूचना व प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित, 13 जनवरी 2019, 17-20 में

रानजानी रामचंद्रन

1. अखबार मुंबई मिरर, सुमना रामनान में लेख ए यूनिक व्हाइस छपी

विशिष्टताएँ

सब्यसाची सारखेल

प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में सितार वादक के रूप में ग्रेड ए कलाकार

स्वप्न कुमार घोष

प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में तबला वादक के रूप में ग्रेड ए कलाकार

बुद्धदेव दास

प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में एसराज के रूप में ग्रेड ए कलाकार

मनोजीत मल्लिक

प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता में शास्त्रीय स्वर में टॉपर ए कलाकार

सीताराम दास

प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, कोलकता में तबला वादन में ग्रेड ए कलाकार

रवींद्रसंगीत गवेषण केंद्र

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी/प्रस्तुति

21.05.2018: कवि गुरु के156वाँ जन्मोत्सव के मौकेपर आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर के नृत्य नाट्य चंदलिका का आयोजन, रवींद्र सदन, कोलकाता में। संगीत भवन, विश्व भारती के विद्यार्थी, फैकल्टी और कर्मचारी ने हिस्सा लिया

रिसर्च प्रोजेक्ट जारी

विश्व भारती द्वारा प्रायोजित और प्रो. इंद्रानी मुखोपाध्याय के सुपरवाइजन में कलानुक्रमिक रवींद्रसंगीत प्रकल्प पर रिसर्च जारी

प्रकाशन

इंद्राणी मुखोपाध्याय और अमर्त्य मुखोपाध्याय द्वारा संपदित विश्व भारती ग्रंथन विभाग में शीर्षक रवींद्र सप्ताह भाषण 1423 के अंतर्गत भाषणों का संग्रह

विनय भवन
शिक्षण संस्थान

विनय भवन, शिक्षा संस्थान, विश्वभारती की स्थापना 1948 में एक शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में हुई थी। इस भवन में अब तीन विभाग शामिल हैं - शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग और योग कला और विज्ञान विभाग।

शिक्षा विभाग की स्थापना 1948 में हुई थी, मुख्य रूप से एक शिल्प उन्मुख शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में। प्रोफेशनल कोर्स जैसे बी.एड. और एम.एड. (दोनों 2 साल के पाठ्यक्रम) के साथ-साथ शिक्षा में 2 वर्षीय एम. ए. कार्यक्रम, विभाग ने व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा की एक उदार धारा को शामिल किया है। इसने इसे सिद्धांत और व्यवहार के बीच की दूरी को हटाने और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरने के लिए शिक्षा के क्षेत्र को विकसित करने के जनादेश के लिए सक्षम किया है।

1997 में, शारीरिक शिक्षा विभाग को विनय भवन में सम्मिलित किया गया और 23 फरवरी, 2019 से इसने अपना नामकरण 'शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग' में बदल दिया। विभाग का कार्यक्षेत्र दूर-दूर तक है। यह बी.ए./बी.एससी (ऑनर्स) फिजिकल एजुकेशन (3 वर्ष), और बी.पी. ऐड (2वर्ष), एम.पी.ऐड (2वर्ष) और शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम में पीएच.डी डिग्री कोर्ष प्रदान करता है। इस विभाग का उद्देश्य व्यायाम और खेल विज्ञान के क्षेत्र में उम्मीदवारों को बढ़ावा देना और शारीरिक शिक्षा में गुणवत्ता वाले पेशेवरों का उत्पादन करना है। इसके अलावा, विभाग अपनी गतिविधि और खेल विस्तार कार्यक्रमों के साथ एक 'फिट और स्वस्थ' समुदाय विकसित करने का इरादा रखता है।

2017 में, योग कला और विज्ञान विभाग को विनय भवन के तहत पेश किया गया है और शुरू में शारीरिक शिक्षा विभाग में बी. एससी. (ऑनर्स) और योग में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम था। इसका उद्देश्य अपनी गतिविधि और चिकित्सीय कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की सेवा करना है। भवन का मिशन शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार सेवाओं में उनकी पूर्णता के लिए सभी तीन विभागों को विकसित करना और उत्कृष्टता का एक भवन बनना है। भवन की तात्कालिक योजनाएँ हैं -

(i) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के दिशा निर्देशों के अनुरूप शैक्षिक प्रौद्योगिकी और अवसंरचनात्मक सुविधाओं के विकास के लिए अपने पूर्ण कामकाज के लिए सभी विभागों की जरूरतों को पूरा करना।

(ii) शैक्षिक नवाचार के लिए समग्र दृष्टिकोण रखने के लिए सभी 3 विभागों की गतिविधियों को एकीकृत करना।

(iii) समाज को विस्तार सेवाएं प्रदान करने के लिए और अपनी विभिन्न गतिविधियों में सुधार कार्यक्रम जारी रखना।

शिक्षा विभाग

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः

ए. यूजीसी नेट उत्तीर्ण कुल छात्रों की संख्याः 17

बी. जेआरएफ उत्तीर्ण कुल छात्रों की संख्याः 07

सी. एसईटी के लिए अर्हता प्राप्त कुल छात्रों की संख्याः 01

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाः

1. 15-16. 02.2019 सतत विकास के लिए शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यक्रम के तहत एक बेहतर दुनिया का निर्माण।
2. 11.03.2019 वन-डे वर्कशॉप ऑन मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस एंड कॉपिंग स्ट्रैटेजीज़ः प्रोस्पेक्टिव टीचर्स के लिए ट्रेनिंग इनपुट्स, शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती में आयोजित संयोजकः सरिता आनंद।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं / आमंत्रित व्याख्यान / विशेषज्ञ व्यक्तिः

के. सी. साहू

1. 1-4.05. 2018. महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा (अकादमिक नेतृत्व के केंद्र) और संयुक्त सहयोग से वर्धा में आयोजित कुलपतियों / प्रो. कुलपति / निदेशकों / डीन / अध्यक्ष / विभागाध्यक्षों के लिए चार दिवसीय शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. 16-25.07. 2018. पाठ्यचर्या डिजाइन और विकास के लिए 10 दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, विश्वविद्यालयों / कॉलेज के सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम, अनुसंधान, नीति और शैक्षिक विकास, शिक्षा के स्कूल, पंजाब के केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित किया गया।
3. 06.09.2018. यूजीसी-एचआरडीसी-बीयू में उच्च शिक्षा के शैक्षणिक पहलुओं और शिक्षण और सीखने में सर्वश्रेष्ठ अभ्यास पर एक व्याख्यान दिया।
4. 25.09.2018 एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में मुख्य गुणवत्ता की संस्कृति की ओर व्याख्यान दिया। बी.एड विभाग, कलना कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय।
5. 14.03.2019 राजेंद्र ऑटोनॉमस कॉलेज, बोलांगीर, ओडिशा में समावेशी शिक्षा में नीतियों, अभ्यासों और चुनौतियों पर प्रमुख व्याख्यान दिया।

बी.डी.चिनारा

1. 13. 03. 2019. एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में टैगोर के शांति निकेतन में अच्छे शिक्षण अभ्यास विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया और स्कूल ऑफ इंटीग्रेटेड में आयोजित शिक्षण और शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास किए। बी.एड् विभाग, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, अमृत विहार, संबलपुर, ओडिशा।

अशीष श्रीवास्तव

1. 07.04.2018 महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित भारत में वैकल्पिक शिक्षा केप्रयाग नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक भारत में वैकल्पिक शिक्षा का प्रयाग।
2. 10.07.2018 केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा आयोजित एफआईटीपी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक मूल्यांकन और मूल्यांकन।
3. 25.07.2018 एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय के सहयोग से नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ द्वारा आयोजित एफडीपी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक एमओओसी।
4. 01.09.2018 गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के 22वें ओरिएंटेशन प्रोग्राम में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक भारत में शिक्षा नीतिः स्वतंत्रता के बाद के कुछ प्रतिबिंब।
5. 25.09.2018 शिक्षा विभाग, कला कॉलेज द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा सहित उच्च अध्ययन में गुणवत्ता प्रबंधन नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक 21 वीं सदी के लिए शिक्षा के विशेष संदर्भ के साथ स्वतंत्र भारत में नीति परिप्रेक्ष्य।
6. 19.11.2018 महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित एफआईटीपी में आमंत्रित दिया। प्रस्तुति का शीर्षक कार्य योजना और उसका प्रबंधन; और संस्थान में नामांकित संकाय और छात्रों की गतिशील स्थिति को समझना।
7. 01.01.2019 गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के 23 वें ओरिएंटेशन प्रोग्राम में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक नई शिक्षा नीतिः चुनौतियाँ और संभावनाएँ।
8. 10.01.2019 आरआईई-एनसीईआरटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित झारखंड में माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में आईसीटी को एकीकृत करने में शिक्षकों की क्षमता निर्माण में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक व्यावसायिक विकास के लिए मोबाइल अनुप्रयोग।
9. 19.01.2019 एमजीएनसीआरआई-एमएचआरडी द्वारा कोलकाता में पनिहाटी महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित एन तालीम, स्कूल और शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में प्रयोगात्मक शिक्षा और कार्य शिक्षा पर एफडीपी में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक नई तालीम के लिए नीति परिप्रेक्ष्य।

10. 27.02.2019 शिक्षा विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा रिफ्रेशर कोर्स में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक शिक्षण और शिक्षण में प्रतिमान बदलावः नीतिगत दृष्टिकोण से प्रतिबिंब।

11. 07.03.2019 शिक्षा विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गैंगटोक सीई द्वारा संचालित एजुकेशन एंड सोशल साइंसेज में अकादमिक पत्र लेखन पर प्रायोजित कार्यशाला में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक प्रभावी शोध पत्र लिखना।

12. 11.03.2019 पीएमएमएनएमटीटी के तहत स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, हरियाणा द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और क्षमता निर्माण पर एक सप्ताह की कार्यशाला में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण और सीखनाः एमओओसी की भूमिका।

13. 21.03.2019 तहत स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, केरल द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों / कॉलेजों / संस्थानों में काम करने वाले शिक्षकों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक शिक्षा में नीतिगत दृष्टिकोणः कुछ महत्वपूर्ण प्रतिबिंब।

एस.एस. बैराग्य

1. 14.08.18: शिक्षा विभाग के डीएचएमयू द्वारा आयोजित वैश्विक संदर्भ में महिला शिक्षा के समकालीन मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक तकनीकी सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
2. 15. 02.19 : सतत विकास के लिए शिक्षा पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। शिक्षा विभाग, विनय भवन द्वारा आयोजित

सनत कुमार रथ

1. 15-16.02.2019 शिक्षा विभाग, विनय-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा के लिए सतत विकास शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक सस्टेनेबल लाइफस्टाइलः हमारी हर पसंद कैसे होती है।
2. 26.06-05.07.2018 ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति में आयोजित।

प्रहलाद रॉय

1. 11.04.2018 काजी नजरूल महाविद्यालय, आसनसोल, पश्चिम बर्दवान, पश्चिम बंगाल, भारत में निवास, आजीविका और संस्कृतिः जनसांख्यिकी और साहित्यिक प्रतिक्रियाएं पर मुख्य व्याख्यान दिया।
2. 20.09.2018 ईश्वरचंद्र विद्यासागर की द्विवार्षिक जन्मशती पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रसार विद्यासागर पर एक पत्र प्रस्तुत किया। ढाका विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश।

3. 30.01.2019 पुरातत्व विभाग, जहांगीर नगर विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश द्वारा उप-महाद्वीपीय संस्कृति और शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में द हारमनी ऑफ कल्चर एंड एजुकेशन ऑफ सब-कॉन्टिनेंट पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. 31.01.2019 जगन्नाथ विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश में विश्वभारती में बांग्लादेश भवनः प्रैक्टिसिंग कल्चर एंड एजुकेशन का दिल पर संबोधन।
5. 15.02.2019 शिक्षा विभाग, विनय भवन विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित सतत विकास भवन एक बेहतर दुनिया के लिए शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा शिक्षण और ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए सतत विकास पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
6. 16.02.2019 कोलफील्ड कॉलेज ऑफ एजुकेशन और पांडवेश्वर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पांडवेश्वर, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय शिक्षा प्रणाली का पुनः प्रकाशनः मुद्दे और चुनौतियां पर मुख्य व्याख्यान दिया।
7. 23.02.2019. त्रिपुरा सरकार, त्रिपुरा, भारत द्वारा आयोजित अद्वैत मल्ल बर्मन -2019 की 115 वीं जयंती समारोह पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सांस्कृतिक और शैक्षिक विचारों के अद्वैत मल्ल बर्मन विषय पर एक भाषण दिया।
8. 24.02.2019 त्रिपुरा सरकार, त्रिपुरा, भारत द्वारा आयोजित अद्वैत मल्लवर्मनः जीवन और निर्माण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में जीवन और अद्वैत मल्ल बर्मन के जीवन पर काम पर मुख्य अतिथि का संबोधन।
9. 31.03.2019 बांग्लादेश भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन में बंगला सोसाइटी फॉर लिटरेचर एंड कल्चर, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित साहित्य और संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बंगाली संस्कृति की उत्पत्ति और विकास विषय पर एक भाषण दिया।
10. 27-31.08.2019 सांख्यिकी विभाग, शिक्षा भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित सॉफ्टवेयर के माध्यम से सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
11. 05-11.02.2019 ऑनलाइन पाठ्यक्रम के नियोजन और विकास पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, जो कि ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित किया गया।

तृष्णा बैनर्जी

1. 15.02.2019 सतत विकास के लिए शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में म्यूजिक मैटर्सः म्यूजिक इम्पैक्ट टू ए स्टूडेंट कम्प्लीट सोशल बीइंग शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया गया। शिक्षा विभाग, विनय-भवन द्वारा आयोजित 15-16 फरवरी 2019 को।

2. 31.03.2019-02.04.2019। बंगिया साहित्य-संस्कार समिति द्वारा आयोजित विश्व सम्मेलन (विश्व-सभा) में एक संगीत प्रदर्शन और भाग लिया।

सरिता आनंद

1. 25.03.2019 पीएमएमएनएमटीटी, एमएचआरडी, के तहत महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित, उच्च शिक्षा में छात्र अशांतिः कारणों और समाधानों के दो दिनों के राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
2. 05.02.2019 से 11.02.2019 तक ऑनलाइन की योजना और विकास के हकदार एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला योजना और विकास, ए. के. डी. केंद्र विश्वभारती द्वारा आयोजित।
3. 28.01.2018 योजना और विकास केलिए एकेडी केंद्र, विश्व-भारती द्वारा आयोजित सतत विकास की दिशा में राष्ट्रीय सेमिनार के शीर्षक में पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक सतत जीवन शैली के लिए शिक्षा।
4. 07.10.2018 शिक्षक शिक्षा के हकदार राष्ट्रीय संवाद में पेपर प्रस्तुत किया। शिक्षा संकाय, स्कूल ऑफ एजुकेशन, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी. प्रस्तुति का शीर्षक अभिनव शिक्षण और शिक्षक शिक्षकों।
5. 01.10.2018 नेशनल कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रस्तुत किया पॉजिटिव साइकोलॉजी एंड होलिस्टिक हेल्थ, इंडियन साइकोमेट्रिक एंड एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन द्वारा आगरा में आयोजित किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक सकारात्मक शिक्षा की ओरः एक शिक्षक प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य।
6. 27.08.2018 से 31.08.2018 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित बहु-विषयक अनुसंधान-लर्निंग थ्रू सॉफ्टवेयर में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण। शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती।
7. 25.08.2018 पीएसएनएस, विनय भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित महात्मा गांधी हकदार- चंपारण सत्याग्रह दूसरा पर UGC-HRDC के लिए समन्वित-निर्देशित पुरस्कार जीता, https://www.youtube.com/watch?vJw6ntlsgHCht56s पर उपलब्ध।

चित्रलेखा मायती

1. 15.02.2019-16.02.2019 सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर एजुकेशन ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंटः एजुकेशन फॉर ए बेटर वर्ल्ड, शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्वभारती में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भावी शिक्षकों के बीच निरंतरता को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यचर्या और शैक्षणिक दृष्टिकोण पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

2. 23-24.03.2019 भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हिडन करिकुलम के माध्यम से शांति और मूल्यों में वृद्धि विषय पर एक पत्र प्रस्तुत कियाः सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

एम. एस. सिद्दीकी

1. 24-26.03.2018 द मार्जिन ऑफ द मॉडर्न इंडिया, द इंडियन ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, शिमला द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विचार गोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 14-16.11.2018 आरआईई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित ओडिशा के मदरसा टीचर्स फॉर लर्निंग आउटकम के लिए क्षमता निर्माण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मदरसों में अंग्रेजी की शिक्षण तकनीक शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

शर्मिला यादव

1. 9-11.11.2018 डिबेटिंग एस्पिरेशनल इंडियन लैंग्वेजेसः डायल 2018 नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन लुप्तप्राय भाषा केंद्र, विश्व-भारती और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक मातृभाषाः गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण।
2. 1-3.10.2018 भारतीय साइकोमेट्रिक एंड एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन, आगरा द्वारा हरप्रसाद इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल स्टडीज़ , आगरा में आयोजित पॉजिटिव साइकोलॉजी एंड होलिस्टिक हेल्थ नामक 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक सकारात्मक शिक्षा की ओरः एक शिक्षक प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य।
3. 16-18.11 2018. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, विकास जनसंपर्क कार्यालय, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा और शांतिनिकेतन और बीरभूम के आसपास के क्षेत्रों में आयोजन किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक जीवन के लिए शांतिनिकेतन समग्र दृष्टिकोण के उत्सव और मेले।
4. 19-20.01.2019 अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण और विकास नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक एक सतत जीवन शैली जीनाः विश्वभारती के स्नातकोत्तर छात्रों का एक अध्ययन।
5. 28.01.2019 राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक सतत विकास के प्रति दृष्टिकोण था, जिसका आयोजन ए. के दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा किया गया था। प्रस्तुति का शीर्षक सतत जीवन शैली की अनुभूतिः सतत विकास प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू।

6. 15-16.02.2019 राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा केलिए सतत विकास शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया: शिक्षा विभाग, विनय-भवन, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक सस्टेनेबल लाइफस्टाइल: हमारी हर पसंद कैसे होती है।

7. 23-24.03.2019 भारत में सामाजिक विकास नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य। प्रस्तुति का शीर्षक विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों केलिए अभिनव और समावेशी रणनीतियाँ: मुद्दे और चुनौतियाँ।

8. 26.06- 05.07.2019. सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति में सुधार, ए.के दासगुप्ता केंद्र विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

9. 05- 11.02.2019 राष्ट्रीय कार्यशाला एमओओसी के संदर्भ में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के नियोजन और विकास के लिए ए.के दसगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित किया गया।

10 30.03.2019 पूर्ण रूप से ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स (श्यामा अर्पित 10.12.2018 से 28.02.2019 तक) जिसका शीर्षक नवीनतम रुझान शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन है।

उमाकांत प्रसाद

1. 15-16.02.2019 स्वामी विवेकानंद की शैक्षिक दर्शन: सतत विकास की दिशा में एक मार्ग ', शिक्षा के लिए सतत विकास के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। शिक्षा विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

2. 07-09.03.2019 नॉलेज सोसायटी केलिए शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में संकाय सदस्यों की 'तकनीकी-शैक्षणिक योग्यता: उच्च शिक्षा की वर्तमान आवश्यकता' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया। केंद्रीय उच्चतर अध्ययन संस्थान), वाराणसी द्वारा आयोजित।

3. 10.12.2018 -28.02.2019। श्याम एमएचआरडी भारत सरकार के अंतर्गत नवीनतम रुझान शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन में शीर्षक से ऑनलाइन पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

4. 01.11.2018 - 28.02.2019 श्याम एमएचआरडी भारत सरकार के तहत शैक्षिक कौशल में नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाओं शीर्षक से ऑनलाइन पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

सोमी मंडल

1. 07.05.2018 पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध बामनपुकुर हुमायूँ कबीर महाविद्यालय, बामनपुकर, उत्तर 24, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा पर टैगोर के परिप्रेक्ष्य में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक भाषा पर टैगोर का दृष्टिकोण: एक बहुसांस्कृतिक दृष्टिकोण।

2. 26.07.2018 शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, रामकृष्ण सारदा मिशन विवेकानंद विद्याभवन और बायंजनबरन फाउंडेशन द्वारा आयोजित साहित्य, संस्कृति और मनोविज्ञान में बचपन और किशोरावस्था के प्रतिबिंब के हकदार अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक लोकप्रिय बच्चों का सिनेमा और भाषा सीखनाः आज के संदर्भ में बचपन को समझना।
3. 09.09.2019 डिबेटिंग एस्पिरेशनल इंडियन लैंग्वेजेसः डायल 2018 नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन लुप्तप्राय भाषा केंद्र, विश्वभारती और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक परिवर्तनकारी शिक्षा के माध्यम से भाषा शिक्षणः लोकप्रिय बच्चों के मीडिया पर एक अध्ययन।
4. 14.09.2018 हिंदी-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित हिंदी और सामाजिक सांस्कृतिक नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक हिंदी शिक्षण और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में सीखना।
5. 15.02.2019 यूजीसी-एसएपी डीआरएस फेज-1 के तहत शिक्षा, सतत विकास के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। शिक्षा विभाग, विनय-भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक सतत समाज बनाने में बच्चों के साहित्य को पुनर्जीवित करना।
6. 21.02.2019 हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित सीआईआईएल मैसुरु के सहयोग से बहुभाषीवाद, सीएसएफएल, हैदराबाद विश्वविद्यालय के लिए भाषा नीतियों पर यूनेस्को चेयर द्वारा आयोजित भारत में स्वदेशी भाषा, समाज और संस्कृति नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक स्वदेशी संस्कृति और संथाल बच्चों के भाषाई प्रदर्शनों की सूचीः शांतिनिकेतन पर एक अध्ययन।
7. 23.03.2019 भारत में सामाजिक विकास नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य। प्रस्तुति का शीर्षक बहुसांस्कृतिक और विविधता शिक्षाः एक सामाजिक विकास परिप्रेक्ष्य।
8. 31.03.2019 राजेंद्र एकेडमी फॉर टीचर्स एजुकेशन, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल के यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान से संबद्ध, टीचर एजुकेशन में वैश्वीकरण और पैराडाइम शिफ्ट नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक वैश्वीकरण और बहुसांस्कृतिक शिक्षा।

प्रकाशन

के. सी. साहू

1. संगीत ऑटिस्टिक बच्चों के संज्ञानात्मक विकास के लिए एक शैक्षणिक उपकरण, खंड-8, अंक -3, दिसंबर-2018 आईएसएसएन-2249-894-10

अशीष श्रीवास्तव

1. अगली पीढ़ी के विज्ञान मानकः विज्ञान शिक्षा नामक एक संपादित पुस्तक में परिवर्तन की चुनौती को पूरा करना, आईएसबीएन 978-81-937186-0-5, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर, राजस्थान, 2018, पृ. 385-391 (दूसरा लेखक)।
2. विज्ञान शिक्षा, संपादित पुस्तक, आईएसबीएन 978-81-937186-0-5, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, अजमेर, राजस्थान, 2018 नामक एक संपादित पुस्तक में विज्ञान शिक्षा के प्रसार के लिए समावेशी विज्ञान कक्षा की अनुमति। पृ. 365-372 (दूसरा लेखक)।
3. पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन के भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की अपेक्षाओं की पहचान अंतःविषय अध्ययन के लिए विद्वान शोध जर्नल, ऑन-लाइन आईएसएसएनः 2278-8808, वॉल्यूम 6, अंक 50, मार्च-अप्रैल 2019, पीआर रिवाइज्ड जर्नल, पृ. 116-120।

एस.एस. बैराग्यः

1. 21 वीं सदी में लड़कियों की शिक्षा के लिए महिला सशक्तिकरणः आईएसबीएनः 978-93-85503-89-4, नई दिल्ली पब्लिशर्स, 2018।
2. बैराग्य, एस.एस. (2018)। प्रोफेशनल एथिक्स ऑफ़ टीचर्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ खंड.1, पृ.15-19 (आईएसएसएन 2349-5138)

एस के रथ

1. 21 वीं सदी की कक्षाओं के लिए अभिनव निर्देशात्मक रणनीतियाँ शोध समिक्षा, खंड-1 2018।
2. ग्राफिक ऑर्गनाइजर्स इनोविंग स्किल्स के लिए एक इनोवेटिव इंस्ट्रक्शनल स्ट्रैटेजी शोधा समिक्षा, वॉल्यूम-1, 2018।

प्रहलाद रॉय

1. शिक्षण भूगोल का शिक्षाशास्त्र (अगस्त 2018), प्रथम लेखक, एपीएच प्रकाशन निगम, नई दिल्ली - 110002, भारत। आईएसबीएन 978-93-88316-02-6।
2. मानव अधिकार, शांति, हिंसा और शिक्षित भारत, शिक्षा और विकास के जर्नल, खंड -2, नंबर 15, जून 2018, आईएसएसएन -2248-9703, यूजीसी स्वीकृत।
3. विश्वभारती में बांग्लादेश भवनः दक्षिण एशिया का अभ्यास संस्कृति और शिक्षा का हृदय जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, खंड -2 नंबर 15, जून- 2018, आईएसएसएन -2248-9703, यूजीसी स्वीकृत।

4. द स्ट्रगल फॉर मदर टंगः ए पॉलिटिकल कंफ्लिक्ट, जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, वॉल्यूम - 8, नंबर 16। दिसंबर- 2018, आईएसएसएन-2248-9703, यूजीसी स्वीकृत।

सरिता आनंद

9. संकाय सदस्यों की तकनीकी-शैक्षणिक योग्यताः उच्च शिक्षा की वर्तमान आवश्यकता, जर्नल ऑफ करंट साइंस- जर्नल फॉर ऑल रिसर्च, खंड. 20, (2019): 60-65 (आईएसएसएन 9726-001-10)।

एम. एस. सिद्दीकी

1. सूफीवाद : दिल की शिक्षा- शैक्षिक पहलुओं का संक्षिप्त परिचय 24 बाई 7 प्रकाशक, कोलकाता, जनवरी, 2019, आईएसबीएनः 978-93-88467-40-7
2. हृदय की भाषाः भारतीय सूफी लेखन में बौद्धिक सद्भाव को फिर से प्रकाशित करना, एक पुस्तक में संगोष्ठी कार्यवाही के रूप में प्रकाशित, भारतीय भाषा और संस्कृति-एक बहस 'का संपादन कैलाश पटनायक और अर्धनंदन कुमार त्रिपाठी ने सीमांत प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018 से प्रकाशित किया। आईएसबीएन 978-93-87441-31-6
3. रेशमी सखावत हुसैन की रेशमा खातून के साथ महिलाओं की मुक्ति और नारीवादी विचारों की मुक्ति भारत में समकालीन अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल भारत में समकालीन अनुसंधान 2231-2137, वॉल्यूम 8: अंकः 1 (II) मार्च 2018, पृ 22।

शर्मिला यादव

1. 21 वीं सदी की कक्षाओं के लिए अभिनव शिक्षण रणनीतियाँ शोध समिक्षा खंड-8, (1), 2018।
2. ग्राफिक ऑर्गनाइजर्स थिंकिंग स्किल के लिए इनोवेटिव इंस्ट्रक्शनल स्ट्रैटेजी के रूप में, शोध समीक्षा खंड-8, (1), 2018।
3. शिक्षण- शिक्षण कक्षा के लिए सीखने की रणनीतियाँ शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के जर्नल, खंड.9, नंबर 1, पृ.32-37। (2019)।
4. भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों में गुणवत्ता की शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरणः एक बहस, संपादक कैलाश पटनायक और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी लुप्तप्राय भाषाओं का केंद्र, विश्वभारती और सीमांत प्रकाशन, महाराष्ट्र, 2018, पृ .527-543।

सोमी मंडल

1. परिवर्तनकारी शिक्षाशास्त्र के माध्यम से भाषा शिक्षणः लोकप्रिय बच्चों के मीडिया पर एक अध्ययन भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों में एक बहस, संपादक कैलाश पटानायक नई दिल्लीः सीमांत प्रकाशन, 2018: 501-511. आईएसबीएन 978-93-87441-31-6।

2. स्कूल प्रणालियों में लिंग की पहचान का विरोधाभासी निर्माणः परिवर्तनकारी साहित्य के माध्यम से एक समझ। शिक्षा का प्रतीक, खंड 2, अंक 1, दिसंबर 2018: 29-39। आईएसएसएनः 2581-4680।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं

शिक्षक का नामः प्रो. के.सी. साहू समन्वयक

i. परियोजना का नामः विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) -डीआरएस-चरण- क्ष

ii. प्रायोजन एजेंसियांः यूजीसी

iii. स्वीकृत राशिः रु. 85,000

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया जाता है

1. पीएसएनएस, विश्वभारती द्वारा 08.08.2018 को आयोजित सबुजयान नामक वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया
2. 12.09.2018 को पीएसएनएस, विश्व-भारती द्वारा आयोजित एनएसएस दिवस कार्यक्रम में पर्यावरण मित्र पुरस्कार प्राप्त किया।
3. एनएसएस सर्विसेज का आयोजन पौस मेला 23.12.2018 से 28.12.2018 तक किया गया।
4. 20.03.2019 को वसंत उत्सव में एनएसएस सेवाओं का आयोजन।
5. स्वच्छता ही सेवा है का आयोजन, शिक्षा विभाग में स्वच्छता अभियान, विनय भवन, विश्वभारती 02.10.2018 को।
6. महात्मा गांधी पर यूजीसी-एचआरडीसी के लिए चंपारण सत्याग्रह शीर्षक पर नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और 25.08.2018 को दूसरा पुरस्कार जीता।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम या किसी अन्य शिक्षण नवाचार को तैयार करनाः

i. आईसीटी टीचिंग-लर्निंग को एकीकृत किया

ii. प्रयोगात्मक शिक्षण

शिक्षा विभाग ने 2-वर्षीय बी-ऐड के नए पाठ्यक्रम को संशोधित और तैयार किया है। एम.एड. निम्नलिखित तीन आयामों को ध्यान में रखते हुए एनसीएफटीई -2010 और एनसीटीई -2014 के दिशानिर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रमः

1. 21 वीं सदी के सीखने और सीखने वालों में बदलती जरूरतें
2. प्रौद्योगिकी एकीकृत शिक्षण

3. रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षा और मानव मूल्यों की दृष्टि

विभाग ने एम.ए. शिक्षा और पीएचडी में नए पाठ्यक्रम को भी संशोधित और पेश किया है।

इस वर्ष विभाग में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को बढ़ाने और उसका नवीनीकरण करने के लिए कुछ नई पहल की गई हैं:

1. शिक्षा विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए संचारी अंग्रेजी की कक्षाएं।
2. एलसीडी प्रोजेक्टर की मदद से आईसीटी एंबेडेड टीचिंग लर्निंग।
3. वाई-फाई में हैंड्स-ऑन अनुभव और कंप्यूटर एडेड टीचिंग / लर्निंग सक्षम आईसीटी प्रयोगशाला।
4. शैक्षिक अनुसंधान और मार्गदर्शन सेल और संपर्क कक्षाओं की व्यवस्था करके यूजीसी-नेट / जेआरएफ के लिए छात्रों को तैयार करना
5. शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शैक्षणिक परिदृश्य बदलने के लिए शैक्षिक अनुसंधान के तरीकों और रुझानों पर अनुभव को साझा करने / व्याख्यान देने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के वक्ताओं और विशेषज्ञों को आमंत्रित करना।

अन्य कोई प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में है, को शामिल किया जाना चाहिए

विभाग को रुपये की वित्तीय सहायता के साथ यूजीसी-एसएपी 85 लाख मिला है।

शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज की स्थापना के लिए विभाग के पास पहले से एक लंबा प्रस्ताव है। इसे यूजीसी-विजिटिंग टीम ने 11 प्लान के लिए सराहा।

योग कला और विज्ञान विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 16 जून 2018 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले 'गीता और योग' पर संगोष्ठी
2. 17 जून 2018 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले 'योग और समग्र स्वास्थ्य' पर संगोष्ठी
3. 4-6 अगस्त, 2018. 'आर्ट ऑफ़ लिविंग एंड योग' पर संगोष्ठी-सह-कार्यशाला'
4. 9 और 10 मार्च, 2019, लाइफ स्टाइल डिसऑर्डर और योग थेरेपी कार्यशाला 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 100 दिनों से पहले।

सेमिनार / सम्मेलन

दीपेश्वर सिंह, अतिथि शिक्षक

1. 23 मार्च, 2019 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों पर एक भाषण देने के लिए अतिथि अध्यक्ष निमहंस इंटीग्रेटेड सेंटर फॉर योगा में भाग लिया।
2. 29-31 मार्च, 2019 ओरल प्रेजेंटेशन में प्राप्त किया गया पुरस्कार - स्वास्थ्य और चिकित्सा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार, भारत।

प्रकाशन

1. भगत बी.के. और मंडल एस, परिधीय सहानुभूति तंत्रिका गतिविधि पर भारोत्तोलन अभ्यास का प्रभाव ', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, पोषण और शारीरिक शिक्षा 2019; 4 (1): 211-2114, आईएसएसएन: 2456-0057
2. ख़बीरुद्दीन शेख और मंडल एस., ट्रेडिशनल फिजिकल करिश्म - द ट्रेजर ऑफ बंगाल अखाड़ा', इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन, जुलाई 2018, वॉल्यूम। 6 नंबर 2, पृ.33-35, आईएसएसएन 2320-3552।

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं

1. 10-13 अगस्त, 2018. विशेष ओलंपिक कोच की कोचिंग कार्यशाला। श्री सुखदेव चक्रवर्ती द्वारा आयोजित, शिविर और कार्यक्रम समन्वयक, विशेष ओलंपिक भारत, पश्चिम बंगाल।
2. 05 मार्च, 2019. 'खेल प्रबंधन पर कार्यशाला' प्रो. सब्यसाची मुखर्जी, प्रमुख, खेल प्रबंधन विभाग, ग्वालियर, एस.पी.
3. 05 मार्च, 2019 थ्योरी एंड प्रैक्टिसः बैडमिंटन में रैकेट स्पोर्ट्स पर कार्यशालाएं । डॉ. सोमशंकर चटर्जी, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन फॉर वुमेन, दिनहाटा, उत्तर बंगाल, प. ब.।
4. 06 मार्च, 2019. थ्योरी एंड प्रैक्टिस रैकेट स्पोर्ट्स पर कार्यशाला : टेबल टेनिस'। डॉ. सोमशंकर चटर्जी, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन फॉर वुमेन, दिनहाटा, उत्तर बंगाल, प. बं.।
5. 06 मार्च, 2019. 'कोचिंग वॉलीबॉल' पर कार्यशाला। प्रो. सब्यसाची मुखर्जी, प्रमुख, खेल प्रबंधन विभाग, ग्वालियर, एम.पी.
6. 11-12 मार्च, 2019. 'अंग्रेजी में संवाद कौशल' पर कार्यशाला। श्री अरिंदम दत्ता, बोलपुर, प. बं.।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं

सागरिका बंद्योपाध्याय

1. 09 अप्रैल, 2018: जेसोर यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बांग्लादेश में इनविटेड स्पीकर एजुकेशनल एंड कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम'।
2. 10 अप्रैल, 2018: इस्लामिक यूनिवर्सिटी, कुस्तियाँ, बांग्लादेश में विशिष्ट अतिथि के रूप में वक्ता 8 शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।

सुमंत कुमार मंडल

1. 28, मार्च 2019: विश्वभारती में खेल प्रशिक्षण पर नवीनतम रुझानों पर साई प्रशिक्षुओं के शैक्षणिक प्रशिक्षण शिविर में शक्ति और कंडीशनिंग प्रशिक्षण के लिए एक यात्रा विषय पर एक विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
2. मार्च 30, 2019: शारीरिक शिक्षा विभाग, रामानंद कॉलेज, बिशुनपुर, बांकुरा, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित स्वास्थ्य फिटनेस और कल्याण और 21 वीं सदी की जीवन शैली में विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

सुदर्शन बिश्वास

1. मार्च 25-28, 2019: शांतिनिकेतन में विश्वभारती खेल बोर्ड के सहयोग से एसएआई, एन.एस पूर्वी केंद्र द्वारा आयोजित खेल प्रशिक्षण के नवीनतम रुझानों पर शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन सचिव।
2. अप्रैल 8-9, 2018: शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, जेसोर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बांग्लादेश द्वारा आयोजित शैक्षिक और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।
3. 20 सितंबर 2018 को यूनेस्को द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्वविद्यालय खेल के अवसर पर काठमांडू में एयूएसएफ-उप क्षेत्रीय खेल सम्मेलन 2018 में भाग लिया।

महेश स्वेता खेतमलिस

1. फरवरी 15-16, 2019: शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'सतत विकास के लिए शिक्षाः बेहतर दुनिया का निर्माण' विषय पर 'सेमिनार में सभी आयु समूहों के लिए शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य पर पेपर प्रस्तुति'।
2. फरवरी 05-11-2019: ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के नियोजन और विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, जो कि ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

कल्लोल चटर्जी

1. 10-11 अगस्त, 2018: शारीरिक शिक्षा विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित कोच के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

संतू मित्रा

1. 28 मार्च, 2019: स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, कोलकाता और विश्व-भारती द्वारा आयोजित स्पोर्टस वर्कशॉप ऑन लेटेस्ट ट्रेंड ऑफ स्पोर्ट्स ट्रेनिंग में विशेषज्ञ व्यक्ति, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, में आयोजित।
2. अप्रैल 8-10,2018: शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, जेसोर विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और इस्लामिक विश्वविद्यालय, कुस्तिया, बांग्लादेश द्वारा आयोजित शैक्षिक और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

अभिजीत थंडर

1. अप्रैल 8-10,2018: शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, जेसोर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और इस्लामिक यूनिवर्सिटी, कुस्तिया, बांग्लादेश द्वारा आयोजित शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रकाशन

सुमंत कुमार मंडल

i) एलएनआईपीई, ग्वालियर, वॉल्यूमः 18, अंकः 2 द्वारा होस्ट की गई शारीरिक शिक्षा, खेल चिकित्सा और व्यायाम विज्ञान के भारतीय जर्नल में प्रकाशित कोप लेग एंगुलर किनेमेटिक्स ऑफ इंस्टेट किक फॉर मेल एंड फीमेल सॉकर प्लेयर्स का एक तुलनात्मक अध्ययन। पृ. 37-45, जून और दिसंबर 2018, आईएसएसएन 2456-737एक्स (ऑनलाइन), आईएसएसएन 0976-1101

ii) शॉटपुट में ग्लाइड तकनीक में दाहिने कूल्हे के विस्थापन का महत्व, शोध और विश्लेषणात्मक समीक्षाओं की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम -5, अंक -3। आईएसएसएनः 2349-5138, पृ. 47,48, 2018

महेश स्वेता खेतमलिस

i) आधुनिक जातीय समाज में खेलः खेल का एक सूचनात्मक योगदान, वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय संगठन, ई-आईएसएसएन-2347-6737, खंड -5, अंक-4, पी-27-33, जुलाई-अगस्त, 2018

संतू मित्रा

i) चयनित फिजियोलॉजिकल पैरामीटर्स पर ठंडे पानी के विसर्जन, मालिश और कम तीव्रता वाले स्ट्रेचिंग रिकवरी प्रोग्राम्स के तुलनात्मक प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन 2018; 3 (2): 696-699; आईएसएसएन - 2456-0057।

कल्लोल चटर्जी

i) टोटो और मुंडा ट्राइबा के बीच चयनित मनोवैज्ञानिक चर पर एक तुलनात्मक अध्ययन एल कम्युनिटी , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, न्यूट्रीशन एंड फिजिकल एजुकेशन, वॉल्यूम 4 (1), पृ.1282-1284, 2019

ii) विश्वविद्यालय स्तर के पुरुष और महिला छात्रों के बीच हृदय गति पर त्राटक का तीव्र प्रभावः एक तुलनात्मक अध्ययन, योग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, फिजियोथेरेपी और शारीरिक शिक्षा, वॉल्यूम- 3, पृ. 55-58, 2019

अभिजीत थंडर

i) बी.पी.ऐड के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता का आकलन; कार्यवाहीः मानसिक शारीरिक शिक्षा और समाज; आईएसबीएनः 978-93-82623-83-0 पृ. 74, 2018

ii) पश्चिम बंगाल में पारंपरिक खेलों और खेलों का संरक्षण और प्रसार; कार्यवाहीः मानसिक शारीरिक शिक्षा और समाज; आईएसबीएनः 978-93-82623-83-0 पृ. 129, 2018

iii) ट्रांसवर्स प्लेन से बॉलिंग एक्शन को वर्गीकृत करने के तरीके एक दो आयामी अध्ययन; कार्यवाही: मानसिक शारीरिक शिक्षा और समाज; आईएसबीएन: 978-93-82623-83-0 पृ. 258, 2018

iv) टेबल टेनिस बॉल फीडर मशीन की मॉडलिंग और सिमुलेशन; कार्यवाही: मानसिक शारीरिक शिक्षा और समाज; आईएसबीएन: 978-93-82623-83-0 पृ. 74, 2018

v) इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी और क्रिकेट में इसके निहितार्थ, इंडियन जर्नल ऑफ़ हेल्थ न्यूट्रिशन एंड फिजिकल एजुकेशन, वॉल्यूम 6 नंबर 2 पेज: 13-18, 2018

पल्ली संगठन विभाग (पीएसवी)

(ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान)

टैगोर ने 1922 में ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान की स्थापना के माध्यम से श्रीनिकेतन प्रयोग शुरू किया। बाद में यह एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में बाहरी दुनिया द्वारा भी स्वीकार और प्रशंसित किये जाने लगा। टैगोर के शब्दों में, उनके कार्यक्रम का उद्देश्य था, अपने स्वयं के देश की सांस्कृतिक परंपरा से परिचित और आत्मनिर्भर और आत्म-सम्मानजनक बनाने वाले गांवों में जीवन को पूर्णता में वापस लाने के लिए और एक कुशल उपयोग करने के लिए सक्षम होना चाहिए। उनकी शारीरिक, बौद्धिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए आधुनिक संसाधन। टैगोर का ग्रामीण पुनर्निर्माण का मिशन चार सिद्धांतों पर आधारित था - स्वार्थ, आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और काम में खुशी। अब, ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान (यानी पल्ली संगठन विभाग) आसपास के गाँवों की स्थिति को सुधारने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है और चार शैक्षणिक विभाग भी हैं, जो अनुसंधान सुविधाओं के साथ बहुत ही संरचित तरीके से शिक्षा प्रदान करते हैं। चार विभागों में सामाजिक कार्य विभाग, शिल्प-सदन विभाग, ग्रामीण अध्ययन विभाग (पल्ली चर्चा केंद्र) और जीवन लंबी शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केंद्र) शामिल हैं। प्रत्येक विभाग केअपने उद्देश्य और कार्य होते हैं, जो लक्ष्य के पुनर्निर्माण के एक सामान्य लक्ष्य के साथ होते हैं।

चार विभागों के अस्तित्व के अलावा, पल्ली संगठन विभाग में एक संगीत इकाई भी है, जो मुख्य रूप से विश्वभारती द्वारा अपनाए गए आसपास के गांवों के लड़कों और लड़कियों के प्रशिक्षण के लिए काम कर रही है। यूनिट का उद्देश्य गांवों में रवींद्रसंस्कृति को संगीत में फैलाना है। इसके अलावा, केंद्रीय पुस्तकालय, शांतिनिकेतन के प्रशासनिक नियंत्रण में, भवन के पास एक पुस्तकालय है। पुस्तकालय में संबंधित विभागों के संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रमों की पुस्तकों के अलावा महत्वपूर्ण पत्रिकाओं, दैनिक समाचार पत्रों आदि तक पहुंचने के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं।

अंतिम लेकिन कम से कम, श्रीनिकेतन एक ऐसा जगह है जो टैगोरियन काल से सांस्कृतिक आदान-प्रदान में उत्कृष्ट है। यह उत्सव / त्योहारों के संगठन के माध्यम से होता है और पीएसवी इस संदर्भ में सक्रिय रूप से

आजीवन सीखने और विस्तार विभाग

(ग्रामीण विस्तार केंद्र)

विभागीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/एक्सचेंज/यात्रा कार्यक्रमः

1. 8 फरवरी 2019. श्रीनिकेतन के वार्षिक उत्सव के अवसर पर आरईसी सेमिनार हॉल में किचन गार्डनिंग पर सेमिनार। सहा निदेशक (एग्री) बोलपुर सेमिनार के संसाधन व्यक्ति थे।
2. केंद्रीय पुस्तकालय के सहयोग से विभाग द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान शिक्षा में वर्तमान रुझान पर व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया था। मिनेसोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका से जेनिफर टर्नर ने इस विषय पर व्याख्यान दिया है।
3. पीयरलेस अस्पताल के सहयोग से विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. चंद्रमौली मुखर्जी, पीयरलेस होस्पीटेक्स अस्पताल, कोलकाता संसाधन व्यक्ति थे।
4. विशेष ओलंपिक कार्यक्रम की एक टीम ने नूरपुर गाँव का दौरा किया और बेटी बच्चों और योग कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। आसपास के क्षेत्र के 30 विशेष बच्चों ने खेल और उनके लिए डिज़ाइन किए गए खेलों में भाग लिया।
5. सभी ग्रामीण लाइब्रेरियन, ब्रोती नेताओं और स्टाफ के सदस्यों ने एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए फॉन्टल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, देवघर, झारखंड का दौरा किया।
6. श्रीमती माधुरी बोस (नेताजी की पोती) और उनके पति श्री मैक्स वेल लंदन, यूके से बेनुरिया गांव गए।
7. कमला नेहरु महिला महाविद्यालय, ओडिशा के छात्रों और संकाय सदस्यों ने विस्तार गतिविधियों के अनुभव साझा करने के लिए विभाग का दौरा किया।
8. श्री डी. वेंकटेशन, उप निदेशक, पर्यटन मंत्रालय, सरकार भारत कार्तिकडांगा गाँव का दौरा किया।
9. निम्नलिखित संस्थानों के साथ संबंध विकसित हुएः राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता; बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री; कृषि विपणन विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार; फील्ड प्रचार निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार; पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार। ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन; नरेंद्रपुर रामकृष्ण मिशन लोकोशिका परिषद, आर. के. मिशन, दक्षिण 24 प्रगणा, सामुदायिक अध्ययन संस्थान, शांतिनिकेतन; रूपकला केंद्र, सूचना और सांस्कृतिक मामले विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार। बोलपुर; मानव विज्ञान सर्वेक्षण, भारत सरकार भारत; प्रखंड विकास कार्यालय, इल्लमबाजार, बोलपुर- श्रीनिकेतन; ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बोलपुर और इल्लम्बज़ार; बीरभूम जिला पुलिस और उप-विभागीय पुलिस; जिला कानूनी सहायता प्राधिकरण, बीरभूम।

आरईसी के अन्य प्रमुख कार्यक्रमः

1. ग्राम विकास सोसायटी (वीडीएस)
2. महिला समितियां (महिला मंच)
3. ब्रती संगठन
4. स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)
5. ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएँ
6. ग्रामीण स्वास्थ्य क्लिनिक
7. कृषि विस्तार गतिविधियाँ
8. सतत शिक्षा कार्यक्रम
9. लोक सांस्कृतिक गतिविधियाँ
10. शिल्प संवर्धन कार्यक्रम
11. रेडियो कार्यक्रम विस्तार गतिविधियों पर

संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन

अमित कुमार हाजराः

1. मार्च 20-23, 2019 लेव्स, यू.के. विश्वविद्यालय में बायो-एनर्जी, फर्टिलाइज़र, इनवेसिव मैक्रोफाइट्स से स्वच्छ पानीः कुछ सामाजिक मुद्दे पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. 25 मार्च, 2019 शेफील्ड यूनिवर्सिटी, यू.के. पर सहयोगी एमआई पार्टनर शेफील्ड यूनिवर्सिटी के साथ डीएसटी द्वारा वित्त पोषित मिशन इनोवेशन प्रोजेक्ट के संबंध में बैठक में भाग लिया।
3. 14-16 मार्च, 2019 अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण सम्मेलन इको-फ्रेंडली महिला उद्यमिता में रूरल एंटरप्रेन्योरशिपः ए नॉन-फार्म अल्टरनेटिव फॉर पॉवर्टी रिडक्शन विषय पर पेपर प्रस्तुत और प्रस्तुत किया गयाः कलकत्ता विश्वविद्यालय और क्लैफलिन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, ऑरेंजबर्ग, एससी, यूएसए भारत-भारत 21वीं सदी ज्ञान पहल कार्यक्रम के तहत।
4. 1-2 मार्च 2019. इंटरनेशनल हाइड्रो स्टैक्ड स्टोरेज स्कीम ऑन इंडिया में ऑफ-ग्रिड रिमोट गाँव को बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दूसरा अंतर्राष्ट्रीय स्टेक होल्डर्स में एमआई चैलेंज : ऑफ -ग्रिड एक्सेस ऑन बिजली पर आमंत्रित व्याख्यान। आईआईटी-दिल्ली, नई दिल्ली, भारत में।
5. 11-13 फरवरी, 2019 एशियन चैप्टर फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन एंड सेंटर फॉर जर्नलिज्म द्वारा आयोजित स्कूल शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभावः चुनौतियां और संभावनाएं शीर्षक

से सतत विकास में मीडिया और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पत्र और विश्व-भारती के दौरान जनसंचार

6. 11-13 फरवरी, 2019 मीडिया और संचार के लिए सतत विकास में मीडिया और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर शिकायत निवारण प्रबंधन प्रणाली- पंचायत प्रतिकर; ग्रामीण विकास को बढ़ाने केलिए सरकार का संचार मीडिया और संचार के लिए एशियाई अध्यायों द्वारा आयोजित और विश्वभारती में पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र।

7. 1 फरवरी, 2019 भारत में सेंटर फॉर रूरल स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ त्रिपुरा द्वारा आयोजित और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित भारत में चल रहे गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम और महिलाओं केविकास और स्थिति के विकास में लैंगिक परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान दिया।

8. 15-16 फरवरी, 2019 संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित प्रायोजित क्षमता बू तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम, ज्ञान के गुणात्मक तरीकों पर संतुलित अनुभवजन्य अनुसंधान पर तिरुवरूरः सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए मिश्रित विधि अनुसंधान दृष्टिकोण।

9. 20 सितंबर, 2018. यॉर्क विश्वविद्यालय, टोरंटो, कनाडा में जीवविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ग्रामीण पुनर्निर्माण और श्रीनिकेतन प्रयोग पर व्याख्यान आमंत्रित।

सुजीत कुमार पाल

1. 25.04.2018 एमएचआरडी द्वारा आयोजित एआईसीआईटीई ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में एक प्रतिभागी संस्थान के रूप में उन्नाव भारत अभियान 2.0 और अभिविन्यास कार्यशाला की नई रूपरेखा का शुभारंभ के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।

2. 28.07.2019 आईआईटी, खड़गपुर द्वारा आयोजित आईआईटी कैंपस, कोलकाता में उन्नाव भारत अभियान 2.0 गतिविधियों की योजना कार्यशाला के लिए एक दिन के कार्यक्रम में भाग लिया।

3. 10-19 जून, 2018 शेडोंग एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, 18877 जिंसी रोड, जिनान 250062, चीन द्वारा अकादमिक विनिमय कार्यक्रम के लिए आयोजित सार्वजनिक स्वास्थ्यः नीति और व्यवहार पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

4. 25.11.2018 साउथ एशियन एकेडमी फ़ॉर गुड गवर्नेंस, श्रीलंका फ़ाउंडेशन, कोलंबो द्वारा आयोजित वार्षिक दीक्षांत समारोह में टैगोर के दर्शन पर शिक्षा और ग्रामीण पुनर्निर्माण पर सतत विकास विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

5. 6-18 नवंबर, 2018 जनसंपर्क कार्यालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित सांस्कृतिक पर्यटन के विकास और शांतिनिकेतन और बीरभूम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

6. 15-16 फरवरी, 2019 शिक्षा विभाग, विनय भवन द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए शिक्षाः बेहतर दुनिया का निर्माण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामुदायिक भागीदारी और सतत विकास के लिए शैक्षिक संस्थानों की भूमिका नामक एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

7. 23-24 मार्च, 2019 सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी द्वारा आयोजित भारत में सामाजिक विकासः रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामाजिक समस्या और सामाजिक विकास नामक एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सुभ्रांशु संतरा

1. 7-9. 12. 2018 झरकहली, सुंदरबन, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में, संयंत्र संरक्षण विभाग (संस्थान) के सहयोग से भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और आयोजित किया।

2. 02.2019 त्रिपुरा विश्वविद्यालय के ग्रामीण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित जेंडर बजटिंग एंड वीमेन एम्पावरमेंट पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षक था भारत में महिलाओं का विकास और स्थिति पर आधारित होना।

प्रकाशन

अमित कुमार हाजराः

प्रकाशित पुस्तकें :

1. अमित कुमार हाजरा (मंडल, ए के साथ): वन संसाधनों का विकासः भारत में जनजातीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बढ़ावा। अक्षर प्रकाशन, कोलकाता, 2019. आईएसबीएनः 978-81-922916-1-1

पुस्तक अध्यायः

1. अमित कुमार हाजरा (2018): रवीन्द्र सप्तहेर वशान में रवीन्द्रनाथ समाज भवन। संपादक इंद्राणी मुखोपाध्याय और अमर्त्य मुखोपाध्याय, विश्वभारती, पृ.76-84। आईएसबीएनः 978-81-7522-678-4।

2. अमित कुमार हाजरा (2019): साहित्य अकादमी, भारत द्वारा प्रकाशित परिचंद मित्र शताब्दी खंड में परीचंद मित्र कृषि दर्शनः किछु ब्यातिरोमि चिन्ता भाव।

जर्नलः

प्रकाशित पत्रः

1. हाजरा, ए. (दत्ता, टी के साथ) (2018): पश्चिम बंगाल में स्कूली शिक्षा में सूचना और संचार

प्रौद्योगिकीः शिक्षा और विकास के जर्नल, स्कोप और चुनौतियां, वॉल्यूम -8, नंबर -16, दिसंबर-2018 आईएसएसएनः 2248-9703

रफीकुल इस्लामः

1. माझी, के. और इस्लाम, आर. (2017)। प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरणः चौपहारी जंगल, बीरभूम, पश्चिम बंगाल के आदिवासियों के बीच एक केस स्टडी, शिक्षा और विकास, 93-104, अर्पण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. माझी, के. और इस्लाम, आर. (2017)। आदिवासी लड़कियों की प्राथमिक शिक्षा की स्थितिः पुरुलिया जिले, पश्चिम बंगाल के काशीपुर ब्लॉक का एक मूल्यांकन अध्ययन, मुद्रण क्षेत्र इंटरनेशनल मल्टीलिंगुअल रिसर्च जर्नल, अप्रैल 2018, अंक -42, खंड -04: 048-053।

सुजीत कुमार पालः

पुस्तके :

1. पीआरआईएसएस के माध्यम से विकेंद्रीकरण को मजबूत करना। कॉन्सेप्ट पब्लिसिंग लिमिटेड, नई दिल्ली, 2018. पृ. - 331, आईएसबीएन : 978-93-86682-31-4।
2. सार्वजनिक स्वास्थ्य - नीति और व्यवहार। चीन के प्रो. फुहुई ली के साथ संपादित एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली आईएसबीएन 978-93-86846-79-2, 2018 (संपादित खंड)।

03. को-ऑपरेटिव सोसाइटी और सामुदायिक विकास पर रवींद्रनाथ टैगोर का विजन। अहीली पब्लिशर्स, कोलकाता, 2018। आईएसबीएन 81-89169-68-8, (सह-संपादित खंड)।

04. महिला और विकास, संयुक्त रूप से ए, मित्रा. इम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली, पृ. - 290, आईएसबीएन 978-93-88249-74-4, 2019 (संपादित)।

पुस्तक अध्यायः

1. होम बेस्ड नियोनेटल केयर एंड चाइल्ड हेल्थ आउटकम इन इंडिया पर मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) का प्रभाव। सार्वजनिक स्वास्थ्य - नीति और व्यवहार पर संपादित मात्रा (संयुक्त रूप से एक मित्र के साथ) में प्रकाशित। डॉ. सुजीत कुमार पाल और प्रो. फुहुई ली द्वारा संपादित एम्पायर बुक्स इन्टरनेशनल, नई दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-86846-79-2, 2018।
2. स्वास्थ्यः जनजातीय महिलाओं के बीच एक उभरती हुई चिंता। सार्वजनिक स्वास्थ्य - नीति और व्यवहार पर संपादित वॉल्यूम (ए. गुप्ता के साथ संयुक्त रूप से) में प्रकाशित। डॉ. सुजीत कुमार पाल और प्रो. फुहुई ली द्वारा संपादित। एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली आईएसबीएन 978-93-86846-79-2, 2018।

3. घरेलू हिंसा एक खुला रहस्यः महिला जीवन के युद्ध क्षेत्र से समस्या को समझना महिला और विकास पर संपादित वॉल्यूम (डॉ. कल्लोल दास के साथ संयुक्त रूप से) में प्रकाशित डॉ. सुजीत कुमार पॉल और डॉ. मिश्रा द्वारा लिखित। एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-88249-74-4, 2019।

4. कन्याश्री के माध्यम से लड़कियों की शिक्षाः सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक रणनीति। महिला और विकास पर संपादित वॉल्यूम (ए मित्रा के साथ संयुक्त रूप से) में प्रकाशित। डॉ. सुजीत कुमार पाल और ए. मित्रा द्वारा लिखित। एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-88249-74-4, 2019।

5. सेल्फ-वेलबिंगः भारतीय महिलाओं के बीच एक उभरती हुई अवधारणा। महिला और विकास पर संपादित वॉल्यूम (ए. गुप्ता के साथ संयुक्त रूप से) में प्रकाशित। डॉ. सुजीत कुमार पॉल और ए. मित्रा द्वारा लिखित। एम्पायर बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-88249-74-4, 2019।

पत्रिकाओं में लेखः

1. पुनरावर्ती पुरुष आउट-माइग्रेशन और परिणाम पर स्रोतः एक योजनाबद्ध समीक्षा जो विशेष रूप से वामपंथी महिलाओं के संदर्भ में है। स्पेस एंड कल्चर में शताब्दी साहा और रूपक गोस्वामी के साथ संयुक्त रूप से प्रकाशित, खंड 5, नंबर 3, 2052-8396 (ऑनलाइन), 2018।

2. महिलाओं का सशक्तीकरणः बौद्ध परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू में सबीना बेगम के साथ संयुक्त रूप से प्रकाशित। खंड 5, अंक 4, अक्टूबर, 2018। ई-आईएसएसएन 2348-1269, पी-आईएसएसएन 2349-5138।

सुभ्रांगसू संतरा

1. एस. संतरा ए. सरकारः ग्रामीण क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण के माध्यम से आजीविका में बदलावः बीरभूम जिले, पश्चिम बंगाल के लोहागर गांव में एक अध्ययन, ऐहली पब्लिशर्स, आईएसबीएन-81-89169-68-8 पर रवींद्रनाथ टैगोर के विजन पर पुस्तक।

02. एस. संतरा और टी के पालः महिलाओं के सशक्तिकरण पर प्रभाव महिला सशक्तिकरण और मुसलमानों में प्राथमिक शिक्षाः पश्चिम बंगाल में एक केस स्टडी पृ. 112-127, को-ऑपरेटिव सोसाइटी एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट (सं-साहा, जी एट एट) पर रवींद्रनाथ टैगोर का विजन; अहीली पब्लिशर्स, नवंबर 2018; आईएसबीएन - 81-891-69-68-8।

3. एस संतरा और ए के हाजराः आजीविका विकास के लिए प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनः पश्चिम बंगाल में बर्दवान जिले के दो चावल मिलों में एक केस स्टडी। अहीली पब्लिशर्स, नवंबर 2018; आईएसबीएन - 81-891-69-68-8।

4. एस संतराः पश्चिम बंगाल में लैंगिक असमानता और कुछ सामाजिक विकास संकेतक, सतत विकास केमुद्दों परः लिंग और कृषि परिवर्तन (सं.) रेणु पब्लिशर्स, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली - 110059, दिसंबर 2018। ; आईएसबीएनः 9788193726044

5. एस संतरा और राणा, डब्ल्यूः घटते बाल लिंग अनुपात की प्रवृत्ति, पैटर्न और प्रभावः पश्चिम बंगाल के हावड़ा और कोचबेहर जिले में एक अध्ययन, सतत विकास के मुद्दों परः लिंग और कृषि परिवर्तन (सं.) रेणु पब्लिशर्स 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली - 110059, दिसंबर 2018; आईएसबीएनः 9788193726044

6. एस. संतरा और ए रॉयः आईसीडीएस योजना के प्री-स्कूल शिक्षा घटक के कार्यान्वयन में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण कारकः पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर जिले का एक केस स्टडी, सतत विकास केमुद्दों परः लिंग और कृषि परिवर्तन रेणु पब्लिशर्स, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली - 110059, दिसंबर 2018; आईएसबीएनः 9788193726044

शिल्प सदन विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं

1. 30-31 मार्च 2019। 2 दिन की कार्यशाला प्रसेनजीत गांगुली द्वारा आयोजित, एक व्यावसायिक एनीमेशन डिजाइनर और 'विजुअल स्टोरीज' बनाने के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के पूर्व छात्र। संयुक्त संयोजकः शांतनु कुमार जेना और सुमिता पाल
2. चीनी विभाग, विश्व-भारती की सहायता से चीनी विद्वान के साथ सुलेख पर कार्यशाला। विशाल सी भांड द्वारा समन्वित
3. आइकैट पर फील्ड अवार्ड और वर्कशॉप का आयोजन, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वीवर के साथ, वीवर्स सर्विस सेंटर, भुवनेश्वर की मदद से किया गया। विशाल सी भांड द्वारा समन्वित।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रदर्शनियों

पद्मिनी बलराम

1. 29 मार्च 2019 सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड में संसाधन अध्यक्ष, इंडिगो और भारतीय पूर्व एशियाई वस्त्रों पर इसके प्रभाव पर बात करने के लिए।
2. 28 मार्च 2019 भारतीय दूतावास, थाईलैंड, भारत केंद्र, महिदोल विश्वविद्यालय के सहयोग से वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता। इंडियन टेक्सटाइल इट्स कनेक्शन विथ थाईलैंड विथ पास्ट से प्रेजेंट।
3. 27 मार्च 2019 इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, चुलर्लोंग्नाकोर्न, थाईलैंड में संसाधन अध्यक्ष। सिलपा-सदानाः शिल्प और भारत का पहला संस्थान और इसके पीछे विजन पर बात की।
4. 6 मार्च 2019 केमिकल्स एंड पेट्रो-केमिकल्स के सतत और सुरक्षित उपयोग पर पर्यावरण सेक्रेटरी सेमिनारः पर्यावरण और स्वास्थ्य देखभाल/सुरक्षा, पर्यावरण और द वीक कनेक्ट द्वारा आयोजित, हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में। द डाई जो कायाकल्प करती है धरती पर।
5. 15-17 मार्च 2019। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के सहयोग से कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस कल्चरल एक्सचेंज फ़ॉर नैरेटिव्सः नैरेटिव रिलिजियस टेक्सटाइल्स ऑफ़ इंडिया पर एक पेपर प्रस्तुत किया। ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संघालय।
6. 8-10 मार्च 2019 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संघ में रिसोर्स पर्सन के रूप में पूर्वोत्तर की कपड़ा परंपराएं और महिलाओं का योगदान पर बात की गई।

7. 21 फरवरी 2019. पर्ल अकादमी, मुंबई के आंतरिक सम्मेलन में संसाधन अध्यक्ष, अरुणाचल प्रदेश से इंडिगो की खोज में पर बात की।

8. 23 जनवरी 2019 'अरुणाचल प्रदेश से इंडिगो की खोज में' पर व्याख्यान; देसमानिया और अरुणाचल प्रदेश वीवर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित।

9. 7 जनवरी, 2019 कपड़ा, एनजेबी और निफ्टैट पुरानी मुद्रा निर्माण मंत्रालय द्वारा आमंत्रित किया गया व्यक्ति ग्रीन फैशन थ्रू टेक्सटाइल, जूट एंड क्राफ्ट्स।

10. 10 दिसंबर 2018. जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ इंडिया के डिजाइनरों द्वारा आयोजित इंडिगो एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन एंड ईस्ट एशियन टेक्सटाइल्स पर व्याख्यान दिया।

11. 15, 16 और 17 नवंबर 2018. भारत और जापान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इंडिगो एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन एंड ईस्ट एशियन टेक्सटाइल्स पर एक पेपर प्रस्तुत किया: 16 वीं से 20 वीं सदी की शुरुआत में कम-से-कम ज्ञात, आयोजित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर एंड मोम्बुशो स्कॉलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जापान फाउंडेशन और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा समर्थित है।

12. 26 अक्टूबर, 2018 पर्सन नेशनल यूनिवर्सिटी में एशिया के अंतर्राष्ट्रीय शिल्प कला में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक कागजी प्राचीन भारत, इसकी यात्रा और पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया पर प्रभाव का प्रदर्शन किया।

आशीष घोष

1. कला जूमगैंग प्रकृति कला बिनाले, दक्षिण कोरिया के नेचर घन प्रदर्शनी में भाग लिया

नाबा कुमार माझी

1. 29 मई 2019 आईआईआईडी और एलबी इटली की इनान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यशाला में भाग लिया, कोलकाता में भारत के लिए एक आदर्श टाइल्स की तलाश में डिजाइन रहित 2018

प्रबीर कुमार चौधरी

1. 27-31 अगस्त, 2018 को एक बहु-विषयक अनुसंधान में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण- सॉफ्टवेयर के माध्यम से सीखना पर एक-सप्ताह के राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित, शिक्षा भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन (संकाय विकास कार्यक्रम के तहत)

सनार रॉय मौलिक

1. 02-03, फरवरी 2019। आईसीएआर द्वारा द इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी द्वारा आयोजित

सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए प्राकृतिक फाइबर संसाधन प्रबंधन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हैंड पेंटिंग एंड स्टोलिंग ऑफ अ स्टोल - ए मार्केट रिसर्च पर्सपेक्टिव नामक पत्र प्रस्तुत किया।

आशीस मित्रा

1. 3-4 सितंबर, 2018 विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, संयुक्त रूप से ऑप्टिमल क्लोथिंग थर्मल कम्फर्ट प्रॉपर्टीज के लिए हथकरघा सूती कपड़ों के चयन के लिए एक बहु-मापदंड निर्णय लेने के लिए शीर्षक वाले पेपर की पोस्टर प्रस्तुति। जेएसपीएस एलुमनी एसोसिएशन ने भौतिकी, विश्वभारती के दौरान विश्व भारती, शांतिनिकेतन के सहयोग से एसोसिएशन बनाई।
2. 27-31 अगस्त, 2018 बहु-विषयक अनुसंधान में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर एक-सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया - लर्निंग ग्रॉग सॉफ्टवेयर , सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित, शिक्षा भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, (संकाय विकास कार्यक्रम के तहत)

मृणाल कांति सरकार

1. 22 और 23 2018. निरजाफट, कोलकाता में हमारे दैनिक जीवन और पर्यावरण में रंगों का प्रभाव पर पोस्टर प्रस्तुति।
2. कोलकाता नंदनिक, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला में प्रदर्शित पेंटिंग।

शांतनु कुमार जेना

1. 19 मई से 8 जून 2018 तक अंडजी, गुजरात के अदिजीत और कौशल विकास वर्कशॉप स्टोन आर्टिसन पार्क ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के संचालन के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
2. 24 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2018 तक एनआईडी विजयवाड़ा (अमरावती) में एक कार्यशाला में सामग्रियों का संयोजन का आयोजन करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
3. 18 फरवरी से 1 मार्च 2019 तक एनआईडी विजयवाड़ा (अमरावती) में कॉम्बिनेशन ऑफ मैटेरियल्स पर एक कार्यशाला-सह-वर्ग का संचालन करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

सुमिताभ पाल

1. 21 से 30 दिसंबर 2018 तक द गलारी ला मेरे, रीजेंट पार्क, कोलकाता से बंगाल के एक प्रतिष्ठित कलाकार के रूप में जाना जाता है - 40 से और औमोटो, उत्तराखंड, बरूईपुर, दक्षिण परगना
2. 7 से 22 जनवरी 2019 ऑमोर्टो, उत्तरबाग, बरुईपुर, दक्षिण 24 परगना द्वारा बंगाल के एक प्रतिष्ठित कलाकार के रूप में स्थापित किया गया।

मनोज कुमार प्रजापति

1. 28 नवंबर-तीसरा अक्टूबर 2018 नॉर्थ गैलरी, अकादमी ऑफ फाइन-आर्ट्स, कोलकाता में 17 वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।
2. 11-12 मार्च 2019 कोलकाता के लेक टाउन में नंदन शांतिनिकेतन ट्रस्ट द्वारा आयोजित कला-भवन, विश्वभारती की शताब्दी मनाते हुए, मिट्टी के बर्तनों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

जया बोरो

1. 4 मार्च से 9 मार्च 2019 तक कार्यशालाः मिट्टी के बर्तनों और टेराकोटा कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित म.प्र। भोपाल, सरकार। मध्य प्रदेश में, नेहरू नगर, भोपाल
2. ग्रुप आर्ट प्रदर्शनी में प्रतिभागी- द ब्रिज 26 से 29 मार्च 2018 के दौरान, छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तुसंग्रहालय, मुंबई में

देब कुमार दास

1. कंटेम्परेरी क्राफ्ट में ट्रेडिशनल टचः ए डिज़ाइन एप्रोच इन वुड वर्क 'शीर्षक वाली पेपर प्रस्तुति। 5-6 जनवरी 2018 को आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर में कला के माध्यम से सामाजिक और पर्यावरण के मुद्दों का उपचार विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
2. 12-13 मार्च 2019 को लेक टाउन, कोलकाता में सिरेमिक पर सह-आयोजित कार्यशाला।

सामाजिक कार्य विभाग

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 26 जून 2018 सामुदायिक विसर्जन और आदिवासियों के संसाधन का आयोजन पश्चिम बंगाल के शिल्प परिषद और लुसाने विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया था।
2. 25 अगस्त, 2018 राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के सहयोग से जीवन कौशल और क्षमता निर्माण पर विशेष व्याख्यान।
3. 27, 28 और 29 सितंबर, 2018 मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम पर काम करना, जिसमें हाई स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया, राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था।
4. 17 नवंबर, 2018 'राष्ट्रीय बाल आयोग' के सहयोग से बालकों को बहिष्कृत न करें इस विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. 24 नवंबर, 2018 ब्लूमिंग डेल एकेडमी और न्यूरोजेन ब्रेन एंड स्पाइन इंस्टीट्यूट के सहयोग से न्यूरोलॉजिकल मुद्दों पर शांतिनिकेतन में और आसपास के बच्चों के लिए निःशुल्क जांच शिविर।
6. 6 और 7 जनवरी 2019 शांति ट्रस्ट, शांतिनिकेतन, के साथ जीवन कौशल शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला।
7. 18 और 19 जून 2019। शांति ट्रस्ट, शांतिनिकेतन, के साथ पारिवारिक जीवन शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला।
8. 5 से 7 मार्च 2019 तक सामुदायिक विकास और युवा नेतृत्व पर एनवाईकेएस, पश्चिम बंगाल सरकार के साथ कार्यशाला सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम।
9. 23-24 मार्च, 2019 भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा। आयोजन सचिव : डॉ. परमिता रॉय और डॉ. सुभाश्री सान्याल।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं

कुमकुम भट्टाचार्य

1. वोनका, सियोल, दक्षिण कोरिया के सम्मेलन में 'घरेलू अंतःविषय हस्तक्षेप में एक शैक्षणिक उपकरण

केरूप में सामुदायिक विसर्जन' और 'घरेलू हिंसा और सामाजिक कार्य और चिकित्सा पद्धति के सहयोग की आवश्यकता' में भाग लिया, 17 अक्टूबर - 18 अक्टूबर 18 , 2019)।

2. 'डायनेमिक फोर्सेस इन सोसाइटी एंड कल्चरः एन इम्पेटस फॉर हेरिटेज चेंज?' एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा सांस्कृतिक धरोहर प्रबंधन की अवधारणा और वैश्विक जातीय समूहों में इसके महत्व पर आयोजित 2-दिवसीय (19 फरवरी, 20, 2019) अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रसन्न कुमार घोष

1. राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, अरुणाचल प्रदेश में 11 मई 2018 को संगोष्ठी में युवा विकास और नेतृत्व अध्ययन केंद्र के प्रथम व्याख्यान दिया।
2. युवा और नागरिक सगाई पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के पूर्ण सत्र में एक व्याख्यान दिया : परिप्रेक्ष्य और संभावना 23 मार्च, 2019 को आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम में,

अशोक कुमार सरकार

1. भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वास्थ्य और सामाजिक विकास पर अध्यक्षता सत्रः 23-24 मार्च, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा,

देबतोष सिन्हा

1. भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वास्थ्य और सामाजिक विकास पर अध्यक्षता सत्रः 23-24 मार्च, 2019 को सामाजिक कार्य, विश्वभारती, श्रीनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा।

परमिता रॉय

1. 23 और 24 मार्च 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती में सामाजिक विकासः रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन सचिव।
2. भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौतियाँः ओडिशा के बलांगीर जिले में भूख और भुखमरी पर एक अध्ययन, सामाजिक विकास विभागः सामाजिक विकासः रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सह-लेखक 23 और 24 मार्च, 2019 को विश्वभारती।
3. भारत में स्वास्थ्य नीति का विकासः अधिकार आधारित परिप्रेक्ष्य में एक विश्लेषण, (सामाजिक विकासः रणनीतिक कार्य, चुनौतियां और सामाजिक कार्य पेशा) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में (सह-लेखक) सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती में 23 और 24 मार्च, 2019।

4. 1 जुलाई, 2018 को यूनिवर्स, नेचर एंड टाइप ऑफ सैंपलिंग एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट द्वारा आयोजित रिसर्च मैथडोलॉजी कोर्स इन सोशल साइंसेज पर 5 वीं कार्यशाला में आयोजित किया गया था। निति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

सुभाश्री सान्याल

1. 23 और 24 मार्च 201 9 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती में सामाजिक विकासः रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन सचिव।
2. बीरभूम जिले के आदिवासी बहुल ग्रामीण बस्तियों में स्वच्छ भारत अभियान शीर्षक से प्रस्तुत पत्रः 28 जनवरी 2019 को सतत विकास के दृष्टिकोण पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्थिति विश्लेषण
3. भारत में बाल यौन शोषण शीर्षक से प्रस्तुत पत्रः भारत में सामाजिक विकास में वर्तमान मुद्दे और बाल अधिकार शोषण का रूपः सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, श्रीनिवासन द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा दिनांकः 23-24 मार्च 2019
4. भारत में सामाजिक विकास में सामुदायिक रंगमंच के माध्यम से सामाजिक कार्य हस्तक्षेप शीर्षक से प्रस्तुत पत्रः रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य व्यवसाय विभाग द्वारा संगठित सामाजिक कार्य, विश्वभारती, श्रीनिकेतन दिनांकः 23-24 मार्च 2019।

सुकुमार पाल

1. 13-14 अप्रैल 2018 को विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित मानवाधिकार और सामाजिक न्याय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में जनजातीय भूमि अधिकारः खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में पश्चिम बंगाल का एक परिस्थितिजन्य विश्लेषण नामक पत्र प्रस्तुत किया।
2. 13-14 अप्रैल, 2018 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ द्वारा विश्व मानवाधिकार पर आयोजित राष्ट्रीय मानवाधिकार और सामाजिक न्याय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के विशेष संदर्भ के साथ मानवाधिकार और सामाजिक न्याय नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
3. एससी, एसटी, ओबीसी एम्प्लॉइज एसोसिएशन ऑफ विश्व-भारती द्वारा अप्रैल 19-14, 2018 को आयोजित मानवाधिकार और सामाजिक न्याय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में दलित आंदोलन और डॉ. बी. आर. अम्बेडकरः एक प्रेरक नेता नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
4. पल्ली शिक्षा भवन द्वारा आयोजित भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयला हिट क्षेत्रों में गरीबी और सतत आजीविकाः ए केस स्टडी इन सुंदरवन, पश्चिम-बंगाल नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। कृषि संस्थान विश्वभारती,

हीरामनपुर कृषि-बागवानी सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, 24 परगना और एंड्रयूस्पल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज और टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता में 7-9 दिसंबर, 2018 तक।

5. भारत में दलितों पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में दलित नेताओं के विजन, विशेष रूप से डॉ. बीआर अंबेडकर, आधुनिक भारत और इसकी चुनौतियों के लिए नामक एक पत्र प्रस्तुत कियाः एसएफएस के सहयोग से पूर्णदेवी चौधरी गर्ल्स कॉलेज द्वारा आयोजित सामाजिक-सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतिनिधि मंडल। महाविद्या और साहित्य अकादमी 8 और 9 मार्च 2019 को पूर्णीदेवी चौधरी गर्ल्स कॉलेज, बोलपुर में।

सुदेशना साहा

1. भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामुदायिक विकास में सहकारिता की भूमिका नामक एक पत्र प्रस्तुत कियाः 23-24 मार्च 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा।
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए प्रभाव शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया। बी.आर. 13-14 अप्रैल, 2018 को विश्वभारती के सहयोग से विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित अंबेडकर एंड सोशल इंजीनियरिंग'
3. राष्ट्रीय संगोष्ठी में अंबेडकरः द अनसंग इकोनॉमिस्ट नामक एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया। बी.आर. 13-14 अप्रैल, 2018 को विश्वभारती के सहयोग से विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित अंबेडकर एंड सोशल इंजीनियरिंग '।

नीलमणि जयसवाल

1. भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामुदायिक विकास में सहकारिता की भूमिका नामक एक पत्र प्रस्तुत कियाः 23-24 मार्च 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा।
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए प्रभाव शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया। बी.आर. 13-14 अप्रैल, 2018 को विश्वभारती के सहयोग से विश्वभारती केएससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित अंबेडकर एंड सोशल इंजीनियरिंग '।
3. राष्ट्रीय संगोष्ठी में अंबेडकरः द अनसंग इकोनॉमिस्ट नामक एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया। 13-14 अप्रैल, 2018 को विश्वभारती के सहयोग से विश्वभारती केएससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित अंबेडकर एंड सोशल इंजीनियरिंग '।

4. 8-20 जुलाई, 2018 के दौरान नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर एजुकेशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण पर तीन-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

सस्मिता पटेल

1. 13 अप्रैल -14 अप्रैल, 2018 को एससी, एसटी और ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ विश्वभारती द्वारा बीआर अंबेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में महिलाओं की समानता की खोज के लिए क्वेस्ट- डॉ बीआर अंबेडकर की भूमिका और उपलब्धियां नामक एक पेपर प्रस्तुत किया गया।
2. 13 अप्रैल -14 अप्रैल, 2018 को डॉ. बीआर अंबेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सार्वजनिक नीतियों और विधानों में सामाजिक इंजीनियरिंगः मनरेगा के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण चर्चा शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसे एससी, एसटी और ओबीसी कर्मचारी द्वारा आयोजित किया गया। विश्वभारती की वेलफेयर एसोसिएशन
3. 13 अप्रैल -14 अप्रैल, 2018 को डॉ. बीआर अंबेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में खाद्य सुरक्षा पर चिंताः भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के संबंध में नामक एक पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसका आयोजन एससी, एसटी और ओबीसी कर्मचारी कल्याण द्वारा किया गया।
4. भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौसमी प्रवास, आजीविका और विकास, संथालप्रगाना, झारखंड के संतों के बीच एक पत्र प्रस्तुत कियाः 23 से 24 मार्च, 2019 तक रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा।
5. 13 अप्रैल से 14 अप्रैल, 2018 को एससी एसटी और ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ-विश्व भारती द्वारा आयोजित डॉ. बी आर अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक समानांतर प्रदर्शन सत्र की अध्यक्षता की।

मनोज विश्वास

1. पश्चिम बंगाल में फ्लोराइड संदूषण शीर्षक से प्रस्तुत कागजः भारत में सामाजिक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रभाव और उपचारः सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, श्रीनिवासन द्वारा 23-24 मार्च 2019 को आयोजित, रणनीतियाँ, चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा।

प्रकाशन

कुमकुम भट्टाचार्य

1. भट्टाचार्य, के (2018) लैंग्वेज ऑफ़ द सेंटल्सः इट्स लियोरिकल एक्सप्रेशन इन जार्ज फ़ेफर एंड

निबेडिटा नाथ (सं.) एम्पिरिकल एंथ्रोपोलॉजीः फील्ड्स ऑफ एकेडमिक फ्रेंड्स एंड फ्रेंड्स इन द फील्ड, नई दिल्ली, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड।

प्रसन्न कुमार घोष

1. घोष, पी.के. (2018) वंचित-अन्वेषण समुदाय विकास दृष्टिकोण का कल्याण, आईएसबीएन -13: 978-93-86682-21-5। कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली।

अशोक कुमार सरकार

1. कुमार, ए. (2018) मानव विकास और स्थिरताः चुनौतियां और रणनीतियाँ (सह-संपादक), अटलांटिकः नई दिल्ली, 2017. आईएसबीएन 9788126923076
2. कुमार, ए. (2018) वंचितों का कल्याणः सामुदायिक विकास दृष्टिकोण (सह-संपादक), संकल्पना प्रकाशन कंपनीः नई दिल्ली। आईएसबीएन -13: 978-93-86682-21-5
3. कुमार, ए. (2019)। संथालों का स्वास्थ्य प्रभावित करने वाले कारकः बीरभूम के चयनित गांवों का एक अध्ययन' (सह-लेखक), द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड सोशल डेवलपमेंट (सेज जर्नल), 58-74।

परमिता रॉय

1. रॉय, परमिता (2018) राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाई) में देखभाल की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले संरचनात्मक कारकः पश्चिम बंगाल में चयनित जिलों का विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और समीक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (4), 625-639। आईएसएसएनः 2279-0543
2. रॉय, परमिता (2018) भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना का प्रदर्शनः इसके कार्यात्मक स्थिरता के लिए निहितार्थ, इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, 7 (11), 64-66। आईएसएसएनः 2250-1991।
3. रॉय, परमिता (2018) राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाई) में देखभाल की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले प्रक्रिया कारक : पश्चिम बंगाल में चयनित जिलों का विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और विश्लेषणात्मक समीक्षा, 5 (4), 616-636। ई-आईएसएसएन 2348-1269, पी आईएसएसएन 2349-5138।
4. रॉय, परमिता (2018) पश्चिम बंगाल के चयनित जिलों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना (आरएसबीवाई) के लाभार्थियों के निर्वहन अनुभव का विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव नॉलेज एंड कॉन्सेप्ट्स,6 (12), 80-92। आईएसएसएनः 2454-2415।
5. रॉय, परमिता (2018) स्वास्थ्य वितरण में व्यवहार्यता का विश्लेषणः पश्चिम बंगाल, भारत के चुनिंदा जिलों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना (आरएसबीवाई) का एक अध्ययन, मानविकी, कला और साहित्य में

अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6 (11) , 137-142। आईएसएसएन (पी): 2347-4564; आईएसएसएन (ई): 2321-8878

6. रॉय, परमिता (2018) अस्पताल में भर्ती बीमाः भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का विश्लेषण, एप्लाइड सोशल साइंस के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (11), 1965-1979। आईएसएसएनः 2394-1405।

7. रॉय, परमिता (2018) हेल्थ इंश्योरेंस फॉर द पुअरः एन इंटर-कंट्री एनालिसिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन, 6 (4), 225-234। आईएसएसएन 2348-1218 (प्रिंट), आईएसएसएन 2348-1226 (ऑनलाइन)।

8. रॉय, परमिता (2018) स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण में सामुदायिक आधारित स्वास्थ्य बीमा योजनाएंः एशियाई और अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं के अनुभवों की समीक्षा, सामाजिक विज्ञान की एशियाई समीक्षा, 7 (3), 63-68, आईएसएसएनः 2249-6319।

9. रॉय, परमिता (2018) पश्चिम बंगाल में अन्वेषा क्लीनिक पर विशेष ध्यान देने के साथ भारत में किशोर स्वास्थ्य नीति, समकालीन सामाजिक विज्ञान (त्रैमासिक), 27 (4), 159-170। आईएसएसएनः 0302-9298।

सुभाश्री सान्याल

1. सान्याल, एस (2019)ः भारत में एकल महिलाओं की अनसुनी आवाज़ेंः हाज़रा, अयान में एक परिस्थितिजन्य विश्लेषण, (भारत में) लैंगिक न्यायः कैम्ब्रिज स्कॉलर प्रकाशन, यूके

2. सान्याल, एस. (2018)ः जननी सुरक्षा योजना-सशक्त महिला के माध्यम से पुरोहित, एच एंड भट्टाचार्य, बी। महिला सशक्तिकरण और लिंग मुद्दों में सुरक्षित मातृत्व आचरण के माध्यम से महिलाएं। सेंट्रल वेस्ट पब्लिशिंग, ऑस्ट्रेलिया (सह-लेखक) आईएसबीएन

3. सान्याल, एस (2018) फसल बिमाः सोशल वर्क क्रॉनिकल (ए यूजीसी एप्रूव्ड जर्नल) पब्लिशिंग इंडिया ग्रुप, मार्च 2018 आईएसएसएन नंबरः 2277-1395 में भारतीय किसानों के क्षितिज में एक नई उम्मीद। सह लेखक

ई पब्लिकेशन (यूजीसी एमओओसी फॉर सोशल वर्क- कोर्स कोऑर्डिनेटर प्रो. संजय भट्ट)

1. प्रबंध मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में रिपोर्ट, संदर्भ और कार्यकारी लिखें कैसे लिखें

2. प्रबंध मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में विदेशी योगदान से संबंधित कानून

3. प्रबंध मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में प्रशासन, प्रकृति, महत्व, मॉडल और तौर-तरीकों में संचार की भूमिका
4. प्रबंध मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न
5. मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में मानव सेवा संगठन में स्वयंसेवक प्रबंधन
6. प्रबंध मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में प्रोजेक्ट साइकिल प्रबंधन- अवलोकन, प्रोग्रामिंग और पहचान
7. यूजीसी एमओओसी में वर्क साइकल मैनेजमेंट- : फॉर्म्युलेशन, इम्प्लीमेंटेशन एंड इवैलुएशन
8. प्रबंध मानव सेवा संगठनों के तहत सामाजिक कार्य सामग्री में यूजीसी एमओओसी में भारत में एचएसओ से संबंधित कानून

सुकुमार पाल

1. सरकार के भूमिहीन और माइक्रो-प्लॉट आवंटन के एक पत्र को प्रकाशित किया गयाः सतत विकास में एक पुस्तक केमुद्दों में पश्चिम-बंगाल के लिए विशेष संदर्भ के साथ निज़ो-गृह-निज़ो-भूमि कार्यक्रम का अध्ययन, प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय और दया शंकर कुशवाहा ने संपादित किया। आईएसबीएनः 978-81-937260-4-4, 2018, रेणु पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
2. ह्यूमन राइट्स मूवमेंट इन इंडियाः ए हिस्टोरिकल रिव्यू नामक एक पुस्तक, ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिसः थ्योरेटिकल कॉन्सेप्ट्स एंड प्रैक्टिकल चैलेंजेस नामक पुस्तक को सुकुमार पाल, भीखू और पी. मेश्राम द्वारा संपादित आईएसबीएन 978-93-86453 -47-1, 2018, नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृ. 79-86।
3. मानवाधिकार और सामाजिक न्यायः एक पुस्तक मानव अधिकार और सामाजिक न्यायः भारत में मानव अधिकारों का उल्लंघन नामक एक पत्र प्रकाशित, सुकुमार पाल, भिक्खु और पी. मेश्राम द्वारा संपादित आईएसबीएन 978-93 -86453-47-1, 2018, नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, पीपी 135-142।
4. प्रकाशित एक अमूर्त पत्र पर्यटन विकास सूचकांक के साथ मानव विकास सूचकांक संरेखित करनाः भारत का एक मामला एशिया के अन्य विकासशील राष्ट्रों की तुलना में, प्रबंधन और व्यवसाय प्रथाओं पर 3 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की एक सम्मेलन की कार्यवाही में , 2019 में नवाचारों और प्रथाओं का शीर्षक 16 वीं और 17 जनवरी 2019 को विभाग और व्यवसाय प्रशासन, आलिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए व्यवसाय में। आईएसबीएनः 978-93-84667-20-7

5. सुकुमार पाल, पी. भीखू और पी. मेश्राम, आईएसबीएनः 978-93-86453-47-1, 2018 नई दिल्ली पब्लिशर्स द्वारा संपादित मानवाधिकार और सामाजिक न्यायः सैद्धांतिक अवधारणा और व्यावहारिक चुनौतियां नामक पुस्तक प्रकाशित।

सुदेशना साहा

1. जयसवाल, नीलमणि और सुदेष्णा साहा (2018)। आजीविका पर विस्थापन का प्रभावः ओडिशा का एक केस अध्ययन। सामुदायिक विकास जर्नल, 53 (1), 136-154, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, ऑनलाइन आईएसएसएनः 1468-2656, प्रिंट आईएसएसएन : 0010-3802,
2. जयसवाल, नीलमणि और सुदेष्णा साहा (2018)। चट्टोपाध्याय में भारतीय सुरक्षा चुनौतियां, अपूर्वा कुमार, एट अल (ईडीएस), भारत में आर्थिक विकासः मुद्दे और चुनौतियां (पृष्ठ 337-357), माणक प्रकाशक, नई दिल्ली, आईएसबीएनः 978-93-7831-।

नीलमणि जयसवाल

1. जयसवाल, नीलमणि और सुदेष्णा साहा (2018)। आजीविका पर विस्थापन का प्रभावः ओडिशा का एक केस अध्ययन। सामुदायिक विकास जर्नल, 53 (1), 136-154, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, ऑनलाइन आईएसएसएनः 1468-2656, प्रिंट आईएसएसएन : 0010-3802,
2. जयसवाल, नीलमणि और सुदेष्णा साहा (2018)। चट्टोपाध्याय में भारतीय सुरक्षा चुनौतियां, अपूर्वा कुमार, एट अल (ईडीएस), भारत में आर्थिक विकासः मुद्दे और चुनौतियां (पृष्ठ 337-357), माणक प्रकाशक, नई दिल्ली, आईएसबीएनः 978-93-7831-। 458-2।

सस्मिता पटेल

1. पटेल, एस. (2018) सार्वजनिक नीतियों और विधानों में सामाजिक इंजीनियरिंगः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण चर्चा। (एमजीएनआरईजीए)। सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 7 (4)। आईएसएसएनः 2249-6637 (सह लेखक)

मौमिता लाहा

1. लाहा, एम (2018): जननी सुरक्षा योजना-सशक्त महिला के माध्यम से पुरोहित, एच एंड भट्टाचार्य, बी। महिला सशक्तिकरण और लिंग मुद्दों में सुरक्षित मातृत्व आचरण के माध्यम से महिलाएं। सेंट्रल वेस्ट पब्लिशिंग, ऑस्ट्रेलिया (सह-लेखक) आईएसबीएन
2. श्री मनोज विश्वास (क्षेत्र संगठक)
3. विश्वास, एम (2019) सोनार तारी, विश्वभारती में प्रकाशित आदर्श मारन रोग फ्लूरोस

ग्रामीण शिक्षा विभाग

(पल्ली चर्खा केंद्र)

विभागीय सेमिनार / सम्मेलन

1. 2018. प्रोफेसर प्रबल सेंगवे ने ग्रामीण उद्यमिता विषय पर एक व्याख्यान दिया।

संकाय का योगदानः

शंकर मजुमदार

1) मार्च, 2019. स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम, यूके द्वारा ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना में आयोजित महिला सशक्तिकरण और बाल स्वास्थ्य के बीच लिंकिंग नेटवर्किंग पर कार्यशाला में एक सत्र के अध्यक्ष।

2) मार्च, 2019. पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र, विश्वभारती के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र का अध्यक्षा।

3) 10-16 मार्च, 2019 विश्वभारती में उद्यमिता विकास पर 7 दिनों के संकाय विकास कार्यक्रम के समन्वयक। महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन, विंग ऑफ एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

4) 30-31 मार्च, 2019 रायगंज विश्वविद्यालय और आईसीएसएसआर-ईआरसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ड्राइव टूवार्ड इक्विटी के राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-अभिविन्यास कार्यक्रम एक सत्र की अध्यक्षता की और संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

5) 23-24 मार्च, 2019 भारत में सामाजिक विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षताः चुनौतियाँ और सामाजिक कार्य पेशा; सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

6) 30 जून, 2018 निति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट द्वारा ए.के. नदसगुप्ता सेंटर फॉर सोशल साइंसेज में रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर 5वीं कार्यशाला में साहित्य की पहचान की समस्या की पहचान पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

7) 16 जून, 2018 निति आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट द्वारा ए.के. नदसगुप्ता सेंटर फॉर सोशल साइंसेज में रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स पर चौथी कार्यशाला में साहित्य की पहचान की समस्या की पहचान पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रकाशन

शंकर मजुमदार

पुस्तक में अध्याय

1) 2018. कॉम्बिंग करप्शनः ब्लैक मनी और मनी लॉन्ड्रिंग - भारत के राज्यों में गरीबी, विकास और भ्रष्टाचार। सं प्रो. बी. सी. निर्मल और डॉ. सबरी बंदोपाध्याय, सत्यम लॉ इंटरनेशनल, आईएसबीएनः 9789382823896

पत्रिकाओं में लेख

1) अनिरबन बैतालिकी के साथ पश्चिम बंगाल में तटीय पर्यटन के प्रदर्शन और सीज़न का विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड सोशल साइंस, खंड 5 (12), दिसंबर, 2018: 2128-2139. आईएसएसएन : 2394-1405।

2) चयणिका चौधरी के साथ मध्यमग्राम में विचलन - शहरी निर्मित क्षेत्र के विस्तार के पैटर्न पर एक अध्ययन और शहरी सेवाओं की उपयुक्तता, एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडायनामिक रिसर्च, वॉल्यूम 7, अंक 11, नवंबर 2018: 252-25 266. आईएसएसएनः 2278-4853

3. दीपक कुमार मंडल के साथ कृषि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का प्रारूप तैयार करना और भारतीय कृषि अर्थशास्त्र, खंड .73, जनवरी-मार्च 2018 (मई, 2018 में प्रकाशित) भारत में सरकारी में व्यय की भूमिका।

पल्ली शिक्षा भवन

(कृषि संस्थान)

अकादमिक

(2017-18) के दौरान, 172 की संख्या में छात्रों को बी.एससी (प्रतिष्ठा) कृषि, एम. एससी कृषि और पीएच.डी में प्रवेश दिया गया है। बीएससी (ऑनर्स) एजी के47 छात्र, एमएससी (एजी) के52 छात्र और पीएचडी के 17 छात्र को उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि उनमें से दो छात्र पहले स्थान पर, एक छात्र दूसरे स्थान पर और अन्य तीन छात्र रैंक दस के भीतर। कई छात्रों को विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में नियुक्त किया गया है।

कृषि फार्म

कृषि फार्म यूजी, मास्टर डिग्री और पीएच.डी के छात्रों के लिए एक क्षेत्र प्रयोगशाला है, जिसमें खोज कार्यकलापों में शामिल संकाय शामिल हैं। पल्ली शिक्षा भवन के कृषि फार्म में 16.0 हेक्टेयर के सिंचित क्षेत्र के साथ 47.0 हेक्टेयर का क्षेत्र और 12.कठा का शुद्ध खेती योग्य क्षेत्र शामिल है।

2017-18 केदौरान परीक्षण / प्रयोग किए गए

खरीफ	रबी	प्री-खरीफ	कुल
एमएससी 06	एमएससी 15	एमएससी 1 1	
पीएच.डी. 06	पीएच.डी. 07	पीएच.डी. 01	
प्रोजेक्ट 14	प्रोजेक्ट 11	प्रोजेक्ट 06	
कुल 26	कुल 33	कुल 18	77

पीएसबी पुस्तकालय

1957 में विश्वभारती के सबसे बड़े अनुभागीय पुस्तकालय के रूप में स्थापित पीएसबी पुस्तकालय कृषि संस्थान केनौ विभागों और विशेष रूप से सामाजिक और ग्रामीण विकास विभाग के साथ-साथ विशेष रूप से और विभिन्न भवन के अन्य विभागों में इसकी ओपन एक्सेस लाइब्रेरी प्रणाली के साथ कार्य करता है। पुस्तकालय पुस्तकों और पत्रिकाओं, धूसर साहित्य के साथ-साथ ई-पुनरावर्ती के रूप में दस्तावेजी संसाधन प्रदान करता है। लाइब्रेरी अपने वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ दस्तावेजों की ब्राउज़िंग और पुनर्प्राप्ति के लिए इंट्रानेट और इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। समीक्षा पुस्तकालय के तहत वर्ष में 30 पत्रिकाओं की खरीद की गई और पुस्तकों की संख्या 677। पुस्तकालय में 50762 पुस्तकों की संख्या और 5476 बाध्य आवधिक संग्रह हैं।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला

पल्ली शिक्षा भवन की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला मुख्य रूप से इस क्षेत्र की कृषि मिट्टी की उर्वरता की स्थिति का आकलन करती है। यह पोषक तत्वों के लिए पोषक तत्वों के लिए हितधारकों को दिशानिर्देश प्रदान करता है। समृद्ध कचरे में कार्बनिक कचरे को पुनर्चक्रण करने के लिए प्रयोगशाला अब जनशक्ति की तीव्र कमी का सामना कर रही है। केंद्र प्रायोजित मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' के तहत मिट्टी का विश्लेषण सुचारू रूप से चल रहा है। इस योजना के तहत, बीरभूम जिले के 19 ब्लॉकों के 66997 मिट्टी के नमूनों का विश्लेषण किया गया है और 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' को संरक्षित किया गया है।

रथिन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र

रथिन्द्र केवीके ने विभिन्न विषयों पर भारत के राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) से आने वाले विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों पर 10 फार्म ऑन ट्रायल (ओएफटी) आयोजित किए हैं। एग्रोनॉमी, प्लांट प्रोटेक्शन, फिशरी, एनिमल साइंस, होम साइंस, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आदि 72 पार्टनर किसानों को शामिल करना। केवीके ने फ्रंट लाइन डिमॉन्स्ट्रेशन का आयोजन किया है, जिसमें अलग-अलग तकनीकों और उत्पादों पर पार्टनर किसानों की 1206 संख्याएँ शामिल हैं, क्योंकि पेक्ट्सक ने अनाज, दलहन, तिलहन, हरा चारा की उच्च उपज वाली किस्मों में सुधार किया है; मछलियों की उन्नत प्रजातियाँ, पशु, पक्षियों की उन्नत नस्लें; आधुनिक वैज्ञानिक एकीकृत मृदा पोषक तत्व प्रबंधन अभ्यास, एकीकृत कीट प्रबंधन अभ्यास, मछलियों और जानवरों और पक्षियों में पोषक प्रबंधन प्रबंधन, मछलियों, जानवरों, पक्षियों के रोग प्रबंधन अभ्यास; रूरल क्राफ्ट बनाने के माध्यम से महिला सशक्तिकरण; समूह निर्माण आदि के माध्यम से सामाजिक पूंजी निर्माण। रथिन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र ने प्रशिक्षुओं के 3498 नंबरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया है जिसमें प्रशिक्षुओं की 3498 संख्याएँ शामिल हैं, जिनमें किसान, खेत की महिलाएँ, ग्रामीण युवक, ग्रास रूट स्तर के विस्तार अधिकारी शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों की ये 13 संख्याएँ विभिन्न अवधि की थीं और जिनमें से वैरायटी पेस्सुक में कैंपसंड ऑफ़ कैंपस ट्रेनिंग प्रोग्राम हैं; ज्ञान और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, लंबी अवधि के आवासीय कौशल और उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम; जागरूकता सृजन और सूचना प्रसार प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि। रथिन्द्र केवीके के वैज्ञानिकों ने विभिन्न नैदानिक गतिविधियाँ भी की हैं जैसे कि वैज्ञानिकों की यात्राएँ किसानों के खेतों, किसानों की केवीके की यात्राओं में, नागरिक सलाहकारों को ग्राहक चार्टर के एक भाग के रूप में कृषि परामर्श प्रदान करना। इत्यादि 2586 गतिविधियों की संख्या जिसमें 1016 नंबर शामिल हैं, जो कि अर्मेर-प्रतिभागियों से दूर हैं। रथिन्द्र केवीके के वैज्ञानिकों ने किसानों की मेलों, किसानों-किसानों की बातचीत, कृषि प्रदर्शनी, रेडियो वार्ता, टेलीविजन शो, विस्तार साहित्य का प्रकाशन, निःशुल्क लघु संदेश सेवा (एसएमएस) जैसे पंजीकृत विस्तार गतिविधियों की 330 संख्याएँ आयोजित की हैं। किसानों, फिल्म शो, पशु स्वास्थ्य शिविर, विधि प्रदर्शन, मृदा स्वास्थ्य दिवस 05.12.2017 को, संकल्प सी सिद्धी 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की शपथ पर। 31.08.2017 को रथिन्द्र केवीके के निर्देशात्मक खेतों में, गुणवत्ता वाले बीज, रोपण सामग्री, मछली और पशु

उपभेदों का उत्पादन किया गया, जो निम्नानुसार हैं: - ए धान वार। गोत्र बिधान- 3: -22.00।, बी. धान वर. रानी धनः -32.00 । सी. एकंगी सपा. के. गंगल: - 01.70 क्व., डी. सेलेम वर साबित्रीः - 00.40 क्वि. ई. ग्राउंड नट वर. टैग -24: -03.60 वर्ग., एफ. ग्रीन ग्राम वार. सम्राटः -01.00., जी. बक्स ब्रीड खाकी कैंपबेल (उन्नत उत्पादक): - 60 नग।,

रथिन्द्र केवीके ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सभी प्रयास करने का संकल्प लेने के लिए संकल्प से सिद्धि - न्यू इंडिया मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया है; 15.10.2017 को विशेष रूप से खेत महिलाओं और विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महिला किसान दिवस -2017 कार्यक्रम; विश्व मृदा दिवस - 2017 05.12.2017 को सभी हितधारकों को एकीकृत पोषण प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से तेल स्वास्थ्य को बनाए रखने और सुधारने के महत्व के बारे में एक कार्यक्रम बनाने और कृष्ण विज्ञान केंद्र के द्विवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन की वेब कास्टिंग। 17.03.2018 को भारत सरकार 2018 अटारी आईसीएआर-आईएआरआई के रूप में, सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे विभिन्न नए प्रयासों और योजनाओं पर कृषक समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए। भारत के कृषि और संबंधित ईकाइयों के ओवर ऑल सुधार के लिए। इन विशेष कार्यक्रमों में किसानों, खेत की महिलाओं, ग्रामीण युवाओं, जमीनी स्तर के विस्तार अधिकारियों, छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों को अभ्यास करने के 2000 से अधिक संख्या में भाग लिया गया है।

रथिन्द्र केवीके के वैज्ञानिकों ने विभिन्न शोध पत्रिकाओं में उनकेशोध निष्कर्षों पर प्रकाश डालते हुए 08 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं; विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, संगोष्ठियों, सम्मेलनों आदि में अनुसंधान पत्रों के 08 नंबर प्रस्तुत किए हैं; एक पुस्तक प्रकाशित की है और विभिन्न पुस्तकों में अध्याय के 08 नंबर का योगदान दिया है।

रथिन्द्र केवीके के एक वैज्ञानिक को कृषि और एक्वाकल्चर के माध्यम से किसानों की आय में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ई सोसाइटी ऑफ कृषि विज्ञान द्वारा, एक्वा कल्टिस्ट एसोसिएशन और आईसीएआर-सीफा, भुवनेश्वर; दो वैज्ञानिकों को उपर्युक्त कार्यक्रम के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है और रथिन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े एक किसान को आईसीएआर-ईस्टर्न रिसर्च कॉम्प्लेक्स, पटना, बिहार द्वारा पूर्वी क्षेत्र के अभिनव किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

कृषि विभाग

विभागीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

1. 1-3 फरवरी, 2019 कृषि विभाग, विश्वभारती श्रीनिकेतन द्वारा कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

   मुख्य भाषण प्रो. स्वपन दत्ता, माननीय पूर्व कुलपति, विश्व-भारती, और पूर्व डीडीजी (फसल विज्ञान), आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा दिया गया था।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

जी सी मलिक

1. 1-3 फरवरी, 2019 कृषि विभाग, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत।

एस के मायती

1. नवंबर 1-30, 2018 राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रस्तावित डायनामिक्स ऑफ टीचिंग एंड लर्निंग पर एक विशाल ऑनलाइन ओपन कोर्स सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
2. 7-9 दिसंबर, 2018 को प्लांट प्रोटेक्शन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित लाइवलीहुड प्रमोशन, - बॉडी विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षकः - सुंदरवन में बेबी कॉर्न का परिचय - फसल विविधीकरण और कृषि स्तर पर आजीविका सुधार के लिए एक प्रस्ताव।
3. फरवरी 1-3, 2019 कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती द्वारा आयोजित सतत कृषि प्रबंधन, कृषि आय बढ़ाने के लिए संसाधन, राष्ट्रीय सुरक्षा और आजीविका सुधार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षकः दाल की उत्पादकता पर बीज हाइड्रो-प्राइमिंग और पानी भिगोने का प्रभाव।
4. फरवरी 5-11, 2019. ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित मोश के संदर्भ में ऑनलाइन पाठ्यक्रम की योजना और विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
5. मार्च 9-15, 2019 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के सहयोग से ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित ग्रामीण उद्यमिता पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

के. प्रमाणिक

1. 15-25 2018. ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर अल्पावधि पाठ्यक्रम में भाग लिया।
2. 13-14 अप्रैल 2018. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग का आयोजन एससी, एसटी और ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा किया गया।
3. 15-17 दिसंबर, 2018 कोलकाता विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत किया।
4. 7- 9 दिसंबर, 2018 प्लांट प्रोटेक्शन विभाग, विश्वभारती और हिमान्मयपुर एग्रो-होर्टी द्वारा आयोजित लाइवलीहुड प्रमोशन, जैव विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुत किया गया सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती।
5. 28 जनवरी, 2019 ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित सतत विकास की ओर दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत किया।
6. 1-3 फरवरी, 2019 एग्रोनॉमी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) द्वारा आयोजित फार्म इनकम, पोषण सुरक्षा और आजीविका सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत किया।

महुआ बनर्जी

1. 15-24 फरवरी, 2019 कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग, कृषि विभाग द्वारा आयोजित सांख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज का उपयोग करके अनुसंधान पद्धति पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
2. 02-03 नवंबर, 2018 मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी, मृदा, जल और पादप पोषण अनुसंधान में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और सह-संचालकों की बैठक में भाग लिया और प्रस्तुत किया गया। कृषि विद्यापीठ, अकोला और अंतर्राष्ट्रीय संयंत्र पोषण संस्थान, दक्षिण एशिया कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र, भारत में।
3. दिसंबर 15-17, 2018 भारतीय कृषि संस्थान और कृषि विज्ञान संस्थान, विश्वविद्यालय द्वारा खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत किया गया।

4. 2 अप्रैल, 2019 नई दिल्ली में सैंगेनटा इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित भारत में हर्बिसाइड प्रतिरोध की स्थिति, वर्तमान परिदृश्य, भविष्य की चुनौतियों और आगे बढ़ने के तरीके पर एक कार्यशाला में भाग लिया और वितरित किया।

प्रीतम घोष

1. 15-24 फरवरी, 2019 कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित सांख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज का उपयोग करके अनुसंधान पद्धति पर 10-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया। पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन।

प्रकाशन

अरुण कुमार बारिक

1. नकुल मंडल, अरुण कुमार बारिक और आशीष कुमार सिंहा रॉय (2018)। पश्चिम बंगाल के पुराने जलोढ़ क्षेत्र, कृषि और संबद्ध विज्ञानों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के जर्नल के तहत हाइब्रिड राइस (ऑरिज़ा सैटिवा एल) में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर प्रभाव 153, आईएसबीएन - 978-93-85822-68-1
2. नकुल मंडल, अरुण कुमार बारिक, आशीष कुमार सिंहा रॉय, प्रीतम घोष और बिश्वजीत साहा (2018)। पश्चिम बंगाल, भारत के पुराने जलोढ़ क्षेत्र, जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन 2018 के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9 (6): 713-717 के तहत हाइब्रिड राइस (ओरिज़ा सैटिवा एल) में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन में अध्ययन।

बिनय कुमार सारेन

1. पी. के. हेम्ब्रम, बी. के. सरेन, ए. के. घोराई और कीया बनर्जी (2018)। पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में वर्षा आधारित टोसा जूट (कॉर्कोरस ओलिटोरियस एल) की वृद्धि, फाइबर की उपज और अर्थशास्त्र पर विभिन्न सूखे प्रबंधन तकनीकों का प्रभाव। वर्तमान उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 7 (12ए): 16,505-16,508
2. आशिम मिद्या और बिनॉय कुमार सरीन (2018) धान के विकास और उत्पादकता पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन और विभिन्न फसल स्थापना तकनीकों का प्रभाव (ओरिज़ा सातिवा) भारत के पश्चिम बंगाल के भारत-गंगा मैदान में जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4 (2): 696-703।

जी सी मलिक

1. बनर्जी, एम., मल्लिक, एस. आर और मलिक, जी. सी. (2018) द एग्रीकल्चर सोसाइटी ऑफ इंडिया और कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की पुस्तक में प्रकाशित गेहूं के खरपतवार प्रबंधन पर रासायनिक शाकनाशी और वनस्पति के प्रदर्शन, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 15-17 दिसंबर, 2018 के दौरान, पृ. 36
2. पॉल, एस के मलिक, जी सी और बनर्जी, एम. (2018), पश्चिम बंगाल की पार्श्व मिट्टी में ग्रीष्मकालीन हरे चने (विग्ना रेडटाटा) के प्रदर्शन पर ठोस वाहक और तरल आधारित जैव उर्वरकों का प्रभाव, एग्रीकल्चर सोसायटी ऑफ इंडिया और इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। बुक ऑफ एब्सट्रैक्ट्स में प्रकाशित 15-17 दिसंबर, 2018, पृ.75
3. घोष, एम., मित्रा, एस. आर., विश्वास, पी. के, बनर्जी, एम. और मलिक, जी. सी. (2018)। कृषि सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की सार पुस्तिका में प्रकाशित, विभिन्न मिट्टी के पीएच पर / फ्लोबायज़ाज़िन 50 एससी / में डीग्रेडेशन कैनेटीक्स। कृषि विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 15-17 दिसंबर, 2018 के दौरान, पीपी 126।

बी दुआरी

पुस्तक के अध्याय

i. स्वैन, के. सी, दुर्ग, बी. और सिंघा, सी. (2018) किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि में अग्रिम प्रौद्योगिकी में उन्नत खरपतवार पहचान तकनीकों में अग्रिम के. सी. स्वैन, ए. के. चटर्जी और पी.कंदास्वामी नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 29-36।

शोध पत्र

1. तेजा, के सी और दुर्ग, बी (2018) खरपतवार प्रबंधन और चावल की उत्पादकता कृषि आधारित चावल-पीली सरसों- हरे चने की फसल में पश्चिम बंगाल की मिट्टी में होती है। मुखोपात्रा - वार्षिक तकनीकी अंक, 22: 88-95। आईएसएसएन 0971-975।
2. चक्रवर्ती, एम., दुर्ग, बी और दत्ता, एम (2018)। त्रिपुरा, भारत में विभिन्न खरपतवार प्रबंधन प्रथाओं से प्रभावित होकर एरोबिक चावल की वृद्धि और उपज इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (06): 3715-3721।

3. शर्मा, पी., दुर्ग, बी और सिंह, आर, (2018)। मक्का की उत्पादकता बढ़ाने और खरपतवार की उत्पादकता को कम करने के लिए टेम्बोब्रायोन और एट्राजीन के टैंक मिक्स एप्लीकेशन इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस, 50 (3): 305-308.

एस के मायती

1. हाथ पैर याम की वृद्धि, उपज, जल-उपयोग दक्षता और अर्थशास्त्र पर इंटरक्रॉप और ड्रिप सिंचाई प्रभाव इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी, वॉल्यूम- 63 नंबर 4, पृ. 506-512 (दिसंबर, 2018)।

2. खरीफ चावल में मृदा जैविक गुणों पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का प्रभाव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, वॉल्यूम- 7 नंबर 11, पृ. 1531-1537 (नवंबर, 2018)।

3. फसल के पोषक तत्वों के ऊपर अध्ययन और समय पर रोपण से प्रभावित अवशिष्ट मिट्टी की उर्वरता, पोषक तत्वों के कार्बनिक स्रोत और एसआरआई के तहत एलसीसी आधारित एन अनुप्रयोग। फसलों पर शोध, वॉल्यूम 19 नंबर 2 (जून, 2018)।

महुआ बनर्जी

1. वेखोम जितेन सिंह, बनर्जी महुआ और एल. नबचंद्र सिंह (2018)। यील्ड अटेंडेस, यील्ड और इकोनॉमिक्स ऑफ राइस पर सल्फर और जिंक का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी और एपली आईएसएसएन 2319-7706 वॉल्यूम 7 नंबर 03 (2018): 531-537।

2. बनर्जी, एम., अविनाश, बी और मैती, डी (2018)। फसल चयन और कृषि जलवायु प्रथाओं के माध्यम से संभावित जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकी के रूप में अनुत्पादक भूमि का सुधार, एसएटीएसए मुक्तापात्र - वार्षिक तकनीकी अंक 22: 62-69।

3. बनर्जी, एम., मल्लिक, एस. आर. और मैती, डी (2019)। गेहूं के खरपतवार प्रबंधन पर रसायन और वनस्पति के तुलनात्मक प्रदर्शन, सस्ता मुखापत्र - वार्षिक तकनीकी अंक 23: 139-145।

4. बनर्जी, एम., अविनाश, बी, मायती डी, और दत्ता सुदर्शन (2018)। पूर्वी भारत के प्रमुख अनाज प्रणालियों के पोषक तत्व अनुकूलन और उपज गहनता, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विभाग पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ में आयोजित मृदा, जल और पादप पोषण अनुसंधान में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय प्लांट न्यूट्रीशन इंस्टीट्यूट, दक्षिण एशिया कार्यक्रम 02-03 नवंबर, 2018 के दौरान कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, नागपुर, महाराष्ट्र, भारत में, पीपी 44-47।

5. बनर्जी, एम., मल्लिक, एस. आर. और मलिक, जी. सी. (2018)। द एग्रीकल्चर सोसाइटी ऑफ इंडिया और कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में

कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की पुस्तक में प्रकाशित गेहूं के खरपतवार प्रबंधन पर रासायनिक शाकनाशी और वनस्पति के प्रदर्शन, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 15-17 दिसंबर, 2018 के दौरान, पृ.36

6. पॉल, एसके मलिक, जीसी और बनर्जी, एम (2018), पश्चिम बंगाल की पार्श्व मिट्टी में ग्रीष्मकालीन हरे चने (विग्ना रेडियोटा) के प्रदर्शन पर ठोस वाहक और तरल आधारित जैव उर्वरकों का प्रभाव, बुक ऑफ एब्सट्रैक्ट्स ऑफ नेशनल में प्रकाशित 15-17 दिसंबर, 2018, पृ.75

7. घोष, एम., मित्रा, एस आर, विश्वास, पी. के, बनर्जी, एम. और मलिक, जी.सी. (2018)। कृषि सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की सार पुस्तिका में प्रकाशित, विभिन्न मिट्टी के पीएच पर फ्लोबायज़ाज़िन 50 एससी में डीग्रेडेशन कैनेटीक्स। कृषि विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 15-17 दिसंबर, 2018 के दौरान, पीपी 126।

प्रीतम घोष

1. मंडल नकुल, बारिक अरुण कुमार, सिंघा रॉय आशीष कुमार, घोष प्रीतम, और साहा बिस्वजीत (2018)। पश्चिम बंगाल, भारत के पुराने जलोढ़ क्षेत्र के तहत हाइब्रिड राइस में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर अध्ययन। जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9 (6): 713-717।

2. सिंहा चिरंजीत, स्वैन किशोर सी, साहू, बी बी, घोष प्रीतम और स्वैन, एस. के. (2019)। भू-स्थानिक मॉडल का उपयोग करके जैव विविधता संरक्षण का आकलन। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (1): 1577 - 1586।

3. डोलई, ए. के. भौमिक, एम. के, घोष, पी. और घोष, आर.के. (2019)। मृदा उर्वरता बढ़ाने के लिए कांग्रेस घास (पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस एल।) का उपयोग और पश्चिम बंगाल में संभावित फसल अनुक्रमों की उत्पादकता में सुधार। फार्माकोग्नॉसी जर्नल।

चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ

शिक्षक के नाम का नाम परियोजना प्रायोजन एजेंसियों की राशि स्वीकृत है

ए.के. बारिक

1. आईएफएडी-आईसीएआरडीए परियोजना खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ाने और दक्षिण एशिया में दलहनी फसलों के साथ चावल-परती प्रणाली को तेज करने के माध्यम से आजीविका के सुधार के लिए आईएफएडी-आईसीएआरडीए परियोजना दक्षिण एशिया 13745 यूएसडी

बी. दुआरी

1. फसल प्रबंधन में सुधार दक्षिण एशिया इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, मनीला, फिलीपींस में प्रति सत्र में सूखे की आशंका वाले निचले इलाकों के लिए सीड सप्लाई सिस्टम को मजबूत किया। 7000 यूएसडी
2. सस्टेनेबल फार्मिंग सिस्टमः आईसीएआर-आईआरआरआई कोऑपरेटिव प्रोजेक्ट राइस फ्लैगशिप थीम इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, मनीला, फिलीपींस में प्रति मौसम के तहत फार्म विविधीकरण 5000 अमरीकी डालर
3. आईसीएआर सहयोगी परियोजना विंडो 3 इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, मनीला, फिलीपींस में तहत प्रत्यक्ष राइस कंसोर्टियम 15000 अमरीकी डालर
4. जीवीएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नव विकसित एचवाईवी के साथ-साथ हाईब्रिड का परीक्षण। जीएमएस एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड रु. 2,75,600

जी.सी मलिक

1. जैव-प्रभावकारिता क्षेत्र में विभिन्न कृषि रसायनों का अध्ययन करते हैं सुमितुमो केमिकल इंडिया लिमिटेड रू. 12.8 लाख
2. विभिन्न फसलों में कृषि-रसायनों के कुछ नए योगों का मूल्यांकन सरस्वती एग्रो केमिकल्स लिमिटेड रू. 2.8 लाख
3. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न कृषि की जैव-प्रभावकारिता का अध्ययन क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्रा. लि. 1.60 लाख रु
4. जैव प्रभावकारिता और कुछ का फाइटॉक्सिसिटी मूल्यांकन
5. अलग-अलग खरपतवारों और कीट परिदृश्य के खिलाफ विभिन्न फसलों में जड़ी-बूटी और कीटनाशक सैनजेनटा इंडिया लिमिटेड रू. 36.85 लाख
6. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन भारत कीटनाशक लिमिटेड रु. 4.00 लाख
7. क्षेत्र की फसलों कीटनाशक इंडिया लिमिटेड में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन। 10.4 लाख
8. विभिन्न की जैव-प्रभावकारिता अध्ययन क्षेत्र की फसलों में कृषि रसायन स्वार केमिकल (प्रा.) लिमिटेड रु 4.5 लाख है

9. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन स्वरूप केमिकल (प्रा.) लिमिटेड रु. 4.5 लाख है

10. विभिन्न फसलों में सबुज गोल्ड (जैविक खाद) की जैव-प्रभावकारिता परीक्षण कार्बनिक कृषि भारत रु. 1.5 लाख रु

के. प्रमाणिक

1. जैव-प्रभावकारिता पर अध्ययन, विभिन्न फसलों (ग्राउंड नट, कपास और चावल) विलोवुड केमिकल्स प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली - 110 025, भारत रु. 12,07,500
2. जैव-प्रभावकारिता और एग्रोनोमिक और बागवानी फसलों पर हर्बिसाइड्स और कवकनाशी के फाइटोटॉक्सिसिटी विश्लेषण पर विलोवुड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली - 110 025, भारत रु. 37,05,000
3. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन भारत कीटनाशक लिमिटेड रु 4.00 लाख
4. क्षेत्र की फसलों कीटनाशक इंडिया लिमिटेड में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन 10.4 लाख

एम. बनर्जी

1. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न कृषि रसायनों के जैव-प्रभावकारिता अध्ययन, प्रायोजन एजेंसियांः सुमितुमो केमिकल इंडिया लिमिटेड, राशिः 12.8 लाख रुपये
2. विभिन्न फसलों में कृषि-रसायनों के कुछ नए योगों का मूल्यांकन प्रायोजन एजेंसियांः सरस्वती एग्रो केमिकल्स लिमिटेड, राशिः रु .2.8 लाख
3. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन, प्रायोजन एजेंसियांः क्रिस्टल फसल संरक्षण प्रा. लिमिटेड, राशिः 19.60 लाख रुपये
4. जैव प्रभावकारिता और अलग-अलग खरपतवारों और कीट परिदृश्य के खिलाफ कुछ फसलों में कीटनाशकों और कीटनाशकों के फाइटॉक्सिसिटी मूल्यांकन प्रायोजन एजेंसियांः क्रायस्टल एग्रो प्रोटेक्सन प्रा. लि., राशिः रु. 36.85 लाख
5. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन, प्रायोजन एजेंसियांः इंडिया पेस्टीसाइड्स लिमिटेड, राशिः रु. 4.00 लाख
6. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन, प्रायोजन एजेंसियांः कीटनाशक इंडिया लिमिटेड, राशिः रु. 10.4 लाख

7. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन स्वरूप केमिकल (प्रा.) लिमिटेड रु. 4.5 लाख है

8. क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन स्वरूप केमिकल (प्रा.) लिमिटेड रु. 4.5 लाख है

9. विभिन्न फसलों में सबुज गोल्ड (जैविक खाद) की जैव-प्रभावकारिता परीक्षण कार्बनिक कृषि भारत रु. 1.5 लाख

एन.सी. सरकार

1. जलवायु-स्मार्ट कृषि के माध्यम से आजीविका सुधार : एक ऑस्ट्रेलिया-भारत पहल ऑस्ट्रेलिया-भारत परिषद 24, 550

शैक्षणिक भेद

अरुण कुमार बारिक

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।
2. इंडियन सोसायटी ऑफ फोरेज फसलों के जीवन सदस्य, हिसार।
3. इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी, यूएएस, बैंगलोर के आजीवन सदस्य।

बिनय कुमार सरीन

1. भारतीय जेएसपीएस एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा भौतिकी और विज्ञान विभाग के सहयोग से 3 और 4 सितंबर, 2018 के दौरान आयोजित भारतीय जेएसपीएस एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर सत्र में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

बी. दौरी

1. सदस्य, संपादकीय बोर्ड, आईजेडब्लयूएस
2. अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य
3. एशिया पैसिफिक वीड साइंस सोसायटी के आजीवन सदस्य
4. इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी के आजीवन सदस्य
5. खरपतवार विज्ञान के भारतीय समाज के जीवन सदस्य
6. भारतीय कृषि विज्ञान सोसायटी के सदस्य
7. फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी के आजीवन सदस्य

8. एग्रीकल्चर सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता के आजीवन सदस्य

9. भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के आजीवन सदस्य

10. जैव-संसाधन पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के आजीवन सदस्य

के. प्रमाणिक

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य
2. फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी के सदस्य, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल
3. भारतीय समाज मृदा जीवविज्ञान और पारिस्थितिकी का सदस्य, बेंगलुरु
4. एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स, कटक, ओडिशा के आजीवन सदस्य
5. जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान, शांतिनिकेतन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के जीवन सदस्य
6. प्रबंध संपादक, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, शांतिनिकेतन

एन. सी. सरकार

1. आजीवन सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली
2. लाइफ मेंबर, सोसाइटी फॉर बायोरसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता, भारत

प्रीतम घोष

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, आईएआरआई, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षक और छात्रः

ए.के. बारिक

1. 23.11.2018 ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल (14.11.2018 को दर्ज) से सर्दियों के मौसम में दलहनी खेती की उन्नत तकनीक पर एक चर्चा प्रसारित की गई।

बी.के. सोरेन

1. 18.09.2018 संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और रथिन्द्र केवीके, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित इनपुट डीलर्स के लिए कृषि विस्तार सेवा में डिप्लोमा के कार्यक्रम में शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में मिट्टी की नमी संरक्षण पर व्याख्यान दिया।
2. 25.02.2019 संताली भाषा में मृदा स्वास्थ्य कार्ड- पहलू और उपयोगिता पर आकाशवाणी कार्यक्रम में भाग लिया और भाषण दिया।

3. 13.02.2019 विस्तार कार्यकर्ताओं (एटीएमए के तहत सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक) की प्रशिक्षण बैठक में बीरभूम जिलों के प्रमुख तिलहन फसलों के जल प्रबंधन पर आमंत्रित व्याख्यान में भाग लिया और वितरित किया। कृषि उप निदेशक द्वारा आयोजित, बीरभूम राज्य कृषि फार्म, हटजानबाजार, सूरी, बीरभूम में आयोजित।
4. 26.12.2018 बाढ़ के कारणों और जीवन पर इसके प्रभाव पर एक व्याख्यान दिया। लबपुर जादबलल हाई स्कूल, लबपुर, बीरभूम का विशेष शिविर कार्यक्रम।

बी. दुआरी

1. 26.06.2018 आरकेवीके विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए कृषि प्रसार सेवा डिप्लोमा इन इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) के कार्यक्रम में प्रमुख खरीफ फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर प्रशिक्षित प्रशिक्षण दिया और व्याख्यान दिया।
2. 30.08.2018 खरपतवार और सूखा प्रबंधन के विशेष संदर्भ के साथ जूट और मेस्टा के उन्नत कृषि अभ्यास पर व्याख्यान दिया एनएफएसएम (वाणिज्यिक फसल) के तहत राज्य स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण - एटीएमए हॉल में 2017-18 के दौरान, डीडीए के कृषि भवन, मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित मुर्शिदाबाद।
3. 25.09.2018 आरकेवीके विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज (डीएईएसआई) के डिप्लोमा के कार्यक्रम में जूट, रबी फसलों और सब्जियों पर खरपतवार प्रबंधन का प्रशिक्षण और वितरण।
4. 25.09.2018 आरकेवीके विश्वभारती में बीरभूम जिले के लिए कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा इन इनपुट डीलर्स (डीएईएसआई) के कार्यक्रम में जलीय निकायों और गैर-फसली क्षेत्रों में खरपतवार प्रबंधन पर प्रशिक्षण और वितरित व्याख्यान।
5. 26.02.2019 बोलपुर उपखंड, बोलपुर में सहायक कृषि निदेशक (प्रशासन) द्वारा आयोजित आलू की निर्यात गुणवत्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए किसानों को प्रशिक्षण में निर्यात गुणवत्ता आलू के उत्पादन के लिए एकीकृत खरपतवार प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

रेडियो कार्यक्रमः

i. 11.08.2018 अमन धान और इसके प्रबंधन में खरपतवार की समस्या पर में एक लाइव फोन-इन कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग और प्रसारण।

ii. 05.02.2019 बोरो चावल और पूर्व-खरीफ फसलों के प्रबंधन में 'खरपतवार की समस्या पर एक लाइव फोन-इन कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग और प्रसारण।

एस.के. मायती

1. 09.01.2019 रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन, कमरपुकुर, हुगली, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 8 वें कृषि मेले में प्रमुख क्षेत्र की फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. 13.02.2019 पश्चिम बंगाल के सूरी, बीरभूम के उप निदेशक के कार्यालय के कृषि कार्यालय द्वारा आयोजित विस्तारक प्रशिक्षण बैठक में बीरभूम जिलों के प्रमुख तेल बीज फसलों के पैकेज और अभ्यास पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

के. प्रमाणिक

1. 21.06.2018 डीडीकेशांति निकेतन के लिए बरसालकिन चेस एबोन्ग जोल सेचर गुरुता पर एक चर्चा दी।
2. 17.07.2018 एफ. एम. रेडियो, शांतिनिकेतन के किसान वाणी कार्यक्रम के लिए जल संग्रह संरक्षण और शुष्क क्षेत्र में इसके उपयोग पर एक चर्चा की।
3. 06.02.2019 सहायक निदेशक कृषि (प्रवेश) बोलपुर, बीरभूम द्वारा प्रशिक्षण हॉल, बोलपुर में आयोजित आलू निर्यात क्षेत्र के अंतर्गत प्रशिक्षण बैठक में निर्यात गुणवत्ता आलू के उत्पादन के लिए बेहतर पैकेज और अभ्यास पर एक व्याख्यान में भाग लिया और वितरित किया।
4. 27.02.2019 कृषि निदेशक, श्रीनिकेतन- बोलपुर द्वारा तिलहन के लिए पूर्वी भारत में चावल परती क्षेत्रों को लक्षित करते हुए एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण बैठक में बीरभूम जिले में प्रमुख तेल बीज फसलों केउत्पादन के लिए बेहतर तकनीक पर व्याख्यान दिया।
5. 26-27.03.2019 प्रशिक्षण हॉल में आयोजित सहायक निदेशक कृषि (प्रवेश) द्वारा तिलहन के लिए पूर्वी भारत में लक्ष्य निर्धारण चावल परती क्षेत्रों के तहत दो-दिवसीय अधिकारी/ विस्तार कार्यकर्ता प्रशिक्षण बैठक में तेल बीज उत्पादन के लिए बेहतर तकनीक पर व्याख्यान दिया। सूरी (सदर) सब-डिवीजन।

एन सी सरकार

1. 09.03.2019 ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन पर लाइव-प्रोग्राम में भाग लिया।

पी. घोष

1. 10.04.2018 तिलका माझी आदिवासी फ्री प्राइमरी स्कूल कैंपस में बीजीआरईआई के अंतर्गत फील्ड डे कम किसान प्रशिक्षण बैठक में एसआरआई और जीरो टिलेज सहित नई तकनीक पर व्याख्यान दिया, जोबा के सहायक निदेशक, कृषि, 1 ब्लॉक, पासिम बर्धमान द्वारा आयोजित किया गया।

कृषि अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / विशेषज्ञ व्यक्ति

देवाशीष भट्टाचार्य

1. 1-2 मार्च, 2019 सांख्यिकी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा आयोजित सांख्यिकी और सांख्यिकीय अभ्यास में हाल के अग्रिमों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता
2. 15-16 मार्च, 2019 उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में सांख्यिकीय पद्धति और डेटा विज्ञान पर डब्ल्यूबी-ओएचईपीईई राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता
3. अगली पीढ़ी प्रबंधन-मुद्दे और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मार्च 15-16, 2019, गेस्ट ऑफ ऑनर, क्षेत्रीय कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट (आरसीएम), भुवनेश्वर।
4. 12 जुलाई 2018 से 1 अगस्त 2018 के दौरान 'सतत कृषि के लिए योजना, बाजार और संसाधन उपयोग में उभरते मुद्दों पर सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम।
5. कृषि नीति विश्लेषण के लिए 5 मात्रात्मक तरीकों पर सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम '23 जनवरी 2018 से 12 फरवरी 2018 के दौरान। यह कार्यक्रम आईसीएआर के उन्नत संकाय प्रशिक्षण योजना के केंद्र द्वारा प्रायोजित है।
6. 04.02.2019 सीजेएमसी में 7-दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित वार्ता। विषय संचार विद्वानों और युवा संकाय के लिए मुख्य सांख्यिकीय अवधारणाएं और अनुप्रयोग।

दिग्विजय सिंह धाकरे

1. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 13-14 अप्रैल 2018 को एससी, एसटी, विश्व भारती केएसबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित
2. कृषि आय को बढ़ाने के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार। 1-3 फरवरी 2019 कृषि विभाग, कृषि संस्थान, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित

प्रकाशन

देवाशीष भट्टाचार्य

1. सजातीय बहु-राज्य सुसंगत प्रणालियों में इष्टतम अतिरेक आवंटन, गणितीय और प्रबंधन विज्ञान के अमेरिकन जर्नल, वॉल्यूम 37 (4), 358-369, टेलर और फ्रांसिस।

2. बहु-राज्य घटकों के विन्यास संबंधी महत्व, समकालीन कॉर्पोरेट रणनीतियों में एक बहु-राज्य समानांतर-श्रृंखला प्रणाली : वैश्विक परिप्रेक्ष्य (आईएसबीएनः 978-93-87665-56-9), 129-136, सफलता प्रकाशन।
3. मानव संसाधन प्रबंधन, एवं क्रिटिकल स्टैटिस्टिकल एनालिसिस, स्टैटिस्टिकल टूल्स एंड एनालिसिस के साथ निर्णय लेने के लिए डेटा का खुलासा करना। दीपक कुमार भट्टाचार्य, आईएसबीएन 9781522549475 (हार्डकवर), आईएसबीएन 9781522549482 (ई-बुक), आईजीआई ग्लोबल, यूएसए।
4. सांख्यिकीय विश्लेषण चरण-दर-चरण सांख्यिकीय कैलकुलेटर का उपयोग करना, 2018, वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7 (11), 901-921।
5. एसआरआई पद्धति, 2018, जर्नल ऑफ फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री, 8 (1), 208-212 का उपयोग करके चावल उत्पादन का वास्तविक दत्तक ग्रहण प्रभाव।
6. भारत में गेहूं के उत्पादन का पूर्वानुमानः एक मॉडलिंग दृष्टिकोण, 2019, जर्नल ऑफ फार्माकोग्नॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री, 8 (1), 2158-2165।

दिग्विजय सिंह धाकरे

1. वाशिम (महाराष्ट्र), भारत, 2018, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (8), 1694-1704 के ऊपर मानसून में वर्षा आधारित वितरण का उपग्रह आधारित आकलन और मान्यता।
2. कर्नाटक के धारवाड़ जिले में किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में किसानों के ज्ञान और राय पर एक अध्ययन, 2018, कृषि विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (6), 25-32।
3. सांख्यिकीय विश्लेषण चरण-दर-चरण सांख्यिकीय कैलकुलेटर, 2018 का उपयोग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (11), 901-921।
4. एसआरआई पद्धति, 2018, जर्नल ऑफ फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री, 8 (1), 208-212 का उपयोग करके चावल उत्पादन का वास्तविक दत्तक ग्रहण प्रभाव माप।
5. भारत में गेहूं के उत्पादन का पूर्वानुमानः एक एआरआईएमए मॉडलिंग दृष्टिकोण, 2019, जर्नल ऑफ फार्माकोग्नॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री, 8 (1), 2158-2165।

बिधान चौ. रॉय

1. पश्चिम बंगाल में शासन और कार्यान्वयन, कृषि-आर्थिक नीति संक्षिप्तः भारत के किसानों और कृषि का भविष्य, कृषि में प्रबंधन के लिए केंद्र, आईआईएम, अहमदाबाद, अंकः 5, 2018, 1-12।

2. त्रिपुरा में एग्रो-प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज का दायरा, जर्नल ऑफ एग्रोकोलॉजी एंड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, वॉल्यूमः 5 (2), 2018, 96-100।

3. झारखंड के सिंहभूम क्षेत्र में मक्का (ज़ी मक्का) की वृद्धि और अस्थिरता। विज्ञान में बहुविकल्पी, आठवीं (सी), 2018, 242-245।

देबाशीष सरकार

1. हरियाणा में स्ट्रॉबेरी कल्टिवेशन की प्रॉपर्टी और मार्केटिंग चुनौतियां, इंडियन जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, 14 (ए), 2018, 223-226।

बिट्टन मंडल

शोध पत्र

1. भारतीय डेयरी आयात में व्यापार से वैराइटी की वृद्धि और लाभः एक मात्रात्मक आत्मनिरीक्षण कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान की समीक्षा, 31 (2), 2018, 197206।

2. जलवायु परिवर्तन का प्रभावः किसानों की आय और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के स्मारिका और सार में फार्म हाउसों की भेद्यता और अनुकूलन। वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ एनिमल एंड फिशरी साइंसेज, कोलकाता, 5-7 दिसंबर, 2018। लीड पेपर।

2. झारखंड के सिंहभूम क्षेत्र में मक्का (ज़िया मक्का) की वृद्धि और अस्थिरता, विज्ञान में बहुविकल्पी, आठवीं (सी), 2018, 242-245

पुस्तक

1. भारतीय आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और भारतीय में सामाजिक सुरक्षा सुंदरबन (प्रथम)। श्रीनिकेतन, नई दिल्ली प्रकाशक। (आईएसबीएन नंबरः 978-93-86453-97-6)।

अकादमिक भेद

देबासीस भट्टाचार्य

1. सदस्य, अमेरिकी सांख्यिकीय एसोसिएशन
2. सदस्य, गणितीय सांख्यिकी संस्थान, यूएसए
3. सदस्य, भारतीय सांख्यिकी संस्थान
4. सदस्य, कलकत्ता सांख्यिकी संघ
5. सदस्य, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन

6. सदस्य, उत्पादकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए भारतीय संघ।
7. संपादक, स्टोचस्टिक मॉडलिंग और अनुप्रयोग, आईएसएसएनः 0972-3641
8. मैनेजिंग एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम, आईएसएसएनः 0973-7359
9. संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोसाइटी फ़ॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स आईएसएसएनः 2277-9620।
10. संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नलः पल्ली चरचा, द इंडियन जर्नल ऑफ रूरल स्टडीज, आईएसएसएनः 2350-1227
11. सहकर्मी समीक्षक, असमानता और आवेदन पत्र, सांख्यिकी और संभाव्यता पत्र
12. पीयर समीक्षक, जर्नल ऑफ़ स्टेटिस्टिकल प्लानिंग एंड इनविज़न, जर्नल ऑफ़ मल्टीवेरेट एनालिसिस
13. सहकर्मी समीक्षक, सांख्यिकी में संचार; सिद्धांत और तरीके, नौसेना अनुसंधान रसद
14. पीयर समीक्षक, एप्लाइड जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैथड्स, मॉडल असिस्टेड स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन

बिधान चौ. रॉय

1. होनी, निदेशक, कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र, विश्व-भारती
2. संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, नई दिल्ली
3. सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट की एमिटी जर्नल

देबाशीष सरकार

1. प्रधान संपादक, अर्थशास्त्र मामले, नई दिल्ली (आईएसएसएनः 0972-3021)
2. प्रधान संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, नई दिल्ली आईएसएसएनः 2249-6637)
3. एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ सोशल साइंस स्टडीज, यूएसए आईएसएसएनः 2329-9150)

बिट्टन मंडल

1. संपादक, आर्थिक मामले
2. संपादक, जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
3. संपादक, जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

4. संपादक, एग्री जर्नल ऑफ एग्री-बिजनेस

5. 30 नवंबर, 2018 को पत्रिकाओं के इनोवेटिव रिसर्च डेवलपर्स एंड पब्लिशर्स समूह द्वारा 'टीचिंग', 'रिसर्च' और 'एक्सटेंशन' के क्षेत्र में उत्कृष्ट उत्कृष्टता और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचार को डिजाइन करना

डेटा विश्लेषण पर एक नया पाठ्यक्रम (1 2 क्रेडिट) स्नातकोत्तर स्तर पर पेश किया गया है।

गैर-पैरामीट्रिक सांख्यिकीय तकनीकों पर 3 + 0 क्रेडिट के साथ पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर शुरू किए गए 2 +1 क्रेडिट के रूप में पुनर्गठन किया गया है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग

विभागीय संगोष्ठी / कार्यशाला (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

कार्यशाला का शीर्षक : कृषि और पर्यावरण में भू-विज्ञान (1 सप्ताह की कार्यशाला)

कार्यशाला की तिथि : 24-29 मार्च, 2019

कार्यशाला के निदेशक : प्रो. ए.के. चटर्जी

कार्यशाला के समन्वयक : डॉ. किशोर चंद्र स्वैन

कार्यशाला के सह-समन्वयक (ओं) : डॉ. पी. कंदासामी और डॉ. पी. के. पात्रा

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / विशेषज्ञ व्यक्ति

पी. कंदासामी

1. 01-03 फरवरी, 2019 कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) विश्वभारती द्वारा कृषि आय को बढ़ाने के लिए सतत संसाधन प्रबंधन, पोषण सुरक्षा और आजीविका सुधार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक : फलों और सब्जियों के संरक्षण के लिए गामा विकिरण का अनुप्रयोग
2. 07-09 दिसंबर, 2018 भारतीय आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा में सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया। पादप संरक्षण विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। और हिरण्मयपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, दक्षिण 24 परगना एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज प्रोजेक्ट, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के सहयोग से। प्रस्तुति का शीर्षकः खाद्य संरक्षण के लिए माइक्रोवेव सुखाने की तकनीक में हालिया घटनाक्रम-एक अवलोकन।
3. 22-24 नवंबर, 2018 पश्चिम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता के पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और भारतीय मांस विज्ञान संघ के 8 वें सम्मेलन में लीड पेपर प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का शीर्षकः स्थायी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अपरंपरागत ऊर्जा की भूमिका।
4. 22-24 नवंबर, 2018 कोलकाता के वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ एनिमल एंड फिशरी साइंसेज,

पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित भारतीय मांस विज्ञान संघ के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और 8 वें सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षकः खाद्य सामग्री के संरक्षण के लिए फोम-चटाई सुखाने की तकनीक में हालिया प्रगति।

5. 03-04 सितंबर, 2018 भारतीय जेएसपीएस एलुमनी एसोसिएशन द्वारा भौतिकी, विश्वभारती, शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक : संशोधित वातावरण भंडारण के लिए टमाटर (कल्टीवर रोमा) की श्वसन दर का मापन और मॉडलिंग।
6. 13-14 अप्रैल, 2018 राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया। बी आर अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन के ससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षकः डॉ. बी. आर. अम्बेडकर और भारतीय कृषि के विकास में उनकी योजना-एक मूल्यांकन

किशोर चंद्र स्वैन

1. 15 फरवरी, 2019 एग्रीकल्चरल स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) के कौशल भारत कार्यक्रम के तहत 23 जनवरी से 27 फरवरी -2019 तक कृषि मशीनरी ऑपरेटर की नौकरी की भूमिका के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान, प्रस्तुति का शीर्षकः सटीक कृषि के लिए मशीनरी
2. 13-14 अप्रैल 2018. राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्र डॉ. बी. आर. अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग एससी, एसटी द्वारा आयोजित, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, डब्ल्यूबी। प्रस्तुति का शीर्षकः जीआईएस / रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करके वन अग्नि मूल्यांकन।
3. 05 जून 2018 ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन में पर्यावरण दिवस के दौरान एक चर्चा प्लास्टिक प्रदूषण और उसके नियंत्रण।
4. 13-14 अगस्त 2018. कृषि और संबद्ध विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पत्र : बिधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल, और कृषि संस्कृत समिति, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिकी। प्रस्तुति का शीर्षकः अनुभवजन्य और गतिशील मॉडल के साथ भारतीय मानसून पैटर्न का पूर्वानुमान।
5. 9-11 तारीख 2018 डिबेटिंग प्रेरणादायक भारतीय भाषाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्रः डायल -2018, केंद्र द्वारा लुप्तप्राय भाषाओं, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के लिए आयोजित किया गया। प्रस्तुति का शीर्षकः प्राचीन कृषि प्रणालियों में भाषा प्रसार।

6. 16-18 नवंबर, 2018 विश्वभारती और पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित शांतिनिकेतन और बीरभूम के आसपास और आसपास के सांस्कृतिक पर्यटन को विकसित करने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्र। प्रस्तुति का शीर्षकः जीआईएस मैपिंग का उपयोग करके बीरभूम जिले की स्थूलाकृति और फसल पैटर्न की खोज।

7. 7-9 दिसंबर 2018. प्लांट प्रोटेक्शन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, (कृषि संस्थान), विश्व भारती द्वारा आयोजित भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पत्र। प्रस्तुति का शीर्षकः कुशल आर नैनो प्रौद्योगिकी का उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना

8. 15-24 फरवरी, 2019 कृषि अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित सांख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज (एसपीएसएस एंड आर) का उपयोग करके अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

9. 24-28 सितंबर, 2018 एडवांस इमेज प्रोसेसिंग, लघु सूचना विज्ञान और रिमोट सेंसिंग सेल, उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, बिकास भवन में, द्वारा अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्रकाशन

पी. कंदास्वामी

शोध पत्रः

1. कंदासामी, पी. और मुखर्जी, एस. (2019)। प्रसार चैनल प्रणाली का उपयोग करके नियंत्रित वातावरण की स्थिति के तहत टमाटर का शेल्फ जीवन बढ़ाना। कृषि, पर्यावरण और खाद्य में इंजीनियरिंग (एल्सेवियर), 12 (1): 1-10

पुस्तक अध्यायः

1. कंदासामी, पी. और स्मृतिकरण, एस. (2018) जैव प्रसंस्करण का अनुप्रयोग खाद्य प्रसंस्करण, सुरक्षा और गुणवत्ता में सुधार जैव प्रौद्योगिकी और प्रकृति में, संस्करण। दुलाल डे, सोवन रॉय और गोपाल चंद्र बेरा। कबीटिका प्रकाशक, पशिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, आईएसबीएन 978-93-87602-66-3,

2. स्मृतिकायन, एस और कंदासामी, पी. (2018) जैव प्रौद्योगिकी और प्रकृति में जैव प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण नियंत्रण के लिए दुलाल डे, सोवन रॉय और गोपाल चंद्र बेरा कबीटिका प्रकाशक, पशिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, आईएसबीएन 978-93-87602-66-3, पृ. 51-58।

किशोर चंद्र स्वैन

शोध पत्रः

1. स्वैन, केसी. और सी. सिंहा (2018)। सटीक खेती के लिए जीपीएस और जीआईएस तकनीक का उपयोग करते हुए कृषि फार्मों का मानचित्रण। जे. एग्रिक।
2. मेहता, ए. स्वैन, के. सी. और सी. सिंहा (2018)। क्लेबसिएला न्यूमोनिया के कारण (मूत्र पथ संक्रमण), बेसिक और एप्लाइड जीवविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (2): 84-90 की व्यापकता पर एक समुदाय आधारित अध्ययन।

पुस्तक के अध्यायः

1. स्वैन, के. सी., सिंहा, सी और एस स्वैन (2018)। भारत में वन भूमि कवर पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, ईस्टर भारत की अर्थव्यवस्था और समाज में, संपादक बर्मन, बी. रानर साहित्य प्रकाशन, कोलकाता, आईएसबीएनः 978-93-5265-350-350, पृ. 125-145।
2. स्वैन, के. सी., दुर्ग, बी और सी सिंहा, (2018)। किसान की आय के लिए कृषि में एडवांस टेक्नोलॉजीज में एडवांस टेक्नोलॉजीज में स्वचालित खरपतवार की पहचान, संपादक स्वैन, के. सी., चटर्जी, ए. के. और कंदास्वामी, पी. पब्लिशर्स आईएसबीएनः 978-93-86453-61-7। पृ. 29-36।
3. स्वैन, के.सी. और सी. सिंहा (2018)। प्राचीन कृषि प्रणालियों, भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों में भाषा का विचलन एक बहस, संस्करण। कैलाश पटनायक और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी, द मार्जिनलाइज़्ड पब्लिकेशन, सनेवाड़ी, वर्धा, महारास्ट्र -442001,1 संस्करण, आईएसबीएन 978-93-87441-31-6, पृ. 403-421।

संपादित पुस्तकेंः

1. स्वैन, के. सी., चटर्जी, ए.के. और पी. कंदासामी (2018)। किसानों की आय के लिए कृषि में अग्रिम प्रौद्योगिकी, नई दिल्ली प्रकाशक, आईएसबीएनः 978-93-86453-61-7 पृ. 360।

शैक्षणिक भेद

पी. कंदास्वामी

1. समीक्षक, जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (स्प्रिंगर)
2. समीक्षक, जर्नल ऑफ़ फ़ूड प्रोसेस इंजीनियरिंग (विले)

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया जाता है

क) बोलपुर उपमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि यांत्रिकीकरण और चावल प्रसंस्करण उद्योग के स्नातक छात्रों के लिए आरएडब्ल्यूई कार्यक्रम आयोजित किया

ख) डॉ. सी. सी. स्वैन ने लाइवलीहुड प्रमोशन, जैव-विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा पर सहायक आयोजन सचिव अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में कार्य किया, जो कि संयुक्त रूप से पादप संरक्षण विभाग, कृषि संस्थान, विश्वभारती, श्रीनिकेतन और विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। 7-9 दिसंबर 2018 को सुंदरवन में एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज प्रोजेक्ट, उत्तर 24 परगना के सहयोग से हिरण्मयपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, साउथ 24 परगना।

कृषि विस्तार विभाग

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / संसाधन व्यक्ति

सौविक घोष

1. 20.02.2019-23.02.2019 राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कृषि परिवर्तन के लिए नवाचारों पर कृषि विज्ञान कांग्रेस में लीड और सत्र व्याख्यान में से एक प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक किसानों की भागीदारी के माध्यम से सिंचाई गहनता
2. 17.01.2019 यूबीकेवी में एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस ऑन डायवर्सिफाइड फार्मिंग सिस्टम : सस्टेनेबल लाइवलीहुड एंड डाउबलिंग फार्मर्स इनकम का आयोजन कूच बिहार एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज और उत्तर बंगाली कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक किसानों की आय दोगुना करनाः क्या यह एक विरोधाभास या संभावना है?
3. 05.12.2018-07-12.2018 इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किसानों की आय और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए एकीकृत खेती प्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक प्रमुख पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक जलवायु परिवर्तन का प्रभावः कृषि घरों की भेद्यता और अनुकूलन
4. 20.10.2018 भारतीय कृषि सोसायटी द्वारा तटीय कृषि अनुसंधान, आईसीएआर-सीएसएसआरआई द्वारा आयोजित 12 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में तटीय कृषि पर स्ट्रोस्ड पर्यावरण के तहत उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देना में एक आमंत्रित पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव आकलनः लचीलापन, आजीविका संवेदनशीलता और पश्चिम बंगाल के तटीय और गैर-तटीय क्षेत्र में फार्म हाउसों का अनुकूलन
5. 20.09.2018-23.09.2018 इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नागपुर, महाराष्ट्र, भारत और नेपाल एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एसोसिएशन, नेपाल द्वारा आयोजित सार्क देशों के किसानों की आय दोगुनी करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः विस्तार रणनीतियाँ और दृष्टिकोण में एक मौखिक पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक भागीदारी सिंचाई प्रबंधन (पीआईएम)ः क्या यह सिंचाई क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक संभावित विकल्प हो सकता है।

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

1. 05.12.2018-07.12.2018 इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किसानों की आय और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए एकीकृत खेती प्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक प्रमुख पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक कृषि आय बढ़ाने के लिए विस्तार की रणनीति : कुछ मुद्दे

अनिंदिता साहा

1. 15.02.2019-24.02.2019 सांख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज का उपयोग करके, अनुसंधान पद्धति पर 10-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग, पीएसबी, विश्वभारती द्वारा आयोजित
2. 01.02.2019-03.02.2019। कृषि विभाग,पीएसबी, विश्वभारती के विभाग द्वारा आयोजित कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का शीर्षक सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में स्वदेशी ज्ञान
3. 07.12.2018-09.12.2019 सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया और पादप संरक्षण, पीएसबी, विश्व-भारती केविभाग द्वारा आयोजित किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक डेयरी फार्म के स्वदेशी तरीके- पश्चिम बंगाल केबीरभूम जिले में एक अध्ययन

प्रकाशन

सार्थक चौधरी

शोध पत्र

1. मंडल, डी., चौधरी, सार्थक और बसु डी. (2018)। पुनर्निर्माण, फसल संरक्षण, पशुधन प्रबंधन और स्वास्थ्य और स्वच्छता उपायों के संदर्भ में प्रबंध आपदा में पंचायत (स्थानीय स्व सरकार) की भूमिका। प्राकृतिक खतरे (स्प्रिंगर), 94 (1): 371-383।
2. मंडल डी, चौधरी सार्थक और बसु. डी. (2018)। भारतीय उपमहाद्वीप में जलवायु परिवर्तन के लिए शमन रणनीतियाँ। कृषि विस्तार जर्नल, 2 (1): 13-16।

पुस्तकें

1. चौधरी, एस. और आर. पी. (2019)। प्रशिक्षणः मानव संसाधन विकास में एक बौद्धिक निवेश। नई दिल्ली प्रकाशक (आईएसबीएनः 978-93-88879-15-6)

2. चौधरी, सार्थक और बोस. एस. (2019)। कृषि सूचना और क्रेडिट संस्थानों, नई दिल्ली केप्रकाशक, नई दिल्ली, भारत (आईएसबीएन नंबरः 978-93-86453-83-9) के लिए फार्म महिलाओं की पहुंच

3. मंडल, डी., चौधरी, सार्थक, और बसु डी (2019)। आपदा तैयारी और प्रबंधन में पंचायत, सर्वश्रेष्ठ पब्लिशिंग हाउस (आईएसबीएन नंबरः 978-81-9382-168-8)

सौविक घोष

शोध पत्र

1. घोष, एस., कोलेडी, डी.ई., दास, यू., गोराइन, एस., श्रीवास्तव, एस. और मंडल, बी (2019)। भारत में सुधार सिंचाई प्रबंधन (पीआईएम) सुधार के प्रभाव में अनुपात-अस्थायी बदलावः एक पैनल डेटा विश्लेषण। कृषि जल प्रबंधन (एल्सेवियर), 222: 48-61।

2. दास, यू. और घोष, एस. (2019)। ओडिशा के तटीय और गैर-तटीय जिलों में जलवायु परिवर्तन के लिए कृषि के विपरीत लचीलापन. भारतीय कृषि विज्ञान जर्नल, 89 (5): 769-774।

3. अवतदे, एस., काशीवर, एस. आर., घोष, एस., सिंघांडुपे, आर.बी., डोंगरवार, यू.आर. (2018)। वाशिम (महाराष्ट्र), जीआईएस का उपयोग कर भारत की दीर्घकालिक वर्षा परिवर्तनशीलता का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। अंतरराष्ट्रीय अल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस, 7 (8): 860-869।

4. अवतदे, एस., काशीवर, एस आर, घोष, एस, सिंघंधुप, आर बी, डोंगरवार, यू.आर. (2018)। वाशिम (महाराष्ट्र), भारत में मानसून में वर्षा आधारित वितरण का उपग्रह आधारित अनुमान और सत्यापन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस, 7 (8): 1694-1704।

5. दास, यू. और घोष, एस. (2019)। फार्म घरेलू परिदृश्य ओडिशा में जलवायु रूप से कमजोर क्षेत्र मां इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 55 (1): 66-72।

6. दास, यू. और घोष, एस. (2018)। आजीविका संवेदनशीलता संवेदनशीलता मैट्रिक्सः जलवायु परिवर्तन के लिए ग्रामीण परिवारों के मानचित्रण की संवेदनशीलता के लिए एक उपन्यास तकनीक। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 54 (4): 201-205।

7. अली, जी.टी. और घोष, एस. (2018)। पश्चिम बंगाल में सिंचाई प्रबंधन और प्रभावकारी कारकों में किसानों की भागीदारी। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 54 (3): 67-72।

8. अवतदे, एस.सी., घोष, एस. और सिंगानधुप, आर.बी. (2019)। महाराष्ट्र में कृषि विस्तार सेवाओं से किसानों की संतुष्टि। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन, 55 (1): 1-7।

9. बरेह, पी. और घोष, एस. (2018)। मेघालय में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) आंदोलनः फार्म

हाउसों की आय और आजीविका सुरक्षा में सुधार के लिए एक संभावित विकल्प। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 13 (3): 540-547।

10. दास, यू. और घोष, एस. (2019)। ओडिशा में जलवायु परिवर्तन के लिए भेद्यता को कम करने के लिए फार्म हाउसों के अनुकूलन और नकल तंत्र। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 14 (1): 147-154।

11. दास, यू. और घोष, एस. (2018)। ओडिशा में फार्म हाउसों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 13 (3): 396-402।

12. कर्ण, ए और घोष, एस (2018)। बिहार में किसानों के सूचना स्रोतों की प्रभावशीलता। जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 13 (2): 367-373।

13. लामा, ए., घोष, एस. और अवतदे, एस.सी. (2018)। पश्चिम बंगाल के पहाड़ी और तराई क्षेत्र में विभेदक कृषि-बागवानी और पशुधन उत्पादन का क्षैतिज विविधतापूर्ण संकलन। जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9 (6): 673-681।

14. दास, यू. और घोष, एस. (2018)। किसानों की आय दोगुनी करनाः क्या यह एक विरोधाभास या संभावना है। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, 5 (2): 7-14।

पुस्तकें

1. दास, यू. और घोष, एस. (2019)। कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव एग्रोबायोस पब, जोधपुर, भारत, पृष्ठ 235 (आईएसबीएन 978-81-939255-8-4)

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

शोध पत्र

1. करक, एस., रॉय, एस. और मुखोपाध्याय, एस.डी. (2019)। कृषि में केवीके प्रशिक्षण हस्तक्षेप के संबंध में उत्तरदाताओं की धारणा का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (2): 1-16।

2. सुब्बा, आर. और मुखोपाध्याय, एस.डी. (2019)। सिक्किम में किसानों के ज्ञान, कौशल और अपनाने के व्यवहार को बदलने में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 8 (3)।

3. ख़योनम, एन. और मुखोपाध्याय, एस.डी. (2018)। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की आय सृजन गतिविधियों के प्रबंधन में ज्ञान, कौशल और भागीदारी की सीमा का अध्ययन। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल, 7 (1)।

4. ख़योनम, एन; मुखोपाध्याय, एस.डी. और सुब्बा, आर। (2018)। मणिपुर के इम्फाल पश्चिम जिले में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा कथित सामाजिक-आर्थिक प्रोफ़ाइल और बाधाओं की प्रकृति। रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6 (4): 555-560।

अनिंदिता साहा

शोध पत्र

1. अवतदे, एस.सी., साहा, ए. और धाकरे डी.एस. (2018)। महाराष्ट्र, भारत के अकोला जिले में प्याज की बढ़ती सामाजिक स्थिति, वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (2): 6-12।
2. अवाटडे, एससी, साहा, ए. घोष, सौविक और सिंगंधुप, आरबी (2018) महाराष्ट्र, भारत के अकोला जिले में प्याज किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कृषि सूचना स्रोत, वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (2)): 1-5।
3. चक्रवर्ती, एस., गुप्ता, ए., साहा, ए. और धाकरे डी.एस. (2018)। फार्मा इनोवेशन ऑफ़ सोशियोलॉजिकल स्टेटस ऑफ़ पैडी ग्रोअर्स इन वेस्ट बंगाल, द फार्मा इनोवेशन जर्नल; 7 (1): 05-09।
4. वालमनवर, एस., साहा, ए. और धाकरे डी.एस. (2018)। कर्नाटक के धारवाड़ जिले में किसान क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में किसानों के ज्ञान और राय पर एक अध्ययन, कृषि विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (6): 25-32।
5. विश्वास, एम., साहा, ए. और डैश, आर.आर. (2019)। पश्चिम बंगाल, भारत के नदिया जिले में सुपारी उत्पादकों द्वारा सामना की जाने वाली बाधाएँ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज, 8 (4): 80-85।

शैक्षणिक भेद

सौविक घोष

1. डॉक्टर वाई.पी. सिंह मेमोरियल अवार्ड 2018 इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन
2. सुक्खा सिनचाई पुरस्कार 2018 के प्राप्तकर्ता।

विभाग में अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना

i. शिक्षक का नाम

ii. परियोजना का नाम

iii. प्रायोजन एजेंसियां

iv. राशि स्वीकृत

संकाय का नाम	परियोजना का नाम	प्रयोजन एजेंसी	राशि के
सौविक घोष	सामाजिक-आर्थिक, संस्थागत और लैंगिक मुद्दे, भारत में भागीदारी सिंचाई प्रबंधन सुधारों की स्थिरता और स्थिरता को प्रभावित करते हैं (आईसीएआर के लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2011 के तहत) (अवधि दिसंबर 2015-नवंबर 2018)	आईसीएआर-कृषि शिक्षा प्रभाग, नई दिल्ली	रु. 35 लाख
सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय	गहन गन्ना विकास कार्यक्रम (1989-अब तक, वार्षिक स्वीकृति के आधार पर)	पश्चिम बंगाल सरकार	रु. 12.5 लाख

नया पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों ने विभाग की शुरुआत की

शैक्षणिक सत्र 2019-20 से शुरू किए जाने वाले यूजी स्तर के छात्रों के लिए दो वैकल्पिक पाठ्यक्रम तैयार किए गए थे:

ए. एईक्स 312: संचार और सूचना प्रबंधन (2 + 1 = 3 क्रेडिट)

बी. एईक्स 321: कृषि विस्तार में उभरता रुझान (2 + 1 = 3 क्रेडिट)

पौधा संरक्षण विभाग

(एग्रीकल्चर एंटोमोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी)

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः 05

1. तानिया नूरी; पीएचडी छात्र
2. दिबाकर पांडा; पीएचडी छात्र
3. नुदरत संजीदा अख्तर; पीएचडी छात्र
4. इलांगोवन एम; एम.एससी (कृषि) केछात्र
5. रथिना कुमार जी; एम.एससी (कृषि) के छात्र

विभागीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला

1. 7-9 दिसंबर 2018. पश्चिम बंगाल के झारकली, सुंदरबन में आयोजित भारतीय सुंदरबन में आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / संसाधन व्यक्ति

ए. कृषि कीटविज्ञान

हीरक चटर्जी

1. 7-9.12.2018, पश्चिम बंगाल के झारकली, सुंदरबन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक के रूप में भाग लिया।
2. 1 फरवरी, 2019 को पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती में आयोजित कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

पलाश मंडल

1. इको-टूरिज्म हब, झखराली (सुंदरबन), दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल, भारत, 7-9 दिसंबर 2018 को आयोजित लाइवलीहुड प्रमोशन, बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन एंड सोशल सिक्योरिटी इन इंडियन सुंदरवन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुत किया गया। प्लांट प्रोटेक्शन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, द्वारा आयोजित

स्वर्णाली भट्टाचार्य

1. लाइवलीहुड प्रमोशन, जैव-विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा विषय पर

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुत किया विषय स्वराँली भट्टाचार्य द्वारा लिखित टमाटर, और टमाटर के कीटों को चूसने के खिलाफ प्यूडोमोनस फ्लोरेसेंस का प्रभाव। 7-9 दिसंबर 2018 को झारखंडी, सुंदरबन, पश्चिम बंगाल में।

2. खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत किया गया मौसमी घटना और अलग-अलग कीट-रोग निरोधक मसूर के पर्यावरण केअनुकूल प्रबंधन 15 दिसंबर - 17 दिसंबर, 2018 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान में स्वर्णाली भट्टाचार्य और सायतन धरा का आयोजन हुआ।

3. स्वरांजली भट्टाचार्य और प्रतिभा एन. 1-फरवरी 3, 2019 पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती में।

बी पौधा संरक्षण

भोलानाथ मंडल

1. 13-14 अप्रैल, 2018 राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। बी.आर. अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग लिपिका, विश्वभारती में आयोजित किया गया। विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संगठन द्वारा आयोजित, विश्वभारती, शांतिनिकेतन केसहयोग से।

2. 7-9 दिसंबर, 2018 इको-टूरिज्म हब, झखराली (सुंदरवन), दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में आयोजित लाइवलीहुड प्रमोशन, बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन एंड सोशल सिक्योरिटी इन इंडियन सुंदरवन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 10 पेपरों में भाग लिया और प्रस्तुत किया। भारत, पादप-संरक्षण विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व भारती, श्रीनिकेतन और हीरामनपुर कृषि-बागवानी सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, दक्षिण 24 परगना द्वारा टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता केसहयोग से आयोजित एंड्रयूज पल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज प्रोजेक्ट, उत्तर 24 परगना।

3. 25-29.03.2019 कृषि और पर्यावरण विभाग में भू-विज्ञान पर 5 दिन (एक सप्ताह) कार्यशाला में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया, कृषि इंजीनियरिंग विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित और सुरक्षित ग्रेड ए।

रंजन नाथ

1. 7-9दिसंबर, 2018 इको टूरिज्म हब, झखराली (सुंदरवन), दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में आयोजित लाइवलीहुड प्रमोशन, बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन एंड सोशल सिक्योरिटी इन इंडियन सुंदरबन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 10 पेपरों में भाग लिया और प्रस्तुत किया। प्लांट प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन और हीरामनपुर एग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी

फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, साउथ 24 परगना द्वारा टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता के सहयोग से आयोजित एंड्रयूज पल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज प्रोजेक्ट, उत्तर 24 परगना।

2. 1-3 फरवरी, 2019, कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत किया, कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान) विश्व भारती द्वारा आयोजित, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल। कागज का शीर्षक जैव उत्पादों का अनुप्रयोग-पश्चिम बंगाल के लाल लेटराइट क्षेत्र के तहत मिर्च पत्ता कर्ल रोग के प्रबंधन के लिए एक पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अप्रैल 2018-मार्च 2019 के भीतर।

मोहन कुमार विश्वास

1. 22-25.11.2018 सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करने में मिट्टी और पौधों के स्वास्थ्य की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुत किया। भारतीय फाइटोपथोलॉजिकल सूइसिटी, नई दिल्ली, एशिया- पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ एग्रीकल्चर, रिसर्च इंस्टीट्यूशंस, बैंकॉक, थाईलैंड और डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर थाईलैंड द्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक समृद्ध मृदा सब्सट्रेट (एसएमएस) के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य में सुधार और पौधों के स्वास्थ्य, उत्पादकता और टमाटर की विल्ट घटना पर इसके प्रभाव

2. 07-09.09.2018 आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और प्रस्तुत किया, जो पौध संरक्षण विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व भारती, श्रीनिकेतन और हीरामनपुर एग्रो द्वारा आयोजित किया गया। -होर्टीकल्चरल सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, साउथ 24 परगना एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज प्रोजेक्ट के सहयोग से। प्रस्तुति का शीर्षक मशरूम की खेती : ग्रामीण क्षेत्रों में किसान की आय दोगुनी करने के लिए एक विकल्प

3. 25-26.09.2018 इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा भारतीय फेटो-पैथोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली, भारत और निदेशालय के सहयोग से आयोजित विशेष राष्ट्रीय संगोष्ठी में किसान/ अन्य हितधारकों के लिए तकनीकी बैकस्टॉपिंग : किसानों के लिए भागीदारी और प्रस्तुत (मौखिक) आमंत्रित। बागवानी और कृषि वानिकी, सरकार छत्तीसगढ़, रायपुर के प्रस्तुति का शीर्षक सीप मशरूम की खेती : ग्रामीण क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण आय सृजन गतिविधि

4. 01.012.2018 भारतीय बौद्धिक संस्थान, बारामुंडा, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित बौद्धिक सामाजिक जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत (मौखिक)। प्रस्तुति का शीर्षक मशरूम की खेती के माध्यम से आदिवासी महिलाओं के जीवन स्तर का उत्थान।

5. 01-03.02.2019 आय बढ़ाने, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रस्तुत (मौखिक)। एग्रोनॉमी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित। प्रस्तुति का शीर्षक इको-फ्रेंडली मैनेजमेंट ऑफ़ कॉलर रॉट डिसीज़ ऑफ़ टोमैटो का कारण स्केलेरियम रोफ़्लिसी।

6. 15-24.02.2019। सांख्यिकीय उपकरण, तकनीक और पैकेज (एसपीएसएस और आर) का उपयोग करके अनुसंधान पद्धति पर 10 दिनों का राष्ट्रीय कार्यशाला सफलतापूर्वक पूरा हुआ। कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग (ईएस), पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, डब्ल्यू.बी., भारत द्वारा आयोजित।

प्रकाशन

ए. कृषि कीटनाशक विज्ञान

हीराक चटर्जी

शोध पत्र

1. ललिता, एन, चटर्जी, एच, संथ कुमार एम.वी. और कुमार, एस.एन. 2018. स्काइमस कुगेलन की नई प्रजाति, स्किम्नस लैटिफोलियस पुरीनी की शिकारी क्षमता नवं। (कोलॉप्टेरा, कोकीनिनिडे) पपीता मेबेलग परैकॉकस मार्जिनेटस इन्फ्लेशनिंग शहतूत पर जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज़ 6 (4): 1803-1807

2. ललिता, एन, चटर्जी, एच, संता कुमार एम.वी. और कुमार, एस.एन. 2018. पश्चिम बंगाल में शहतूत को संक्रमित करने वाले मूल शिकारियों पर हमला करने वाले देशी शिकारियों की सूची और जनसंख्या का आकलन 112-122 में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया

3. ललिता, एन, संत कुमार एम.वी., चटर्जी, एच और कुमार, एस.एन. 2017. एक शिकारी स्काइमस का नया रिकॉर्ड। पश्चिम बंगाल के इंडो गैंगेटिक मैदानी इलाकों में शहतूत के पारिस्थितिक तंत्र के दलदल वाले बग कॉम्प्लेक्स में खिलाया हुआ कोलॉप्लेल्डा 9-11 फरवरी, 2017 पृ. .108 को बैंगलोर

पुस्तक अध्याय

1. आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा भारतीय सुंदरवन में बी. मंडल, आई भट्टाचार्य, पी. मोंडल, एस. भट्टाचार्य, आर. नाथ, एस. संतरा, एमके विश्वास और एच. चटर्जी। नई दिल्ली पब्लिशर्स द्वारा दिसंबर 2018 को प्रकाशित। आईएसबीएन नंबर-99393- 99 -45643- 99 -6

पलाश मंडल

शोध पत्र

1. मंडल, पी. और मंडल, बी (2018) एक ताजा पानी की मछली प्रजातियों, कैटला कैटला (हैम) के खिलाफ कुछ आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले एग्रोकेमिकल्स की सापेक्ष विषाक्तता। पौधों और कृषि अनुसंधान में प्रगति, 8 (6): 376-377,
2. मंडल, बी., मंडल, पी., दास, ए. और भट्टाचार्य, के. (2019)। टमाटर के विभिन्न कीटों की मौसमी घटना (लाइकोपर्सिकॉन एस्कुलेंटम मिल।) और पश्चिम बंगाल के पार्श्व क्षेत्र में अजैविक कारक के साथ उनका संबंध। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 7 (1): 1426-1430।
3. मंडल पी., प्रमाणिक, पी. और चटर्जी एस (2019)। फसल सुरक्षा में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न कृषि रसायनों के साथ बेवेरिया बेसियाना (बालसामो) वुइलमिन की संगतता पर अध्ययन। प्रगतिशील कृषि विज्ञान, 1 (1): 1-6।
4. सीतेश चटर्जी, सी गंगोपाध्याय, आई. दाना, एस रॉय और पलाश मंडल। 2019. पीले तने के बोरर और चावल केपत्ता फ़ोल्डर पर दानेदार कीटनाशकों का प्रभाव। प्रगतिशील कृषि विज्ञान, 1 (1): 61-66।

पुस्तक अध्याय

1. आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा बी. मंडल, आई. भट्टाचार्य, पी. मंडल, एस. भट्टाचार्य, आर. नाथ, एस. एस. मित्रा, एमके विश्वास और एच. चटर्जी नई दिल्ली पब्लिशर्स द्वारा दिसंबर 2018 को प्रकाशित।

स्वर्णाली भट्टाचार्य

शोध पत्र

1. कुमार, वी. और भट्टाचार्य, एस. (2018)। लीफ माइनर, बिहार हेअर कैटरपिलर (स्पिलोसोमा ओबिकेला) पर मूंगफली (अरचिस हाइपोगिया) को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हालिया साइंटिफिक रिसर्च 9 (10 बी): 29183-29186 (डीओआईः 10.24327) में अलग कीटनाशक उपचार का प्रभाव। प्रभाव कारक- 7.383)
2. घोष, एम., भट्टाचार्य, एस और मंडल, एस. के. (2018)। बेल काली मिर्च के कीटों की मौसमी घटना (शिमला मिर्च सालाना सकल सकल सेंड।) और जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज 6 (3): 825-830 (आईएसएसएन 2349-6800) में मौसम के मापदंडों के साथ उनका सह-संबंध।
3. पाटी, पी. जेना, एम. अन्नामलाई, एम. बेहरा, एस. के., रघु, एस., भट्टाचार्य, एस., संघमित्रा, पी. पंडीजी,

जी. पी. और मीना, एस. के. (2018)। ब्राउन ऑयल हॉपर निलपर्वत के प्रतिरोध के लिए लाल चावल के उपयोग की स्क्रीनिंग ओरीज़ा 55 (4): 596-601

4. कुमार, वी. और भट्टाचार्य, एस. (2019)। जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज 7 (2): 513-515 (एम.एससी (कृषि) 2349-6800, में एफिड इन्फेंट मूंगफली (अरचिस हाइपोगिया) पर विभिन्न कीटनाशक उपचारों का प्रभाव।

5. कुमार, एच. डी. वाई. और भट्टाचार्य, एस. (2019)। इंडियन जर्नल ऑफ़ एंटोमोलॉजी में स्पिलोसोमा ओबिका की तुलनात्मक जीवविज्ञान मार्च: 87-89 (आईएसएसएन 0367)

पुस्तक अध्याय

1. आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा बी। मोंडल, बी। मोंडल, आई. भट्टाचार्य, पी. मोंडल, एस. भट्टाचार्य, आर. नाथ, एस. एस. मित्रा, एमके बिस्वास और एच। चटर्जी। नई दिल्ली पब्लिशर्स द्वारा दिसंबर 2018 को प्रकाशित। आईएसबीएन नंबर-99393-99 -45643- 99 -6

बी संयंत्र पैथोलॉजी

भोलानाथ मंडल

पुस्तक अध्याय

i. संजय कुमार बोरदोलुई, राजू दास, भोलानाथ मंडल और प्रणब चट्टापाध्याय (2018)। भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से कुछ स्वदेशी चावल जीनोटाइप का मूल्यांकन में मानव अधिकार और सामाजिक न्याय: कृषि मुद्दे और चिंता, संस्करण बी मंडल, ए लोहो और जी मंडल। नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 1-5 (आईएसबीएन: 978-93-86453-48-8)।

ii. देबाशीष पांडा, सानंद मंडल और भोलानाथ मंडल (2018)। भारत में संयंत्र संगरोध विनियम: अतीत, वर्तमान और भविष्य में मानव अधिकार और सामाजिक न्याय: कृषि मुद्दे और चिंता, संस्करण बी मंडल, ए लोहो और जी मंडल नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 93-102 (आईएसबीएन: 978-93-86453-48-8)।

iii. प्रीतिलता दास, भोलानाथ मंडल और सुकुमार पाल (2018)। भारत में मानवाधिकारों का उल्लंघन: उसके तथ्यों की जांच (एस. पाल, पी. भीखू और पी. आश्रम के ईडीएस।) नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ. 135-142 (आईएसबीएन: 978-93-86453-47-1)।

पुस्तकों का संपादन किया

i. जैविक और अजैविक तनाव लेखक : नृपेंद्र लस्कर, भोलानाथ मंडल और पार्थ चौधुरी प्रकाशन का वर्ष: 2019, पृष्ठ संख्या 25। प्रकाशक: न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी, नई दिल्ली

ii. मानवाधिकार और सामाजिक न्यायः कृषि मुद्दे और चिंता संपादक : भोलानाथ मंडल, अदानी लोखो और गौतम मंडल प्रकाशन का वर्षः 2018, पृष्ठ संख्या 167 नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली,

iii. सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा संपादकः भोलानाथ मंडल, बिट्टन मंडल, इंद्रब्रत भट्टाचार्य, पलाश मंडल, स्वर्णाली भट्टाचार्य, रंजन नाथ, सुभ्रांसु संतरा, मोहन कुमार विश्वास और हीराक चटर्जी। प्रकाशन का वर्षः 2018, पृष्ठ संख्याः 155। नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, (आईएसबीएनः 978-93-86453-97-6)।

शोध पत्र

i. दास, सिद्धार्थ, दत्ता, सुब्रत, रे, एस. के. और मोंडल, भोलानाथ (2018)। चॉयनफोरा के कारण ललशेक (अमरान्ठस गैंगेटिकस एल) की ट्विग ब्लाइट की पहली रिपोर्ट।

ii. इस्लाम, एस., मिडिडा, आर और मंडल, बी (2018)। फंगिसाइड्स के माध्यम से आलू के लेट ब्लाइट का प्रबंधन प्लांट फिजियोलॉजी और पैथोलॉजी जर्नल, 7 (1): 10.4172 / 2329-955 00009595

iii. मंडल, पलाश और मंडल, भोलानाथ (2018)। एक ताजा पानी की मछली प्रजातियों, कैटला (हैम) के खिलाफ कुछ आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले एग्रोकेमिकल्स की सापेक्ष विषाक्तता। पौधों और कृषि अनुसंधान में प्रगति

iv. दपकेकर, ए. जी., भोलानाथ, मंडल, सूर्यवंशी, ए. पी. (2018)। मैक्रोफोमिना फेज़ोलिना के कारण बैंगन के स्टेम और रूट रोट का एकीकृत रोग प्रबंधन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज।

v. हम्ब्रोम, करम चंद, नाथ, रंजन, स्वामी कृपलयानंद, मंडल, भोलानाथ और दत्ता, सुब्रत (2018)। पश्चिम बंगाल के लेटरिटिक ज़ोन के तहत बैंगन के विशेष संदर्भ के साथ विलायती फसलों में बैक्टीरियल विल्ट यूरोपीय जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोसाइंस, 6 (6): 47-50।

vi. दपकेकर, ए. जी, मंडल, भोलानाथ, कदम, आर. वी. और सूर्यवंशी, ए. पी. (2018)। पॉट कल्चर में बैंगन के मैक्रोफोमिना फेजोलिना (तास्सी) गोइड के खिलाफ कार्बनिक संशोधन का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (11): 95-100।

vii. इस्लाम, सईदुल, मिडिया, रहमतुल्ला, मंडल, भोलानाथ और खटुआ, दिनेश चंद्र (2018)। आलू की देर से तुड़ाई के घाव विस्तार पर फफूंदनाशकों का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (1): 20-25।

viii. इस्लाम, सईदुल, मिद्या रहमतुल्ला और मंडल, भोलानाथ (2018)। कवकनाशी की जैव-प्रभावकारिता प्रयोगशाला की स्थिति के तहत आलू की देर से तुड़ाई का कारण बनती है। वर्तमान जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, 26 (1): 1-5।

ix. मंडल, उत्तम, मंडल, भोलानाथ और दास, राजू (2018) एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोगशाला मूल्यांकन। एप्लाइड साइंस में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन, 3 (3): 9-11।

रंजन नाथ

शोध पत्र

1. हम्ब्रोम, करम चंद, नाथ, रंजन, स्वामी कृपलयानंद, मोंडल, भोलानाथ और दत्ता, सुब्रत (2018)। पश्चिम बंगाल के पार्श्व क्षेत्र के अंतर्गत बैगन के विशेष संदर्भ के साथ घुलनशील फसलों में बैक्टीरिया के विल्ट की घटना। यूरोपीय जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोसाइंस, 6 (6): 47-50।
2. चक्रवर्ती राजीब रंजन, मजूमदार नरेन और नाथ रंजन (2018) अंटागॉनिस्ट, फफूंदनाशक और मृदा संशोधन के माध्यम से चावल शीथ ब्लाइट रोग का स्थायी प्रबंधन इंट. जे शुद्ध ऐप 1005-1009

पुस्तक अध्यायः

i. प्रमाणिक कालीपद, सिंघल एम., नाथ आर., भट्टाचार्य एस. और मंडल एस. (2018) कारफेंट्राजोन एथिल का प्रदर्शन 20 सल्फोसल्फ्यूरन 25 डब्ल्यूजी और गेहूं में अन्य हर्बिसाइड में अग्रिम प्रौद्योगिकी किसान की आय, ईडीएस किशोर चंद्र स्वैन, आशीस कु चटर्जी और पी. कंदास्वामी नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, पृ.: 293-301

संपादित पुस्तकः

1. भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा संपादकः भोलानाथ मंडल, बिट्टन मंडल, इंद्रब्रत भट्टाचार्य, पलाश मंडल, स्वर्णाली भट्टाचार्य, रंजन नाथ, सुभ्रांशु संतरा, मोहन कुमार विश्वास और हीराक चटर्जी प्रकाशन का वर्षः 2018 पृ. 155 नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली

मोहन कुमार विश्वास

शोध पत्र

1. ममगैन, ए., विश्वास, एम. के. और डे, एन. (2019)। सरसों में अल्टरनेरिया ब्लाइट के प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रेरित प्रणालीगत प्रतिरोध में रासायनिक उत्सर्जकों की संभावित भूमिका। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका, 8 (2): 2246-2250। यूजीसी स्वीकृत
2. कृपालिनी एन., विश्वास एम. के देवी, एस और सिन्हा, बी (2019)। मणिपुर में पॉट कंडीशन के तहत देशी मटर के फल (पिसम सैटिवम एल) और उसके प्रबंधन द्वारा मूल ट्राइकोडर्मा आइसोलेट्स और वाणिज्यिक ट्राइकोडर्मा के सर्वेक्षण पर अध्ययन जैव-स्रोत और तनाव प्रबंधन केअंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10 (1): 001-008

3. कृपलिनी एन., विश्वास एम.के. और पीएच देव, एस (2018)। फ्यूजेरियम ऑक्सिस्पोरम के आइसोलेट्स में मॉर्फोलॉजिकल, कल्चरल एंड पैथोजेनिक वेरिएबिलिटी पर अध्ययन पीएसआई मणिपुर के विभिन्न जिलों से मटर की विल्ट का कारण बन रहा है। अनुप्रयोग विज्ञान, 7 (11): 2500-2506)।
4. महतो ए., विश्वास एम. के. और पात्रा, एस. (2018)। स्केलेरोटियम रॉल्फ्स द्वारा उत्पन्न टमाटर के कॉलर रोट के खिलाफ औषधीय पौधों के अर्क की प्रभावकारिता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी रिसर्च, 10 (5), पृ. 1224-1227।
5. महतो ए., विश्वास मोहन कुमार और पात्रा, एस (2018)। स्क्लेरोटियम रॉल्फसी के कारण टमाटर कॉलर रोट का स्थायी प्रबंधन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज, 10 (10), पृ. -6160-6163।

पुस्तक अध्याय

1. पुरोहित, जे., चट्टोपाध्याय, ए., विश्वास, एम. के. और सिंह, एन.के. (2018)। कृषि मृदा का संरक्षणः सतत विकास के लिए बायोप्रोस्पेक्शन इनः माइकोरमेडिशन एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी, फंगल बायोलॉजी, संपादक आर प्रसाद स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, स्प्रिंगर नेचर 2018 का हिस्सा, पृ.-91-114।
2. विश्वास एम. के (2018)। पश्चिम बंगाल के लेटरिटिक बेल्ट में सीप मशरूम उत्पादन का लाभ / लागत विश्लेषण किसान की आय के लिए कृषि में अग्रिम प्रौद्योगिकियां, संस्करण किशोर चंद्र स्वैन; आशीष कुमार चटर्जी और पी कंदस्वामी, नई दिल्ली प्रकाशक, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली -110059, पृ.-183-198।

पुस्तक संपादितः

1. भोलानाथ मंडल; बिट्टन मंडल; इंद्रब्रत भट्टाचार्य; पलाश मंडल; स्वर्णाली भट्टाचार्य; रंजन नाथ; सुभ्रांगसू संतरा; मोहन कुमार विश्वास और हीरक चटर्जी (सं.), आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और भारतीय सुंदरवन में सामाजिक सुरक्षा। नई दिल्ली प्रकाशक, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली -110059, पृ.1-153।

अकादमिक भेद

ए. कृषि कीटनाशक

हीराक चटर्जी

1. पार्षद, जर्नल ऑफ़ प्लांट प्रोटेक्शन और पर्यावरण 2007 से ओयूएटी, उड़ीसा, भुवनेश्वर।
2. समीक्षक, जर्नल ऑफ़ प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट। ओयूएटी, उड़ीसा, भुवनेश्वर

पलाश मंडल

1. 'फसल और खरपतवार विज्ञान सोसाइटी' का आजीवन सदस्य। कार्यालयः एग्रोनॉमी विभाग, एफ/एजी।
2. जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान सोसायटी के जीवन सदस्य, जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान कार्यालय के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशित किए गएः अबनपल्ली, शांतिनिकेतन, बीरभूम, पश्चिम बंगाल।
3. जैव-संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
4. जैव-संसाधन, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य
5. जर्नल प्रोग्रेसिव एग्रीकल्चर साइंसेज के संपादकीय बोर्ड सदस्य
6. कलकत्ता विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान में 15 -17 दिसंबर, 2018 को आयोजित खाद्य सुरक्षा, पोषण और अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कृषि में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर सत्र के लिए न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।

बी संयंत्र पैथोलॉजी

भोलानाथ मंडल

1. 'क्रॉप एंड वीड साइंस सोसायटी' के जीवन सदस्य ने 'क्रॉप एंड वीड' जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालयः एग्रोनॉमी विभाग, एफ/एजी, बीसीकेवी, भारत।
2. 'ईस्टर्न इंडिया हॉर्टिकल्चर एंड बायोटेक्नोलॉजी सेंटर' के जीवन सदस्य ने 'ग्रीन टेक्नोलॉजी' जर्नल प्रकाशित किया। कार्यालयः बहारू, दक्षिण 24 परगना।
3. रूरल एग्रो-हॉर्टिकल्चर सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट का जीवन और संस्थापक सदस्य। कार्यालयः ग्राम पो.- हिरण्मयपुर, बसंती, दक्षिण 24 परगना।
4. थ्रॉटलिंग वर्ल्ड की सहायता के लिए संगठन का जीवन और संस्थापक सदस्य कार्यालय : राजबरीपारा, जलपाईगुर।
5. प्रोटेकशन सोसाइटी फॉर प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट के जीवन सदस्य और प्लांट जर्नल ऑफ़ प्लांट प्रोटेक्शन एंड एनवायरनमेंट प्रकाशित कार्यालयः डिपार्टमेंट ऑफ एंटोमोलॉजी, कोलाज ऑफ एग्रीकल्चर, भुवनेश्वर-751 003, उड़ीसा।
6. इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी के जीवन सदस्य ने 6. जर्नल ऑफ सॉयल बायोलॉजी एंड इकोलॉजी प्रकाशित किया। कार्यालयः कृषि माइक्रोबायोलॉजी और कीटनाशक विभाग, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर - 560-65।

7. एसोसिएशन ऑफ एग्रो-मौसम विज्ञानियों के जीवन सदस्य, जर्नल ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजी, कार्यालयः एएयू, आनंद, गुजरात प्रकाशित।

8. भारतीय माइकोलॉजिकल सोसायटी के जीवन सदस्य, जर्नल ऑफ मायकोपैथोलॉजिकल रिसर्च प्रकाशित किए। कार्यालयः कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

9. इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी के जीवन सदस्य, जर्नल ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी प्रकाशित किया। कार्यालयः एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान।

10. प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेज में एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ लाइफ (जर्नल ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेज) प्रकाशित। कार्यालयः प्लांट हेल्थ क्लिनिक, अनुसंधान निदेशालय, बीसीकेवी, नादिया, पश्चिम बंगाल।

11. कूचबेहर एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के जीवन और संस्थापक सदस्य, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी प्रकाशित। कार्यालयः यूबीकेवी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।

रंजन नाथ

i इंडियन सोसाइटी ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, प्लांट पैथोलॉजी डिवीजन, एमपीयूएटी, उदयपुर, राजस्थान, भारत के जीवन सदस्य

ii. भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, प्लांट पैथोलॉजी डिवीजन, नई दिल्ली, भारत के जीवन सदस्य।

iii. कूचबिहार एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के जीवन सदस्य, कृषि और प्रौद्योगिकी के जर्नल प्रकाशित किए। कार्यालय : यूबीकेवी, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।

मोहन कुमार विश्वास

1. इंस्टीट्यूट ऑफ सेल्फ रिलायंस, भुवनेश्वर, ओडिशा से कृषि के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत विकास अवार्ड प्राप्त।
2. फाइटोपथोलॉजी, नई दिल्ली, भारत की भारतीय पत्रिका का समीक्षक।
3. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक प्लांट्स का संपादकीय सदस्य, आईएसएसएनः 2349-4727, पुस्पा पब्लिशिंग हाउस।
4. माइक्रोबायोज जर्नल्स, जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोमेडिकल रिसर्च, आईएसएसएन (ऑनलाइन) के संपादकीय सदस्यः 2395-5678, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित।

विभाग में अनुसंधान परियोजनाएं

रंजन नाथ

1. प्रधान अन्वेषक संदर्भः दो मौसमों के लिए विभिन्न फसलों के रोगों के खिलाफ मैनकोज़ेब और एज़ोक्सिस्ट्रोबिन संयोजन का मूल्यांकन। कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित। सिकंदराबाद। (रु. 4.68 लाख)।
2. राइस फॉल सिस्टम में दलहन का उत्पादन उप-परियोजनाः प्लांट प्रोटेक्शन (प्लांट पैथोलॉजी))। आईएफएडी-आईसीएआरडीए द्वारा वित्त पोषित। (फंड प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर के पास है)।

मोहन कुमार विश्वास

1. प्रधान अन्वेषक प्रोजेक्टः स्वप्न केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, तृतीय तल, किरण हवेली, 4834/24, अंसारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली 110002 द्वारा प्रायोजित, क्षेत्र की फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन; फंडिंग राशिः रु. 4.5 लाख
2. प्रधान अन्वेषक परियोजनाः एम / एस इंडिया पेस्टीसाइड्स लिमिटेड, तृतीय तल, किरण मेंशन, 4834/24, अंसारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली, 110002 द्वारा वित्त पोषित फील्ड फसलों में विभिन्न एग्रोकेमिकल्स का जैव-प्रभावकारिता अध्ययन; फंडिंग राशि रु. 7.2 लाख
3. प्रधान अन्वेषक परियोजनाः कीट में कीटों और रोगों के खिलाफ कीटनाशकों की जैव-प्रभावकारिता सम्मानित फसलें कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड कोरोमंडल हाउस, 1-2-10, सरदार पटेल रोड, सिकंदराबाद -500 003, तेलंगाना, भारत; फंडिंग राशि र. 50 लाख।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया जाता है।

मोहन कुमार विश्वास

1. 01.02.2019 सामाजिक कार्य विभाग, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित सामुदायिक संगठन कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, प्लेसमेंट समुदाय में डब्ल्यू.बी., नूरपुर, पी.ओ. सुरपुर, मशरूम खेती पर उन्मुखीकरण विषय पर

4. 03.02.2019 कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, डब्ल्यू.बी., भारत द्वारा आयोजित किसान वैज्ञानिक बैठक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

5. 13.03.2019 प्लांट पैथोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत द्वारा आयोजित स्पॉन यूनिट का विकास और स्वचालित उत्पादन और मशरूम का प्रसंस्करण के लिए उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य करें।

6. 27.04.2018 अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम किसान वाणी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और फसल के बाद के रोगों और उनके प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।
7. 27.06.2018 दूरदर्शन शांति निकेतन चर्चा कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया और मशरूम खेती विषय पर चर्चा की।
8. 12.09.2018 अखिल भारतीय रेडियो प्रसारण कार्यक्रम किसान वाणी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और कीटों और कीटों के प्रबंधन के माध्यम से एकीकृत कीट प्रबंधन के माध्यम से व्याख्यान दिया

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों को डिजाइन करना।

प्लांट प्रोटेक्शन सिलेबस में एम. एससी (कृषि) को एग्रीकल्चरल एंटोमोलॉजी में एम. एससी (कृषि) और प्लांट पैथोलॉजी में एम. एससी (कृषि)) में सेमेस्टर सिस्टम के साथ, और इस साल अलग एम. एससी दो विषयों में डिग्री, अर्थात कृषि एंटोमोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी से सम्मानित किया जा रहा है।

पीएचडी के लिए नया पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम का काम विषय में ज्ञान की हाल ही में उन्नति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और पहले से ही सफलतापूर्वक पेश किया गया है।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में रिपोर्टिंग के लायक है, को शामिल किया जाना चाहिए।

प्रारंभ में कृषि विभाग और प्लांट पैथोलॉजी को 1965 से कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा सदन के तहत पढ़ाया जाता था, और इन दो प्रमुख विषयों के समामेलन से 1989 में कृषि संस्थान के भीतर एक अलग पौध संरक्षण विभाग बन गया।

2017 में, प्लांट प्रोटेक्शन प्रोग्राम को दो अलग-अलग पीजी डिग्री पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिए अलग-अलग किया गया है, जिसमें प्लांट पैथोलॉजी में कृषि एंटोमोलॉजी में एम. एससी (कृषि) और एम. एससी (कृषि) शामिल हैं। इसके बाद कृषि उद्यमिता विभाग और पादप रोग विज्ञान विभाग का गठन कृषि-विज्ञान और पादप रोग विज्ञान शिक्षण में उत्कृष्टता हासिल करने के साथ-साथ किसानों के लिए समस्या उन्मुख अनुसंधान आयोजित करने के उद्देश्य से विश्वभारती की अकादमिक परिषद में हल किया गया है।

विभाग के संकाय सदस्यों को एवीआरडीसी, ताइवान और बागवानी मिशन, सरकार से 4 प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रतिबंध प्राप्त हुए हैं। पश्चिम बंगाल का। उनमें से एक ने अपने सफल समापन के बाद अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की है। वर्तमान में विभाग कई उद्देश्यों के लिए एक समर्पित प्लांट हेल्थ क्लिनिक स्थापित करने की योजना बना रहा है: (क) आस-पास के क्षेत्रों के किसानों को एकल खिड़की समाधान प्रदान

करना; (बी) यूजी पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सेरीकल्चर के लिए एक समर्पित अनुभवात्मक इकाई स्थापित करने के लिए; (सी) शहतूत रेशम कीट के स्थानीय किसानों की माँग को पूरा करने के लिए; और (डी) कीट और रोग विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में सेवाएं प्रदान करने के लिए एंटोमोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी में रणनीतिक अनुसंधान करने के लिए।

मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विभाग

यूजीसी /सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रः

1. मो. निसाब सीपी (आईसीएआर नेट)
2. सास्वत कुंडू (आईसीएआर नेट)

विभागीय संगोष्ठी / सम्मेलन

1. 09.01.2018 मृदा परीक्षण के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य का शासन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। वक्ताः डॉ. आर.के. अवस्थी, जे.टी. निदेशक, आईसीएआर- नेशनल सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्मिंग, सिक्किम; प्रो. बिस्वपति मंडल, बिधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, मोहनपुर।
2. 28.09.2018 इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉयल साइंस जोनल अवार्ड और बेस्ट डॉक्टोरल प्रेजेंटेशनः 2018 ऑफ ईस्ट जोन परीक्षक (1) डॉ. कृष्णेंदु दास, प्रिंसिपल साइंटिस्ट, एनबीएसएसएलयूपी क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता; (2) डॉ. समर गंगोपाध्याय, प्रधान वैज्ञानिक, एनबीएसएसएलयूपी क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता; (3) डॉ. बी के अग्रवाल, प्रमुख वैज्ञानिक और विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला / प्रदर्शनी / विशोषज्ञ व्यक्ति

जी. के. घोष

1. 27.11.2018 मृदा विज्ञान में भारतीय समाज समाज का 83 वां वार्षिक सम्मेलन और मृदा विज्ञान में विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी - 2018 संयुक्त रूप से इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल साइंस, नई दिल्ली और आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद द्वारा आयोजित - 388110 (गुजरात) पेपर प्रस्तुत पश्चिम बंगाल की लाल और बाद की मिट्टी में मूंगफली (अरचिस हाइपोगेआ एल) की माइक्रोफ्लोरा पर जैव-उर्वरकों और फ्लुमायोज़ाज़िन का प्रभाव।

पी. के. विश्वास

i. 1-3.02.2019 पी. के. विश्वास कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका सुधार को बढ़ाने के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 1-3 फरवरी, 2019 का आयोजन ऑर्गनाइज्ड डिपार्टमेंट ऑफ एग्रोनॉमी, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि का संस्थान), विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, डब्ल्यूबी, भारत द्वारा किया गया। पेपर प्रस्तुत किया : विभिन्न मृदा शासनों के भौतिक-रासायनिक और माइक्रोबियल गुणों पर ग्लाइफोसेट का प्रभाव।

ii. 1-3.02.2019 पी. के. बिश्वास कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए स्थायी संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 1-3 फरवरी, 2019 का आयोजन ऑर्गनाइज्ड डिपार्टमेंट ऑफ एग्रोनॉमी द्वारा आयोजित, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि का संस्थान), विश्व-भवन, श्रीनिकेतन, डब्ल्यूबी, भारत। कागज प्रस्तुत कियाः नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम और सल्फर के विशेष संदर्भ के साथ बीरभूम जिले की मिट्टी की उर्वरता की स्थिति।

iii. 7-9.12.2018। पी. के. बिश्वास 7-9 दिसंबर, 2018 को दक्षिण 24 परगना के झरकहाली, बसंती में आयोजित, भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। पादप-संरक्षण विभाग (कृषि संस्थान) द्वारा आयोजित, विश्व-भारती, श्रीनिकेतन; टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता; हिरामनपुर कृषि-बागवानी सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट, बसंती, साउथ 24 परगना; एंड्रयूजपल्ली सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, जोगेशगंज प्रोजेक्ट, उत्तर 24 परगना। कागज प्रस्तुत कियाः ओकरा फल और पश्चिम बंगाल की लाल मिट्टी पर अवशेषों का विघटन।

एम. सी. कुंडू

i. 28.01.2019 एम. सी. कुंडू 28 जनवरी, 2019 को ए. के. दासगुप्ता केंद्र द्वारा योजना और विकास केलिए आयोजित सतत विकास की ओर दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पेपर प्रस्तुत कियाः पोटेशियम से प्रभावित मक्का की वृद्धि और अनाज उपज। पश्चिम बंगाल के लेटरिटिक बेल्ट में फ़रो सिंचाई प्रणाली का प्रबंधन।

ii. 13-14.04.2018 एम. सी. कुंडू डॉ. बी.आर अम्बेडकर की 127 वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी डॉ. बीआर अंबेडकर और सोशल इंजीनियरिंग एससी, एसटी द्वारा आयोजित, विश्वभारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संगठन द्वारा आयोजित, लिपिका, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 13-14 अप्रैल, 2018 को आयोजित किया गया। पेपर प्रस्तुत किया गयाः संरक्षण कृषिः कुंजी फसल उत्पादन में सुधार और मृदा स्वास्थ्य में सुधार।

iii. 16-18.11.2018 एम. सी. कुंडू 16-18 नवंबर, 2018 को जनसंपर्क कार्यालय, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा पर्यटन मंत्रालय, के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक पर्यटन के विकास में और शांतिनिकेतन और बीरभूम के आसपास पर अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय सम्मेलन। पेपर प्रस्तुत कियाः मूल लावा - अम्लीय लाल और बाद की मिट्टी की फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक कम लागत वाली सामग्री।

iv. 13-14.08.2018. एम. सी. कुंडू. 13-14 अगस्त को आयोजित कृषि और संबद्ध विज्ञानः उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कृषि विस्तार विभाग, बीसीकेवी, मोहनपुर,

नदिया, पश्चिम बंगाल, भारत और कृषि विज्ञान, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित। , 2018 में किसान अकादमी और कन्वेंशन सेंटर (लेक हॉल, कल्याणी), बीसीकेवी, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल, भारत। पेपर प्रस्तुत किया: मिट्टी की स्थिरता और कुल-संबद्ध कार्बन और परती भूमि की कुल-कार्बन।

प्रकाशन

गौतम कुमार घोष

शोध पत्रः

i. शॉन कुमार दास, गौतम कुमार घोष, आर. के. अवस्थी और माणिक चंद्र कुंडू (2018) मृदा संशोधन के रूप में उनके आवेदन के लिए बायोचार की तैयारी और विशेषता इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग 31 (1): 141-145। (आईएसएसएनः 0970-6429)

ii. स्वायंभु घोष, अनूप ज्योति गोस्वामी, गौतम कुमार घोष और प्रभा हैट प्रमानिक (2018) रेशेदार चाय फैक्ट्री कचरे के वर्मीकम्पोस्टिंग के दौरान फॉस्फोरस खनिज में फाइटस और फॉस्फेट एंजाइम की सापेक्ष भूमिका को निर्धारित करता है। पारिस्थितिक इंजीनियरिंग 116, 97-103./10.1016/2018.03.001

iii. रूपबकोर सी.वर्जरी, सयानमजुमदार, गौतम कुमार गौश और दिपांकर साहा (2019)। मेघालय, भारत के पहाड़ी क्षेत्र में चावल मिट्टी का एकीकृत पोषक प्रबंधन।

iv. कस्तूरी सेन बेउरा, अमित कुमार प्रधान, जी.के. घोष और अंशुमान कोहली (2019)। चावल द्वारा उगाई गई मिट्टी के पोषक तत्वों और फास्फोरस पर समृद्ध कम्पोस्ट और माइक्रोबियल इनोक्युलेंट्स का संयुक्त प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेस 8 (02): 176-181। (आईएसएसएनः 2319-7706)

v. मणिशंकर बेरा, जी. के. घोष, सुचंदा मंडल, पाबित्रा कुमार विश्वास और माणिक चंद्र कुंडू (2019) बोरो राइस के यील्ड को पश्चिम बंगाल, भारत की लेटरी मिट्टी में एकीकृत पोषक प्रबंधन द्वारा प्रभावित किया गया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेस 8 (1): 1743-1754। (आईएसएसएनः 2319-7706)

vi. साई परासर दास, गौतम कुमार घोष, सुचंदा मंडल, पबित्र कुमार विश्वास और माणिक चंद्र कुंडू (2019) प्लांट ग्रोथ पैरामीटर्स और मृदा पोटेशियम पूल खरीफ सीजन चावल में पोटेशियम निषेचन के प्रभाव के रूप में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेस 8 (3): 1547-1553। (आईएसएसएनः 2319-7706)

vii. नितिन चटर्जी, गायत्री साहू और गौतम कुमार घोष (2019) पश्चिम बंगाल के रेड और लेटेरिटिक मृदाओं में नाइजर (गुइज़ोटिया एबिसिनिका) पर संतुलित पोषक प्रबंधन का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेस 8 (5): आईएसएसएन 1039-1049।

पाबित्रा कुमार विश्वास

शोध पत्र

i. साहू, जी.सी., संतरा, जी.एच., विश्वास, पी.के और मिश्रा, एस (2018)। ओडिशा की लाल मिट्टी में सरसों (ब्रैसिका कैंपेस्ट्रिस वेर टोरिया) की उपज, गुणवत्ता और अर्थशास्त्र पर खुराक और सल्फर के स्रोत का प्रभाव पौधों और मृदा अनुसंधान 20 (1) का इतिहासः 46-51

ii. सोमी मुखोपाध्याय, पाबित्रा कुमार विश्वास, सप्तदीप मंडल और श्रेया मंडल (2018)। मक्का (ज़ेडा मेयर्स) के यील्ड और यील्ड एट्रीब्यूट्स ऑन सॉइल के फॉस्फोरस फिक्सिंग कैपेसिटी की ग्रेडेड संतृप्ति का प्रभाव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चर, एनवायरनमेंट एंड बायोटेक्नोलॉजी 11 (3): 451-457।

iii. आलोक पुरकीत, दीपक कुमार हाजरा, पबित्र कुमार विश्वास और आशिम चौधरी वैज्ञानिक अध्ययन और विकास वॉल्यूम में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेंड में क्ले लोम मिट्टी में एंजाइमिक गतिविधियों पर इमीडाक्लोप्रिड के प्रभाव का अध्ययन करता है। अंकः 2, जनवरी (2019)।

iv. मुखोपाध्याय सौमी और बिस्वास पी.के. (2019)। इमर्जिगपेयर 10 एसएल का प्रभाव मिट्टी के सूक्ष्म जीव और मिट्टी के भौतिक रासायनिक गुणों पर इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर) वॉल्यूम। 6 अंक 2: 504-510

v. आलोक पुरकीत, दीपक कुमार हाजरा, पाबित्रा कुमार विश्वास और आशिम चौधरी (2019)। वैज्ञानिक अध्ययन और विकास वॉल्यूम में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेंड में क्ले लोम मिट्टी में एंजाइमिक गतिविधियों पर इमीडाक्लोप्रिड के प्रभाव का अध्ययन करता है। 3, अंकः 2, जनवरी-फरवरी। 2019, पृ. 517-524

vi. अयान मुखर्जी, सौमेन साहा, सौरव घोष, आलोक पुरकित, पाबित्र कुमार विश्वास और रामेन कुमार कोले (2019)। मेसोपोरस एल्युमिना द्वारा कीटनाशक अवशेषों को पानी से निकालना इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ केमिकल स्टडीज वॉल्यूम। 7 (3): पृ. 1719-1725

सुचंदा मंडल

शोध पत्र

i. निर्मला कुमारी, सुचंदा मंडल, प्रभाकर महापात्रा, थुनाओजम थॉमस मीटिए और युनाम बिजिलक्ष्मी देवी (2019) चिकीपे के यील्ड पर बायोफर्टिलाइज़र और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का प्रभाव। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज 8 के जर्नल (1): 2389-2397।

वाई वासुदेव राव

i. वाई. वासुदेव राव, मेरिन राजू क्रोटन बोनप्लैंडियनमः एंटीऑक्सिडेंट, प्रोटीज, कैटलस और पेरोक्सीडेस गतिविधियों। जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल एंड केमिकल रिसर्च 2018; 35 (1): 183-193. आईएसएसएनः 0970-4973; ईआईएसएसएन : 2319-3077।

ii. वाई. वासुदेव राव मुरेनी एंटीबॉडी प्रतिक्रिया के मॉडुलन पर विभिन्न संयंत्र स्रोतों की स्क्रीनिंग जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल एंड केमिकल रिसर्च 2018; 35 (1): 209-213. आईएसएसएनः 0970-4973; ईआईएसएसएनः 2319-3077।

मानिक चंद्र कुंडू

शोध पत्र

i. सुमेध आर. काशीवार, उषा आर. डोंगरवार, माणिक चंद्र कुंडू, दिलीप कुमार, लोपचंद डोंगरवार, सुदर्शन अवतडे और हेमकल्याण वर्मा (2018) भंडारा (महाराष्ट्र) के दीर्घकालिक उपयोग वर्षाशीलता का मूल्यांकन, भारत जीआईएस का उपयोग करना। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 7 (7): 3846-3854। आईएसएसएनः 2319-7706)

ii. सुमेध आर. काशीवार, उषा आर. डोंगरवार, मानिक चन्द्र कुंडू, सुदर्शन अष्टादे, दिलीप कुमार, लोपचंद डोंगरवार और हेमकल्याण वर्मा 2018. भंडारा जिले के ऊपर वर्षा डेटा का जीआईएस मैपिंग। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 7 (8): 555-564। (आईएसएसएनः 2319-7706)

iii. थुनाओजम थॉमस मीटीई, एम.सी. कुंडू, युमनाम बिजिलक्ष्मी देवी, निर्मला कुमारी और सपम राजेशकुमार। (2019)। मणिपुर के विभिन्न वन आवरण के तहत मिट्टी कार्बनिक कार्बन प्रतिक्रियाएंः एक समीक्षा। वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल। 8 (2): 2 634-2641। आईएसएसएनः 2319-7706)

पुस्तक अध्याय

i. एम. सी कुंडू, कौशिक मन्ना, बिप्लब साहा और जी. के. घोष (2018)। जूट एग्रोटेक्स्टाइल मल्च फसल की उपज को बढ़ाता है, मिट्टी की नमी को संरक्षित करता है, खरपतवार की वृद्धि को रोकता है और मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करता है। किशोर चंद्र की आय, किशोर कुमार चटर्जी और पी कंदासामी द्वारा संपादित डबिंग किसान की आय के लिए कृषि में अग्रिम प्रौद्योगिकी नई दिल्ली प्रकाशक, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली -110059। पृ.125-131। (आईएसबीएनः 978-93-86453-61-7)।

ii. सुमेध आर. काशीवार, एम. सी. कुंडू, यू आर डोंगरवार और एस. अवताडे (2018)। मृदा क्षरण जोखिम के आकलन के लिए विशेष संदर्भ के साथ कृषि में भौगोलिक सूचना प्रणाली का अनुप्रयोग। किशोर चंद्र की आय, किशोर कुमार चटर्जी और पी। कंदासामी द्वारा संपादित डबिंग किसान की आय के लिए कृषि में अग्रिम प्रौद्योगिकी। नई दिल्ली प्रकाशक, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली -110059। पृ. 141-151। (आईएसबीएनः 978-93-86453-61-7)।

iii. डी डे, एन. साहा और एम. सी. कुंडू. (2018) जैविक खेती प्रणाली के तहत फास्फोरस माइक्रोबायोलॉजी किशोर चंद्र , किशोर कुमार चटर्जी और पी. कंदासामी द्वारा संपादित डबिंग किसान की आय के लिए कृषि में अग्रिम प्रौद्योगिकी नई दिल्ली प्रकाशक, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली - 110059। पृ. 309-316 (आईएसबीएनः 978-93-86453-61-7)।

iv. डी. डे. एम.सी. कुंडू और एन. साहा (2019)। मृदा प्रबंधन के लिए स्वदेशी तकनीकी ज्ञान-त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में सक्रिय चट्टोपाध्याय, पी के और कुशवाहा, डीएस, रेनू पब्लिशर्स, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली -110 059. पृ. 83-90 द्वारा संपादित सतत विकास के दृष्टिकोण। (आईएसबीएन): 978-81-937260-6 -8)।

v. एम सी कुंडू, पी. के. विश्वास, सुचंदा मंडल, डी. डे और जी. के. घोष (2019)। वर्मीकम्पोस्टिंग - सतत फसल उत्पादन और ग्रामीण विकास के लिए जैविक कचरे के पुनर्चक्रण का एक पर्यावरण-अनुकूल उपकरण। चट्टोपाध्याय, पी. के और कुशवाहा, डी. एस., नई दिल्ली पब्लिशर्स, 90, सैनिक विहार, मोहन गार्डन, नई दिल्ली -110 059. पृ. 29-36 भारत में सतत विकास के मुद्देः वर्तमान समस्याएं और भविष्य के परिप्रेक्ष्य। (आईएसबीएनः 978-93-86453-44-0)

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएंः

गौतम कुमार घोष, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना 2016 के बाद से, केंद्रीय प्रायोजित रु.1.00 करोड़

अकादमिक भेद

ए. के. चटर्जीः

i. विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

जी.के. घोष

i. अध्यक्ष, ग्रामीण जैव प्रौद्योगिकी, डीबीटी (पश्चिम बंगाल सरकार)

ii. विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

पी. के. विश्वास

i. निम्नलिखित समाजों के आजीवन सदस्य

ए. द वेसलिन जर्नल ऑफ रिसर्च, क्रिस्टन कॉलेज, बांकुरा के आजीवन सदस्य

बी. द इंडियन सोसाइटी ऑफ पल्सेस रिसर्च एंड डेवलपमेंट के आजीवन सदस्य

सी. द इंडियन सोसाइटी ऑफ कोस्टल एग्रीकल्चरल रिसर्च के आजीवन सदस्य

डी. जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान सोसायटी के जीवन सदस्य

ई. द क्रॉप एंड वीड साइंस सोसायटी के जीवन सदस्य

एफ. द इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के सदस्य

जी. द इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी के आजीवन सदस्य

एच. द सोसाइटी ऑफ पेस्टिसाइड साइंस का जीवन सदस्य

आई. द इंडियन सोसायटी ऑफ वीड साइंस के आजीवन सदस्य

जे. इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल साइंस के सदस्य

एम. सी. कुंडू

i. पर्यावरण, निगरानी और आकलन (स्प्रिंगर) जैसे अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक

ii. निम्नलिखित समाजों के आजीवन सदस्यः

ए. इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, कोलकाता

बी. इंडियन सोसाइटी ऑफ कोस्टल एग्रीकल्चरल रिसर्च, कैंनिंग टाउन, पश्चिम बंगाल

सी. कृषि नवाचारों की प्रगति के लिए समाज, त्रिपुरा, भारत

डी. इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल साइंस के सदस्य

एस. मंडल

i. विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

वाई वी राव

i. विभिन्न समाजों के आजीवन सदस्य

बागवानी और फसल प्रबंधन विभाग

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी

गौतम मंडल

1. 3-4 सितम्बर 2018: विश्व-भारती शांतिनिकेतन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत में बेंजीनडेनिन के प्रभाव और गर्म पानी के उपचार पर गुणवत्ता और शेल्फ-लाइफ को बढ़ाने के लिए शोध पत्र प्रस्तुति।
2. 7-9 दिसंबर 2018: पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में आयोजित भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव-विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, आम के जीवन पर 'सोडियम हाइपोक्लोराइट का प्रभाव और बेंज़िलडाईन' पर शोध पत्र प्रस्तुति।
3. 17-21 जनवरी 2019: 8 वीं भारतीय बागवानी कांग्रेस -2019 का आयोजन हॉर्टिकल्चर सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया, शोध पत्र प्रस्तुति, स्वच्छता के उपरांत उपचार के प्रभाव, 6- बेंज़िलडेनिन और भंडारण गुणवत्ता पर गर्म पानी लैंग्रा मैंगो का और पूर्वी भारत के शुष्क पार्श्व क्षेत्र के अंतर्गत लीची की खेती का प्रदर्शन।
4. 1-3 फरवरी, 2019: विश्व-भारती में कृषि आय, पोषण सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'ईस्टर्न इंडिया के रेड लेटरिटिक ज़ोन के गोल्डन ऐप्पल' पर श्रीनिकेतन शोध पत्र प्रस्तुति फेरॉक्स सेलिसब। मणिपुर का एक संभावित माइनर एक्वाटिक फ्रूट क्रॉप', 'मंकी जैक फ्रूट के पोषण और औषधीय महत्व पर एक समीक्षा' और 'पश्चिम बंगाल के रेड लेटरिटिक ज़ोन में व्हाइट फ्लेशेड वॉटर ऐप्पल की परिपक्वता सूचकांक' (सिज़ेगियम अकुम का निर्धारण)

जॉयदीप मंडल

1. 13-14 अप्रैल, 2018: राष्ट्रीय संगोष्ठी बी. आर. अम्बेडकर और सोशल इंजीनियरिंग; विश्वभारती के सहयोग में विश्व-भारती के एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा आयोजित; पश्चिम बंगाल के लेटराइट ज़ोन के तहत कुछ वनस्पति सिट्रालस जीनोटाइप्स के प्रदर्शन पर एक प्रस्तुति दी।
2. 9 दिसंबर, 2018: भारत में मांसाहारी और शाकाहारी खाद्य उत्पादन के सामाजिक-आर्थिक और स्वास्थ्य प्रभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एमिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित; एक प्रस्तुति दी
3. 17 - 21 जनवरी, 2019. 8 वीं भारतीय बागवानी कांग्रेस: 17-21 जनवरी 2019 को इंदिरा गांधी

कृषि विश्व विद्यालय, छत्तीसगढ़ में भारतीय बागवानी का भविष्य; पूर्वी भारत के पार्श्व बेल्ट के तहत प्याज सेट उत्पादन पर एक प्रस्तुति दी।

प्रहलाद देब

1. 7- 9 दिसंबर 2018: भारतीय सुंदरवन में आजीविका संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कम तापमान भंडारण की स्थिति के तहत चिटोसन लेपित सैपोटा फलों के पकने व्यवहार पर पेपर प्रस्तुत किया।
2. 1-3 फरवरी 2019: कृषि आय बढ़ाने के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय सुरक्षा और आजीविका में सुधार; पपीते के बीज अंकुरण पर बीज पूर्व उपचार के प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. 23-24 मार्च 2019: आधुनिक जीवविज्ञान में प्रवृत्तियों पर कार्यशाला सह राष्ट्रीय संगोष्ठी: तकनीक और अनुप्रयोग; सपोटा फलों के भंडारण व्यवहार पर विभिन्न रसायनों उपचार के प्रभाव पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजना

जॉयदीप मंडल

1. 2018-19 के दौरान ऑर्गेनिक एग्रोइंडिया, कोलकाता द्वारा प्रायोजित विभिन्न सब्जी फसलों पर जैविक खाद के रूप में सबुज गोल्ड के प्रदर्शन का मूल्यांकन शीर्षक के सह-अनुसंधान परियोजना के सह-पीआई के रूप में।

प्रहलाद देब

1. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और बागवानी, के माध्यम से राष्ट्रीय बागवानी मिशन द्वारा वित्त पोषित लीफ टिश्यू एनालिसिस लैबोरेटरी नामक पीआई ले जाने वाली परियोजना। 2014 के बाद से पश्चिम बंगाल सरकार की कुल धनराशि (20,00,000/-)।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया जाता है।

गौतम मंडल

1. 27 अप्रैल 2018: कृषि, खाद्य और संबद्ध व्यवसाय, भारतीय वाणिज्य मंडल आईसीसी टॉवर, 4 इंडिया एक्सचेंज प्लेस कोलकाता-700001 द्वारा आयोजित खाद्य प्रसंस्करण कॉन्क्लेव -2018, कोलकाता में व्याख्यान दिया गया। बागवानी क्षेत्र के लिए उपलब्ध लागत फसल उपरांत प्रौद्योगिकी

2. 20 सितंबर 2018: पश्चिम बंगाल के बागवानी विभाग की दीक्षा मल्हारपुर बीरभूम किसानों में 19 - 20 वीं सितंबर 2018 के दौरान बागवानी फसलों में प्रौद्योगिकी की उन्नति पर जिला स्तरीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया। संकल्पना और पोस्ट फसल प्रबंधन के प्रमुख फल और सब्जियां
3. 30 अक्टूबर 2018: जिला स्तरीय सहकारी प्रबंधक और अध्यक्ष के लिए नाबार्ड, बोलपुर में व्याख्यान दिया गया। पश्चिम बंगाल में बागवानी की क्षमता पर

जॉयदीप मंडल

1. 29 जनवरी 2019: कृषि विभाग, पीएसबी, विश्वभारती द्वारा आयोजित कृषि आय, राष्ट्रीय सुरक्षा और आजीविका में सुधार के लिए सतत संसाधन प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान किसान-वैज्ञानिक बैठक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में किसानों के साथ बातचीत।
2. 19 सितंबर 2018: 19-20 सितंबर, 2018 को रोड मैप्स पर उप-निदेशक, सूरी, बीरभूम के कार्यालय द्वारा आयोजित बीरभूम जिले के लाल बाद की मिट्टी में बागवानी पर दो दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

टेलीविजन कार्यक्रम और रेडियो वार्ता:

गौतम मंडल

1. 18 अगस्त 2018: फलों की खेती और इसकी देखभाल पर लाइव रेडियो कार्यक्रम

प्रहलाद देब

1. 14 अगस्त 2018: रेडियो कार्यक्रम (प्रसार भारती, ऑल इंडिया रेडियो, शांति निकेतन) किशन वाणी में पाइनएप्पल कल्टीवेशन शाम 6.30 बजे

विभाग के शिक्षकों / विद्वानों द्वारा समग्र रूप से प्राप्त शैक्षणिक अंतर (जैसे मान्यता के रूप में डी.एस.ए. या सी.एस.ए. आदि)।

पार्थ सारथी मुंसी

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के जीवन सदस्य

1. इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन।
2. एग्रीकल्चर सोसायटी ऑफ इंडिया।
3. बागवानी की उन्नति के लिए सोसाइटी।
4. इंडियन एसोसिएशन ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज।
5. उड़ीसा बागवानी सोसायटी।

6. हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी ऑफ इंडिया।
7. भारतीय बागवानी बागवानी सोसायटी।
8. द एसेंशियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इंडिया।
9. बागवानी को बढ़ावा देने के लिए समाज।
10. इंटरनेशनल सोसायटी फॉर हॉर्टिकल्चर साइंस
11. इंटरनेशनल जर्नल हॉर्ट साइंस का समीक्षक।

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के जीवन सदस्य

1. बागवानी की उन्नति के लिए सोसाइटी, मोहनपुर, डब्ल्यू.बी.।
2. इंडियन सोसायटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी, यू.पी.
3. सीड साइंस सोसाइटी ऑफ़ बांग्लादेश, मायमोंसिंघा, बांग्लादेश।
4. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट
5. कर्नाटक हॉर्टिकल्चर सोसायटी, अरबवी, कर्नाटक

गौतम मंडल

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के जीवन सदस्य

1. भारतीय बागवानी सोसायटी
2. द इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन
3. बागवानी की उन्नति के लिए सोसायटी
4. भारतीय बागवानी सोसायटी
5. भारतीय कृषि इंजीनियरों की सोसायटी
6. जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

जयदीप मंडल

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के जीवन सदस्य

1. भारतीय बागवानी सोसायटी, नई दिल्ली।
2. इंडियन सोसायटी ऑफ वेजिटेबल साइंस, वाराणसी, यू.पी.

3. बागवानी की उन्नति के लिए सोसायटी, मोहनपुर, डब्ल्यू.बी।
4. उड़ीसा बागवानी सोसायटी, भुवनेश्वर, ओडिशा।
5. इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग, बारापानी, मेघालय।
6. बीज विज्ञान सोसायटी ऑफ़ बांग्लादेश, मेमनसिंघा, बांग्लादेश।
7. कूच बिहार कृषि विज्ञान संस्थान, कूच बिहार, डब्ल्यू.बी.
8. बायोसाइंसेज एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी, मेरठ, यूपी।
9. कर्नाटक हॉर्टिकल्चर सोसायटी, अरबवी, कर्नाटक।
10. इंडियन सोसाइटी ऑफ एलियम, आईसीएआर-डीओजीआर, राजगुरुनगर, पुणे
11. प्राप्त बकाया पेपर पुरस्कार (राज्य स्तर, पश्चिम बंगाल सरकार); स्मरणिका मोहंता और जॉयदीप मंडल। 2019. वनस्पति सिट्रालस में विविधता पर अध्ययन। : 26 वें पश्चिम बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 28 फरवरी - साइंस सिटी, कोलकाता में 1 मार्च 2019। (स्मरणिका मोहनता द्वारा प्रस्तुत; रिसर्च स्कॉलर)
12. प्राप्त बकाया कागज पुरस्कार; स्मरणिका मोहंता और जॉयदीप मंडल। 2018. वनस्पति सिट्रालस में विविधता का अध्ययन। प्रस्तुत है: तीसरा क्षेत्रीय स्तर विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (पश्चिमी क्षेत्र)। 20-21 दिसंबर 2018 को सिधो-कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया द्वारा आयोजित। (वर्तमान में स्मालिका मोहंता; रिसर्च स्कॉलर);
13. प्राप्त सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार (रैंक प्रथम); वाई इंद्राणी देवी, एम आर साहू, जोयदीप मंडल, एम दास गुप्ता, आई एम सिंह हाइब्रिड बीजों का विकास (कोलोकेसिया एस्कुलेंटा एल शोट) और हाइब्रिड प्रोटीनों का मूल्यांकन। प्रस्तुत : इंडियन सोसाइटी ऑफ सीड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित नॉर्थ ईस्टर्न एंड अनरिच्ड रीजनः प्रॉब्लम्स, सीड सिस्टम्स को मजबूत बनाना पर राष्ट्रीय सेमिनार, 14. हॉर्ट फलोरा रिसर्च स्पेकटम पत्रिका में संपादकीय बोर्ड (2018) में संपादक (वनस्पति विज्ञान) के रूप में नामांकित।
15. जर्नल हॉर्ट फलोरा रिसर्च स्पेकटम (बायोसाइंसेज एंड एग्रीकल्चर एडवांसमेंट सोसाइटी) में शोध पत्रों की समीक्षा।

प्रहलाद देब

निम्नलिखित पेशेवर समाजों के जीवन सदस्यः

1. भारतीय बागवानी सोसायटी, नई दिल्ली

2. बागवानी के लिए सोसायटी, बैंगलोर
3. फ्रूट साइंस सोसाइटी ऑफ बांग्लादेश, ममेन सिंह, बांग्लादेश
4. हॉर्ट फ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश
5. फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, बीसीकेवी, नादिया, डब्ल्यूबी
6. जर्नल ऑफ बायो-रिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, कोलकाता
7. जैव संसाधन, पर्यावरण और कृषि अनुसंधान के लिए सोसायटी
8. माइनर फ्रूट्स, औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी के संस्थापक सदस्य, हकः श्रीलंका
9. सदस्य, संपादकीय बोर्ड, मामूली फल, औषधीय और सुगंधित पौधों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
10. हॉर्टिक के लिए इंटरनेशनल सोसायटी के सदस्य, बेल्जियम

प्रकाशन

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

शोध पत्र

1. गस्ती, वी. डी. और चक्रवर्ती, एस. (2019) मिर्च लहसुन इंटरक्रॉपिंग सिस्टम में एकीकृत खरपतवार प्रबंधन वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल 8 (01): 3100-3110. आईएसएसएन नंबर: 2319-7706
2. गिली, वी डी और चक्रवर्ती, एस (2019) रासायनिक खरपतवार नियंत्रण में मिर्च प्याज इंटरचेंजिंग सिस्टम वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंसेज के इंटरनेशनल जर्नल 8 (01): 3111-3121. आईएसएसएन नं .: 2319-7706
3. गस्ती, वी डी और चक्रवर्ती, एस (2019) मिर्ची में धनिया खरपतवार प्रबंधन की प्रभावकारिता धनिया इंटरप्रोपिंग प्रणाली रासायनिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 7 (1): 2530 - 2535. आईएसएसएन नंबर: 2349-8528।
4. बी.वी. जी. प्रसाद, एस. चक्रवर्ती, पी. गण्डधारा राव और पी. देब (2018) बादी की स्थिति में पालक की बीट (बीटा वल्गेरिस वेर बेंगालेंसिस होर्ट) पर कटाई के बाद के उपचार और पैकेजिंग का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 7 (11): 711-720। आईएसएसएन : 2319-7706।
5. करक, पी के चक्रवर्ती, एस; परिहारी, ए. और करक, सी (2018) विकास पर विकास नियामकों का

प्रभाव पश्चिम बंगाल की खारी पट्टी में मिर्च की पैदावार और गुणवत्ता। 19 (2): 249 - 253. आईएसएसएन नंबर: 0972-3226

गौतम मंडल

शोध पत्र

1. जांगिड जी, मंडल जी, मंडल कमल कुमार और रॉकी थॉकचोम (2018)। फलों की अवधारण, उपज और गुणवत्ता में सुधार के लिए पादप विकास नियामकों के पत्ते का आवेदन। एनए-7. फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री जर्नल 7 (3): 21-26। (ई-आईएसएसएन: 2278-4136 पी-आईएसएसएन: 2349-8234)
2. रॉकी थॉकचोम और मंडल, जी (2018) एनोनला सीवी के भंडारण व्यवहार पर विभिन्न पोस्टहार्ट उपचारों का प्रभाव। चकाई। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन जर्नल (2): 269-273 10.23910/ 2018.9.2.1849)।
3. निर्मला प्रभु रेशमी, मंडल जी और थोचोम रॉकी (2018)। प्रसंस्कृत इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेस 7 (8): 1438-1446 की गुणवत्ता पर नमक के घोल और सुखाने के तरीकों के पूर्व-उपचार का प्रभाव। (आईएसएसएन : 2319-7706)।
4. मंडल जी. और रॉकी थोकचोम (2018) पूर्वी भारत के पार्श्व क्षेत्र में उच्च घनत्व वाले बाग के लिए विभिन्न आम (मंगिफेरा इंडिका) की किस्मों। कृषि विज्ञान के जर्नल .88 (12): 1836-38।
5. खुशबू कुमारी, मंडल जी, श्वेत प्रभा और स्नेहा (2018)। प्रसंस्करण और गुणवत्ता विशेषताओं पर अध्ययन। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री की पत्रिका: 1330-1334 (ई-आईएसएसएन: 2278-4136 पी-आईएसएसएन: 2349-8234)।
6. रॉकी थॉकचोम और मंडल जी (2019)। आम का सी.वी. लैंगरा विभिन्न पोस्टहर्स्ट उपचारों से प्रभावित हैं रासायनिक अध्ययन 7 (1) के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल: 2167-2172।
7. रॉकी थॉकचोम और मंडल जी (2019)। आम के फिजियोचैरेपिस्टिक्स पर ऑक्टेक्टॉफ पोस्टहार्ट ट्रीटमेंट। फार्माकोग्नोसोजी एंड फाइटोकेमिस्ट्री 8 (1): 2239-2303 (ई-आईएसएसएन: 2278-4136 पी-आईएसएसएन: 2349-8234)।

पुस्तक अध्याय

1. रॉकी थोकचोम और गौतम मंडल 2018। कीवी फ्रूट: नॉर्थ ईस्ट इंडिया में एक उभरते संभावित फल फसल की समीक्षा, ह्यूमन राइट्स और सामाजिक न्याय यात्रा कार्यक्रम और सम्मेलन में भोलानाथ मोदल, अदानी लोहो और गौतम मंडल द्वारा संपादित नई दिल्ली के लिए प्रकाशित : 7/28, वरदान

हाउस, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली -110002 ब्रांच ओएफसी: 216, फ्लैट- जीसी, ग्रीन पार्क, नरेंद्रपुर, कोलकाता, पीपी 81 - 92 (आईएसबीएन: 978-93-86453-48-8)।

जॉयदीप मंडल

शोध पत्र

1. जॉयदीप मंडल, एन.एस. संगमा, एस. मोहनता और आर अजगली 2018. सेट उत्पादन के लिए कुछ प्याज (एलियम सेपा एल) की खेती का प्रदर्शन फसल और खरपतवार का जर्नल, 14 (2): 97-104। पी आईएसएसएन: 0974-6315; ई आईएसएसएन: 2349-9400
2. जॉयदीप मंडल, पी आचार्य, डब्ल्यू. डी. सिंह और एस. मोहनता 2018. प्याज (एलियम सीपा एल) की खेती के सेट उत्पादन पर अध्ययन। एलियम रिसर्च जर्नल, 1 (1): 28-31।
3. एम. तिरुमलेश और जॉयदीप मंडल 2018. बोतल लौकी का मूल्यांकन लगनेरिया सिसरिया स्टैंडल पश्चिम बंगाल में रेड और लेटराइट ज़ोन में पोस्ट-बरसात के मौसम के दौरान जीनोटाइप। फसल और खरपतवार का जर्नल, 14 (3): 185-188। पी आईएसएसएन: 0974-6315; ई आईएसएसएन: 2349-9400
4. एस शील, जॉयदीप मंडल और एस पी दास 2018. शून्य ऊर्जा शांत कक्ष के तहत त्रिपुरा के चार स्थानीय मिर्च (शिमला मिर्च फ्रूटसेन) जीनोटाइप के पोस्टहार्ट क्वालिटी का मूल्यांकन। फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री के जर्नल, 7 (3): 3698-3702।
5. रंजन कुमार सिंह, जॉयदीप मंडल और बिकास दास 2018. छोटोनगपुर पठारी क्षेत्र में चिरोंजी नट (बुकाननिया लजानन) के वर्तमान व्यवहार पर अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड अप्लाइड साइंसेस, 7: 4680-4684। आईएसएसएन: 2319-7706
6. जॉयदीप मंडल 2018. पियाजर बीजे उत्पदोन मौमचिर भौमिका (उस्का में)। कृषि जगोरोन, 11: 18-23।
7. एम धर, जॉयदीप मंडल, टी. के. माइती और एस. मोहनता। 2019. विभिन्न रोपण तिथियों के अंतर्गत खरीफ प्याज (एलियम सेपा एल) किस्मों का मूल्यांकन फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री जर्नल, 8 (2): 1317-1321। ई-आईएसएसएन: 2278-4136; पी-आईएसएसएन: 2349-8234; प्रभाव कारक: आरजेआईएफ 5.52
8. जॉयदीप मंडल और स्मारिका मोहंता 2019. पूर्वी भारत के लेटेरिटिक बेल्ट के तहत कुछ टिंडा प्रिकिटरुलस फिस्टुलोसस (स्टॉक्स) पैंगालो जीनोटाइप्स का फील्ड असेसमेंट। वनस्पति विज्ञान, 45 (1): 287-290। प्रिंट आईएसएसएन: 0970-6585; ऑनलाइन आईएसएसएन: 2455-7552

शोध पत्र

1. देब, प्रह्लाद और गौतम, एस. (2018) कम तापमान भंडारण की स्थिति के तहत चिटोसन लेपित सपोटा फलों के पकने का व्यवहार; वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंस; 7 (10): 2784-2790
2. रहीम, अकुला, देब, प्रह्लाद और रेशमी, निर्मला पी. (2018) भंडारण के दौरान अनानास फलों के आसमाटिक निर्जलीकरण पर विभिन्न चीनी सिरप सांद्रता का प्रभाव; इंट, जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज; 6 (6): 1782-1786
3. पाल, रंजीत, देब, पी. और घोष, एस. एन. (2018) पश्चिम बंगाल में वाणिज्यिक खेती के लिए कुछ अंगूर की खेती का प्रदर्शन; इंट जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन जर्नल; 9 (5): 568-572
4. दास, रतन और देब, प्रह्लाद (2018) प्याज के बीज अंकुरण और अंकुर शक्ति पर चांदी के नैनोकणों का प्रभाव; इंट रासायनिक अध्ययन जर्नल; 6 (3): 427-430
5. रहीम, अकुला, देब, प्रह्लाद और रेशमी, निर्मला पी (2018) भंडारण के दौरान विभिन्न चीनी सांद्रता वाले आसमाटिक निर्जलित अनानास स्लाइस के गुणवत्ता विश्लेषण पर अध्ययन; फार्मा इनोवेशन जर्नल; 7 (12): 159-162
6. बारेली, पी और देब, पी (2018) अनानास की उपज और जैव रासायनिक मापदंडों पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का प्रभाव फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री के जर्नल; 7 (5): 1339-1342
7. कुमारी, स्वेता, रघुपति, बी.डी., कुमारी, सारिका और देब, प्रह्लाद। (2018) ट्यूबरोज़ का मूल्यवर्धन सी.वी. खाद्य डाई के साथ रंग करके कलकत्ता डबल कट फ्लावर; रासायनिक विज्ञान की समीक्षा और पत्र; 7 (25): 158-164
8. कुमारी, स्वेता, रघुपति, बी.डी., कुमारी, सारिका और देब, प्रह्लाद। कटे हुए ट्यूबरोज़ के कलश जीवन पर विभिन्न परिरक्षकों का प्रभाव प्रज्वल; अंतराष्ट्रीय पत्रिका जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन; 7 (1): 1651-1657
9. कुमारी, स्वेता और देब, प्रह्लाद (2018) ट्यूबरोज़ के मूल्य वर्धन पर टिनिंग का प्रभाव (पोलिंथेस ट्यूबरोसा एल।) सी.वी. कलकत्ता सिंगल; वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंस के अंतराष्ट्रीय पत्रिका; 9 (3): 314-322
10. बरेली, पी. और देब, पी. (2018) अनानास (सी.वी. केव), इंट की वृद्धि और उपज पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन का प्रभाव। रासायनिक अध्ययन जर्नल; 6 (5): 1691-1695
11. श्वेत प्रभा, कुमारी, खुशबू और देब प्रहलाद (2018) अनानास के भौतिक-रासायनिक गुणों पर फलों

के पकने का प्रभाव। मॉरीशस; वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंस के अंतराष्ट्रीय पत्रिका; 7: 7876-4885

12. कुमारी, उषा और देब प्रह्लाद (2018) अनानास के भौतिक मापदंडों पर जस्ता और बोरान के पर्ण आवेदन का प्रभाव। मॉरीशस; वर्तमान माइक्रोबायोलॉजी और एप्लाइड साइंस के अंतराष्ट्रीय पत्रिका; 7: 397-402

13. कुमारी, उषा और देब प्रह्लाद (2018) अनानास की गुणवत्ता पर जस्ता और बोरान के पत्ते के अनुप्रयोग का प्रभाव। मॉरीशस; फार्माकोग्नॉसी और फाइटोकेमिस्ट्री जर्नल; 7 (6): 1166-1168

14. देब, प्रहलाद और गौतम, एस। (2018) सपोटा के भंडारण व्यवहार पर पैकेजिंग का प्रभाव (अक्रस ज़पोटा एल।) फल (सीवी। क्रिकेट बॉल)। जैव संसाधन, पर्यावरण और एग्रील जर्नल। विज्ञान; 3 (4): 650-655

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों को डिजाइन करना।

डॉ. जॉयदीप मंडल ने एक मॉडल किचन गार्डन विकसित और बनाए रखा है, जो यूजी और पीजी व्यावहारिक वर्गों को लेने और किसानों और किसानों के खेत में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अत्यधिक उपयोगी साबित होता है।

कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र

विभागीय संगोष्ठी

10-11 जनवरी 2019 के दौरान कृषि-आर्थिक नीति और अनुसंधान पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन, सभी 15 कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्रों / इकाइयों और कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रबंधन केंद्र में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। कृषि में, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद।

उक्त सम्मेलन में निम्नलिखित अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया और पत्र प्रस्तुत किए:

i. श्री देबांशु मजुमदार, सीनियर रिसर्च एसोसिएट

ii. श्री काली शंकर चट्टोपाध्याय, सीनियर रिसर्च एसोसिएट

iii. श्री विवेकानंद दत्ता, सीनियर रिसर्च एसोसिएट

iv. श्री अशोक सिन्हा, सीनियर रिसर्च एसोसिएट

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं :

क्र.सं.	को-ऑर्डिनेटर/ टीम लीडर्स	प्रोजेक्ट का नाम	प्रायोजन ऐजेंसी का नाम	राशि स्वीकृत
1.	बी. सी. रॉय, वी दत्ता,	पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आवास बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) का प्रदर्शन मूल्यांकन।	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	रू. 148.51 लाख
2.	बी. सी. रॉय	पश्चिम बंगाल में डी मजूमदार ग्रामीण आजीविका विविधीकरण।		

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ:

29-30 दिसंबर, 2018 केंद्र ने सुंदरबन, पश्चिम बंगाल में खेत किसानों से मिलने के लिए एक फील्ड विजिट का आयोजन किया है, जिसमें अध्ययन के तहत कृषि फार्म का सर्वेक्षण किया गया है। सुंदरबन डेल्टा में स्वदेशी चावल किस्मों पर एक अध्ययन और स्थानीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका जलवायु परिवर्तन के खतरों का सामना केंद्र के प्रतिवादी किसानों और शोधकर्ताओं के अलावा, बातचीत की बैठक में श्री पीसी बोध, सलाहकार (एईआर), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने भी भाग लिया।

केंद्र के शोधकर्ता भी नीचे दिए गए अनुसार विस्तार गतिविधियों में लगे हुए थेः

17.1.2019: कृषि भवन, बेहरामपुर, मुर्शिदाबाद में विस्तार अधिकारियों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में जूट उत्पादन का अर्थशास्त्रः मुद्दों और चुनौतियों का अर्थशास्त्र पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

पाठ्य पुस्तकें :

विश्वास, आर. के. (2019)। रासयानिक कृषि-संगकेत जाइबो कृषी संवाबना, मेहँती प्रकाशन, कोलकाता (आईएसबीएनः 978-81-934772-5-0)

मोनोग्राफः

1. ओझा, एस.; विश्वास, आर. के. और दत्ता, वी. (2018)। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आवास बीमा योजना का प्रदर्शन मूल्यांकन, अध्ययन संख्या -188, कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र (पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए), विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, पृ .-
2. रॉय, बी. सी.; खातुन, डी. रॉय, ए. (2018)। पश्चिम बंगाल में ग्रामीण आजीविका विविधीकरण, अध्ययन संख्या-189, कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र (पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए), विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, पृ. ।
3. सी. रॉय (2018)। पश्चिम बंगाल में शासन और कार्यान्वयन, कृषि-आर्थिक नीति संक्षिप्तः भारत के किसानों और कृषि का भविष्य, कृषि में प्रबंधन के लिए केंद्र, अहमदाबाद, अंकः 5, पृ.-1-12।

शोध पत्रः

1. बिस्वास, आर.के. (2019)। पशुधन की कमी, गरीबी को कम करने के लिए एक संभावित क्षेत्र है- एक चर्चा, कृषि समचार, 6 (1), आईएसएसएनः 2347-9663

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभागाध्यक्ष की राय में मूल्य-रिपोर्टिंग में शामिल होनी चाहिएः

देश के सभी एईआरसी/एईआरयू द्वारा किए जाने वाले ग्राम सर्वेक्षण अध्ययन के लिए केंद्र को एक समन्वय केंद्र के रूप में चुना गया है। द होनी। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली में 30-31 मार्च, 2019 को आयोजित निदेशकों की बैठक के दौरान निदेशक को एक संक्षिप्त प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

केंद्र ने दिसंबर, 2018 तक विश्वभारती वेबसाइट में सभी संबंधित सामग्रियों को संशोधित और अद्यतन किया है और अब तक पूर्ण अध्ययन की सॉफ्ट प्रतियां उपलब्ध कराई हैं।

पशु विज्ञान विभाग

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ और विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाग लिया जाता है।

विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में भाग लिया।

शिक्षकों/विद्वानों या विभाग द्वारा एक के रूप में प्राप्त किए गए अकादमिक भेद (जैसे मान्यता के रूप में डी.एस.ए. या सी.ए.एस.) आदि।

प्रो. एस. पाईन को विश्व भारती द्वारा वर्ष 2017-18 के लिए अकादमिक उत्कृष्टता से सम्मानित किया

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभाग के प्रमुख की राय में मूल्य-रिपोर्टिंग में शामिल होनी चाहिए।

विभाग को 2016 में एक अलग व्यक्तिगत विभाग के रूप में बनाया गया था।

इस साल, केवल 5 छात्र एम.एससी पॉलिटरी साईंस में उत्तीर्ण हुए

पाठ भवन

(प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षण संस्थान)

पाठ भवन, विश्व भारती के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का एक संस्थान है। रवींद्रनाथ टैगोर ने 1901 में तत्कालीन ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली के विकल्प के रूप में ब्रह्मचार्यश्रम की स्थापना की। बाद में, विद्यालय का नाम बदलकर विश्वभारती की स्थापना की गई।

पाठ भवन अब भी 'पूर्णता के लिए शिक्षा' केटैगोर के विचार को मानता है। और अभी भी पारंपरिक संस्थानों से अलग है। टैगोर ने एक पाठ्यक्रम विकसित करने का प्रयास किया जो केवल पाठ्य पुस्तक आधारित शिक्षण तक ही सीमित नहीं था। यहां एक बच्चा प्राकृतिक माहौल के बीच खुशी और स्वतंत्रता के माध्यम से सीखता है। कक्षाएं अभी भी खुली हवा में आयोजित की जाती हैं। पारंपरिक विषयों के साथ, छात्रों को संगीत, चित्रकला, नृत्य, क्ले मॉडलिंग और अन्य रचनात्मक कार्य से अवगत कराया जाता है। साप्ताहिक प्रार्थना सभाओं और विश्वविद्यालय केविभिन्न समारोहों और पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय भाग लेते हैं। 1912 में खुद टैगोर द्वारा शुरू की गई, छात्रों केलिए स्वशासन के लिए एक संस्था, आश्रम संमिलनी की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उनमें सहयोग और आत्मनिर्भरता की भावना पैदा हुई है। इसके कई नाम हैं, साहित्य विभाग (साहित्य इकाई)। सेवा विभाग (सोशल सर्विस यूनिट), पोरिबेश विभाग (पर्यावरण के लिए इकाई) और अन्य।

पाठ भवन मुख्य रूप से एक आवासीय विद्यालय है, हालांकि यहाँ दिन में आकर अध्ययन करने की सुविधा है। यह बालवाड़ी से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान करता है। 1954 में स्थापित पाठ भवन की नर्सरी इकाई मृणालिनी आनंद पाठशाला में बच्चा 4 वर्ष से भर्ती होता है और उसका नाम टैगोर की पत्नी मृणालिनी देवी के नाम पर रखा गया है। छात्र क्रमशः दसवीं और बारहवीं कक्षा के पूरा होने के बाद स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा और प्री-डिग्री की पढ़ाई करते हैं। वर्तमान में पाठ-भवन के कुल छात्रों की संख्या 1051 है, जिनमें से 312 निवासी और 739 दिन में आकर पढ़ने वाले छात्र हैं।

विभागीय संगोष्ठी :

i. 28 अगस्त 2018 को चोलो जय कोयलार देस पर पाठ भवन के भूगोल विभाग द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री सुनील कुमार भट्टाचार्य और श्री कल्याण सेन विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में काम किया।

ii. 29 और 30 अगस्त 2018 को बंगला भावसार शिक्षा पर एक बंगाली कार्यशाला का आयोजन श्री निलय राय, सहायक व्याख्याता, पाठ भवन के कक्षा आठवीं और नौवीं के छात्रों के लिए और पास के अन्य स्कूलों के छात्रों के लिए किया गया था।

iii. 12.09.2018 को एक्टिविटी बेस्ड साइंस लर्निंग पर एक विज्ञान कार्यशाला आयोजन किया गया था। प्रो. संतनु रॉय, प्राणि विज्ञान विभाग, विश्वभारती और प्रो. ध्रुवज्योति मुखोपाध्याय, भूविज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय ने विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

iv. सुश्री काकली चक्रवर्ती, कर्मचारी, सेंट वेन वैली स्कूल जिला, कोलोराडो, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 30 नवंबर 2018 से 4 दिसंबर 2018 तक भाषा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 'समग्र भाषाविज्ञान के माध्यम से' अंग्रेजी भाषा विकास पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

v. 25.03.2019 को लर्निंग साइंस विद जॉय पर एक विज्ञान कार्यशाला आयोजित की गई थी। प्रो. पी.पी. राय, पूर्व अध्यक्ष, भौतिकी विभाग विश्वभारती और डॉ. बी.एन. दास, पूर्व रिडर, विवेकानंद कॉलेज, कोलकाता ने विसेषज्ञ व्यक्ति के रूप में काम किया।

सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाएँ / प्रदर्शनियाँ आदि।

किशोर भट्टाचार्यः

1. 16-18 दिसंबर 2018: बिश्व बंगिया लेखक शिल्पी सम्मेलन, ढाका द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया। प्रस्तुति का शीर्षकः साहित्य भवन।

निलय रायः

1. 26-27 मई 2018: कोलकाता में रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोलपार्क, कोलकाता और अखिल भारतीय साहित्य परिषद (प.ब.) द्वारा संयुक्त रूप से बंगला भावसार प्रणाम पथ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।
2. 29-30 अगस्त 2018 शांतिनिकेतन के पाठ भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित बच्चों के लिए बंगला भावसार पथिक पथ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।
3. संयुक्त रूप से मानव संसाधन विभाग के साथ शिक्षा विभाग, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ मिलान - बिस्कोका, मिलान, इटली के लिए टैगोर की शिक्षाशास्त्र पर एक साक्ष्य आधारित शोध पर एक शोध परियोजना में काम किया।

पार्थ प्रतिम राय :

15 सितंबर 2018: यूएसआईईएफ अमेरिकन सेंटर, कोलकाता के ईएलटी कार्यशाला में आयोजित एक विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

प्रीति सी. नार्टियांग:

28 नवंबर - 3 दिसंबर, 2018: नई दिल्ली में संस्कृत केंद्र में दिल्ली शिल्प परिषद द्वारा आयोजित प्राकृतिक रंगों में डाइंग सिल्क यार्न के लिए प्राकृतिक डाई कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन

बोधिरूप सिन्हा:

1. अमरा ओ ओरा अविवबक दरपन, सरदिया सांख्य, सितंबर 2018 आरएनआई नंबर: डब्लयूबीबीएन / 2009/29002

किशोर भट्टाचार्य:

1. संपादित खोई 'पत्रिका-आईएसएसएन 2319-8389, वॉल्यूम- 32, दिनांक 9 मई 2018
2. संपादित खोई 'पत्रिका-आईएसएसएन 2319-8389, वॉल्यूम- 33, दिनांक 8 अगस्त 2018
3. संपादित खोई 'पत्रिका-आईएसएसएन 2319-8389, वॉल्यूम- 34, दिनांक 23 दिसंबर 2018

प्रीति सी. नार्टियांग:

1. मेघालय केरी भोई बुनकर इंटैक पत्रिका, शांतिनिकेतन, 2018

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षक और छात्र ने भाग लिया

1. जुलाई 2018 से मार्च 2019: सुश्री एशले बेट्स नेहरू-फुलब्राइट इंग्लिश टीचिंग असिस्टेंटशिप प्रोग्राम के तहत यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा पाठ भवन में पढ़ाने आई थीं।
2. 3 अप्रैल 2018: पाठ भवन के छात्रों ने दूरदर्शन, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित एक कार्यक्रम में भाग लिया।
3. 21 जून 2018: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में छात्रों ने भाग लिया।
4. 15 अप्रैल 2018: पाठ भवन के छात्रों ने बंगाली नववर्ष के अवसर पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की नृत्य नाटिका मेयर खेल का प्रदर्शन किया।

5. 22 अप्रैल 2018: ऑल इंडिया रेडियो, शांतिनिकेतन द्वारा प्रसारित एक कार्यक्रम में पाठ भवन के छात्रों ने भाग लिया।

6. 20 अगस्त 2018: पाठ भवन के छात्रों ने रविन्द्र सदन में एक कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें बैकुली एसोसिएशन, कोलकाता द्वारा आमंत्रित किया गया था।

7. 5 सितंबर 2018: पाठ भवन के शिक्षकों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अबनिंद्रनाथ टैगोर की खेल भूपतपिर यात्रा का प्रदर्शन किया।

8. 8 सितंबर 2018: रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के साथ छात्रों का एक्सचेंज प्रोग्राम।

9. 26 और 27 सितंबर 2018: पाठ भवन के छात्रों ने रवींद्रनाथ टैगोर की नटिर पूजा और अबनिंद्रनाथ टैगोर की क्षीर पुतुल मंच पर दो नाटकों का मंचन किया।

10. अक्टूबर 2018: गांधी भवन की छात्राओं ने गांधीजी की 150 वीं जयंती के अवसर पर एक नाटक जागरण का मंचन किया।

11. गांधी भवन की 150 वीं जयंती के अवसर पर, दूरदर्शन, दिल्ली के छात्रों ने एक डाक्यूमेंट्री में भाग लिया।

12. 18 नवंबर 2018: पाठ भवन के 200 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने टैगोर के भांगा गाँव में एक संगीत कार्यक्रम किया।

13. 18 जनवरी 2019: पाठ भवन के छात्रों ने स्वच्छ भारत मिशन और विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से 201 पर्यावरण और स्वच्छता विषय पर एक भाषण में भाग लिया।

14. 22 जनवरी, 2019: प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी ने पाठ भवन के छात्रों के लिए एक सोलर सिस्टम वॉक का आयोजन किया।

15. जनवरी 2019 का अंतिम सप्ताहः राजगीर (कक्षा 9), कोहबेहर (कक्षा 10) और कालिम्पोंग (कक्षा 11) के लिए विभिन्न कक्षाओं के लिए वार्षिक अध्ययन दौरों का आयोजन किया गया।

16. 1-4 मार्च 2019: नंदन आर्ट गैलरी, कला भवन द्वरा वार्षिक कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

17. 18-20 मार्च 2019: भौतिकी भवन की दसवीं और बारहवीं कक्षा के दस छात्रों ने आईयूसीसीए के साथ मिलकर भौतिकी विभाग, शिक्षा भवन द्वारा आयोजित एक दूरबीन बनाने की कार्यशाला में भाग लिया।

पाठ-भवन की एनएसएस इकाई ने निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया :

1. पाठा भवन की एनएसएस इकाई ने स्वतंत्रता दिवस मनाया
2. एनएसएस इकाई द्वारा 24 सितंबर 2018 को एनएसएस दिवस मनाया गया।
3. स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर, 2018 को मनाया गया

इनके अलावा एनएसएस इकाई के छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों और समारोहों में भाग लिया।

पाठ भवन की एनएसएस इकाई ने साल भर के प्रदर्शन के लिए विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। पाठ भवन एनएसएस यूनिट की बाल स्वयंसेवकों ने अपने वर्ष भर के प्रदर्शन के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आश्रम संमिलनी की गतिविधियाँ, छात्रों का स्वशासन निकाय है

1. आश्रम संमिलनी के साहित्य विभाग ने नियमित रूप से साहित्य सभा, चर्चाएँ, बहिष्कार भाषण आदि का आयोजन किया।
2. आश्रम संमिलनी के सेवा विभाग ने नियमित रूप से दान संघ और ग्राम परिदर्शन का आयोजन किया। केरल बाढ़ के पीड़ितों के लिए सेवा विभाग ने प्रधानमंत्री राहत कोष में रु .2,010 / - का दान दिया।
3. आश्रम संमिलनी के क्रिया विग्रह ने 15-16 जनवरी 2018 को विश्वविद्यालय खेल बोर्ड की सहायता से वार्षिक खेल का आयोजन किया।
4. आश्रम संमिलनी ने 17 फरवरी 2018 को वसंत अवान का आयोजन किया।

इनके अलावा पाठ भवन के छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों और उत्सवों में भाग लिया। 10 मार्च 2018 को गांधी पुण्य, वसंतोत्सव, नववर्ष, टैगोर की जयंती, वृक्षमण, हलाकर्षण और आनंद बाजार एक बड़े उत्साह के साथ मनाया।

शिक्षकों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक उपल्बधियाँः

1. अनिमेष घोष, सहायक व्याख्याता, रसायन विज्ञान, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा पीएचडी से सम्मानित किया गया।
2. डॉ. जतीन्द्रनाथ राउल को 18 मार्च, 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल द्वारा 'पीएच.डी. अचिह्नित वातावरण में कुछ इष्टतम नियंत्रण समस्याओं पर'।

शिक्षा-सत्र

(श्रीनिकेतन में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

विश्वभारती के अभिन्न अंग, शिक्षा-सत्र को 1 जुलाई 1924 को शांतिनिकेतन में एक प्रायोगिक संस्थान के रूप में स्थापित किया गया था, जो संतोष चंद्र मजुमदार के निवास पर था, जिसे संस्थान का प्रशासन भी सौंपा गया था। 1926 में उनकेआकस्मिक निधन के बाद, वर्ष 1927 में पल्ली समगठन विभाग के प्रभारी के तहत शिक्षा-सत्र को श्रीनिकेतन में स्थानांतरित कर दिया गया।

रवीन्द्रनाथ ने कल्पना की थी कि शिक्षा-सत्र श्रीनिकेतन छात्रों को विभिन्न पहलुओं में पूर्ण वयस्कता प्राप्त करने में मदद करने के लिए का सबसे महत्वपूर्ण कार्य करेंगे। तद्नुसार, टैगोर के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षा-सत्र की अहम भूमिका है। शिक्षा-सत्र का प्राथमिक उद्देश्य केवल एक व्यक्ति के शरीर और दिमाग को सभी आपात स्थितियों के लिए तत्परता में शिक्षित करना नहीं था, बल्कि जीवन और दुनिया के बीच प्रवाहित सिम्फनी के साथ परिपूर्ण होना भी था। उन्होंने कल्पना की थी कि 'पोएट्स स्कूल' एक दिन उनके सपनों को साकार करेगा।

महात्मा गांधी 1925 में शिक्षा-सत्र का दौरा करने आए और इसकी गतिविधियों से इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने बुनियादी शिक्षा की अपनी योजना को मूर्त रूप देने के लिए शिक्षा-सत्र के मुख्याध्यापक की सेवाएं लेनी चाही। महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा की शुरुआत वर्ष 1937 में हुई थी। शिक्षक-छात्रों और रवींद्रनाथ के आदर्शों की गतिविधियों ने गांधी को बुनियादी शिक्षा के संदर्भ में सोचने के लिए प्रेरित किया।

प्रारंभ में, शिक्षा-सत्र के छात्रों के लिए कोई विशेष पाठ्यक्रम या अनुशंसित पाठ्यक्रम नहीं था। वे साहित्य, गणित, कृषि, पशुपालन, संगीत, ड्राइंग, मॉडलिंग, बुनाई, प्रकृति-अध्ययन, स्वास्थ्य और स्वच्छता के साथ सीखने की स्वतंत्रता में लिप्त हो सकते थे। स्कूल, तब, पूरी तरह से आवासीय था और छात्रों को छात्रावास के सभी काम जैसे खरीदारी, खाते बनाए रखना, खाना बनाना और पर्यावरण को स्वच्छ रखना था। छात्रों द्वारा किसी भी शिल्प विषय में दक्षता हासिल करने पर नौकरी के अवसरों के माध्यम से पुरस्कृत किया गया। 1924 से 1940 तक विभिन्न शैक्षिक प्रयोग शिक्षा-सत्र में किए गए। हालांकि, फोर्टीज के दौरान छात्रों के अभिभावकों से औपचारिक शिक्षा के लिए यहां शैक्षिक पैटर्न को फिर से आकार दिया और इस अवधि के कुछ समय बाद अध्ययन और पुस्तकों के औपचारिक पाठ्यक्रम की सिफारिश की गई। 1951 में संसद के एक अधिनियम द्वारा विश्वभारती एक केंद्रीय विश्वविद्यालय बन गया जिसने शिक्षा-सत्र की शैक्षिक संरचना में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाया। 1954 में एक गैर-आवासीय, सहायता प्राप्त, गर्ल्स स्कूल का शिक्षा-सत्र में विलय कर दिया गया और इसे क्लास-10 स्कूल में बदल दिया गया। अध्ययन के नए विषयों को पाठ्यक्रम में पेश किया गया था। 1962 में विश्वभारती की हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में शिक्षा-सत्र के छात्रों ने पहली बार प्राप्त किया।

स्थानीय गांवों के छात्रों के अलावा, शहरी क्षेत्रों के कई छात्र शिक्षा-सत्र में शामिल होने लगे। गैर-आवासीय छात्रों

को भी स्कूल में भर्ती कराया गया, जिन्होंने शिक्षा प्रदान करने की प्रारंभिक संरचना को बदल दिया। राजनीतिक अस्थिरता के कारण 1972 के दौरान आवासीय छात्रों के प्रवेश रोक दिए गए थे और 1976 से शिक्षा-सत्र पूरी तरह से गैर-आवासीय स्कूल बन गया। 1982 में शिक्षा-सत्र एक स्वतंत्र इकाई बन गई और उसे प्रशासनिक नियंत्रण दिया गया। एनसीसी इकाई का जूनियर डिवीजन 1982 में शिक्षा-सत्र में खोला गया था।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियाँ / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ जिसमें विभाग के शिक्षक और छात्र भाग लेते हैं:

इस साल भी हर साल की तरह शिक्षा-सत्र के छात्रों ने पूरे मनोयोग से विश्वभारती के विभिन्न समारोहों और कार्यक्रमों में खुद को व्यस्त रखा। उपासना गृह में अपने स्वयं के स्कूल (जैसे अध्ययन पर्यटन, पिकनिक, खेल, साप्ताहिक प्रार्थनाओं) में भाग लेने के अलावा, उन्होंने श्रीनिकेतन, साहित्य सभा, विज्ञान सभा, दीवार पत्रिका का प्रकाशन, वृक्षासन, हलाकर्षण, नबाबरशा, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और आनंदबाजार का समारोह और उत्सव में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भाग लिया।

9 मई, 2018 को, टैगोर का जन्मदिन एक शानदार नृत्य नाटक 'चित्रांगदा' द्वारा मनाया गया था, जो शिक्षा-सत्र केछात्रों द्वारा गौरप्रागन में प्रस्तुत किया गया था। यह नृत्य गायन कोलकाता के रवीन्द्र सदन में दोहराया गया। छोटे कलाकारों को वहां मौजूद दर्शकों ने खूब सराहा।

21 जून, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, अंतर-स्कूल योग प्रतियोगिताओं में शिक्षा-सत्र के छात्रों ने भाग लिया और उन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस मनाने के लिए, 24 जनवरी- 26 अगस्त तक शिक्षा-सत्र के छात्रों ने एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया।

शारदोत्सव (नाटक महोत्सव) के दौरान, छात्रों ने दो नाटक किए- कमलासुंदरीर पाला 'जो कि टैगोर की कहानी मुसल्मानिर गोलपो' पर आधारित है जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। दूसरा नाटक जूनियर छात्रों द्वारा किया गया टैगोर की कविता 'जूटो अबिस्कर' का नाट्य संस्करण जूटो अबिस्कर' था। बाद में, 12 अक्टूबर और 16 नवंबर को, 'जूटो अबिस्कर' और 'कमलासुंदरीर पाला', बोलपुर उच्च विद्यालय एवं लिपिका सभागार में मंचित किए गए।

अनिक ड्रामा फेस्टिवल, 2018 में, छात्रों ने नाटक 'सौभाग्य और कलौभुत' का प्रदर्शन किया। इसे राज्य स्तर में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ नाटककार जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। छात्रों को बर्दवान में दूसरी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और राज्य स्तर की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की पुरस्कार भी मिले।

2 सितंबर को, नंदन, कला भवन में कुलपति द्वारा वार्षिक कला और शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। यह 4 सितंबर तक जारी रहा।

इस शैक्षणिक सत्र के दौरान, छात्रों ने प्रखंड, सब-डिवीजन, जिला और राज्य स्तर पर विभिन्न खेलों और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। राज्य स्तर के तहत डिस्कस थ्रो इवेंट में कक्षा 9 के बुद्धदेव कोनरा चौथे स्थान पर रहे। छात्राओं ने पूरे वर्ष नियमित रूप से क्रिकेट, बैडमिंटन और डॉज बॉल का अभ्यास किया।

एनएसएस के छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया जैसे कि गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस के मार्च पास्ट में भाग लेना, बसंत उत्सव, माघ मेला, पौष मेला में स्वयंसेवक होना, वृक्षारोपण में हरित परियोजना में भाग लेना, प्रकृति को बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम। उन्होंने रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया और गाँव के कल्याण के लिए सात दिवसीय गाँव के शिविर में भाग लिया। इसके अलावा, 13 सितंबर को, एनएसएस के छात्र स्वच्छता के लिए जागरूकता रैली में शामिल हुए। 1 से 15 सितंबर तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनाया गया। इसके अलावा, इस वर्ष विश्वभारती द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में, शिक्षा-सत्र एनएसएस इकाई पहले स्थान पर रही। 22 सितंबर को, कक्षा 11 और 12 की छात्राओं ने अपनी माताओं के साथ, किशोरावस्था की समस्याओं और उनके समाधान के बारे में परामर्श कार्यक्रम का आनंद लिया। छात्रों ने 24 सितंबर को एनएसएस दिवस भी मनाया।

शिक्षा-सत्र की एनसीसी इकाई ने भी पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। 21 जनवरी और 15 अगस्त को, छात्रों के दो सैनिकों ने मार्च-पास्ट में अच्छा प्रदर्शन किया। एनसीसी जूनियर डिवीजन के लड़कों ने दूसरा स्थान हासिल किया।

शिक्षा-सेवा विभाग और स्वास्थ्य सेवा सक्रिय रूप से व्यस्त रहे। समाज सेवा के लिए निधि को छात्रों और शिक्षकों द्वारा पास के स्थानों जैसे सूरुल, रथिन्द्र पाली आदि मोल्दांगा और दक्षिण हरिरामपुर प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों और अलमीरा के लिए प्रासंगिक पुस्तकों के साथ भेंट की गई।

शिक्षा-सत्र के छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए। उन्होंने कक्षा 5 के विज्ञान ओलंपियाड फंडेशन (एसओएफ) स्नेहंशु शेखर साहा, 7 वीं कक्षा के रिजवानुल बसीर, कक्षा 9 की समरदित सरकार, अर्घ्य गरई, और कक्षा 12 के एमरजुल बसीर ने दूसरे दौर में उतीर्ण किया। पश्चिम बंगाल विज्ञान मंच द्वारा आयोजित विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में, उन्होंने सफलतापूर्वक योग्यता प्राप्त की।

कक्षा 9 के छात्र एक कार्यशाला, गतिविधि आधारित विज्ञान शिक्षण, पाठ-भवन में शामिल हुए। रेन वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल और उनके द्वारा बनाए गए ब्लड सर्कुलेशन चार्ट को क्रमशः तीसरे और पहले स्थान से सम्मानित किया गया।

इस वर्ष बाल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन आनंदमेला पत्रिका द्वारा किया गया था। शिक्षा-रचना के छात्रों को रचनात्मक रचना और चित्रकला प्रतियोगिता में पहले, दूसरे और पांचवें स्थान पर रखा गया।

विभाग द्वारा शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या किसी भी अन्य शिक्षण नवाचार को प्रस्तुत करना।

शिक्षा-सत्र ने शैक्षिक वर्ष 2009-10 से 2-वर्षीय प्री-डिग्री कार्यक्रम शुरू किया है। संस्थान की योजना छात्रों के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे में सुधार करने और शिक्षक-छात्र बातचीत के लिए बेहतर गुंजाइश प्रदान करने की है। छात्रों को अन्य गतिविधियों के अलावा संगीत, ललित-कला और अन्य प्रदर्शन कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा बाहर लाने के लिए मंच प्रदान करने की योजना है। विभिन्न विषयों में छात्रों द्वारा नियमित कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करना संस्थान के भविष्य के पाठ्यक्रम का एक हिस्सा होगा।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का संकेतः

भविष्य की योजनाएं :

शिक्षा-सत्र स्कूली शिक्षा के लिए अग्रणी केंद्र बनने की इच्छा रखते हैं। इसमें छात्रों के लिए आवासीय सुविधाओं के लिए प्रावधान, और खेल सुविधाओं के उन्नयन, एक आत्मनिर्भर प्रयोगशाला इकाई, कक्षाओं के लिए संरचनात्मक विस्तार, काफी बड़े शिक्षक कमरे, एक भाषा प्रयोगशाला और एक संगोष्ठी हॉल जैसी कुछ प्रमुख पहलों की परिकल्पना की गई है।

यह जानकर खुशी हो रही है कि कुछ वर्ष पहले ही निर्मित प्रयोगशाला के साथ शिक्षा-सत्र का एक नया विज्ञान भवन है। हालांकि, आधुनिक उपकरणों को कक्षा 10-12 उचित प्रयोगशाला सुविधाएं प्रदान करने के लिए खरीदे जाने की आवश्यकता है। हम उम्मीद करते हैं, इस शैक्षणिक वर्ष में हम अपने छात्रों को प्रयोग आधारित विषयों के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।

आवासीय सुविधाएं : शिक्षा-सातरा की स्थापना के लिए पूर्व-शर्तों में से एक इसे पूरी तरह से आवासीय बनाना था। टैगोर के पास एक स्कूल स्थापित करने की दृष्टि थी जहां युवा शिक्षार्थी प्रकृति के निकट संपर्क में आएंगे और शिक्षकों और संस्था केअन्य सदस्यों के मार्गदर्शन के साथ विकसित होंगे। इसलिए, हमारे पास लगभग 900 छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा प्रदान करके शिक्षा-सत्र को पूरी तरह से आवासीय विद्यालय बनाने की योजना है।

खेल परिसर शिक्षा : सत्र की योजना एक ठोस बास्केटबॉल ग्राउंड, मल्टी-व्यायामशाला और एक फुटबॉल और एक वॉलीबॉल ग्राउंड से मिलकर स्कूल की परिधि के अंदर एक अलग खेल परिसर बनाने की है। शिक्षा-सत्र मैदान की बाड़ लगाने का काम चल रहा है। उक्त मैदान पर अस्थायी क्रिकेट पिच भी स्थापित है।

प्रयोगशाला: शिक्षा-सतरा में नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों को सीखने की सुविधा प्रदान करने के लिए भूगोल, भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवन विज्ञान के लिए पूरी तरह सुसज्जित प्रयोगशाला विकसित करने की योजना है। रसायन विज्ञान के लिए एक गैस संयंत्र इकाई भी शीघ्र ही स्थापित की जाएगी।

भाषा प्रयोगशाला: छात्रों के लिए बेहतर सीखने की क्षमता प्रदान करने के लिए एक अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला विकसित करने की हमारी लंबे समय से योजना है।

कंप्यूटर प्रयोगशाला: वरिष्ठ छात्रों के लिए पूरी तरह सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी।

पुस्तकालय: शिक्षा-सत्र में छात्रों के लिए सभी आवश्यक प्रावधानों के साथ एक नया पुस्तकालय स्थापित करने की योजना है।

टॉय म्यूजियम: संतोष पाठशाला के के जी स्टूडेंट्स के लिए टॉय म्यूजियम स्थापित किया जाएगा।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी, जो विभागाध्यक्ष की राय में मूल्य-रिपोर्टिंग में शामिल होनी चाहिए:

सुश्री क्रिस्टल कार्ड, यूएसए से एक फुलब्राइट स्कॉलर को 9 महीने के लिए ईटीए (अंग्रेजी शिक्षण सहायक) के रूप में शिक्षा-सत्र को सौंपा गया। उन्होंने नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लिया और सक्रिय रूप से शिक्षा-सह-शिक्षा की सभी प्रकार की गतिविधियों में भाग लिया।

राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्वभारती में भारत सरकार की राजभाषा नीति को लागू करने के लिए, मार्च, 1993 में राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी।

राजभाषा सेल के दो कार्य हैं

1. कार्यान्वयन कार्यक्रम
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. कार्यान्वयन कार्यक्रम

यह प्रकोष्ठ का प्रशासनिक हिस्सा है। भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित नियम और विनियम समय-समय पर के रूप में लागू किया जाता है जो क्षेत्र सी से विश्वभारती संबंध है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय की वेबसाइट को द्विभाषी यानी अंग्रेजी से हिंदी में बदलने में सहायता कर रहा है। प्रकोष्ठ अनुवाद मामलों में अन्य विभागों को सहायता प्रदान करता है।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार की कार्यान्वयन नीति का पहला कार्यक्रम है हिंदी में कामकाजी ज्ञान प्राप्त करने के लिए ग्रेड सी केबाद से सभी गैर हिंदी भाषी कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाना। विश्वभारती ने भी जुलाई, 1994 से इस तरह के कार्यक्रम की शुरुआत की है। विश्वभारती के पास इलाकेमें राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण केलिए एक पूर्णकालिक केंद्र है। विश्वभारती ने अन्य केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों-सदस्यों को भी शामिल किया है। जुलाई-दिसंबर, 2001 से हिंदी में काम का ज्ञान प्राप्त करने के लिए राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण के लिए बोलपुर में संगठन स्थापित है। यह 2002 से 2005 तक गैर-कार्यात्मक था। इसने 2006 से फिर से कामकाज शुरू किया है।

प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ

i. प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 13 कर्मचारी-सदस्यों ने भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रज्ञ) को पूरा किया है जिसे वर्ष 2018-19 के दौरान विश्वभारती, शांतिनिकेतन केंद्र द्वारा आयोजित किया गया।

ii. राजभाषा प्रकोष्ठ ने 12 जून, 2018 और 12 नवंबर, 2018 को विश्वभारती के कुलपति सम्मेलन सभागार में राजभाषा कार्यांवन समिती की बैठक आयोजित की। कुलपति ने बैठक की अध्यक्षता की।

iii. 26.06.2018, 25.09.2018 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन।

iv. ओएलआईसी की बैठक - 24 जून, 2018, 12 नवंबर, 2018 और 17 मार्च, 2019 को कुलपति सम्मेलन सभागार, विश्व-भारती में आयोजित की गई।

v. वार्षिक खाता और आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद 2017-18।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भाग लिया

गोपाल कुमार

1. 18-20 अगस्त 2018. पोर्ट लुइस में 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लिया।
2. 26-30 नवंबर 2018. नई दिल्ली के सीटीबी के उन्नत अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
3. 05.12.2018 एक अतिथि के रूप में एफसीआई कार्यालय, सिउरी की आधिकारिक भाषा कार्यशाला में भाग लिया।
4. 19.03.2019 एक अतिथि के रूप में एफसीआई कार्यालय, सिउरी की आधिकारिक भाषा कार्यशाला में भाग लिया।

रवीन्द्र-भवन

रवींद्र भवन रवींद्रनाथ टैगोर की पांडुलिपियों, तस्वीरों, चित्रों और व्यक्तिगत सामानों का सबसे बड़ा भंडार है और पूरे भारत और विदेशों से पर्यटकों और शोध विद्वानों को आकर्षित करता है। इसमें टैगोर शोधकर्ताओं और विद्वानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक संग्रह, एक पुस्तकालय और एक ऑडियो-विजुअल फोटो-आर्काइव और रीप्रोग्राफिक यूनिट शामिल है। रवींद्रनाथ के जीवन और कार्यों पर पैनलों और कलाकृतियों का प्रदर्शन करने वाली दीर्घाओं के साथ संग्रहालय और उत्तरायन परिसर के अंदर उनके पांच आवासीय घर दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बिंदु रहा है। टैगोर पांडुलिपियों, दुर्लभ किताबों और आवधिकों और चित्रों को बहाल करने और संरक्षित करने के लिए एक संरक्षण इकाई का गठन किया गया है। 1863 में महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर द्वारा निर्मित शांतिनिकेतन गृह, शांतिनिकेतन में सबसे पुरानी इमारत है और 2008 में इसे संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया गया। 2004-05 में स्थापित लिपिका मैनुस्क्रिप्टोरियम और आसन्न सभागार भी रवींद्र-भवन प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में इन इकाइयों द्वारा किए गए कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है।

संग्रहालय

रवीन्द्र-भवन संग्रहालय कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर आधारित एक संग्रहालय है। इस संग्रहालय की स्थापना 1 जुलाई, 1942 को उनके पुत्र रथिंद्रनाथ टैगोर द्वारा की गई थी। 1958 में, पंडित जवाहरलाल नेहरू ने एक संग्रहालय बनाने के लिए एक भवन की आधारशिला रखी थी और 1961 में इसका उद्‌घाटन किया गया था। यह रवींद्रनाथ टैगोर पर एक जीवनी पर आधारित संग्रहालय में वस्तुओं का भव्य संग्रह है (लगभग 4385 31-03-2019 को)। मुख्य गैलरी रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन पर जोर देती है और विचित्र भवन की पहली मंजिल पर स्थित है। विचित्र की गीतांजलि गैलरी का ग्राउंड फ्लोर रवींद्रनाथ की नोबेल-विजेता कविताओं की पुस्तक गीतांजलि पर एक विशेष गैलरी है। रवींद्रनाथ के छह ऐतिहासिक घरों और उत्तरायण में उनके परिवार से, रवीन्द्र-भवन शांतिनिकेतन गृह में एक संग्रहालय का प्रबंधन करते हैं।

प्रदर्शनी, रवींद्र-भवन द्वारा आयोजित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमः

रवीन्द्र भवन द्वारा निम्नलिखित प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया है : गगने गगने रबी (9 मई, 2018), फूल मालार डोरे (8 अगस्त, 2018), अटल बिहारी बाजपेयी (16 अगस्त, 2018) विश्व-भारती भाबनार सतवर्ष (23 दिसंबर, 2018), म्यूजिक माइंड, सुटेबल इनफ्यूलेंश ऑफ वेस्टर्न कलासिकल म्यूजिक ऑन रवींद्रनाथ (18 सितंबर, 2018), रोबी और रोबिए (25 जनवरी, 2019)

परियोजनाः

विश्वभारती ओरल हिस्ट्री प्रोजेक्ट नामक एक परियोजना रवींद्र भवन द्वारा शुरू की गई है। शांतिनिकेतन आश्रम से संबंधित कुछ अलग-अलग तरीकों से शांतिनिकेतन आश्रम से संबंधित कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों का साक्षात्कार करने के लिए प्रोजेक्टियों का मुख्य विचार और परिसर में विभिन्न घटनाओं के होने के रूप में वे देख चुके हैं और याद कर सकते हैं। साक्षात्कार को इसके ऑडियो-विजुअल यूनिट द्वारा निष्पादित किया गया है। उल्लेख प्रख्यात व्यक्तियों के कुछ नामों के साथ किया जा सकता है, जिनका साक्षात्कार मार्च-2019 के अंत में ऑडियो-विजुअल फॉर्मेट में किया गया हैः प्रो. जोगेन चौधरी (23.03.2019 को साक्षात्कार), डॉ. सुशोभन बंद्योपाध्याय (18.03.2019 को साक्षात्कार), सुप्रियो ठाकुर, सुभ्रा ठाकुर और कल्पिका मुखोपाध्याय (09.03.2019 को साक्षात्कार)।

आगंतुकः

2018-2019 में रवीन्द्र भवन संग्रहालय में आगंतुकों की संख्या (वीआईपी और, विश्वभारती और आंतरिक कर्मचारी मेहमान को छोड़कर):

वयस्कः 1,55,042, छात्रः 66,212, विदेशीः 535।

प्रस्तुति इकाईः

यह इकाई पुरानी अभिलेखीय सामग्रियों, दुर्लभ और भंगुर पुस्तकों और संग्रहालय वस्तुओं के संरक्षण की आवश्यकताओं का ध्यान रखती है। इस यूनिट में फ्यूमिगेशन, पेजिनेशन, डी-अम्लीफिकेशन, टिश्यू लेमिनेशन, टिशू रिपेयर और बाईंडिंग का काम किया जाता है।

वर्ष 2018-2019 के दौरान संरक्षण इकाई द्वारा किए गए कार्यों का विवरणः

क्र. सं.	कार्य का प्रकार	पुस्तकों/ अन्य की कुल सं.	पृष्ठों की कुल सं.	सीट की कुल सं.	उपचार
1.	टिशु का लेमिनेशन	12	2900	1450	पी.एच जांच, लागू संरक्षण प्रक्रिया का कार्यशीलता छोड़ना।
2.	पुरालेख संबंधी पुस्तक	12			पुरालेख संबंधी पुस्तक का बाइंडिग चालू।
3.	पुस्तक बाईंडिंग	135			सामान्य बाईंडिग चालू।

4.	समाचार पत्र क्लिपिंग	3	504	252	मार्क कटिंग डेटिंग, हस्तनिर्मित कागज पर चिपकाने और सील और नंबर द्वारा चिह्नित
5.	बाईंडिग पेपर क्लिपिंग	3	504	252	कपड़े का बाइंडिग
6.	आवरण बाइंडिंग	32			हस्तनिर्मित कागज से बाइंडिंग
7.	बाइंडिग के लिए टिशु	85	360	180	आवश्यकता अनुसार पुस्तक बाइंडिग के लिए टिशु का प्रयोग
8.	विविध कार्य	170 (लगभग) स्टीचिंग			

ऑडियो-विजुअल और रिप्रेजेंटेटिव इकाई और फोटो कक्षः

रिप्रोग्राफिक और ऑडियो-विज़ुअल यूनिट ने रवींद्रनाथ टैगोर की वायर, टेप, स्पूल और डिस्क में वॉयस रिकॉर्डिंग की है। यह तस्वीरों, सीडी/डीवीडी (ऑडियो और वीडियो), समकालीन डिजिटल तस्वीरों, रंगीन स्लाइड, माइक्रोफिल्म नकारात्मक, वीएचएस और मिनी डीवी कैसेट्स और इसी तरह के संग्रह नकारात्मक में भी है। ग्रामोफोन डिस्क और टैगोर के गीतों केऑडियो-कैसेट, विभिन्न कलाकारों द्वारा गाए गए ऑडियो संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस इकाई में एक सामान्य है रवींद्रनाथ के चित्रों की रंगीन पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियों का सेट। यूनिट में एनजीएमए (नई दिल्ली और बैंगलोर), रवीन्द्र-भारती, भारतीय संग्रहालय और ललित कला अकादमी (कोलकाता) के टैगोर के पेंटिंग संग्रह की उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल छवियां भी हैं।

विश्वभारती के कार्यों, कार्यक्रमों और त्योहारों के नियमित कवरेज केअलावा, यूनिट ने वीवीआईपी के फोटो और वीडियो कवरेज का भी दस्तावेजीकरण किया, जो विश्वभारती का दौरा कर रहे हैं। भारत के माननीय प्रधानमंत्री और विश्वभारती केआचार्य की यात्राओं को कवर किया गया। श्री नरेंद्र मोदी; बांग्लादेश की माननीय प्रधान मंत्री शेख हसीना, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती ममता बनर्जी, राजस्व और मत्स्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार, श्री एन सी देब बरमन, अन्य।

फोटो यूनीटाइंडवे के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया रवींद्रनाथ, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की तस्वीरें फोटो-सेक्शन के संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वर्तमान मंय फोटो यूनिट की संपूर्ण होल्डिंग्स का एक डिजिटल वर्णनात्मक डेटा कैटलॉग संकलित किया जा रहा है। संग्रहालय की वस्तुओं और चित्रों का एकीकरण भी जारी है।

रिप्रोग्राफिक और ऑडियो-विजुअल यूनिट के नियमित कार्यों का विवरणः

1.	ऑडियो रिकॉर्डिंग (वी.बी. कार्य वृत्त और त्यौहार, जिसमें वी.बी. अध्ययन सर्कल सेमिनार शामिल हैं)	1650 मिनट
2.	वीडियो रिकॉर्डिंग (वी.बी. फ़ंक्शन और त्यौहार, सेमिनार आदि)	1968 मिनट
3.	स्टिल फोटोग्राफ़ी (वी.बी.फ़ंक्शंस, फेस्टिवल्स और अन्य प्रोग्राम्स)	14,384 फोटो
4.	संग्रहालय वस्तुओं का डिजिटलीकरण	218 वस्तुओं और 1273
5.	ऑडियो-वीडियो सेवा के लिए विद्वानों को प्रदान की गई	1600 मिनट (लगभग)
6.	रवीन्द्र भवन ए / वी यूनिट	20 संख्या
7.	फोटो / पुस्तक / नकारात्मक स्कैन किए गए	290 चित्र
8.	रवीन्द्र भवन और विश्व-भारती के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए ऑडियो-विजुअलइंफोर्स की व्यवस्था	1800 मिनट (लगभग)
9.	ओरल हिस्ट्रीप्रोजेक्ट की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग (31 मार्च 2019 तक 12 इंट्रव्यू)	627 मिनट
10.	श्रव्य दृश्य रिकॉर्डिंग विद्वानों को जारी किए गए	80 मिनट

विद्वानों और रिप्रोग्राफिक सेवाः

1.	विद्वानों की संख्या	124 व्यक्तियों, 9,118
2.	विद्वानों की सीडी पर डिजिटल चित्र	645 संख्या
3.	डिजिटल चित्र वी.बी. के विभिन्न विभागों को दिए गए।	886 संख्या
4.	फोटो संग्रह संग्रह की वर्णनात्मक सूची	1028 तस्वीरें
5.	डिजिटल चित्र (अभिलेखीय) आरबी प्रदर्शनी और गैलरी के लिए दिए गए	184 संख्या

उपहार मिला

1.	ऑडियो-वीडियो सीडी	49 संख्या
2.	ग्रामोफोन डिस्क	34 संख्या (दोनों साइड / 68 गाने)
3.	फोटो	36 संख्या

पुरालेख :

रवींद्रभवन पुरालेख को टैगोर के मूल पांडुलिपियों, पत्राचारों और चित्रों का सबसे बड़ा भंडार माना जाता है, जो दुनिया भर के टैगोर पारखी द्वारा उपहार में दिए गए हैं। देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों के 262 विद्वानों ने वर्ष 2018-19 के दौरान अभिलेखागार का दौरा किया। यूनिट ने डिजीटल इमेज (अनुसंधान उद्देश्य और प्रदर्शनियों के लिए विद्वानों के लिए) जारी किए हैं। मूल दस्तावेजों को पर्यावरण-नियंत्रित मजबूत कमरे में रवींद्र भवन में संरक्षित किया जा रहा है।

अभिलेखागार अनुभाग को अधिक विद्वान-अनुकूल बनाने के लिए, प्रत्येक पंजीकृत उपयोगकर्ता के लिए जुलाई 2018 में एक यूजर आईडी कार्ड पेश किया गया है। प्रत्येक विद्वान के लिए अलग-अलग फाइलें पेश की गई हैं। दस कंप्यूटर टर्मिनलों को उपयुक्त उपकरणों के माध्यम से जोड़ा गया है। अभिलेखीय सामग्री की फोटोकॉपी युक्त अतिरिक्त फाइलें अभिलेखागार इकाई में दी जा रही हैं। यूनिट ने अतिरिक्त संग्रह के वर्णनात्मक कैटलॉगिंग के पहले भाग को पहले ही पूरा कर लिया है (कैटलॉग -15)। यूनिट अतिरिक्त संग्रह के दूसरे भाग को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में है। कैटलॉग-13 (सार कैटलॉग) का एक संशोधित संस्करण भी प्रकाशन के लिए तैयार किया जा रहा है।

प्रदत्त सेवा

क्र.सं	विवरण	गतिविधि /
	टिप्पणियां	
1.	आईडी कार्ड पंजीकरण	262 का पंजीकरण
2.	शोधकर्ता	893
3.	अस्थायी पंजीकरण	40
4.	मोबाइल / ई-मेल की जानकारी विद्वानों / शोधकर्ताओं / उपयोगकर्ताओं	100 बार
	को अलग-अलग समय पर प्रदान की गई	
5.	पांडुलिपियों को साफ किया	25
6.	आधिकारिक उद्देश्य / उपयोगकर्ताओं को दिए गए प्रिंट-आउट	450
7.	जेपीईजी छवियाँ विद्वानों / शोधकर्ताओं / आधिकारिक प्रयोजन के लिए	500

	सीडी / डीवीडी / पेन ड्राइव में स्थानांतरित की गई	
8.	डीवीडी प्रारूप में बाहरी हार्ड ड्राइव पर स्थानांतरित की गई	700
9.	मज़बूत कमरे की निगरानी / रिकॉर्डिंग और सापेक्ष आर्द्रता और तापमान की निगरानी	प्रत्येक कार्य दिवस में कम से कम 02 बार
10.	अभिलेखीय सामग्री का अंकीयकरण	100 फाइल
11.	डिजिटल तस्वीर संग्रह विद्वानों में दिखाया गया है	20 शोधार्थी
12	सीडी (लाइब्रेरी संग्रह) को आर्काइव के सर्वर में स्थानांतरित किया गया	310

रवीन्द्र-भवन साहित्यः

रवीन्द्र-भवन पुस्तकालय रवींद्रनाथ टैगोर के बारे में जानकारी और ज्ञान की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयों और महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। पुस्तकालय देश और विदेश के शिक्षाविदों, छात्रों और शोधकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय की पुस्तकेंज्यादातर टैगोर, उनके समकालीनों और टैगोर से संबंधित और विश्व-भारती के उत्पत्ति और विकास पर हैं। पुस्तकालय को रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा प्रयुक्त पुस्तकों से अलंकृत किया गया है, विशिष्ट व्यक्तित्व द्वारा टैगोर को उपहार में दी गई पुस्तकेंअपने समय के साथ, कवि के काम के विभिन्न संस्करण, उनके जीवन पर किताबें और विभिन्न बिंदुओं पर काम करता है और साथ ही साथ विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवादित कार्य भी करता है। इसकेअलावा, पुस्तकालय में दुर्लभ पत्रिकाओं की एक विस्तृत शृंखला है, जिसमें टैगोर के लेखन में उनकी कम उम्र से लेकर आज की तारीख तक और स्वयं गुरुदेव द्वारा संपादित विभिन्न पत्रिकाएँ शामिल हैं।

रवीन्द्र-भवन पुस्तकालय में 1912 से 5.4.2018 तक बड़ी संख्या में समाचार पत्रों की कतरनों का संग्रह है और एक अन्य मूल्यवान संग्रह पैम्फलेट-फाइलें हैं।

रवीन्द्र-भवन पुस्तकालय पाठकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और इतने पर रीडिंग रूम सेवा और माँग पर पुस्तकों की फोटोकॉपी प्रदान करता है।

दस्तावेजों का अधिग्रहणः

	पुस्तकें	पत्रिकाओं	पर्चे
खरीदे गए	89	33	0
उपहार में	764	37	28

पुस्तकालय में पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्याः

	पुस्तकें	पत्रिकाओं	पर्चे
1. रवीन्द्र साहित्य और संदर्भ पुस्तकें आदि	853	19	70

पुस्तकालय का उपयोग करेंः

इस लाइब्रेरी ने अलग-अलग तरीकों से 296 विद्वानों की सेवा ली है।

विशिष्ट आगंतुक / उपयोगकर्ता (गैर-सदस्य):

अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय / अन्य राज्य	पश्चिम बंगाल	अस्थायी उपयोगकर्ता (छात्र)	अस्थायी उपयोगकर्ता (विद्वान)	कोई अन्य
16	12	1559	34	34	12

लिपिका पांडुलिपि :

लिपिका पांडुलिपि, 1250 से अधिक पांडुलिपियों के संग्रह के साथ पांडुलिपि अध्ययन और लिखित विरासत के संरक्षण के लिए एक केंद्र है, जो संस्कृत, बंगाली, ओडिया, तिब्बती, अरबी-फारसी और तमिल जैसी विभिन्न भाषाओं और पुरातन लिपियों से संबंधित है। इसके अलावा इस पांडुलिपि के पास सुरुल ज़मींदारों के पुराने ज़मीन के रिकॉर्ड और जॉयदेव केंदुली (महंत हरिकांतसराना देव ब्रजबासी, निंबालिका आश्रम) के पुराने ज़मीन के रिकॉर्ड पर गर्व है। हस्तलिपि पॉम-लीफ, टेरेट पॉम लीफ, संचितिप और टुलॉट पेपर (पुराने हस्तनिर्मित कागज) में। पांडुलिपियों, निवारक और उपचारात्मक संरक्षण, परीक्षा, पहचान, शेल्फ अंकन, अधिग्रहण संख्या के अनुसार स्टैक में पांडुलिपियों की व्यवस्था, हाथ की सूची तैयार करना, वर्णनात्मक कैटलॉग तैयार करना, उच्च अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र द्वारा किया जाता है। पांडुलिपियों के आधार पर। केंद्र छात्रों और विद्वानों के लिए सामयिक प्रदर्शनों की पांडुलिपि भी प्रदान कर रहा है। 2018-2019 के दौरान, 222 विद्वानों ने शोध के लिए पांडुलिपि का उपयोग किया। इस अवधि के दौरान, श्रीमद्भगवतत्व (1-9) नामक एक पांडुलिपि दिलीप कुमार ठाकुर, ग्राम-बेलुती, नानूर, बीरभूम (विश्वभारती, इतिहास विभाग की पूर्व छात्रा) से दान के रूप में प्राप्त हुई है।

अभिलेखीय सामग्री जारी करने के लिए नई नीतियांः

रवीन्द्र-भवन ने अपने संग्रह को लोकतांत्रिक बनाने की दृष्टि से विश्वभारती विरासत समिति की सिफारिश के आधार पर विद्वानों के लिए नए नियम पेश किए। अभिलेखीय शुल्क की दरों को भी संशोधित किया गया है।

विविध उपलब्धियां:

रवींद्रभवन के विशेष अधिकारी श्री नीलांजन बंद्योपाध्याय ने आईसीसीआर के लिए विश्वभारती के संग्रह से चीनी चित्रकार जू बेहॉन्ग के दो चित्रों के प्रतिकृतियों पर क्यूरेटोरियल नोट लिखा। क्यूरेटोरियल नोट, जू बेहींग के चित्रों के प्रजनन के साथ-साथ भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27-28 अप्रैल, 2018 को एच.ई. शी जिनपिंग पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के माननीय राष्ट्रपति, को अपने अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के अवसर पर भेट किया।

प्रसिद्ध चीनी चित्रकार जू-बेइहॉन्ग की बेटी जू-फांगफांग ने रवींद्रभवन और कला भवन के संग्रह में रवींद्रभवन के चित्रों के शिलालेखों को समझने में मदद की और तान यूं शान द्वारा उपयोग की गई मुहरें भी लिखीं।

केंद्रीय पुस्तकालय

विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क

विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क की उत्पत्ति का पता रबींद्रनाथ टैगोर से लगाया जाता है, जो 1913 में 1913 में नोबेल पुरस्कार प्राप्ति के बाद 1921 में शांतिनिकेतन में विश्वभारती नाम से एक कॉलेज शुरू कर रहे थे, जिसे पुस्तकालय के रूप में विकसित किया गया और इसे बड़े ध्यान से समृद्ध किया गया था। गुरुदेव के 1941 में उनकी मृत्यु पर, इस पुस्तकालय में उनका व्यक्तिगत संग्रह जोड़ा गया।

वर्तमान में, लाइब्रेरी नेटवर्क में सेंट्रल लाइब्रेरी, 13 सेक्शनल (भवन) लाइब्रेरी और 30 सेमिनार लाइब्रेरी शामिल हैं। सिस्टम के सभी पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित और नेटवर्क युक्त हैं। हालांकि दो परिसरों में विभिन्न स्थानों पर स्थित है, वे वस्तुतः एक ही इकाई के रूप में कार्य करते हैं।

2x7 में ई-संसाधनों की पहुँच के लिए रिमोट एक्सेस (ओपन एथेंस) और डिस्कवरी सेवाएँ और साथ ही आवश्यक संसाधनों की खोज करने के लिए त्वरित और सरल।

लिबशेष (लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर) के सभी मॉड्यूल केंद्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ अनुभागीय पुस्तकालयों में भी प्रचालन में रहे हैं।

लाइब्रेरी और इसके उपयोगकर्ताओं के बीच निर्बाध कनेक्शन को निष्पादित करने के लिए लाइब्रेरी एप्स ऑपरेशनल (लाइब्रेरी ऑन पाम या लाइब्रेरी)।

डिजिटाइज्ड संसाधनों के अपलोड को पूरा करने के लिए 29689 बुक्सोफ सेंट्रल लाइब्रेरी, कला भवन लाइब्रेरी, रवीन्द्र भवन लाइब्रेरी और संगीत भवन लाइब्रेरी शामिल हैं।

लाइब्रेरी सेवाओं और संसाधनों पर क्यूआर कोड को उपयोगकर्ताओं के समुदाय को कम पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है।

शोधगंगा (शोध में भारतीय अनुसंधान का प्रस्ताव) डेटाबेस में रिसर्च प्रपोजल अपलोड करने के साथ-साथ सम्मानित किए जाने के बाद शोधगंगा डेटाबेस में पीएचडी अपलोडिंग जारी है।

राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी में भाग लिया, जो भारतीय पुराने और दुर्लभ संग्रहों के पूर्णतया डिजिटाइज़्ड संसाधनों की आसान और त्वरित पहुँच सुनिश्चित करने के लिए है। इस उद्देश्य के लिए 700 सौ से अधिक लोगिनशेव बनाए गए। विश्वभारती डिजिटल लाइब्रेरी को एनडीएल के साथ जोड़ने का काम चल रहा है।

थीसिस और अन्य प्रकाशनों के लिए समानता/महत्व की मात्रा की जाँच करने के लिए एंटी-प्लाजिरिज़्म सॉफ़्टवेयर को कुछ जागरूकता कार्यक्रम के साथ किया जा रहा है।

पुस्तकालय का समय :

केंद्रीय पुस्तकालयः

साप्ताहिक अवकाश (बुधवार और गुरुवार) को छोड़कर सभी दिनः सुबह 7 बजे से सांय 8 बजे तक

बुधवार और गुरुवारः सुबह 10 बजे - शाम 5 बजे केंद्रीय पुस्तकालय तीन बंद छुट्टियों, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती, पौष उत्सव, बसंतोत्सव, गांधी पुण्यहार को छोड़कर पूरे साल खुला रहता है।

अनुभागीय पुस्तकालयः उनमें से अधिकांश सुबह 9.30-6 बजे के दौरान खुले होते हैं। आमतौर पर पुस्तकालय के लिए अलग-अलग दिन होते हैं। हालांकि, सभी बुधवार को बंद रहते हैं।

2018-19 की अवधि के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की वार्षिक रिपोर्ट

(1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक)

1. वर्ष 2018-19 के दौरान पुस्तकों / आवधिकों की कुल संख्या

ए) खरीदी गई पुस्तकें (प्रिंट) 1,939

बी) ई-पुस्तकें खरीदी गईं (सदा) और सदस्यता निल

सी) उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकें 331

डी) वर्ष के दौरान कुल पुस्तकें 2,270

ई) पत्रिका के सदस्यता

(केंद्रीय पुस्तकालय के लिए 228 (अनुभागीय पुस्तकालयों के लिए और 145) 55 पत्रिका,

373

एफ) समाचार पत्रों की खरीद (सेंट्रल लाइब्रेरी 18 (शीर्षक) और अनुभागीय पुस्तकालय 33) 51

जी) उपहार के रूप में प्राप्त पत्रिकाओं 12,575

एच) सीडी / डीवीडी की सदस्यता ली 35

2. 31 / 03. 2019 तक कुल पुस्तकों / आवधिकों की संख्या

ए) पुस्तकें खरीदे गए: 4,33,982

पुस्तकें : उपहारः 9,828

कुल पुस्तकें (प्रिंट) 4,43,810

ई-पुस्तकें : खरीदी गईः 3,836

ई-बुक्स- सब्सक्राइबः 1,15,000

कुल ई-पुस्तकें : 1,18,836

बी) पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के अभिगमन के मुद्दे (सब्स्क्राइब्ड): 12,666

सी) जर्नल्स (उपहार) के एक्सेस किए गए मुद्दे : 12,575

डी) बाउंड जर्नल्स के लिए एक्सेस किया गया : 661

3. विभागीय/अनुभागीय पुस्तकालयों को हस्तांतरित पुस्तकों की कुल संख्या

संगोष्ठी पुस्तकालय 108

अनुभागीय पुस्तकालय 7

4. पुस्तकों / आवधिकों का अंक

ए) पुस्तकें जारी की 61,131

बी) पुस्तकें लौटायाः 52,193

सी) संदर्भ खंड से परामर्श की गई पुस्तकें 1,027

डी) रीडिंग रूम में परामर्शित पुस्तकें 757

ई) आवधिक परामर्श 19,386

5. दस्तावेजों और पृष्ठों की संख्या के साथ फोटोकॉपी सेवा

ए) ढीले मुद्दों की फोटोकॉपी (आवधिक) 36 (407 पृष्ठ)

बी) स्टैक और संदर्भ (3,317 पृष्ठों) से दस्तावेजों की फोटोकॉपी 185

6. अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाएँ

ए) आवधिक धारा में परामर्शित सीडी / डीवीडी की संख्या 35

बी) कुल उपयोगकर्ताओं को समय-समय पर ई-जर्नल / डेटाबेस ब्राउज़ की गई 19386

सी) कुल ई-जर्नल्स फुल-टेक्स्ट डाउनलोड या उपयोगकर्ताओं द्वारा 86747

डी) कुल उपयोगकर्ताओं ने खोज सुविधाओं का उपयोग किया 65644

ई) डेलनेट और बीसीएल के माध्यम से इंटर लाइब्रेरी लोन सेवा 24

एफ) पाठक के अनुरोध पर डिजिटाइज़ किए गए दस्तावेजों की संख्या 09

जी) पाठक के अनुरोध पर कुल पृष्ठ 172

7. जेसीसी इनफलिबनेट और जे-गेट ब्राउजिंग का कुल हिट

ए) इनफ्लिबनेट : 86747

बी) जे गेट : 6303

सी) ऋषि ऑनलाइन पत्रिकाओं : 477

डी) इंडियास्टेट : 2155

8. प्रवेश के लिए सदस्यता - पुस्तकालय ऋण/दस्तावेज़ वितरण सेवा

ए) ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी, कोलकाता (7,000 ई-जर्नल और 1,00,000 ई-पुस्तकों)

बी) डेलनेट, नई दिल्ली

सी) जेसीसीसी इनफ्लिबनेट

डी) इंडियास्टार्ट.कॉम

जे-गेट (37,000 से अधिक ई-जर्नल)

ओडिया पात्रा पत्रिका संघ (ओड़िया काल का डिजिटल संकलन) - 1856 - 1950

9. पुस्तकालय सदस्य

कुल पंजीकृत सदस्य 29,716

(शिक्षक-734, विद्वान - 2658, छात्र - 25230, कर्मचारी - 825, अन्य -269)

रीडिंग रूम पर आने वाले पाठकों की कुल संख्या 22,432

समय-समय पर धारा पर आने वाले पाठकों की कुल संख्या 19,386

(ई-संसाधनों के सर्फिंग के लिए 9,555 शामिल हैं, वर्तमान पत्रिकाओं के लिए 2,456, बाध्य पत्रिका के लिए 75, खुद को स्कैन करने के लिए 2010, दुर्लभ पुस्तक के लिए 35 और शोध परामर्श के लिए 365)

संदर्भ अनुभाग पर आने वाले पाठकों की कुल संख्या 2,900

स्टैक का उपयोग करने वाले पाठकों की कुल संख्या 15,635

कुल उपयोगकर्ताओं की संख्या जिन्होंने लाइब्रेरी संसाधनों को एक्सेस किया है 83,495

पुस्तकालय मुख पृष्ठ (172.16.2.2)

10. अस्थायी सदस्य/विद्वान जो अवधि के दौरान आए थे 139

139 अस्थायी सदस्यों 784 द्वारा उपयोग किए गए/जाने वाले पुस्तकालय / दिनों की कुल संख्या

व्यक्तियों की संख्या : अंतर्राष्ट्रीय 25

बांग्लादेश-10, यूके-3, स्विटज़रलैंड-3, स्पेन-2, यूएसए-2, ऑस्ट्रेलिया-2,

दक्षिण कोरिया-1, और इटली-2

उपयोग किए गए/जाने वाले दिनों की संख्याः 108

व्यक्तियों की संख्या : पश्चिम बंगाल : 78

उपयोग किए गए/जाने वाले दिनों की संख्या : 477

व्यक्तियों की संख्या : अन्य राज्य 39

उपयोग किए गए दिनों की संख्या : 199

11. पुस्तकालय समय

ए. सप्ताह के दिनों में साप्ताहिक बंद दिनों को छोड़कर

(बुधवार और मंगलवार) और छुट्टियांः शाम 7.00 बजे - रात 8.00 बजे।

बी. साप्ताहिक बंद दिन - बुधवार, गुरुवार : सुबह 10.00 बजे - शाम 5.00 बजे।

सी. अन्य अवकाशः सुबह 10.00 बजे - शाम 5.00 बजे। (केवल रीडिंग रूम)

डी. पुस्तकालय वर्ष में खुला था :

(ए) 236 दिन नियमित/2-शिफ्ट

(बी) 94 दिन साप्ताहिक बंद दिन/एक-शिफ्ट दिन

12. दस्तावेज़ प्रसंस्करण

(पुस्तकें वर्गीकृत और सूचीबद्ध 2018-19 के दौरान लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा कैटलॉग डेटाबेस में जोड़ा गया)

पुस्तकें : 1,818 खरीदी

पुस्तकें : उपहार 330

रेट्रो-रूपांतरण/संपादन/अपडेट कर रहा है 431

सूचीबद्ध पुस्तकों की कुल संख्या 2579

डिजिटाइज्ड बुक्स की कुल अपलोड 10,880

13. प्रकाशन

ए) मासिक लाइब्रेरी ई-न्यूज़लेटर (जारी किए गए 12 मुद्दे)

बी) लाइब्रेरी बुलेटिन - विश्वभारती के लिए वर्तमान आवधिक -2018 ने पत्रिकाओं की सदस्यता ली।

सी) लाइब्रेरी उपयोगकर्ता के मैनुअल ने प्रकाशित किया है

डी) लाइब्रेरी संदर्भ मैनुअल प्रकाशित हुआ है

14. पुस्तकों, डिजिटलीकरण और समारोहों की प्रदर्शनी:

ए) संदर्भ अनुभाग में महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों पर पुस्तकों और संबद्ध सामग्रियों की कुल सैंतीस (37) प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया था।

बी) लाइब्रेरी सर्वर पर डिजीटल पुस्तकों को अपलोड करना आंशिक रूप से पूरी तरह से और इंट्रानेट के माध्यम से सुलभ है। सॉफ्टकॉपी में प्राप्त वर्तमान थ्रेस को भी अपलोड किया जा रहा है।

सी) समारोह : स्वच्छ भारत अभियान (2 अक्टूबर 2018); राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2018); पुस्तकालय दिवस (20 दिसंबर 2018) और गांधी पुण्य (10 मार्च 2019)।

15. पुस्तकालय स्वचालन :

विश्वभारती पुस्तकालय कैम्पस-वाइड फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है जिसका नाम गीतांजलिनेट है। लाइब्रेरी सिस्टम में 117 पीसीएस, 48 प्रिंटर्स (2 नेटवर्क प्रिंटर सह कॉपियर और 22 बारकोड प्रिंटर शामिल हैं), एक दस्तावेज़ कैमरा, एक वेब कैमरा, एक डिजिटल कैमरा, तीन एलसीडी प्रोजेक्टर अपने केंद्रीय पुस्तकालय और 12 अनुभागीय पुस्तकालय हैं। लाइब्रेरी अपने उपयोगकर्ताओं को ई-जर्नल्स, ऑनलाइन-डेटाबेस, ई-पुस्तकें ब्राउज़ करने की सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करती है। लाइब्रेरी द्वारा ऑन-लाइन खोज, शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए ई-मेल सुविधाएं आदि भी प्रदान की गई हैं।

लाइब्रेरी गतिविधि और सेवाओं को स्वचालित करने के लिए लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर लिबिस -7 (यूनिकोड वेब कंप्लेंट) का उपयोग किया जा रहा है। सभी दैनिक पुस्तकालय संचालन और सेवाएं यानी लाइब्रेरी दस्तावेज़, कैटलॉगिंग, सीरियल कंट्रोल, सर्कुलेशन, ओपीएसी, एल-सर्च मोबाइल एप्स, अतिदेय पुस्तकों पर ई-मेल अलर्ट आदि का अधिग्रहण इस लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर पर आसानी से चल रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय, अन्य अनुभागीय पुस्तकालयों और ग्रंथावली विभव की कुल होल्डिंग को कवर करने वाले पुस्तकालय कैटलॉग डेटाबेस अब इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।)।

वर्तमान में, विश्व-भारती लाइब्रेरी कैटलॉग डेटाबेस में 5,67, 7,04,208 व्यक्तिगत दस्तावेजों की संख्या के 957 शब्द हैं, जिनमें 48,417 बाउंड वॉल्यूम्स और 2,488 थीसिस शामिल हैं। इसके अलावा, विश्व प्रसिद्ध प्रकाशकों / एग्रीगेटर्स (एल्सेवियर, कैम्ब्रिज ऑनलाइन, स्प्रिंगर, सेज, टेलर एंड फ्रांसिस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस) के

संग्रह में ई-पुस्तकें संग्रह (3,836 शीर्ष क्रम में और विभिन्न कंसोर्टिया के माध्यम से 1,15,000 शब्द) जोड़े गए हैं। और ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी) जो जुड़े हुए हैं (परिसर से ब्राउज़ करने के लिए पुस्तकालय वेब पेज में वर्णानुक्रम, विषय-वार, प्रकाशक-वार)।

केंद्रीय पुस्तकालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम का एक संस्थागत भंडार बना दिया है। विश्व भारती में 2007 से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्र भी इस संस्थागत रिपोजिटरी में जोड़े जाते हैं। ये प्रश्न पत्र/पाठ्यक्रम केंद्रीय पुस्तकालय वेब पेज के माध्यम से कैम्पस नेटवर्क पर एक्सेस, डाउनलोड और/या मुद्रित किए जा सकते हैं। यह संस्थागत भंडार नियमित रूप से पुस्तकालय के सदस्यों द्वारा उपयोग किया जा रहा है। विश्व भारती पुस्तकालय अपने संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों को इंस्टीट्यूशनल रिपॉजिटरी (ओपन आर्काइव) में अपने प्रकाशनों को अपलोड करने के लिए आमंत्रित करता है और इस तरह के प्रकाशनों को ब्राउज़ करने के लिए दूसरों को प्रोत्साहित करता है। ओपन आर्चिवेनो में संकायों के लगभग 119 लेख हैं।

ए. ई-संसाधनः

पुस्तकालय में निम्नलिखित ई-संसाधन हैं, जिन्हें नियमित रूप से लाइब्रेरी होम पेज के माध्यम से ब्राउज़ किया जाता है।

1. इनफलिनेट के माध्यम से 1 ई-जर्नल - 8,500
2. प्रकाशकों से मुक्त ई-पत्रिकाएँ - 47
3. ई-बुक्स खरीदे गए

   सदस्यता/संघ - 1,18,836

1. जे-गेट के माध्यम से सब्सक्राइब्ड ई-जर्नल - 37,000
2. मुफ्त ऑनलाइन किताबें - 869
3. पुराने डिजीटल दस्तावेजों की 3 डीवीडी - 1074
4. सीडी-रोम - 620
5. डिजीटल पुस्तकें - 29,689

बी. डेटा बेस पहुंच सुविधाएं :

1. ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी, कोलकाता
2. कैम्ब्रिज ऑनलाइन
3. डेलनेट, नई दिल्ली
4. एल्सेवियर साइंस

5. पन्ना प्रबंधन

6. इंडिया स्टार्ट .कॉम

7. जे-गेट

8. जसटोर

9. आईएसआईडीः औद्योगिक विकास संस्थान

10. नेचर आर्काइव 1987-1986

11. ओड़िया पितृपत्रिका संग रहा (ओडिया कालपत्र का डिजिटल संकलन) 1-1956-19 50

12. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

13. सेज ई-संदर्भ

14. ऋषि अनुसंधान विधि ऑनलाइन

15. स्प्रिंगर

16. टेलर और फ्रांसिस

17. विली ब्लैकवेल

केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी/अन्य कार्यक्रम :

28 वीं आईएएसएलआईसी संगठन राष्ट्रीय संगोष्ठीः विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क ने आईएएसएलआईसी का 28 वां राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भारत में शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की रणनीतियाँ विषय पर किया था, जो 27 वें दिन सुबह 10 बजे से एक बहुत ही अनूठी घटना के साथ शुरू हुआ जहां दिव्यांग का एक समूह प्रसिद्ध संगीत भवन के छात्रों ने उद्घाटन गीत गाया। गणमान्य अतिथियों, प्रो. निर्मल्य बनर्जी, प्रभारी, विश्वविद्यालय पुस्तकालय, विश्व भारती द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद, उन्होंने स्वागत भाषण दिया, उन्होंने शिक्षा में विश्व भारती विश्वविद्यालय की भूमिकाओं को विस्तार से बताया और पुस्तकालय सेवाओं और विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क के उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में भी बताया। आईएएसएलआईसी के 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका और सार मात्रा का विमोचन अगले दिन हुआ। श्रीमती कल्पना दासगुप्ता ने अपने उद्घाटन भाषण में, एलआईएस शिक्षा में इंटर्नशिप की जरूरतों, शैक्षणिक पुस्तकालयों और सार्वजनिक पुस्तकालयों के अधिक से अधिक सामानों और देश में शामिल सूचना प्रणालियों की जरूरतों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों की आवश्यकता जैसे कुछ मुद्दों को उठाया। प्रो.बी.के. सेन, अतिथि-सम्मान ने डॉ.पार्थप्रतिम रॉय द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। लाइब्रेरियन, वीबी और उन्होंने आईसीटी वातावरण में पुस्तकालय सेवाओं को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता पर भी ध्यान दिलाया। प्रो. सुधेंदु मंडल, पूर्व-निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तकालय,

कोलकाता ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन दिया, जहाँ उन्होंने देश में पुस्तकालय विकास के इतिहास और उत्पत्ति का वर्णन किया और भारत में विकासशील पुस्तकालयों में रवींद्रनाथ टैगोर के दर्शन और योगदान का उल्लेख किया। सम्मेलन की निदेशक प्रो अमिताभ चटर्जी ने भारत में एलआईएस शिक्षा के इतिहास और विकास पर बात की। आईएएसएलआईसी के महासचिव श्री सजलकांति गोस्वामी ने आईएएसएलआईसी के उद्देश्यों और गतिविधियों की संक्षेप में व्याख्या की। डॉ. जे एन सत्पथी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में आईएएसएलआईसी के भविष्य के लक्ष्यों पर बात की। उद्घाटन सत्र डॉ. पार्थप्रतिम रॉय, जेटी द्वारा धन्यवाद के साथ संपन्न हुआ। आईएएसएलआईसी के 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव। आयोजन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. एन. सी. साहा ने की लाइब्रेरियन में से एक। आयोजन के सचिव।

1. लाइब्रेरियन दिवस -2018 के अवलोकनः 11 अगस्त को लाइब्रेरियन दिवस के अवसर पर, एक आमंत्रित व्याख्यान डॉ। सुबोध गोपाल नंदी, पूर्व विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन, विश्व भारती द्वारा वर्तमान और पूर्व-पुस्तकालय कर्मचारियों के पुनर्मिलन के बाद जहां बत्तीस सेवानिवृत्त पुस्तकालय हैं। कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है। इसमें लगभग सत्तर पुस्तकालय पेशेवरों ने भाग लिया था।
2. पुस्तकालय दिवस -2018 का अवलोकनः 18 दिसंबर 2018 को कॉन्फ्रेंस हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, वीबी में 'पुस्तकालय दिवस -2018' मनाया गया। इस अवसर पर, सूचना के स्रोत का मूल्यांकन विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसे श्री। केशव चंद्र सिन्हा, सहायक लाइब्रेरियन (एसजी) और प्रभारी, विनय भवन पुस्तकालय और बांग्लादेश भवन पुस्तकालय, विश्व-भक्ति शांति निकेतन का अतिरिक्त प्रभार। इसमें छत्तीस (36) पुस्तकालय के पेशेवरों ने भाग लिया।
3. दो (02) विशेष व्याख्यानः पब्लिक रिलेशन और यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी पर पहला विशेष व्याख्यान डॉ. सुशी द्वारा दिया गया है हंता बनर्जी, निदेशक, अमेरिकी सूचना और संसाधन केंद्र, कोलकाता 03 जून 2018 को, जिसमें तेईस पुस्तकालय पेशेवरों ने भाग लिया था। यूएसआई सोसाइटी में लाइब्रेरी का वर्तमान रुझान और पुस्तकालय में भूमिका पर एक और विशेष व्याख्यान फुलब्राइट स्कॉलर में से एक जेनिफर एम। टर्नर द्वारा दिया गया है। यह आयोजन 01 मार्च 2019 को आरबीआरएलएफ, कोलकाता के सहयोग से वीबीएलएन और लाइफ-लर्निंग लर्निंग एंड एजुकेशन, पीएसवी, विश्व-भारती द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। इस कार्यक्रम में पैंसठ उम्मीदवारों ने भाग लिया था।
4. पाँच (05) 26, 28, 31 अगस्त को विभिन्न विभागों के नए पुस्तकालय सदस्यों के लिए 'लाइब्रेरी संसाधनों का उपयोग कैसे करें' पर उपयोगकर्ता सीखने के कार्यक्रम आयोजित किए गए; 16, 17 सितंबर 2018. कार्यक्रम में कुल 187 छात्र और ग्रामीण विकास, ग्रामीण विस्तार केंद्र, सामाजिक कार्य, चेना भवन के 06 संकाय सदस्य शामिल हुए हैं।
5. ग्यारह (11) उरकुंड पर विशेष सत्र- साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर, षोड्गंगा, सोढ गंगोत्री, ज़ोटेरो,

रिमोट एक्सेस, आदि की व्यवस्था 24 अप्रैल को की गई है; 12 जून; 17 और 18 सितंबर 2018; 19, 21, 22 जनवरी; पुस्तकालय कर्मचारियों, संकाय सदस्यों और विद्वानों के लिए क्रमशः 02 और 16 फरवरी और 26 मार्च 2019। संबंधित कार्यक्रम में कुल 209 उम्मीदवारों ने भाग लिया है।

6. चार (04) ऑक्सफ़ोर्ड स्पॉटिफ़ ऑनलाइन पर प्रदर्शन कार्यक्रम, जेगेट प्लस, वेब ऑफ़ साइंस, भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक 29 मई को व्यवस्थित किए गए हैं; 12 जून; 31 जुलाई; पुस्तकालय के कर्मचारियों, संकाय सदस्यों और विद्वानों के लिए क्रमशः 06 नवंबर 2018। संबंधित कार्यक्रम में कुल 99 उम्मीदवारों ने भाग लिया है।

7. दो (02) 31 जुलाई को 'सेफ ड्राइव, लाइफ सेव' पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम और विश्व भारती के स्टाफ के लिए 'आनंद योग' 02 फरवरी 2019 की व्यवस्था की गई है।

8. चार (04) टीमों में बांग्लादेश, चीन, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल के विभिन्न संस्थानों के 148 उम्मीदवारों (संकायों और छात्रों सहित) शामिल हैं, 18 जनवरी, 04 फरवरी को अपने शैक्षिक दौरे के एक भाग के रूप में केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती गए हैं। 12 और 29 मार्च 2019।

9. वीबीएलएन के लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षित करने के लिए, 07 अगस्त 2018 को 'लिबसेस' पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें इक्कीस उम्मीदवारों ने भाग लिया। इसके अलावा, वीबीएलएन के लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए दो जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं।

10. कॉन्फ्रेंस हॉल, केंद्रीय पुस्तकालय को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के साथ-साथ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा रिपोर्टिंग वर्ष में फैले तैंतीस (33) कार्यों के लिए स्थल के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यान आदि :

सभी कर्मचारी : विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क के छोटे अपवाद वाले सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और एक या अन्य क्षमता में कार्य किया

ए) 27- 29 नवंबर, 2018 के दौरान तीन दिवसीय 28 वें आईएएसएलआईसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में सभी पुस्तकालय अधिकारियों/प्रभारी को आयोजन सचिव/सहायक आयोजन सचिव और स्मारिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में भी सौंपा गया है।

बी) लाइब्रेरियन्स डे-2018 के अवसर पर 11 अगस्त 2018 को व्याख्यान सत्र।

सी) पुस्तकालय दिवस-2018 के अवसर पर 18 दिसंबर 2018 को व्याख्यान सत्र।

डी) 03 जून 2018 और 01 मार्च 2019 को दोनों विशेष व्याख्यान।

ई) विशेष सत्र, डेमो कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी।

डॉ. निमाई चंद साहा

आमंत्रित व्याख्यान

1. अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है और विश्व विज्ञान कांग्रेस और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, जादवपुर द्वारा 21-23 नवंबर 2018 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित 8 वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में एक पेपर पेश करने और एक पेपर प्रस्तुत करने का हकदार है, जिसमें 'विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेवा' शामिल है। 21 वीं सदीः 21 नवंबर 2018 को कुछ मुद्दे।

2. पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित "सभी केलिए पुस्तकालय : सतत विकास के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों की भूमिका की खोज" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया। 07-08 मार्च 2019 के दौरान और 07 मार्च 2019 को तकनीकी सत्र-2 की अध्यक्षता की।

3. 15-16 फरवरी 2019 के दौरान शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा सतत विकास : एक बेहतर दुनिया का निर्माण एक बेहतर विश्व का निर्माण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 15 फरवरी 2019 को कॉन्फ्रेंस हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी में तकनीकी सत्र- 4 को 29-30 दिसंबर 2018 के दौरान, कल्याणी विश्वविद्यालय और डिजिटल लर्निंग लैंडस्केप' ऑर्गनाइज्ड (लाइब्रेरीज़ इन नेक्स्ट एरा) में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन सचिव द्वारा प्लेनरी व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। 29 दिसंबर को संगोष्ठी के मंच पर प्रो. जेके सरखेल के आकस्मिक और दुःखद निधन के कारण, उन्हें ही सुरक्षित रखा गया है। फिर से, जैसा कि 09 फरवरी को आमंत्रित किया गया था, 'डिजिटल वातावरण में पुस्तकालय सेवाओं का प्रसारः' क्या केवल लाइब्रेरी प्रोफेशनल के लिए एक चुनौती है? और घटना के वैध सत्र की अध्यक्षता भी करते हैं।

5. योजना पर कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया एन। के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्वभारती द्वारा आयोजित के संदर्भ में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का और विकास, 08 दिसंबर 2019 (शाम 3.45 और 5.00) को के संबंध में डिजिटल लाइब्रेरी और साहित्यिक मुद्दों पर व्याख्यान' दिया गया।

6. प्रभारी, पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र, विश्व-भारती द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया, 'रेफरेंसिंग, और ओपन एक्सेस रिसोर्स से हार्वेस्टिंग' के रूप में अनुसंधान उपकरण के रूप में सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक व्याख्यान देने के लिए और तकनीक और साहित्यिक चोरी जाँच और साहित्य की समीक्षा अनुसंधान में 05 और 07 फरवरी 2019 को क्रमशः (सायं 2.00 से 5.00)।

7. यूजीसी-एचआरडीसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में रिफ्रेशर कोर्स के पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 11 सितंबर 2018 (2.30 बजे) पर 'लाइब्रेरी फॉर एज़ थर्ड स्पेस' में एक व्याख्यान दिया। 4:30)।

8. भारतीय विज्ञान समाचार संघ और विज्ञान प्रसार, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'विज्ञान संचार और मीडिया प्रैक्टिस -2018' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया और 21 वीं सदी में 'डिजिटल संसाधन' पर व्याख्यान दियाः ओपन एक्सेस दृष्टिकोण '27 अगस्त 2018 (शाम 6 बजे - 8 बजे)

9. को एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्व-भारती द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स इन सोशल साइंसेज (5 वीं बैच) में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया और 'हैंडलिंग और रेफरिंग, एंडनोट एंड फुटनोट, संसाधन हार्वेस्टिंग और साहित्यिक चोरी के मुद्दों से निपटने के लिए व्याख्यान दिया। अनुसंधान और प्रकाशन '03 जुलाई 2018 (सुबह 10 से दोपहर 1 बजे और दोपहर 1.40 से 3.10 बजे)

10. को एके दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, विश्व-भारती द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स इन सोशल साइंसेज (4 बैच) में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया और 'हैंडलिंग और रेफरिंग, एंडनोट एंड फुटनोट, रिसोर्स हार्वेस्टिंग और साहित्यिक चोरी के मुद्दों से निपटने के लिए व्याख्यान दिया। 24 जून 2018 (सुबह 10 से दोपहर 1 बजे) पर अनुसंधान और प्रकाशन।

11. 17 जनवरी 2019 को विद्यासागर ऊंचा विद्यालय मैदान, घाटल, पश्चिम मेदिनीपुर में 17 वें पश्चिम मिदनापुर जिला पुस्तक मेला समिति द्वारा आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी में हाल की टाइम्स में पुस्तकों और पुस्तकालयों की भूमिका विषय पर रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया। दोपहर 2.00 बजे से 3.00 बजे तक।

12. रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और 10 जनवरी 2019 को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक पेट्रसैयर कॉलेज, पेट्रासेर, बांकुरा द्वारा आयोजित एक सेमिनार में कॉलेज लाइब्रेरी सर्विसेज, हायर एजुकेशन एंड एनएएसी : ग्राउंड्स रियलिटी विषय पर व्याख्यान दिया।

13. को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और 16 दिसंबर 2018 को बोलपुर दुक्बंगला मैदान, बोलपुर, बीरभूम में 37 वीं बीरभूम जिला पुस्तक मेला समिति द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में ई-पब्लिशिंगः ग्लोबल डिमांड, लाइब्रेरी एंड पब्लिकेशन विषय पर व्याख्यान दिया। दोपहर 2.30 से - 3.30 बजे।

14. लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस प्रोफेशनल्स एसोसिएशन ऑफ बंगाल, कोलकाता द्वारा लाइब्रेरी सर्विसेज केमौजूदा मुद्दे और एलआईएस प्रोफेशनल्स की भूमिका 'विषय पर एक दिवसीय चर्चा में वक्ता के रूप

में आमंत्रित किया गया है और 03 नवंबर को दिए गए विषय पर एक व्याख्यान दें। हेरिटेज बिल्डिंग में 2018, प्रसिद्ध शरत चंद्र चट्टोपाध्याय का निवास स्थान, कोलकाता।

15. आजीवन शिक्षण और सतत शिक्षा (आरईसी - ग्रामीण विस्तार केंद्र), विश्व भारती द्वारा आयोजित 'युवा संगठन और ग्रामीण पुस्तकालय सेवाओं' पर एक दिवसीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 24 जनवरी 2018 को दिए गए विषय पर एक व्याख्यान दें विभाग में 11.30 बजे से 12.15 बजे तक।

16. काजी नजरूल इस्लाम की 119 वीं जयंती के अवसर पर 40 वें नजारुल मेले में जनरल सेक्रेटरी, नजरुल अकादमी, चुरुलिया, पासिम बर्धमान द्वारा अतिथि और वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। जैसा कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था और 30 मई 2018 को हाल के समय में काजी नजरूल इस्लाम और काजी अब्दुल ओदूद के सामाजिक सोच के निहितार्थ विषय पर व्याख्यान दिया।

17. विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित और तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए प्रकाशित स्मारिका के संयुक्त आयोजन सचिव और सहयोगी संपादक के रूप में राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा समर्थित 27-29 नवंबर 2018 के दौरान लिपिका सभागार, विश्वभारती।

शैक्षणिक उपलब्धियाँः

1. देबजानी रॉय नामक एक अनुसंधान विद्वान के प्रो। सबुजकोली सेन (मित्रा) के साथ सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया गया, जिन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, विद्या भवन, विश्व-भाव विद मैमो नं। 2018-19, दिनांक 12 अगस्त 2018। उनकी थीसिस का शीर्षक संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रिंट मीडिया की भूमिका : बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल के स्थानीय प्रकाशनों के विशेष संदर्भ के साथ एक अध्ययन था।

2. 09 नवंबर 2018 से लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त (मानद)। यह अकादमिक पत्रिकाएं सहकर्मी की समीक्षा की खुली पहुंच वाली पत्रिकाओं का प्रकाशक है। शैक्षणिक पत्रिकाएं वर्तमान में कला और मानविकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, सामाजिक विज्ञान को कवर करने वाले 100 से अधिक ओपन एक्सेस जर्नल प्रकाशित करती हैं जैविक विज्ञान, भौतिक विज्ञान और कृषि विज्ञान।

3. नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन के स्कूल के तहत (पब्लिक लाइब्रेरी सिस्टम) के लिए शैक्षणिक सामग्री पर ऑडियो-वीडियो व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया और 12 दिसंबर 2018 को ए/वी स्टूडियो, क्षेत्रीय केंद्र में व्याख्यान दिया, घोष पारा स्टेशन रोड, कल्याणी नदिया से दोपहर 12 बजे-दोपहर 2.30 बजे।

4. एम.फिल के एक शोध प्रबंध की जांच करने के लिए कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्राधिकरण द्वारा नामित के रूप में 11 सितंबर 2018 को बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया। प्रो। स्वप्ना बनर्जी, प्रोफेसर, डीएलआईएस, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता की देखरेख में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के विद्वान

5. जैसा कि आमंत्रित किया गया है इक्कीस (21) व्याख्यान (प्रत्येक घंटे एक) अलग-अलग पहलुओं पर पीएचडी के उम्मीदवारों के लिए शोध के तरीके। शारीरिक शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम कार्य 2018-19, विनय भवन, विश्व-भारती 04, 05, 06, 07, 08, 10, 18, 19, 20, 21 और 22 जनवरी 2019।

6. जैसा कि आमंत्रित किया गया है, वीबी लाइब्रेरी, साहित्यिक चोरी की जाँच, रिमोट एक्सेस, संसाधन कटाई, संदर्भ और संदर्भ, निर्माण का कार्य, थीसिस का निर्माण, साहित्य समीक्षा, सांख्यिकीय तकनीक, आदि केसर्वोत्तम उपयोग पर नौ (09) व्याख्यान दिए गए हैं। एम. फिल के छात्र। 2018-29, अंग्रेजी विभाग। व्याख्यान तिथि - 01, 02, 08, 09, 29 सितंबर और 06 अक्टूबर 2018।

7. अपने कर्मचारियों और उपयोगकर्ताओं के लिए वीबीएलएन द्वारा आयोजित विशेष सत्र, पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम, आदि में व्याख्यान दिया।

श्री सुजीत कुजूर

7. 25 नवंबर के दौरान विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क, विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला पर एंड मैनेजमेंट फॉर रेफरेंस मैनेजमेंट टूल्स एंड एक्सपोजर टू वेब ऑफ साइंस विषय को प्रदर्शित करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में अधिनियम। 2017, कॉन्फ्रेंस हॉल, केंद्रीय पुस्तकालय, विश्व-भारती में।

8. विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित और तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित के रूप में वित्त और पंजीकरण समिति के सहायक आयोजन सचिव और स्मारिका के सहायक संपादक के रूप में 8 अधिनियम। 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान लिपिका सभागार, विश्वभारती, में।

9. नवंबर 2018 से जनवरी 2018 के मुद्दों के दौरान विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क ई-न्यूज़लेटर के 9 सहायक संपादक।

10. जर्नल ऑफ़ एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य जिसका शीर्षक द जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटी रिसर्च है।

11. संकलित शोध संग्रह, 2019

12. वॉल्यूम के लाइब्रेरी ई-न्यूज़लेटर के सहायक संपादक के रूप में कार्य किया। 2, मुद्दे - 11: मई 2014; वॉल्यूम। 2, मुद्दे - 1: जनवरी 2015; और वॉल्यूम। 2, अंक - 2: फरवरी 2015

डॉ. कौशिक घोष

1. जिला पुस्तकालय द्वारा आयोजित 27 अगस्त 2018 को जिला पुस्तकालय, सूरी में आयोजित सार्वजनिक पुस्तकालय दिवस-2018 पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. भारत में शिक्षा पर 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में टैगोर के ग्रामीण पुनर्निर्माण और पुस्तकालय की भूमिका शीर्षक का एक पेपर प्रस्तुत कियाः दिनांक 27/29 नवंबर, 2018 को वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की रणनीतियाँ, विश्वभारती पुस्तकालय द्वारा आयोजित। नेटवर्क, शांतिनिकेतन, विश्व-भारती शांतिनिकेतन में।
3. स्प्रिंगर नेचर द्वारा आयोजित दो दिवसीय स्प्रिंगर नेचर ईबुक कॉन्क्लेव में भाग लिया, 29 अगस्त -30 अगस्त, 2018 को द ललित जयपुर, जयपुर में आयोजित किया गया।
4. 04-25 सितंबर, 2018 से यूजीसी-एचआरडीसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में यूजीसी-प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
5. विश्वभारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और राजा राममोहन द्वारा समर्थित के रूप में ताज़ा उप-समिति, सांस्कृतिक उप-समिति और सहायक संपादक, स्मारिका के सहायक आयोजन सचिव के रूप में कर्तव्यों का पालन किया। रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन (आरआरआरएलएफ), कोलकाता में लिपिका सभागार, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 27 नवंबर को - 29 नवंबर, 2018।
6. दिसंबर के दौरान स्थानीय पुस्तकालय प्राधिकरण, बीरभूम द्वारा डैकबैंग्लो मैयोडन, बोलपुर में, बीरभूम जिला पुस्तक मेला समिति-2018 की संगोष्ठी समिति, स्मारिका कमेटी के संयोजक, स्मारिका कमेटी के सदस्य, सदस्य के रूप में मेरा कर्तव्य निभाया। 14-20, 2018।
7. ग्रामीण विकास संस्थान, विश्वभारती द्वारा आयोजित ग्रामीण उद्यमिता पर सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद, भारत सरकार द्वारा आयोजित समुदाय में आयोजित हॉल, श्रीनिकेतन, 9 -15 मार्च, 2019 को।

श्री देवव्रत हजारी

1. विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और स्मारिका के सहयोगी उप-समिति के सहायक सचिव और स्मारिका के सहयोगी आयोजन के रूप में 1 अधिनियम, राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित, 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान लिपिका ऑडिटोरियम, विश्वभारती, कोलकाता में।

श्री रामप्रसाद मजूमदार

2. दिवसीय आईएएसएलआईसी 28 वें राष्ट्रीय से में प्रकाशित के रूप में हॉल व्यवस्था उप समिति के सहायक आयोजन सचिव और स्मारिका के सहायक संपादक के रूप में 2 अधिनियम विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित और राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा लिपिका ऑडिटोरियम, विश्वभारती में 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान आयोजित।

अनुभागीय पुस्तकालय

डॉ. पार्थप्रतिम रे

1. विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और स्मारिका के संयुक्त आयोजन सचिव और एसोसिएट एडिटर के रूप में 1 अधिनियम, कोलकाता के राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित है। 27-29 नवंबर 2018 के दौरान लिपिका सभागार, विश्वभारती।

श्री केशब चंद्र सिन्हा

1. विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और स्मारिका के संयुक्त आयोजन सचिव और एसोसिएट एडिटर के रूप में 1 अधिनियम, कोलकाता के राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित है। 27-29 नवंबर 2018 के दौरान लिपिका सभागार, विश्वभारती।

श्री तापस कुमार दास

1. परिवहन और आवास उप-समिति के सहायक आयोजन सचिव और स्मारिका के सहायक संपादक के रूप में कार्य, जैसा कि विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित हुआ और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान लिपिका ऑडिटोरियम, विश्वभारती, में।

श्री अजय कुमार शर्मा

1. पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का सफलतापूर्वक पूरा किया गया - मार्च 2019 जिसे छक्रक द्वारा अनुमोदित किया गया है कैरियर एडवांसमेंट के उद्देश्य से एक रिफ्रेशर कोर्स के समकक्ष।
2. विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा 24 अप्रैल, 2018 को कॉन्फ्रेंस हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्व-भारती में आयोजित एक विशेष सत्र में जो तेरो : एक ओपन सोर्स रेफरेंस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

3. विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित के रूप में वित्त और पंजीकरण समिति केसहायक आयोजन सचिव और स्मारिका के सहायक संपादक के रूप में 3 अधिनियम। 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान लिपिका सभागार, विश्वभारती, में।

शैक्षणिक / प्रशासनिक भेद

1 विश्वभारती वेबसाइट के लिए संपादकीय समिति के सदस्य ।

2 राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ, पंजाब में 06 - 08 सितंबर 2019 को होने वाले आईसीडीटी 2019 के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

3 विश्व भारती पुस्तकालय ई-न्यूज़लेटर के 3 सहायक संपादक (अक्टूबर 2018 से जनवरी 2019 के अंक)।

4 पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका शीर्षक से।

5 पत्रिका के 5 एसोसिएट एडिटर सूचना स्रोतों और सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के हकदार हैं।

6 संगीत गैलेक्सी शीर्षक से पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के 6 सदस्य।

7 डिजिटल लाइब्रेरी सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल नामक पत्रिका के संपादक।

8 28 राष्ट्रीय संगोष्ठी वेबसाइट के वेबमास्टर

9 विश्वभारती के वेबमास्टर।

10 चेनाभवन, विश्वभारती के वेबमास्टर।

डॉ. सनत भट्टाचार्य

1 पुस्तकालय और सूचना विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 08-09 फरवरी 2019 के दौरान आयोजित ज्ञान संगठन में हाल के रुझान पर राष्ट्रीय सेमिनार में सूचना प्रौद्योगिकी - ज्ञान प्रबंधन के लिए एक उपकरणः केस स्टडी नामक 1 प्रस्तुत पत्र।

2 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में ग्रामीण पुस्तकालय के माध्यम से सामुदायिक शिक्षा : टैगोर के विचार और कार्य, भारत में एलआईएस शिक्षा :2018: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की रणनीतियों पर केंद्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, बीरभूम द्वारा आयोजित का शीर्षक प्रस्तुत पत्र 27-29 नवंबर 2018।

3 सांस्कृतिक और हॉल व्यवस्था के सहायक आयोजन सचिव-समिति के रूप में 3 अधिनियम, और स्मारिका के सहायक संपादक के रूप में विश्व भारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28

वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित, 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान लिपिका ऑडिटोरियम, विश्वभारती, कोलकाता में।

श्री प्रदीप हेम्ब्रम

विश्व भारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित और तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रकाशित और राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित के रूप में स्मारिका के परिवहन और आवास उप-समिति के सहायक आयोजन और सहायक संपादक के रूप में कार्य। 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान लिपिका ऑडिटोरियम, विश्वभारती में।

श्रीमती सुस्मितापालित (साहा)

विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आमंत्रण और स्वागत उप-समिति के सहायक आयोजन सचिव के रूप में कार्य और लिपिका सभागार, में राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा समर्थित - 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान आरती।

श्री आशीष ठाकुर

विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आमंत्रण और स्वागत उप-समिति के सहायक आयोजन सचिव के रूप में कार्य और लिपिका सभागार, कोलकाता में राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित-भारती 27-29 नवंबर 2018 के दौरान।

प्रकाशन

डॉ. निमाई चंद साहा

पुस्तकः

साहा, निमाई चंद; चटर्जी (गांगुली), अर्पिता (2019)। जनजातीय समुदाय की जानकारी की आवश्यकता और व्यवहार। जर्मनीः लैप लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन एंड कंपनी आईएसबीएन 978-620-2-06078-3, पृ. 173

ई-पत्रिका

2018-19 के दौरान मासिक लाइब्रेरी ई-न्यूज़लेटर के एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्य करें।

सम्मेलन की कार्यवाही

भट्टाचार्य, सनत और साहा, निमाई चंद : ग्रामीण पुस्तकालय के माध्यम से सामुदायिक शिक्षा : टैगोर के विचार और कार्य। 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान आरआरबीएफ, कोलकाता के सहयोग से विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क, शांतिनिकेतन और आईएएसएलआईसी कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से भारत में एलआईएस शिक्षा : वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की रणनीति पर 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी -2018 में।

श्री सुजीत कुजूर

इंटरनेशनल / नेशनल पीयर में आलेख जर्नल की समीक्षा कीः

एक जर्नल शीर्षक पर्ल : लाइब्रेरीज़ में वेब 2.0 एप्लीकेशन टूल्स का उपयोग नामक एक लेख प्रकाशित किया गया है। लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, वॉल्यूम 13, नंबर 1, जनवरी-मार्च 2019 (पृ.86-92)। - 0973-7081; ऑनलाइन आईएसएसएन - 0975-6922।

पुस्तक में अध्याय

डॉ. एसके सत्पथी द्वारा संपादित गुणवत्ता शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालयों के नए आयाम पुस्तक शीर्षक में शैक्षणिक पुस्तकालयों में सोशल मीडिया : विश्व-भारती पुस्तकालय नेटवर्क के विशेष संदर्भ के साथ नामक एक अध्याय का अध्याय प्रकाशित)। नई दिल्ली, भारतः मेट्रो बुक्स; आईएसबीएन 9788193874936।

श्री कौशिक घोष

1 घोष, कौशिक। मानव पुस्तकालय और टैगोर का आश्रम शिक्षा : विश्व भारती पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा 28 वें आईएएसएलआईसी राष्ट्रीय संगोष्ठी के स्मारिका में एक अध्ययन और लिपिक सभागार, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में कोलकाता के राजाराममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन द्वारा समर्थित है। 27 पर 29 नवंबर, 2018। पीपी.18-20।

2 साहा, जी., पॉल, एस., साहा, पी., और घोष, के. संपादक (सं.)। (2018)। सहकारी समिति और सामुदायिक विकास पर रवींद्रनाथ टैगोर का विजन। कोलकाता,ः आहली पब्लिशर्स।

3 घोष, कौशिक टैगोर के विशेष संदर्भ में सामुदायिक विकास के रूप में पुस्तकालय की भूमिका। सहकारी समिति और सामुदायिक विकास पर रवींद्रनाथ टैगोर का विजन। कोलकाताः अहीली पब्लिशर्स, 2018 पृ. 296-304।

4 घोष, प्रसूनकंटियान्दोष, कौशिक, रूपपुर ग्राम पंचायत के लिए विशेष संदर्भ के साथ सामुदायिक सूचना सेवाः एक अध्ययन सहकारी समिति और सामुदायिक विकास पर रवींद्रनाथ टैगोर का विजन। कोलकाताः आहली पब्लिशर्स, 2018. पृ .305-325।

यादगार

1 संपादकीय 37 वें बीरभूम जिला पुस्तक मेला स्मारिका 2018-19 के संपादकों में से एक के रूप में कार्य किया। 14-20 दिसंबर के दौरान डक बंगला मैदान, बोलपुर में बीरभूम जिला स्थानीय पुस्तकालय प्राधिकरण द्वारा आयोजित। पीपी। 1-3।

2 घोष, कौशिक 37 वां बीरभूम जिला पुस्तक मेला स्मारिका 2018-19। 14-20 दिसंबर के दौरान डक बंगला मोइदन, बोलपुर में बीरभूम जिला स्थानीय पुस्तकालय प्राधिकरण द्वारा आयोजित। पृ. 05-08।

श्री प्रसून घोषाल

पुस्तक अध्याय

1. घोष, प्रसूनकांति; और घोष, कौशिक। रूपपुर ग्राम पंचायत के विशेष संदर्भ में सामुदायिक सूचना सेवाः एक अध्ययन सहकारी समिति और सामुदायिक विकास पर रवींद्रनाथ टैगोर का विजन। कोलकाताः आहली पब्लिशर्स, 2018. पृ. 305-325।

श्री स्मृतिमय घोष

पुस्तक अध्याय

1. डॉ. एसके सत्पथी द्वारा संपादित गुणवत्ता शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालयों केनए आयाम पुस्तक शीर्षक में शैक्षणिक पुस्तकालयों में सोशल मीडियाः विश्व-भारती लाइब्रेरी नेटवर्क केविशेष संदर्भ के साथ शीर्षक। नई दिल्ली, भारतः मेट्रो बुक्स; आईएसबीएन 9788193874936।

श्री जिष्णु मंडल

पुस्तक अध्याय

डॉ. एस के सत्पथी द्वारा संपादित पुस्तक गुणवत्ता शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालयों केनए आयाम शीर्षक में विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क के विशेष संदर्भ के साथः अकादमिक पुस्तकालयों में सोशल मीडियाः विशेष शीर्षक के साथ। नई दिल्ली, भारतः मेट्रो बुक्स; आईएसबीएन 9788193874936।

अनुभागीय पुस्तकालय

श्री अजय कुमार शर्मा

1 ज़ोटेरोः अजय कुमार शर्मा, इन मनोज कुमार वर्मा (ईडीएस), डिजिटल एरा, दिल्ली में सूचना संसाधन प्रबंधन, 2019ः श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, 2019 के लिए एक टूल

2 अजय कुमार शर्मा द्वारा लाइब्रेरी वेव्स-ए बियानुअल पीयर रिव्यू जर्नल, 4 (2), जुलाई - दिसंबर, 2018 में 2-जुमला विश्व-भारती विश्वविद्यालय में संस्थागत भंडार की वैकल्पिक प्रणाली के रूप में। 113-118।

डॉ. सनत भट्टाचार्य

पत्रिका लेख

लाइब्रेरी सर्विस एंड इकोनॉमिक्स। ग्रांथगर जर्नल, अंक 68, न. .11 पृ. .4

सम्मेलन की कार्यवाही

भट्टाचार्य, सनत और साहा, निमाई चंदः ग्रामीण पुस्तकालय के माध्यम से सामुदायिक शिक्षाः टैगोर के विचार और कार्य। 27-29 नवंबर, 2018 के दौरान आरआरएलएफ, कोलकाता के सहयोग से विश्वभारती लाइब्रेरी नेटवर्क, शांतिनिकेतन और आईएएसएलआईसी कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से भारत में एलआईएस शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की रणनीति पर आईएएसएलआईसी 28 वें राष्ट्रीय संगोष्ठी -2018 में।

श्री अतनु कुमार सिन्हा

पत्रिका लेख

1 विश्व-भारती को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सोनतारी, विशेष अंक 2018 पश्चिम बंगाल के बीरभूम के संतालों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण में जनसंचार माध्यमों के व्यवहार और भूमिका की जानकारी। इंटरनेशनल रिसर्चः जर्नल ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 8 (2): 237-246, आईएसएसएन- 2249-0213, जून 2018।

2 संगोष्ठी और सम्मेलन के लिए एक पेपर कैसे पढ़ें और लिखेंः एक गाइड। सोनतारी, विशेष अंक 2018। दिसंबर 2018

3 सामबायि रबीन्द्रनाथ पल्ली- पनरफतभभनई स्रीनिकेतनपरबा। 100 वर्षों के अवसर पर विश्वभारती समाज समिति की स्मारिका। दिसंबर 2018।

4 दीपेश रायचौधिरिरेक्षति शंकरः स्फुरेखा शांतिनिकेतन। अबसार, 9 (1425): 19-33। दिसंबर 2018

5 पश्चिम बंगाल के बीरभूम के संतालों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण में जनसंचार माध्यमों के व्यवहार और भूमिका की जानकारी। इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 80 (1): 86-94, -0019-5006, जनवरी-मार्च 2019

पुस्तक अध्याय

बीरभूम जिले, पश्चिम बंगाल के/संतालों के बीच औषधीय पौधों का स्वदेशी ज्ञानः एक जातीय-वनस्पति जांच। को-ऑपोजिटिव सोसाइटी एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट पर रवींद्रनाथ टैगोर की दृष्टि में। पीपी। 341-349, आईएसबीएन - 8189169688

संपादकीय सदस्यः

1 डॉ. गौतम साहा, डॉ. सुजीत कुमार पाल, डॉ. प्रोसेनजीत साहा, डॉ. कौशिक घोष और श्री अतनु कुमार सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से विश्वभारती सहकारी क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के एक संगोष्ठी खंड और आजीवन सीखने और विस्तार के विभाग, विश्व-द्वारा संपादित भारती शीर्षक, सहकारी समिति और सामुदायिक विकास में रवींद्रनाथ टैगोर का विजन, अडेन्ली प्रकाशन प्रकाशक, 2018 द्वारा प्रकाशित।

2 विश्वभारती कर्म सभा द्वारा प्रकाशित सोनतारी, 3 (1) के संयुक्त संपादक

समाचार पत्र का लेख

1. 'कबीर कृषि-भाष्नार्थकारुपायन', आनंदबाजारपत्रिका, बीरभूम संस्करण, 6 फरवरी 201 9।
2. 'गांधी-पनिहाः एक्टिजीबनबोंध्रप्रतिक', जनार्दन, 12 वीं बुलेटिन, 16 मार्च 2019।
3. 'रवीन्द्र-भावनयश्रीनिकेतनर कृषि-परिकल्पना', आनंदबाजारपत्रिका, बीरभूम संस्करण, 6 मार्च 2019।
4. 'नाचे, गने, अबीरबसुतसुवदजपन', आनंदबाजारपत्रिका, बीरभूम संस्करण, 10 मार्च 2019।

विश्वभारती ग्रंथन विभाग, कोलकाता

पुस्तक विमोचन कार्यक्रमः

23 दिसंबर, 2018 को शांतिनिकेतन के पौष मेला मैदान में ग्रंथन-विभाग स्टाल के सामने एक पुस्तक-विमोचन समारोह आयोजित किया गया।

प्रकाशनः

कुल प्रकाशनः 36

नया पुस्तकः 9

पुनर्मुद्रण पुस्तक : 27

अप्रैल-2018 से मार्च 2019 के प्रकाशन

1. भारतीय साधना (विश्ववेद संग्रह) (नया)

मूल्य : .400.00

आईएसबीएन 978-81-7522-673-9

2. गितांजली (बार्लि) (खंड 1 और 2) (नया)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू.400.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-671-5

3. गीतांजली (प्रिकृति संस्करण) (नया)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 250.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-672-2

4. गलिपमेसेस ऑफ एनिसेंट इंडिया (नया)

लेखकः प्रभातमोहन बंद्योपाध्याय

मूल्य : रू. 750.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-679-1

5. खेला खेला (नया)

लेखकः कौसिक मुखोपाध्याय और निवेदिता बोस

मूल्य : रू. 300.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-680-7

6. रबींद्रनाथ : कलेकसन ऑफ ऐसे (नया)

लेखकः उमाशंकर जोशी

मूल्य : रू. 400.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-641-8

7. विश्वभारतीः एन ओडिसी इन पारलियामेंट मोड (नया)

लेखकः दिलीप कुमार सिन्हा

मूल्य : रू. 350.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-662-3

8. विश्वभारती पत्रिका (सावन-आसिन 1423) (नया)

संपादकः अमृतासुदन भट्टाचार्य

मूल्य : 100.00

9. विश्वभारती पत्रिका (कार्तिक-पौष 1423) (नया)

संपादकः अमृतासूदन भट्टाचार्य

मूल्य : 100.00

10. आमर मार बापेर बाड़ी (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रानी चंदा

मूल्य : रू. 120.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-570-1

11. चतुरंग (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 90.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-562-6

12. छेलेबेला (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 70.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-430-2

13. चिनापत्रा (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. .210.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-520-6

14. चिठ्ठीपत्र (खंड- 1) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू.170.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-473-5

15. गल्पोगुच्छा (खंड.2) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू.200.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-002-7

16. गिताबितान (अखंड) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 850.00

आईएसबीएन : 978-81-7522-009-6

17. गीतांजली (बंगाली) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 130.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-310-3

18. गीतांजली गीत प्रस्ताव (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 200.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-462-9

19. कालंतर (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. .250.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-118-5

20. मुकुट (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 80.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-607-4

21. प्रांतिक (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 70.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-532-9

22. पुनश्च (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 170.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-192-5

23. पूर्बी (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 250.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-404-9

24. पुरबा बंगलार गोलपो (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 450.00

25. रबींद्र उपन्यास संग्रह (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. .950.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-525-1

26. रबिन्द्र रचानावली (रेकसीन) (खंड 3) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. .900.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-437-7

27. रबिन्द्र रचानावली (रेकसीन) (खंड .13) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 700.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-438-4

28. रबींद्र परिचय (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

सम्पादकः भूदेव चौधरी और अन्य

मूल्य : रू. 150.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-493-3

29. संगीतचिंता (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 300.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-375-2

30. शिशु भोलानाथ (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 70.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-401-8

31. सर्वबितान (खंड .7) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 130.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-526-8

32. सर्वबितान (अंक .22) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 120.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-540-4

33. सर्वबितान (अंक 40) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 120.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-409-4

34. सर्वबितान (खंड .54) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू.110.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-527-5

35. सर्वबितान (खंड .56) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 110.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-094-2

36. सर्वबितान (सुची) (पुनर्मुद्रण)

लेखकः रवींद्रनाथ टैगोर

मूल्य : रू. 90.00

आईएसबीएनः 978-81-7522-187-1

पुस्तक मेला में भागीदारीः

1. रवीन्द्र जन्मोत्सव 2018, नंदन परिसर 09 से 24 मई 2018 तक
2. 12 से 24 मई 2018 तक रवींद्रन सदन पुस्तक मेला 2018
3. शांतिनिकेतन पुस्तक मेला 2018, 08 से 12 अगस्त 2018 तक रवीन्द्र भवन
4. कल्याणी पुस्तक मेला 2018 07 से 17 दिसंबर 2018 तक
5. पौष मेला 2018, शांतिनिकेतन 23 से 28 दिसंबर 2018 तक
6. नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2019 05 से 13 जनवरी 2019 तक
7. साहित्य उत्सव ओ छोटी पत्रिका पुस्तक मेला 2019 11 से 15 जनवरी 2019 तक
8. पुस्तक मेला 2019 11 से 15 जनवरी 2019 तक ओकाकुरा भवन में
9. कोलकाता पुस्तक मेला 2019 31 जनवरी से 11 फरवरी 2019 तक

लुप्तप्राय भाषा केंद्र (सीएफईएल)

यूनेस्को के प्रकाशन अनुसार, एटलस इंडिया लुप्तप्राय 197 ऐसी भाषाओं केसाथ, जिनमें से कई आदिवासी और हाशिए के समुदायों से संबंधित हैं भाषाओं के साथ देशों की सूची में सबसे ऊपर है। इस समस्या का समाधान यह करना है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा केंद्रीय और राज्य दोनों विश्वविद्यालयों में लुप्तप्राय भाषाओं (सीएफईएल) केलिए केंद्र स्थापित करने की कोशिश करना है।

केंद्र केउद्देश्य :

केंद्र के उद्देश्यों में (ए) लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान शामिल हैं ; (बी) अत्याधुनिक भाषण और भाषा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए छोटे देशी / लुप्तप्राय भाषाओं के अनुसंधान, विश्लेषण, संग्रह और प्रलेखन डिजिटल टेक्स्टुअल, ऑडियो और वीडियो प्रारूप; सी) पुस्तकों और मोनोग्राफ, व्याकरणिक रेखाचित्र, शब्दकोश और एथनो-भाषाई और सैद्धांतिक विवरण, मौखिक और लोक साहित्य के संग्रह का उत्पादन और प्रकाशन; डी) इन भाषाओं के विशेष संदर्भ के साथ भाषा और बोली का उत्पादन; (ई) केंद्र के अनुसंधान के उत्पादों यानी भाषाई डेटा, भाषा शिक्षण सामग्री और भाषा कलाकृतियों के डिजिटल और एनालॉग अभिलेखागार के लिए उन्हें सुलभ बनाकर स्वदेशी और लुप्तप्राय भाषा समुदायों की सेवा करने के लिए; (एफ) लुप्तप्राय भाषाओं के विभिन्न डोमेन का प्रचार और बढ़ावा देना ताकि भाषा की जीवटता का संरक्षण सुनिश्चित हो सके और लिपियों, किताबों और प्राइमर जैसी ऑर्थोग्राफ़िक संसाधनों का विकास हो सके।

विभागीय सेमिनार, कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान आदि।

1. 10-19 अप्रैल, 2018 लुप्तप्राय भाषा केंद्र ने शब्दकोश बनाने के लिए एक लेक्सिकन बिल्डिंग कार्यशाला का आयोजन किया।
2. 28-29 जुलाई, 2018 केंद्र ने विश्वभारती, शांतिनिकेतन में इनुमरेटर्स के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-कार्यशाला का आयोजन किया।
3. 9-11 सितंबर, 2018 केंद्र ने भाषा भवन, विश्वभारती, शांति निकेतन में डिबेटिंग इंडियन एस्पिरेशनल लैंग्वेजेज (डीआईएएल-2018) पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
4. 23-24 मार्च, 2019 केंद्र ने यूनिवर्सिटी ऑफ हाइलैंड्स एंड आईलैंड्स, यू.के. और ओडिया विभाग, विश्वभारती के सहयोग से प्रो. कोंचुर ओ जियोलागिन और श्री गॉर्डन वेल्स के व्याख्यान आयोजित किए।
5. 26-28 मार्च, 2019 केंद्र ने नई दिशा में पांडुलिपि पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

किया: भाषा और संस्कृति पांडुलिपि अध्ययन राष्ट्रीय मिशन (एनएमएम), नई दिल्ली के साथ भाषा-भवन के सहयोग से, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

विभागीय प्रकाशन

पुस्तकें

1. अल्पसंख्यक भाषा एवं संस्कृति : भारतीय संकटग्रस्त भाषाई सर्वेक्षण हेतु निर्देशिका संपादक कैलाश पटनायक और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी, सीमांत प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-87441-29-3
2. भारतीय भाषाएँ और संस्कृतियाँ: एक बहस, संपादक कैलाश पटनायक और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी, सीमांत प्रकाशन, नई दिल्ली आईएसबीएन: 978-93-87441-31-6
3. आकांक्षी भारतीय भाषा और संस्कृति: एक विमर्श संपादक कैलाश पटनायक और अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी, सीमांत प्रकाशन, नई दिल्ली आईएसबीएन: 978-93-87441-30-9।

सेमिनार / कार्यशालाएं / संगोष्ठी में भाग लिया

कैलाश पटनायक

05 अक्टूबर, 2018 सुब्रन रेखा कॉलेज, बालापाल, बालासोर, ओडिशा में समकालीन ओड़िया कथा पर एक व्याख्यान दिया।

30 अक्टूबर, 2018 साहित्य अकादमी और असमिया विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के द्वारा संयुक्त रूप से सईद अब्दुल मलिक पर जन्म शताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

23 नवंबर, 2018 पंजाब के अमृतसर में, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ओडिशा के लोक प्रदर्शन : परंपरा और आधुनिकता विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

10 जनवरी, 2019 कर्नाटक लोकगीत विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा आयोजित लोक जीवन के रूप में पांडुलिपि में प्रतिबिंब, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

29 मार्च, 2019 अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग, विश्व-भारती द्वारा आयोजित भाषा, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

बिदिशा भट्टाचार्जी

08 मई 2018 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली में आयोजित देशी और लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए अध्ययन और अनुसंधान की ओर राष्ट्रीय सम्मेलन में पश्चिम बंगाल में एक केस स्टडी ऑफ़ लैंग्वेज एटिट्यूड : ए केस स्टडी ऑफ़ वेस्ट बंगाल नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

22 जून 2018 द्रविड़ भाषाविदों और भाषा विज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय 46वें अखिल भारतीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक्स, जादवपुर विश्वविद्यालय और द्रविड़ भाषाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित द्रविड़ भाषा विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ना के रूप में एक बंगाली में एक विशिष्ट मार्कर शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

25 जुलाई 2018. रिलका, माहिडोल यूनिर्वसिटी, सालया, से एस, लंदन और टोक्यो के फॉरेन स्टडीज, जापान के माहिडोल विश्वविद्यालय, थाईलैंड में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाषा पुनरोद्धार और सामुदायिक पहलः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

29 जुलाई 2018. प्रस्तुत पत्र जिसका शीर्षक संरक्षित लुप्तप्राय भाषाएँ : समय की आवश्यकता : सीएफईल, विश्व-भारती की गतिविधियाँ और उद्देश्य दो-दिवसीय राष्ट्रीय-स्तर प्रशिक्षण कार्यशाला जो लुप्तप्राय भाषा केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित किया गया।

19 सितंबर 2018. प्रस्तुत लेख दूसरी भाषाओं के लिए पाठ्यपुस्तकों के लिए पाठ्य पुस्तकें बंगाली पाठ्य पुस्तकों का तुलनात्मक अध्ययन एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षण भाषा के रूप में बंगाली को द्वितीय भाषा के रूप में, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ बंगाल स्टडीज, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिंग्विस्टिक्स द्वारा आयोजित किया गया है।

27 अक्टूबर 2018. दिल्ली के विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, भारतीय जनजातियों के वैश्वीकरण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ग्लोबलाइजेशन एंड ट्राइबल आइडेंटिटीः टुड्र्स ग्लोकलाइजेशन शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

28 जुलाई 2018. सीएफईएल, वीबी में आयोजित प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-कार्यशाला में भाषाई क्षेत्र कार्य के साथ लुप्तप्राय भाषाओं के संदर्भ में व्याख्यान दिया गया।

29 जुलाई 2018. सीएफईएल, वीबी में आयोजित कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम-सह-कार्यशाला में भाषा प्रलेखन में आईटी की भूमिका और प्रशिक्षण में पुनरोद्धार पर व्याख्यान दिया।

25 जनवरी 2019। आईआईटी, धनबाद में आयोजित सोकोनलि -13 में अनफोरा रेजोल्यूशनः ए नॉलेज बेस्ड अप्रोच पर पेपर प्रस्तुत किया।

19 मार्च 2019. भारत में भाषाई संकट को मापने : एक पैरामीट्रिक दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिए गएः एमिटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव में हाइलैंड्स एंड आईलैंड्स, यू.के.

प्रकाशन

कैलाश पटनायक

पुस्तकों और पत्रिकाओं में लेख

1. अंधियारीजः दशु दीपक ओ साथी रूपक पक्शिगरा, भुवनेश्वर, अक्टूबर 2018।
2. ओडिया लोकनाटाकरे जनजातीय चित्रः प्रतिफलाना ओ तारा ब्याबाछेड़ा सत्यबाड़ी, कटक में। अक्टूबर 2018. आईएसएसएन 2581-3994।
3. साहित्य कोश (ओडिया साहित्य का विश्वकोश) में 3 (तीन) वस्तुओं का प्रवेश। भुवनेश्वरः अमा ओडिशा, 2018।
4. सैतान महलः स्त्रष्टा ओ श्रीस्थी सत्यबाड़ी, कटक, अप्रैल 2019।

बिदिशा भट्टाचार्जी

पुस्तक अध्याय और पत्रिका लेख

1. सह-लेखक प्रवासन और भाषा के खतरे : कुछ जानकारी पश्चिम बंगाल से, सीमांत प्रकाशन, दिल्ली आईएसबीएनः 978-938-7441-31-6।
2. देहातगोरोमोन ओ बशर बिपनोट्टा दुरादाबा, कोलकाता। आईएसएसएन : 2394-9090

अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी

पुस्तक अध्याय

1. लेक्सोग्राफी सं, टेलर एंड फ्रांसिस, यू.के. आईएसबीटी के राउटलेज हैंडबुक में इंटरनेट युग में हिंदी की सह-लेखिकाः 978-1-138-94160-1
2. प्रवासन और भाषा के खतरे : वासन और भाषा के खतरे : कुछ जानकारी पश्चिम बंगाल से , सीमांत प्रकाशन, दिल्ली आईएसबीएनः 978-938-7441-31-6।

समाचार पत्र का लेख

1. 17 मई, 2018. जनसत्ता में नाम मेम चविअम (नामकरण के नाम)।
2. 24 जून, 2018. जनसत्ता में “शिखा : गती ईवाम गतिरोधा” (शिक्षाः गति और गतिरोध)।
3. 15 जुलाई, 2018। जनसत्ता में अपवह का ताम्र (अफवाहों का नेटवर्क)।
4. 7 अक्टूबर, 2018. जनसत्ता में अल्पसंख्या का भावसोम भावविसय (छोटी भाषाओं का भविष्य)।
5. 11 नवंबर, 2018। जनसत्ता में गाँधी भारत एवं भाषा आयाम (गांधी के विचारों में भारत और भाषाएँ)।

6. 6 जनवरी, 2019. जनसत्ता में तकनिक का वारकास्वा (तकनीक का आधिपत्य)।

विकास के लिए भविष्य की योजना

1. पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, ओडिसा, झारखंड और बिहार में भाषा और सांस्कृतिक प्रलेखन के लिए गहन कार्यक्षेत्र का संचालन करना।
2. भाषा का विवरण, नक्शा, उपकरण, रिपोर्ट, प्राइमर और अन्य संसाधनों का उत्पादन करना।
3. एनएलपी का अनुसंधान और विकास सीमांत भाषाओं पर केंद्रित है।
4. भाषा विशेषज्ञों से भाषाई डेटा सत्यापन।
5. समुदाय आधारित कार्यशालाएं और सामाजिक-सांस्कृतिक रिपोर्टिंग।
6. समाज और भाषण समुदायों को संवेदनशील बनाने के लिए एक भाषा के खतरे का अलार्म विकसित करना।
7. सीमांत भाषाई समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में अध्ययन।
8. समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ कार्यशालाएं।
9. मुफ्त डाउनलोड के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर ऐप्स अपलोड करना।

दीर्घकालिक योजना

1. सीमांत भाषाओं और सांस्कृतिक अध्ययन के लिए एक पूर्ण अंतःविषय केंद्र स्थापित करना।
2. एक राष्ट्रीय लोकगीत संग्रहालय और ऑनलाइन संग्रह स्थापित करना।
3. शैक्षणिक पाठ्यक्रम विकसित करने और विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रमों को शुरू।
4. देश और राज्यों के लिए नीति बनाने में सहायता करना।
5. क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल इंडिया का पता लगाना।
6. क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक ऑनलाइन भाषा सूचना हब स्थापित करना।
7. क्रॉस भाषाई समुदायों आदि के लिए भाषा सीखने के उपकरण और भाषा के खेल का विकास करना।

बांग्लादेश भवन

एक संक्षिप्त इतिहास

25 मई, 2018 को, भारत के माननीय प्रधानमंत्रि और बांग्लादेश गणराज्य के लोगों ने संयुक्त रूप से बांग्लादेश भवन का उद्‌घाटन किया, जिसमें पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और दोनों देशों के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। विश्वभारती में बांग्लादेश अध्ययन के तहत अनुसंधान और प्रलेखन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में भवन की स्थापना के विचार की शुरुआत बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2010 में अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान की थी। एक पुस्तकालय का निर्माण, एक सम्मेलन हॉल और एक संग्रहालय, भारत में बांग्लादेश के इतिहास, संस्कृति और विरासत के संवर्धन की दिशा में केंद्र की योजना बनाई गई थी।

बांग्लादेश भवन का नियमित कामकाज 18 सितंबर 2018 से शुरू हुआ, जब संग्रहालय को जनता के देखने के लिए खोला गया था। संग्रहालय में कुछ अलग कोने हैं। पूर्वी बंगाल में टैगोर परिवार की विरासत, ऐतिहासिक मातृभाषा आंदोलन (1952) और बांग्लादेश लिबरेशन वॉर (1971) से संबंधित टैगोर कॉर्नर की विरासत को दर्शाती है, जो पूर्वी पाकिस्तान के दौर में हुई थी, जो बांग्लादेश और कुछ वस्तुओं के लिए नाजुक हस्तशिल्प का काम करती है। उत्खनन द्वारा खोजे गए पूर्वी बंगाल से पुरातत्व संबंधी रुचि।

26 जुलाई 2018 को आयोजित एक द्विपक्षीय वार्ता में, बांग्लादेश से उच्च अधिकारियों वाले एक आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संग्रहालय को बढ़ाने और पुनर्व्यवस्थित करने की इच्छा व्यक्त की, जिसके बाद ढाका के राष्ट्रीय संग्रहालय के चार सदस्यों के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने संग्रहालय का निरीक्षण किया। भविष्य में भवन की पहली मंजिल में एक बड़ी गैलरी के खुलने के बाद कलाकारों को अपने कार्यों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इसकेअलावा, दो प्रख्यात कलाकारों द्वारा दो फ्रेस्को, दोनों देशों के एक-एक भजन की सामने की दीवारों को अलंकृत करने की योजना है।

बांग्लादेश भवन पुस्तकालय की अपनी एक विशेषता है। वर्तमान में अभी 3146 पुस्तके हैं, जो सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं। कोई भी व्यक्ति अध्ययन उद्देश्यों के लिए आसानी से पुस्तकालय तक पहुंच सकता है, हालांकि पुस्तकालय में उधार लेने की सुविधा अभी तक उपलब्ध नहीं है। निकट भविष्य में बांग्लादेश द्वारा भेंट किए गए 3000 पुस्तकों का एक अतिरिक्त संग्रह जोड़ा जाना है।

बांग्लादेश भवन में 453 सीटों और सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ एक बड़ा अत्याधुनिक सभागार है। शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक विशाल कैफेटेरिया और दो संगोष्ठी कक्ष (एक चल दीवार है)।

इस पड़ोसी देश के बारे में एक विचार लेने के लिए रोजाना औसतन 150 पर्यटक बांग्लादेश भवन संग्रहालय जाते हैं।

वर्तमान कर्मचारी प्रतिमान

मानबेन्द्र मुखोपाध्याय, बंगाली के प्रोफेसर, विश्वभारती बंगाली विभाग में अपने सामान्य कर्तव्यों के अलावा 7 जुलाई 2018 से बांग्लादेश भवन के पहले मुख्य समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं।

केशव चंद्र सिन्हा, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, विश्वभारती बांग्लादेश भवन के लाइब्रेरी-इन-चार्ज हैं। वे विनय भवन पुस्तकालय में अपने सामान्य कर्तव्यों के अलावा इस पुस्तकालय की देखभाल करते हैं।

रबींद्र भवन अभिलेखागार के अधीक्षक उत्पल मित्रा बांग्लादेश भवन में संग्रहालय प्रभारी के रूप में तैनात हैं।

विश्व भारती चीना भवन लाइब्रेरी के पेशेवर सहायक सौमित्र कुमार चक्रवर्ती वर्तमान में बांग्लादेश भवन पुस्तकालय में तैनात हैं।

एक संविदा कर्मचारी और तीन महादलित कार्यकर्ता भी बांग्लादेश भवन में लगे हुए हैं।

25 मई 2018 से 31 मार्च 2019 तक उद्घाटन के बाद से बांग्लादेश भवन द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. 25 मई 2018. बांग्लादेश भवन का उद्घाटन भारत और बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और शेख हसीना ने संयुक्त रूप से किया। विश्वभारती और बांग्लादेश के पीपुल्स रिपब्लिक के उच्च शिक्षा मंत्रालय केसचिव श्री सोहराब और कुलपति प्रो. सबुजकोली सेन एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
2. 07 जुलाई 2018 बंगाली विभाग के प्रोफेसर मनबेंद्र मुखोपाध्याय को कार्यालय आदेश द्वारा बांग्लादेश भवन केमुख्य समन्वयक के रूप में कार्य करने के लिए सौंपा गया। श्रीमती श्यामला रॉय नायर, डिप्टी रजिस्ट्रार और सीएस वीसी, विश्वभारती को उनके सामान्य कर्तव्यों के अलावा, भवन में प्रभारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।
3. 26 जुलाई 2018. बांग्लादेश सरकार की आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल टीम और विश्वभारती के संबंधित अधिकारियों की टीम के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। बांग्लादेश के प्रतिनिधियों ने वादा किया और 31 अगस्त 2018 के भीतर उपहार देने के लिए संग्रहालय और बाकी किताबों को सौंपने की घोषणा की।
4. 08 अगस्त 2018. बांग्लादेश भवन में बृक्षरोपन (वृक्षारोपण) समारोह मनाया गया। विश्वभारती के कुलपति और कोलकाता में बांग्लादेश के उप-उच्चायुक्त श्री तौफिक हसन ने संयुक्त रूप से बांग्लादेश भवन परिसर में एक पौधा लगाया।
5. 18 सितंबर 2018. संग्रहालय अनुभाग और पुस्तकालय खंड का भवन पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया।
6. 16 दिसंबर 2018. विश्व-भारती में बांग्लादेश के छात्र विजय दिवस पर भवना के पोर्टिको में निरीक्षण करते हैं।

7. 29 जनवरी 2019. बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमिश्नर ने विश्व भारती के कुलपति प्रो.बिद्युत चक्रवर्ती को 10 करोड़ रुपये का एक चैक कोष के रूप में सौंपा।

8. 21 फरवरी 2019 विश्वभारती ने बांग्लादेश भवन परिसर में 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाया।

9. 17 मार्च 2019. मृणाल सेन की फिल्म एकदीन प्रतिदिन प्रदर्शित हुई, जिसके बाद प्रख्यात कला समीक्षक श्री समिक बंद्योपाध्याय का व्याख्यान हुआ।

भविष्य की योजनाएं और प्रावधान

बांग्लादेश को अकादमिक रूप से जीवंत बनाने के लिए, और इसे विश्वभारती और देश में संस्कृति अध्ययन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए, यह प्रस्तावित किया गया है कि भवन

क) जनवरी 2019 से एक पखवाड़े अध्ययन मंडल (पथचक्र) का आयोजन करें; तथा

ख) 1. एक अनुसंधान केंद्र खोलें बंगाली संस्कृति में अध्ययन और 2) भारत और बांग्लादेश पर विशेष जोर देने के साथ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई संस्कृति पर अध्ययन और शोध।

अध्याय- 3

शैक्षणिक विवरण कार्यक्रम
वर्ष 2018-2019
अकादमिक सत्र 1 जून 2018 से 15 मई 2019 तक

	कार्यक्रम	समय अनुसूची
1.	**प्रवेश**	
ए)	विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रवेश फार्म और प्रॉस्पेक्टस विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध है।	3 मई, 2018 से
बी)	आवेदन पत्र की प्राप्ति के अंतिम तिथि ऑनलाइन के द्वारा	10 जून, 2018
	ऑनलाइन योग्यता सूची	
	उम्मीदवारों की परामर्श	
	पहली मेरिट सूची	विश्वविद्यालय द्वारा
	द्वितीय मेरिट सूची	वेबसाइटः www.visva-bharati.ac.in
	पर कक्षाओं की शुरुआत	
डी)	प्रवेश परीक्षा - पीजी पाठ्यक्रम और इसके परिणाम	
ई)	पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश	
2.	**कक्षाओं की शुरूआत**	
ए)	पाठ-भवन और शिक्षा-सत्र (माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा)	2 जनवरी और 1 जुलाई, 2018
बी)	यूजी -1, 3, 5, 7, पीजी -1, 3, बीएड, बीपीईडी और ललित कला पाठ्यक्रम में डिप्लोमा	6 जुलाई, 2018
सी)	यूजी -2, 4, 7, और पीजी -2, 4 पाठ्यक्रम	2 जनवरी, 2018 तक
3.	**प्रमाणपत्र / डिप्लोमा / विशेष डिप्लोमा पाठ्यक्रम**	
ए)	प्रवेश और समापन के लिए विज्ञापन प्रवेश प्रक्रिया और कक्षाओं की शुरूआत (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/ विशेष डिप्लोमा / पाठ्यक्रम (विदेशी और भारतीय) ललित कला में पाठ्यक्रम)	10 अगस्त से 15 दिसंबर, 2018

4.	**अंत सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरना**	
ए)	स्कूल सर्टिफिकेट/ प्री-डिग्री परीक्षा (वार्षिक)	दिसंबर 2018 के अंतिम सप्ताह से 15 जनवरी, 2019
बी)	यूजी -2, 4, 6, 8, पीजी -2 और पीजी -4 सेमेस्टर/अन्य अंतिम साल	मार्च, 2018 के तीसरे सप्ताह के भीतर
सी)	यूजी -1, 3, 5, 7 और पीजी -1, 3 सेमेस्टर	10 नवंबर, 2018 के भीतर
5.	**आंतरिक मूल्यांकन अंक के लिए जमा**	परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक सप्ताह पहले परीक्षा अनुभाग में जमा किया जाना है।
6.	**परीक्षा**	सेमेस्टर-1 21 दिसंबर, 2018 के भीतर पूरा हो गया और दूसरा सेमेस्टर-2 15 मई, 2019 के भीतर पूरा हो गाय।
ए)	स्कूल प्रमाण पत्र	29 मार्च, 2018 तक पूरा किया जाना है
	पूर्व-डिग्री	26 मार्च, 2018 तक पूरी की जाएगी
बी)	यूजी -1, 3, 5, 7और पीजी -1, 3और 5 सेमेस्टर	20 दिसंबर, 2018 तक पूरा किया जाएगा
सी)	यूजी -2, 4, 6, 8 और पीजी -2, 4 सेमेस्टर	15 मई, 2018 तक पूरा किए जाएंगे
डी)	एम. फिल	15 जून, 2018 तक पूरा किया जाएगा

7. **ए. अवकाश**	**ए) पहला अवधि (ग्रीष्मकालीन अवकाश)**	**बी) दूसरा अवधि (पूजा अवकाश)**
पाठ-भवन	11 मई से 19 जून, 2018	12 अक्टूबर से 10 नवंबर, 2018
शिक्षा-सत्र	11 मई से 19 जून, 2018	12 अक्टूबर से 10 नवंबर, 2018

7 बी) संकाय के लिए

ए) पहला अवधि-ग्रीष्मकालीन अवकाश	18 मई से 16 जून, 2018
बी) दूसरा अवधि -पूजा अवकाश	15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर, 2018
सी) तीसरा अवधि -शीतकालीन अवकाश	26 दिसंबर 2018 से 1 जनवरी 2019 तक

8. **परिणामों का प्रकाशन**

ए) स्कूल सर्टिफिकेट / प्री-डिग्री	10 जून, 2018
बी) यूजी -1, 3, 5, 7 और पीजी -1, 3 सेमेस्टर	परीक्षा पूर्ण होने के एक महीने के भीतर।
सी) यूजी -2, 4, 6, 8 और पीजी -2, 4 सेमेस्टर	परीक्षा पूर्ण होने के एक महीने के भीतर।

9. ए) अनुसंधान विद्वान का चयन - विभागवार	जुलाई प्रत्येक वर्ष
बी) पीएचडी कोर्षवर्क की शुरूआत	अगस्त प्रत्येक वर्ष
सी) पीएचडी कोर्षवर्क के परिणामों का प्रकाशन	अप्रैल प्रत्येक वर्ष

अध्याय- 4

31.03.2019 को छात्रों की सांख्या

पाठ्यक्रम का नाम : स्नातक

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	344	418	116	96	6042	22	07	173	182	79	53--		-- --		--	
द्वितीय वर्ष	318	411	130	104	6035	12	08	200	161	56	69--		-- --		--	
तृतिय वर्ष	278	343	102	80	3740	07	06	150	113	66	48--		-- --		--	
चतुर्थ वर्ष	41	30	1208	07	03	--	--	30	0701	03	--	--	--	--		
कुल	**981**	**1202**	**360**	**288**	**164**	**120**	**41**	**21**	**553**	**463**	**202**	**173**	--	--	--	--

पाठ्यक्रम का नाम : स्नातकोत्तर

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	326	402	112	99	3826	05	01	170	121	67	54--		-- --		--	
द्वितीय वर्ष	308	365	111	85	4639	07	05	186	109	87	56--		-- --		--	
कुल	**634**	**767**	**223**	**184**	**8465**	**12**	**06**	**356**	**230**	**154**	**110**	--	--	--	--	

पाठ्यक्रम का नाम : एम.फिल/पीएच-डी

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	17	20	066	--	4	0	--	15	12	--	--	--	--	--	--	
द्वितीय वर्ष	23	31	063	02	2 1	--	10		08 2		2 --		-- --		--	
कुल	**40**	**51**	**129**	**02**	**6 1**	--	**25**		**20 2**		**2** --		-- --		--	

पाठ्यक्रम का नाम : स्नातकोत्तर

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	72	59	2810	06	04--		-- 32		2312	01	--	--	--	--		
द्वितीय वर्ष	168	213	3816	15	0602		02 53		2934	17	--	--	--	--		
तृतिय वर्ष	82	67	1410	05	03--		01 19		0510	03	--	--	--	--		
चतुर्थ वर्ष	46	42	1606	06	0501		-- 29		1608	07	--	--	--	--		
पंचम वर्ष	50	43	2406	08	0301		-- 23		1903	11	--	--	--	--		
कुल	**418**	**424**	**120**	**48**	**4021**	**04**	**03**	**156**	**9267**	**39**	--	--	--	--		

पाठ्यक्रम का नाम : प्रमाणपत्र

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	75	143	3615	03	02--		-- 20		1913	08	--	--	--	--		
द्वितीय वर्ष	70	112	1919	06	04--		-- 16		2405	09	--	--	--	--		
कुल	**145**	**255**	**5534**	**09**	**06--**		**-- 36**		**4318**	**17**	**--**	**--**	**--**	**--**		

अकादमिक वर्ष 2018-2019 में नए नामांकन

पाठ्यक्रम का नाम : स्नातक

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	344	418	116	96	6042	**22**	**07**	173	182	79	53--		-- --		--	

पाठ्यक्रम का नाम : स्नातकोत्तर

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	326	402	112	99	3826	**05**	**01**	170	121	67	54--		-- --		--	

पाठ्यक्रम का नाम : एम.फिल

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	17	20	06	06	--	04	--	--	15	12	--	--	--	--	--	--

पाठ्यक्रम का नाम : पीएच.डी

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	72	59	28	10	06	04	--	--	32	23	12	01	--	--	--	--

पाठ्यक्रम का नाम : डिपलोमा

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	25	14	04	05	02	01	--	--	03	04	05	04	--	--	--	--

पाठ्यक्रम का नाम : प्रमाणपत्र

	सामान्य		एस.सी		एस.टी		पी.एच		ओबीसी		अल्पसंख्यक		नागरिकता		निवासी	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
प्रथम वर्ष	75	143	36	15	03	02	--	--	20	19	13	08	--	--	--	--

अध्याय-5

वर्ष 2018-2019 के लिए पूंजीगत संपत्ति के तहत की जा रही परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना/योजना का नाम	निष्पादक
ए)	**जलापूर्ति**	
1.	विद्या-भाषा भवन से बांग्लादोश भवन श्रीनिकेतन पंप गृह मुख्य लाइन से पानी की आपूर्ति लाइन में सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
2.	मेला ग्राउंड शांतिनिकेतन पर पानी की आपूर्ति व्यवस्था के लिए 50 मिमी व्यास का जीआई पाइप लाईन।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
3.	सामाजिक कार्य विभाग श्रीनिकेतन के लिए 50 मिमी व्यास का जल आपूर्ति के लिए जीआई पाइप लाइन पीवीसी पाइप के साथ ।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
4.	अंतर्राष्ट्रीय लड़को का छात्रावास से 'सी' प्रकार के दूमंजिला आवासिय परिसर दक्षिणपल्ली, शांतिनिकेतन तक 200 मिमी व्यास के मुख्य लाईन से 150/100/80 मी.मी. व्यास डीआई पाइप लाईन बिछाने का कार्य।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
5.	श्यामबती पम्प गृह, शांतिनिकेतन में एक आपूर्ति, फिटिंग और फिक्सिंग एक ऊर्जा कुशल मोनो-ब्लॉक सेंट्रीफ्यूगल पंप 15 एचपी साथ में एक 3 एचपी संपूर्ण पाठ पूर्जे के साथ स्थापना।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
6.	विद्या भवन पंप गृह में सारे पाठ-पूर्जे के साथ 17.5 एचपी पंप स्थापना साथ में स्वचलित नियंत्रक वोल्टेज स्टेबलाईजर, क्लोरीनेटर।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
7.	विनय भवन पंप गृह में सारे पाठ-पूर्जे के साथ 17.5 एचपी पंप स्थापना साथ में स्वचलित नियंत्रक वोल्टेज स्टेबलाईजर, क्लोरीनेटर।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
8.	श्रीनिकेतन पंप गृह में सारे पाठ-पूर्जे के साथ 17.5 एचपी पंप स्थापना साथ में स्वचलित नियंत्रक वोल्टेज स्टेबलाईजर, क्लोरीनेटर।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
बी.	**नालियां:**	
1	शांतिनितन में विद्या भवन के लड़कों का छात्रावास के पीछे की नालियों का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
2	पद्म भवन शांतिनिकेतन से फायर स्टेशन तक की नालियों का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
3	शांतिनिकेतन में पोस्ट ऑफिस क्रॉसिंग से श्यामबती पानी की टंकी तक की नालियों का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**

सी. रास्ताः

1.	एप्रोच रोड से कंप्यूटर केंद्र और शांतिनिकेतन गेट तक रोड का सुधार शांतिनिकेतन में गेट और बाड़ के साथ।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
2	पियरसन मेमोरियल अस्पताल की आंतरिक सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
3.	विद्या-भाषा भवन निर्माण के बैकसाइड एप्रोच रोड का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
4.	विनय भवन क्षेत्र श्रीनिकेतन में सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
5.	श्रीनिकेतन क्षेत्र के आवास सं. 31-32 पीएसवी से डेयरी तक सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
6.	श्रीनिकेतन क्षेत्र के बिहारीपारा एलएसएस आवास सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
7.	श्रीनिकेतन में सामाजिक अभियांत्रिकी और पीसीके परिसर के लिए सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
8.	विनय-भवन स्विमिंग पूल से एलएसएस आवास तक सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
9.	विनय-भवन स्विमिंग पूल से स्टेडियम तक सड़क का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**

डी बांउड्री वॉल / फेसिंग, आदिः

1	पुराने निबंधन कार्यालय से पशु चिकित्सा अस्पताल और फायर ब्रिगेड क्षेत्र के क्षतिग्रस्त भागों की मरम्मत/ नवीनीकरण और चारदीवारी की ऊंचाई बढ़ाना साथ में शांतिनिकेतन के विकसित क्षेत्र।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**

ई. इलेकट्रिकल :

1.	बांग्लादेश भवन, भाषा भवन, विनय भवन छात्रावास क्षेत्र, स्विमिंग पूल क्षेत्र और आश्रम क्षेत्र में उच्च मस्तूल रोशनी का सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
2.	नंदन और उत्तरायण परिसर, शांतिनिकेतन में रोशनी की मरम्मत/सुधार।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
3.	शांतिनिकेतन में एलईडी (चरण- I) के स्ट्रीट लाइट की मरम्मत/प्रतिस्थापन।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**
4.	विनय भवन एंड्रयूज पल्ली और श्रीनिकेतन क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट फिटिंग का प्रतिस्थापन।	**अभियंत्रिकि विभाग, वि.भा.**

एफ. विश्वभारती परिसर में जल-निकायों की खुदाई/पुनः उत्खननः

1.	दक्षिणपल्ली, शांतिनिकेतन में संपदा निकाय में जल निकाय का पुनः उत्खनन कार्य।	**संपदा कार्यालय, वि.भा.**
2.	दक्षिणपल्ली, शांतिनिकेतन के जल निकाय की बाड़ का सौंदर्यीकरण।	**संपदा कार्यालय, वि.भा.**
3.	हातीपुकुर शांतिनिकेतन का जल निकाय का आंतरिक एवं बाहरी का मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण ।	**संपदा कार्यालय, वि.भा.**
4.	सुखासर जल निकाय श्रीनिकेतन की खुदाई का कार्य।	**संपदा कार्यालय, वि.भा.**

अध्याय-6

विश्वविद्यालय वित्त

खाता शीर्षक	वास्तविक 2014-15 रु. लाख में	वास्तविक 2015-16 रु. लाख में	वास्तविक 2016-17 रु. लाख में	वास्तविक 2017-18 रु. लाख में	वास्तविक 2018-19 रु. लाख में
प्राप्ति :					
यूजीसी अनुदान	18913.55	21706.99	22108.16	24112.57	24345.98
निजी प्राप्ति	823.52	873.41	892.73	894.67	883.77
कुल :	19737.07	22634.40	23000.89	25007.24	25229.75
भूगतान :					
वेतन एवं भत्ता	12446.99	13248.76	13390.70	18074.11	17940.40
पेंशन एवं अवकाश लाभ	5590.47	6303.98	6442.43	5287.05	7136.96
गैर वेतन व्यय	1678.89	1953.26	2085.67	2614.14	29926.60
कुल :	19716.35	21506.00	21918.80	25975.30	28069.96

अध्याय-7

शैक्षणिक और अनुसंधान अनुभाग
विश्वभारती

विश्वभारती ने सभी शैक्षणिक कार्यक्रम (स्कूल अनुभाग से पीएच.डी स्तर तक) आयोजित किए, जिसके लिए 2018 में प्रवेश दिया गया था। 31.03.2019 को श्रेणीवार छात्रों का नामांकन परिशिष्ट-1 के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों / केंद्रों में प्रस्तुत किया गया है।

पाठ्यक्रम का संशोधनः

विश्वविद्यालय के विभिन्न भवन / विभाग के पाठ्यक्रम के निम्नलिखित संशोधन को अकादमिक परिषद (शिक्षा-समिति) द्वारा दिनांक-12.01.2019 और कर्म-समिति (कार्यकारी परिषद) दिनांक-23.02.2019 (आइटम नंबर 4) द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

(1) पाठ्यक्रम

(ए) तुलनात्मक साहित्य केंद्र के लिए एम.ए. और जेनेरिक ऐच्छिक पाठ्यक्रम

(बी) आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र के लिए फ्रेंच, जर्मन, इतालवी और रूसी में एम.ए पाठ्यक्रम

(सी) जापानी विभाग के लिए कौशल-वृद्धि पाठ्यक्रम और

(डी) भाषा-भवन के तहत चीनी और संस्कृति विभाग के लिए यूजी-सीबीसीएस और बी.ए. (ऑनर्स) और एम.ए.

(2) भाषा-भवन के तहत संथाली विभाग के लिए एम.फिल के नए पाठ्यक्रम और पीएच.डी.पाठ्यक्रम कार्य।

(3) तमिल साहित्य में एम.ए. के नए पाठ्यक्रम तमिल एपिग्राफी में डिप्लोमा, तमिलनाडु में डिप्लोमा इन तमिल आर्ट एंड आर्किटेक्चर और तमिलनाडु में भाषा परंपरा में भाषा-भाव के तहत डिप्लोमा।

(4) योगा कला और विज्ञान विभाग के सीबीसीएस मोड में विनय-भवन के तहत योग में बीएस. सी.(प्रतिष्ठा) का पाठ्यक्रम।

(5) पल्ली शिक्षा-भवन के अंतर्गत सांख्यिकी (स्टैट 550, स्टैट 551, स्टैट 552 और स्टैट 553) का एम.एससी(एगी.) का पाठ्यक्रम।

(6) पाठ-भवन और शिक्षा-सत्र का इतिहास का (कक्षा-10) और गणित-पाठ (अतिरिक्त, कक्षा-10)।

(7) पल्ली संगठन विभाग के तहत पाली में शिक्षा पाठ्यक्रम (एक वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा) का डिप्लोमा

पाठ्यक्रम और सामाजिक कार्य और बहिष्कार कार्य विभाग की समावेशी नीति में डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

(8) दर्शनशास्त्र में एम.ए का पाठ्यक्रम, तुलनात्मक धर्म में एम.ए, अर्थशास्त्र में एम.ए और विद्या-भावना के तहत संचार पत्रकारिता में एम.ए.

(9) शिक्षा-भवन के अंतर्गत विभिन्न विभागों के पाठ्यक्रमः

(ए) एमएससी (सेमेस्टर 1 से 4) और बी.एससी (सेमेस्टर 4 और 5) गणित में;

(बी) भौतिकी में पीएचडी का ऐच्छिक पेपर पाठ्यक्रम;

(सी) एमएससी पर्यावरण विज्ञान में;

(घ) सांख्यिकी में पीएच.डी. पाठ्यक्रम;

बंदोबस्ती व्याख्यानः

वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित बंदोबस्ती व्याख्यान आयोजित किए गए थे।

(ए) महर्षि देबेंद्रनाथ मेमोरियल व्याख्यान।

(बी) हजारीप्रसाद द्विवेदी मेमोरियल व्याख्यान ।

(सी) नृपेंद्र चंद्र बंद्योपाध्याय मेमोरियल व्याख्यान ।

(डी) प्रबोध चंद्र बागची मेमोरियल व्याख्यान ।

(ई) सुधाकर चट्टोपाध्याय मेमोरियल लेक्चर।

परिशिष्ट-ए

विभागों के अध्यक्ष

क्र.	विभागों का नाम	विभागों के अध्यक्ष
1.	बंगाली विभाग	प्रो. अभ्रा बोस
2.	अंग्रेजी विभाग	प्रो. अमृत सेन
3.	यूरोपीय भाषा विभाग	प्रो. नीलांजनी चक्रवर्ती
4.	हिंदी विभाग	प्रो. रवींद्रनाथ मिश्र
5.	संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग	प्रो. नरोत्तम सेनापति
6.	दर्शनशास्त्र विभाग और तुलनात्मक धर्म	प्रो. आशा मुखर्जी
7.	ओडिया विभाग	प्रो. कैलाश चन्द्र पट्टनायक
8.	अरबी, फ़ारसी उर्दू और इस्लामिक अध्ययन विभाग	मो. फैक
9.	भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग	प्रो. अभिजीत सेन (एचओडी के रूप में कार्य)
10.	जापानी अध्ययन विभाग	डॉ. गीता ए. कीनी
11.	चीनी भाषा और संस्कृति विभाग	प्रो. अविजीत बनर्जी (एचओडी के रूप में)
12.	अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग	प्रो. अपूर्वा चट्टोपाध्याय
13.	इतिहास विभाग	प्रो. सैयद एजाज हुसैन
14.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व विभाग	डॉ. अनिल कुमार
15.	भूगोल विभाग	प्रो. सुतपा मुखोपाध्याय
16.	नृविज्ञान विभाग	प्रो. आशा मुखर्जी
17.	भौतिकी विभाग	प्रो. स्वपन मंडल
18.	रसायन विभाग	प्रो. प्रणब सरकार
19.	गणित विभाग	प्रो. प्रशांत कुमार मंडल
20.	वनस्पति विज्ञान विभाग	प्रो. नारायण चंद्र मंडल
21.	प्राणि विज्ञान विभाग	प्रो. अंसुमन चट्टोपाध्याय
22.	सांख्यिकी विभाग	प्रो. काशीनाथ चटर्जी
23.	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान विभाग	प्रो. अलक कुमार दत्ता
24.	गणित शिक्षा केंद्र	प्रो. प्रशांत चटर्जी (प्रभारी)

25.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. अमित कुमार राय
26.	आईएसईआरसी विभाग	डॉ. सुब्रत सिन्हा
27.	पर्यावरण अध्ययन विभाग	प्रो. शिबानी चौधरी
28.	मूर्तिकला विभाग	डॉ. माटी लाल कलाई
29.	ग्राफिक कला विभाग	डॉ. अर्पण मुखर्जी
30.	चित्रकला विभाग	डॉ. संचायन घोष
31.	डिजाइन विभाग	प्रो. प्रसून कांति भट्टाचार्य
32.	कला इतिहास विभाग	प्रो. संजय कुमार मल्लिक
33.	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग	प्रो. सब्यसाची सरखेल
34.	रवीन्द्र संगीत, नृत्य और नाटक विभाग	प्रो टी.एस. वासुनी
35.	शिक्षा विभाग	प्रो. कानू चरण साहू
36.	शारीरिक शिक्षा विभाग	प्रो. सागरिका बंद्योपाध्याय
37.	सिल्प-साधना विभाग	प्रो. पद्मिनी बलराम
38.	पल्ली चर्चा केंद्र (ग्रामीण अध्ययन विभाग)	प्रो. शंकर मजुमदार
39.	ग्रामीण विस्तार केंद्र	प्रो. अमित कुमार हाजरा
40.	सामाजिक कार्य विभाग	प्रो. कुमकुम भट्टाचार्य
41.	कृषि विभाग	प्रो. अरुण बारिक विभाग
42.	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विभाग	प्रो. आशीष कु. चटर्जी
43.	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	प्रो. आशीष कु. चटर्जी
44.	पशु विज्ञान विभाग	प्रो. सरोज कु. पाइन
45.	जेनेटिक्स, प्लांट ब्रीडिंग एंड क्रॉप विभाग	प्रो. अमिताव पाल
46.	उद्यानिकी और पोस्ट-हार्वेस्ट टेक विभाग	प्रो. स्नेहाशीष चक्रवर्ती
47.	कृषि विस्तार विभाग	प्रो. सौविक घोष
48.	कृषि अर्थशास्त्र और कृषि विभाग	प्रो. देबाशीस भट्टाचार्य
49.	पादप संरक्षण विभाग	प्रो. हिरोक चटर्जी
50.	पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र	प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी (प्रभारी)
51.	बौद्ध अध्ययन केंद्र	प्रो. अभिजीत सेन (प्रभारी प्रोफेसर)
52.	महिला अध्ययन केंद्र	प्रो. आशा मुखर्जी (प्रभारी)
53.	असमिया भाषा इकाई	प्रो. अभिजीत सेन (प्रभारी प्रोफेसर)
54.	तमिल भाषा इकाई	प्रो. अभिजीत सेन (प्रभारी प्रोफेसर)
55.	मराठी भाषा इकाई	प्रो. अभिजीत सेन (प्रभारी प्रोफेसर)

परिशिष्ट-बी

शैक्षणिक कर्मचारीवृन्द

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
भाषा भवन		
बंगाली		
प्रोफेसर		
मृणाल कांती मंडल	एमए, पीएचडी	आधुनिक बंगाली कथा
सुदीप बसु	एमए, पीएचडी	बंगाली साहित्यिक आलोचना, शरतचंद्र, 20वीं शताब्दी बंगाली साहित्य और संस्कृति
अमल कुमार पाल	एमए, बीएड, पीएचडी	बंगाली कविता, रवींद्रनाथ
मिस सुमिता भट्टाचार्य	एमए, पीएचडी	बंकिमचंद्र, आधुनिक बंगाली साहित्य
श्रीमती अपर्णा राय (भट्टाचार्य)	एमए, पीएचडी	प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य
अबरा बोस	एमए पीएचडी	टैगोर साहित्य, भाषाविज्ञान
एशोसिएट प्रोफेसर		
निर्मल कुमार मंडल	एमए, पीएचडी	प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य
मनबेंद्रनाथ साहा	एमए, एम. फिल, पीएचडी	आधुनिक बंगाली कविता, फिल्म अध्ययन
रीता मोदक	एमए, पीएचडी	बंगाली फिक्शन, महिला अध्ययन
अतनु श्यामल	एमए, पीएचडी	आधुनिक बंगाली फिक्शन, मीडियावेल लिट।
मनबेन्द्र मुखोपाध्याय	एमए, पीएचडी आलोचना, टैगोर साहित्य	आधुनिक बंगाली साहित्य और
असिस्टेंट प्रोफेसर		
मिलान कांती विश्वास	एमए, बीएड.एचएचडी	लोक साहित्य और दर्शनशास्त्र
विश्वजित राय	एमए, पीएचडी	भाषाविज्ञान उन्नीसवीं शताब्दी
पायल मुखर्जी	एमए	सेमोटिक्स एंड ड्रामैटोलॉजी

श्रेले बसु	एमए, पीएचडी	टैगोर साहित्य

अंग्रेज़ी

प्रोफ़ेसर

अभिजीत सेन	एमए, पीएचडी	पुनर्जागरण अध्ययन, रंगमंच अध्ययन, टैगोर
गौतम घोषाल	एमए, पीएचडी, डी. लिट.	अंग्रेजी में भारतीय लेखन, 19वीं शताब्दी अमेरिकी और ब्रिटिश साहित्य; टैगोर
सोमदत्ता मंडल	एमए, एम फिल, पीएचडी	अमेरिकन / पोस्ट औपनिवेशिक साहित्य
अमृत सेन	एमए, एम. फिल., पीएच.डी.	अठारहवीं शताब्दी अध्ययन, पोस्ट औपनिवेशिक अध्ययन, यात्रा
लेखनः		टैगोर
देबरती बंदोपाध्याय	एमए, पीएचडी	अंग्रेजी में नए साहित्य

एशोसिएट प्रोफेसर

तनुका दास	एमए पीएच.डी.	20वीं सी कविता, इंडस्ट्रीज में इंग्लैंड लेखन।
स्वाती गांगुली	एमए, पीएच.डी.	पुनर्जागरण अध्ययन, रंगमंच अध्ययन, लिंग अध्ययन, अनुवाद और टैगोर।
सुदेव प्रतिम बसु	एमए पीएचडी	उन्नीसवीं शताब्दी अध्ययन, पोस्टकोलोनियल स्टडीज, लोकप्रिय फिक।
सौरव दशस्थुर	एमए, एम. फिल. पीएचडी	साहित्य पोस्टकोलोनियल स्टडीज, साहित्यिक सिद्धांत।
दीपंकर रॉय	एमए, एम. फिल.	पोस्टकोलोनियल साहित्य और सिद्धांत
अनन्य दत्तागुप्त	एमए, एम. फिल.	पुनर्जागरण अध्ययन

असिसटेंट प्रोफेसर

तापु विश्वास	एम.ए. एम.फिल, पीएच.डी.	20 वीं सी लिट; अमेरिकी लिट; इंडियन लिट इन अंग्रेज़ी
शाओना बारिक	एमए	ब्रिटिश राज साहित्य
श्रुती मामेन	एमए	आधुनिकता, दृश्य कला और साहित्य।

आधुनिक यूरोपीय भाषा केंद्र साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन

प्रोफेसर

अरुणा मुखर्जी	एमए, पीएचडी	रूसी साहित्य
नीलंजन चक्रवर्ती	एमए, पीएच.डी.	ज्ञान यात्रा साहित्य
इंद्रानी दास	एमए, लॉरिया, पीएच.डी.	मध्ययुगीन इतिहास और इतालवी अध्ययन, अनुवाद अध्ययन।

एशोसिएट असिस्टेंट प्रोफेसर

रोमित रॉय	एमए, एम.फिल.	जर्मन साहित्य, संस्कृति और संगीत थियोडोर एडोर्नो।

तुलनात्मक साहित्य केंद्र

असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

नीलंजाना भट्टाचार्य	एमए, पीएचडी	तुलनात्मक लिट; इंडियन लिट; एफ्रो-अमेरिकन लिट; लैटिन अमेरिकन लिट
सोमा मुखर्जी	एमए एमफिल, पीएच.डी.	तुलनात्मक लिट; भाषा लिट, नारीवाद
धीमान भट्टाचार्य	एमए, पीएचडी	कनाडाई साहित्य, साहित्य और अन्य कला, प्रदर्शन अध्ययन, अनुवाद।

अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन

प्रोफेसर

निएज़ अहमद खान	एमए, पीएच.डी.	आधुनिक फारसी भाषा, साहित्य और अनुवाद

एशोसिएट प्रोफेसर

वसीफ अहमद	एमए, पीएच.डी.	फारसी लघु कहानियां
एमडी फाईक	एमए, पीएच.डी.	आधुनिक फारसी नाटक

असिस्टेंट प्रोफेसर

एमडी अतीकुर रहमान	पीएचडी	आधुनिक फारसी भाषा, साहित्य और अनुवाद

चीनी

प्रोफेसर

जयता गांगुली	एमए, पीएच.डी.	चीनी बौद्ध धर्म

एशोसिएट प्रोफेसर

अविजीत बनर्जी	एमए. पीएचडी,	चीनी भाषा, चीनी राजनीति
श्रीमती टारिंडामा पेट्रिया	एमए	चीनी भाषा और साहित्य

असिस्सटेंट प्रोफेसर ग्रेड-2

श्रीमती हेम कुसुम	एमए एमफिल	आधुनिक मानक चीनी भाषा
चिरंजीब सिन्हा	एमए	चीनी भाषा

असिस्सटेंट प्रोफेसर

देबदास कुमडू	एमए	चीनी भाषा लिट. इतिहास
श्री अत्रेय भट्टा	एमए	चीनी भाषा

हिंदी विभाग

प्रोफेसर

हरीश चंद्र मिश्रा	एमए, पीएचडी	साहित्यिक इतिहास के दर्शन या आधुनिक साहित्य में आलोचना
रामेश्वर प्रसाद मिश्रा	एमए, पीएचडी	मेडियावल और आधुनिक साहित्य
श्रीमती मंजू रानी सिंह	एमए, पीएचडी	मेडियावल और आधुनिक साहित्य छंदशास्त्र
मुक्तिश्वरनाथ तिवारी	एमए, पीएचडी	आधुनिक साहित्य और आलोचना
चक्रधर त्रिपाठी	एमए पीएचडी	मेडियावल और आधुनिक कविता
आर.एन. मिश्रा	एमए पीएचडी, डी लिट	आधुनिक कविता
शकुंतला मिश्रा	एमए, पीएचडी	आधुनिक साहित्य आलोचना, अनुवाद

शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी	एमए, पीएचडी	आधुनिक साहित्य और आलोचना
एसोसिट प्रोपेसर		
सुभाष चंद्र राय	एमए, पीएचडी	आधुनिक साहित्य और आलोचना
जगदीश भगत	एमए, पीएचडी	आधुनिक साहित्य और आलोचना
श्री अर्जुन कुमार		
एस. कुमुद	एम.ए.	

इंडो-तिब्बती अध्ययन

एशोसिएट प्रोफेसर		
संजीब कुमार दास	एमए, पीएचडी	तिब्बती भाषा और बौद्ध दर्शन
असिस्टेंट प्रोफेसर		
शेडुप तेनज़िन	एमए, एम.फिल.पीएचडी	तिब्बती बौद्ध धर्म
प्रकृति चक्रवर्ती	एमए (डबल), पीएचडी	तिब्बती भाषा और तिब्बत का इतिहास
सोनम जांगपो	आचार्य पीएचडी	तिब्बती (भोटी)

जापानी

एशोसिएट प्रोफेसर		
गीता ए किनी	एमए (फिलॉसफी)	फिलॉसफी, जापानी एमए (जापानी इतिहास) साहित्य (मिवाजावा केंजी), सांस्कृतिक और इतिहास
असिस्टेंट प्रोफेसर		
अजय कुमार दास	एमएए	जापानी भाषा और साहित्य (होरी
सुदीपतो दास	एमए (जापानी)	
एमडी अतीुल अज़ीम	एमए	जापानी भाषा, साहित्य और संस्कृति

ओड़िया

प्रोफेसर		
कैलाश चंद्र पटनायक	एमए, पीएचडी	लोकगीत / कथा
सबिता प्रधान	एमए, एम. फिल.,	पीएचडी भाषाविज्ञान, कथा

मनोरंजन प्रधान	एमए, पीएचडी	साहित्य, कथा, संपादन और पाठ्य आलोचना
असिस्टेंट प्रोफेसर		
श्रीमती प्रमिला पटुलिया	एमएएम फिल.पीएचडी	लोक साहित्य
सरत कुमार जेना	एमए, एलएलबी, पीएचडी	आधुनिक साहित्य और सांस्कृतिक
रबींद्र कुमार दास	एमए, पीएच.डी.	भाषाई और आधुनिक साहित्य
इंद्रमण्य साहू	एमए, एम. फिल.	भाषाविज्ञान और कथा

संस्कृत, पाली और प्राकृत

प्रोफेसर		
नरोत्तम सेनापति	विद्या-वरिधि (पीएचडी)	नया व्याकरण
मृदुला राय	एमए, पीएचडी	पोएटिक्स, व्याकरण, साहित्य
अरुण कुमार मंडल	एमए, पीएचडी	पोएटिक्स, व्याकरण, प्राकृत
ललिता चक्रवर्ती	एमए, पीएचडी	न्याया वैसीसिका
अरुणा रंजन मिश्रा	एम फिल, पीएचडी	साहित्य
जे आर भट्टाचार्य	एमए, एम.फिल.एचएचडी	प्रकृति, संस्कृत, दर्शन
एशोसिएट प्रोफेसर		
निरंजन जेना	एमए, पीएचडी	वेद और साहित्य
असिस्टेंट प्रोफेसर		
हरिकृष्णा मिश्रा	एमए, एम. फिल, पीएचडी	वेद, धर्म
संजय कुमार मंडल	एमए पीएचडी	भारतीय दर्शन और पाली
गर्गी भट्टाचार्य	एमए, एम.फिल.पीएचडी	वेदांत / मनु स्क्रिप्टोलॉजी
लक्ष्मीधर मलिक	एमए, एम.फिल, पीएचडी	पुराण और महाकाव्य
प्रितिलक्ष्मी स्वैन	एमए, एम. फिल., पीएचडी	व्याकराना
राम प्रमोल कुमार	एम. फिल, पीएचडी	साहित्य

संताली

असिस्टेंट प्रोफेसर		
धनेश्वर माझी	एमए, पीएचडी	लोक साहित्य
रामू हेमब्रम	एमए नेट संताली	

तपन सोरेन	एमए नेट संताली	
दुखिया मुर्मू	एमए, एनईटी, पीएचडी	
सनातन हंसदा	एमए नेट	लोक साहित्य
मानसरम मुर्मू	एमए, नेट	कविता

मराठी

असिस्टेंट प्रोपेसर

रणवीर सुमेध भगवान	एमए मराठी	

तामिल

असिस्टेंट प्रोफेसर

सेंथिल प्रकाश एस.	एमए, एम. फिल.	तामिल

असमिया भाषा इकाई

असिस्टेंट प्रोफेसर

संगिता सैकिआ	एमए, पीएचडी	असमिया

विद्याभवन

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व

प्रोफेसर

सुबिया गणपति	एमए, पीएच.डी.	प्रारंभिक भारतीय कला इतिहास और प्रारंभिक दक्षिण भारतीय इतिहास
सुब्रत चक्रवर्ती	एमए, पीएच.डी.	प्री-एंड-प्रोटो इतिहास
अरुण कुमार नाग	एमए, पीएच.डी.	आद्य इतिहास
आनंद चंद्र साहू	एमए, पीएच.डी.	धर्म और प्रारंभिक भारतीय कला इतिहास

एसोसिएट प्रोफेसर

विकाश मुखर्जी	एमए, पीएच.डी.	धर्म
श्रीमती सिना पांजा	एमए, पीएच.डी.	ऐतिहासिक पुरातत्व
सरिता खेत्री	एमए, पीएच.डी.	न्यूमिज़्मेटिस्ट

असिस्टेंट प्रोफेसर

अनिल कुमार	एमए, पीएच.डी.	सामाजिक और आर्थिक इतिहास
श्रीमती बीना गांधी (देवरी)	एमए, पीएच.डी.	एथिनो पुरातत्व

के. मावली राजन	एमए, एम. फिल, पीएच.डी.	सामाजिक और आर्थिक इतिहास

अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र

प्रोफेसर

सरबजीत सेनगुप्ता	एमए, पीएच.डी.	औद्योगिक अर्थशास्त्र, माइक्रो इको.
मधुसूदन घोष	एमए, पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट	कृषि इको, मैक्रो अर्थशास्त्र, टाइम सीरीज़, इंडियन
इकोनॉमेट्रिक्स		
सुदीप भट्टाचार्य	एमएससी, एम फिल, पीएच.डी.	कृषि अर्थशास्त्र, मौद्रिक अर्थशास्त्र, मार्क्सियन अर्थशास्त्र
प्रणब कांती बसु	एमए, पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक विचार
अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय	एमएससी, पीएच.डी.	कृषि अर्थशास्त्र, योजना अर्थशास्त्र
प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय	एमए, पीएच.डी.	अर्थशास्त्र विचार, पर्यावरण अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र का इतिहास
ममता राय	एमए, पीएच.डी.	भारतीय राजनीतिक विचार

एसोसिएट प्रोफेसर

जगबंधू साहा	एम. स्टेट, पीएच.डी.	अर्थशास्त्र और सूची सिद्धांत
संतादास घोष	एमएससी, एमसीए, पीएच.डी.	इकोनॉमेट्रिक्स, एनवी अर्थशास्त्र
सौम चक्रवर्ती	एमएससी, पीएचडी, एम फिल	उन्नत आर्थिक सिद्धांत, मार्क्स, इंटरनेशनल के अर्थशास्त्र

असिस्टेंट प्रोफेसर

उत्तम सिकदर	एमएससी, एम फिल	सांख्यिकी और अर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स
विश्वजित मंडल	एमएससी, एम फिल, पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र,
अमित कुमार विश्वास	एमए पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अर्थशास्त्र
अचिरांशु आचार्या	एमएससी	पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय अर्थ
सौमीदीप चटर्जी	एमएससी	अर्थशास्त्र, शहरी अर्थशास्त्र
विश्वजित हल्दर	एमए, एम. फिल	भारतीय अर्थव्यवस्था; विकास अर्थशास्त्र
अनामिका मोक्टन	एमए	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

प्रिया ब्रता दत्ता	एमए पीएचडी	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार; विकास अर्थशास्त्र

भूगोल

प्रोफेसर

सुमंत्रो मुखर्जी	एमए, एम फिल, पीएच.डी.	संसाधन भूगोल, जल संसाधन
देबाशिष दास	एमए, एम फिल, पीएच.डी.	ग्रामीण विकास, क्षेत्रीय योजना,
कृषि		भूगोल
विभाश चंद्र झा	एमएससी, पीएच.डी.	जियोमोर्फोलॉजी, रिमोट सेंसिंग
सुतापा मुखोपाध्याय	एमए, पीएच.डी.	भू-आकृति विज्ञान
उमा शंकर मलिक	एमए, पीएच.डी.	औद्योगिक भूगोल
मलय मुखोपाध्याय	एमए, पीएच.डी.	फ्लुविअल जियोमोर्फोलॉजी, क्षेत्रीय योजना पर्यावरण भूगोल

एशोसिएट प्रोफेसर

मंजोरी भट्टाचार्य	एमए, पीएच.डी.	भू-आकृति विज्ञान
प्रेमंगशु चक्रवर्ती	एमए, पीएच.डी.	सांस्कृतिक भूगोल और पर्यटन भूगोल

असिस्टेंट प्रोपेसर

कृष्णेंद्र गुप्ता	एमए, पीएच.डी.	एप्लाइड जियोमोर्फोलॉजी, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस
भैरू लाल यादव	एमए, एम फिल	जनसंख्या भूगोल और
जनसांख्यिकी		
सुश्री सुदीप सरकार	एमए, एम फिल	जनसंख्या और वक्तव्य भूगोल

इतिहास

प्रोफेसर

संदीप बसु सरबाधिकारी	एमए, पीएच.डी.	मध्ययुगीन भारत, समुद्री इतिहास, किसान अध्ययन के साथ दक्षिण के संदर्भ में
छंद चटर्जी	एमए, पीएच.डी.	आधुनिक आर्थिक इतिहास पंजाब में भारत, सांप्रदायिकता पूर्वी एशिया

भास्करज्योति बसु	एमए, पीएच.डी.	आर्थिक इतिहास और समुद्री इतिहास
सैयद एजाज हुसैन	एमए, पीएच.डी.	मध्ययुगीन भारतीय इतिहास, न्यूमिज़्मेटिक्स, एपिग्राफी
बिपाशा राहा (दत्त)	एमए, एम फिल, पीएच.डी.	आधुनिक भारत का इतिहास, आधुनिक बंगाल का सामाजिक-आर्थिक इतिहास, टैगोर के सामाजिक-आर्थिक विचार
एशोसिएट प्रोफेसर		
डॉ कौशिक रॉय	एमए, पीएच.डी.	
दीप कांता लाहिरी चौधरी	एमए, पीएच.डी.	
श्रीमती अर्पिता सेन	एमए, एम फिल, पीएच.डी.	आधुनिक भारतीय इतिहास
सहायक प्रोफेसर		
अरुणवा दास	एमए	आधुनिक इतिहास का इतिहास भारत, पर्यटन
शुबायु चट्टोपाध्याय इतिहास	एमए, एम फिल	आधुनिक भारत का आर्थिक
पम खान पाउ	एमए, पीएच.डी.	
सबासाची दासगुप्त	एमए, पीएच.डी.	
अतीग घोष	एमए, पीएच.डी.	
संधि मंडल	एमए, पीएच.डी.	
अमरेंद्र कुमार	एमए, एम फिल, पीएच.डी.	
दर्शन और तुलनात्मक धर्म		
प्रोफेसर		
सबुजकली सेन (मित्रा) धर्म	एमए, पीएच.डी.	भारतीय दर्शनशास्त्र तुलनात्मक
सोमनाथ चक्रवर्ती	एमए	एनालिटिक फिलॉसफी, एथिक्स
आशा मुखर्जी	एमए, एम. फिल, पीएच.डी.	नैतिकता, तर्क, विश्लेषणात्मक दर्शन, नारीवादी दर्शन, जैन दर्शन
बिजय कुमार मुखर्जी	एमए, पीएच.डी.	तर्क, दर्शन, जैन दर्शन

श्रीमान सिराजुल इस्लाम	एमए, पीएच.डी.	इस्लाम, सूफीवाद
वी रमन	एमए, पीएच.डी.	विश्लेषणात्मक दर्शनशास्त्र
एशोसिएट प्रोफेसर		
रंजन मुखोपाध्याय	एमए, एम फिल, पीएच.डी.	तर्क और भाषा का दर्शन
अनुप बर्मन	एमए, पीएच.डी.	इंडियन फिलॉसफी एंड थ्योरी
कौसिक भट्टाचार्य	एमए, पीएच.डी.	विज्ञान के दर्शनशास्त्र
मंजारी चक्रवर्ती	एमए, पीएच.डी.	विज्ञान के दर्शनशास्त्र
असिस्टेंट प्रोफेसर		
माया दास	एमए, पीएच.डी.	भारतीय दर्शन
सुभोज्योति दास	एमए, एम फिल	भारतीय दर्शन और धर्म
मसूमी राय	एमए, पीएच.डी.	समाजशास्त्र और मानव विज्ञान
एम.पी. टेरेन्स सैमुअल	एमए, पीएच.डी.	
फरहा नाज	एमए, एम फिल	इस्लाम एंड मिस्टिकिस
रेखा ओझा	एमए, पीएचडी	सोशल फिलॉसफी, एप्लाइड
एथिक्स		
सुजॉय मंडल	एमए,	बौद्ध धर्म, नीतिशास्त्र
शिक्षा इकाई		
प्रोफेसर		
तारक नाथ पान	एमएड, पीएच.डी.	शिक्षण मनोविज्ञान
पत्रकारिता केंद्र		
प्रोफेसर		
बिपलब लोहा चौधरी	एमए, पीएच.डी.	मीडिया प्रबंधन, अनुसंधान ग्रामीण
एशोसिएट प्रोफेसर		
श्रीमती मसूमी भट्टाचार्य	एमए, पीएच.डी.	ऑडियंस रिसेच, ऑडिओविज़ुअल मीडिया।
असिस्टेंट प्रोफेसर		
संगिता चटर्जी	एमए,	ऑडियो विजुअल प्रोडक्शन
मानव विज्ञान		
प्रोफेसर		
मानस राय	एमएससी, एम. फिल, पीएचडी डी.लिट	संचार की एनथोग्राफी ग्रामीण संचार

वरि. असिस्टेंट प्रोफेसर

अर्नब घोष	एमएससी, पीएचडी	फिजिकल

असिस्टेंट प्रोफेसर

ज्योतिरतन घोष	एमएससी, पीएचडी	शारीरिक
रंग्या गचुई	एमए, पीएचडी	सोशल-सांस्कृतिक

शिक्षा भवन

जैव प्रौद्योगिकी

प्रोफेसर

संघमित्र राहा	रर्फीसियोलॉजी	सेल बायोलॉजी, एनिमल
बायोटैक्नोलॉजी		

एशोसिएट प्रोपेसर

अमित राय	एमएससी, पीएच.डी.	आण्विक जीवविज्ञान, जेनेटिक इंजीनियरिंग
तथगत चौधरी	एमएससी, पीएच.डी.	वायरोलॉजी, सेल जीवविज्ञान

असिस्टेंट प्रोफेसर

नीलंजाना दास	एमएससी, पीएच.डी.	बायोकैमिस्ट्री, बायोएथिक्स, आईपीआर
नरोत्तम दे	एमएससी, पीएच.डी.	जैव प्रौद्योगिकी
जॉली बसाक	एमएससी, पीएचडी	बायोकैमिस्ट्री, जीनोमिक्स एंड प्रोटेमिक्स
समीर साहा	एमएससी, पीएचडी	इम्यूनोलॉजी, एनिमल बायोटेक

वनस्पति विज्ञान

प्रोफेसर

सुकांत कृष्ण सेन	एमएससी, पीएच.डी.	कीटाणु-विज्ञान
समित राय	एमएससी, पीएच.डी.	
काशीनाथ भट्टाचार्य	एमएससी, पीएच.डी.	पैनोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल बायोलॉजी
निर्मल बनर्जी	एमएससी, पीएच.डी.	सितोगेनिक
रुप कुमार कर	एमएससी, पीएच.डी.	प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री

नारायण चंद्र मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी
स्वदेश रंजन विश्वास	एमएससी, पीएच.डी.	आणविक जीव विज्ञान
सुब्रत मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	संयंत्र वर्गीकरण
एशोसिएट प्रोफेसर		
चौधरी हबीबुर रहमान	एमएससी, पीएच.डी.	फार्माकोग्नॉसी
असिस्टेंट प्रोफेसर		
श्री बॉम्बा बांध	एमएससी, पीएच.डी.	कीटाणु-विज्ञान
ज्ञानेंद्र रथ	एमएससी, पीएच.डी.	
अदानी लोको	एमएससी, पीएच.डी.	वर्गीकरण
हेमा गुप्ता (जोशी)	एमएससी, पीएच.डी.	संयंत्र पारिस्थितिकी
सुरेंद्र कृष्ण गोंड	एमएससी, पीएच.डी.	माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी
सतीश कुमार वर्मा	एमएससी,	जैव रसायन
नंदलाल मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	सितोगेनिक
सोमा चुनारी	एमएससी, पीएच.डी.	
अंजला रॉय	एमएससी, पीएच.डी.	औषधीय संयंत्र जीवविज्ञान
रसायन विज्ञान		
प्रोफेसर		
असिम कुमार दास	एमएससी, पीएचडी, डीएससी	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
प्रणेश चौधरी	एमएससी, पीएच.डी.	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
गौतम ब्रह्मचारी	एमएससी, पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन
प्रणब सरकार	एमएससी, पीएच.डी.	भौतिक रसायन
भबातोष मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
स्वप्न कुमार चंद्र	एमएससी, पीएच.डी.	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
एशोसिएट प्रोफेसर		
गौबर कांती दास	एमएससी, पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन
बिजय कृष्ण डॉल्लू	एमएससी, पीएच.डी.	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
आदिनाथ माझी	एमएससी, पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन
असिस्टेंट प्रोफेसर		
बी.सी. बाग	एमएससी, पीएच.डी.	भौतिक रसायन
नाज़मिन आरा बेगम	एमएससी, पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन

मनस घोष	एमएससी, पीएचडी	शारीरिक रसायन शास्त्र
अलाकानंद हाजरा	एमएससी, पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन
श्रीमती बुला सिंह	एमएससी	भौतिक रसायन
एमडी मोतिन सेख	एमएससी, पीएच.डी.	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
के.सी. भौमिक	एमएससी, पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन
श्री विश्वजित दे	एमएससी	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
डॉ. सुदीप कृष्ण मंडल	एमएससी पीएच.डी.	भौतिक रसायन
डॉ. पी. पी. साहू	एमएससी पीएच.डी.	और्गेनिक रसायन

पर्यावरण अध्ययन

प्रोफेसर

श्रीमती शिबानी चौधरी	एमएससी, पीएच.डी.	जीवविज्ञान और विष विज्ञान

एशोसिएट प्रोफेसर

प्रताप कुमार पाधे	एमएससी, एम फिल, पीएच.डी.	पर्यावरण विज्ञान

असिस्टेंट प्रोफेसर (3)

पुलक कुमार पात्रा	एमएससी, पीएच.डी.	पृथ्वी विज्ञान

असिस्टेंट प्रोफेसर (2)

एस. बलचंद्रन	एमएससी, एम. फिल., पीएच.डी.	पर्यावरण विज्ञान
श्वेता यादव	एमएससी, पीएच.डी.	पर्यावरण रसायन विज्ञान

गणित

प्रोफेसर

श्यामल कुमार सामंता	एमएससी, पीएचडी	फंक्शनल एनालिसिस एंड फजी टोपोलॉजी
दुलल पाल	एमएससी, एम फिल, पीएच.डी.	द्रव यांत्रिकी, वायुमंडलीय विज्ञान
संताब्रता चक्रवर्ती	एमएससी, पीएच.डी.	बायोमैथेमैटिक्स
स्वप्न राहा	एमएससी, एमटेक, पीएच.डी.	अभिभाषक कंप्यूटर साइंस और साइबरनेटिक्स/बायोइनफॉरमैटिक्स
प्रशांत चटर्जी	एमएससी, पीएच.डी.	प्लाज़्मा डायनेमिक्स, नॉनलाइनर मैकेनिक्स
प्रशांत कुमार मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	बायोमैथेमैटिक्स

तपस रॉय महापात्रा	एमएससी, पीएच.डी.	द्रव गतिविज्ञान

एशोसिएट प्रोफेसर

मदन मोहन पंजा	एमएससी, पीएच.डी.	डायनेमिकल, वेवलेट न्यूमेरिकल एनालिसिस, डिफरी ऑफ डिफ समीकरण
दीबेन्दु बनर्जी	एमएससी, पीएच.डी.	जटिल विश्लेषण
तारपदा बाग	एमएससी, पीएच.डी.	अस्पष्ट कार्यात्मक विश्लेषण/ कार्यात्मक विश्लेषण

असिस्टेंट प्रोफेसर

सुभाषिस रॉय	एमएससी, पीएच.डी.	वास्तविक विश्लेषण
ए.के भुनिया	एमएससी पीएचडी	बीजगणित (सेमिग्रुप की सिद्धांत)
अमर प्रसाद मिश्रा	एमएससी पीएच.डी.	प्लाज्मा भौतिकी
कल्याण हंसदा	एमएससी	बीजगणित
लक्ष्मीनारायण गुइन	एमएससी	बायोमैथेमैटिक्स
निखिल पाल	एमएससी	पारिस्थितिकी में मॉडलिंग, कॉम्प-साइंस
मिजानूर रहमान	एमएससी	कार्यात्मक विश्लेषण

भौतिक विज्ञान

प्रोफेसर

तारप्रसाद चट्टोपाध्याय	एमएससी, पीएचडी	इलेक्ट्रॉनिक्स
सोमनथ चक्रवर्ती	एमएससी, पीएच.डी.	खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान
एम. मायती	एमएससी, पीएचडी	कण भौतिकी
ए भट्टाचार्य	एमएससी, पीएच.डी.	मैट भौतिक विज्ञान
टी.के. कुंडू	एमएससी, पीएच.डी.	इलेक्ट्रानिक्स
पियुश कांती घोष	एमएससी, पीएच.डी.	कण भौतिकी
स्वप्न मंडल	एमएससी, पीएचडी	क्वांटम ऑप्टिक्स
श्रीमती असिमता सेनगुप्ता	एमएससी, पीएचडी	कंड मैट भौतिक विज्ञान

एशोसिट प्रोफेसर

श्रीकांत सिल्वर	एमएससी, पीएचडी	कंड मैट भौतिक विज्ञान
बिकश चंद्र गुप्ता	एमएससी, पीएचडी	कंड मैट भौतिक विज्ञान
सुश्री अपर्णा साहा	एमएससी, पीएचडी	परमाणु भौतिकी

असिस्टेंट प्रोफेसर

अरणी चक्रवर्ती	एमएससी, पीएचडी	कंड मैट भौतिक विज्ञान
एस.के. मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	कंड. मैट. भौतिक विज्ञान
बुद्धदेव मुखर्जी	एमएससी, पीएच.डी.	नाभिकीय भौतिकी
आदित्य शाव मंडल	एमएससी, जेआरएफ	एस्ट्रो फिजिक्स एंड कॉस्मोलॉजी, क्यूएफ
विश्वजित पांडे	एमएससी, पीएच.डी.	खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान
अमृता बंदोपाध्याय	एमएससी, नेट	परमाणु और परमाणु स्पेक्ट्रोस्कोपी, लेजर
बायप्लाब रॉयचौधरी	एमएससी, पीएचडी	सापेक्षता, ब्रह्मांड विज्ञान
सुदीपता दास	एमएससी, पीएचडी	एस्ट्रो फिजिक्स एंड ब्रह्मांड विज्ञान
सुभाष चंद्र तुडू	एमएससी	एक्सरे क्रिस्टलोग्राफी
सुभाषिश राय	एमएससी	रेडियो भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स
आर.के सिंह	एमएससी पीएचडी	कंडेंटेड मैटर फिजिक्स
स्वरुप कुमार माझी	एमएससी, पीएच.डी.	
अनघा चक्रवर्ती	एमएस, पीएच.डी.	परमाणु शारीरिक विशेषज्ञता

सांख्यांकि

प्रोफेसर

काशीनाथ चटर्जी	एम. स्टेट, पीएच.डी.	प्रयोगों की रूप रेखा
सुधांशु एस मायती	एमएससी, पीएच.डी.	विश्वसनीय विश्लेषण

असिस्टेंट प्रोफेसर

सौमल्य मुखोपाध्याय	एमएससी	बायोस्टैटिक्स
सुश्री सरन इशिका मायती	एमएससी	मल्टीवायरेट एंड टाइम सीरीज विश्लेषण
तीर्थंकर घोष	एमएससी	मल्टीवायरेट और टाइम सीरीज विश्लेषण

ए चक्रवर्ती	एमएससी पीएचडी	आंकड़े
एस राणा	एमएससी सांख्यिकी	

प्राणि विज्ञान

प्रोफेसर

शेली भट्टाचार्य	एमएससी, पीएच.डी.	पर्यावरण विष विज्ञान
समीर भट्टाचार्य	एमएससी, पीएच.डी.	आण्विक एंडोक्राइनोलॉजी और सिग्नलिंग
अरुण कुमार राय	एमएससी पीएच.डी.	मछली जीवविज्ञान और मत्स्य पालन
पंचानन नाथ	एमएससी, पीएच.डी.	मछली की प्रजनन फिजियोलॉजी और मछली एंडोक्राइनोलॉजी
वाडक्केपुरम चाको जॉय	एमएससी, पीएच.डी.	मृदा पारिस्थितिकी
सौमेन कुमार मैत्र	एमएससी, पीएच.डी.	पर्यावरण एंडोक्राइनोलॉजी
संती प्रसाद सिन्हाबाबू	एमएससी, पीएच.डी.	पैरासिटोलॉजी, नेमाटोलॉजी और तंत्रिका जीव विज्ञान
संतानु रॉय	एमएससी, पीएच.डी.	पारिस्थितिक मॉडलिंग
दीपक कुमार मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	मत्स्य पालन और मछली विज्ञान
समर कुमार साहा	एमएससी, पीएच.डी.	मछली जीवविज्ञान
अंसुमन चट्टोपाध्याय	एमएससी, एम फिल, पीएच.डी.	विकिरण जेनेटिक्स

एशोसिएट प्रोफेसर

लारिशा एम. लिंडेन	एमएससी, पीएच.डी.	पैरासिटोलॉजी
सुदीपता मैत्रा	एमएससी, पीएच.डी.	मछली फिजियोलॉजी

असिस्टेंट प्रोफेसर

सूर्य कुमार साइकिया	एमएससी, पीएच.डी.	एक्वाकल्चर
राकेश कुंडू	एमएससी, पीएच.डी.	ज़हरज्ञान
सुतापा मुखर्जी	एमएससी, एम फिल, पीएचडी	बायोकैमेस्ट्री एंड आण्विक एंडोक्राइनोलॉजी

कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान

प्रोफेसर

परमार्थ दत्ता	एम स्टेट एमटेक, पीएच.डी.	सॉफ्ट कंप्यूटिंग, पैटर्न पहचान, मोबाइल एड-हॉक नेटवर्क, छवि प्रसंस्करण

बलराम भट्टाचार्य	एमएससी, पीएचडी, एमटेक	डेटा खनन, छवि प्रसंस्करण, बायो-इंफ्र।
आलोक कुमार दत्ता	एमएससी, पीएचडी,	अनुमानित एल्गोरिदम, वीएलएसआई रूटिंग एल्गोरिदम, कम्प्यूटेशनल आण्विक जीवविज्ञान
उत्पल रॉय	एमएससी, पीएचडी,	क्वांटम कंप्यूटिंग, छवि प्रसंस्करणः दस्तावेज़ और रंग
एशोसिएट प्रोफेसर		
तथगत मुखोपाध्याय	एमएससीएम.	मोबाइल संचार, छवि प्रसंस्करण
असिस्टेंट प्रोफेसर		
काकाली दत्ता	बीएससीबीटेक, एमई	क्वांटम सेलुलर ऑटोमाटा
सुभाषिस बनर्जी	एमएससी, एमटेक	मोबाइल संचार
संचिता पाल चौधरी	एमएससी, एमटेक	असतत गणित, सॉफ्ट कंप्यूटिंग
मधुसूदन पॉल	एमएससी, एमटेक	कम्प्यूटेशनल सिस्टम जीवविज्ञान,
देबदित्य बरमन	बीई, एमई	मशीन लर्निंग एंड डाटा माइनिंग
एकीकृत विज्ञान		
प्रोफेसर		
संघमित्र राहा	एमएससी पीएचडी	आण्विक कोशिका जीवविज्ञान, सिग्नल ट्रांसडक्शन
एशोसिएट प्रोफेसर		
सुब्रत सिन्हा	एमएससी पीएचडी	स्पेक्ट्रोस्कोपी
सुशांत घोष	एमएससी पीएचडी	शारीरिक रसायन शास्त्र
असिस्टेंट प्रोफेसर		
महाश्वेता नंदी	एमएससी पीएचडी	अकार्बनिक रसायन विज्ञान,
उमेश कृष्ण सिंह	एमएससी एम.फिल. पीएचडी	जलविज्ञान, जल और मिट्टी प्रदूषण
स्वप्न कुमार पंडित	एमएससी एम फिल, पीएचडी	कम्प्यूटेशनल तरल गतिशीलता
नीलंजन बंदीपाध्याय	एमएससी पीएच.डी.	गणितीय भौतिकी, उच्च ऊर्जा
शिक्षा		
प्रोफेसर		
बेनुधर चिनारा	एमए, एम फिल,	पीएचडी पीस एंड वैल्यू शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा।

राजर्षि रॉय	एमए, एमएड, पीएचडी	एजुकेशनल सोशोलॉजी
खानु चरण साहू	एमए, एम. फिल., पीएचडी	शिक्षा
एशोसिएट प्रोफेसर		
विप्लब कुमार चट्टोपाध्याय	एमएससी, पीएचडी	कृषि
आशीष श्रीवास्तव	एमएससी, एमएड, पीएचडी	गणित
नीलरतन रॉय	एमए, बीएड, पीएचडी ईपीएम,	पाठ्यचर्या विकास
श्यामशुंदर बैराग्य	एमए, पीएचडी	इकोनॉमेट्रिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स
असिस्टेंट प्रोफेसर		
पार्थ प्रतिम सिकदर	एम फाइन	फाइन आर्ट्स, स्क्लुप्चर
श्रीमती त्रिष्णा बनर्जी	एम मुश	रवींद्र संगित, पारंपरिक बंगाली
गीत।		
सनातन कुमार रथ	एमए, एमएड, पीएचडी	एजुकेशन, फिलॉसफी
प्रहलाद राय	एमए, बीएड पीएचडी	बंगाली शिक्षा, समाजशास्त्र
औरलोक		
चित्रलेखा मायती	एमएससी	भूगोल
सुश्री सरिता आनंद	एमए, एमएड	शिक्षा
श्रीमान शहीर सिद्दीकी	एमए, एमएड	अंग्रेजी / अर्थशास्त्र
प्रोजेजनजी साहा	एमए, नेट	भूगोल शिक्षा, महिला सशक्तिकरण
शिल्पी घोष	एमए, पीएचडी	एजुकेशनल साइकोलॉजी
सुश्री शर्मिला यादव	एमएससी एम.एड. एम.फिल	शैक्षणिक मनोविज्ञान
उमाकांत प्रसाद	एमए, एमएड	विशेष शिक्षा
शारीरिक शिक्षा		
प्रोफेसर		
ब्राजनाथ कुंडू	बीएससी, एमपीएड, पीएच.डी.	व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान
सागरिका बांडोपाध्याय	बीएससी, एमपीएड, एम. फिल, पीएचडी	व्यायाम फिजियोलॉजी
सुमांता कुमार मंडल	एमपीई, एम फिल, पीएच.डी.	बायोमेकॅनिक्स
समीरन मंडल	एमएड, पीएचडी	फिचो-फिजियोलॉजी
एशोसिएट प्रोफेसर		
अशोक कुमार गोयन	एमपीई,	कोचिंग व्यायाम फिजियोलॉजी
सुदर्शन विश्वास	एमपीई, पीएच.डी.	व्यायाम फिजियोलॉजी और फुटबॉल

महास्वेता खेतेमलिस	एमपीई, पीएच.डी.	खेल मनोविज्ञान और ज्ञानशास्त्र

असिस्टेंट प्रोफेसर

रत्नेश सिंह	एमपीई, एम फिल	बायोमेकॅनिक्स एंड क्रिकेट
सेंटू मित्रा	एमपीई, पीएच.डी.	पूर्व और खेल फिजियोलॉजी
काल्लोल चटर्जी	एमपीई, एम फिल, पीएचडी	वॉली बॉल
अभिजीत थेंडर	बीए बीपीएड, एम फिल	खेल फिजियोलॉजी

संगित भवन

प्रोफेसर

इंद्रानी मुखर्जी	एम मूस, पीएच.डी.	रवींद्र संगित
माधबी रुज (घोष)	एम मूस, पीएच.डी.	रवींद्र संगित
स्वास्तिका मुखर्जी	बीए	रवींद्र संगित
कबेरी कर	एमए	ध्रुपद
बसबी मुखर्जी	एम फिल	खयाल और थुमरी
बुद्धदेव दास	एम मुश	इशराज
सब्यशाची सर्खेल	एमए, पीएच.डी.	सितार
के सुनीता देवी	बीए, मणिपुरी में डिप.	मणिपुरी नृत्य
स्वप्न घोष	संगीत रत्नाकर (एम मुश)	तबला, पखवाज
तारक सेनगुप्ता	एमए डीप.	फोटोग्राफी नाटक और रंगमंच
कला		
		(अभिनय / दिशा), फोटोग्राफी

एशोसिएट प्रोफेसर

प्रशांत कुमार घोष	बीएससी, बीएड, एम मुश	रवींद्र संगित
निखलेश चौधरी	एम. मुश., पीएच.डी.	सितार और संगीतशास्त्र
वाई हेमंत कुमार	बीए, पीजीडी	मणिपुरी नृत्य, डिप्लोमा चोरग्राफी
मलय शंकर चटर्जी	एम मुश	रवींद्र संगित

असिस्टेंट प्रोफेसर

मोहन कुमारन	पी एमए, बीएड	कथकली नृत्य
संगमित्र गुप्ता	पीजी डिप. (समाजशास्त्र)	रवींद्र संगित नृत्य

सुमित बसु	एमए पीएचडी	मणिपुरी नृत्य
बसंत मुखर्जी	एम मूस	कथकली नृत्य
मोनोजिट मलिक	एमए	क्लासिकल वोकल (खेयल)
निखिल रंजन रॉय	संगीत प्रभाकर और विसारद, गुरुकुल प्रशिक्षण	तबला
संदीप घोष बिवाकर	बीकॉम, संगित प्रभाकर	तबला और पक्वाज संगित
मसूमी रॉय	एमए, पीएच.डी. एच.सी.एम (वोकल)	ख्याल
तपस चटर्जी	एम. मुश	हिंदुस्तान शास्त्रीय संगीत
श्रीमती छाया रानी मंडा	एमएफिल	उड़िया और शास्त्रीय वोकल संगीत
रंजीत दास	एम मुश	शास्त्रीय संगीत
श्रीमती एशिता चक्रवर्ती	एम मुश, एम फिल	शास्त्रीय संगीत
राजेश मेनन	एम मुश	कथकली नृत्य
अमित कुमार वर्मा	एम मुश	शास्त्रीय संगीत
पी मुकुंदा कुमार	एम मुश	कथकली नृत्य
श्रीमती अर्पिता दत्ता (दास)	एम मुश	रवींद्र संगित
श्री राजेश के वी	पीएच.डी.	
नंदीता बसु सरबाधिकारी	एम मुश	रबींद्र संगित
मणानी मुखोपाध्याय	एम मुश	रबींद्र संगित
सप्तर्षि रॉय	एम मुश	रबींद्र संगित
सूरजित रॉय	एमए	रबींद्र संगित
बिप्लाब बिस्वास	एमए, पीएच.डी.	नाटक और रंगमंच कला
अमर्त्य	एमए, पीएच.डी.	नाटक और रंगमंच कला
मृत्युंजय कुमार प्रभाकर	एमए,	नाटक और रंगमंच कला
ज्ञानबाती देवी	बीए,	मणिपुरी नृत्य विशेषज्ञता
रंजानी रामचंद्रन	एमए, पीएच.डी.	स्वर
सहायक		
के.प्रेमजीत सिंह	पीजी डिपलोमा	मृदंगा पंग (खोल)
एनपी शंकरनारायण		कला कथकली छंदा में प्रवीणता

अनमेश चंद्र	गुरुकुल ट्रेनिंग	एसराज
आलोक बनर्जी	एम.मुश	एसराज
तपन कुमार रॉय	एचएस, संगित प्रभाकर	तबला
विश्वजित साहू	एमए	ताब्ला
जॉयदेब गोल्डर	एमए, मुश	तबला
राजन पी	डिपलोमा मडलमम	मददालम
चंचल नंदी	एम.मुश	तबला
अपूर्बल मन्ना		तबला
कमलेश रॉय	एम.मुश	तबला
कला भवन		
डिजाइन		
प्रोफेसर		
सिसीर सहाना	बीएफए, एमएफए	ग्लास
अशोक भौमिक	5 साल चित्रकारी में डिपलोमा	चित्र
गौतम कुमार दास	बी. फाइन	सिरेमिक्स
एशोसिएट प्रोफेसर		
साक्षी गोपाल दास	ललित कला में डिपलोमा	वस्त्र डिजाइन
प्रशून कांती भट्टाचार्य	बीएससी (ऑनर्स), डिप्लोमा इन चित्रकारी	चित्रकारी और वस्त्र डिजाइन
देबाशिश महालनोबिश	डीएच/एल टेक, पीडी डीआईपी.एच/एल.को.ओपी	टेक्सटाइल हैंडलूम और टेक्सटाइल रसायन विज्ञान।
असिस्टेंट प्रोफेसर		
कृष्णेंद्रू बाग	बीफिन, वस्त्र डिजाइन	डिजाइन (वस्त्र)
देबाशिष दास	एमवीए सिरेमिक	सिरेमिक डिजाइन
सुश्री भावना खजुरिया बसुमेटरी	एमएफए	सिरेमिक डिजाइन
अर्चना दास	एमएफए	सिरेमिक डिजाइन
मादी लिंडा	बीए, बीएफए, एमएफए	सिरेमिक डिजाइन
ग्राफक कला		
एशोसिएट प्रोफेसर		
अजीत सील	पोस्ट डिप्लोमा ग्राफिक आर्ट	ग्राफिक आर्ट
अर्पन मुखर्जी	एमएफए	ग्राफिक कला

असिस्टेंट प्रोफेसर

सलील सहनी	एमएफए	ग्राफिक कला
उत्तम कुमार बसाक	एमएफए	ग्राफिक कला
मोरंगटेम थॉमस सिंह	एम.वी.ए.	ग्राफिक कला
प्रशांत फिरंगी	एमएफए	ग्राफिक कला

कला का इतिहास

प्राफेसर

आर. शिव कुमार	एम. फाइन	समकालीन भारतीय कला, पुनर्जागरण
संजय कुमार मलिक	एमएफए, पीएच.डी.	भारतीय कला प्राचीन और समकालीन

एशोसिएट प्रोफेसर

मेघाली गोस्वामी	एमएफए, पीएच.डी.	

असिस्टेंट प्रोफेसर

अंशुमन दासगुप्त	एमएफए	समकालीन कला
सौमिक नंदी मजूमदार	एमएफए	भारतीय कला
ऋषि गांधी नारज़री	एमएफए	आधुनिक कला

चित्र

प्रोफेसर

नंददुलाल मुखोपाध्याय	बी फाइन, एमएफए	चित्रकारी और मुरल
दिलीप मित्रा	एमएफए	चित्रकारी
सीतांशु मुखोपाध्याय	एमएफए, पीएच.डी.	चित्र

एशोसिएट प्रोफेसर

अर्घ्य प्रिया मजूमदार	एम. फाइन	पेंटिंग
संचायन घोष	एमएफए	चित्रकारी
राजर्षि विश्वास	एमएफए	चित्रकारी

असिस्टेंट प्रोफेसर

अंबरिस नंदन	एम.वी.ए.	चित्र
प्रशांत साहू	एमएफए	चित्रकारी
एस.के शहजान	चित्रकारी में डिपलोमा	चित्रकारी

धारात्री बोरो	एमएफए	चित्रकारी
मूर्ति		
प्रोफेसर		
पंकज पंवार	एमएफए	मूर्ति
एशोसिएट प्रोफेसर		
शांतनु चटर्जी	एमएफए	मूर्ति
मातीलाल कलाई	एमएफए	मूर्ति
असिस्टेंट प्रोफेसर		
कमल धर	एमएफए	मूर्ति
ऋषि बरुआ	एमएफए	मूर्ति
अमित कुमार धारा	एमएफए	मूर्ति
लवांशाहिबा खरमावलोग	एमएफए	मूर्ति
सज़ाद हमदानी	एमएफए	मूर्ति
पल्ली संगठन विभाग		
पल्ली चर्चा केंद्र		
प्रोफेसर		
शंकर मजूमदार	एमएससी, पीएच.डी.	योजना और सार्वजनिक अर्थशास्त्र
एशोसिएट प्रोफेसर		
शांतनु राखीत	एमएससी, पीएच.डी.	कृषि अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सामाजिक-आर्थिक भिन्नता
एम. अलंकारा मसिलामनी	एमए, पीएच.डी.	ग्रामीण विकास
रथिंद्र नाथ प्रामाणिक	एमए पीएचडी.	कृषि इकोनोमी / श्रम अर्थव्यवस्था
ग्रामीण विस्तार केंद्र		
प्रोफेसर		
अमित कुमार हजरा	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	ग्रामीण अर्थशास्त्र और ग्रामीण
विका	**एशोसिएट प्रोफेसर**	
रफीकुल इस्लाम	एमए (एसडब्ल्यू), पीएचडी	प्राथमिक और गैर-अनुरूप शिक्षा।
सुजीत कुमार पाल	एमए पीएच.डी.	ग्रामीण विकास
असिस्टेंट प्रोफेसर		
सुभ्रांशु संतरा	एमए, पीएचडी	ग्रामीण विकास

शिल्प सदन

प्रोफेसर

राज कुमार कोनार और	बी आर्क, एमडीएस	वास्तुकला, फर्नीचर, आंतरिक उत्पाद डिजाइन
श्रीमती पद्मिनी बालाराम	पीएचडी	वस्त्र
असिस्टेंट प्रोफेसर		
विशाल सी. भाण्ड	बीएफए, एमएससी (टेक्सटाइल्स)	डिजाइन थ्योरी, प्रोसेस एंड पेंटिंग
अरुप मुखर्जी	बीएससी (टेक)	टेक्सटाइल कैमेस्ट्री
सुमितभा पाल	एमएफए	मूर्ति
संतानु कुमार जेना	बीएफए और एमएफए पोटरी एंड सिरेमिक एंड ग्लास अभिभाषक सिरेमिक, चीन	सिरेमिक
अरबिंद मंडल	बीटेक एमटेक पीएचडी (टेक)	सिरेमिक
असिस्टेंट प्रोफेसर		
अमृता कुमार दास	वुड वर्क में डिपलोमा	वुड वर्क
मधुसूदन हजरा	हैंडलूम बुनाई में डिपलोमा	हैंडलूम बुनाई
संजय कुमार गोस्वामी	बीएससी, पेपर टेक	पेपर बनाने
श्रीमती श्यामाली सेनगुप्ता	बीएससी (ऑनर्स।), लकड़ी के काम में डिपलोमा	लकड़ी का काम
अरुण कुमार शर्मा	बीएफए और एमएफए	पोट और सीर मिट्टी के बर्तनों-सिरेमिक
प्रबीर कुमार चौधरी	एमएससी (टेक।)	मैकेनिकल प्रसंस्करण वस्त्र
आशीष मित्रा	बीएससी (टेक) एमएससी (टेक)	मैकेनिकल प्रसंस्करण
शंकर रॉय मल्लिक	एमटेक पीएचडी,	वस्त्र रसायन शास्त्र
आशीष घोष	एमएफए	लकड़ी काम
नबा कुमार माझी	बीएफए, एमएफए	आंतरिक सहायक उपकरण
देब कुमार दास	बीकॉम, वुडवर्क में डिपलोमा	वुडवर्क
मृणाल कांती सरकार	बीएफए (डिजाइन)	वस्त्र डिजाइन
श्रीमती सुकन्या चटर्जी	बीएससी, एमएससी	वुड विज्ञान और तकनीक
श्रीमती जया बोरो	एमएफए चित्रकारी,	बर्तन, सिरेमिक

मनोज कुमार प्रजापति	एमएफए डिजाइन,	बर्तन और सिरेमिक

सामाजिक कार्य

प्रोफेसर

कुमकुम भट्टाचार्य	एमए (मनोविज्ञान), पीएच.डी.	संस्कृति व्यक्तित्व
अशोक कुमार सरकार	एमए (एसडब्ल्यू), पीएच.डी.	एनजीओ, स्वास्थ्य देखभाल और विकास
प्रशांता कुमार घोष	एमए (एसडब्ल्यू), पीएच.डी.	एचआरडी, एचआरएम, एआईडी / एचआईवी इतिहास, दर्शन, सामाजिक कार्य की अवधारणा
देबोतोश सिन्हा	एमए (एसडब्ल्यू), एम. फिल, पीएच.डी.	परिवार और बाल कल्याण

एशोसिएट प्रोफेसर

स्वप्न हजरा	एमए (एसडब्ल्यू) एचआरडी,	कल्याण प्रशासन
संजॉय रॉय	एमए (एसडब्ल्यू), एम फिल, पीएचडी	सामुदायिक विकास
राम प्रसाद दास	एमए (एसडब्ल्यू), एम. फिल.	अपराध और सुधार प्रशासन
परोमिता रॉय	एमएससी (इकोनॉमिक्स)	डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, सोशल डेवलपमेंट

असिस्टेंट प्रोफेसर

सुदेशना साहा	एमए (एसडब्ल्यू)	मेडिकल एंड एसड साइकोट्रिक सोशल वर्क
नीलमणी जयसावल	एमए	समुदाय विकाश
जोशफ वर्गीस	एमए, एम. फिल.	समुदाय विकास
सुकुमार पाल	एमए, पीएचडी	कमजोर सेक्शन, सोशल डिफेंस और सुधार
सुश्री सुभाषरी सान्याल	एमए (सोशल वर्क)	मेडिकल एंड साइकोट्रिक सोशल वर्क
शुस्मिता पटेल	एमएसडब्ल्यू, एम. फिल	महिला सशक्तिकरण
अनुपम हजरा	एमएसडब्ल्यू, पीएचडी	सामुदायिक विकास
सुश्री मौमिता लाहा	एमएसडब्ल्यू	सोशल पॉलिसी एंड प्लानिंग

पल्ली शिक्षा भवन

फसल सुधार, बागवानी और

कृषि वनस्पति विज्ञान

प्रोफेसर

परेश चंद्र कोले	एमएससी (एजी।), पीएचडी	प्लांट प्रजनन
एशोसिएट प्रोफेसर		
अमिताभ पॉल	एमएससी (एजी।), पीएचडी	जेनेटिक्स एंड प्लांट प्रजनन
गौतम मंडल	एमएससी पीएचडी	मेवे की खेती
स्नेहाशीश चक्रवर्ती	एमएससी (एजी), पीएचडी	ओलरिकल्चर एंड फ्लोरिकल्चर
असिस्टेंट प्रोफेसर		
जॉयदीप मंडल	एमएससी (एजी), पीएचडी	ओलरिकल्चर
एन आर चक्रवर्ती	एमएससी (एजी), पीएचडी	जेनेटिक्स एंड प्लांट प्रजनन
प्रहलाद देब	एमएससी (हॉर्ट), पीएचडी	पोमोलॉजी और पोस्ट-फसल टेक्नोलॉजी

पौधा-संरक्षण

प्रोफेसर

हिरक चटर्जी	एमएससी (एजी), पीएचडी	इकोनॉमिक एंटोमोलॉजी
एशोसिएट प्रोफेसर		
आर नाथ	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	संयंत्र वायरोलॉजी
असिस्टेंट प्रोफेसर		
पलाश मंडल	एमएससी (एजी), पीएचडी	इकोनॉमिक एंटोमोलॉजी
मोहन कुमार विश्वास	एमएससी (एजी), पीएचडी	मशरूम और फंगल प्लांट
पैथोलॉजी		
भोलनाथ मंडल	एमएससी (एजी), पीएचडी	प्लांट बैक्टीरियोलॉजी
स्वर्णली भट्टाचार्य	एमएससी (एजी), पीएचडी	इकोनॉमिक एंटोमोलॉजी

कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र

और कृषि सांख्यिकी

प्रोफेसर

देबाशिष भट्टाचार्य	एमएससी (एजी), पीएचडी	सांख्यिकी

सार्थक चौधरी	एमएससी (एजी), पीएचडी	कृषि विस्तार
एस घोष	एमएससी (एजी), पीएचडी	कृषि विस्तार
बिधान चंद्र राय	एमएससी (एजी), पीएचडी	कृषि अर्थशास्त्र
एशोसिएट प्रोफेसर		
देबाशिस सरकार	एमएससी (एजी), पीएचडी	कृषि अर्थशास्त्र
असिस्टेंट प्रोपेसर		
सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	कृषि एक्सटेंशन
अनन्दिता साहा	एमएससी	डेयरी एक्सटेंशन एजुकेशन
दिग्विजय सिंह ढकरे	एमएससी पीएच.डी.	आंकड़े
बिटन मंडल	एमएससी डायरी	अर्थशास्त्र
केदार अली सरकार	एमएससी	कृषि

कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान, कृषि इंजीनियरिंग,
संयंत्र फिजियोलॉजी और जंतु विज्ञान

प्रोफेसर		
आशीष कुमार चटर्जी	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	मृदा रसायन शास्त्र
सुरज कुमार पायन	एम.वी.एससी, पीएच.डी.	पशु चिकित्सक एनाटॉमी और प्रजनन टेराटोलॉजी
अरुण कुमार बराक	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	फसल और फसल प्रणाली
विनय कुमार सारेन	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	जल मंगल
गौतम कुमार घोष	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	मृदा रसायन और मृदा प्रजनन
क्षमता		
एशोसिएट प्रोफेसर		
जयंत कुमार चटर्जी	एम.वी.एससी, पीएच.डी.	पशु उत्पादन और प्रबंधन
बुद्धदेव दुआरी	एमएससी (एजी।), पीएच.डी.	खरपतवार प्रबंधन
गणेश सी. मल्लिक	एमएससी (एजी), पीएचडी	फसल पब्लिक एंड वाटर मैनेजमेंट
रीडर		
पी.के. विश्वास	एमएससी पीएचडी	कृषि रसायन शास्त्र

असिस्टेंट प्रोफेसर

स्वप्न कृष्ण मायती	एमएससी (एजी), पीएचडी	फसल
सुचंद मंडल	एमएससी (एजी), पीएचडी	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान
देबाशिष पांडा	एमएससी (एजी।)	प्लांट फिजियोलॉजी
पी कंदास्वामी	एमई (कृषि)	कृषि प्रसंस्करण
कालीपादा प्रमानिक	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	शुष्क भूमि कृषि विज्ञान
महुआ बनर्जी	एमएससी (एजी), पीएच.डी.	फसल
वाई वासुदेव राव	एमएससी, पीएचडी	बायो-कैमिस्ट्री
के. सी. स्वैन	एमएससी, पीएचडी	कृषि इंजीनियरिंग
एन.सी. सरकार	एमएससी, पीएचडी	प्लांट फिजियोलॉजी
एम.सी. कुंडू	एमएससी, पीएचडी	मृदा विज्ञान
सुश्री सानंदा मंडल	एमएससी, पीएचडी	प्लांट फिजियोलॉजी
प्रीतम घोष	एमएससी, पीएचडी	फसल पब्लिक

स्कूल

पाठ भवन

बोधिरुपा सिन्हा (प्रिंसिपल)	एमए (इको), बीएड	

अंग्रेज़ी

अमिताभ मुखर्जी	एमए, बीएड, पीएचडी	इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग
अभिजीत सेनगुप्ता	एमए, एम फिल, पीजीडीटीई	
सुरजित सेन	एमए, बीएड	शास्त्रीय त्रासदी
सरदा बसु मुखोपाध्याय	एमए	अमेरिकन साहित्य
श्रीमोयी घोष	एमए, बीएड	
संगिता हेमब्रॉम	एमए	
सुरंजिमा साहा	एमए, बीएड	अमेरिकी साहित्य
उमा चटर्जी	एमए, बीएड	शास्त्रीय साहित्य
देबमल्य दास	एमए, बीएड	

बंगाली

निलय राय	एमए, एम फिल, बीटी, पीजीडीईई	भाषाविज्ञान
श्यामाप्रसाद चटर्जी	एमए, पीएच.डी.	

चंद्राणी मुखर्जी	एमए, एम एड संगीत	
सोनाली चक्रवर्ती (मजूमदार)	एमए, बी एड संगीत	
निबिर कुमार घोष	एमए, बीएड	
अनुराधा साहा	एमए, बीएड	
देबोलिना दलाल	एमए, बीएड	
समीर देवनाथ	एमए, बीएड	
राखी सरकार	एमए, बीएड	प्रचीन साहित्य
तारित रायचौधरी	एमए	
हरधन सोरेन	एमए	
गणित		
शुभ्रांशु सेन टक्कर	एमएससी, बीएड	क्वांटम यांत्रिकी और परमाणु सिद्धांत
तारक नाथ साहा	एमएससी, बीएड पीएच.डी.	
पत्रलेखा दत्ता सरकार	एमएससी, बीएड	
मधुसूदन मंडल	एमएससी, बीएड	
सुतापा साहा	एमएससी, बीएड	
नम्रता भट्टाचार्य	एमए, बीएड	
ज्योतिर्मनाथ राल	एमएससी, बीएड	
संगीत		
चंदन मुंशी	एम. म्यूजिक	
मसूमी दास	एम म्यूजिक, बीएड।	
करुणमोय मजूमदार	एम म्यूजिक	
नृत्य		
सुजाता मित्रा	बी मुश (मणिपुरी)	
देबब्रता मुखर्जी	नृत्य और संगीत विश्दर	
कला एवं शिल्प		
रती बसु	बी फाईन (चित्रकारी), एम. फाइन (ग्राफिक)	
कालीचरण हेमब्रम	एमएफए (चित्रकारी)	
श्रीबानी भट्टाचार्य	बी फाइन (वस्त्र)	

जयंत मंडल	बीएफए, एमएफए (चित्रकारी)	
प्रिति चंद्र नाग	एमएफए	कपड़ा डिजाइन
भौतिक विज्ञान		
बुलबुल कोनार	एमएससी, बीएड	संघनित पदार्थ भौतिकी
सुचित चक्रवर्ती	एमएससी, एमएड	परमाणु भौतिकी
कुमार विक्रांत बसाक	एमएससी, बीएड	परमाणु और अणु भौतिकी
रसायन विज्ञान		
रुही दास	एमएससी बीएड पीएचडी	
ससधर माझी	एमएससी बीएड. एम.फिल	
अनमेश घोष	एमएससी, बीएड, नेट	ऑर्गेनिक रसायन
जीव विज्ञान		
छत्रपति मुर्मू	एमएससी (बॉटनी), बीएड	
सुनील कुमार मंडल	एमएससी पीएचडी	
इप्शा बंद्योपाध्याय	एमएससी, पीएच.डी.	
लोपामुद्र सेन	एमएससी, बीएड	जीवन विज्ञान (प्राणीशास्त्र)
भूगोल		
शुष्मिता गुहा रॉय	एमएससी, (जिओ) पीएच.डी.	पर्यावरण भूगोल
किशोर भट्टाचार्य	एमए, बीएड	
इतिहास		
सिल्पी मुखोपाध्याय	एमए, एम फिल, बीएड	
निर्मल कुमार महातो	एमए, बीएड, पीएच.डी.	
संस्कृत/हिंदी		
देबेन्द्र पांडे	एमए (डबल), पीएच.डी.	प्रेमचंद और भारतीय दर्शनशास्त्र
सोनाली गंगुली	एमए, बीएड, पीएच.डी.	
अनन्दिता अग्रवाल	एमए, बीएड	
सुश्री अल्पाना धुबार	एमए, बीएड	
अर्थशास्त्र		
सरबारी दत्ता	एमएससी, एम.फिल,	

गृह विज्ञान

चैताली घोषाल	एमएससी, डिप्लोमा (आहार)	
मृणालिनी आनंद पाठशाला		
छरणंजनी चक्रवर्ती	बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू	
प्रिया हलदर		
सुतापा प्रामाणिक मजूमदार		
अध्ययन पर्यवेक्षक		
नीमा शंकर चक्रवर्ती	एमएससी, बीएड	
पार्थ प्रतिम रॉय	एमए, बीएड	
गृहध्यक्षा		
पार्थ चक्रवर्ती	एमए, बीएड,	
धातु शिल्प		
चित्र भानु गिरि	इंजीनियरिंग में डिप्लोमा	
(प्रशिक्षक)		
शारीरिक शिक्षा		
विश्वजित बीर	बीपीई, एमपीई	
दर्शन		
रुमा दास हजरा	एमए, बीएड,	
सांख्यांकि		
अनिल बरन मंडल	एमएससी, पीएचडी, एमसीए	ऑपरेशंस रिसर्च एंड
एप्रोक्सिममेमेशन		
		एल्गोरिदम
राजनीतिशास्त्र		
दीपाली घोष	एमए, एम फिल	समकालीन भारत, समाज और राजनीति
शिक्षा सत्र		
जयंत कृष्ण भट्टाचार्य	एमएससी, पीएचडी, बीएड,	एक्स-रे और क्रिस्टलोग्राफी
बंगाली		
श्रीनिवास घोष	एमए, बीएड	
श्रीमती सिउली सिन्हा	एमए, पीएच.डी.	19वीं शताब्दी का बांग्ला साहित्य।

मोहम्मद मोहहरुल हामिद	एमए, बीएड	प्रचीन बांग्ला साहित्य
श्रीमती निबदीता साहा	एमए, बीएड	19वीं शताब्दी का बांग्ला साहित्य।
इकबाल जहांगीर	एमए, बीएड एम.एड.	शिक्षक की शिक्षा

अंग्रेज़ी

श्रीमती गर्गी घोष		
असिम कुमार मजूमदार	एमए, बीएड, पीएच.डी.	लघु कहानियां और तुलनात्मक
श्रीमती मितिली दे सरकार	एमए, बीएड, पीजीडीटीई ईएलटी	
श्रीमती अचिना मजूमदार	एमए, बीएड, ईएलटी	
श्रीमती तमाली मजूमदार	एमए, बीएड,	
दिबेंदु मंडल	एमए पीजीडीसीई (हैदराबाद)	ईएलटी और भाषाविज्ञान
गिरीश चंद्र दुआरी	एमए, बीएड	ईएलटी और भाषाविज्ञान
श्रीमती त्रिपति घोष	एमए, बीएड	

भूगोल

श्रीमती त्रिपति घोष	एमए, बीएड	गतिशील भूगर्भ विज्ञान
श्रीमती गर्गी घोष	एमए, बीएड	जनसंख्या भूगोल
अवीक घोष	एमए	

इतिहास

सौमेन सेनगुप्ता	एमए, बीएड	18वीं शताब्दी में भारतीय इतिहास
देबब्रत बरात	एमए, बीएड, एमईडी	18वीं शताब्दी भारतीय इतिहास और रचनात्मकता कला का

इतिहास

जीव विज्ञान

ऋतुपरना चार	एमएससी,बीएड	संयंत्र एनाटॉमी
कृष्णेनदु दे	एमएससी, बीएड	परागण जीवविज्ञान
गौतम साहा	एमएससी बीएड एमए,	पर्यावरण विज्ञान और शिक्षक

शिक्षा।

गणित

संदीप कुमार भक्त	एमएससी, पीएच.डी.	गणित और गणित का इतिहास।
गोपीनाथ मंडल	एमएससी, पीएच.डी.	शुद्ध गणित
गणेश मंडल	एमएससी, बीएड	व्यावहारिक गणित

श्रीमती जयश्री साहा	एमएससी, बीएड	जैव गणित
सांख्यांकि		
रुद्र प्रसाद सिन्हा	एमएससी, बीएड, एमए,	सांख्यिकी
भौतिक विज्ञान		
श्रीमती शाम्पा भूटी (रॉय)	एमएससी, बीएड	भौतिक विज्ञान की ठोस अवस्था
पार्थशार्थी चटर्जी	एमएससी, एमएड	मल्टीमीडिया
तीर्थसिलिल दे	एमएससी	एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी
रसायन विज्ञान		
अरूप भट्टाचार्य	एमएससी, बीएड, पीएच.डी.	भौतिक रसायन
प्रदीप सोरेन	एमएससी बीएड,	अकार्बनिक रसायन शास्त्र
अर्थशास्त्र		
सुब्रत सिन्हा	एमएससी एम.फिल	एडवांस इकोनॉमिक्स थ्योरी
संस्कृत		
श्रीमती आनंदमोई मंडल	एमए, बीएड, पीएच.डी.	काव्या
श्रीमती कंचन दासगुप्त	एमए, बीएड	काव्या
नृत्य		
श्रीमती माधुरी सिन्हा	संगीत और नृत्य में डिपलोमा	नृत्य
बिजली		
श्यामलेन्दु बनर्जी	बिजली अभियांत्रिकी में डिपलोमा	पावर स्टेशन और उप-स्टेशन
संगीत		
रामेंद्रनारायण सिन्हा	बीएससी	संगीत प्रभाकर
दुर्गा चरण मजूमदार	एम मूश	शास्त्रीय और रवींद्र संगीत
राजतमय चट्टोपाध्याय	एमए	रबींद्र संगित
दर्शन		
श्रीमती संगीता सरकार	एमए, एम फिल	विकास नीतिशास्त्र
तबला		
रणेंद्रनारायण सिन्हा	बीएससी, संगीत प्रभाकर	बनारस और लखनऊ घराना संगीत विसारत
हिन्दी / संस्कृत		
श्रीमती सुधा गुप्ता	एमए, बीएड, पीएचडी, पोएटिक लैंग्वेज	

प्रिया पाठक	एमए, बीएड, नेट	
बुनाई		
श्रीमती पूर्णलक्ष्मी घोष	बीए, सर्टिफिकेट बुनाई	बुनाई में पाठ्यक्रम
चित्र		
बिश्वदीप दास	एमएफए	चित्रकारी
शारीरिक शिक्षा		
श्रीमती वंदना हजरा	एमपीई	एथेलिटिक्स
सोमनाथ मेहाना	बी.पी.एड.ए.	फुटबॉल
राजनीतिशास्त्र		
सुमनता दास	एमए बी.एड.	
संतोष पाठशाला		
सुभोज्योति दत्ता	एमएससी	
सुदीप सेन	एमए बी.एड.	
श्रीनिवाश	एमए, बीएड	
अंजली रॉय	एमएससी बीएड	
गोपीनाथ मंडल	एमएससी ईडी	
सुमन चक्रवर्ती	एमए बी.एड.	

परिशिष्ट-सी

02-07-2019 को समसद (कोर्ट) के सदस्य
विश्वभारती अधिनियम 1951 के धारा 101 (1) के थ

(i) **आचार्य (चांसलर)**
श्री नरेंद्र मोदी

(ii) **उपाचार्य (कुलपति)**
प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती

(iii) **सह-उपाचार्य (उप कुलपति)**
रिक्त

(iv) **अध्ययन निदेशक, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निर्माण**
रिक्त

(v) **संस्कृति और सांस्कृतिक संबंध निदेशक**
रिक्त

(vi) **शारीरिक शिक्षा खेल निदेशक, राष्ट्रीय सेवा और छात्र कल्याण**
रिक्त

(vii) **भवनों के अध्यक्ष**

1. अध्यक्ष, भाषा-भवन
2. अध्यक्ष,, विद्या भवन
3. अध्यक्ष, शिक्षा भवन
4. अध्यक्ष, कला भवन
5. अध्यक्ष, संगित भवन
6. अध्यक्ष, पाठ भवन
7. अध्यक्ष, पल्ली शिक्षा भवन
8. अध्यक्ष, पल्ली संगठन विभाग
9. अध्यक्ष, विनय भवन
10. अध्यक्ष, शिक्षा सत्र

(viii) **ग्रन्थगार्गिका (पुस्तकालयध्यक्ष)**
पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय

(ix) **छत्र-परिचलक (प्रॉक्टर)**

प्रॉक्टर, विश्वभारती

(x) **पल्ली संगठन विभग के अध्यक्ष;**

(xi) **ग्रंथन विभागाध्यक्ष;**

अध्यक्ष

ग्रंथन विभाग, विश्वभारती,

6, ए.जे. सी. बोस रोड, कोलकाता - 700 017

(xii) **विभागों के प्रमुख**

भाषा भवन

1. अध्यक्ष, बंगाली विभाग
2. अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग
3. अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
4. अध्यक्ष, हिंदी विभाग
5. अध्यक्ष, ओडिया विभाग
6. अध्यक्ष, अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग
7. अध्यक्ष, भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग
8. अध्यक्ष, जापानी विभाग
9. अध्यक्ष, चीनी विभाग
10. अध्यक्ष, संताली विभाग

विद्या भवन

1. अध्यक्ष, अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग
2. अध्यक्ष, इतिहास विभाग
3. अध्यक्ष, ए.आई.एच.सी. एंड ए विभाग
4. अध्यक्ष, भूगोल विभाग
5. अध्यक्ष, दर्शन और धर्म विभाग
6. प्रभारी, पत्रकारिता और जनसंचार केंद्र
7. अध्यक्ष, नृविज्ञान विभाग

शिक्षा भवन

1. अध्यक्ष, भौतिकी विभाग
2. अध्यक्ष, रसायन विभाग
3. अध्यक्ष, गणित विभाग
4. अध्यक्ष, जूलॉजी विभाग

5. अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
6. अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग
7. अध्यक्ष, कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान
8. अध्यक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी केंद्र
9. अध्यक्ष, पर्यावरण अध्ययन केंद्र

कला भवन

1. अध्यक्ष, मूर्तिकला विभाग
2. अध्यक्ष, चित्रकला विभाग
3. अध्यक्ष, डिजाइन विभाग
4. अध्यक्ष, ग्राफिक कला विभाग।
5. अध्यक्ष, कला इतिहास विभाग

संगीत-भवन

1. अध्यक्ष, रबींद्र संगीत, नृत्य और नाटक विभाग
2. अध्यक्ष, शास्त्रीय संगीत विभाग

विनय-भवन

1. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग

शारीरिक शिक्षा विभाग

पल्ली शिक्षा-भवन

1. अध्यक्ष, एग्रोनॉमी विभाग
2. अध्यक्ष, फसल सुधार विभाग

बागवानी और वनस्पति विज्ञान

3. अध्यक्ष, पादप संरक्षण विभाग
4. अध्यक्ष, कृषि विभाग विस्तार और सांख्यिकी विभाग,

पल्ली संगठन विभाग

1. अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग
2. अध्यक्ष, पल्ली चर्चा विभाग
3. अध्यक्ष, सिल्प सदन विभाग
4. अध्यक्ष, आजीवन सीखने और विस्तार विभाग (आरईसी)

(xiii) **वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, प्रत्येक संस्थान से एक अध्यापक;**

भाषा भवन,

प्रो. कैलाश चंद्र पटनायक, ओडिया विभाग

भाषा-भवन, विश्व-भारती

विद्या भवन

आशा मुखर्जी, दर्शनशास्त्र विभाग

विद्या भवन, विश्व-भारती

शिक्षा भवन

संतब्रत चक्रवर्ती, प्रो. गणित विभाग

शिक्षा भवन, विश्व-भारती

कला भवन

श्री देबाशीष महालनोबिश, डिजाइन विभाग

कला भवन, विश्वभारती

संगीत भवन

प्रो. टी. एस. वासुनी, संगीत भवन

विश्वभारती

विनय भवन

ब्रज नाथ कुंडू, प्रो. विनय भवन

विश्वभारती

पल्ली-शिक्षा भवन

आशीष कुमार चटर्जी, प्रो. पल्ली शिक्षा भवन

विश्वभारती

पल्ली संगठन विभाग

प्रशांत घोष, प्रो. सामाजिक कार्य विभाग

पल्ली संगठन विभाग, विश्व-भारती

पाठ भवन

श्रीमती उमा चटर्जी, पाठ भवन

विश्वभारती,

शिक्षा सत्र

श्री पार्थ सारथी चटर्जी, शिक्षा सत्र

विश्वभारती

(xiv) **वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के पांच प्रतिनिधि;**

1. श्री बिनय भूषण दे
   प्रयोगशाला परिचर
   पल्ली शिक्षा भवन, विश्व-भारती

2. श्री सुकुमार हाजरा (1)
एमटीएस, विद्या-भवन
विश्वभारती

3. श्री तापस कुमार चंद्रा
कार्यालय सहायक, आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यालय
विश्वभारती

4. श्री माशिउर रहमान
कार्यालय सहायक, ग्रन्थन विभाग,
विश्वभारती, 6, ए.जे. सी. बोस रोड,
कोलकाता - 700017

5. श्री सुकुमार लोहार
एमटीएस, उत्तरायण कॉम्प्लेक्स
विश्वभारती

(xv) शिक्षा, खेल, अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में खुद को प्रतिष्ठित करने वाले छात्रों में से शिक्षा-समिति (अकादमिक परिषद) द्वारा नामित किए जाने वाले दो छात्र, जिन्होंने दसवीं कक्षा और उससे ऊपर के स्तर पर अध्ययन, ललित कला, खेल, विस्तार कार्य या किसी अन्य क्षेत्र में पुरस्कार पिछले वर्ष के दौरान पुरस्कार जीते हैं;

1. शबनम परवीन
पाठ भवन
विश्वभारती

2. प्रियंका कुमारी
पल्ली शिक्षा भवन
विश्वभारती

(xvi) तीन छात्रों को योग्यता के आधार पर उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामांकित किया जाना है ताकि छात्रों के किसी भी वर्ग को प्रतिनिधित्व प्रदान किया जा सके जो उनकी राय में अप्राप्त है: बशर्ते कि आईटम (xvi) और (xv) के तहत छात्रों को नामांकित करना जो महिला छात्रों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व करेगा;

1. सुश्री सोहिनी दे
पाठ-भवन, विश्व-भारती

2. श्री सयान भौमिक
शिक्षा सत्र, विश्वभारती

3. श्रीमती अरुणिमा दत्ता
भौतिकी विभाग
शिक्षा भवन, विश्व-भारती

(xvii) संसद के पांच प्रतिनिधि, लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा अपने सदस्यों में से तीन और राज्यसभा के सभापति द्वारा अपने सदस्यों में से नामित किए जाने वाले तीन;

लोकसभा

1. रिक्त
2. रिक्त
3. रिक्त

राज्यसभा

1. श्री स्वपन दासगुप्ता
14, किशोर मूर्ति लेन, नई दिल्ली
2. श्री हरिवंश
501, ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट,
डॉ. बी.डी. मार्ग, नई दिल्ली - 110001

(xviii) एलुमेशन एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा चुने जाने वाले पूर्व छात्र संघ के तीन प्रतिनिधि;

1. रिक्त
2. रिक्त
3. रिक्त

(xix) उद्योग, श्रम, वाणिज्य, बैंकिंग और कृषि के प्रतिनिधियों सहित सीखे गए व्यवसायों और विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सात व्यक्ति, जिन्हें पारदिर्सका (आगंतुक) द्वारा नामित किया जाना

1. डॉ विजय भटकर
कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय और
पूर्व अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी, दिल्ली
2. प्रो. जन्नत शाह
निदेशक, आईआईएम, उदयपुर जिला, बालीचा,
राजस्थान 313002
3. प्रो. इंद्रनील मन्ना
प्रोफेसर, धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
खड़गपुर - 721302

4. श्री. अमित मालवीय
बैंकिंग एक्सपर्ट, बेंगलुरु
6, मीना बाग, मौलाना आजाद रोड
नई दिल्ली - 110011

5. डॉ. अनिर्बान गांगुली
निदेशक, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन,
9-अशोक रोड, नई दिल्ली -110001

6. श्री शौर्य डोभाल
निदेशक, इंडिया फाउंडेशन
सी -228, सेक्टर -44,
नोएडा, उत्तर प्रदेश 201301

7. श्री कैलाश सत्यार्थी
नोबेल पुरस्कार विजेता, बाल अधिकार कार्यकर्ता और
संस्थापक, बचप्पन बचाओ आंदोलन
एल- 6, कालकाजी, नई दिल्ली- 110019

(xx) एक व्यक्ति जिसे प्रधान (रेक्टर) द्वारा नामांकित किया जाना है;

श्री संजय बुधिया
प्रबंध निदेशक, पैटन समूह,
3 सी कैमक स्ट्रीट, 8 वीं मंजिल, कोलकाता - 700 016

(xxi) आचार्य (चांसलर) द्वारा नामित एक व्यक्ति;

प्रो. अचिंत्य बिस्वास
'शुक्ति', नं. 9, श्रीनगर गरिया, कोलकाता - 700 094

(xxii) कर्म-समिति (कार्यकारी परिषद) के अन्य सदस्य जो ऊपर निर्दिष्ट नहीं हैं।

1. डॉ. सुषोवन बनर्जी
सामान्य चिकित्सक (चिकित्सा)
हरगौरीताल, बोलपुर, बीरभूम

2. प्रो. डॉ. सुजीत कुमार घोष
स्वागत चिनार, ब्लॉक-सी
फ्लैट न. 3ए
बिसरजन घाट के पास, न्यूटाउन
कोलकाता - 700157

3. प्रो. (सेवानिवृत्त) दुलाल चंद्र घोष
पश्चिमपल्ली, शांतिनिकेतन
नाबा नालंदा स्कूल के पास

4. न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री सखा राम सिंह
पूर्व न्यायधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद
डी -4, सेक्टर - 122,
नोएडा - 201301,
गौतम बुद्ध नगर (छ.ग.)

5. प्रो. शेली भट्टाचार्य, एफएनएएस
पूर्व प्रोफेसर
प्राणीशास्त्र विभाग, विश्वभारती

6. प्रो. मंजू मोहन मुखर्जी
पूर्व अध्यापक
सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी, विश्वभारती

7. प्रो. स्वपन कुमार घोष
हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग
संगीत भवन, विश्व-भारती

8. प्रो. कुमकुम भट्टाचार्य
सामाजिक कार्य विभाग
पल्ली संगठन विभाग
विश्वभारती

परिशिष्ट-डी

02-07-2019 को कर्म-समिति (कार्यकारी परिषद) के सदस्य
विश्वभारती अधिनियम, 1951 की धारा 131 (1) के संदर्भ में

क्र. सं.	**सदस्य**	**नाम**
(i)	उपाचार्य (कुलपति)	बिद्युत चक्रवर्ती
(ii)	सह-उपाचार्य (उप कुलपति)	रिक्त पद
(iii)	अध्ययन निदेशक, शैक्षिक नवाचार और ग्रामीण पुनर्निर्माण	रिक्त पद
(iv)	संस्कृति और सांस्कृतिक संबंध निदेशक	रिक्त पद
(v)	शारीरिक शिक्षा, खेल निदेशक, राष्ट्रीय सेवा और छात्रों का कल्याण	रिक्त पद
(vi)	पाठ-भवन के अध्यक्ष	श्रीमती बोधिरूप सिन्हा
(vii)	पल्ली-संगठन विभाग, पल्ली-शिक्षा भवन, कला भवन, संगीत भवन, विद्या भवन, शिक्षा भवन और भाषा भवन के बीच में से तीन अध्यक्ष उपाचार्य द्वारा रोटेशन, वरिष्ठता के अनुसार नामित	1. प्रो. गौतम कुमार दास, अध्यक्ष कला भवन, विश्वभारती 2. प्रो. आशीष कुमार चटर्जी, अध्यक्ष पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती 3. प्रो. निखिलेश चौधरी, अध्यक्ष संगीत भवन, विश्वभारती
(viii)	विश्वविद्यालय में से दो वरिष्ठ अध्यक्ष रोटेशन के द्वारा	1. प्रो. स्वपन कुमार घोष हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग संगीत भवन, विश्वभारती

		2. प्रो. कुमकुम भट्टाचार्य सामाजिक कार्य विभाग ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती
(ix)	दो व्यक्ति जिन्हें संसाद (कोर्ट) से चुना जाना है इसके सदस्यों में से, जिनमें से कोई भी नहीं होगा विद्यार्थी या कर्मचारी	रिक्त
(x)	परिदर्शिका (आगंतुक) द्वारा दो व्यक्तियों का नामांकन।	1. प्रो. सुजीत कुमार घोष, डीई-135, स्ट्रीट-332, बिसर्जन घाट के पास, न्यू टाउन, कोलकाता-700 156 2. डॉ. सुषोवन बनर्जी जनरल प्रैक्टिशनर (मेडिसिन), हरगौरीतल्ला, बोलपुर, बीरभूम
(xi)	प्रधान रेकटर द्वारा नामित व्यक्ति	श्री सखा राम सिंह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) पूर्व न्यायमूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, 303, सी.के. दापहातरी वकील चैंबर भारत का सर्वोच्च न्यायालय तिलक लेन, नई दिल्ली - 110 001
(xii)	एक व्यक्ति नामित	प्रो. (सेवानिवृत्त) दुलाल चंद्र घोष आचार्य (चांसलर) पास्चिम्पल्ली, शांतिनिकेतन नाबा नालंदा स्कूल के पास

(xiii)	उपाचार्य (उप-कुलपति) द्वारा ऐलुमुनी एशोसिएसन के लिए नामित	प्रो. शेली भट्टाचार्य, एफएनएस, अध्यापक प्राणी विज्ञान विभाग विश्वभारती
(xiv)	एक पूर्व-प्रोफेसर को उपाचार्य (कुलपति) द्वारा नामित जो कम से कम 5 वर्ष तक प्रोफेसर के रूप में सेवा प्रदान किया है।	प्रो. मंजू मोहन मुखर्जी अध्यापक सामाजिक कार्य विभाग, पीएसवी एंड्रयूस्पल्ली (पश्चिम), नावा नालंदा रोड, शांतिनिकेतन, 731 235 जिला - बीरभूम

विश्वभारती
शांतिनिकेतन
प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर की सूची

प्रोफेसर
01.08.2019 तक

क्र.	संकाय का नाम	विभाग / भवन	जन्म तिथि	कार्य ग्रहण की तिथि
1.	प्रो. कुमकुम भट्टाचार्य	सोशल वर्क/पल्ली संगठन विभाग	27.02.1955	01.07.1995
2.	प्रो. विभाष चंद्र झा	भूगोल/विद्या भवन	07.03.1958	27.07.1998
3.	प्रो. अभिजीत सेन	अंग्रेजी/भाषा भवन	22.01.1956	26.08.1999
4.	प्रो. दुलाल पाल	गणित/शिक्षा भवन	14.06.1956	06.12.1999
5.	प्रो. मधुसूदन घोष	अर्थशास्त्र और राजनिति विद्या भवन	26.10.1955	03.03.2001
6.	प्रो. आशा मुखर्जी	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	19.08.1955	10.08.2001
7.	काशीनाथ चटर्जी	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	05.01.1955	03.01.2002
8.	प्रो. संतब्रत चक्रवर्ती	गणित / शिक्षा भवन	08.04.1955	05.03.2002
9.	प्रो. सबजुकोली सेन (मित्रा)	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	08.07.1955	04.01.2002
10.	प्रो. नरोत्तम सेनापति	संस्कृत पाली और प्रकृत/भाषा भवन	01.05.1961	02.04.2002
11.	प्रो. सर्बजीत सेनगुप्ता	अर्थशास्त्र और राजनिति विद्या भवन	06.08.1959	30.09.2002
12.	प्रो. आर. शिव कुमार	कला इतिहास/कला भवन	03.12.1956	01.10.2002
13.	प्रो. कैलाश च.पटनायक	ओडिया/भाषा भवन	06.02.1957	22.06.2003
14.	प्रो. तारा प्रसाद चट्टोपाध्याय	भौतिकी/शिक्षा भवन	09.06. 1957	15.09.2003

15.	प्रो. समित राय	वनस्पति/शिक्षा भवन	23.11.1956	04.11.2003
16.	प्रो. सबिता प्रधान (दाई)	ओडिया/भाषा भवन	07.07.1961	20.09.2004
17.	प्रो. काशीनाथ भट्टाचार्य	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	04.07.1956	18.10.2004
18.	प्रो. असीम कुमार दास	रसायन विज्ञान / शिक्षा भवन	31.08.1960	13.01.2005
19.	प्रो. निर्मल्य बनर्जी	वनस्पति विज्ञान / शिक्षा भवन	25.10.1954	18.01.2005
20.	प्रो. मंजू रानी सिंह	हिंदी/भाषा भवन	17.01.1956	05.02.2005
21.	प्रो. प्रणब चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	19.03.1955	31.03.2005
22.	प्रो. प्रशांत घोष	सामाजिक कार्य/पल्ली संगठन विभाग	15.08.1958	07.01.2005
23.	प्रो. स्वपन रहा	गणित / शिक्षा भवन	05.01.1960	25.07.2005
24.	प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती	भौतिकी / शिक्षा भवन	25.051958	09.01.2005
25.	प्रो. सार्थक चौधरी	कृषि विस्तार/पल्लीशिक्षा भवन	20.06.1959	02.09.2005
26.	प्रो. मोनोरंजन प्रधान	ओडिया/भाषा भवन	15.01.1960	22.11.2005
27.	प्रो. संदीप बसु	सरभिकारी इतिहास/विद्या भवन	08.01.1959	22.11.2005
28.	प्रो. पंकज पंवार	मूर्तिकला/कला भवन	11.07.1961	29.11.2005
29.	प्रो. आनंद च. साहु	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व/विद्या भवन	20.12.1954	27.07.2006
30.	प्रो. आशीस कुमार चटर्जी	मृदा और कृषि विज्ञान पल्ली शिक्षा भवन	16.09.1955	27.07.2006
31.	प्रो. अरुण मंडल	संस्कृत पाली और प्राकृत/भाषा भवन	13.08.1958	27.07.2006
32.	प्रो. ममता रॉय	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	02.01.1955	27.07.2006
33.	प्रो. मलय मुखोपाध्याय	भूगोल/विद्या भवन	07.08.1956	27.07.2006
34.	प्रो. रूप कुमार कर	वनस्पति/ शिक्षा भवन	29.09.1956	27.07.2006
35.	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी	हिंदी/भाषा भवन	08.04.1960	27.07.2006
36.	नारायण चंद्र मंडल	वनस्पति/शिक्षा भवन	15.06.1962	27.07.2006
37.	प्रो. बेनूधर चिनारा	शिक्षा/विनय भवन	20.05.1959	27.07.2006

38.	प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य	कृषि सांख्यिकी/पल्लीशिक्षा भवन	23.05.1962	01.08.2006
39.	प्रो एसपी सिन्हा बाबू	प्राणी विज्ञान/शिक्षा भवन	11.02.1957	18.09.2006
40.	प्रो. सरोज कुमार पाइन	पशु विज्ञान/पल्लीशिक्षा भवन	03.10.1955	31.01.2007
41.	प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी	हिंदी/भाषा भवन	01.03.1964	05.03.2007
42.	प्रो. आलोक कुमार दत्ता	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	02.01.1963	24.03.2007
43.	प्रो. ब्रजनाथ कुंडू	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	04.01.1955	01.04.2007
44.	प्रो. उमा शंकर मलिक	भूगोल/विद्या भवन	27.08.1956	17.04.2007
45.	प्रो. अमित कुमार हज़रा	उम्र भर सिखना एवं विस्तार/पीएसवी	21.12.1963	30.04.2007
46.	प्रो. शंकर मजूमदार	पल्लीचर्चा केंद्र/पीएसवी	15.02.1957	01.01.2007
47.	प्रो परमार्थ दत्ता	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	14.06.1966	01.11.2007
48.	प्रो. मृणाल कांति मंडल	बंगाली/भाषा भवन	28.09.1964	31.01.2008
49.	प्रो. नियाज़ अहमद खान	अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन/भाषा भवन	15.11.1958	10.02.2008
50.	प्रो. सुदीप्ता भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	23.06.1962	01.01.2009
51.	प्रो. सागरिका बंद्योपाध्याय	शारीरिक शिक्षा / विनय भवन	11.01.1956	01.01.2009
52.	प्रो. प्रशांत चटर्जी	गणित/शिक्षा भवन	09.05.1968	01.01.2009
53.	प्रो. दिलीप कुमार मित्र	पेंटिंग/कला भवन	06.07.1961	01.01.2009
54.	प्रो. मानस माईती	भौतिकी/शिक्षा भवन	20.04.1966	01.01.2009
55.	प्रो. नीलांजन चक्रवर्ती	आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र/भाषा भवन	02.10.1960	01.01.2009
56.	प्रो. स्वपन मंडल	भौतिकी/शिक्षा भवन	22.07.1963	01.01.2009
57.	प्रो. सिराजुल	इस्लाम दर्शन और धर्म (तुलनात्मक धर्म)/विद्या भवन	17.01.1961	01.01.2009
58.	प्रो. अरुण बारिक	एग्रोनॉमी/पल्लीशिक्षा भवन	24.09.1959	01.01.2009
59.	प्रो. अमल कुमार पाल	बंगाली/भाषा भवन	18.04.1960	01.01.2009
60.	प्रो. सब्यसाची सरखेल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत-भवन	07.11.1960	04.02.2009

61.	प्रो. बिनय कुमार सोरेन	एग्रोनॉमी/पल्लीशिक्षा भवन	04.02.1965	07.02.2009
62.	प्रो. संतनु राय	प्राणिविज्ञान/शिक्षा भवन	01.04.1957	31.03.2009
63.	प्रो. सुमन्त्र कुमार मंडल	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	10.09.1968	30.04.2009
64.	प्रो. शिबानी चौधरी	पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा भवन	02.10.1956	16.05.2009
65.	प्रो. इंद्राणी मुखोपाध्याय	रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	23.01.1959	16.05.2009
66.	प्रो. परेश चंद्र कोले	जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग/पीएसबी	01.08.1964	18.05.2009
67.	प्रो. बिपाशा राहा	इतिहास/विद्या भवन	27.02.1965	28.05.2009
68.	प्रो. अशोक कुमार सरकार	सामाजिक कार्य/पीपीएसवी	01.11.1971	01.06.2009
69.	प्रो रंजन नाथ	प्लांट प्रथोलॉजी/पी. एस. बी.	09.12.1969	08.06.2009
70.	प्रो. सुदीप बसु	बंगाली/भाषा भवन	15.05.1964	31.08.2009
71.	प्रो. हीरा चटर्जी	कृषि एंटोमोलॉजी/पल्लीशिक्षा भवन	02.10.1965	09.09.2009
72.	प्रो. भास्करज्योति बासु	इतिहास/विद्या भवन	30.09.1955	30.11.2009
73.	प्रो. देवबतोष सिन्हा	सामाजिक कार्य/पीपीएसवी	24.08.1963	31.12.2009
74.	प्रो. अपर्णा रॉय (भट्टाचार्य)	बंगाली/भाषा भवन	01.08.1966	27.01.2010
75.	प्रो. सुतापा मुखोपाध्याय	भूगोल/विद्या भवन	03.11.1956	27.02.2010
76.	प्रो. ललिता चक्रवर्ती	संस्कृत पाली और प्राकृत/भाषा भवन	09.01.1961	30.04.2010
77.	प्रो. प्राणेश चौधरी	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	09.05.1965	08.01.2010
78.	प्रो. गौतम घोष	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान/पल्लीशिक्षा भवन	05.01.1964	09.08.2010
79.	प्रो. अस्मिता सेनगुप्ता	भौतिकी/शिक्षा भवन	31.12.1958	27.09.2010
80.	प्रो. प्रणब सरकार	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	12.06.1969	04.11.2010
81.	प्रो. आशीस भट्टाचार्य	भौतिकी/शिक्षा भवन	10.01.1962	15.11.2010
82.	प्रो. सैय्यद एजाज़ हुसैन	इतिहास/विद्या भवन	12.12.1962	18.11.2010
83.	प्रो.अभरा बोस	बंगाली/भाषा भवन	26.05.1969	20.11.2010

84.	प्रो. तपस कुंडू	भौतिकी/शिक्षा भवन	05.06.1968	07.12.2010
85.	प्रो. बिधान चंद्र रॉय	कृषि अर्थशास्त्र/पल्लीशिक्षा भवन	27.01.1969	31.12.2010
86.	प्रो. काहनूच साहू	शिक्षा/विनय भवन	22.04.1962.	01.01.2011
87.	प्रो. अरुणा रंजन मिश्रा	संस्कृत पाली और प्राकृत/भाषा भवन	02.01.1959	27.01.2011
88.	प्रो. स्नेहाशीष चक्रवर्ती	बागवानी और पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी/पल्लीशिक्षा भवन	26.10.1967	27.02.2011
89.	प्रो. इंद्राणी दास	आधुनिक यूरोपियन भाषा केंद्र भाषा भवन	05.07.1962	06.04.2011
90.	प्रो. बिप्लब लोहा चौधरी	पत्रकारिता और जनसंचार/विद्या भवन	12.02.1964	02.05.2011
91.	अपूर्वा चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	24.01.1963	30.06.2011
92.	प्रो. गौतम ब्रहम्चारी	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	04.04. 1969	24.07.2011
93.	प्रो. पीयूषकांति घोष	भौतिकी/शिक्षा भवन	18.10.1967	04.08.2011
94.	प्रो. गौतम दास	डिजाइन/कला भवन	14.08.1963	19.08.2011
95.	प्रो. सकुंतला मिश्रा	हिंदी/भाषा भवन	15.06.1961	08.12.2011
96.	प्रो. अंसुमन चट्टोपाध्याय	प्राणी विज्ञान/शिक्षा भवन	16.12.1968	17.12.2011
97.	प्रो. स्वदेश रंजन विश्वास	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	04.04.1960	26.12.2011
98.	प्रो. देबारती बंद्योपाध्याय	अंग्रेजी/भाषा भवन	12.01.1973	01.01.2012
99.	प्रो. माधबी रुज	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	16.11.1957	27.03.2012
100.	प्रो. निखिलेश चौधुरी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	01.01.1955	24.04.2012
101.	प्रो. प्रशांत मंडल	गणित/शिक्षा भवन	16.01.1968	01.07.2012
102.	प्रो. तपस रॉय महापात्र	गणित/शिक्षा भवन	13.12.1968	31.07.2012
103.	प्रो. सुमिता भट्टाचार्य	बंगाली/भाषा भवन	24.11.1961	28.08.2012
104.	प्रो. संजय कुमार मल्लिक	कला इतिहास/कला भवन	05.10.1967	04.09.2012
105.	प्रो. सिद्धार्थ देब मुखोपाध्याय	कृषि विस्तार/पी.एस.बी	31.12.1961	07.10.2012
106.	प्रो. उत्पल रॉय	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	02.01.1963	23.10.2012
107.	प्रो समीरन मंडल	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	16.06.1964	23.10.2012

108.	प्रो. सिसिर कुमार सहाना	डिज़ाइन (सेरेमिक)/कलाभवन	09.07.1963	22.11.2012
109.	प्रो. डॉ. मदन मोहन पांजा	गणित/शिक्षा भवन	20.10.1960	02.01.2013
110.	प्रो. जगतराम भट्टाचार्य	संस्कृत पाली और प्राकृत/भाषा भवन	16.01.1960	11.02.2013
111.	प्रो. पद्मिनी बलराम	शिल्प सदन (डिजाइन)/पीएसवी	06.09.1956	26.02.2013
112.	प्रो. रवींद्रनाथ मिश्र	हिंदी/भाषा भवन	12.07.1957	01.03.2013
113.	प्रो. मनबेंद्र नाथ साहा	बंगाली/भाषा भवन	09.07.1965	05.03. 2013
114.	प्रो. सुधांशु शेखर माइती	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	24.01.1966	11.03.2013
115.	प्रो. स्वस्तिक मुखोपाध्याय	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	04.06.1956	22.03.2013
116.	प्रो. अमृत सेन	अंग्रेजी/भाषा भवन	04.12.1972	02.04.2013
117.	प्रो. अमिताव पाल	जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग/ पल्लीशिक्षा भवन	01.04.1970	03.04.2013
118.	प्रो. दीपक मंडल	प्राणिविज्ञान/शिक्षा भवन	11.10.1966	01.05.2013
119.	प्रो. सौविक घोष	कृषि विस्तार/पल्ली शिक्षा भवन	01.11.1972	27.06.2013
120.	प्रो. अशोक कुमार गोन	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	07.02.1956	10.08.2013
121.	प्रो. समर कुमार साहा	प्राणी विज्ञान/शिक्षा भवन	22.11.1966	09.12.2013
122.	प्रो. स्वपन कुमार घोष	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	1958/03/31	17.01.2014
123.	प्रो. टी. एस. वसुनी	रवीन्द्र संगित नृत्य और नाटक/संगीत भवन	25.11.1954	17.01.2014
124.	प्रो. बसबी मुखर्जी	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	26.02.1959	17.01.2014
125.	प्रो. बुद्धदेव दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	09.11.1961	17.01.2014
126.	प्रो. वाई. हेमंत कुमार	रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	01.01.1960	17.01.2014
127.	प्रो. कोनजेंगबम सुनीता देवी	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	01.04.1961	17.01.2014
128.	प्रो. अमित राय	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	09.02.1958	24.02.2014

129.	प्रो. श्रुति बंद्योपाध्याय	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक / संगीत भवन	08.10.1962	01.04.2014
130.	प्रो. राजर्षि रॉय	शिक्षा/विनय भवन	26.10.1972	03.04.2014
131.	प्रो. संजीब कुमार दास	इंडो तिब्बती अध्ययन/भाषा भवन	01.03.1973	12.04.2014
132.	प्रो. अविजित बनर्जी	चीनी/भाषा भवन	12.08.1971	20.05.2014
133.	प्रो. गौरवकांती दास	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	12.04.1969	24.07.2014
134.	प्रो. प्रेमघसू चक्रवर्ती	भूगोल/विद्या भवन	25.08.1972	25.09.2014
135.	प्रो. स्वपन कुमार चंद्रा	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	13.02.1963	29.09.2014
136.	प्रो सुब्रत मंडल	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	19.01.1964	29.09.2014
137.	प्रो भाबतोष मंडल	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	16.07.1962	14.10.2014
138.	प्रो. प्रताप कुमार पाधी	पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा भवन	25.04.1972	13.11.2014
139.	प्रो. स्वाति गांगुली	अंग्रेजी/भाषा भवन	16.11.1965	31.12.2014
140.	प्रो. सुभासिस राय	गणित/शिक्षा भवन	24.08.1973	19.01.2015
141.	प्रो दिब्येन्दु बनर्जी	गणित/शिक्षा भवन	16.10.1969	21.01.2015
142.	प्रो. गणेश चंद्र मल्लिक	एग्रोनॉमी/पी.एस.बी	18.08.1970	05.05.2015
143.	प्रो. देबाशीष सरकार	कृषि अर्थशास्त्र/पीएसबी	15.01.1960	16.05.2015
144.	प्रो. निरंजन जेना	संस्कृत, पाली और प्राकृत/भाषा भवन	27.03.1973	16.05.2015
145.	प्रो. तारापद बाग	गणित/शिक्षा भवन	24.04.1963	17.05.2015
146.	प्रो. लारिशा एम. लिंडम	प्राणी विज्ञान/शिक्षा भवन	23.11.1970	17.05.2015
147.	प्रो. मंजरी भट्टाचार्जी	भूगोल/विद्या भवन	17.10.1961	17.05.2015
148.	प्रो. वासिफ अहमद	अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन (अरबी)/ भाषा भवन	15.03.1971	19.05.2015
149.	प्रो. संतनु रक्षित	पल्ली चरचा केंद्र/पी.एस.वी.	13.07.1969	21.05.2015
150.	प्रो. बिजय कृष्ण दलुई	रसायन विज्ञान/ शिक्षा भवन	12.06.1970	27.05.2015
151.	प्रो. सुब्रत सिन्हा	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन	20.11.1967	31.05.2015
152.	प्रो. सौम्या चक्रवर्ती	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	15.01.1972	01.09.2015

153.	प्रो. हबीबुर रहमान चौधरी	वनस्पति/शिक्षा भवन	05.01.1961	21.12.2015
154.	प्रो. मनबेंद्र मुखोपाध्याय	बंगाली/भाषा भवन	15.01.1972	15.02.2016
155.	प्रो. अनिल कुमार	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व/ विद्याभवन	20.09.1967	12.03.2016
156.	प्रो. अरविन्द मंडल	शिल्प सदन/पल्ली संगठन विभाग	17.11.1973	15.03.2016
157.	प्रो.बिकाश चौधरी गुप्ता	भौतिकी/शिक्षा भवन	06.01.1967	21.04.2016
158.	प्रो. सुजीत कुमार पाल	लाइफ लॉन्ग लर्निंग और एक्सटेंशन/पीएसवी	01.10.1970	29.04.2016
159.	प्रो. तथागत चौधुरी	जैव प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	27.12.1971	02.05.2016
160.	प्रो. आदिनाथ मांझी	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	01.09.1970	24.05.2016

असिस्टेंट प्रोफेसर
01.08.2016 तक

1.	श्री सौमिक नंदी मजुमदार	इतिहास कला/कलाभवन	25.10.1966	10.11.1995
2.	श्री अरनी चक्रबर्ती	भौतिकी/शिक्षा भवन	15.07.1961	06.05.1997
3.	श्री अंगशुमान दासगुप्ता	इतिहास कला/कला भवन	14.07.1967	24.08.1997
4.	श्री अरुणाभ दास	इतिहास/विद्या भवन	11.10.1970	05.12.1997
5.	श्रीमती श्यामली सेनगुप्ता	शिल्प सदन/पीएसवी	02.11.1967	25.07.1998
6.	श्री पार्थ प्रीतम सिकदर	शिक्षा/विनय भवन	14.01.1961	13.06.1999
7.	श्रीमती काकली दत्ता	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	17.01.1974	16.08.1999
8.	श्री सुभायु चट्टोपाध्याय	इतिहास/विद्या भवन	15.08.1972	08.03.2001
9.	अनुपम कुमार सिकदर	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्याभवन	17.01.1973	13.03.2001
10.	श्री अंबरीश नंदन	पेंटिंग/कला भवन	19.12.1972	11.10.2001
11.	डॉ.सुमित बसु	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक	16.12.1966	13.10.2001
12.	श्री प्रशान्त साहू	चित्रकला/कला भवन	12.06.1968	15.10.2001

13.	श्री मोनोजित मल्लिक	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन (मणिपुरी नृत्य)/संगीत भवन	11.09.1966	04.03.2002
14.	श्री बसंता मुखर्जी	रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक (कथकली)/संगीत भवन	03.12.1968	04.03.2002
15.	श्रीमती प्राकृत चक्रवर्ती	भारत-तिब्बत अध्ययन/भाषा भवन	27.08.1972	07.03.2002
16.	श्री सुभासिस बनर्जी	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	21.09.1973	11.03.2002
17.	डॉ. शेदुप तेनजिन	इंडो-तिब्बती अध्ययन/भाषा भवन	11.04.1964	26.03.2002
18.	श्रीमती संचित पाल	चौधुरी कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	30.01.1975	10.06.2002
19.	श्री पलाश मंडल	कृषि उद्यमिता/पल्ली शिक्षा भवन	29.12.1972	07.03.2003
20.	श्री संदीप कुमार घोष	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	03.02.1964	29.04.2003
21.	डॉ. तृष्णा बैनर्जी	शिक्षा/विनय भवन	16.05.1955	01.06.2003
22.	डॉ. अंजन कुमार	भुंइया गणित/शिक्षा भवन	21.10.1976	06.06.2003
23.	श्री चिरंजीब सिन्हा	चीनी/भाषा भवन	12.03.1972	16.09.2003
24.	श्रीमती गार्गी भट्टाचार्य	संस्कृत, पाली और प्राकृत/भाषा भवन	25.11.1976	30.10.2003
25.	श्रीमती हेम कुसुम	चीनी/भाषा भवन	13.08.1973	15.12.2003
26.	डॉ. देबासीस पांडा	फसल भौतिकी/पल्ली शिक्षा भवन	24.08.1977	18.03.2004
27.	डॉ. स्वपन कुमार मायती	एग्रोनॉमी/पल्ली शिक्षा भवन	08.02.1973	25.03.2004
28.	डॉ. पी. कंदस्वामी	कृषि अभियांत्रिकी/पल्ली शिक्षा भवन	15.12.1973	15.04.2004
29.	श्रीमती सुचन्दा मंडल	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान/पीएसबी	08.01.1976	15.06.2004
30.	श्रीमती अनिन्दिता साहा	कृषि विस्तार/पल्ली शिक्षा भवन	02.01.1977	17.08.2004
31.	श्री सनत कुमार रथ	शिक्षा/विनय भवन	23.01.1974	23.08.2004
32.	श्री पी. मुकुंद कुमार	रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक (कथकली)/संगीत भवन	20.05.1969	27.08.2004
33.	डॉ. प्रह्लाद रॉय	शिक्षा/विनय भवन	27.06.1975	29.08.2004
34.	श्री मोहन कुमार विश्वास	प्लांट प्रथोलॉजी/पीएसबी	08.06.1967	07.09.2004

35.	डॉ. स्वपन कुमार मंडल	भौतिकी/शिक्षा भवन	06.04.1973	04.11.2004
36.	श्री अरिंदम चक्रवर्ती	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	01.04.1979	05.11.2004
37.	डॉ. मिलन कांति विश्वास	बंगाली/भाषा भवन	18.03.1974	06.11.2004
38.	श्री कमल धर	मूर्तिकला/कला भवन	17.02.1962	07.11.2004
39.	श्री अचिरंसु आचार्य	अर्थशास्त्र और राजनिति/विद्या भवन।	1975/09/23	2004/08/11
40.	श्रीमती मौसुमी रॉय	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	10.04.1969	10.12.2004
41.	श्री ऋषि बैरवा	मूर्तिकला/कला भवन	10.09.1958	06.01.2005
42.	डॉ. नीलांजना दास	जैव-प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	13.09.1969	01.03.2005
43.	श्री अमर प्रसाद मिश्रा	गणित/शिक्षा भवन	27.09.1973	01.03.2005
44.	श्रीमती नाजनीन आरा बेगम	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	02.01.1973	22.08.2005
45.	डॉ. अजॉय कुमार दास	जापानी/भाषा भवन	19.03.1976	05.09.2005
46.	डॉ. बुद्धदेव मुखर्जी	भौतिकी/शिक्षा भवन	28.01.1972	15.09.2005
47.	डॉ. सुभास चौ. रॉय	हिंदी/भाषा भवन	12.11.1967	08.12.2005
48.	श्री मानस घोष	रसायन/शिक्षा भवन	07.09.1977	21.01.2006
49.	डॉ. जगदीश भगत	हिंदी/भाषा भवन	04.01.1975	18.02.2006
50.	श्री तापस चटर्जी	हिंदुस्तानी क्लास संगीत/संगीत भवन	28.10.1974	14.05.2006
51.	श्रीमती जया बोरो	शिल्प सदन/पीएसवी	28.01.1974	19.05.2006
52.	श्री मनोज कु. प्रजापति	शिल्प सदन/पीएसवी	14.04.1972	27.05.2006
53.	श्री आशीष घोष	शिल्प सदन/पीएसवी	19.01.1972	29.05.2006
54.	डॉ. अलक नंदा हजरा	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	08.07.1975	01.06.2006
55.	डॉ. कालीपद प्रमाणिक	कृषि विज्ञान/पल्ली शिक्षा भवन	10.09.1973	07.07.2006
56.	श्री सलिल साहनी	ग्राफिक कला/कला भवन	30.10.1962	26.10.2006
57.	श्री सुभाष चंद्र टुडू	भौतिकी/शिक्षा भवन	05.01.1978	25.03.2007
58.	श्री नबा कुमार माझी	शिल्प सदन/पीएसवी	25.01.1974	07.05.2007
59.	श्री देब कुमार दास	शिल्प सदन/पीएसवी	04.01.1970	11.05.2007

60.	श्री मृणाल कांति सरकार	शिल्प सदन/पीएसवी	11.12.1964	13.05.1007
61.	डॉ. जैनेन्द्र रथ	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	10.06.1976	24.05.2007
62.	श्रीमती. प्रमिला पाटुलिया	ओडिया/भाषा भवन	11.05.1977	26.05.2007
63.	डॉ. बीना गांधी	देवरी प्राचीन भारतीय इतिहास/विद्या भवन	11.03.1979	06.01.2007
64.	श्रीमती संगीता सैकिया	असामी/भाषा भवन	01.02.1977	09.06.2007
65.	श्री के. मावलीराजन	प्राचीन भारतीय इतिहास/विद्या भवन	07.04.1973	14.06.2007
66.	डॉ. अदानी लोखो	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	16.08.1972	15.07.2007
67.	श्रीमती छाया रानी मंडल	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	12.01.1970	17.07.2007
68.	डॉ. महुआ बनर्जी	एग्रोनॉमी/पीएसबी	16.04.1976	19.07.2007
69.	श्रीमती सुकन्या चटर्जी	शिल्प सदन/पीएसबी	15.01.1981	23.07.2007
70.	डॉ. सुभाषिश रॉय	भौतिकी/शिक्षा भवन	09.01.1974	12.08.2007
71.	श्रीमती हेमा गुप्ता (जोशी)	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	15.12.1974	01.09.2007
72.	श्रीमती तुला सिंह	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	15.11.1976	23.09.2007
73.	डॉ. मोतीन शेख	रसायन/शिक्षा भवन	17.03.1973	12.10.2007
74.	डॉ. कार्तिक चौ. भौमिक	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	01.03.1976	04.04.2008
75.	श्री बोम्बा दामन	बॉटनी/शिक्षा भवन	01.10.1980	12.04.2008
76.	श्री लक्ष्मीधर मलिक	संस्कृत, पाली और प्राकृत/भाषा भवन	28.04.1971	12.05.2008
77.	श्री तीर्थंकर घोष	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	15.02.1979	15.05.2008
78.	डॉ. महाश्वेता नंदी	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन	06.11.1980	17.03.2009
79.	डॉ. स्वपन कुमार पंडित	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन	06.01.1974	09.04.2009
80.	डॉ. ज्योति रतन घोष	नृविज्ञान/विद्या भवन	07.08.1978	21.05.2009
81.	श्री सनातन हंसदा	संथाली/भाषा भवन	08.12.1981	21.05.2009
82.	डॉ. पायल मुखर्जी	बंगाली/भाषा भवन	10.04.1983	22.05.2009
83.	डॉ. सरत कुमार जेना	ओडिया/भाषा भवन	05.05.1973	23.05.2009
84.	डॉ. जॉली बसाक	जैव-प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	03.01.1976	23.05.2009

85.	श्री आदित्य साव मंडल	भौतिकी/शिक्षा भवन	08.03.1986	24.05.2009
86.	डॉ. रंग्यगचुई	नृविज्ञान/विद्या भवन	17.11.1974	28.05.2009
87.	डॉ. प्रीतिलक्ष्मी स्वैन	संस्कृत, पाली और प्राकृत/भाषा भाव	26.07.1976	28.05.2009
88.	डॉ. नीलांजना भट्टाचार्य	भाषा विज्ञान और तुलनात्मक साहित्य/भाषा भवन	09.02.1979	28.05.2009
89.	डॉ. धनेश्वर माझी	संथाली/भाषा भवन	05.06.1975	29.05.2009
90.	डॉ. अर्जुन कुमार	हिंदी/भाषा भवन	05.12.1980	29.05.2009
91.	श्री बिश्वजीत हलधर	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	16.02.1976	31.05.2009
92.	डॉ. अमिताव बंद्योपाध्याय	भौतिकी/शिक्षा भवन	22.06.1976	01.06.2009
93.	श्री आत्रेय भट्टा	चीनी/भाषा भवन	01.08.1976	04.06.2009
94.	श्रीमती एशिता चक्रवर्ती	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत-भवन	19.10.1974	11.06.2009
95.	डॉ. सूरज कुमार सैकिया	प्राणि विज्ञान/शिक्षा भवन	10.10.1975	12.06.2009
96.	श्री रणवीर सुमेध भगवान	मराठी/भाषा भवन	01.06.1983	12.06.2009
97.	डॉ. पूम खान पाऊ	इतिहास/विद्या भवन	24.03.1974	13.06.2009
98.	श्री राजेश मेनन	एन. रवीन्द्र संगित नृत्य और नाटक (कथकली)/संगीत भवन	25.05.1978	13.06.2009
99.	श्री रणजीत दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	06.08.1978	13.06.2009
100.	श्री देवदास कुंडू	चीनी/भाषा भवन	04.01.1970	14.06.2009
101.	श्री नरोत्तम डे	जैव-प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	05.05.1976	16.06.2009
102.	श्री कल्याण हांसदा	गणित/शिक्षा भवन	20.12.1980	25.06.2009
103.	श्री बिस्वजीत दे	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	16.10.1981	25.06.2009
104.	श्रीमती सारण इशिका माइती	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	15.11.1980	02.07.2009
105.	डॉ. रवीन्द्र कुमार दास	ओडिया/भाषा भवन	10.04.1970	07.07.2009
106.	डॉ. अमित कुमार वर्मा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	10.12.1983	09.07.2009
107.	डॉ. एम.पी. टेरेंस सैमुअल	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	14.07.1975	16.07.2009
108.	डॉ. भोलानाथ मंडल	प्लांट प्रैथोलॉजी/पीएसबी	11.09.1979	16.07.2009

109.	डॉ. बिश्वजीत पांडे	भौतिकी/शिक्षा भवन	29.12.1976	25.07.2009
110.	डॉ. वासुदेव राव वाई	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान/पीएसबी	1974/07/10	2009/03/08
111.	डॉ. सुदीप्त दास	भौतिकी/शिक्षा भवन	25.02.1977	10.08.2009
112.	डॉ. तापु विश्वास	अंग्रेजी/भाषा भवन	18.09.1976	11.08.2009
113.	डॉ. सब्यसाची दासगुप्ता	इतिहास/विद्या भवन	01.01.1973	04.09.2009
114.	डॉ. समीरन साहा	जैव-प्रौद्योगिकी/शिक्षा भवन	26.11.1975	09.01.2010
115.	श्री जोसेफ वर्गीस	सामाजिक कार्य/पीएसवी	04.07.1972	19.04.2010
116.	डॉ. दुखी मुरमु	संथाली/भाषा भवन	23.11.1972	10.05.2010
117.	डॉ. चित्रलेखा मायती	शिक्षा/विद्या भवन	06.03.1982	15.05.2010
118.	श्री मंसाराम मुर्मू	संथाली/भाषा भवन	04.03.1972	17.05.2010
119.	डॉ. (सुश्री) सरिता	शिक्षा/विनय भवन	01.12.1981	17.05.2010
120.	मो. शायर सिद्दीक	शिक्षा/विनय भवन	23.09.1975	29.05.2010
121.	श्रीमती सोमा मुखर्जी	भाषाविज्ञान और कंप्यूटर अनुप्रयोग/भाषा भवन	15.03.1975	24.06.2010
122.	डॉ. सुधी मांडलोई	इतिहास/विद्या भवन	31.05.1983	20.09.2010
123.	डॉ नीलांजन बंद्योपाध्याय	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन	04.08.1980	01.10.2010
124.	डॉ. लक्ष्मी नारायण गिनी	गणित/शिक्षा भवन	28.12.1977	11.11.2010
125.	श्री तपन सोरेन	संथाली/भाषा भवन	31.12.1978	03.03.2011
126.	डॉ. रामु हेमब्रम	संथाली/भाषा भवन	10.11.1979	04.03.2011
127.	श्री सेंथिल प्रकाश एस.	तमिल/भाषा भवन	17.05.1985	11.03.2011
128.	श्रीमती. अनामिका मोक्तान	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	27.11.1985	11.03.2011
129.	डॉ. राम प्रोमल कुमार	पाली और प्राकृत/भाषा भवन	04.10.1971	17.03.2011
130.	डॉ. अतीकुर्रहमान	अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन (अरबी)/भाषा भवन	12.10.1975	17.03.2011

131.	श्री भैरि लाल यादव	भूगोल/विद्या भवन	14.03.1981	17.03.2011
132.	डॉ. रेम्या वी.पी.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व/विद्या भवन	24.05.1984	20.03.2011
133.	डॉ. रेखा ओझा	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	10.12.1976	24.03.2011
134.	डॉ. सोनम ज़ंग्पो	इंडो-तिब्बती स्टडीज/भाषा भवन	20.06.1979	24.03.2011
135.	डॉ. कृष्णेंदु गुप्ता	भूगोल/विद्या भवन	02.09.1967	01.07.2011
136.	डॉ. निहार रंजन चक्रवर्ती	जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग/पल्लीशिक्षा भवन	02.01.1977	05.07.2011
137.	शेख सहजहन	पेंटिंग/कला भवन	01.03.1974	25.02.2012
138.	डॉ. रिशव गन्ध नारजरी	इतिहास कला/कला भवन	19.08.1980	25.02.2012
139.	श्रीमती अर्पिता दत्ता	रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक/संगीत-भवन	16.09.1976	26.02.2012
140.	डॉ. सुकुमार पाल	सामाजिक कार्य/पीएसवी	03.11.1966	01.03.2012
141.	डॉ. निखिल पाल	गणित/शिक्षा भवन	15.05.1985	01.03.2012
142.	श्री उत्तम कुमार बसाक	ग्राफिक कला/कला भवन	28.12.1961	05.03.2012
143.	श्री मोइरंगथेम थॉमस सिंह	ग्राफिक कला/कला भवन	01.01.1972	05.03.2012
144.	डॉ. दिग्विजय सिंह	धाकरे कृषि सांख्यिकी/पीएसबी	01.11.1975	06.03.2012
145.	श्री सुचेन्द्रनथन पी.के.	रवीन्द्र संगित नृत्य और नाटक	27.03.1984	09.03.2012
146.	श्रीमती शर्मिला यादव	शिक्षा/विनय भवन	25.08.1981	13.03.2012
147.	श्री अमित कु. धारा	मूर्तिकला/कला भवन	04.02.1968	18.03.2012
148.	श्री राजेश के. वी.	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	29.04.1973	19.03.2012
149.	श्रीमती सुदेशना शाह	सामाजिक कार्य/पीएसवी	17.02.1984	19.03.2012
150.	श्री नीलमणि जायसवाल	सामाजिक कार्य/पीएसवी	06.01.1986	22.03.2012
151.	डॉ. किशोर चौ. स्वैन	एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग/पीएसवी	12.10.1980	10.04.2012
152.	डॉ. सुदीप कु. मंडल	रसायन/शिक्षा भवन	31.12.1980	28.04.2012
153.	श्री मैडी लिंडा	डिजाइन/कला भवन	06.11.1983	22.11.2012

154.	श्री देबाशीष दास	डिजाइन/कला भवन	28.12.1975	24.11.2012
155.	डॉ. अर्चना दास	डिजाइन/कला भवन	22.06.1974	26.11.2012
156.	डॉ. प्रह्लाद देव	बागवानी और पोस्ट हार्व प्रौद्योगिकी/पल्ली शिक्षा भवन	09.01.1981	26.11.2012
157.	श्रीमती धारित्री	बोरो पेंटिंग/कला भवन	08.09.1982	26.11.2012
158.	डॉ. सानंद मंडल	क्रॉप फिजियोलॉजी/पीएसबी	24.11.1985	26.11.2012
159.	डॉ. बितन मंडल	कृषि अर्थशास्त्र/पीएसबी	09.04.1986	29.11.2012
160.	श्री अनुपम चौधरी	डिजाइन/कला भवन	25.01.1982	30.11.2012
161.	श्री प्रशांत फ़िरिंगी	ग्राफिक कला/कला भवन	01.07.1982	30.11.2012
162.	श्री लावंसिभा खारमावलौंग	मूर्तिकला/कला भवन	01.03.1985	30.11.2012
163.	डॉ. सुभ्रांशु संतरा	लाइफ लर्निंग एंड एक्सटेंशन/पीएसवी	21.09.1974	01.12.2012
164.	डॉ. सुस्मिता पटेल	सोशल वर्क/पीएसवी	16.04.1977	01.12.2012
165.	डॉ. राकेश कुंडू	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन	26.09.1978	21.12.2012
166.	डॉ. पृथ्वीदीप साहू	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	25.10.1979	28.12.2012
167.	डॉ. सुतापा मुखर्जी	प्राणीशास्त्र/शिक्षा भवन	21.09.1977	31.12.2012
168.	डॉ. सौमल्या मुखोपाध्याय	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	26.10.1987	31.12.2012
169.	डॉ सुभाश्री सान्याल	सामाजिक कार्य/पीएसवी	19.09.1984	01.01.2013
170.	डॉ. मधुसूदन पाल	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	06.07.1985	08.01.2013
171.	डॉ. नारायण चौ.	सरकार कृषि विज्ञान/पल्ली शिक्षा भवन	10.01.1976	10.01.2013
172.	डॉ. गिरेश ए	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन	01.01.1975	12.01.2013
173.	डॉ. स्वर्णाली भट्टाचार्य	कृषि एंटोमोलॉजी/पीएसबी	23.12.1977	01.02.2013
174.	डॉ. मानिक चौ. कुंडू	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान/पल्ली शिक्षा भवन	01.03.1980	01.02.2013
175.	श्रीमती संहिता चटर्जी	पत्रकारिता और जनसंचार/विद्या भवन	28.11.1984	01.02.2013
176.	सुश्री श्रुति कुमुद	हिंदी/भाषा भवन	06.06.1988	02.02.2013

177.	श्रीमती भावना ख. बसुमतरी	डिजाइन/कला भवन	02.01.1974	01.03.2013
178.	डॉ. इंद्रमणि साहू	ओडिया/भाषा भवन	17.04.1976	01.03.2013
179.	डॉ. नंदिता बसु सरभदिकारी	रबींद्र संगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	15.01.1961	22.03.2013
180.	डॉ. मानिनी मुखोपाध्याय	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	30.12.1972	23.03.2013
181.	श्री सप्तर्षि राय	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	22.11.1981	23.03.2013
182.	श्री सुरजीत रॉय	रवीन्द्र संगित नृत्य और नाटक/संगीत भवन	04.07.1976	26.03.2013
183.	डॉ. राजकुमार सिंह	भौतिकी/शिक्षा भवन	28.01.1972	30.03.2013
184.	डॉ. सुचिरा रॉय चौधरी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व/विद्या भवन	12.12.1974	08.04.2013
185.	श्री मानस भुल	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	20.02.1987	11.04.2013
186.	श्री सज्जाद हुसैन हमदानी	मूर्तिकला/कला भवन	26.05.1971	02.05.2013
187.	डॉ. नंदलाल मंडल	वनस्पति/शिक्षा भवन	22.09.1976	13.05.2013
188.	श्रीमती सहाना बारिक	अंग्रेजी/भाषा भवन	20.08.1986	13.05.2013
189.	डॉ. नोरबू ग्यालत्सेन नेगी	इंडो-तिब्बत अध्ययन/भाषा भवन	11.06.1978	22.07.2013
190.	डॉ. सुदीप्त दास	जापानी/भाषा भवन	11.11.1987	23.07.2013
191.	श्री तपन रॉय	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	03.10.1954	30.07.2013
192.	श्री एन. पी. शंकरनारायण	रवीन्द्र सांगीत नृत्य और नाटक (चंदा)/संगीतभवन	19.03.1959	30.07.2013
193.	श्रीमती टी. ज्ञानपति देवी	रवीन्द्र संगीत नृत्य और नाटक (मणिपुरी नृत्य)/संगीत भवन	01.01.1965	30.07.2013
194.	श्री सीताराम दास	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (तबला)/संगीत भवन	02.01.1975	30.07.2013
195.	श्री अनिमेश चंद्र	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (एशराज)/संगीत भवन	26.10.1965	01.08.2013

196.	श्री सुभायु सेन मजुमदार	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	20.08.1980	01.08.2013
197.	श्री अबीर सिंहा खंगुरा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	27.03.1973	01.08.2013
198.	श्री आलोक बंदोपाध्याय	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	20.05.1960	01.08.2013
199.	डॉ. मोनाज कुमार शर्मा	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	01.07.1980	02.08.2013
200.	डॉ. प्रसेनजीत साहा	शिक्षा/विद्या भवन	30.10.1981	05.08.2013
201.	श्रीमती फरहा नाज़	दर्शन और धर्म (धर्म)/ विद्या भवन	01.01.1984	19.08.2013
202.	डॉ. शिल्पी घोष	शिक्षा/विद्या भवन	28.08.1980	14.09.2013
203.	श्रीमती. मौमिताला	सामाजिक कार्य/पीएसवी	17.02.1985	05.10.2013
204.	डॉ. रंजिनी रामचंद्रन	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत/संगीत भवन	21.03.1976	05.11.2013
205.	श्रीमती सुदीप्त सरकार	भूगोल/विद्या भवन	13.05.1985	21.11.2013
206.	डॉ. अतीग घोष	इतिहास/विद्या भवन	09.07.1981	26.11.2013
207.	श्री सौरव राणा	सांख्यिकी/शिक्षा भवन	20.03.1986	28.11.2013
208.	डॉ. अमर्त्य मुखर्जी	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	05.07.1978	20.01.2014
209.	डॉ. बिप्लब विश्वास	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	02.05.1981	25.01.2014
210.	डॉ. अनाघा चक्रवर्ती	भौतिकी/शिक्षा भवन	11.08.1976	11.02.2014
211.	डॉ. मृत्युंजय कुमार प्रभाकर	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	01.03.1979	18.02.2014
212.	श्री अभिजीत धर	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	27.02.1984	27.02.2014
213.	डॉ संतू मित्रा	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	01.01.1982	06.03.2014
214.	डॉ. तनुश्री पाल	महिला अध्ययन केंद्र	06.11.1982	11.03.2014
215.	डॉ. कल्लोल चटर्जी	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	12.12.1982	20.03.2014
216.	डॉ. अदिति गनेव	सांगवान ग्राफिक कला/कला भवन	24.01.1981	30.06.2014

217.	श्री उमाकांत प्रसाद	शिक्षा/विनय भवन	01.01.1983	14.07.2014
218.	श्रीमती सौमी मंडल	शिक्षा/विनय भवन	04.04.1984	17.07.2014
219.	डॉ. अलीउल अजीम	जापानी/भाषा भवन	17.08.1984	26.08.2014
220.	सुश्री स्तुति मेमेन	अंग्रेजी/भाषा भवन	12.01.1991	26.08.2014
221.	डॉ. प्रिया ब्रत दत्ता	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	05.05.1985	01.09.2014
222.	डॉ. धीमान भट्टाचार्य	भाषाविज्ञान और तुलनात्मक साहित्य/भाषा भवन	05.07.1981	05.09.2014
223.	डॉ. अंजलिका मिथी रॉय	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	17.01.1972	30.09.2014
224.	डॉ. स्वरूप कु. माझी	भौतिकी/शिक्षा भवन	15.03.1981	27.12.2014
225.	श्री शुभ ज्योति दास	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	15.02.1981	16.02.2018
226.	डॉ. संदीप देबनाथ	जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग/पल्ली शिक्षा भवन	15.04.1986	02.03.2015
227.	श्री सुजय मंडल	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	23.05.1991	12.03.2015
228.	श्री देवदित्य बर्मन	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	25.04.1986	24.03.2015
229.	डॉ. प्रीतम घोष	एग्रोनॉमी/पीएसबी	24.10.1979	01.05.2015
230.	डॉ. अशोक मुखर्जी	शारीरिक शिक्षा/पीएसबी	11.01.1980	16.05.2015
231.	डॉ. कादर अली सरकार	कृषि सांख्यिकी/पाएसबी	15.02.1987	20.08.2015

एसोसिएट प्रोफेसर
01.08.2019 तक

1.	डॉ. रफीकुल इस्लाम	लाइफ लर्निंग एंड एक्सटेंशन/पीएसबी	04.11.1957	01.01.2006
2.	डॉ. जयंत कु. चटर्जी	पशु विज्ञान/पीएसबी	21.07.1959	01.01.2006
3.	डॉ. रोमित रॉय	जर्मन/भाषा भवन	29.03.1964	01.01.2006
4.	डॉ. गीता ए. कीनी	जापानी/भाषा भवन	01.08.1960	01.01.2006
5.	बिकाश मुखर्जी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व/विद्या भवन	11.02.1957	01.01.2006

6.	श्री स्वपन हाजरा	सामाजिक कार्य/पीएसबी	22.02.1957	01.01.2006
7.	श्री साक्षी गोपाल दास	डिजाइन/कला भवन	02.03.1964	01.01.2006
8.	डॉ. रंजन मुखोपाध्याय	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	15.08.1955	10.12.2007
9.	श्रीमती तन्दिरीमा पात्रा	चीनी/भाषा भवन	20.04.1964	29.01.2008
10.	श्री अनूप बर्मन	दर्शन और धर्म/विद्याभवन	18.01.1970	04.04.2008
11.	श्री राम प्रसाद दास	सामाजिक कार्य/पीएसबी	20.01.1966	24.05.2008
12.	डॉ. तनुका दास	अंग्रेजी/भाषा भवन	22.06.1956	04.12.2008
13.	श्री अजीत सील	ग्राफिक कला/कला भवन	20.07.1958	12.04.2010
14.	डॉ. श्रीकांता सील	भौतिकी/शिक्षा भवन	06.02.1962	07.05.2010
15.	डॉ. सुमिताभ पाल	मूर्तिकला/कला भवन	02.09.1967	29.05.2010
16.	डॉ. संतदास घोष	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्याभवन	18.05.1968	01.06.2010
17.	श्री तथागत मुखोपाध्याय	कंप्यूटर और तंत्र विज्ञान/शिक्षा भवन	01.10.1972	30.06.2010
18.	श्री विशाल सी भांड	शिल्प सदन (डिजाइन)/पीएसवी	23.05.1973	19.07.2010
19.	डॉ. कौसिक भट्टाचार्य	दर्शन और धर्म/विद्या भवन	17.11.1965	22.08.2010
20.	डॉ. अपर्णा साहा	भौतिकी/शिक्षा भवन	15.07.1973	04.10.2010
21.	डॉ. अर्पिता सेन	इतिहास/विद्या भवन	30.12.1967	31.12.2010
22.	डॉ. बुद्धदेव दौरी	एग्रोनॉमी/पल्लीशिक्षा भवन	04.12.1969	11.01.2011
23.	डॉ. निर्मल कु. मंडल	बंगाली/भाषा भवन	10.06.1969	31.01.2011
24.	डॉ. रीता मोदक	बंगाली/भाषा भवन	02.11.1971	08.04.2011
25.	श्री मोहन कुमारन पी.	रवीन्द्रसंगीत नृत्य और नाटक (कथकली नृत्य)	31.03.1960	05.05.2011
26.	मो. फिके	अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन (अरबी)/भाषा भवन	01.01.1956	17.06.2011
27.	डॉ. मंजरी चक्रवर्ती	दर्शन और धर्म/विद्याभवन	07.03.1971	31.07.2011
28.	श्री देबाशीष महालनोबिश	डिजाइन/कला भवन	16.05.1964	01.08.2011

29.	श्री अर्घ्य प्रिया मजुमदार	पेंटिंग/कला भवन	15.01.1966	09.08.2011
30.	डॉ. एम. अलंकार मसिलमणि	पीसीके/पीएसवी	02.02.1961	16.05.2012
31.	डॉ. सरिता खेतड़ी	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व/विद्या भवन	16.05.1963	17.05.2012
32.	डॉ. सुतनु चटर्जी	मूर्तिकला/कला भवन	03.11.1968	12.06.2012
33.	डॉ. अर्पण मुखर्जी	ग्राफिक कला/कला भवन	02.11.1977	14.06.2012
34.	डॉ. भावना घोष	पेंटिंग/कला भवन	11.12.1970	15.06.2012
35.	डॉ. बिप्लबराय चौधरी	भौतिकी/शिक्षा भवन	27.01.1971	02.07.2012
36.	श्री संतनु जेना	शिल्पसदन (डिजाइन)/पीएसवी	07.10.1964	10.08.2012
37.	डॉ. परमिता रॉय चौधरी	सामाजिक कार्य/पीएसवी	22.05.1972	17.12.2012
38.	डॉ. मौसमी भट्टाचार्य	पत्रकारिता और जनसंचार/विद्याभवन	21.02.1972	28.01.2013
39.	डॉ. अतनु सासमल	बंगाली/भाषा भवन	10.10.1960	01.02.2013
40.	डॉ. श्रीला बसु	बंगाली/भाषा भवन	22.10.1972	12.03.2013
41.	श्री प्रसन्त कु.घोष	रबींद्र संगीत नृत्य और नाटक/संगीत भवन	02.01.1964	22.03.2013
42.	डॉ. रथिन्द्र नाथ प्रमाणिक	पीसीके(अर्थशास्त्र)/पीसीवी	02.01.1972	19.04.2013
43.	डॉ. सुशांत घोष	एकीकृत विज्ञान/शिक्षा भवन	16.07.1968	22.04.2013
44.	डॉ. सुदर्शन विश्वास	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	04.12.1966	15.05.2013
45.	डॉ. सुदेव प्रतिमा बासु	अंग्रेजी/भाषा भवन	29.09.1973	19.06.2013
46.	डॉ. बिधान चंद्र बाग	रसायन विज्ञान/शिक्षा भवन	19.11.1969	01.07.2013
47.	डॉ .मतिलाल कलाई	मूर्तिकला/कला भवन	05.03.1968	30.07.2013
48.	डॉ. पबित्र कुमार विश्वास	मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विज्ञान/पीएसबी	15.04.1974	10.08.2013
49.	डॉ. अमरेन्द्र कुमार	इतिहास/विद्या भवन	13.09.1970	11.09.2013
50.	डॉ. गौतम मंडल	हॉर्टिकल्चर एंड पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी/पीएसबी	01.09.1973	28.10.2013
51.	डॉ. सुदीप्ता मैत्रा	प्राणी विज्ञान/शिक्षा भवन	13.11.1969	21.11.2013

52.	डॉ महेश स्वाता खेतमालिश	शारीरिक शिक्षा/विनय भवन	02.03.1978	22.02.2014
53.	डॉ. पुलक कुमार पात्रा	पर्यावरण अध्ययन/शिक्षा भवन	23.04.1968	05.03.2014
54.	डॉ. हरेकृष्णा मिश्रा	संस्कृत, पाली और प्राकृत/भाषा भवन	07.04.1969	13.04.2014
55.	डॉ. जॉयदीप मंडल	बागवानी और पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी/पीएसबी	04.01.1973	29.04.2014
56.	डॉ. आशीष श्रीवास्तव	शिक्षा/विनय भवन	01.01.1981	28.06.2014
57.	श्री राजर्षि विश्वास	पेंटिंग/कला भवन	22.11.1971	30.06.2014
58.	डॉ. मेघाली गोस्वामी	इतिहास कला/कला भवन	09.07.1973	30.06.2014
59.	श्रीमती बनतवंशी दास महापात्र	डिजाइन/ कला भवन	21.08.1984	03.07.2014
60.	डॉ. विश्वजीत मंडल	अर्थशास्त्र एवं राजनिति/विद्या भवन	15.12.1975	28.08.2014
61.	डॉ. श्यामसुन्दर बैराग्य	शिक्षा/विनय भवन	30.10.1973	17.10.2014
62.	डॉ. अमित कुमार विस्वास	अर्थशास्त्र एवं राजनिति/विद्या भवन	20.02.1975	11.11.2014
63.	डॉ. प्रबीर कु. चौधुरी	शिल्प सदन (बुनाई)/पीएसवी	15.10.1961	11.03.2015
64.	डॉ. अशीष मित्रा	शिल्प सदन (बुनाई)/पीएसवी	31.12.1972	17.03.2015
65.	डॉ. अनन्या दत्ता गुप्ता	अंग्रेजी/भाषा भवन	01.08.1974	02.07.2015
66.	डॉ. सोमा चुनारी	वनस्पति विज्ञान/शिक्षा भवन	30.11.1975	07.08.2015
67.	डॉ. एस बालचंद्रन	पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा भवन	17.01.1971	15.09.2015
68.	डॉ. संजय कुमार मंडल	संस्कृत, पाली और प्राकृत/भाषा भवन	15.02.1972	16.10.2015
69.	डॉ. सौरव दस्तकुर	अंग्रेजी/भाषा भवन	05.11.1978	30.12.2015
70.	डॉ. दीपांकर रॉय	अंग्रेजी/भाषा भवन	17.09.1970	05.01.2016
71.	डॉ विश्वजीत रॉय	बंगाली/भाषा भवन	02.01.1978	21.01.2016
72.	श्री सौम्यदीप चट्टोपाध्याय	अर्थशास्त्र और राजनीति/विद्या भवन	21.11.1977	23.06.2016
73.	डॉ. शंकर रॉय मौलिक	सिलपसादना (रंगाई)/पीएसवी	22.12.1969	06.08.2016
74.	डॉ. अर्नब घोष	नृविज्ञान/विद्या भवन	17.06.1975	17.08.2016

वार्षिक प्रतिवेदन
विश्वभारती

संपादक मंडल

प्रो. अभिजीत सेन, (अध्यक्ष) अंग्रेजी विभाग
प्रो. अमृत सेन (निदेशक) गंथन विभाग
प्रो. प्रशांत चटर्जी, गणित विभाग
प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य, पीएसबी, श्रीनिकेतन
प्रो. सार्थक चौधरी, पीएसबी, श्रीनिकेतन
प्रो. देबराती बंद्योपाध्याय, डीईएमईएल
डॉ. सुजीत पॉल, पीएसवी, श्रीनिकेतन
प्रो. संतनु रॉय, प्राणि विज्ञान विभाग
डॉ. आशीष श्रीवास्तव, शिक्षा विभाग
डॉ. सुभाष चंद्र राय, हिंदी भवन
डॉ. बिश्वजीत हलदर, अर्थशास्त्र और राजनिति
प्रो. संजय मल्लिक, कला भवन
डॉ. सुदेव प्रतिम बसु, अंग्रेजी विभाग
डॉ. सौरव दास ठाकुर, अंग्रेजी विभाग
डॉ. जयंत भट्टाचार्य, प्रिंसिपल, शिक्षा-सत्र
श्री. सौमेन्द्र सेन, सचिव, संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन)

डाक पता
शांतिनिकेतन, बीरभूम
पश्चिम बंगाल, भारत -731235

वेबसाइट
www.visva-bharati.ac.in

ई-मेल
visva-bharativisva-bharati.ac.in

फैक्स
+91(03463)262-672

टेलीफोन
+91(03463) 262 751-6 (6 लाइनें)